



जगन्नाथकाथि

2480

ASHA ANCH

ॐ स्वस्ति श्री गणेशाय नमः श्री सरस्वती नमः श्री ३ स्वस्ति नमः श्री ३ महामाया नमः
भद्रव नमः श्री गणपति गनयति च युरी वो विमराज विनायक देवि
य यवर्दन गजाय न सत वरा माहारि स्त्री श्री निस्त्र गजनायक अक्षमाल
सुधनमसतु न नागज गपपी विस था गप माष्वा लुध नमसतु न श्री ३ स्व
सगाहन सवा जु गत देवि विधा सरसुनि सरसुर नमस्तु न श्री ३ स्व
उत मो श्री भगवते वासुदेवाय नमः के वं सि च यौ घे ना स य ते त था मा गी

६३

ॐ श्री ३ मंदायानमो श्री ३ नारायणनामो श्री ३ भगवाननामो श्री
वमराजविनायक देविपुत्रमाहातेज माहावरा वराकर मोहंयु माहाका
गजनायक अक्षमाला स्वत च धामो हविना न त्रैलोक्ये विगत्तारमाख्या
नमस्तुते ॥ श्री ३ सरसरसररुति माहागणविनायक धारनिहना
नमस्तुते ॥ **श्री ३ लालार व सर कल**
ये नारायणनेतथा मारिमाद्यमासवकृते

स्यात्

श्री गणेशाय नमः श्री सरस्वती नमः ॥ श्री स्वस्थानि परमेरिय नमो ॥ उनमो वृथा यन
 या नमो ॥ श्री गणेशाय नमो ॥ ॥ रविविष्णु लतनंग जी नु वरनारवोदरं सुंदर
 उगध पल ध मयया व्या लोह गस्थल ध स्थल ॥ वंदे सैल सुना सुत गन पति कु
 सुभ भग्न कल्याणी ॥ आर गप धरा सं फल ॥ मम स तु विसाले शा ॥ दिप जोति न
 ॐ नमो सिवाय ॥ ॐ नमो श्री सरस्वती नमः ॥ ॐ नम श्री स्वस्थानि देवता यन ॥ ४ ॥
 अविमल फलदा नारं ॥ काम्य संगरा पति ॥ ॥ मुक्ता वल विचार सा साल पद पा म
 काश पहा ॥ हस्ते स्फाटि कमालिका विदधति ॥ पद्मासने स सिता ॥ वंदे तां परमे
 त्रिशीवा कमला सना ॥ सी हासन समासीना ॥ सवीलं कारं भुषिता ॥ ५ ॥ नीलोत्प
 क्षिणी यो कुपान वतु भुज शुक्ल निसर्ग पु जयतु सर्व लोक न ॥ यव ध्यात्वा मा हृदय
 देवि नरोत्तम देवि सरस्वति वैवततो जय मुदीरयत ॥ यथ मसं श्री श्री श्री
 नायाय गंगा जल न अस्मानयात के ॥ श्री रवन्दर कन्दन सिन्दुर नाना सुग

रिचनमो॥ उ नमो वृथाय नमो॥ उ नमो संगाय नमो॥ उ नमो गुरुवे नमो॥ उ नमो धर्म
जी नु वरनारवोदरं सुंदरं दनाद्यात विधारिता अरि मरि ना सिंधु टं सो भा रं प सें दं म
सुना सुत गन पति बुधि प्रदं सारदा॥ ५॥ श्री गणेशाय नमो॥ श्री गुरुवे नमो॥
साले शा॥ दिप जोतिन म सत्ते॥ ॥ सुभ॥ श्री गणेशाय नमो॥ श्री गुरुवे नमो॥
स्वस्थानि देवता यन॥ ॥ अवि रल मत जल निव हं ध म र ल कु लाने जे से वि न क पो लं
विचार सा साल पद मा माद्या जग न व्यापिनि॥ विराग पुस्त क धारिणी म भयता जा घा धि
स स्थिता॥ वंदे तां पर मे अरिं भगवतिं बुधि प्रदां सरदा॥ २॥ सुवर्ण वाधि जां जासा
रं भुषिता॥ ५॥ नीलोत्पल भया वा मे दक्षिणे गरदा सुभा॥ षड्भुज धरा ध्या वा म द
नं यवंध्यात्वा मा एदेवं स्वस्थानि जगदी अरं॥ ३॥ नारायणं नमस्कृत्य नरै र्यै व
न॥ प्रथमं श्री श्री श्री स्वस्थानि पर मे अरधं कं रुक्म सः ॐ कार न चो स्यं॥ स्थाप
नं सिंदुरं नाना सुगंधं स्नानं जजमु का धुप दिप नै व दे फल पुष्प कु वा

स ॥
ॐ स्वस्था ॥
॥ २ ॥

न कर्पूरकचूर वस्त्रदक्षिणातामूल ॥ आदि अनेगसामाग्री मालकोथम
यानपुजायाय फलकोजपधारासोत्रयाय ॥ धर्मेधनकावधारनआरं
व ॥ इश्वरया क्यमननया वभक्ति अधान सजुक्तयानावदको इन्दीयचीन
या वाचनह्रायत ॥ रूपा प्रेरित वाहरानियुजायाय ॥ अछाउध्यादधि
नडेने ॥ ॥ अनलिहापां आदिप्रथमसं श्री श्री श्री मासमासा धालसा ॥
श्रीयायगु ॥ इक्षायानावमननं भालपाव ॥ भगनल श्री ३ ॥ मंदमाया
मायाया ग गधिनगुमुनिधालसा मन्दं मड ॥ रूपं दुषने मड ॥ अदिमड
ह ॥ संसारशृष्टिस्थिति प्रलय यानान ॥ विज्ञाकल मित्रामड सनंदकोभीन
निमडसाशां कोभनं विज्ञाय सामर्थ्य ॥ दकोपानियानुगलसविज्ञा
सान संसारदयके सामर्थ्य ॥ लुत मडसानं वेदसाक्षीने साम
पुनकावविज्ञाकल निरजन निरकाल गुयावविज्ञाकल ॥

सामाग्री मालको धमफु याथे नाल लान का व॥ श्री ३ स्थानि पर मे सर
न का वार वन आरंभ या य॥ धनं लि धर्म दने तु को से रा म हा रु वि जु या
ना व द को इन्दी य ची ना व॥ य क वि त्त या ना व॥ श्री श्री श्री ३ स्थानि पर मे
या य॥ अ छ णु था द भि ना वि य॥ ध ते धु न का व॥ वा स न या वा क न॥ वा घ
मा हा मा या धा ल सा॥ आ दि या सिं॥ आ दि ह॥ म ह मा या रा गु ल सा॥ स सा र
म ह श्री ३॥ म ह मा या धा ल सा॥ आ दि या सि न॥ आ दि या ह॥ ध ह श्री ३ म ह
पं छु घ ने म ह॥ आ दि म ह॥ अ न्न म ह॥ द को सं सार या जी व ध व के न या व॥ वि ज्ञा क
म घा म ह॥ स नं द को भी न न ना व वि ज्ञा क ह॥ ह स पो त म ह॥ सा नं द को ता व तु
नि या नु ग ल स वि ज्ञा ना व॥ कृ म ति सु म ति जु या व वि ज्ञा क ह॥ ला हा न म ह
पं वे द सा स्त्र बो ने सा म थ तु वि ना थं तु सूर्य म द य क॥ भ व ते ज न॥ कृ ध का ल
तु या व वि ज्ञा क ह॥ ध थी रा ह ज ग मा ता॥ अ रू प जु या व वि ज्ञा क ह

॥ शु ॥

॥ २ ॥

श्री श्री श्री मंदमायानजुलसा संसार अथवाय कामनां ॥ जलामय जुयाव
महादेव धुसल अथि धासा विज्ञान ॥ धनलि अथल सपन जुलसालंखसबोना
सगथ्य-शोने गुरवबुधकं हाहा कालयाना ॥ हात जोल पाव विनातियातनाब चीन
हुउपदेस धालसा नप नप धक स्वपो ल आग्याद यक ल धनलि वृत्ता विष्नु म
हुमच नाव ॥ स्वल सेन धिधि धाल स याव आव मि मि सेन ॥ गथ्य याय माल
वचोरां ॥ धनलि ॥ श्री मंदमायानजुलसा अथल सधावरि त्र सोय माल धक ॥ म
सिलुक हा गुयाव लंघ स तु यक ल हाव हा पा वृत्ता या था स धेन जाव ॥ धमा
गंध जुयाव चीउ सीक छ हा गनरां वल धक ॥ मननं भाल पाव फल हि लाव
रुकनं अथि कल आसन स धेना व रुकन फल हि लाव सो केवल स रुकन
सील हने वल स्वया व वृत्ता विसेवने तेन वना व वेल स रुकनं वा लु छ प
व वल गुस्वया व धव धे ध मनं आ न्व र्थ वाया व ॥ गनव म चाला व निरवति

मनानं॥ जलामय जुयावचोन धायय॥ हापासत्त रजतमधयात्त ब्रह्मा विष्णु
स्पन जुलसालंखसचोनावरेणस्प नरी श्रीमदंमाया॥ जिमिस्पनं चालंखः
नाव विनतियातंनावचोनवेलस॥ आकासनामि जुयाव धुमित्त उयेदसविल
प्र धनलिब्रह्मा विष्णु महादेवरांतायाव धावाव गु ध मसेन धाल धकं
मि सेन॥ गथयाय मालषे धकं॥ ध स्वस्वस्पा नं॥ ध जलस वोनावतपयाना
वरि त्र सोय मालधकं॥ मनरां माल पाव सक्तीस्वरूपरां॥ लधो लगित काव
माया धासथेन जाव॥ ब्रह्माया आसनथेन कलकं विज्यातं॥ ध वेलस ध दु
भालपाव फतरि लाव सोक वेलस॥ हकनं बाल छपात अ पो ल दयाव वल
एव सो केवल स हकन बाल छपात अ पो दतं या ववलं हकन ध सि क स या
लस हकनं बाल छपात॥ अ पो ल दयाव वल ये पात बाल ब्रह्मा या जुया
गनव म बाला व मिस्वतिसियाव॥ नपयाना स्पे विज्यातं जुलं॥ धनलि श्रीमं

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ३ ॥

हं माया न तु लसां ॥ प्रा व विष्णु या य रि त्र भ य ध क म नं भा ल पा व ॥ गु ना नं चि
हं माया न तु लसां ॥ वि ष्णु या सा मि प स वि ज्ञा क तु ल ॥ ध व वे ल स वि ष्णु न तु
वे स ध द र्ग ध जि था स व र न वि त्त ना या ना क य न न व गु ष ना मा त्र ना ग य न्न र
व श्री मा ह दे व या च रि व स य ध क म नं भा ल पा न ॥ श्री मा ह दे व या था स वि त्त
ग गु ज ला म य तु या व ची न था य स ॥ ध वी गा गु सी क र ह च य क ल ह ल
म रा नं भा ल पा व ॥ ध व आ स न स व ॥ स प ति त कं चु क ल ह व गु र ना वा ॥ ध व ला ह
सि क जा या वा ॥ ध व आ स न या से वि न्पा ना क त प या स्य वि ज्ञा क तु ल ॥ ध व
म न आ स न या क ॥ श्री ३ म हं मा या न व ना व ॥ गु ति र स ना या व नि र्म र व मा त्र
श्री ३ म हं मा या भ वा नि भ व र प तु या व मु र्मु क न र्मि ला व ना ना र स रं ग न क
क तु र ध व वे ल स ॥ मा दि स किं श्री ३ म हं मा या न तु ल सा ॥ प धि स धि या र
वि ज्ञा तं ध जे ग नि द्रा या के न ॥ श्री मा ह वि ष्णु भ वि याना व वि ज्ञा तं ॥ ध व

भालपाव॥ गुनानंघिभायभुचुयकल यमावा॥ धसिक अरुप॥ श्रीम
धवेलेसविष्णुनजुलसा॥ धउधर्गधसिकल॥ गनंयुयकलल
चनामात्रना॥ गपललतावविस्ववनंरवतावा॥ धप्रमाया नजुलसा
माहोदेवयाथासविष्ठाकजुल॥ धनलि॥ श्रीमाहोदेवनजुलसा धधि
ीकदलसुयकलल॥ धवदाग्रास्येयैरव॥ धजातीललेगुमधुधकं
वगुशनावा॥ धवलाहातिनाजोनावा आदरसभावरा धवसक्ति अरुप
विष्ठाकजुल॥ धनलिमनरांक्षितिंरासमचासेद्योमचास्य आदरभा
यावनिर्माखमात्रनं॥ धर्गधसरिरेलोलावा अनिवा नकअरुपनः
वना नारसरंगनहदाया नाव आनदन॥ श्रीमाहोदेववनापविष्ठा
॥ धधिसिधियायगुकासनाओ॥ गोगमाया गोनिमुजुयाव
गनावविष्ठातं॥ धलश्रीमहाविष्णुनजुलसा॥ जलसयन नुयावा स्वा

॥ गुरु ॥

॥ ३ ॥

विज्ञातं॥ थोबेलसश्रीमहाविष्णुयानाभिनसहस्रदलकमलउत्पत्तिल
ज्ञातं॥ धनलिश्रीब्रह्मानजुलसांमनसंउदासजुयावथबलाहानयापचि
नक्षोतं॥ पुनर्वारुनखवयारूपोतयापुन॥ पिकायाव॥ स्वनजलसकुति
केतवधयानामदेत्पथलउत्पत्तिजुल॥ वयारुसोतयापुननिन॥ के
त्पनिलकथनसुखपक्षयाचनुमाजावधेरि॥ धियातवधिकलजुय
चित्तलयावधालं॥ भा३मधुकेभा॥ आवशिजिसथजलसजकचोनावधु
म॥ धतेनपशमपक्रमयायतेलधकं॥ आवभादि, सक्ति आ३महंम
प्रधारयारयानांवनिलखनावमाहाकवनश्री३महमायाभादिसगती॥ महंम
दपयेनतपस्यायानावचोनं॥ धनलिथयरा न्यस्यायाकवडावश्री३म
त॥ भोभक्तजन॥ मधुकेटवमदेत्प॥ धपनिलसयाभावभक्तिवनावजिज
फेनेतेनाफेवधकंआशादयकसेविज्ञातं॥ धव्यलहा॥ मधुकेटभ

लक्ष्मल उत्पत्ति लक्ष्मल यामुत्ति श्री वल्मा ७ पत्नी जुयाव वि
पथ वल्लुत या पयिनि नरुसुमेत यात पुईन पि का या व जल संकुटि न का
स्व न जल स कुति न कल को त ॥ धन लि ज व या रु स्रोत या पु नि रा म धु
त या पु र्ति न ॥ के भ भ या ना म दे त्प द ह ॥ ७ त्प ति जु ल ध न लि ॥ ध दे
जा त व धि क ल जु या व व ल ॥ ध वेल स ॥ ध म धु के त व ध या दे त्प न ॥ म न स
स न क चो ना व धु या य स र वि र दे त्प जु ल या व व चो ना या धु प्र यो ज न
स कि आ ३ म र मा या ॥ या क्य त ज स्या या य नु यो ध कं ध या व धि धि स
आ दि स गी ॥ म र मा या या के त प स्या या त ॥ ध त प स्या या क ग दं डे ये दो ल
या क ष ड्वा व श्री ३ म र मा या प्र धा प्र त ध जु या व आ ग्या द य क स प वि ग्या
व भ क्ति व ना व जि ग्य ति सं तृ स्त जु य धु न ग्या व द्ध प नि से न ॥ ध व र दान ॥
रु स ॥ म धु के ट भ दे ध प नि स्प न वि न ति या तं ॥ ई श्व रि ह ल पार से

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ५ ॥

नमो भूतजन यात दया दसे विष्णु हनं हे इच्छर जिमि सुद व मधु पि
नसे वर या विन तिने से विष्णु रुने ॥ ६ ॥ न चल पो ल जु इव निरज
स चल पो ल आत्मा धया सां चल पो ला आदि मठ अन सं दु स चल
विष्णु य जु ल सा जि प नि ने ल जल स थ ल स जि प नि स प्रा न का य सु
कं धा या व थ वे ल स श्री म ह मा या न जु ल सा द मि त न र पि य धु न त था
या अंत र्धा न जु या व विष्णु तं ॥ ७ ॥ न लि ॥ ध दे त्प नि से न व र पु सा
म से क त्प नु या व सि त ल जु लं थ वे ज ल स सि त ल जु व वे ल स ह
जो ना व थ स्य त व लं ॥ ८ ॥ वे ल स स ह स ह द ल या क म ल या मु नि स वृ ह्मा
व स ह स स द ल क म ल या मु नि स धा व ना वा वृ ह्मा या त फ चित य
ध न सि दे त्प न वृ ह्मा या त धालं ॥ ९ ॥ वृ ह्मा अ म क ल या आ स न तं लं
॥ १० ॥

ममि सुदव मम पिता धया हं धलपोल माता धया हं धलपोल धः
पोल जु इव निरजन निरा काला धया हं धलपोल जिपनिसा जिब
अन संदु ल धलपोल धलपोल या कषा दत ना वजी पनिसा कषा या से
निसपान का य मुदयकं प्र स व रु से वि ज्ञाय मा ल धकं वर फो ने ध
वर पि य धुन त था स्तु धकं वर दान विलं धन लि ई व रि श्री ३ मा ल मा
प प नि से न वर प्र सा द ला ना व मन अति मा ल आनंद रां नि स ध जल स
त ल जु व यो ल स ह स द ल क म ल या उ छ पु लु लं क म ध क म ल या उ
म ल या मु नि स पु त्रा वि ज्ञा कर ना व ध व पु त्रा या तं सा स्ति या य भाल पा
ला या त फ चित या ना व क म ल या मु नि स कु ति न क र हो य ते न
ल या आ स न तो र ना व व ने नु ल सा कु नि म व न सा जि प नि स व रु इ
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

॥ ५० ॥

॥ ५१ ॥

यातवायेधकंधायाव धत्तेदेत्ययाछिदुभावाडे गवः॥ वृहान जुलसाभालपाल
धर्ममदु जिने धालसाहु सास्त्र अस्रमदुगु मधु जिजुलं वृहानात माहाव
लसा श्रीपरमेश्वरिया वल पुसादलानाव चीनल आवग ध्यायायधकं॥ मन
सां श्री जोगनिद्रा आरधना याये भालपावः॥ श्री जोगनिद्रा आरधना यासे
कासमार्गतरां आशादयक लं॥ भो वृहान धनकुनिमिर्त्तिनं॥ जित आरधन
विज्यातं धत्ते परमेश्वरिया आगाने नाव वृहान जुलसां॥ विनति यातं॥ देप
हुकेटभधया नाम देत्य॥ निलसेन य शासन त्वलतिधकं जित माहाफ
म जिधालसा धपनिसनापे लायः॥ सामर्थमदु धपनि धालसा॥ माहावल
नाव चीनल॥ धत्ते राजित छलपोल आरधना या नाधकं वृहान विनति या
लसां॥ आगना दयक स्प विज्यातं॥ भो वृहान आवृद्धन धंधा नाया मु म्हाल
माहाविह्वयात॥ जान नी जुये के का व विधधकं वृहान यात बोधल पावः

॥ ब्रह्मान जुलसा भालपलं आवगयेयायधकं ॥ धेदेत्यनां जुधयायसमा
तुलंब्रह्मानात माहावकम दलुवजुकोटनं व्यायसामर्थमहु. धपनिसधा
आवगयेयायधकं ॥ मनसमा हा धंधा कायावचोनं ॥ ॥ धनलि ब्रह्मान जुल
मिन्दा आराधनायासेविज्यातं ॥ ॥ धनलि जोगमायासंतुष्ट जुयावआ
मिर्तिनं ॥ जित आराधनायाना. धनत हु अवस्था जुलधकं आ ज्ञादयका
लसां ॥ विनति यातं ॥ देपरमे अरि ॥ जि ब्रह्मासनस. यो नावचोना वेलस. ना
लतिधकं जित माहाफु चित्ति विलं जितप सासनसं कुतिनकल छोयते
पनि धालसा ॥ माहावलवत जुयावचोनस ॥ हनं धलपोलयावल प्रसादला
धकं ब्रह्मान विनतियातं ॥ धधे ब्रह्माया विनतिनेनाव ॥ श्री जोगमानजु
नधंधा काया मुग्धाल चानधलसा ॥ ध जलससयन जुयाव ॥ योनस श्री
ब्रह्मायात बोधल यावपलासनस छोनं ॥ धनलि श्री जोगमायान जुलः

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ५ ॥

सा श्री माहाविष्णु जागर्तना नृपकावली लं अरे मधुके भदेत्यन नृल
अमधुके भसास्त्रियाकरव नाव श्री माहाविष्णु नृलसा न आणादय
नसचो नावचो नवलस ॥ धृ फ चीतया नाव नृध फोनवल ॥ धो नृध म
खतसा जि न मा पं नृध यात वा योधकं आजा दय कलं ॥ अते श्री माहा
न मा पं नृध यात वनं धये श्री माहाविष्णु व धो मधुके भदेत्यन माहा क क
नृति त्यात का व ॥ मुष्मी न मुष्मी दाय का व ॥ जय पर जय न नृध नृल ॥ गलि
धये नृध नृया वचो नं ॥ ॥ अतलि श्री माहाविष्णु नृल सा लं ॥ अदेत्य
दय कलं ॥ अरे देत्य ॥ आसे आसे ॥ च न भति वि आ मया नावचो व धकं आश
व जि न धो देत्य यात त्यात केत म हा क व नृल ग्या व ॥ श्री महं मा या या आ
या या ॥ आश धना या ना व ॥ अ नृति यातं ॥ हे पर वृ ल ग्या दिस क्ति मा हां मा य
ना म नृया व वि ज्या क ल ॥ ॥ न आदिस क्ति दे व ध या ल द ल पो ल ॥ आदि या

મધુકૈઠ મદેત્તન ગુલસાં ॥ ધનસિ આમા હાગિસ્તુ ન ગુલસાં વ્રહ્મા યાનઃ
ન ગુલસાં ન આગાદ ય કલં ॥ એર મધુકૈઠ મદેત્તન વ્રહ્મા યાપ પ્રાસન
ર્ધ ફોનવલ ॥ પો ગુર્ધ મયા કલ્પયા ક્ષુ ગુર્ધ ફોનં કુ યાય ॥ રૂપનિ વિરુ
પ કલં ॥ ધતે આમા હા વિસ્તુ યા વચન શો નાવ ॥ ધદેત્તન આમા હા વિસ્તુ
કે મદેત્તન પ્રાહા કલ્પ લોલ ગુર્ધ યા નાવ ॥ એનં ગધિં ગુ ગુર્ધ ધાલસાતી ન
ર જયન ગુર્ધ ગુલં ॥ ગલિત ગુર્ધ ગુલ ધલસા ૫૦૩ ॥ યે યો લદપર્યેત ગુર્ધ ગુઃ
ન ગુલસાં ॥ ધદેત્તન વ્રહ્મા ન પુ ય મફ ॥ મા હાકુઠ કયાયાવ આશા
યાનાવ ચો વધકં આશા દયકાર ॥ ધ મન ગુલસાં મનન માલપલં ॥ આ
વ્રા ॥ આ મહં માયા યા આ રધના યા ય ના રધકં ॥ ધ મનં આ પં વ્રહ્મા જો ગમા
પ્રચ્ચાદિ સત્તિ માહં માયા ॥ ફુલ પોલ ગધિન લધાલસા ॥ ધ સંસાર યાઃ
ગ લધલપોલ ॥ આદિ યા મા મલ પોલ ॥ ધ ધ યા લધલપોલ આ

॥ ગુરુ ॥

॥ ૫ ॥

न

कासधयास॥ छलपोलतेजधयासं छलपोल॥ हनंतेजेयातेजहं छल
स्वरूपहं छलपोल॥ हनंतिरंजननिराकासधयासं छलपोल॥ ॥ थस
जुयाचोहं छलपोल॥ हेपमेस्वरि॥ ॥ छलपोलया असस्तुतिप्रायजि
रक्षायायमाल॥ जिगुपानरक्षायासेविज्यायमाल॥ जिनध्वदेत्यनि
व्यावृत्तयायास्यविज्यायमाल॥ हनंतिनावकरुनाचास्यउधारयान
यानाव॥ वरपुसादप्रसन्नं जुस्यविज्यायमालधकं नानामाथनहान
माहाविष्णुन असस्तुतियाकरुनावा॥ श्री ३ आदिसक्ति जोगमाय
कासकां॥ वानि जुयाव आशादयकरु॥ हे माहाविष्णु हनसंदेहकाय
चोन्यहनं जुहयानावच्छ्रुतामर्थम्यनकावा॥ हनधाव हेदेत्यमध
मषनावाजि श्रुतिसुतोख जुयधुन॥ हनदुवरदानफोनेनेनाजि
देत्यपानिसेनधईन॥ हनकेजिमिस्थानवायेवरदानफोने॥ वानध

नं नजे याते ज हं द ल पोल ॥ जल स्य ल ध या ल क ल पोल ॥ जि प नि स ग्रा त्या
या ल द ल पोल ॥ ॥ थ सं सार स व्या प क या स्ते वि ज्या क ह ल पोल सु जे
या अ स सु ति या य जि दु सा म थ म दु ॥ ग्रा व क ल पोल से न जि त पा शा
माल ॥ जि न थ दे त्प नि ल स्या त जु द्वा रा त्या त के म फ या व अ सा म थ जु ल
ना चा स्य उ धा र या ना व ॥ पु स न्न जु से वि ज्या य माल ॥ हु न जि त जी व र क्षा
कं ना ना मा ध न हा त जो ज ल पा स्तो त्र या ना व वि ज्या तं ॥ ॥ थ थे श्रीः
आ दि स क्षि जो ग मा या न जु ल सा ॥ दो ल छि श्री सूर्ये या ते ज थु र का व अ
व द न्न स न सं दे ह का य नु म्वा ल हु न जु द्वा या त रु नि जि त शु मि स क्य दु वि ना व
॥ क न धा व हे दे त्प म धु के भ द्ध प नि स ना यं त्या य म फ या ॥ द्ध प नि प र क
र दान फो ने ने ना जि के फो व ध कं धा या ज ॥ थ वे ल सा ॥ थ म धु के र भ
पर दान फो ने ॥ वा न धा ल सा ॥ द्ध न त म् जि प नि से न ॥ जि त य या धु न क न

॥ श्रीसुस्था ॥

॥ ६ ॥

तमालसा जिमि सके फे वंधं धाई व ॥ ध्वेल सख नवल फे व ॥
देत्य या वचन ने ना ज ॥ श्री माहाक्षु न धालं ॥ भो देत्य कु धाल सा दु
व ध्वेल सजिला हा ति न प्रा न तो ल ते मा ल ध कंधा व ॥ ह न धा दे त्य
सा जल सस्या य म दु ॥ थल सा स्या य म दु ॥ धो ते या नि मि ति न ध दे त्य
रु रा ॥ न दु सं दे ह का य मु म्हा ल ॥ ह रां गु द्या त दु नि ध कं आ ग्या वि
या ॥ अं न र्था न गु या व वि ज्ञा क गु ल ॥ ॥ धो न लि ॥ श्री माहा वि ह
पु सा द का या न दे त्य प नि स ना पं गु द्या य ध कं वि ज्ञा तं ॥ ध न लि ॥
मा हा क को ल रा गु द्या तं ॥ अ न्ग प्र की र न गु द्या य म ॥ व र्ष ६००
सरि र शु सा अ ति शु सा म र्थ गु या व पु ना न भा ल पा व ॥ श्री माहा वि ह
हा वी र र व जि न द प नि स व ना पं गु द्या य म पु न ॥ न धा ल सा ॥
ध कं ध या न ॥ ध ते मा हा वि ह या ॥ आ ग्या ने ना व दे त्य न धा ल ॥ ह म

सख नवल फेरा वरु फेरा नेते ना के व निश्च पवि य ध कं ध या व ॥ १ ॥ अते
 मो दे त्प कृ धाल सा कृ फेरा न धाल सा ॥ कप नि हं जि ह स व ने माल ध क फे
 ध कं धा व ॥ ह न धा दे त्प प नि से न व र दान लाना न त ग द व कृ व र दान धाल
 यानि मि ति न ध दे त्प या सि नं ॥ २ ॥ अति शु कृ या व मु दे स त या व स्पा य मा
 दु नि ध कं आ ग्गा वि या व छे तं ॥ ३ ॥ अ न लि श्री ३ ग्गा दि स ग्गी म हं पं म मा ॥
 मो न लि ॥ श्री महा विष्णु न जु ल सां ॥ श्री ३ ग्गा दि स ग्गी म हं मा या के ॥ व र
 वि ज्ञा तं ॥ ४ ॥ अ न लि ॥ दे त्प या था य स थे न क ल व ना व ॥ श्री विष्णु न जु ल सां
 ध पा य ग्ग ॥ ५ ॥ वर्ष १००० द ल द स मे जु द या तं ॥ दे त्प स्पा य म फे प्रा व थ व
 त पा व ॥ श्री मा हा विष्णु न जु ल सां आ ग्गा द य कं लं ॥ हे दे त्प प नि दं प नि म
 ॥ ६ ॥ कान धाल सा कृ प नि वि र ख व ॥ आ व द प नि से न जि के व ल फेरा व
 व दे त्प न धाल ॥ ७ ॥ मा हा विष्णु ॥ जि प नि स्प न जु द या ना व ॥ ८ ॥ अ न न न्पा तं

॥ गुरु ॥
 ॥ ६ ॥

कावतयधुन॥ करके कायवलफोने॥ धनतमालसा॥ जिमिसके फो बंध
श्री माहाविष्णु नजुलसां मुसुहु नहिलाव आशादयकल॥ हे माहा
सासत्यवाचाया वंधं धयाव॥ धने श्री माहाविष्णु या आशाशो ना
त्रिवाचा या नाववरविल॥ धने मधुकेट भेदेत्यया भाषाने शाव श्री म
निसेन॥ जितवरदानविद्य जुलसा॥ धपनि निसंजि लाहाती नयाशा
जुलसां आशादयकस्पविज्ञात॥ ॥ धने श्री माहाविष्णु या आ
माहाविष्णु धमपु गुलिवलफोन आवकु याय जिमिसा॥ सत्यवा
याय॥ सत्यवाचा अमि आयाय मनेव॥ जिमिप्रान कावंधं ध
शोनाव श्री विष्णु नजुलसां मनरा भालपावगीश कुधालसा जलस
ये॥ आनजत निद्याय माल॥ ध जलयासिनं हिम जो जरा उचु नुय
तकावनिल॥ ॥ धनलि धदेत्यनिसं सयासाहुतियां॥ भो ई के

लसा॥ जिमिसके फे बंधकं अहंकारन धायान॥ ध्वदेत्यया भाखानेन
या शायकलं॥ हे माहा विरदेत्येजितवरदानवियषवला॥ वियखत
विष्णुया आशानेनाव॥ ध्वदेत्यनजुलसांवरदानविषधकंसत्पः
त्यया भाखानेनाव॥ श्रीमाहाविष्णुन आग्यादसेविज्यातं॥ ॥ हेदेत्यप
संजिला हातीनयाशा त्यागयाय मालधकं॥ श्रीमाहाविष्णुसा॥
ने श्रीमाहाविष्णुया आशानेनाव॥ ध्वदेत्यनिनेलसे नंधालं॥ भो
यायजिमिसा॥ सत्यवागवशा॥ आवध्वजिवया मायाकायावहुष
जिमिप्रातकाबंधकं ध्वदेत्यनधलं॥ ध्वनेमधुतवया भाखावचन
योशकुधालसा जलसखासं॥ शुकास संस्थायमनुलगाथेसु
दिमजोजशाउद्युजुय मालधकं फे फलुनानावदिगीजनभुथथा
यासाहुतियाहं॥ भोई केतभ आवदिगीसेरा जलयायमाल॥ ओवि

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ७ ॥

१७ पासि न जि जो न रा भु शि नी सत व धि क ल जु पा व चो ने ध कं ॥ सा
ल नि मी जो न भु त व धी क ल जु पा व के न ॥ थो स्व या व ह न ॥ श्री मा हा वि श
नि य जो न रा भु थ आ न क त व धी क ल जु पा व फे क तु ना व के न ॥
म फ पा व ॥ आ व कु या ये जि मी प्रा रा का व ध कं ध पा व ॥ थ दे ने या भा व
स न या व च कं आ पा व थ दे त्प या त के न ॥ हे दे त्प प्र नि ॥ थ न ज ल ला थ ल
श्री मा हा वि श नु या आ ज्ञा ने ना ॥ थ म धु के ट व दे त्प नि ह्य स रा ॥ थ थ
व थे क व ना व ॥ आ कु ल वा कु ल जु पा व सु क चो नं ॥ ॥ थ न लि श्री मा हा
श्री मा हा वि श नु न थ व मु दे स न या व सा नं ॥ ॥ ग थि न वे न वे ल स स्या न
नि भा ल म द न ॥ रा वी चं द्र मा दु नि ॥ दी न या श्री सु र्य श्री शु क च ल
न वा चा क हा वि न्द्रा क व ल स म धु के ट व दे त्प नि ॥ श्री मा हा वि श नु
नि आ नु या ना व श्री मा हा वि श नु या त पु स सा या त ॥ थ न लि थ म धु

न जु पावचोनेधकं॥ सा मुनियामाव बलं॥ ध्वनलि॥ ध्वन्यनिः
यावह न॥ श्री माहाविष्णु न जुलसा पुनर्वार॥ रुसंधी देस यासि शा
गाव॥ फेकतु नावकेन॥ ध्वसयाव॥ ध्वपपनि स्थान॥ नवधिकल जु पा
याव॥ ध्वदेनेया भावानेकाव श्री माहाविष्णु न जुलसा॥ ध्वगुदे
पनि॥ ध्वनजल लाधलला॥ अकासला॥ धाताललाधकं नेरा ध्वने
वदेत्यनिल्यसरा॥ ध्वथेहाधकं उत्रावियमफयाव॥ ध्वपुनसंकः
॥ ध्वनलि॥ श्री माहाविष्णुरा॥ चक्रकयाव॥ मधुकेर भदेत्यनिल्यं॥
गधिनवेन वेलससात धालसा॥ दीन या निभाल मदनो रात्रिया
श्रीसुर्य श्रीशुचलयर्वत या निभाल मदनो परवत याचोसका
पनि॥ श्री माहाविष्णु न स्या कस्य याव॥ चतुर्भुजबुलाया मनसग
याते॥ ध्वनलि॥ ध्वमधुकेर भदेत्यस्यानाथा सुबुला विष्णुरुद्र

॥ गुरु नि ॥

॥ ७ ॥

सहस्रविंशति नाव आनयाना वविंशतंधर्मी ॥ कुमारन अगष्ट पाहवने भ
स्वदे कुमार ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥
नलि इलाविंशतंधर्मी ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥
थोवेलस बुलविंशतंधर्मी ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥
थतेसा भाव थपुष्पविमानसचोने नुयोधर्मी ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥
माहाहर्षमानया नाव बुलविंशतंधर्मी ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥
हावेगनया पुगष्टया ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥
सेयनं ॥ थवेलसत्रादि ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥
गिरजाया वजीरदाया वधकं ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥
भादिसगती महमाया ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥ पुगष्ट संवादि बुलविंशतंधर्मी ॥
पुष्पविमानथायसथेन कल श्री आदिसक्ति महमायान श्री बुल

हे भगवन्

कुमारन अगष्ट पाहवने भासा दय कली ॥ इति श्री साधु सासने के दार
देवि साधु सासने के दार ॥ इति साधु सासने के दार ॥ ॥ स कंद उवाच ॥
था येस मा भकास मार्गतरां ॥ अका मात्रां विमान छगुलि धेन कल हल ॥
माल पाव धाल ॥ आवरी जी धी जल स चो ना व ॥ नि काह म जु ल ध कंध या व
॥ स्व २ मा हा अ पु र्व स्व भा य मान जु पा व चो न गु क हा व ल ॥ ध कंध या व
वि मान स द शां ॥ ॥ ध न लि ह र वि मान रां वि मान स द ना व मात्रां मः
धो पु ष्य वि मा रा वा यु न पु से न ॥ ध वे ल स ॥ ध अ स स यां ग दि २ जु य क पु
॥ धि धि र वा ल स या व घ स घ स पु ना व मा व ग धे या व ध क हा हा का ल स या
॥ पु सो ह स से न श्री ग्रा दि स गी म ह मा या ॥ सु म र ना या ना व चो न ॥ ध ने श्री ३
त्र न ॥ अ पु र्वि पु र ष्य वि मान रां ॥ छ गु लि धा य स धे न क ल य न ॥ ध अ पु र्वि
॥ स कि म ह मा या न श्री वृ ह्मा या सु ति धी न ह ॥ अ स र ष्य उ य त्रि या ना

॥ श्रीसम्या ॥

॥ ८ ॥

केन ॥ अवे लस चतुर्मुख व हा पा सु रूप व ना व श्री विष्णु व श्री मा हा
स्व व २ रूप स व चतुर्मुख जु या व ची न स व न र व न ला ॥ हे व हा आ
वान क्षाल सा हि जी अति प्र म नु गु ल अ त्वा रा स न र ये यो ध कं स
र ह कं रां मा हा वे ग न ॥ वा यु न पु से ये न अ वे ल स स स स हा म न स चिं
वि मान स ॥ यो रो म ते व ग लि स यो ना नु लं ॥ आव ग ये या य ध कं ॥ ह ला
य स थे न क ल ये न ॥ यो था य स वि ष्णु या मु र्ति र ग ना व के न ॥ अ वे ल स
॥ हे म हा वि ष्णु स्व व २ रु रां ॥ ध न ग मु र्ती यं यो न स ध न ग मु र्ती यं
अ ने नु यो ध कं ध या व यो रा वे ल स पु र्न वार ह कं रां वा यु न पु से ये न ॥ अ
न आ दि स ग ती म ह मा या या ध्या न या ना व यो नं द ग लि था य स थे न
नि नु य ना व ॥ त्रि भु र ग हा या व ॥ द म रु जो ना व ॥ ज ग म क्त द य का व
अ ल वि ष्णु नि ल स न आ ग द य ना व वि म्ना तं ॥ हे श्री मा हा दे व आ

वनाग्र श्रीविष्णुव श्रीमाहासुदु वनिहसैन पुष्पायात के नं० हे बुद्धा
 नरव नला॥ हे बुद्धा आवृजिजीसथ याकेसरन वनेनु योध कं
 त्वाण समर ने योध कंस मधार्या ना बाधा यतेन वेल स स्वस्व पुर्न व
 वेल स स्व प्रसदा मन स चिंतल पावध या॥ आवृजु कोरक्षाम जुल ध्व
 आवृगये या योध कं॥ हला वयोरां॥ अ वेल स पुनरवार॥ छ गुलिथा
 र्तिरगना वकेन॥ अ वेल स पुष्पाव महादेव व नित्यसेरां॥ आ ग्या दया क
 म योन स हन गु मुनी अ योन स हन कशा लाध कं अ याकेसर
 र हकेरां वा पुन पु स यन॥ अ वेल स पुष्पा विष्णु महासुदु अ स्व स्व से
 व यो नंद गुलिथा य स थो न क ल य रां॥ अ वेल स हन माहासुदु या नु
 ना व॥ जग मकु त द य का व व र म द य का व॥ ग या व॥ गु गु गु स्व या व श्री
 विष्णा तं॥ हे श्री माहादेव आ व ग्या य म ते ध कं॥ स्व व स्व व ध कं ह नं द॥

॥ गुरुनि ॥
 ॥ ८ ॥

लपोलचोनथेचोइलखनलाधकंहन
लाधकंधमिनिभेदिमीसेराइहाच
नुपोधकंधधल्लुनबवायुशापुसेय
यानजुलसाथवसविपनिधगुलि
शापुस्ययनगुविमानथथायसथे
हेस्वरथपनिसेरादेवियामुनीरवना
रुपरवनावथससेराककुलसदनः
तनोजलपावथपुष्यविमानकोहा
देविसमानस्त्रीननपनिजिपनिरका
कुलराविनतियानथतेस्वयावथ
नावस्वस्यतातुतीधपाकोछोपावह

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ असंख्य असंख्य देवा जग
रागात कलाय गुणाय विनति पायः
॥ ॐ वेदस्य भी आदिसंगी महिमा
थायसतयावतलं ॐ वेदस्य वायु
न कलुहलं ॥ ॐ नलि बुद्ध्या विष्णुम
नाक ॐ मिसा यामुक्तिं अनिसुपरि
मिरवासो विपुर्ण पुर्ण याना वल
वयईक्षा याना वविनती यानं ॥ हे
क्षा यायमा ल धकं आ कुलं
पुष्पविमारा नं को हा वयईक्षा या
लं ॥ ॐ वेदस्य स्वस्वस्व य गा यमा

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ह ॥

गायकं वेग न वा पुन पुस्तकं हनं धगुलि थाय सथे नाय श्री आ
पनि नितुं देवि रा को स्प ह लं थ देवि नितुं सेन जुल सा पुष्प विमान
लं भो बुद्ध्या विहनु रूद्र आ व द प नि थ वि मारा स चो ने मु म्बाल को ह
देविया आ शा य ना व बुद्ध्या विहनु श्री मा हे वे द थ स्व स स्म रा वि न नि
को हा व य म छा ला जि प नि त्रा दि त्रा दि रा ना थु का ध कं आ ग्पा द य व
सेनं आ ग्पा द य लं भो बुद्ध्या विहनु रूद्र आ व द प नि त्रा स चा य मु म्बाल
म फ या व आ रा ध ना या ना ह श्री ३ आ दि स ग्ती श्री जोग मा या रां द प नि व
व द प नि अ म पुष्प विमान तो ल ता व को हा वा यो ध कं विमान को का र
श्री जोग मा या आ दि स ग्ती ग र्थे वि ज्ञा न थ ल सा सु र्व न या सि द्धा सा रा
थु ना व न या गु लि सिं हा सा न स वि ज्ञा ना ना अ म्मा त्रि का ग न य नि स्या न
लि कु मा रि य नि से न लि त का व दो ल दि श्री सुर्ये प का स गु व थो ने न पि का

आयसथे नाव॥ श्री आदिसगती मह माया पा॥ आदारा थ वस रि
सेन जुल सा पुष्प विमान या बोल जो ना व स्थी र नत या व आदारा दय क
पारा स चो ने मु म्बाल॥ को हा वा यो ध कं॥ आग पा द य क ल कं॥ थ वेल स
वे व॥ थ स्य ल स्य रा वि न नि या ना॥ ओ दे वि सा मान स्थी जन प नि जि प नि
ग थु का ध कं॥ आ ग पा द य क ल॥ थ ने भा राने ना व॥ ई स्वरि या स वि नि ल
प्रा व छ प नि त्रा स चा य मु म्बाल॥ कान धाल सा॥ छ प नि से रा॥ म धु के र भ मो च के
॥ श्री जोग मा या रा॥ छ प नि बो न क ल ह ल थु का॥ छ प नि ग पा य मु म्बाल॥ प्रा
वा यो ध कं॥ वि मान को का या व॥ ई अ रि यो ग मा या या था स बो ना व यानं थ
ल सा सु र्व न या सि द्धा सा रा स॥ हि रा मो ति म नि म नि क्य या त्या दि न व र त्व
म म्ब मा त्रि का ग न य नि स्य न चा क ल उ य का व अ ने ग मु र्ति न उ य का व का
मु र्ति पु का स जु व थ्ये ते ज पि का या व वि ज्वा क॥ थ था य स थे ना व॥ थ न लिः

॥ निगुस॥

॥ ह॥

श्रीब्रह्माविष्णुरुद्रश्च सप्तसेराइस्वरिया श्री ३ आदिसगती महुमायाया गुम
योब्रह्मविष्णुरुद्रस्वस्यां श्रीपरमेश्वरि आदिसगती महुमायाया असु
पोलया श्रीराह्यधालसा भवमायात भमनंतोळपुयावने
याधियाहंछलपोल नोगनिंझाधयाहंछलपोल थथथवि
पोल थपुधिया अधिपतिगुयावविष्णुहंछलपोल निरजराधय
मामंसु वगुमहुलहंछलपोल थवृत्ता ३ राडया अधिपतिगुयावविष्णु
यंमाल हनहेईश्वरि जिपनिसया मा मंछलपोल वगुहंछलपोल छल
मस्कार हनरजधयाहंछलपोल हंछलपोल जिबवाया
पासेविष्णुयमाल हेईश्वरी हंछलपोलया असुतियाय गोहंछलपोल
मेदुजिबहंछलया सुसामर्थ दईवहेईश्वरी जिपनिस असुतिनरवना
कस्वहंछलपोल लात नोजलपावस्तोत्रपाथयात थनलिईश्वरि ३
लाविष्णुरुद्रन असुतियाकस्वयाव हेईश्वरि असुतिगुसिगुयाव आ

२ आदिसगती महमाया गुमर्हिस्वयम लावभो छ नावविशतं थथेचो
दिसगती महमाया या असुनित्यातं भोपरमेवरि परवत्सा दल
न थमनंतो कपुया वजोतिस्य रूप जुया व विज्ञा कलम जो जमा
हं दलपोल थथेच धिया गुधिपति जुया व विज्ञा कलम दल
हं दलपोल निरनराध या हं दलपोल निरा काल धया हं दलपोल
दया अधिपति जुया व विज्ञा कलम दलपोल थथेच निरक्षा या स्प विज्ञा
दपोल वहु दलपोल दलपोल या चरन क मलस सह सर को निरन
या हं दलपोल जिव वाया जिव धया हं दलपोल थतेरा जिप निरक्षा
सुनित्याय मोल से स नाग भन भुर्हि जुया व वोन ह से स नाग या ग
जिप निस असुति न रा व दलपोल संतु स जुया विज्ञा या माल ध
तं थन लिईस्वरि २ श्री आदिसगती महमाया न जु लसां व
असुति ठु सि जुया व आणा द य कलं भो भक्ति जन ध पति सा भाव

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ १० ॥

भक्ति रचना व जिभतिसतो वज्रयधुन आवधपनिसेन बोधोखरि
निवधकं आशादयकसेवि ज्ञातं ॥ ॥ धवेलस ईश्वरीया आ
नलिवत्मायातवरदानविलं कुवरदानधलसा साविविचिनाम
जोगुनयासक्तिसहितरा ब्रह्मायातवरप्रसादविलं ॥ ॥ हराविष्णुयात
लक्ष्मीनामजुयावचोनस्र कक्षपवादिनिसक्तिवियाव सक्तिस
लं हरा श्रीमा हादेव यातवरप्रसादविलं कुवरदारा धालसा जोग
वियाव सग गती सहितन श्री मा हादेव यातवरप्रसादविलं ॥
भायी वलविलं गथधालसा श्री ब्रह्मायातमत ह्रीं १०० दं भा
नगुधालसा सत्यवेता कापरकलि धवेगु गुगयादं जमा ३३२०
राचधिसिद्धिपुरा जुलथुगुहिसापयानाव स्वसलुषुय कुवनेवध न
भा सुवरदानविलं ॥ हराविष्णुयातवरविलं ॥ हनं श्री मा हादेवया श्री

गवधपनिसेन चोपोखरिस अस्नानयाव धपनिस वे सस्ये रनचो
 ॥ धवे लस ईस्वरी या आशाडे नाव पोखरिस अस्नानयाव ॥ ॥ ध
 धलसा सावि वित्रिना मनु याव चो नह सं बाई निस किवियावर
 दविलं ॥ ॥ हरां विष्णु यात वर पुसा दविलं कुवरदान विलु धाल सा ल
 निस किवियाव सक्ति सहित नमो गुरा याव र पुसा दवि हनु यातं वि
 र कुवर दारा धाल साः गोरी नाम मनु याव चो नल सी ह काहि नी मगती
 यात वर पुसा दविलं ॥ ॥ धवे लस मगती होत न स्व स्याती
 मा यात मत हो १०० दं भा वी ली आयु वरदान विला ॥ ध दं गधि
 पे गुरु गया दं जमा ३३२००० थ थीन गुरु ग पे दो लवने वसुं नुं ध
 वस्य सलु पुय कु वने वध नद कि वन ध कं भाल या वध कं बुला यात
 ॥ हनं श्री माहा देव या श्री माहा वि हनु यात आयु वरदान विला गधे

॥ नि गुरु ॥

॥ ५० ॥

विलधाससा॥ बुद्ध्याया विद्या गुग्गुलुवरविल॥ याथे बुद्ध्याया गुदिन॥
बुद्ध्याया गुग्गुलुवरविल॥ आयुवर धनसाधकं विष्णुपातवरविल॥ हंसांश्च
धालसा विष्णुया गुग्गुलुवरविल॥ मिलाष ४२०००००० वनेस्तुष्टशाधव
पनविष्णुया गुग्गुलुवरविल॥ आयुवर गुलधकं श्रीमाहादेवयाट आयुवर
दिसक्तिं महमाया राजुलसा पुनवारः स्वस्वपातं॥ वरदानविल॥ शुक्ल
सुधीया कर्तविपधुन॥ ग्रावध बुद्ध्याया भासा धरात गुल॥ आ
जातं कं कुमारं भाषि याह वने भाग्यादय कल इती श्रीसकद
अगधि संवादे बुद्ध्याया विष्णुया गुग्गुलुवरविल॥ वरदानविष्णुया गुग्गुलु
कुमारं आशादय कलहे अगधि सुनि॥ धनलि बुद्ध्याया नसुधिर
सा राजुलसा विनतियातं हे घंर बुद्ध्याया नगधे श्रीविष्णुयाये जिन सुस
रवाने नावः श्रीमाहा माया राजुलसा भाग्यादय कल॥ भो बुद्ध्याया अका

सं॥ याथे ब्रह्मा या गुदिन ॥ ००० ॥ वने वृक्ष न घलधि या हि सा पधकं
ह्युपास वरविलं ॥ हंरां श्री माहादेव यात आयु वरविलं ॥ गच्छ विल
०००० वने स्तुतुं शक्य न वा गु कला जकरा धक सियकि ॥ गु गुलि हि सा
श्री माहादेव यात आयु वरविलं ॥ हन्यते वर दान विरुद्ध न का श्री ३ आ
गतं ॥ वर दान विलं ॥ वर दान धालसा ॥ ब्रह्म यात धालं ॥ हे ब्रह्मा ॥ वन
मा भाश कशात तुला ॥ आ व श्री वि यात रु निधकं आ ज्ञा दय कसे वि
दय कल इती श्री स कद उ पुरा ने मा घ मा स्त मे का दार रं व दे कु मार
वर दान वि व गु था क था दु र्ध धा य ॥ २ ॥ स्तुतुं उ वा चा ॥ ॥ हन
व न लि ब्रह्मा यात सु धि या कर्ता विलं ॥ अ ते ई स रि या भु शा मे ना व व
ये श्री वि या ये जि न कु सा र्म ध म रु ध क वि न ति या तं ॥ अ ते ब्रह्मा या भा
दय कलं ॥ भो ब्रह्मा अ का स जल स्थल या यु अग्नी अ भ्या ना न पंच मा

॥ अस्य ॥

॥ १ ॥

हस्तुतया नारः सधिया कृतेः ध्ववेत्तस सधियु याव रयी वधु जा ॥ ५ ॥
वधकंः ध्वत्तवरदा न धनता विद्यधु न धकं आ ग्याद य क स वि म्यातां ॥ १ ॥
सा आदय कलं ॥ मो वि हनु आ वरु शात स्थितिया क र्श वि यधु नं ध्वत्त धी र
धनत वि यधु शा माया मय धनत वि यधु न ॥ ह शां द स भवतार का या व
वरदान विलं हनं श्री माहादेव यातं वरदान विलं ॥ वरदान विल धकं
गती गुय का व श्री ३ आदि सक्ति म ह माया नं ग्या शाद य कलं ॥ मो श्री
कर्श कि यधु न आ व धन संहार यात कृति धक आ ग्याद य क से वि म
या ॥ आ ग्या ने नार श्री माहादेव रा आ शाद य कलं ॥ मो श्री माहा मा या अ
धाल सा मध आता श्री व्रत्मान सधिया यि व जिशा ग ये संहार या य ॥ ध म
धिया के ॥ माहादेव न संहार यात धाई व दो र व ह शाद के जित लाई व
नाई के माहादेव न माहा मा या या कृति न तिया तं ध्वत्ति न लि माहा

जुयाव रयीवधु जा॥ धन मनसां भालपायात्रनसुचि जुयाव वई
ताग्गादय कस्यवि म्यात्तं॥ धन्य हरा श्री ३० प्रादिसक्ति मंहसायान जुलं
या कर्शवि यधुनं ध्वर धीया भासा धनत जुल॥ हनं माया कर्श फनत
हसां दस भवतार कायाव देत्य संहार यायगु दसा भासा जुल धकः
विलां ३ वरदान विलध कंधलसा श्री ३ ईश्वरिया सरूप जुय कावः सः
न ग्या सादय कलं॥ भो श्री माहादेव भारु कनद वरदान दसहारया
यक आग्गादय कसे वि म्यात्तं॥ ॥ धने आदिसगती मंहसायान जु
कलं॥ भो श्री माहा माया आदिसक्ति॥ धुगु रिभारा जित मयव कानः
जसाग ये संहारयाय॥ ध माजिन मफु याः काराधा तसा बुलाननः
रव हत्याय के जित लाई व हे ईश्वरिः धुलिया निमिर्शिगां विनतिया
मति यातं ध्वलिनलि माहादेव या विनति ने नारु श्री आदिसगती मंहसा

॥ निगुरु ॥

॥ १५ ॥

मायारा आशयकसेविज्ञातां॥ भो श्री माहोदेवनथुगुलिप्रकारनक्ष
यावः सुलनछरा जन्मराजासुधि यावः पनिसभासविव॥ अनलिजा
हंनरोगजोरसकतांसुधि यावः नतकुंदोरवमडा कुंदुपानमडुधक
स्यायिवगौरियातसिंहवाहिनी आसनवियावः सत्वगुराविव॥ अवेस
रोगः सुधि यावः अनेदोरवदको अयनिसवनिवधकं आशवियावः बुसा
यावः विगुनया मालिकया नावः वयापुष्पविमानसुधमावः वेदाविय
वयावः विमानवायुनपुष्पयकलयनं अविमानगयेवनधालसासु
उधुकेरु अदेनस्यानावतया॥ अनथेनकलयनं॥ अथलसा॥ अथायस
वयोनं॥ अथधालसासिसि कारसलंघो यावः योनयेंधीकचिनावः योन
मालोहः सुधि नुयावः योनं॥ अनेस्वयावः श्रीबुसाननुलसा॥ पृथ्वी अचि
प्रभुतिं सुधि यातं॥ अनलि-यागुलिपर्वतसुधि यातं॥ कुकुं पा

दिवनथुगुलिप्रकारनछननवरदानवियानंछाययायमपुंश्चकंधः
पनिसभारविव॥अनलिकालसुप्रियाव॥अयातमनुयायगुभारविव
वमडाकुहत्यानमडुधकआगादयकल॥देसस्यायमालसागोरिनः
व॥सत्वगुशविव॥अवेससकनतकुदोरवमडुईवमधुहमअनेक
वधकआगावियाव॥बुलाविहनुरुदुअपनिसससयाटत्रिसक्रीवि
विमानसथमाववेदाविदावियावछेतं॥॥अनलीवायुनवहलपा
मानगयेवनधालसासापायाडुगनछिवेगयानावहपायागनम
यन॥अबलस॥अथायसोदेसयाहिवदावठनितानंधीकचीनावषोया
चोनयेंधीकरिनावचोन॥अदेयात्पयालावलोचचवितारापर्वतसि
मानजुलसा॥पृथ्वीअभियातःहमंस्वावरजंगमंलवसिसुद्यास
तसुप्रियातं॥कुकुपालसासुमेरुपर्वत॥गधमादनपर्वत॥कैला

श्रीसखा

॥ १२ ॥

सपर्वतः॥ हेमालपर्वतः त्रि कुनाचपर्वतः चित्रकुपर्वतः श्रीपर्वतः ॥
जमलोकः नपलोकः समलोकः ॥ ध्वनेरुसगुलि भुवनसः स्वमी
या भुवनः अविद्यातः ॥ दुधालसा नलः ॥ आनलः नलानलरसात
भुवना भुवातालः अविद्यातः ॥ ध्वनेरुमानजुलसाः अविदिगः अवि
रावनिधकं नामकुनावनलं ॥ हरां आग्नेयको नसः सुधो वनिधकं
नामकुनावनलं ॥ हरां नगरदुगुलिदयकावनलं ॥ ६ ननैरित्यदे
गुलिदयकावनलं ॥ पञ्चमदिसाससर्दी वनिधकं नामकुना
वा ईवेको नसगांधो वनिधकं नामकुनावनलं नगरदुलिदय
नामकुनावनगरदुगुलिदयकावनलं ॥ देसा नको नस नसव
वनलं ॥ ८ ॥ ध्वगुलिपुकारनः अविः अविदिगः अविद्यायधु
लं आरु नविज्ञातं ॥ हेरां हे भगविभुमिसधिया वसंधापमाग्रन

कुरु पर्वतः श्री पर्वतः कुडुधालसा कृपां भुलोकः सार्गलोकः माह लोक
 सुगुलि भुवनसः स्वर्गीय नमो धिया तं ॥ अ वने या गुला ॥ हने को बने
 आनलः नलानलरसातः निरसातलः सुतलः पतालः ॥ अ न को नयाः
 गुलसां अविदिग अविद्यातं ॥ कुडुधालसा कृपा पर्वदिग गस अम
 को नसः सुधो वनिध कं नाम कु ना वन लं ॥ दक्षि नदि सयमपुरधं
 का वन लं ॥ ह नै रित्य को न स ह ह्ना ध कं नाम कु ना वन लं ॥ उ वन
 वही वनिध कं नाम कु ना वन लं ॥ ह न रागर ह्ना गुलि दय का वन लं ॥ ह
 न वन लं रागर ह्ना गुलि दय का वन लं ॥ उ न रदि सा स अल्का पुरध कं
 हः दिसा न को न स न स्व वनिध कं नाम कु ना वन लं रागर ह्ना गुलि दय का
 अविदिग अविद्या य धुन का व ॥ अ ल्या न गुलसा भाशा दय का
 धिया व संक्षप मात्र न ह न न क ना ॥ मे व गु पुर न स वि सार या ना व क ने

॥ निगुल ॥

॥ १२ ॥

हे गवि मुनिस्वर आवधुगुतिरवकनेधुन॥ आहलपोलयाहुईआ जु
ग्यादय काव॥ अनेगुमारनं या आनामना अ गवि रिचिराधया॥ मे
शाव आजादस्पवि ज्ञातं॥ हनं भुवनदिगदय कलधकं॥ आवधुगु
पालजुल॥ गयो रयात॥ अविस्तरनया ना कनेमासधकं॥ धया
आशदय कस्यवि ज्ञातं॥ हे अगवि मुनिस्वर॥ भुवजुदिगपालयारव
सभुवनस श्रीमाहादेववि ज्ञातं॥ वैकुंथभुवनस श्रीविहगुवि ज्ञातं॥
सजिमा मया वसि वि ज्ञातं॥ स्वदधभुगशा सजिथायधकं॥ धुमभुवन
लोकवि ज्ञातं॥ हे अगवि मुनिभुवनयारव केनेधुन॥ आहदिगपाल
गवि मुनि॥ अहसकस्यपरिधिया कायमयाहसस्यनहिमालयपर्वत
माहाकचनया वनपस्याया करवनाव श्रीमाहायायासंतोखगुय
धननपस्यानजि अतिसंतोखगुयधुन॥ आवधुननपुर्वदिगद

सहस्रपोलयाहुईआ नुल उगुलिआ सादयकसवि आहुनेधकआ
अगधि रिधिराधया॥ भोचा वंसिरादन आवधलपोलसोरासधि
यकलधक॥ आवधगुलिभवनसंसुसुदेवताविन्यासं॥ सुसुदिग॥
माकनेमालधक॥ धयाव॥ धनेअगधि यावचननेमाव॥ कृष्णरसां॥
र॥ भुवजुदिगपालयारवकनेदेनधक॥ हेअगधि मुनि॥ रुपांकेला
वरासश्रीविष्णुविन्यास॥ सत्यभुवनसश्रीब्रह्माविन्यासं॥ उमाभुवन
निथायधक॥ भुमभुवनसधुमरिधिवि न्यासं॥ देविभुवनसरिधिव
नेधुन॥ आहुदिगपालयासकरोयकचितनयासनेधुन॥ हेअ
हस्यनदिमालयपर्वतसपनावनप्रस्थायासं॥ लाजासंपर्ग
मीमाहायायासंतोहभुयाव॥ वरदानविलाभोईधुधकंनमकुनाव
आवधननपुर्ववदिगया॥ अमलावतिथाराज्यननवि यधुन

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ १३ ॥

धक ॥ ६६ ॥ आ व ध ध निरिा सं भ म ला व नि स ची न रु नि ध वं ॥ आ ग पा
सा ना व ॥ म न रां न म स्की पा ना व वे ला का या व व नं ॥ ध न लि ह न म
ना व ॥ न प स्या या क ॥ ध स या व श्री म हं मा या पु सि जु या व ॥ ध या न
ग पा ल या ना धो तं ॥ ध न लि ह नं ध स स्य न हे पा ल य स व र्ता व
न प स्या या क व चो तं ॥ ध वे ल स श्री म हं मा या दा ह र्च मा जु या व ॥ ध य
आ र वि या व धो तं ॥ ध न लि ह रां ध स स्य सि या व ॥ ध न हि मा ल य स व र्ता
श्री म हं मा दा र स ता या व ॥ ध या न नै रि स्य ध वं न म दु न म व रि स्य या धि
या व धो तं ॥ ध न लि ह नं ध स स्य न हि मा ल य स चो र्ता व न प स्या या नं
या व ॥ ध या न व रु रा ध वं न म दु न म व ॥ प धि म या धि ग पा ल या भा ला वि
न नै र्ता उ प दे स का या व ॥ ध प नि पि य ५२ गु ल मा हा पु रु र व प नि स्य न हि
ध वे ल स श्री म हं मा या न श्री ग्पा द य व लं ॥ ध प नि या त ५ फो ने र्क्षा य

वस्यो ननु निधं आ ग्यादय कसे वि ज्ञातं ॥ अने श्री महं माया पा आ
 पाव वनं ॥ अनलिह न मा हा पुरुष ध सवया व हे मा लय पर्व त सं व
 माया सुसि जुया व ॥ अयात अ ग्री धं नाम दु ना व ॥ आगे को न या दि
 स्य न हे मा लय स व न व न प स्या या नं ॥ अने ग क थ रां क व न या व
 माया हा ह र्च मा जुया व ॥ अयात न म थ क मा म दु ना व द हि न दि ग या ॥
 या व ॥ अ न हि मा ल य स व ना व ॥ मा हा क थि न या व न प स्या या नं ॥ अ वे ल स
 कं मा म दु मा म व रि न या दि ग पा ल जु या व यो न नु नि धं वि ला व को वि
 य स यो न व न प स्या या नं ॥ अ वे ल स श्री महं माया अ ति ह र्च मा न जु
 म या दि ग पा ल या भा ला वि या व को नं ॥ अनलिह रां मा हा पुरुष प नि से
 म मा हा पुरुष प नि स्या न हि मा ल य स व ना ॥ मा हा क थि नं न प स्या या नं ॥
 प नि या त ५ को ने ई क्षा या ना जु ल ॥ ३ गु रि ब ल को व ध कं आ ग्या द नं ॥

॥ नि गुरु ॥
 ॥ १३ ॥

અને શ્રી મહામાયારા આગાનેજાના વધ પનિસ્તે ન જુલસા હાત જોલ
પિયગુ ૫૨ સંધસ ગુપ્ત પુષ્પમાલધ કં ॥ ૬ નરવે મદય કં માહુ વેગન
શ્રી મહામાયારા આગાદય કાવા ૫૨ પનિપિયગુ ૫૨ સંધસ ગુપ્ત પુષ્પમા
ધ કં ॥ ૬ નંદમિસનામવાઈ જુલધ કં ॥ આવધ પનિવા યિય કો નયાનિ
યારાવદી ન વિચાર દોતં ॥ ૫ નલિ હરાં ધસીયા વાત તાયા વા ૫ ન
અવેલસુ શ્રી મહામાયા ન જુલસા ॥ ૫ યાત પસ્યારા અતિ સંસ્તુ ગુ
રાજિ અતિ સંસ્તુ ગુપ્ત ધુરા ॥ ૫ વધ રાત ઉત્રદિગ પાલ ગુપ્ત ધ
યાદિગ પાલ વિચાર દોતં ॥ ૫ નલિ શ્રી મહામાયા અસ નદિ માલયસ
વગે ન ॥ ૫ વેલસ ॥ શ્રી મહામાયા ધુસિ ગુપ્ત વા ૫ યાત વરદા ન વિલં ॥ ૫
લં ૫ રાત પસ્યા નજિ અતિ સતી ધ ગુપ્ત ધુન આ વધ ॥ ૬ સાન કોરા યાદિ
શ્રી મહામાયા યા શ્રી જ્ઞાનેજા વા ॥ આગા સિલસ પુષ્પ વા ૬ હરિમાયા ના વા ॥

स्येन गुलसा हान नोल पाव विन नियातं ॥ भो श्री माहा माया ॥ जिपनि
विमदय कं माहा वेगन वने फय माल ध कं वर दारा फो नं ॥ १ ॥ वे ल स
गु ५ २ स ध स गु म फ य माल ॥ ह रां व ने म द य कं मा हा वे ग न व ने फ य म ल
पनि वा यि य को न या दि ग पाल गु या व पो न रु नि ध कं ॥ श्री म ह मा
सी या वा त ता या व ॥ ५ ॥ न हि माल य स व ना व न प स्या या ना व चो न ॥
प स्या रा अ ति सं स्तु गु या व ॥ आ ग्ना द य क लं ॥ भो कु वे र ॥ ६ ॥ न न प स्या
उ त्र दि ग पाल गु या व चो रा रु नि ध कं ॥ कु व र ध कं ना म कु ना व ॥ ७ ॥
ग या अ स न हि माल य स वि आ डा व ॥ मा हा क वि न या व न प स्या या ना
य या न व र दान वि लं ॥ भो वि स्त र्क मा ध कं ना म कु ना व आ ग्ना द य क
व ॥ ८ ॥ ई सान को रा या दि ग पाल गु या व चो न रु नि ध कं ॥ आ शा वि या व ॥
रु या व ॥ ह वि मा या ना व ॥ अ नं अं न धा ना गु या व ॥ ई सान को न या

॥ श्रीसत्या ॥

॥ १५ ॥

दिगपालजुयावचोनवनं॥ हे भगवति मुनिस्वरचनलिचर्तुमस्त
दक्षप्रजापतिधस्रउमत्रीयातं॥ हराखवयातुतिनविरनिधयाम
कंयासदव॥ थज्यसदक्षप्रजापति॥ थनलि॥ थपनिनिस्त्र श्रीवृ
रमियागर्भसदतं॥ पुनर्धरपिलापुलाहिसासंभुरी जुयाव॥ कंयाप
लसाजयसव॥ ५०॥ कंयाजम्यजुलं॥ थकंयापनिजुसां॥ भुक्तपक्षे
नाव॥ दक्षप्रजापतिनजुलसां॥ थवस्याचपनिसुकं॥ यादानविद्यया
यातकंयादानविद्यधकंमरानंभालपाव॥ थवपुत्रीपनि कंयादान
कस्यपरिधिजेनकलकोपावर्णेहितराजज्ञभारंभयानजाव॥ याल
लसां॥ थवस्याचपनिसहालाहातजीनावा॥ यावविरनिनकं
निसनाम॥ अधितिधयास॥ धनुधयास॥ कारधयास॥ मेन
स॥ थलिष्ठाधयास॥ विनताधयास॥ कतुकधयास॥ मरा

निस्वर च न लि चर्तु मुख वृत्मान जुलसां थ वृत्त वया जुती न मा हा विर
 तु नि न विर निध या नाम कं न्या ह्य उ त्पत्ति या तं ॥ अ धि पु जा प नि ध
 लि च प नि नि ह्न श्री वृत्मान जुसां स्त्री पुरु रव या ना व विलं ॥ च न लि वि
 सं पु र्ण जु या वा ॥ कं न्या प नि ज न्म जु लं ॥ गु गु क थ न कं न्या न न्म जु ल धा
 न्या प नि जु सां ॥ भु क्र प क्षे या च न्म मा जा व थो ॥ त व धि क ल जु या वा ॥ व न र
 नि सु कं न्या दा न वि य या त वि र नि या के सा हु नि या ना व ॥ क स्य परि धि
 ॥ थ व पु श्री प नि कं न्या दा रा वि य या त ॥ मा ल को सा ग्री ना ल ला त का व
 मारं थ या न का व ॥ मा ल को क र्म या य धु न का व ॥ द धा पु ना प ति रा जु
 वा ॥ मा म वि र नि न कं न्या दा न वि लं ॥ सु सु धा ल सा न्या कं न्या प
 ॥ का रा ध या ल ॥ मे ना ध या ल ॥ सि हि का ध या ल ॥ प को ध ध या
 क तु क ध या ल ॥ म रा द जा ध या ल ॥ प्र धा ध या ल ॥ क पि ला ध

॥ नि गुरु ॥

॥ १ ५ ॥

याह १२॥ करारध याह १३॥ थुहिकं न्यापनिसनाम जुलं॥ थन वि
रादयाव वलं॥ भदिनिध या या के रां प्रहाद प्रभुति तेनिसस के ति
रासिंधि काध या के रां राहु के तु जन्म जुलं॥ औध ध याह या के रां के
गरुदु प्रभिति पंधि ता रागरा जन्म जुलं॥ कपि लाध याह या के नं
सि॥ पसु द के जन्म जुलं॥ कंदुध याह या के नं॥ सेव नाग॥ अंनं न नाग
कलि नाग॥ कर्कोत नाग॥ संरया ल शा ग॥ प्रभुति॥ नाग द के जन्म
धव क लात विर वि या के साहुति या ना व ध र्म जे न क ल दो या व॥ पु
जुल सां॥ थव॥ ह्या च पनिस व ला हात जो ना व॥ विर वि रां कम राउ
रा वि लं सु सु ध ल सां॥ वि ति ठ या ह॥ ल क्षि ध या ह॥ मे ध धा या ह॥ १२
या न ति ध या ह॥ भदिनिध या ह॥ थन के न्या पनिस नाम जुलं ह

निस नाम जुलं॥ धन हिस रुपा का ला तर स क स परि धिया संता
द प्रभु ति ते निस स के ति देव ता ज न्म जुलं॥ कां धि ना ध या ल या के
नि ध ध या ल या के रां को ध द को ज न्म जुलं॥ प्रो धा ध या ल या के रां
पि ला ध या ल या के नं का म धे नु सा पु न्म ति सि ह या पु न्म सा स ल कि
॥ से च ना ग ॥ अ नं त ना ग ॥ जाल सु कि ना ग ॥ प ल ना ग ॥ म हा प म ना ग ॥
पु न्म ति ॥ ना ग द को ज न्म जुलं॥ ॥ पु र्न वार द क्ष प्र जा प ति न जु ल सा
मि जी न क ल खो या व ॥ प्रो ही त ज ग द या न का का व ॥ द क्ष प्र जा प ति रा
व ॥ वि र मि रां क म रा उ भु न ज ल धा रा हा य का व ॥ धि र्म या न कं ना दा
या ल ॥ मे ध धा या ल ॥ पु वि धि या ल ॥ स र्वा ध या ल प क्का ध या ल द ल
या प नि स ना म जु लं हां क ति का धि ठ या ल ॥ पु वि ध या ल व ॥ ध

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ १५ ॥

नैकं व्यापनिसनाम जुलं ॥ ६ न धर्मयातकं व्यादानविली ॥ ॥ १५ न वि
विरनिसधारायां तं ॥ १५ न धर्मयातकं व्यादानविली ॥ ॥ १५ न वि
लकोसा माग्री न धारया न ॥ सुदिता स्तया न ॥ प्रेरहितरा न नयान
नतिय जाव पा २ पंटे मरया वस्त्रा नितका व ॥ नाना मंगल जात्रा या
या ना व ॥ ५ धा पुजा पति न धर त्या च पनिस ला हाति जो ना व ॥ विरनिसा व
तिन वाक्य यात ला व ॥ ५ धा पुजा पति रा चं नु मा यात कं व्यादान विली ॥
मि ॥ इति का ३ रे इति ॥ ५ न सि हा ५ गु हा ६ पु न र्व सु ७ नि ष्य ८ अ सु रवा
सा ९ चित्रा १० स्थाति ११ वि सार वा १२ अनुराधा १३ ॥ १४ ॥ १५ सु ल १६ १७
सात पि रा १८ १९ भ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ध या ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥
॥ हे मा ग व सु नि ह सां या त आ ध र द य के ध कं ॥ मनं भा ल पा मा त्र न

दानविली॥ ॥ अमलिसा हनं पुनर्वा २५७ जापनिरा तुलसा॥
॥ अं न्यादा नविषु धं ॥ धन कलानविरनिय कस ता रु नि यानं
॥ प्रो रहितसा न नयानका बाध न ह्या चपनिसमनि मानि जे या अलंकार॥
॥ वा नाना मंगल जात्राया ना ॥ चं नु मावो शाक ह्यो या वा ॥ मा हा ह विमारा
॥ हा नि जो ना वा ॥ विर निरा उ मं रा लु रा न लु धा रा हा य का बा ॥ गुरु व स प ॥
॥ मा यान कं न्या दान विलं ॥ ॥ सु सु कं न्या दान विल धा ल स ॥ अ सु नि ॥ भ रु नि
॥ पु न र्व सु ॥ नि ष ॥ अ सु र्वा ह म द्या ॥ पु र्व फी गु नि ॥ ५ न र फी गु नि ॥ २ ह
॥ ५० ॥ न य ष ॥ ५६ सु ल ॥ ५७ वी वा द ॥ ५८ उ न रा रा द ॥ ५९ अ व न ॥ २२ ध ने वा ॥ २३
॥ २७ ध या ल ॥ अ न्य नि य रु स ल कं न्या प नि स ना म तु लं ॥ पु न वी र वा ल के ॥
॥ अं न ॥ अ न लि नी य रु स ल ॥ न क्ष त्र ग रा तु लं ॥ ध न या र व धु लि तु लं ॥
॥ धं ॥ म नं भा ल पा मा त्र न स ॥ अ स स वि यानं ॥ स व न वा न को पु न सिल

॥ नि गुरु ॥

॥ व ॥

अने ईश्यादि गुलितो माल ५ तो समसं श्रीसि ययाधुनकाव बुद्ध्याया
कुमारना ॥ अग ॥ यादुबने शुभादादयक लं ॥ ईति श्रीसकद ५ ५ राशे
सधाये बुद्ध्यावरदान राक्षसमनुष्यादिरपंतग नागलोक ईश्या
दुवाच ॥ हे अग ॥ मुनिराक्षस ॥ पंक्ति गंधककिर्नर सिद्धिचा
नं ५ र्पति जुलधक ॥ हे अग ॥ मुनि श्रीसि खसं क्षयमात्रन दुनत
धक ॥ हे अग ॥ मुनिस्वर भापु शुगुलिरवकने रापन धक ॥ ॥ धनति
क्षप्रजापति या त्या चपयस जोरि दस्यो न ॥ हन दक्षप्रजापति
न ॥ दुपानदिशास ॥ देवलोकपति सेन जुलसा ॥ सभादयकाय
सा ॥ देवलोकपति धि धि आगादयक लं ॥ मोदे कपनि द्विजिस
धेयाय माल ॥ सुनाशा द्विजिसा ईहि याना व विईवा ॥ अने शा ॥ ध
सव हल सुस्यो न ॥ दक्षप्रजापति या त्या चपनि ॥ पुदिकंदसे

ये यथाधुनकाव बुद्ध्या यामनस मन्यमानाः ॥ यथा यस्मिन् अधिक
लं ॥ इति श्रीसकद्वय पुराणे श्रीमद्भास्वतमे केदारखंदे कुमारभगवत्
संपन्नं नागलोक ईश्यादिपुनिकथा निराध्यायः ॥ ३ ॥ स्तु
तिगंधर्वकिन्नरसिद्धिचार आदिना धर्मसमनं कस्य परिरिचयाके
रखसंक्षपमात्रनद्यनतकना ॥ विव ७ गुपुशनसविस्तारयानात्मे
कनेरायनधेयं ॥ ॥ धनलित्यनुपास्यगतायखनिह्याया ॥ कृपा द
यचोन ॥ हनदक्षपुजाप्रतिपात्या यपनि सुयस्वकीति दस्यो
न जुलसा ॥ सभादयकाव ॥ साहुतिया ना ववि ज्ञातं ॥ ॥ ध्वबेल
लं ॥ मोदे कपनि द्विजिससुया ॥ कंन्यादानकायमधुनि ॥ आवग
नाव विईव ॥ धनेरा ॥ धनधमनं स्वयनुयोधक आविजि
पात्या यपनि ॥ पुदिकंदसेचोन ॥ धनिसकंन्याधायक लदी

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ १६ ॥

यद्युपोधकं सा कुतिया यधुन वृक्षा वृ॥ नारद रिषि वीनक लखे
भो मुनि श्वर छलपो लदक्ष पु नारति पत्नी या दे सवि ज्ञा य मा
के रां कं न्या य नि॥ गृ धि क द से चो रा॥ अ कं न्या ए नि॥ पित वि द जि
ग्या द य कि व॥ आ ग्या द य क से पि न्या ये मा ल वि द ने॥ पित वि द
ल ह ल ध क॥ आ शा द य क्ता व॥ भो मुनि श्वर पुलि मा छ ल पो ल वि न्या ना
कं॥ दे व लो क नि से न दिन ति या ना व॥ वे ला वि या व द्यो तं॥ अ न लि ना र
मा व॥ ॥ द क्ष पु जा पु ति या था स वि न्या ना ना वृ॥ आ द य क लं
र शा ये व ना म गृ द्या न ध न ध ल सा॥ कृ धा ल सा दे व लो क प नि स्या र
उ ला ध क॥ द क्ष सा॥ दे व लो क नि छ फे न क ल ह ल ध क आ ग्या जु ला॥
कार न धु लि धु ला ध कं॥ आ शा द य कं लं॥ ॥ अ न लि द क्ष पु न प नि
या तं॥ भो ना र द छ ल पो ल वि न्या ना आ ग्या द य क गृ ष ने ना व॥ जि

॥ नारदरिषिर्कोनक लक्ष्मणाय ॥ नारदरिषिर्पाके विनति या तं ॥
 यती प्रादे सवि म्मा य माल ॥ चान्धालसा ॥ दक्ष पुजापति या
 व कं न्याय नि ॥ पित वि द जिगृहा मजि वल ध कं ॥ छ लपो ल से न भ
 ये मा ल वि द ने ॥ पित वि द न सा ॥ दे व लो क पति से रा के रा क
 पुलि मा छ ल को ल वि म्मा ना व ॥ ये लि स ल द य आव वि म्मा य य माल ध
 वि या व द्यो तं ॥ धन लि नारदु ऋषि रां गु ल सां ॥ दे व लो क पा भा शो ने
 मा ना व ॥ शा द य क लं ॥ मो द क्ष पु जा पति ॥ धन के व या या का
 माल सां दे व लो क पति स्य रा छ न पु श्री पति कं न्या दान वि द्य तु ला म
 क ल ह ल ध क आ ग्ना गु ला ॥ मो द क्ष पु जा पति जि न छ शा के व या या
 ॥ धन लि द क्ष पु जा पति गु ल सां ॥ नारदु या व च रा ने श व वि म्मा ति
 म्पा द य क गु ष ने श व ॥ जि म न स ॥ गृ हि तु मुी गु य धु न ॥ छ लपो ल

॥ वि गुरु ॥

॥ १६ ॥

विष्णुनागुष्माभिराधुकादेवलोकराधुसितआग्यादयासभवस
धुकाजिघनिसंघाहाभाग्यधुकाधकदक्षपुजापुटियाधवथाथ
लपोलविष्णुनाग्यासमस्तजिवधुकाधताहुकोजिराविनसिया
सथासवियगुलसतिदेविधलकोविद्यमजिववियमहुजिसमति
हुजिकायधालसांस्माचधलसांथधलजितमालमेवदकोया
वलोकननिसानगुहुहुआशादयकलवधुजिवधेधकंआग्यादय
थेअथायासेविष्णुविष्णुनेधकंदक्षपुजापतिसाहुलसांनारुदु
गुजामान्ययानावधुलिधुनकावनारुदुरादक्षपुजापयाकेवेल
कपनिविष्णुनागशाअनथेनकलकिष्णानावतंथनलिदेवलोकपि
नववसनावदेवलोकपनिसेननेनंभोनारदमुनिधलपोलवि
लाधकंडेनागानारुदुमुनिराहुसांकंनंभोपरमेस्तरदेवलो

न आशाद व्यास नवस्मरति न भुक्ता ॥ जि ह्या च पनिस त आशावन्
पुजापुटिया थवथाथ मरासुसि जुया ॥ धा लभो नारुदुमुनि अर
मा जु को जि रा विन नि या रा ॥ गथा धा हा सा जि ह्या च नि द क या थ
जि व वि य म रु जि स प नि या वि चाल या त के मा ल ॥ जि का य म चा म
ज न मा ल ॥ मे व द को या स था स धि य जे क ना जु ल दि न या था स दे
जि व वे ध कं आ शा द य कि व ॥ दे व लो क प नि स्म न ग थे आ शा द त ॥
प ति सा जु ल सा ॥ ना रु दु का त लि स ल वि या व नार द या त ॥ अ ने ग
॥ द भ पु जा प या के वे ला का या व ॥ नार द मु नि रा जु ल सा ग न दे व लो
॥ प न लि दे व लो क प नि से न ना रु द मु नि थे रा क ल वि ज्ञा क स न
॥ र द मु नि ६ ल पो ल वि ज्ञा ना गु ग्पा ग थे जो न ॥ सि ध जु ला म जु व
॥ मो पर मे स्त र दे व लो क प नि जि व ना गु लि ग्पा सि धि गु ष्ठा ध क ॥

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ १७ ॥

लिसलकनं ॥ भो घर मेवरि देवलोक पनि जिवना गुलि ज्ञा सिध जु
सांधा करव देवलोक यात करं ॥ भो देवलोक पनि ॥ थु रि नो द रु जो
धया वहल ॥ प्राव क लपो लनि पनि सेन साहु ति न ॥ ग धे जो ग्य जु
क ना द लपो ल पनि सेन ॥ स्व से वि सा हु ने ध क ध या व ॥ ध ते द
पनि मा हा सु सि जु या व ॥ अति ह मा न जु या व ॥ देवलोक पनि सेन
दि न क न ल हो तं ॥ ॐ ॥ ध न लि ॥ वि धि मा ल रु सा मा रि तं
या व दी न वे ला स ॥ देवलोक स ले चो य का व ॥ सु य सो को रि दे व ता द
क्षे प्र जा प ति या था य स थे न क ल वि ज्ञा तं ॥ ॥ ध वे ल स द क्ष पु जा
क क षि लो क य क्ष गं ध व कि न र अ य स हो दे न ॥ दान व ना ग लो क
या ना य ॥ व सा ला या व ॥ ल स से ॥ दु हा वि ज्ञा त का व धि धिं क स ल पा
ध न लि ज द या य या न ॥ पाल को सा ग्री ना ल ला न का व प्रो हि त न ज ग

जिबना गुलि आसिधं जु ववे ध क लि स क सां ॥ ॥ धन सि द धायु जा यति
पनि ॥ धु रि तो ध लो ल नि से न ॥ आ ज्ञा द त ना वा धाय म जि व ध कं
गु ति न ॥ ग धे जो ग गु ल ॥ अ धं या स्य वि न्पा हु ने ध कं ॥ दि या धे
ध कं ध या व ॥ ध ते द धायु जा प नि या लि स ल र व नि ना व दे व लो क
वा ॥ दे व लो क प नि से न गु ल सां ॥ भी न दि न श्र त का वा दी न कु ना वा
ध मा ल क सा मा रि ता ल ला त का व वि आ तं ॥ ध न सि दी रा ते
सु य सो को णि दे व ता ध नि ॥ ना ना व स्र न सि हा रा सि सा न धि या वा द
॥ ध वे ल स द धायु जा प नि रा गु ल सां ॥ श्री ना रा य न प्र भ ति दे व लो
दे न ॥ दान व ना ग लो क द स दि ग पा ल दे व ता स क ले ॥ मा हा जा त्रा
न का व धि धिं कु स ल वा ॥ नी दे वा व आ न द शा वि न्पा त का क त ली
पान का क प्रो हित न ज ग य या ता न ॥ यार या तं ॥ ध न सि अ ठ

॥ निगुरु ॥

॥ व ७ ॥

म कृपुर्गद्यद्वारयावथवत्साचपनिस्तानाचिद्विचित्रयावत्तर
सजगत्सविरत्निनजुलसाकमरातुलुशाजलधाराहायकावदक्ष
वकन्यादानविलं॥ ॥थनलिजगत्पुर्गीयानावदेवलोकपनिस्त
र॥ ॥थनलिसकलस्यनदेवलोकपनिसेनजुलसादक्षपुजा
ज्यातं॥थनलिलक्ष्मिवालक्ष्मिदयावच्छ्रुयादिनसाकेलासचवतसवि
स्पतिज्यातं॥थवेल्सस्यवर्धकथदेवलोकराजिकसाहुसीमन
धुनकावचोनधक॥श्रीमाहादेवनयामनसचिंतलयावविज्या॥
अनध्यानयानाश्रुसीवीज्यातं॥ ॥थनेस्ययावथनलिश्रीमाहा
कपनिसेन॥थवदोनकावमसनिखने॥जिनजासाययाकषि
नितगांदकीसिनंनकिनहधमजुकीरेनकावतवषने॥आव
यकलुछोयथकं॥मनराभासाव॥आवजितथवतथमनफ

नाचि वृविचित्रया वरुणातिनका वयनया थासतया वनलं ॥ धवे ल
लधारा हाय का वृदक्ष पुजापतिन जुलसा महारु जालाय जयानक
याना वदेव लो कप निस ॥ जो गप थ मा पु मा नरा थ पु जा मा न्य याना
सेन जुलसा ॥ दक्ष पुजापति या के वला क या क थ व थ व आ स म स वि
न स के ला स य व न स वि ज्ञा क स ॥ श्री मा हा दे व न जु ल सा ॥ अ वं ध्या न रां श
सा जि क सा हु सी म न छ गु लि मा प म से ॥ थ व र जु क व ना व ई हि पा ल
चिंन ल या व वि ज्ञा ॥ ॥ धन लि पु र्ने वार श्री मा हा दे व न जु ल सा ॥
या व ॥ धन लि श्री मा हा दे व न जु ल सा भा ग्या द य क लं ॥ ध दे व लो
ने ॥ जि न जा मा न्य या क व नि ध कं ॥ थ व थे थ म न वु सि नु या व वि ज्ञा तं ॥
का व न व व ने ॥ आ व जि न द क्ष पु जा प ति या क स ह्यो य ध कं ॥ धा य
जि न थ व न थ म न फो ने व ना ध कं द क्ष पु जा प ति या क स श्री

॥ श्री स्वप्ना ॥

॥ १६ ॥

माहादेव विज्ञानं ॥ माहादेव व वसना ॥ दक्षप्रजापतिरा ॥ श्री माहादेव
यातधला ॥ भो ह्रीं धरा व नला ॥ हुं व वसना ॥ श्री माहादेव शुक्रा ॥ भिजी स
नायं मययायु ॥ गवे धालसा ॥ नसा धालसा ॥ यस गजिधतुर ॥ तिसा ध
तस विमुक्त ह्या ना व ॥ यो निव ॥ वसा धालसा ॥ स सा न या भ स्मरा व या व यो नि
गसा धालसा ॥ सा थ थु सा ॥ ई सा धालसा ॥ धुं धे गुलिडे सा धालसा कि रि
स पि ना हारि सा ॥ भिजि स्के छा य व ल वे मसि या ॥ धा धा ना ना यो न वे ल स
श्री माहादेव न स ल न ली ॥ ध वे ल स दक्ष प्रजापति न ता या व सा ल न
के व या ध कं ॥ थ हा वा यो ध कं ॥ ध या व ॥ ध या व ध लं ॥ भो मादे व ॥ ध छा य
दक्ष प्रजापति या भा राने रा व ॥ श्री मादे व न भा ग्पाद य कं ॥ भो दक्ष प्र
धु धालसा ॥ धु न के कं न्या द ह ले ना यो न दु ॥ थ कं न्या जि न वि य मा ल
शु या व यो न स यं ॥ ई हि याल म धु तो ले माहादेव शुक्रा व न स या कं न्या दान

जापतिरा श्री माहादेव विष्णु कथ ना व ला ध कं थ व व ला त विर नि
माहादेव शुक्ल भि जी स दे स छा य व ल वे थो या थान कु वान कु श्व य
स ग जि ध न र ति सा धाल सा वि मु क्क रा सिया व को र वा या व ला हा
म या भ स्म रा बु या व जो नि व जो सा धाल सा त्रि तु ल द व र जो ना व जो नि व
गु लि डे सा धाल सा कि सि या डे गु लि वा नि धा ला सा दि गं व र थ वि न
धा धा ना ना चो न वे ल स श्री माहादेव ये न क ल वि ज्ञा तं ॥ ॥ अ न लि
जा प ति न ता या ग म्हा ल न को स्य या व धा लं भो माहादेव छ छा य जि मि
व ध लं भो मादे व छ छा य थ न व या ॥ ॥ धु धा य ते ना धा व ध क ध लं ॥ ॥ थ ने
ग पा द य क लं भो द क्ष प्र जा प ति जि ध न के क या मे व ता का र न व या म भु
थ कं म्हा जि त वि य मा लु ध कं ध या ॥ ॥ धा न धा ल सा ॥ ॥ के ला स या विं धा व
प नु या व न स या कं म्हा दान म नि धु त ले ॥ ॥ न द या न ॥ ॥ सि व दे व लो क स

॥ नि गुरु ॥

॥ १८ ॥

कलया उद्धार जु लो देवलोक जु यावचो नाथा ॥ ईहि पाल मधुन ले देव
के वया ॥ जित जो रा जु यावचो न ल सु न ल्या न क न्या दान कि या माल ध
सदक्ष प्रजापति या मनस ॥ महा ओधि जु यावधा ल ॥ भो माहा देव जि
न धान कुवान कु न जु ईव गथ धाल सा लना पस पसान या न लि
स य ना प भ यं र मु ति ॥ वि मु क्त न ति या व चो नि वा ॥ प स्र धाल सा धु या छ
ला सा ज्वा थ धु सा ॥ न सा धाल सा ॥ यस ग जि ध तुर वा नि धाल सा दि ग व
ध धे ने न कं जि त हे ला या त व ल ध कं ॥ द क्ष प्र जा प ति रां ॥ श्री मा हा दे व
व पि ति ना व को तं ॥ ५४३ ॥ ध न लि श्री मा हा दे व न जु ल सां ॥ अ ति
या ॥ प ना नं लि हा वि ज्वा ना व म नं ॥ भा ला य लं ॥ ध द क्ष प्र जा प ति नं धु
सा ॥ वि य म ठु ध या न म ग क ला ॥ ध धी न फ नि त या य माल ल ध
या व ॥ अ ना नं वे कं रा द स वि ह नु या के वि ज्वा तं ॥ ॥ ध न लि श्री म

इति पालमधुन ले देवया ल्या घसंमग्घ ल॥ गुलिया कार न जि छ न॥
कं न्यादान कि या माल ध कं॥ श्री माहादेव त आग्नाद य क लं॥ ध व ल
व धा ल॥ भो माहादेव जि ल्या च॥ ध थी न य द ल संधि रि जु या व चो न ल॥ छ
म ना प स म सान या न लिन गु या व॥ ल ना प भ ई का व जु ई व॥ ति सा धा ल सा
व॥ प स्र धा ल सा धु या छ गु लि॥ जो सा धा ल सा वि सु र द व धु॥ ग सा धा
र वा नि धा ल सा दि ग व र॥ ध थी न ल या त जि ल्या च जो ग्ग जु ई ला ध कं
ता प ति रां॥ श्री माहादेव या त॥ व धा व ध धा व म द य कं रै ग भं ग न न्वा ना
हा दे व न गु ल सां॥ अ ति न ठु स ता या व ल ग्ग्या च या व॥ व या य हे म सि
ध द क्षा पु जा प ति नं थु गु लि वं ध रां फ चि त या य माल ला॥ वि य म दू त
चि त या य माल ल ध कं॥ धुं दो ल या ना व॥ न व ने थ न व न्ने म सि से
॥ ध न लि श्री मा हा वि क्षु न गु ल सा॥ श्री मा हा दे व नी ग्ग्या क

अनेगस्यानवागतकावहस्तार्द्यपादार्द्य॥यानामवैसविज्यातं
स्वालयवाहातजोलावाविहनुनविनतियात॥भोजगदिअर
मसंआज्ञादयकसेविज्याहुनेधकंविनतियातखमावश्रीमाहादे
धनकेवयामेवताकारनमभु॥अनधलसादेसत्रीमहुसयाके
महुथुयानिमिर्तिननिछतकेवयागथेधालसादेवलोकसक
धत्तजिनवाततायावस्ययाजादक्षपुजायतियाकेकन्याधसलेनाव
पतिरावधावधवावमदयकंरंगभगनयानापितिनावहलथधि
थनवनेमसियावजिधनकेवयाथुकावकंमाहादुरवनआग्नाद
गतंभोपरमेअरश्रीमाहादेवथुयानिमिर्तिनधलपोलहथासचा॥
गलिआजिबनावधथेसिधयानाववयछपोलथननिविज्याहुने
रंनं॥दक्षपुजायतियाकेविज्यातं॥थनलिदक्षपुजायतिननुलसां

॥विगुरु॥

॥१६॥

५॥ महाविष्णुन **ध** वदे सविज्ञात बनाव **॥** अने गस्वान बागात का
दे सवित कल **॥** श्री माहाविष्णु गथे विज्ञात धालसा स्व कोरव
कपुया वविज्ञात **॥** **ॐ** **॥** धनलि श्री माहाविष्णु याच्या
भो माहाविष्णु दूर पो ल थ नहु निमिर्त्ति न विज्ञाना धक ध या व
दक्षाय जायति जीन फो ना गुलि **॥** विलसा जिन कने मविलसा जि
क्षाय जायति नयामनस **॥** अति सुसि जया वध ल **॥** भो माहाविष्णु
धाल **॥** **॥** श्री माहाविष्णु ग जलसा आग्या दय कं स **॥** मे
व दक्षाय जायति न **॥** सत्य न विद्य ख व ध क धाल **॥** धनलि विष्णु न धा
याम **॥** **॥** धान धालसा **॥** ये कं थ या था कुर विष्णु जया चो ना या ई हि
यायनि सकल या **॥** कं न्या दान का य धु न का व **॥** सु व न चो न **॥** अ

गस्मान्वागातकावधुपथना वसालायावन्न श्रीमाहाविष्णुथ
धालसा स्वकोशकोदको॥ थव्वसेयानाव विष्णुमायानतो
माहाविष्णुयाद्यालस्ययाव॥ दक्षाय जायति न जुलैसाध लं
ज्याना धकधयावदेन॥ श्रीमाहाविष्णुन जुलसां आकादयलं मो
कने मविलसाजिनकुकने धकधयाव विष्णुयाद्यालस्ययावद
लं॥ श्रीमाहाविष्णु धलयोलस्यनकुके नये स्पवि जाहुने धकं
आगपादयकं लं॥ श्रीदक्षाय जायति सत्य वियरव वलाधकं धया
धनसि विष्णु नधालं श्रीदक्षाय जायति मेवता आरन कन केव
जुयाचो नाया इहिया लमधुननि॥ धनदयान॥ मेवदेव लोक
वा सुवमचोन॥ आबद्धे पुत्रि॥ नितकं यादान विय मालधकंधा

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ २० ॥

या वदक्षय जायति न धालं ॥ भो विष्णु कृपा य वि य सां मदु मद
थ थे कय न लाई सता या आव कृया य ॥ का से वि ज्ञा हु ने ध
ना ॥ धु शु नु जि व य ध कं ॥ कं न्या थे क ना द य का व ॥ वि ष्णु थ व
क्षय जा पति या लि स ल व क नं ॥ भो स्था मि ॥ जि व ना गु लि ज्ञा ॥ सि ध य
व या ति नि ॥ क ल पो ल या त जा स धा या रि ॥ आव ग थ य या य ॥ कं रा
ध लं ॥ भो वि ष्णु जि न कृ धा या क ल पो ल से न ग थे लि ल ॥ शु थे या से
अ सा थ थे या से वि ज्ञा हु ने ॥ ग थे धा ल सा दि न या था सा ध ल सा थ नि
रु प तु या व रु तु न लाल य ल हे न हा य का व श्रु ति अ स्था भा जो गि य
क ॥ भो वि ष्णु ॥ भो द क्ष प्र जा प ति रु मि से न जि त मि क्षा म वि से कं न्या दा
य ध कं ग्रा ज्ञा द य कि व ॥ ॥ थ वे ल स जि न धा य भो जो गि रु न स्त्र रा
ध न जि धा स नि वा या व चो व ध कं पो ना व जि न त य ॥ थो वे ल स

विद्या सां मदु मदत साहु या य जिस त्व व न छ ल यो ल स्य न ग थे
 का से वि ज्ञा हु ने ध कं ध या व ॥ थ न वि ह न न तु ल सां दि न स मे न हु
 का व ॥ वि ह न थ व क्ष स वि ज्ञा ना व ॥ श्री मा हा दे व या था स व ना व
 मा गु लि ज्ञा ॥ सि ध या ना व ना व य धु न ॥ अ र्थे न जि थ व ना ध कं धा या व
 ग थ या य ॥ कं रा ७ तु को ग थे या य मा लु ध कं ध या व ॥ श्री मा हा दे व न
 लि ल ॥ अ र्थे या से वि ज्ञा हु ने ध कं ध या व ॥ वि ह न ध ध लं ॥ मो स्था मि
 था सा ध ल सा ध नि ॥ पे रु मा ल नि ॥ ध ध नु मा ल नि छ ल पो ल अ ति ज्ञा
 ने अ स्था भा जो गि या रू प क या व ॥ ज न्ना सा ला स तु स्य या व आ ग्या द य कि
 क्षा म वि से कं न्या दा न का ल सा ॥ कं न्या दा न वि ल सा नि स या त स्र रा य वि
 मो जो गि छ न स्र रा य वि य म ते ॥ थ न जि मि वे ला य चि न ह था स तु ल
 त य ॥ थो वे ल स छ ल पो ल या त कं न्या दा न ला त का र वि य ध

॥ नि गुरु ॥

॥ २० ॥

कस मस्तसाहुतियायधुनकाव श्री महादेवके लाससविज्ञातं॥
विष्णुनगुलसा श्री महादेव धथे विष्णु इव धुकाधक मन भा
नाबचोन धनवेलाते याव श्री महा विष्णुनगुलसा श्री महादेव
न आ व ग धे या ये वेला धला धालसा ह धास गुल श्री महादेव
यमालधक धथे जिनंतुं क न्यादान फयाव का या धलसा श्री
जो ने धालसा ल ओ गुर्दना श्री महादेव धालसा आन लो म दि
महादेव यानु गलसा द्वा मिन क लु मसे व याव जि गुलं यम
नं ध या गुदी न जा ध निरग यमालधक मन भा लया व ध्यान दु श्री
व जि मथे नाव विष्णुन अति आकुल वा कु ल गुयावचोन ध व
प्र जायति या धास धे न क ल वी ज्ञाना व ज न सा लास दु सो या र
न लाल ये ले हे न हा य का य आ बा द या क लं श्री महा विष्णु श्री

केलाससविज्ञातं॥ ॥ ओ न लिदिन ते या व श्री महादेव श्री महा
वधुकाधकं मनं भा लया व सम संसा मा ग्री ता लला त का व त या र या
कुल सा श्री महादेव आवत लं म वि ज्ञा कं ध कं महा ध ध का या व चो
स कुल श्री महादेव धा ल सा आवते लं म वि ज्ञा क नि ध कं आव ग धे या
व का या ध ल सा श्री महादेव या त वि य म जिल ॥ कं न्या दान म फ से
ल सा आ त ले म वि ज्ञा क नि ध कं महा धं दा का या व चो न वे ल स श्री
व या व जि कुलं य स ग जि ध त र न या व कुल म ना व चो न थु का आव वि ह न
ल या व ध्यान दु र्गी स्व कं व ल स वि ह न या वे ला दि न ज्ञा थ नि कुल आ
कुल गु या व चो न ध कं ध्यान रां लु य का व त कार न वा यु वे ग न द द
न सा ला स दु सो या व श्री महादेव रां कुल सा अति ज्ञा थ गु या व कु न
श्री महादेव वि ह न भो व द क्ष पु जा य ति जि थ धी न वृ ध का ल कुल जि अ न

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ २१ ॥

साय मच नगु स्व चापे कु दन यान लाना जिता पा ल नि से व य
न का ल सां ॥ कं मा दा न वि ल सां नि ह या तं आ रा प वि य ध कं ध
ध न आ य वि ये धा य म ते व ॥ ध न आ रा प अ व से न जे लि व थु क
स जु ल ॥ थ नि वा यो व चो व ध कं थ व धा स यो ना व थ व ज व
ल सां ॥ कं मा दा न वि य या तं म म रां क म द र द लु जो ना चो न व व न
यो न थ धि न वे ल स श्री मा हा दे व वि श्वा ना व चो न ॥ ॥ ध न लि वि
ध नु मा या न तो क पु या व ॥ मा म व वु या मि सा छ छे छे खे रो य का व
थ पु क पु या ना व वि लं पु र्न र्थ र लि य स ला हा न स स्य त ना स वि ह न
व चो न ॥ ॥ ध न लि द क्षा यु जा य ति वा म न स को ध जु या व ध ल
म ला र्म म ता या ॥ ध न थ व न ध क ध या व ॥ जि ह्वा च अ ना थ या ना
ने व ध कं ॥ ध वि श्वा स या य व ह ल म जु ल ॥ थ कं ना ना मा ध न वा व चे

तापालनिसेवयाथुका॥ जितमिक्षामविस्म॥ आसकं आदाः
पारापविद्यधकंधयाव॥ विहनुन जुलसा॥ भोवृध जोगि आसः
सोनजेरिवथुका ॥ आबधनजिमिसवेलाफुचिकंनं॥ हथा
योनाव॥ थाव जवसफेरुतुनकावतलं॥ गधिनवेलासबलधि
लुजोनाचोन॥ ववुनथव॥ त्याचपाचयासतिदेविया॥ लाहातिजोनाव
मीनं॥ ॥ धनलिविहनुनकं॥ न्याफयावचोनाथेडेनकाववोन॥ वि
धेधेखेलेयकाव॥ आथजोगियालाहातिसंकं॥ न्यायालाहातदया
मसस्यतनासविहनुयालाहारमययाव॥ आथजोगियालाहातजुया
नकोधजुयावधलं॥ भोचंरादालविहनुनजितथुलितकपत
पाचअनाथयानावविला॥ धवनायगव॥ लाहाविस्वासयायम
मानापाथनवावचोनं॥ भोपुश्री॥ आबहुयाय॥ चंरादालविहनुनका

॥ विगुरु ॥

॥ २१ ॥

इति
पुरिसवि ज्ञा तं ध
ऊमारन भगव्या
हवे न आ ग्या द य
क ली

ध कं विहनु न ल सा मास को धु न का व श्री मा हो दे व या त कं न्या दान ल
म क र उ पु रा न्य मा प्र मा नो पे क र दे श्री मा हो दे व स ति दे वि कं न्या दान ल
न रा ला ट वि से न ध न भा वि क म न व ल आ व द्रु या ये ध न स्या मि अ
ल ध कं ध या व स ति दे वि या म न स अ ति न दु ख त या व वि ला य या न
व द्रु या ये जि क म थ धि न गु ल के हे प स गु को स क ल या दे व ले
प धि न आ थ जो गि या के ला त ध कं म नं भा ल पा व दु ख त या व वो या व
की न्या भा व जि मी स धे व ने नु यो ध कं ध या व थ ग्या थ के व र थ व
मा या म स गु ने ग भा ल यं लं द्रु या य जि भा वि न जि क म न वि या
य म द्रु द्रु या य थ ग्या थ जो गि गु ल सा जि स्ता मि जि के हे दे व ले
न धु का ध कं म रा नं भा ल या व व लं ध न वि भा य भु व व ना व ग्या थ जो
नि ध कं या ल नं क्य ना व वि लं ध न लि स ति दे वि न थ क्ष व ना व म
दे स यो न म आ व थ थी न गु भी त वा क्ष स यो ने मा ल ध कं म हा ध
वि त या व व नं ह नं म नं भा ल जा व ओ नं द्रु या य गु गु थ व स्या मि

होदे वयातक न्यादान लातका वयाथरुप भी माहोदे वयाके वेलाका याव भी
सतिदेवि के न्यादान कथा चतुर ध्याय ५ स्तुत उवाचा १२
हुयाये धनसाभि शुभ मयाथ जोगि गुल आव न्या मना पवन नेमा
साया वविलाय यात पुनवार सतिदेवि न गुल सा मन भालय आ
को सकलया देव लोक यनिसके लातो जि गुको हुया नापा पन
माय दुखत याव वो याव जोन ॥ ६३ ॥ धनलि मयाथ जोगि न धल भी
थ मयाथ देव रथ के न्यालिवरत याव वन थथे वन वेलस के
विन जि कर्म नविया हा न मा मवगुन विया वल यया मय याधि
सा मिजि के दे देव लोक व उ तिथुका मयाथ गुल सा जि प्रा न सा मा
य भुव वनाव मयाथ जोगि न धाल भी सुंदरि भि भि सधे थे निरुहुय
देवि न थक्ष वनाव मन सा भाल हे नारायन निव र जि गथी न गु
ने माल धक म हा ध दाका याव अति दुखत याव मिरा स ध
या पग गुगु थ व सा धिया धे गुल उ गुलि भी न वा धे गुल सा स

ईया न गुया व वे कु

श्री स्वस्था

२२

वरी या हे शुद्धाधिक मन भा लयाव. हे ये न कल व न
शादय कलं भो सुदरि जि सहे थ शुद्धा हा व ना व सुष न चो न ध क ध
मा वे भि दु या व धाल च न क न का व. भे त हे स या ख पा व ना व दु स्व व
गु लि तु पि न व पु ना व मा पा पि र वा चि य का व चो न. थे वे ल स स ति
जा थ जो गि न धालं भो सुदरि जि जा ना पा ल न स ड स व या का र
ध कं य स ग जि धु नु र क या व भो क ति ना व लु र वा को स. स य न नु
अ ति ह था स चा या व आ व ग धे या य ध न धाल सा गो ह य या
स्वा मि या न कु या ना व जि गु ध म्मि कु न का व वि य पु नु ध कं मा हा
व. चो र ये नु चा कु द पा व लं ध न न जा थ जो गि न गु ल सा व य द ना व
थी न बं ध न पि ने थे ना व थ म नु को हे स चो ना व जि त द न व ध कं
या व जि नु न म थ न. ध न व नु नु कु न य मु म्हा ल ला ध कं ना ना व स

नं धन लि भे र धारि जोगिन श्री मा हा दे व न गु ल सा आः
 ना व सु ख न चो न ध कं ध या व २ स ति दे वी न गु ल सा द ध कं ध या व मि र
 या र व ण ष ना व दु स्व क वे ल स ५ म सा पि र वा रा गु को भु ना व चो न
 यो न धे वे ल स स ति दे वि या म न स मा हा दु ष न चो न धन लि
 न स ३ स से व या का र न ति न अ ति न त्पा नु ल स ति नि दे ना व चो
 गु र वा को स स य न गु या व वि ज्ञा त धन लि स ति दे वि या म न स
 न धा ल सा गो ह य या सु या गो च र म दु सु धा त लु शो व व या व जि
 व य पु ष्प ध कं मा हा धं दा का या व चो न धने म न स भाल प ल प
 गिन गु ल सा व य द ना व क ला त या न्दा तं भो चं रा य ल मि सा जि थी
 मा व जि त द न व ध कं ना पं धा य मु ख्या ल ला ध कं अ ति न त म च
 ल ला ध कं ना ना व स ति दे वि या ध्या ल स य या व ध्या ल च त क न

निगुरु
 २२

कावदिलाधवधलंपुभुछलपौलसुरगनआहस्यानावविजातं
यावश्रीमाहोदेवनजुलसासनभालयलं॥धमिसाजिहव
नईवधकंभालयावचोन॥धकंन्यागथेचोनिवधलसा॥सिलस
याथनेनकावसिदुलनंतियावनाव॥धालचनकनकाव॥अ
यासनसभतिधर्मदुसयाव॥याथजोगिरुयश्रीमाहोदेवनजुल
जाभतिदेलनमगानि॥धचिनिदुकनंदेनावचोनेधकंधयाव
शस्ययनिमिर्तिराथमायान॥सतिदेवियातपित्ताकचायकाव॥मि
यकाव॥लुषाकौससयनजुयावविजातं॥०१॥धमलिसति
यगुदुलामदुलास्वयधकंभीतषादेसत्रहावनाव॥धलायंति
थलयंतिमाषापिषानजुकोभुनावचोनवनाव॥माहादुषतायाव
कसमुमुकचोन॥धवलस॥श्रीमाहोदेवयामायानपित्ताकतथ

स्थानाववि ज्ञातं धं कं जिनं दुधाय मया ला॥ जिमं न यधुन धक ध
वमिसा जिह वने फस सस्तन थ के से के वस्तु क क म दु॥ धन कु
वधल सा॥ सिल स्य भा लान का व चो नि व॥ चो न व ना व म न ल सा न
म क न का व॥ अ ति वान ला क त का व चो नि व॥ चो न व ना व स ति दे वि
मा हा दे व न जु ल सा शु ति बु सि जु या व ध ल॥ भो सु द रि स ति दे वि जि
ने ध कं ध या व॥ मे ष धा रि॥ श्री मा हा दे व न जु ल सा॥ स ति दे वि या च रि
क चा य का व॥ भि त बा के स॥ ध ल यो त क ज्व ल स अ र्च दु से भ ति द
॥ ध न रि स ति दे वि न जु ल सा॥ शु ति न पि त्वा क चा या वा दु न
ना व॥ थ ला घं ति उ ला व स क वे ल स स्व या सो या था ल स दु म दु
हा दु व ना या व पि हा व या व॥ थ व सा स्वा मि या र वा ल स्व या व॥ लु र वा
न पि त्वा क त चा या व॥ वि या या नि मि ति रि रा॥ स ति दे वि या पि त्वा न गु

॥ श्री स्वस्था

॥ १३ ॥

न यदि लया व॥ हिन नु हा व ना व स्व क वे ल स॥ ध ल यो न छ ग व ल स॥ अ
धित का या व॥ थ व गा नो या व॥ दु से यो न का व॥ नि भा ल स या या व॥ ल व
ल स श्री मा हा दे व आ व ग न व न र य॥ आ व न ले म वि ज्ञा व॥ ग न
ला स प र्व त रा॥ न दि भ ह्ना व या व स्व क वे ल स के ला स या ला प ल स
वा के स स य न जु या व यो न र व ना व॥ वं व भ नं दि न जु ल सा॥ जि व
त या व न ल ध क म न भा ल या व स ति दे वि न॥ पा ना व न व ग दु से न या व
स या ना व र या ग॥ वं व भ नं दि रा नं या व यो न व ना व॥ अ ति भ ग पि त्वा
या व॥ जि ग पि न भ भ गि नि से॥ थ थी स वं ना र र स स या क ये न व ने॥
नि से जिं थ थी न ये म र व न क यो ना ग॥ ल छि द त॥ ल र जु को आ हा
व यो न वे ल स भे स धा रि श्री मा हा दे व न जु ल सा॥ स ति दे वि या न
पु ये स ति रि जि स दे थु ग्गु लि म रु शु च मि तं वा क्ष से न का व द्वा य

यो तच्छब्दलसः॥ अर्द्धं दुस्सेचि भायः॥ लुयाव वषनाव शुनिरसता याव
 लसया यावः॥ लव कास धनेधकं॥ धल पत्ती नाव लख का लवनं॥ धवे
 मवि ज्वाकः॥ गन विज्या तवे॥ अल निव नेधकं मनरां भाल यावः॥ क
 तसया त्वाप लस धलस श्री पर मे अरि श्री माहा देव भेत साधया ल
 न जुलसा॥ जि वय वन के तथकं॥ ई अरि श्री माहा देवन॥ ध अर्द्ध दुस्
 तव गु दुसे नया द्यो नवे लसः॥ सति देविन गुलसां यष जो ना व व व यल
 ॥ अति भग पि त्या क गु भग जु यावः॥ धल पति तका व शुति जो त क चा
 या कपे न वने॥ त्याय धालसां सुया के त्यायः॥ हाहा ग थी न अभा शि वि
 रव जु को आहार या ना चो ना॥ आव ग थे याय धकं मन भाल या
 सति दे विद्या चरित अया व यो य दना व सति दे विद्या त धालं॥ मो
 सेन का बछो या वरि जि सध धने गु यो धकं धया व सती दे विनः॥

॥ निगुरु ॥
 ॥ २३ ॥

न जुं सा विन तिया त मोसा मिभि नाव चोन गुलि छे सेरा काव भि जि सग
जि जुलं मिमा जाति सुहार गवहार पो ने थ विन वं ना तर स मेव सुद
दय क्य से वि ज्याय मते ध कं धया व ध ज्या थ जो गिनं जुलं थो यद नाव
वत स था हा वि ज्ञातं थ वे ल स के ला स या त्वा य ल स चोन य नि नं दि मि
व अ ने ग स्मा न वा गा त का व वा सा ला या व ल स या व के ला स य व त या
वि जा हु ने ध कं ध या व स ति दे वी व श्री मा हा दे व व तु हा वि ज्ञा ई गु दे व न
न गु दे जि रा त्र ग सं स म म ना ध कं दे ज क स्व ना मा त्र न स ति दे वि अ ठि सु
सा ॥ श्री मा हा दे व ग च र रा स भो पु या व हा त जो ल पा व वि म ति या तं ह य
हि तो ह थी मु या व वि ज्ञा य म ते व ज ग दि त्व टी स ती दे वि या
थो वे ल स श्री मा हा दे व न गृ ह सां नं दि भी दि प्र थ म ग न प ति
ह न हि ला व पु र्न वा त श्री मा हा दे व न गृ ह सां ज्ञा या द य क र

राकावभिजिसगन्वोनवनेस्तेनेधालसाधुलोपुशुमथ्य। ज्वाथजुलु॥
नातरसमेवसुदुग्मषु। ध्यानिमितिर्न। अमथिनगु। मषुगुलिषआशा।
जुलं शोपदनाव। धमितिषाछे। तुतिनयेनकावृद्धोत्तं॥ धनलि कैलासप
धोनयनि। नंदिभिदिद्युधमगनयनिस्पनश्रीमाहोदेवसतिदेवि विज्याकवना
केलासपर्वतयाचोसथेनकलविज्यातकलं॥ धवे लसशतिदेवियादुहावि
विज्याईगुछे। धनावहायरगथिनगुछे। निमियाछे। यासिनवानलाक॥ धधि
सतिदेवि अठिषुसुजुयावविज्यातं॥ धनलिनंदिभृदिद्युधमगनयनिस्पराजुल
वविमतियातं॥ धपरं धृष्टजगदिअरधनधतथेनकं विज्याकनानं॥ आम
सतीदेवि। धानदहसनवित्सेविज्याय॥ तेहव्यकं॥ विनतीयातं॥
प्रथमगत॥ धनित्सेविनतीजे। सतीदेवि। धाव्याहृत्यथाव॥ मुमु
गायादयकलं॥ भोपृयसती॥ नापछन॥ कामव्येनृसाया॥ सषिका

॥ अतिस्वस्व नि ॥

॥ २६ ॥

यात्रा चोदुदयादधुसं वधीलावदि वध्यं ॥ आग्यादयकल
जीमाहा देवया आग्या दे जात्रा तत्त काहन ॥ काम येन सा
लं चो नं हि जीमाहा देवन गुरुसां ॥ वधीलावत या भास
तत्त कात्र निमेषमा चतं ॥ आध जो गिया भेषतो हता
दरसन विते विद्यातं ॥ गभीरु मूर्ती व्याहृता निर्मल
यात्रा प्रलुहात नः दं सह धाना वष प्रलुहात नः ॥ जी
संजकोषायात्रा भासथास ॥ होय का विनं त्या ना वं जी
गात्रा सुव्यरह प ॥ व्यरह पात्र मुसुह न केला वजगादि
तं ॥ धो वेहस ॥ सती देविन गुरुसा ॥ जगादि स्वरा ॥ जीम
भासत ॥ लाहात हा जो गुरु पात्र ॥ स्वया कुरु हिला व ॥ वर
तं ॥ धो नं हि ॥ जगादि स्वरा ॥ जीमाहा देव ॥ जगादि स्वरा सत

आद्यादयकुरुं थो वेहस॥ जगदिस्वरि॥ सती देवि नमस्तुतां
का मये नुमाया सपिकया॥ बुद्ध्या दधुसवधीहा वधि
वतया भास॥ विज्यानाय॥ सती देवि यात॥ पत्रमुदेस फे
भेषतो हताय॥ भवमूर्ति॥ व्यहयाय॥ सती देवि यात
हता निमिह॥ फकिरहपयुया कंधमूकोनीहृदं भम
हातन न नीसुरपाद्यया॥ मनुजनपुया वगवा
स्याना वं नीनयन॥ सती वानला जव॥ स्वस्यं स्वयम
ह्ला वजगदिस्वरी सती देवि यात॥ दत्सन विले विज्या
दिस्यह॥ लीमाहा देवनं थभे दत्सन विवगुत्यया वृह
हिला व॥ वरनकमहस॥ भोकपुया व॥ दत्सन यासे विज्या
गदिस्वरि सती देवि निससेन॥ ताता फुह मृह पं वा मृत॥

॥ गह ॥

॥ २५ ॥

आदिभोजरायानावविज्ञानावसिबसकिस्वयजुयावआन्यसाविज्ञान
यकलं॥०॥ इति श्रीस्कन्दउपुराणेमाद्यप्राप्तमेवेदोखंवेदेवुहदिशि
य॥ ५ ॥ सकन्दउवावाचहन्कुमारनंअगष्टयातकनाभोअगष्ट
धकंधयावअगष्टराकुमारयाकेनेनहेकुमारनकनंथनरिदक्षयुजाप
रा॥ थदक्षयुजापतिधयानामगाधिनलधलसासुयस्यकोकीदेवता
देवतानमान्प्रानावतहमाहापराक्रमजुयावचोनलगाधिनधालस
र्येवसमानविद्यानव्यासवसामानद्वयनकुवेरवसमारावलनं
रा॥ धनुरवराविद्यानपरसुराभवसमानक्षमारायपिमाताविवसाम
नामस्वर्गतसवसलपाचोनथोयाकजातयानामविरनिधकंहरा
कीरिदसेचोनथोस्याचपनिदकोसुयस्यकोतिदेवतायातविस्तेतया
लोकगधर्वलोककिंनरलोकराक्षसलोकश्रीमाहादेवगुभीती

न स्वयं जुयावः आन्यसावि ज्ञातं धकं कु मार न अगच्छ या हवने आ न्याद
 मास्तमेके कारं वदे वृहदि सिवसाग्री के लास युवेस कथा हस्त मध्या
 नं अगच्छ यात कना भो अगच्छ मुनि ने ड धकं धन लि मा हा उघात जुल
 मार न कनं धन लि दक्ष युजापति धया नाम हस्त सर्ग त सब सल पाव चो
 ध लसा सुय स्यको श्री देव ता या स स वव जुयाव चो न हस्त तेति सको टि
 न जुयाव चो न हस्त ग धिन धाल सा वृधि न व हस्त पति यु माशा तेज न श्री सु
 धन कुवेर व स माशा वल न व हिरा जाव स मानः श्रौ धन रु द्र व सामा
 नः क्ष माशा य पि माता वि वृसा माव ध धिन यरा क्र मि दक्ष युजापति धया
 तात या ना म विर नि ध कं हरा थो द्वा द्य युजापति या म्पा च य नि ओ ण न
 को ति देव ता या त वि स्ते त या त्र वि लो क दे व लो क सत्य लो क ज क्ष
 स लो क श्री मा हा दे व यु भी ती या त वि स्ते त या ड ७ गु लि यु कार न स

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ २५ ॥

सकल देवता तं ॥ थव वसेयाना व सुष न काल ह नाचान जुल ॥ ० ॥
थव कला त विर निया के सा इतिया तं ॥ श्री विर निता कालें दत जिन-
जिन शुस्व सध जज्ञ याय माल को सा प्रा गी ॥ ताल हात कि व्हा न ल्पा च
क्ष गंधर्व किर्त्त र ॥ राक्षस ॥ अघि लोक ॥ अस्र वसु ॥ दस दि गपाल ॥ मा हा देव
धाय कल दो व्हा ह पोर हित व ह सयति वोन कल दो व्हा कंध या व वि
वत कार नं ॥ दोल दि चे ल पति वोन कल दो या व्हा लं ॥ हे दा स क पति च
जन पति द को दे व लोक पति ॥ रि वि लोक ॥ ज क्ष धर्व किर्त्त र नाग लोक ॥ शु
तिं च पति थ थे व ना व नि प्र त्र ना या त हु नि ॥ ह नं द क्ष प्र जा पति या शु
ध जु को धाय मु म्हा ल ध क्धा लं ॥ ध ने विर निया आ गाने ना व दो ल
मा हा वे ग न व नं ॥ श्री मा हा दे व सति दे वि नि ह जु को म धा से पं र तु

काल नाचान जुल ॥ ० ॥ थोन लिख नु यादि नस देध पुजा यीन
मो श्री विर निता कालें दत जिन जज्ञ या पध कं मन भास पाव चो नाः श्रु
गी ॥ ताल हात कि व ॥ न ल्या च पनि द को वोन कल छो व ॥ ह न दे व हो क ज
न व सु ॥ द स दि ग पा ल ॥ मा हो दे व छ त्र वा हि क र ॥ द को जिला ज रा य नि
मोन कल छो व ध क ध या व ॥ विर नि न जु ल सा ॥ थ व स नि या आ ग ण डे मा
को या व ध ल ॥ हे दा स क पनि छ पनि थ थ व ना व जि ल्या च पनि ॥ जिला ज
ज क्ष ध र्व किं र ना ग लो क ॥ श्र प स रा द स दि ग पा ल ॥ ना रू द मु नि पु भी
मु नि ॥ ह न द क्ष पु जा ण नि या शु भ मे ध ज ण ध क क ने मा ल ॥ मा हो दे व
वि र नि या आ ग ण ने ना व दो ल दि च ल य नि धा स र या भा ला क या गु
व नि ल्म गु को म धा से पं र नु द को ॥ ते नि स को दि दे व ता विं म रु ना

॥ नि गुरु ॥

॥ २५ ॥

या नावदोहृदि चेत्पमितकारणा सिहा वया वसि सल दरां ॥ धनसिद्ध
न जाहुरा माहकोसा माग्नितास लातकाव गुरु बृहसेपति वोनकसद्यो या
वृहस्पति आदि नम्रसि लोक वोनकसद्यो याव अस्य मेध जगया
या वरुण मालान के थायका व अनेग चित्र विचित्र रा पहिल पाव नाना
थे अहंकार नतिया व नारायण पु भूति अवि लोक यक्ष लोक गंधर्व किर्ति
च पतिदसदि गणाल सुव वसु तेति सको ति देवता नाना अहंकार नतिया
विज्ञातं ॥ धनसिद्ध श्री माहादेव नंद क्षया ज्ञाया कु नाता ईधकं मनं
लं श्री माहादेव न तुलसा सती देवि यात आज्ञा दय कं लं श्री सति देवि
ति दे वि नसा नुयो धकं पुत्र भाल काया व नित्य तुलसा तं गवि नग
को था पुया तया हरा पास सुय नित्य जोगिनि चंद्र सुर्छे साधि मया व
सति देवि न तुलसा ॥ श्री माहादेव यात त्यात काव तं लं धवे ल स स

सुसलकरां ॥ धनलिदक्षया जायतिरां अनेगवीहिचेलकस्तीहामलग
हसेपतिबोनकलछो यावु भिनदिनतिथिनक्षत्रस्वतकावुजोगस्वतका
यावु अस्यमेधजगयाय याततयारयातं धनलिनानाश्रुलंकारनधि
धत्ररापहिलपावुनानारत्नमनिमानिकयातिसानतियावुभयानफया
यधलोकगंधर्वकिर्नरअपसरदेत्यदानवनागलोलोकअनेगह्या
नानाअलंकारनतियावुदक्षपुजापतियाशुभमेधजगसश्रुनेधकं
दायाकुनाताईधकंमनंमालपावुआमाहादेवनगुलसाआगादयक
गादयकंलंमोसतिदेविद्रिजिसगुलसायनुरोधकंशुजादयकावुसा
मगुलसातंगार्थिनगुथानसमितलधालसासेषनागयात्मनंसुयास
चंदुसुर्धेसाधिनयावधानावुनिस्रत्रियुरुखगुलमितलंथवेरस
कावतलंथवेरससतिदेविनसायबुलंथवेरसआमाहादेवत

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ २६ ॥

मय पाव पाय गुरु मय पाव कुलिया मि चा पातं ॥ थुहिरि मि चा त्पात
का लं ॥ ह नंद मरु पातं ॥ थो दे मरु न त्या त का व का लं ॥ ह नं ना ग या ति स
थ ये नु ल न व ना व ॥ श्री मा हा दे व रां नु लं सां ॥ अ थ ध य थ ये य म द्रा ला
ति दे वि न नु ल सां मु सु नु न हि ला व अ ने ग मा थ न र व स्तान व यो न वे ल
वि मा न स ति दे वि न र व ना व ॥ थ नु थ नु स या व यो न ॥ थ वे ल स स ति दे वि
मा रा द्रा य ह ल वे ध कं ॥ स ति रा दे वि रा ध या व गुर व ने ना व ॥ श्री मा हा दे व
वा य अ का स मा गी त स व मा व यो नि व ॥ थ व रा मा ल गृ धं दा का व ध व
तं ॥ स ति दे वि स ॥ या स ह्ना ना व थ म नु क त्या त का व का व लं ॥ थ ये नु स ति
व मु सु नु न हि ला व यो न ॥ पु र्ने र्वा ॥ स ति दे वि न धा लं ॥ भो स्वा मि श्रा व कु
या व ॥ श्री मा हा दे व न धा लं ॥ भो प्रि य स ति दे वि ॥ आं जि जि त्प ना पं ध न त
पि ध ल यो ल या लं ॥ आं रा पां लि यां जि धु का ॥ लु मा पा य मु न्न ल ध कं ॥

तं॥ अथ हि लिखात्मातकावकासं॥ हनंति सुरपातं॥ अथ त्रिसुल न त्यात के व
 कासं॥ हनं नागयातिसादको पातं॥ अथ नागयाती सा न त्यातका वकासं
 अथ यथथेयमद्या सावयायगुं मयपावसुमुकं यो न॥ अथ वेल स॥ स
 अथ नखस्तान वयो न वेल स॥ अकासमार्गितन विमानस्या नाव वग॥ अ
 यो न॥ अथ वेल स॥ सतिदे विन श्री माहादेव या के ने न॥ भो स्वा मि॥ अथ वि
 रवने नाव॥ श्री माहादेव रां आ जाट्टा कलं॥ भो सतिध नत अथ यथधिंदा
 मा मालगु धंदाका वधं कं आ ग्याद यका व॥ अथ वसिर स यो न गु मत्तु क्का
 का वका वलं॥ अथेत्तु सतिदे विन त्यातका व॥ कागु स्या य॥ श्री माहादे
 धालं॥ भो स्वामि श्राव कुपाय ते नापाय॥ अथ लयो लं कु वस्तु कं द तथ कंधा
 आ जां जित्त ना पंध नत पाय ते नाथ कंध या व॥ सतीदे विन धलं॥ भो स्वा
 लमा पाय मुन्न लध कं॥ धाया व सतिदे विन धालं॥ अथ वेल स श्री माहा

॥ निगुरु ॥

॥ २६ ॥

देवशूरसनायावधमरुद्धकं नुल्लयायधुनकावहामाहापुसि नुयावनि
॥ धनलिदेवलो कपनिदेकायु जापति या जज्ञसधनकलविम्या
शायानावउहावि ज्ञातकलं ॥ पुनर्वीरविधिं जथाजोपति कुसलवार्तय
कातकावतलं ॥ पुनर्वीरदेकायु जापति न गुरुसा भीन गुदिनगुस्यतका
तकलं ॥ धवे लसश्रुनेवाद्यातातकाय अघसरपनिष्पारवनहुयकाव
यानावचो न ॥ हरा अघमंगलपुर्णदां ॥ गुलकुमारियात अगद्य
सुस्यकोतिदेवता नारुदयुभति रिषिलोक जज्ञया सो वनेन याव श्रु
नवितायातकावदकोजिला जनयनिदे वनेनयायाव माहा मंगल
मभानददाचो न ॥ गयेचोन धालसा चै हसधि जोतिनिगनरां लित
रायुभतिनेहिस कोतिदेवता नं लितकावददे पु जापति नं आनदरां ज
जनयातकावभिहुक अतिक शुभागतपनिसदानविद्यावहनको

माहापुरिसिनुयावनिस्मश्रीपुरुषकेलाससपर्मश्रानदनंविज्ञानावचोनेजु
सधनकलविज्ञानं॥ अथोलसश्रुनेगवाद्यथातकावमाहाप्रंगलजा
पति॥ कुसलवर्तयानावथाथासधासधिविवासरवियावआनननविज्ञा
गुदिनगुस्यतकावस्वयावसुवेलाससुलाथाजनजग्यआरभयाः
प्यारवनहुयकावगंधर्वयनिस्मनमेहायकावमानामगलजात्रा
रियातअगद्यायावस्यावनेतयावनलपुनवीरवृत्ताविष्णुईन्दु
स्योवनेतयावश्रुगेगपुशनादिपाठयानकावदकोष्ठाचपनिपनिसे
यावमाहाप्रंगलजात्रायामावगुरुवृहस्पतिनजशयातकावपर
गनिगनरंलितकावगथे श्रीप्रामाहादेवविज्ञानं॥ अथेश्वरीनाशयः
तिनंआनदरांजज्ञयानावचोने॥ धनसिअनेगबुल्लननंपनिभो
नविद्यावहनकोतानकोति॥ सलाकिसिदानविलं॥ हनंरावर्तनम

॥ श्री स्वस्त्य

॥ २७ ॥

निमानिकया सुर्वन आदि कोति कोति वेष दान विलं हनं अने गवृहि
सुयस्य कोति देवताय निस्तो दस उचारन दयका वपुजा या नाव जश
पुजा माने या नाव परम आनदन चो नं विरनिसहित न अने गाम्या
अधिपति स श्रानदनं आसि र्वा दय या वपु परम आनदन चो नं आ
विलोक गधर्ब लो क कि न्ने र लो क सप अप सरा लो क थो पति से न
गो ल्प जश या अधिपति माना जग्य या कर्त्ता जुया व वि ज्या क ल्प
भाला ई व ध क ध द दे पु जा पति सुरगि छ ने आवृद्धि जि स ग
व आहि र्जव वि द स या व चो नं द क्ष पु जा पति या ह व ने सु ना शां दु
र या अ उ नी र द रिं चि हि सि श्वर वि ज्ञाना व आ शा द य क ल्प
न पु का जये धा ल सा मे न या जश स व ल वि श्व रु ई न्ध या

॥ हनं अने गाव हिद्ये लक सिसिधुर वस्त्रादि जज्ञस आहुतिया ना वचोने
पुजा या ना व ॥ जज्ञ या ना व ॥ जज्ञ या भाग हने तया व ॥ दसदि जपाल आदि
तन अने गाम्या चपनि जिज्ञा ज्ञ नपनि तया बाल स्वया व ॥ मुनि स्वर
नदन चो नं आन दया ना वचो नं ॥ ॥ धन लि वृत्त दि दे व लोक ॥ सः
॥ धो पनि से न मनं जु को भा ल पा ल पा वचो नं ॥ गधिरा आ स्वर्ध
न वि ज्ञा क स आ ३ मा हा दे व स जो न ॥ ध म द यं कं ज्ञ या द्य ॥
पुत्रि जि स ग ॥ जु ई से म सि या धं कं ॥ गु गु लि पु का र न ग ॥ न
वने सु ना रां दु धा य म द्या ल ॥ ॥ धन लि सा दा त ज्ञा दि ॥
ता द या क ल ॥ मो द क्ष पु जा प नि ॥ ध ल पो ल या ज्ञा अव से न मि न
॥ शु ई नु ध या स पु नि मा गु को द ई व ॥ ध सु पो ल यो ज्ञा स थः

॥ निगुरु ॥

॥ २७ ॥

पराविज्ञानाद्योऽदिगपालदेवलोकध्वधमनविज्ञानाद्योऽ
यं चोराधधिनगुजज्ञि नमस्वनावगध्यधा लसाकुवेर
पुष्टिदयकावृतयाध्वलपोलया जज्ञभीरानधुका॥ भवद
लं भूतेदरिं चिरिविया आज्ञानेनावदक्षपु जायति न गु लसा॥
रिष्यालस्ययावचो न धनलिदधियिन्नधिन आग्यादयक
का॥ अत्यं त्रसुदर जगपरवगध्यधा लसा॥ द्यापपावृतयागु सरिर
लशांतिनकावा जज्ञि गवापयावस्तनपदिलपाव अत्यं क्रवानलान
पोलया जज्ञ भोदक्षपु जायति गध्यधा लसा॥ अत्यं क्रवानलान
कावयानलानकावतकायागु पुकमाननकसि पुलयतजाव
चित्रो स्पतयागु अगलपदि सालधलसना नागु लपदि
चो गक्षसचोनमदुप्ये॥ भोदक्षपु जायति हुनं गये धलसा धन

ममनं विज्ञा नावचो न च्या गुह्यिदि गसये नावचो न अति सभायमान जु
अथ धालसा कुं वेर नं थमन विज्ञा नावचो न ये लुदु घरि धाल सा
मीरान थुका ॥ भवदक्ष पु जापर ति ध कं ॥ दधि चि स धिन आ ज्ञा दय क
जायति न जु लसा ॥ माहा षु सि जु या व ॥ मु सु न न्हि ला व ॥ दधि चि स
धिन आ ग्गा दय क लं ॥ भवदक्ष पु जाति ध लपो लया ज ग्प धिन थु क
य पा व न या गु सरि र ॥ नाना चित्र वि चित्र या टि सान ति य का व ॥ सि ध
व ॥ अ ने त्र वान ला न का व ॥ द्या य पा व न या गु सरि र स जि व म दु धं ॥ ध ल
॥ अ न्यं त्र वान ला न का व ॥ द्या य पा व न या गु ॥ स ॥ स ज्ञा ल वान ला न
क सि ॥ पु ल य न जा व का था स चित्र वि चित्र ॥ का लि ग न नं ॥ नाना चित्र वि
मा ना रू ग ल वं दि ई न्या दि ॥ व या व न या गु ॥ स क न रां स पु री गु या व
नं ग ये ध ल सा ॥ ध न संप ति ॥ दे व न स पु री या ना व चो न ला या सं तां

॥ श्रीस्वरवा ॥

॥ २६ ॥

नमस्तुभ्यं ॥ धलपोलपा ज्ञो भोददे पुजापनिहं नगथा धालसा ॥ अमि
या वचो नमः ॥ गुनिलसिकल ॥ कं न्या वानलाकमिसाया भालन
या जज्ञ ॥ भोददे पुजापनिहं नगथा धालसा ज्ञे विदि विद्योयाय
वलोकनमिसे नपिया वचो नगस्वया वसा ॥ सुस्मानचो नथ चो न ॥ सु
धं कंदधिरिरी विन आग्यादय कलं ॥ धते यादधिं चिन्नरिव या आग्या
नाय नसिव सिवस्व व श्रवध क ॥ गुथिन गुज ज्ञया त ॥ थथी नगु ता
नि ॥ धदरिं चिरिरी स्वर नग विन गु रव लात वल ॥ भोद धिरिरी स्त्री
धं कं भोदचिरा विधल म रव ॥ ध जुय मेव गुल सा ॥ जिन कुत य
या ज्ञा कु ॥ धन नम सुन स लत व ल धं ॥ धन न गव प्रस्य वी न वल
सा ध मय य क म गा कला ॥ धं कं ॥ जी न मय य कं व या या ज्ञा कु ॥ ध
ल ॥ जिन म नृपा गथा भी न धं ॥ अहानुती याना वचो न धं कं

अथं

गथा धालसा ॥ अनिसुंदरि वा नला तममि साया जउ भन ॥ मसक्रकज
 तममि साया भालत नदु ॥ विधु वा मिसा वा नला कथा ॥ दल पौल
 ते विदि विद्यो या वचो नग ॥ दोल दुया वसि रुया वरु या गु ॥ जवं बवं दे
 नान चो नथ चो न ॥ सुसान या नर ॥ गुया वचो नथ चो न ॥ भीद छे पुजा पति
 चि अरि वा भा ग्या ने ना ॥ दक्ष पुर्जा पति रा ॥ शुभं की धया ना वध लं
 रया त ॥ थथी नगु तारि पतल या वल स्वव श्रव धकं जि जला जन प
 ल ॥ भीद विवि ॥ छी छन मरा सा ॥ दुया ई धकं नय म का या ला ॥
 गुल सा ॥ जिन कुत या य पु ज्यु धकं ॥ भीद विवि रि हि ध ज ज स व या
 न गव प्र स्य वो न वल धकं व या ॥ सु ना त छ न त वा यो धाल ॥ जि ज न
 कं व या या ज्या ॥ छन थ पि न गु ज न या ते हे ला या ना चो न व ॥
 या ना व चो न ध कं र त ना या व चो न ॥ आ व जा जि ज श या न हे

॥ नि गुरु ॥

॥ २८ ॥

हे लायानाचोनवल॥ थोया असुति जांनिं डारवे यातचोनवल॥
यातवल॥ थथिरा सजि जज्ञसतयमतेवधकं॥ दक्षपुर्जी पतित
शेषमदुधकं॥ ददुनहु॥ दमरु नंदु पिहाहु निधकं पितिना वछोतं॥
चननेना दधिचि अखिन ग्राज्ञादयकलं॥ भोदक्षपुर्जी पति॥ दन
वुजु॥ बुलयात जाधया॥ दत मचाई वधकं जिगा कल्ला॥ जज्ञस
रानलाक धयानं जि यां कं दो नला॥ भोदक्षपुर्जी पति दन जित
थथिरा अभस्य भाशगप सजि चोने वह लला॥ थ जज्ञस दन
सदासिवमदु जगप स॥ जि चोनि वला॥ श्री ३ सदासिवमदु ज
क्षस दायपा वनया गुस्यया मां अथे वानलाक मदु॥ गथ्य दन
दक्षपुर्जी पति दन जज्ञस सिपुरुपुलु नछोया वथो न गुस्य
सचोन गुस्यया जां॥ सलागु थिस कतक मुना चोन थो॥ भोद

पातचोनबल॥ निन जा गुस्तुतिघानधकंचोना॥ धनंजाहे लाघनं
क्षपुर्जीपतितमचायावधातं॥ भोटधिविआवि॥ जिजशसद्यो
पतिनावछोतं॥ थोबेलसदधिविआविनदेधुर्जीपतियादिदुव
यर्जीपति॥ धनमराजाअहिननदुषतयाला॥ वकोजुछमंछराअ
कहला॥ जज्ञरूपश्रीमाहादेवमदुजग॥ सिकहमवानलाकथावाः
पतिधनजितथजज्ञसचोनेमये॥ लमाषव॥ भोटदेधुर्जीपति
थजज्ञसदनजिचोनधयानजिचोनिबला॥ जगदिस्वर॥ श्री३
सिबमदुजगपसचोनमदुथे॥ धयानजिआकंदोनरा
मदु॥ गथाधनजज्ञवानलाकअथाविधुवामिसावानराक॥ भो
वथोनगुस्ययाजासिकउनावनयाथा॥ धनजिलावनपति
चोनथो॥ भोटदेधुर्जीपति॥ जगदिस्वर॥ श्रीमाहादेवमदुय

॥ आस्यस्या ॥

॥ २६ ॥

कं ज श या ना गु सु सा न चो न थो चो न ध या नं जि नां कं दो न
कं ज श या ना गु सु सा न चो न थो चो न ध या नं जि नां कं दो न
श या भा स मि नि वृ म बु ध कं द धि चि रि वि आ द्वा द य कं लं ध्व त्प
न गु ल सा भ त्पे त्को ध या ना वृ ध लं भो द धि चि रि वि दुरा द्वा द य कं लं
न ज श थ वि न गु ज श स मा हा दे व या त ग ण्य जो ग्य रु ई वृ ध कं ज श या
दे व श रु ई द्वा द य कं मा हा दे व ग न या दे व ध कं स्व य ना च म या पु रु ई वृ
दे व रु दे व ध कं दे व श रु ई द्वा द य कं ध ध पा व द क्ष पु जा प ति च लं
रि रि व न भा ग्ना द य कं लं भो द क्ष पु जा प ति जि न के ने रा न ध कं ई न
दि न स श्री मा हा दे व नं ई द्वा द य कं द्वा र्पा र न या वृ त लं थो वे ल स रु ई
व ने ध कं धा वृ वे ल स ई न रु न म स के से त लं ध्व वे ल स रु ई अ वि
रु ध कं रु रा प वि णा या वृ थ वृ आ स्र म स रि हा वृ नं ध्व वे ल स

॥ मां कं दो न ह्य ॥ भो दे दे पु जी प ति ॥ ग न ज ग य या ध नि ॥ ह र्तिः ॥
 ज श या न ग भि नि न ष ॥ अ चि न श ग य ला ॥ भो द क्ष पु जी प ति ॥ अ ज
 य कं ल ॥ अ च त य द धि चि त्रा वि य आ शो ने ना व द क्ष पु जी प ति
 वि ॥ कुरा कुरा ल ना व यो ना ॥ मा हा दे व ग ये ज श या ध नि कु ई व ॥ अ धि
 व ध कं ॥ ज श य धि नि कु ल द र्ती क र्ता कु ल वे कं थ श्री मा हा वि ह नु थ का
 च म या पु ॥ कु ई व धा ल सा दि गं व र ॥ ल ग्या म द य कं कु ई व ॥ अ धि न त्म ॥
 पु जा प ति ध रं ॥ अ च त य द धि चि त्रा वि य आ शो ने ना व ॥ ह नं द धि चि
 मे रा न ध कं ॥ ई नु ध या त्म जि न म सि या ला ॥ ग यो ध र सा कुरा कुरा
 ॥ यो वे ल स दु र्ता अ वि वि ग्या ना व ॥ श्री मा हा दे व या द र स न या न
 ल स ॥ दु र्ता अ वि न अ त्म कं ध या ना व ॥ ई नु या त ई नु म ज य मा
 व नं ॥ अ च वे ल स ना रु द अ रि वि वि ग्या ना व ॥ दै त्म प ति स ह ने

॥ नि गुरु ॥
 ॥ २८ ॥

आ गदय कं लं भोदान वपनि स्वर्ग तस ईरु को या वत लं थन छप
वे लस दे साय नि स नाप स्वर्ग तस हर्ता ल क या व स वि स हि न या ना व
व श्री मा हा दे व या रे व ने व या व वि न ति या व ना व धा लं वि न ति या ना
ना थ स दा सि व छ ल पो ल या कृ पा न जि दे व रा ज ईरु धाय का व ची ना
दे ल्य प नि स्य न रा ज या क थु गु रि धा स छ ल पो ल प नि से प नि स्य न
इ रे ध कं वि न ति या तं थ न लि श्री मा हा दे व न ते लो क ना थ हा दा सि
न मा थ ल थ या य ध कं आ शा द य का व ची तं थ न लि श्री मा हा दे न
या त्म ना ना व नि ल ईरु या त अ म ला व ती लि न का या व ईरु या त न
थि न त्म जि श ण स दु ध कं छ मा हा र स ना या व ची तं भो प सु ज न म
वि ष्णु ध या त्म जि न म हि या ल वि ष्णु ध या त्म श्री मा हा दे व या ज व वा
ध या त्म पि सा म भु ला थ धी न त्म वि ष्णु ध न ज श स दु ध कं छ मा हा व

या वतलं धनं पति ध्यावना वसुधैव कुटुम्बकम्
सर्वसिंहिनयाना वसुधैव कुटुम्बकम्
वधां विनति याना वसुधैव कुटुम्बकम्
ईशु धाय का वसुधैव कुटुम्बकम्
लपति सो पति स न गथा य माल अथा य स वि ज्ञाय मा ल वि ज्ञाय
लो क नाथ सदा सि वरा आ ग्या द य क ल मो ईशु ध शाय मु स्या ल जि
धनं लि श्री मा हा दे व कु ल सा दे न लि स्या स ग्री म कु ष या य व दे स
जा या व ईशु या त न या व त लं ध धि न स ईशु धु का जि न सि रा थ
यो नं मो य सु ज न म द क्ष य जा प ति ह नं जि न क ने ना ना जि न
श्री मा हा दे व या ज व वा हा न पि का या व त व स म पु ला ध क ह नं वि धु
स दु ध कं ध मा हा मु सि कु या व चो रा मो य सु द दे पु जा सि ह नं जि

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ३० ॥

न कने न न धा ल सा अल धा या ल जि न म सि ला ॥ जगदि स्वर
म सु सा थ वि न म द न ज्ञा स त या व ॥ श्री मा हा दे व व ॥ सु म ख य का
भि नि ब्र म सु अ व से न भो य स सु धा स द क्षा पु जा य ति ध कं ॥ द धि नि
य नि स ह व ने आ ग ण द य क ल ॥ भो मु नि स्वर य नि ॥ श्री मा हा दे व म य
दि जि स चो ने व ह ल ज न्म म सु ध कं ॥ जि गु व च ने न सा ॥ चो ने
द य का व पि हा वि ज्ञा तं ॥ दु र्वा सा ऋ षि न पि हा वि ज्ञा तं ॥ व व नि
द धि नि त्रा षि या आ ज्ञा ने ज्ञा व रि षि स्वर य नि पि हा वि ज्ञा तं ॥
थो न लि आ स ल ऋ षि रू ग रू व ह से य नि ॥ वृ षा सु क्री चार्यो वे
फ स्य ज ग प स गु ना व द ने म जि या व ॥ अ र्थे चं द्रा का या व ज न्म या
मा हा च तुर नार मु नि भ र न गु ल सा ॥ थ ज न्म स द च षि रं हि ला व
र या व ॥ स्वर गु ल वे ल स ॥ ने ति स को ति दे व ना ॥ ज र्ध गं ध व किं नी

सि लाः जगदि स्वर श्री माहो देव या न व वा हा न धि का या त व स
देव वा दु म र व य का व ष स्त ना व चो न व ल श्री माहो देव न न स
जाय ति ध क द धि चि रि वि न आ ज्ञा द य क ल ह न मु नि श्व र षे हि त
नि श्री माहो देव म य ज ग प ह चो नो म ते द भी न स य द ई व व म ष
च न ने न सा चो ने म ते व पि हा वा यो ध क द धि चि त्र वि न आ ज्ञा
पि हा वि ज्ञा तं व व लि से स प स वि स र य नि पि हा वि ज्ञा तं अ ते
ने पि हा वि ज्ञा तं अ वे ल स थ व थ व आ र्थ म स लि हा वि ज्ञा तं
य स्मा तु श्री चार्यो यो प नि स त पि हा तु को व य म फ या न म
यं दा का या व न न या ना व चो नं ॥ ॥ अ वे ल स थ वे चो न था स
ह स ह च वि दं हि ला व ज ग प स म म म ल पा व स र तु ल थ वे भ्र म
ता ज र्ध गं ध व किं नी रे दे स द न व ना ग लो क स व लें स्त्री गुरु र व

॥ नि गुरु ॥

॥ ३० ॥

देव श्री माहादेव वसति देवि विनि मनु को मनु अति भास्ये देव
चायाव मनस भाल पल गये गये नु य न्य ना ह गृहे नु मद य क
को निर्देव ना य धि सद को देव नाद व सक लेयं अ जज्ञ सा लाद व
गथ मात मथ्या न कल हरां अ जज्ञ या ह ती क ती धा ल सा श्री
नु जज्ञ या देव नु लं श्री माहादेव थु का अ द न पु जा प नि या म न
म ना ला या न कल छा य लो रु म ना व ची न ला गथ नु ल का र न
न त न्कार न न्धु न धी न नु या व के ला स प र्व त थ न क स व नं
य या च न सं क म ल स मो क यु या व ह का ला या का ची ना व ला ह
जा त धा ल सा ज रा म के त द य का व थु या दे गु लि नं ज स हि ना व वि
व को रा न क ति श्री सु र्ये पा पे ज ची न थ ज्वा नु लै मा न य
न को षा या व स ती दे वि थ व ष व या मु दे स के क नु त व

अति आसुयेरु हेतुयक नारुदु मुनिस्वर या मनस अरि विस्मय
हेतु मद्यक थये जुयमदु नक्षगधिवकि र्वरव अवि तेरिस
व जज्ञसासादव था क श्री माहादेव व सतीदे वि वृ नित्त जुक्तः
क तीथा लसा श्री माहादेव विनाश म्प वदेव ताता या पुया ज नम
न पु जापति यामनस हु मा लय ल ह न म धु नि मय ना मि कं हो ल
गव्य जुल कार न म दय क थये जुयमदु ध क म न चिंत ना या ना
धन क सु व न ॥ धन लि ना रुद मुनि न जु ल सा श्री मा हा दे
या का यो ना व ला हा त जो ल पा व यो न श्री मा हा दे वा था यो ना व वि
ले न ज स हि ना व कि सिया क्ष गु लि न डे या व म स्म श्रु ग न वु या
ज्वा गु लै पा न या ना व वी न सा ना व म नु क्ष या क्षे ल मा ला
मु दे स के क गु त का व न या व न दि भू दि चार या ल न या व अ

॥ श्री स्वस्व्या

तिआनय जुपाव॥ वारंवारं श्रीमाहादेवया नमस्कारया ना
नदनं सुसुडनकिला व॥ नारुदुया भक्तिभावसोया वपाव॥ मण
लं॥ भो नारदधन्यधन्यदधक॥ दधनं वमि शुतिषुति जुयधुन
दन जुलसां सुसुडराहिला वचो न॥ हन श्रीमाहादेवन जुलसां॥ आ
या॥ कारन दुधकं आशादयकलं॥ नारद नविनतियातं॥ भोज
लं॥ लयोलया जयधानजिनुगलसथातकावपुस्रन जुसे
बु॥ नेसेवि ज्पाहुने दुधालसा॥ दक्ष पुजापतिया अस्य मेधज
यास्त्री युरुष सहित देवतायक्षगंधर्व॥ किर्त्तुरदेत्यदानव
सुदसर्दिगपालवल्हाविष्णुपु॥ तेहि सकोति देवता स्त्री
हिदेवि निलजुको मखना॥ थजशसमहुजिन थजशसमम
हजुहमखनाय रतुदहदेवताया थवथव गशया भागनया

न नमस्कारयानावचोनं॥ धनलि श्री मा हा देवन जुलसां अतिआ
 सोया व पात्र॥ मणस अतिरसताया वृष्टि जु या वृआ शा दय क
 अतिवृष्टि जु य धुन॥ नतवरदानकावधक आग्या जु या वृ नारु
 देवन जुलसां॥ आ शा दय कलं॥ भो नारु द मुनि॥ कु नि मि ति नि न धन व
 व न ति या तं॥ भो ग ग दि श्वर॥ जितवरदान॥ मे व ता म य व॥ सदा का
 र का व पु स्त न जु से वि ज्ञा य मा ल॥ भो पं र वृ ह जि व या ज्ञा मे व ता म
 ति या अ स्य मे ध ज्ञा या त अ र्ग म धो पा ता म॥ स्व गु रि लो कः
 क र्त्तु र्दे स्य दान व श्रु प स रा ग रा व सि ष्ठ पु भू ति अ वि अ ह व
 को ति दे व ता स्त्री पु रू त्व स हि त न स क ले दे व ता रु ह ल पो ल व सः
 न ध ज्ञा स भ म ल पा वृ ष्ठा जु या॥ ह ल पो ल व स ति दे वि निः
 ज्ञा या भा ग न या ना वृ ष्ठ न चो नं॥ ज्ञा या क र्ता भु र्ऋ ह ल पो

॥ निगुरु ॥

॥ ३९ ॥

लं कुको गथथो जज्ञसमथा कग्रथ कं जिमनस अनिविस्मयचा
अरश्री माहादेवसतिदेवि **ध**या कारनकु **जि**मनस **था**स्वये
देविया मनस अनिविस्मय चाया ववे जो केनाथ श्री माहादेवया व
निह्न कुको **कु**निमितिगमवोन **परं** तु नारायन भृषितिनेदि
नैरदे लनाग **जि**तना केहे पमिदस दिग्गल स्त्रिपुरुष सहितन
स अतिविस्मय अयमान चाया व **मि**श्वानरगे विहाय काव को कु
पया कषता व श्री माहादेवन आज्ञादयक **ल**भो युत्समानसतिदे
जिमयया लजिला जन **थो**तेनयानिमितिग थुका जिदि स मवोन
मदुमला धकं **द**क्षयु जायति या जज्ञसम नारां **कु**वमान कु **भो**धि
देवन फराथे बोधविलं **थो**ने श्री माहादेवया आज्ञानेनाव **स**दिदे
यके सते व **आ**ज्ञादयक से विज्याय मते जि नारुद माय वने **जि**व

अतिविस्मयचायाव॥ कोतेवार्तईनापयायधकंजिथनवया॥ ओरे
ननसा॥ आस्येय जुलधकंधयाव॥ ध्यासासुदयावचनरोनाव॥ सति
श्रीमाहदेवयाकविनतियात॥ ओस्वामि जगदिश्वर॥ हलपोलवजिव
नभृष्टितितेहिसकोतिदेवता॥ वसिष्ठपुत्रिनिअपीयक्षधर्वकि
पुरुषसहितन॥ वो नदिजिसनिम जुको॥ कृपाकारनमवोनधकंमन
यकाव॥ कोकुनाव॥ अतिविलापयातावचोन॥ थथेसितिदेवितविला
नसमानसतिदेवि॥ कृष्णतायमते॥ कानधालसा॥ धमययात्मत्याच
जिडिसमवोन॥ थतेन॥ नअमथे॥ अथेअयमान॥ गायमते॥ धनतजि
वमानकु॥ ओष्ठिय॥ धनअमथविषदिविलापयायमतेधकं॥ श्रीमाह
ज्ञानेनाव॥ हादिदेविराविनतियात॥ ओ जगदिश्वर॥ अमथेआग्नाद
नायवने॥ जिववादक्षपुजायतियाजससलवने॥ अथेथथेध॥

॥ श्रीस्वरूपा ॥

॥ ~~श्री~~ ॥

३२

ॐ आ ज्ञादयके मते वधक अथे थये धकं आग्यादयकस्य विज्ञा मते
व श्रीमा होदेवन आ ज्ञादयक लं भो प्रियसति ध वने धाय मते स
तक वने वत कं लिपत स अपमारा जुको जुई व न व वा दक्ष प्र जा
या भा ग जिता विय मु म्हा ल के या नि मि ति न या क गुर व व ध क ध या
दि श्वर जित ग ने ध या मे ते मि सा त स थ व के मा म व वु या के स व ने
रा तिया ना व श्री मा हो दे व न वे ला म वि या व स ति दे वि रा जु
मु ति ध र या व वि ज्ञा त ग थि न गु मु ति धा ल सा स फ ह न त या
कु सु पा च चो ड थो थ थि जा गु व र्न वा ता ता हा क ल अ ति ग ति
ति न र व र्ग या का या व दे त्प या क्ष ल जो ना व हि फु ति फु ति व य व
वि ज्ञा क ल पे पा हा हा द या व चो न ह नं ग ल पो त स मु रा द मा ल
२ न षे चे व या व स्व गो ल मि र वा क ना क सि र स अ र्ध चं द न कु

य
 प्रकस्य विज्ञा मते धकं श्री माहोदेवया होवने सहिदेवी नं विनतिया
 वने धाय मते सलतके मस्यकं महयकं थवके वने मते व मस्य
 हन ववादक्षु जा पति नया कगु मिवता कार न मस्य छान धलासा जन्म
 गुरव वधक धया व सतिदेवि न जुलसा हन विनतिया त भो मि जग
 मव वया के स वने त सलतके व जो ने सुमात धकं अने माथ न वि
 सतिदेवि रा जुलसा अर्ज को धया ना व त म चाया व कारि या
 सा सफ हन तया वत त स्यात का व तव चो त पा गाल य त व गु हा
 क ल अति गहि लि जुया व तना पहि नुलि सने दय का क व व ला हा
 फु ति फु ति वय का व हन व व ला हा ति न अभय वर दान विद्या व
 त स सु रा द मा लान क सा या व मे चु लु २ न ये वा क सु तु न दि व लु
 अर्थ चं नु न कु ना व वा न ला त का व जो न स ना व श्री माहोदेव

॥ निगुरु ॥
 ॥ ३२ ॥
 ३२

न तुलसां गाना वस्य यम का ला व बाल न हृषे स्व कवे ल स हक न
मे रव मात्र न ता रा या रूप धर ल पा व स्ते व ने वि ज्ञा क तु ल गधि न
त्य त्त त व धि क ल जु या व सर्प न चि ना व त व गु तत श्व ना व ची न गु
लि शु ध र द्धु चं दु न कु ना व स्व भा य मान जु य का व वि ज्ञा क नि म
कि सि या क्षे गु लि न न्य या व या व वा चु गु प ल्य स्वा न स्व र्ग मु द्य ष
ति स्व भाला त का व सि र सं ना ना स्वा न रां दु ना ना व वा न ला क ची न
ह नं स रि दि वि न तु ल सां रा ज रा र्जि श्व रि या मु ति ध र ल पा व ह व ने वि ज
उ गु व र्ण स्व ज्व ल मि षा क पा ल स च नु मा न कु ना व पे पा ला हा ति स अ
श्व ज्ञा स या स या सी र स पा रु का त या व अ का स न या से वि ज्ञा क ल व
ना रा म जि ल भाल पा व हृषे स्व क तु ल ॥ १७ ॥ व ल स ह रां
पा व वि ज्ञा त गधि न गु मु ति धा ल सा ह्या उ से दि या ल चो न थे ची न
सन या ना व ची न पे पा ला हा ति स अं कु स व र अ भय जो ना व स्व

कवेलसः॥ हवनं सतिदे विनं तुलसां गुषे श्रीमाहादेवनस्य तः॥ उषे नि
क तुलः॥ गविन गुमुर्ति धालसाः॥ वाचुगु वर्णा मेचुलु २ पि कया वः॥ अ
श्व नाव चो न गु जता द्युः॥ सिरस दयका वः॥ वि भुति न तिया वः॥ जगु
वः॥ वि ज्ञा क लस्व गो लमिरवा क ना वः॥ भाया कर मुर्ति धिर पा ल पा वः
न स्वर्ग मुदः॥ चरव प्यरः॥ थ पे पा ता पे पा ला ला हा ती न जो ना वः॥ अ
वान ला क चो न र व ना वः॥ श्रीमाहादेव ज्ञा ना व वि से व नः॥ थ वे ल सः
र पा वः॥ ह व ने वि ज्ञा ना व क तु सं ग वि जा गु मु र्ति ध र ल पा व ध ल सा हा
पा ला हा ति स अ कु स ध नु सर जो ना वः॥ व ल वि ष्णु ई श्व र म हे स रु दु
ति से वि ज्ञा क ल व ना वः॥ श्रीमाहादेव रा तु ल सा अ ति न ज्ञा ना व वि से
व व ल स ह रा श्री स ति दे वि न तु ल सा भु व ने श्व रि या मु र्ती ध र ल
ल चो न थ चो न ल ना ना ति सा न ति या व चो न ल य ले स्ता न आ
भ य जो ना वः॥ स्व भा य मा न गु य का वः॥ स्व गो ल मि र वा क ना वः॥ अ ध व

॥ श्री स्वस्था
॥ २३ ॥

दुमानु नाव कपालसस्वभायमान जु यका व वि ज्ञाना वा मनि
चोनखनाव श्री माहा मादेव ह रौ ज्ञाना व क षे पाखे वि वृ ॥ थ्वे
व सतिदे विन जु लसा हि ला व वि ज्ञातं गधि न गुरु प जु या व वि
शात्म पले स्थान आस नया ता व मुराद मा लान कोखा या व मा मा
तिन रुद्रा दि मा ला जो ना व द पा ला हा ति रां स पु ति जो ना व
जो ल मिखा द या व चो न क पा ल स शुद्ध चं दु मानु ना व वि ज्ञा
श्री मा हो दे व न जु ल सां शु ति न ज्ञाना व थ र रं ख ना व वि ज्ञा तं
यारूप काया व शु ति वि य रि त मु ति या सा वि ज्ञा व जु ल ग धि
सु या व र जो ण न स त्व गुरु या वि को ण या सि हा सा न द य का य व
वि प रि त न र त या से वि ज्ञा क स वि ज्ञा ना व चो न ल हा ड वा च
चो सा ना ग या जो ना रां को षा या व वि ज्ञा क स मुरा द मा ला न के

न०

वे ज्ञानावा॥ सति मय नद यका वनया॥ नाना आलंकारं न नियाव
पाखे विवृ॥ ध्व वे लस सति देवि न जुलसा॥ भेर विद्या रूप जु या
गुरुप जु या व वि ज्ञान धाल सा ह्या उ गुरु प धे का ला हा त द या व चो
रवा या व॥ नाना श्रु सं कार न नियाव॥ वस्त्र न य हि स या व॥ धृ पा ला हा
पु लि जो ना व॥ नि पा ला हा ति न वर॥ भ ये वि स्य वि ज्ञा क ल॥ स्व
कु ना व वि ज्ञा क ल॥ थ धी न गु मु ति॥ ध र ल पा व वि ज्ञा क ल॥ ना व
व ना व वि ज्ञा तं॥ ध्व स्य या व सति दे वि न जुलसा॥ हु न धि नु म य
ग व जु ल॥ ग धि न गु मु ति॥ धा त सा नृ स यो त स कुं त्सा य स नः
ना त द य का य व॥ सिं घा स न स वि ज्ञा ना व॥ शु ति धा न ला त का व
ल॥ ह्या उ वा चु या व री जु या व वि ज्ञा क ल॥ नि पा ला हा द से च
रु रा द मा ला न को षे वि ज्ञा क ल॥ ज व ला हा ति न र न॥ ज्ञो ना व

॥ निगुरु ॥

॥ ३३ ॥

थवसिधमनंहेदरायानावदेपालाहातिसमुरारमासाफय
यावृद्धुलिधाराथवलाहातिसचोनगुमुरादयासुतुसलातका
वर्णिनिगनयातचनकावचंनुसुर्येयातीसानतियावस्वजो
हुनावचोनप्रथविंजागुजाजुलेमानतेजापिकायावविष्पाव
स्वनेगुनापंसामर्थमदयावअयमकालावअथेयायथथय
थनहिसतिदेविनजुलसाहंतधुमावतियांरूपकयावश्रीम
गुमुक्तिजुयावविष्पातधालसा॥नानादुसन्नकावकोरवजुन
तिवृद्धीयारूपविषवास्वरूपदुदुनिपा॥फसवलसानानादुसन्न
थसविष्पानावआकुलव्याकुलजुवहचोनथं॥धपालाहाति
धयागुहतिहार॥जोनवचोनप्रयामुक्तिघनेदयावश्रीमाहोदेव
धातिसियानंघनेदयावलधकंमनसत्रासचायावज्ञानावचोन

रारमालाफयावतवत्प्रथमगलपोतसरास्वगुधारहिरिका
तुत्तुसहातकावहितोमावनिगुधारजवषसचोनह्रदांकिनि
तियावस्वगोलमिषादसेचोनह्रदः॥ कपालसअर्द्धचंद्रमानः
यावविष्णाकषनावश्रीमाहादेवनजुलसांशुतिनशानाववि
यायथथयायमसियावमिषातिसीयावविष्णाकजुलो
यावश्रीमाहादेवयातदंसनविस्पविष्णांत॥ ॥ जधिः
वाकोरवजुतकावतयागुधोजातयावरथसविष्णानावशु
नानानादुसनकावकोरवजुतकावतयागुधोजातयावर
धपालाहातिनं॥ धररंकातकावधपालाहातिनं॥ कृता
श्रीमाहादेवजुलसांशुत्यन्नभयजुयावआवगथेयायमी
ज्ञानावचोनवेलस॥ सतिदेविनतसांधुमावतियाशुर्द्धि

॥ श्रीस्वस्वा ॥

~~॥ श्रीस्वस्वा ॥~~

३४

लोसताव व गुला मुविगुयाव दरसन विसे विज्यातंग धिगुमु
रुन मनिमनि मानिक मुकशादयका वतया मुगुक्षे सरर्चज
विज्या नावलासु खाल जया व पिता मरया वल नयहिल पा
देत्ययामेव मुपु जो ना व धपा ला हातिन मविशामाला जो ना
पुसुर्ये याते ज पि का या व धे जा ला पि का या व स्व गो ल
व सो भा य मान जयका व विज्या कल रव नाव श्री मा हा दे
नरक्षाम जुल भा ल पा य विस्प व ने ध क म नं भा ल पा व
न जुल सा ध वि से व ना रां ग ना व नि ध क भा ल प ल ध व
शरु प ध र ल पा व वि से व न था य स हे पा ना व वि ज्या क
रुन म नि मानिक न द ये का तया गुर न या य ल स आर
रुन व हिल पा व पे पा ला हा ति स व र्ग व र्ग पा स अं कु

गातंगधिगुमुर्तिजुयावविज्ञातधातुधस्तसा निमेरवेमानन
गुक्षेसरर्चजकवाहिरमुकनययव्यावतयागुसिहासनस
नयहिलपावनानातिस्तानतिथावाह्यालाहातिराभभुर
यामालाजोनावसततस्वातन्त्र्यवसफेदनतयावचोनप्र
वावस्यगोलमिषाकनावधवसिरसअरवदुमानकुना
श्रीमालादेवकुलसाअतत्रज्ञानावआवधातुसाजिष्ठा
भालपाववेगनविसेवनकुलध्वस्ययावश्रीसतिदेवि
हपलधवमनसश्चत्पन्नगातभालपावलमातंगिया
गवविज्ञाकगुलगाधिगुमुर्तिजुयावविज्ञातधातुसा
यलसआसनसविज्ञानावस्वामर्वनजुयावह्याइगव
पासअंकुसजोनावमिरवास्वगोलदेस्यवोनश्रुवच

॥ विष्णु ॥

~~विष्णु~~ ॥

३४

दुमानकपालसकु ना वस्वभायमान जुयकावः॥ जा जुल्यमा
नाव अतिनगानावथररं जकषाना वक्षतानं धायमप
चोनगु वनावः॥ श्रीसतिदेवि न जुलसाः॥ आवशुतिवृशा तभा
यकावः श्रीमाहालक्ष्मी यामूर्ति धरल यावद स न विसे विसे वि
र्वनचोनथे वरी जुयकाव यल्ये स्या न आसन यानावः॥ नि पा
तिनः॥ वरशुभयथासे विज्ञानावः॥ पेपुंदतदुपि पे त्रकि सी न
वयातकाव विज्ञानावः॥ अतिहर्षमान यानावः॥ विज्ञाक स
आवगथे यायः॥ थ जा शुसंतवानलक थन माजित कप
थिन स करुना मय मुक्ति जीन मषा नानिः॥ आवथ या के जा जि न
थरखानावः श्रीलक्ष्मी या स्नेहने आग्याद यं लं॥ भो सुंदरि च
हेने विज्ञानाः॥ जिवलिहे हु ज्पाद वलाः॥ जिप्राशा समान सति

॥ आ गुरुस्य मानसं यथा वृत्ते ज पि का पा वः ॥ ने वने चो न व व व
नं कृ धा य म प ॥ पा व सु सु कं चो नं ॥ ॥ थ व वे ल स श्री मा हा दे व थ थ
म न्न शा त भा ल पा वः ॥ मो ह नि रू प क या वः ॥ स्व को ष को मो ह न गु
वि से वि से वि ज्ञा त ॥ ग थि गु मु ति ज या व वि ज्ञा त धा ल सा सु
ग ना वः ॥ नि पा ला हा ति न ॥ नि पो प ल स्व न ज्ञो ना वः ॥ नि पा ला हा
पे ल कि सी न ॥ ॥ र त्व न च ल पे गो ल स अ म त त या वः ॥ अ भि स्य
वि ज्ञा क ल स ना वः ॥ श्री मा हा दे व न ज्ञ सा वि स्य व ना नं म जि ल
मा जि त कृ पा द ई ल ॥ चो न थ चो न ॥ जि न डि गु लि मु ति वि ने धु न थ
या के जा जि न रो डे ॥ मा ल ध कं म न रां भा ल पा व ॥ ज्ञा से शा स्य थ र
मे सु द रि च ल पो ल सु व जि न ज्ञा म सि या ॥ कृ पा नि मि ति न जि
स मा न ॥ स ति दे वि च ल पो ल से न व न ला ॥ म र व न ला ग न व न नि

॥ आसवस्था ॥

॥ ३५ ॥

अयनथेधावधकंधयाव॥ श्रीलक्ष्मीया मुर्तिन श्रीसति
नावकायज्ञा नावविसेविज्ञागा॥ दु कामनाशां विस्ववना॥ ने
सुमनकावसोसेविज्ञाहुनेधकंधयाव॥ हरां नृपाकोध
श्रीमाहादेवयानेवरो शाणादयकला॥ परमकृतिधया
गधेधाससा॥ गार्भिधानमजुयकंपितकयापि॥ छल
लपनिस्वसजलामयजुयावचोनग॥ कारनधयाज
अनिजुयाव॥ छमिसेनतयया नावा॥ नपनपतपधकंसोस
लशितकाव॥ संखनचुयकसेवया॥ वभाणां विहनुयाथास
गनरावलषास॥ अजीघडचायापुथीयमतेवधकंस
नायाथासवनाधुमानगुलसा॥ अक्षगिबगुसीक
॥ छमेस्वकगुलं॥ गुघेरस्वतउघेरखातदयकाववि

निर्नथासतिदेविनजुलसां आग्यादयकं लं॥ छलपोलजि का
विश्यवना॥ छेवयावमलमनला॥ छलपोलयालुलमव्नला
नरुणाकोर्धजुववेससधरुलयागु॥ काहिया मुर्तिजयाव
मकुतिधयासजिचव॥ छलपोलस्यनस्यसेविजोदुने
यापि॥ छलपोलयनिस्यम॥ रुदुविहनु वल्लायव॥ छलपो
नधयाजसविज्यानावचोनवेहस॥ जिनआकास
नपधकंसोलजिनसीकमारूपजयाव॥ जिसरिलधोः
विहनुयाथासवना॥ विहनुनजुलसां॥ धो धलगाकगु॥ सि क
मतेवधकंसनरांभालपावविस्थावना॥ धो वेलसहनं॥ व
गकगुसीकगननंथनवलधक॥ धवजाद्यो॥ चायागुधया
दयकावविद्या॥ धवपाविमिर्निनवुल्लाययेपातका॥ लय

मिगुरु॥
॥२५॥

तजुलहं **॥** छ लपो लयाथासवया **॥** छ लपो लसेन द्यौ घचासे **॥** जित
 वजि अति सुसिजुयाव **॥** जिगुपुकि ति **॥** थहे जुल धकं मनरां भास
 सेन जित आदर भाव या कषमाव **॥** जिन छ ल पुरुष याना **॥** थते
 वस्वस्थ वि ज्ञा हु म **॥** थते ष म्ना व **॥** श्री मा हा देव या मनस
 माल धकं मनरां भा ल पाव **॥** थनं दृ पा या घट को यात व मं
 न जुसा **॥** दृ पा या गुणि गुलि मुर्ति दे क गुपुया स्थ वि ज्ञा त क
 मंथ व पिता दक्ष पु जा पति रात्रि मं वना मया क गुलि म्ना व
 ला सु वृत्ति तो द ता व हा कु ब्धा ल का लि या मुर्ति थर ल प जु ल
 दे या ब्धा ल स्व या व **॥** मा हा मा या सति दे वि या मा या न तो व
 उ गु या व ध कं वे ला वि से वि ज्ञा त क जु लं स नं रां दि स ल ता
 प्रा न स मा न स ति दे वि द क्ष पु जा प ति या ज न स व ल व न्ने ध ल **॥**

धौ घचासे जित आदर भाव या ना व आसन या ना व विज्या त व ना
कं मनरां भा ल या व छ ल पो ल या त भ ज ना या ना छ ल पो ल
ष या ना थ ते न जि व हे व व छ ल पो ल व हे व व मन नं भा ल या
व या मन स श्रु ति कौ तु क आ स र्ये चा या व थ व जा गु पु या य
तो या त वे मं द द य का वा वि ज्ञा क गु ल थ व ल स श्री स ति दे वि
वि ज्ञा त क गु ल थ गु स ति दे वि या मु र्ति ध र ल या व गु ल ह
सि ल म ना व लु म न का व ह नं म स अ ति दु ष ना या व थ व गु
ध र ल प गु ल थ मु र्ति ख ना व श्री मा हा दे व न गु ल सा स ति
मा या न तो क पु या व हे प्रा न स मन स ति छ न गु गु ई क्षा गु ल
रां दि स ल ना व आ ज्ञा द य क लं आ ज्ञा द य क ल धा ल सा जि
व ल व ने ध ल आव छ न र थ न या र या ना वि व ध कं आ ज्ञा द य

॥ श्रीस्यस्य

॥ ३६

कावनदिनजुलसां श्रीमासदेवया आशासिरसा तयादत
नजुलसां रथसदना वगनदक्षपुजा पतिनजगपात अन
वने आशादय क सं ॥ ईति श्रीसकय उपरादे म
जापलिया जलस पुवेसका म म म म म म म म ॥ ६ ॥ हर
दय क सं दे भ म म म मुनिथु गुरव क मे व न आ न उ पा त ज गु
क न ॥ ध न लि म म वि र नि या च र न म म म म म म म म म म म म
क न म
मा मा म
ल या ल या च म
ध न स ति दे वि या व च न न म म म म म म म म म म म म म म म म
वि न ध ना व थ व थ स को ना व ध ल ॥ कु धा ल सा म म म म म म म म

सरसातयादतत्काररथहयाववित्तथोनलिभीसतिदेवि
 नजगपातअनथेनकलविज्यातां धं कं कुमारने शुगस्तु या ह
~~अथ उपराने सा रा सा स्त मे ठे सा य जे दे सतिदे वि दध~~
 ६ ॥ इद उवाचा च ॥ हन कुमारन ॥ अगास्तु या हवने आग
 न उपातज गुलि सुकने डं ६ धं ॥ कुमारन अगास्तु या त्व
 कपुयाव ॥ मीषान द्वादि द्वा प का व ॥ पुनरकार मिषा ह्य उ क
 वा दि जय का व ॥ मा म पा सा त स्व या व ॥ आ ज्ञा दे य क ल ॥ भो
 अ स म ध ज न सं जि नु को ग थ म थ्या त क्ता जि नु क ध ल पो
 कु अय धार ध पाना ॥ शु ज्ञा दे य क से वि ज्ञा हु ने ध कं ध या व
 शु य मान चा या व ॥ क्रो ध या ना व हा क स्य नो ना वा व न वी र ॥
 न सा ॥ भो पु ता क व व ष ना व जि अ ति क उ त क चा या का रा

निगुरु
 ॥ ३६ ॥

धानलसा धनियदिनसजिनसपनासगमेसना धयेन
जुयुजिमसिया हाय २ जिलावाभगथेहाकुस्येगथे-यो
नसां भालया वयोमा धान धालसा सपनासतुं धन
वया ल अत्यतनिद्रायानधसह पायमय पाव धनपान
होदेव क्रोध जुया वज्र विधसया नावविलधकं जिनस्य प
लवमावधसपनासधीकजुल थो जा जगत्समातारवमने
धकं मनसभा ला पाव भोपुता आव भती निविलं भयाव वि
नासहायाधवक्षसा हाती नहुं नकासा ल जिगुला हाती नहुं नका
भति-चाचिय नथियाव आव जीववादक्ष पुजा यतिन जज्ञ या कथास
सतिदेविहाकुसे कृष्णवरी जुया व वक्षसनावदक्ष युजपतिन
श्रुतिनिद्रायाक जुल गधमनिद्रायातधालसा ज्ञयाकथ

सना॥ अथेह नगुसुर्विजी नखरेधुन॥ थयाकार मथग। थर
कुस्येगथे-चोन॥ आवथी ह्याच नजित तो लतई न धकम
नासतुं॥ हन वुवायु क्षयु जाप ति न॥ हन भा लत माहोदे
या व॥ हन पुा न त्याग या त॥ हन पुा न त्याग या क्खे खना व॥ मा
धकं जिनस्य पना सस मा या निमी ति न ह व व शु ह न छा
न मा ता ख म ने॥ अथी जाल जगत मा ता जु या व जित मा म
म विल भ या व॥ विस ता र न ह न त के ने ह्या य म चा थ वु के स व
ता हा ती न ह न व व कं विल॥ थो आद र ना व न॥ मा म न वि व व ना व
न ज ज या क था स व ने ध क वि ज्ञा तं॥ थो वे ह स ज ज या क था स
प द क्ष यु ज प ति न व ना व॥ अ त्प र्ति क्रो ध या ना व मा हो दे व या त
त सा॥ ज श या क था स चो न था स प नि स म धि दे व लो क दे त्प॥

॥ श्रीसख ॥

॥ ३७ ॥

गन॥ यक्ष गंधर्व किर्त्तव्य सुरा विष्णु पुमिति॥ तेति सकोटि देवता
जशस गथे नि सत्र नाया त कल गथ्य को य॥ ध्व सजिल चाया गुन
ववाधाय लो व॥ गुण दु म दु चो नि वृ धाल सा शुन थन कु थ्य क
नया वसु या गय म का स चो नि॥ मा न्य या त सा अय मान भा ल
धर्म न दु या य सु चाल स॥ कर्म न दु या य सु माल स॥ चंद न र
क्ष वृ धा ल न वृ धि चा वृ ध वृ ड ति भा ल पि स॥ सम सा न वृ स्वर्ग
धाल सा विर व स ग जि ध नु र॥ थ थे न म सि क॥ ज म दु त रा म वि
ख भा ल पि वृ य र लो क या न य न मु माल स॥ थो जा त ष्य ष्य म सि
त वृ ध न नृ ई व॥ स क से ध रा धा ल सा वृ ल न धा वृ वृ ल या ल
अ भा सं म दु क्ष वी धा य धा ल सा॥ ज ता द या द चो न॥ न स न नृ
पो या के दु म दु म वा पा र ई प दि दु म वा क सु दु र धा य धा ल स

निसि सकोटि देवता या होवने ॥ स्वर्ध थि जा ल ॥ मा हो देव या त थ
तजिल चा या गुन ग थि जा गु धा ल सा वै स न धा ल सा व वा या सि न
न थ न कु थ क ना म कु म ड ॥ न ई गु धा ल सा ॥ य स ग जि थ तुर
अ य मा न भा ल पि व शु मा न या त सा मा न्य या त भा ल पि व
मा ल ल ॥ चं द न या प लि ॥ म सा न या रा ति न बु या व त ई ल हे
स म सा न व स्व र्ग व ७ ति भा ल पि ल ॥ भा ल पा व चो मि व न य गु
ज म ड त रा म थि वा ॥ सु ष गु या व चो न सा ॥ उ र व गु या व चो न सा सु
जा त ७ ७ म सि या जि न ॥ सु या त मा ने रां म पा व ॥ सा द थ व
व ॥ वा ल या ल क्ष न धा सा कु म ड ॥ य द वो ने म स व सा स्र पा
व चो न ॥ म स न न बु या चो मि व ॥ वे स्र धा य धा ल सा ॥ वे स्र या ल न
उ र धा य धा ल सा वि ज ग नं फु कि र फु क टा ॥ वा स न या स्र वा

॥ नि गुरु ॥

॥ ३७ ॥

ओशाकः सा ग या जो नाथोशाकः महुः सुडपा जो नादईवमपुः थतेन
तिं व ना व मिक्षा फेः ना व न या व गुई ल गृह तिनं अतिथि शुभा ३
सिधा य धा ल सा जित्या च स ति दे वि थ या के डु थते या कार न थ
गु ज क द ई व थ या त जा व न ज तु धा य मा लु थ या धा ल सा थो या स
या मु ति स न थ मा मा हा या प या मु ति गु या व चो न ल ह र मा हा दे व थ
ल्या च थ स ति दे वि ला क या नि मि ति न थ ल्या च या कार वि दु त
थे म चो न जि थ धि न त व ध न रा जा गु या व चो ना थ धि न मा ग प प्रा
न ल मा हा दे व या त जी ह्या च ला त का व वि ल हा म जि ह्या च स ति दे वि
य हा वु से चो न कु य या क न क पा ल स चो या व त व गु सु ना रा म ख य वे
छे गु लि न डे या व चो न गु गु ल थ ते न या ति मि ति न थु का जि न बो ल
द धा यु जा प ति न बो ल वि या व गु नि आ या क ने ना व थ ज ज स चो न प

स्वमधु॥ ध्वतेन ध्वश्रु नमधु॥ गृहसि धाय धालु सा॥ ध्वन ह्वेषा यं
प्रतिथि शुभागतया सखा याय मात्र॥ ध्वन न गृहसि नमधु॥ संन्या
ते या कारन॥ ध्वयात गथे संन्यासि धाय॥ ध्वह्वता मधु पिजावनजं
धालु सा धोयास सडु ध्वया ह्वेडु॥ दंकि नि सा की नि वृत्ता चारि॥ ध्वह्व
हरमा हो देव धया मधु या मुर्तिष वृजिन मसिया॥ ध्वया के जिह्व
या कार विदुत शुकार जु या वचो न जि के जन्म काल वृत्त चो न ध्व
थथी निभा गप्रानिया के नारुद मुनि वया वृ॥ लमि जु या वृथ थथी
जे ह्या च सति देवि या दुर्गति स्वय माल॥ शुर्व नय मख ना वृत्ता लना
नु ना रा मख य के जि ई व मधु॥ ध्वन भालु तया था स अम कि सिया
धुका जिन बोल वि य माल॥ गुं धर्क नाना मा पशं श्री मा हो देव यात॥
ध्वज शस चो न पनि दरिनि शुगस्त॥ आदि मुनि बाल न सकल यो

॥ आसुखा ॥

॥ ३६ ॥

कोयावथवन्सपोतसहालाहातिनतिपावदना२वनजुलं॥हमव
खरबोलविहंयान॥कनभालतसिनमसिक्कनतथाथिनसुभ
ह्याचजुयाव॥भुतयेतन्ननायचोममालकिकि॥कनथनथथिन
सयाह्याव॥कनअमथिनगुलावसततिसाकनकातस्ययमा
ता॥थजजसवोनेमभु॥जिहोनेवयमते॥कभालतोसिनारुक्वि
न॥कनतअन्नवस्त्रविय॥अमपाययामुतिहिरमाहादेवदतले॥क
जुल॥थस्ययावसतिदेविनजुलता॥थवस्यामिश्रीमाहादेवयात
आज्ञादयकलं॥हेपितादक्षपजोपतिजिस्वामिश्रीमाहादेवयातधुलि
धंकेबोलवियानिहायाना॥आव॥कनकुमतिथाहाववगुणनाव॥को
पोलयातबोलविईनिशुयाईवमेवनशायुवमभु॥आव॥कनतका

२ वन गुलं हनद क्षय जापति न गुलसं सति दे विद्याया तस्य या ला
तत थथि न ह्य भा लो कु या ये जि गुलपा स गा ति क गु हे भिन जि
वन थन थ थि न गु क्षु द सा गु ल जि थ थि न स रा जा गु या व चो न
न खा ल स य ना प म य या पु न भा ल तो मा हा दे व जा य थ थि ल
तो सि ना व छ वि धु वा गु य न ज क छ जि था स वा यो आ ले नि नि जि
हा दे व द त ले न खा ल जि न स य म छु बाल फ त हि ला व चो न
मा हा दे व या त भ ति नि डा या क बो ल वि मु गु स ह या य न फ या
हा दे व या त थु ली तो नि डा या य गु बो ल वि य गु न त छु य यो ज न द व
व गु रा ना व छान धा ल सा ग्व स स्था न का लं थि व स स्था न ज क व स
आ गु न त का ल व ल गु य मा ल हे पि ना छ न के ज न्म का ल व या

॥ नि गु ल ॥

॥ ३६ ॥

गु. ध्वसिरिजिना. छनसेवने. मतोसेलनसे. ध्यापजिप्रुनकेफ
जांमहाम. नु जयेथुका. छनबोलविया. रांसिधिलमधु. दुरवता
सिवनेथथीनखस्तायजोग. गुईवगुमधु. आबुनु. छनरक्षाजुये
मां श्रीमाहादेथुका. छनविष्णुप्रभितितेसि. स. छतिदेवता. नारदय
दानय. अपसरा. नाग. लोकस्त्रीपुरुष. सहितरासकलदेवता. वीन
विष्णु. गुल. श्रीमाहादेवथुका. ध्वसकलदेवताया. नायक. जु
पा. सहारकर्त्ता. गुल. श्रीमाहादेव. गुल. थुका. भो. पिता. द. धे. प्रजाप
श्रीमाहादेव. चल. नाक. अ. म. धिन. अ. सु. ध. ज. शया. ना. छन. क. ल्या
वेल. सति. नि. छन. ज. रु. सि. ध. गु. ई. व. छन. त. फ. ल. ला. यु. व. भो. धिता. सं. व.
रा. अ. सु. ध. ज. श. या. त. ध्व. ते. न. ध. वा. आ. रा. द. स. सं. कर. नि. त्म. द. त. हा. व.
गु. ला. जी. नि. प. नि. म. वो. ना. या. का. र. न. छु. भो. धिता. द. धा. प्र. जा. य. ति.

यापजिपुनकेफइवरु॥ श्री माहादेवधयालधनलसि। वसाव
पलमधु॥ दुखताइलमरु॥ तमचाईलमरु॥ वयातहु जुयाईव॥ जि
नु॥ छनरक्षाजुयकेयलसा॥ जशयाफलविईलम॥ कर्ताकर्मधयाल
सिदेवतानारदयुभीष्टि॥ मुनिमधिब्राह्मनयक्षजंधर्वकीचरदेत्य
सकलदेवतावोन॥ जिपनिलजुकोगथमकेना॥ जशकर्ताफल
पतायानायक॥ जुलथीमाहादेवविनारांमदुधका॥ हरांभुविधिनि
मोपितादधेयुजापतित्रीमाहादेवविनारांजशयाकर्ममदुधधिनलः
पाना॥ छनकल्यानयायजुलसा॥ श्रीमाहादेववोनकलध॥ कोवध
युव॥ भोयितासंकरसंकरयानाछोव॥ असंकरयानावअमधि
करनिलदतलाकंदला॥ शंकरधयालमजा॥ श्रीमाहादेवधयालम
तादधायुजायति॥ समस्तआशादयकिवस्यविजाहुनेधकंधा

५

॥ श्री स्वस्था

॥ २९ ॥

संथते पुत्री सति देवि या वचनरो नाव दक्ष प्रजापति नश्रा ग
साधा लसा ॥ धन पुरव वराधुका ॥ ध्वजग सतय भजो श ॥ ध्रुवा नि
कोति विष्णु पुमिति देवताद व हसां अवि लोक मुनि लोक ॥ ब्राह्म न
क शक्षा सस्ति वि पुरव स हित न शु ने ग र त्व मनि मानि क्य या
स स बुया व ॥ चि त्र वि ची त्र या व स्र न य हिल पा व वे द द्यो स ॥ स व
नि मे हा य का व ॥ गंधर्व य नि से न मे हा य का व ॥ अ स रा प नि ष
धि ना हार ॥ मा हा दे व ग थ्य ॥ अ स्य भा द्रु य का व व ॥ भो पु वी ध
न स स बु या व ॥ वा द्य क ला न ज स हि ना व ॥ किं सि या क्षे गु हि न
या व ॥ मि स्वा ह्या उ क क ना व ॥ ला क २ थे ष्या च न द्रु या व ॥ ज रा क
ति नं द म स्था ना व ॥ स व ला हा ति न वि सृ र ण छा या व ॥ भु न प्र
चु ला व ॥ अ म द य का गु र्व ॥ ध्व न थ न ॥ अ रो ग नि स्ता जा न

जापतिनश्चा ग्गादयकलं भोपु वीसतिनेन छ सादुखता मतेवा
अजोश दुया निमिर्त्तिनधा लसा थ्व अस्म मेधज शस सुयस्वः
निलोक ब्राह्मन यक्ष गर्धव किर्ति व अप सरा दे स्य दान व नाग लो
मनि मानिक्य याति सानया व श्री रं द व्यु रोग न आ क २ गुहिनः
व वेद द्योस सवद दय का व नाना मंगल जात्रा या ना व गधर्व प
व व्यु सरा प निष्ठा षडु य का व चो ना ध धिन थाय स अ धिनः
व व्यु भोपु वी ध न भा लो गुई ग धिन धा ल सा भस्म न थुं ग
सिया क्षे गुहिन ने या व आ थ दो ह ग या व य स ग जिध तुर न
दु या व जटा कु म द य का व गुि वा स र्ध न को र वा या व ज व ला ह
छा या व भुन पु म पि स च न सीत का व दि गं व र जु या व व्य क २
गो ग निहा जा ल प नि द व्यो ह न थु ने ग दे व क व्यो व गं धि व कं

नि गुरु
३६

आकि नरव कं न्या राग ग कं न्या छ नतता के रे शु प सरा प नि दु ध न
मनु री दि ग व रं मा हा दे व वो ने भो पु त्री थ थिरा प बि व थ य स ने ति
ग थ शु म थिरा शु स भा मा हा दे व वो ने भो पु त्री थ ते न वो न क ल
कं छ सु धा वो न क ल म ह या थ स च रु ख सा य म ते भो पु त्री स ति दे
त म पु छ न पु रु ख थ थिरा यानि मि ति न थु का छ सु धा वो न क ल
ती श्री मा हा दे व थु का धा ल छु या मा हा दे व म श या भो का क ती
का थ या स्र जां श्री मा हा वि ह्नु थु का श्री मा हा दे व ग न या दे
सं हार क श्री ध या स्र जां श्री रा रा य न थु का श्री मा स वे वो ना रा
सां छ न भाल सो मा हा दे व जां ज ग्ग स थ ज ग्ग स वो ने म पु श्री मा
मो मा हा दे व म वो ना रा थ ज श जिन स मुरी या य वि म फ र्द ब ला
बे या ना व न या स वै य कुरा ना थ श्री मा हा वि ह्नु श्री रा ना रा

पसरापनिदुधनसाजातगनयनिचीनथासगथाअमपिनलज्जा
पवित्रथयसनेरिसकोतिदेवतासंसंजुगक्तंजुयावचीनथायस
थितेनवोनकलमहया॥छानधालसा॥द्वेनापेमाहादेववईध
ने॥भोपुत्रीसतिदेवी॥धराजिकअपराधपातमषु॥जिकेगुस्तिवाया
सुधाबोनकलमहया॥भोपुत्रीधनधालसासुखिसंहारयाक
शपाभोकाकर्त्रीजुयमाहादेवजांवयथुका॥जशयाकर्त्री॥भो
हादेवगनयादेवअष्टिकर्त्रीधयासजांचतुर्वब्रह्माशुकाखि
भोमजेबोनाराजिरायानागुजशकुणा॥असुधजुईव॥यथेधाल
सबोनेमषु॥आभोमाहादेवजिशगसकुवरदानवियिग्रआ
ययिमफईबला॥भोपुत्रीसतिदेवितेतिस्कोरिदेवतानमा॥
पह्नुआराणारायनथुका॥जशयाभोकाकर्त्री॥भोपुत्रीजगम

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ५० ॥

या कर्त्तृ श्री नारायण वाहिक साहादेव मधुधकं ॥ नानामाध
दुबन्धन भास्वाने नावसति देवि न गुरुसां ॥ वाक तट वाक तट
तवो यो स्थाना वमिषान जंबवंस्य या व ॥ थवस्यामि ध्यात ॥
या क गुरु गल स सह या य म फ पा व ॥ थ व नु गल स थ म रां दा
प तिया ध्यात स्य या व ॥ हे या पि व अ मो लि लु गुरु लु मु तु रा जि
विल ॥ उ गलि मु तु य सु या मु तु गुरु य मा ल ध कं स्त्रि रा प विल या
स्त्रि ची क ल उ ला व ॥ शिव सि व ध कं थ व स्या मि श्री मा हा दे व या न
ना ग या ना व ॥ हि मा रा य ध र्ध त स ॥ मे न ला या ग र्ध स वा स य
शो द य कं लं ॥

~~विष्णु मन्त्रः ॥ १ ॥~~
~~सति देवि न प्रानत्या या ना व अ जनी न थि य न छा ला व ॥ थ व न लि~~

॥ स्वदत्त वाच हे अगस्त्य मुनि ॥ ॥ स्व नलि
॥ घालावा ॥ स्व नलि सति देवि नृपान त्यागयात्कुरु स्ये विष्णवे

40

गुह्यया वृषादि न तुलसा श्रुति विहाय याना वृषातिरथ जो न
व नंदि मिंदिरा विहाय याना वृषी माहादेव या ह व नो दक्ष युजा प
थ म नदाया वृष्य थी स ग्वल श्रु लावा मुक्षा गुया वृ विज्या तं
ना वृ विज्या क जुल ॥ ॥ थ न लि स ति दे वि रा ज न स दु धान
ता नारु दु यु मि ति न वि लो क ज धा गं र्ध व कि चर अ य सरा दे स
वृ या य हे म सि या वृ चो न ॥ थ वे ल स थ ज न स मा हा उ या त जु ल
न घा ला व मा हा वि य रि त जु ल ॥ ह नं कु मा मु म्बा ल कं मे घ न ग ज
मि षा स तु ल वृ ना वृ गो ल गो ल तु ला वृ चो न ॥ ह न गृ लि धि नं
लि धि न वा यु न यु य क य नं ॥ ह नं गृ लि धि नं वी या वृ चो न ॥ ह न
हा स थ हा ला वृ चो न ॥ थ थ जु ल ध कं सु ग नं कु धा य म फ य
मि वृ या य हे म सि या वृ ला च य नं जि ला न न प नि ॥ था स था स वृ

रथजो नाव॥ के लास थे न कल वनं॥ थवे लस घालि रथजो ना
दक्षयुजा पतिया हि दयरा सह या यम फया व॥ थव नुग लसः
विज्या तं॥ हन चेष्ठा दयका व॥ सति दे विलुप्त नका व॥ अं तं वीला पया
स दुष्टा नावया नत्पा गया स्ये विज्या यस्तु नु॥ तें तिस को ति दे व
पसरा॥ देस दान व॥ नाग सकल देवता॥ हा यर शुन स्थ धकं हा
या त जुल॥ आकास स व्यापमान जुल॥ वा वयु व्यावम हा उता त हा
मेघ न गर्ज मान या तं दिग विदिग हा हा जुल॥ सकल देव ताया
दिनं म्वा या व चीनं॥ गुलि दि रां थि थि हा स घ स पु ना व चीनं॥ गु
चीनं॥ हन गुलि दि रां॥ गुलिन अता हन चीनं॥ गुलि विधि न मेघ
यम फया व॥ पुगु लि प्रा कार न॥ मा हा उ पा त जु या व॥ दक्ष पु जा प
सथा स व ना व॥ गुण म ते गुण म ते धं कं थि र्ज धि र्ज या व॥ हा ची य मे

श्रीस्वस्वा

॥ ५९ ॥

पतेधकं। नाना माथन बोधवियाव। थासधास पतिं धमरां स्वत
। भोगुरु वृहस्पति। आव गथया यम ह मनसार्थ जुलो। ध
नखिन जुलसा। माहा उ त्यात न वष ना व। हन सति देविया न
कर वन॥ पुन वार। नारु दु मुनि न जु लसा। श्री माहा
संभो कं पुया व। लाहा ज्वल पाव विनतिया तं। भोज गदि स्वर। जि
पु न स मा। सति देवि रा। प्रा रा त्या ग मा से वि ज्ञा त। कु नि मि ति न
माथन नि द्या या त। हे रा या त वो ल विल। मा हा दे व ध या त। ग न
ना ना माथन। छ ल पो ल या त वो ल वि व गु श्री ग ग त मा ता स
या हा उ क क ना व। श्रो य द ना व व। शु प मा न या ना व। सु या
ला न। छ पो ल छ र पो ल या ना म सि व र ध कं आ शाय य का व।
स्व। छ ल पो ल या भ य न अग्नी न सरिर जु को थिय म छा ल। या

धमरां स्वलज्जया वगुरु बहस्य पतियाथा सवनान् ॥ विनति यातं
 गुलो ॥ धकहाहाकारन-हाला वयो न ॥ ॥ धनलिनारद
 देविया न आगया मगुस्वया व ॥ वायु वगन कैलास पर्वत येन
 ॥ ॥ आमाह देवया तथा सथे न कलवना व ॥ जगदि श्रया चर
 दिस्वर ॥ जि विमति ने से विहु ने धक ॥ गथे धालसा ॥ छतपो लया ॥
 मिमिर्ति न धालसा ॥ पापि धक्ष पु जापति न छतपो लया तना गा
 या ह्य ॥ गनया देव ॥ वजा वयथुका ॥ वमवो नारां जिहु जु ई वधकं
 तमा नासति दे विन सहया यम फया व ॥ अत्यं क्रोध या नावमि
 मा व ॥ सुया धालमस्वसे मिशान जश तुं स्वया व ॥ जश स्वचा कठ
 दयका व ॥ जश कुंदलस दुर्धी ना व ॥ प्रान न्या गया से वि ज्ञा तं ॥ हे ई
 मघाल ॥ प्रान जुको तोलता व ॥ सयन जुया व वि ज्ञा क ह्ये जश कु

निगु ॥

॥ ५५ ॥

तदलसपदसपायविज्ञातं॥ मोईस्वरधातेवीतईनाययायधकं
यमात॥ अथेयासेविआहुनेमातुअनार्थगुलधकधयाव॥ ध्वतेनास
नारद॥ धरवा निचयनखवलाधकं आशादयजाव॥ ध्वईस्वरया
छलपोलयाथासचोनाव॥ गथाजिनअमिधयसुये॥ ववमव
धकधयाव॥ श्रीमाहादेवयामनअन्यनकर्थगुयाव॥ स्वगोलमीधानमिध
स्यानाव॥ नारुदघाहवनेधली॥ मोदरुदअवस्ववपापि॥ दक्षपु
बोलवियाव॥ जिपानसमानसतिदेविणपानचलनकल॥ हे
यसकोतिदेवनानिर्मुह्येधने॥ आवद्धधवथासहुनिधकआहु
केवेलाकायाव॥ चरनसंभोकपुयाव॥ वेलाकयाव॥ अनारणअ
सिराति॥ श्रीमाहादेवनगुलसां॥ सतिदेविगुमनाव॥ युस्य
प्रसिसचोनगुजगदधपु॥ वतकुनावयधति॥ मथीदीला

यथायधकं जिथ न वृथा ॥ आवृणोष्य यथायमासं अंथं यासे विज्ञा
वृथते नारुद्रया वचनं नै नावृ ॥ श्री माहादेवन आगादय कर्त्तुं ॥ श्री
ध्वईस्वरया आगादय वने नावृ नारद न विनतिया तं ॥ श्री ईस्वः
ये ॥ वृमव दलपो लयाध्यान दृष्टि न स्वया स्वस्ति विज्ञा हुन् ॥
सी धान मिषिका यावृ क्का क्कट्ट न नै यावृ वयद नावृ ला हा त वो वो
पिष्ठ दक्ष प्रजापति न या न विना श्रयधार न जि त विन्दा या नावृ
त क ल ॥ नारुद्र धनितुति पापिष्ठ दक्ष प्रजापति या ज श स सु
म ध क आगादय क्का वृ ॥ द ना रुद्र न जुल सा श्री माहादेव या
॥ अ ना ए अर्ध धान जु या वृ वृ ल लोक ह वि ज्ञा तं ॥ ॥ ध्व
मा वृ ॥ यु स न क्रीध या नावृ ॥ श्री गो ल तो व न मिषिका या वृ थ
॥ श्री दो ला य मा न जु य कं ॥ य श्री स च ना क वा तं ॥ ॥ ध्व वृ

॥ श्रीसुखा

॥ २ ॥

समेधगर्जलपुथं विसवदण हाहा वामाहा भयंकर मुक्ति
दत्त उभर्ति जुलं गधिनसमाहा कालि धालसा महा भयकार
यावर्थे याथ धालसा आकासचोनथे गभीर मुक्ति मनुष्या
नावयाद्यहालां जसहिना वसजक फलहनतया वज्र
लाव श्रीमाहादेव यादेवने चो नाव आ ग्याहु २ धक हाहा व मे
गुलसां जगद्वचत पुना व पुनर्वा पृथ्वी सचत वातं ध्ववेलस
दि श्रीसुर्य याते जपि काया व प्रकास जुवर्थे ते जयिका याव सुर
विश्वरूपा हाया व श्रीमाहादेव यादेवने चो नाव हततत न दे
हाजिना तिन जुलसा श्रीमाहादेव यादेवने चो नाव विमति य
नास्य विज्या ना कारनहु दत्त णाल पाहु अ पस्या जुल जिमि

गनरां

यंकर मुक्ति चतुर्विंशति जोगि निनलितकावः सा हा का लि
 हा भयकर मुक्ति मीषानमिषिका चोन ल्यजधा लसा पर्वसा तो
 ति मनुष्या धो स पा लान को बा या वः श्री मा हा देव या मे वने चो
 त या वः ज बला हा ति रां का ल स मा न र व रू पा द्या या वः हृष्ट न मे
 क हा ला वः मे वृष्ट न ३ पे या वः चो रां ह न पु न र वा र श्री मा हा देव या नं
 मं थ वे ल स ए धी ना थं दो ला य मा न जु कं सिं ह ना द ल या वः दो लः
 का या वः मुरा मा लान को बा या वः ज बला हा ति नं का ल स मा नं चि
 त्त त न मे ला वः वि र भ दु ध या ना म उ प तिं जु या वः वी ल भ द्र म
 व वि म ति या तं भो ज ग दि भ र हृ नि मि ति नं जि प नि आ धि र या
 ज तु लं जि मि स न हृ या य मा ल आ शा द य क से वि ज्ञा हु ने

निगुरु

५२

आग्नापुसंनजुयमालधकधयाव॥धतेविरभदुमाहाकाहियाव
विरभदुमाहाकाहि॥धपनिधथेवनावसुयस्वकेतिदेवतानंम
याअश्वमेधजज्ञविधंसयानाव॥यापिषुदक्षपुजापतियाजि
निमुहयनावताथेमाहा॥भोविरभदुमाहाकाहिधतेयानिमि
आवनदिनिदियुधमगनविरवमज्वर॥चतुषस्त्रियोगिनिगरानं
धसयानावयातवनेनुयोधकंधयाव॥आग्नादयकाव॥श्रीमाहादे
शुश्वमेधजज्ञयात॥अनवनेधकं॥माहाविसवदनवोयाव॥जव
पुयाव॥थवसिरसफिफिनावा॥जतासचोनगंगाजियालंघरावाग
तयागुसर्पकोनंमेनुनु२नधिकायावफुफुसवदयकाव॥जटपे
चोनगुनेवनंमिपिहावह्यकाव॥थवसुतुननदमरुथानायास
सातया॥मुहामाहायामुडुदकोरांमिराकनकावक्यानफुयाथे

कासिया घने जगन् श्री माहादेव पाराजुलसां ॥ आशादये कलं भो
देव तानं माने यानां रक्षाया नावत स्मयापि षडक्षयुजापतिन
पतिया जिला जनई दुयुभ तियक्ष गं व कि न्नेर देत्य दान व ॥ ५ को
पतेयानि मिर्तिनि ॥ ६ पनि अराधना धकं ॥ ७ मो विर भद्र माहाकालि
गिनि गगनं लित काव ॥ ८ पापि षडक्षयुजापतिया अश्व मेध जशवि
व ॥ श्री माहादेवन जुलसा ॥ अत्य विसाया नाव ॥ ९ न दक्षयुजापतिराः
वोया व ॥ जवला हातिन भृगी जो नाव भुतुन अधोर स वरा भृगी
लंघरा वागात कथे ॥ लंघयि हाव यक सरा का व ॥ १० आस २ न्या नाव
का व ॥ ११ जट पोत स दु सत पा चंद्र सूर्य या ते ज पि का या व ॥ १२ पात स
रुथाना या स द्ये व म व म ध म स द्य य का व ॥ १३ ल पोत स कोषा
पान फ पाथे स्ते वाना वने थ गवा रा ग्या ए तु ला व स न का व ॥ १४ ज स

॥ श्रीचत्पा

॥ ४३ ॥

हिनातया गुरुधुके गुरुकिशियोदे गुरुि स्वा कलस राथे जुया
गुरुलि नं अत्यत फल २ सन का क मो लिस चो नगु विशुर पि ह
दि नद को वया व श्री मा हा दे व या हने २ चो ना व ता धी या २ ध वं
रा व स ध न ला व ल ध कं म सिया व म फ या व ब रो व र रा पृ थ
श्री मा हा दे व या त ज व य वं न्ये ना चो ना व मा हा का ल ता ल वे ता
वि ग रा त लि त का व द को स या स क ह न त या व फ गान
वं जु को स ति दे वि म्या क गुरु म हा व था सा २ क लि हा मा ज व ल
जु या व चो न अ स्र या व श्री मा हा दे व न वि रा व या क गुरु या
त को ध या ना व सु र्छा जु या व चो न ह श्री मा हा दे व या च र न स
दि भु मि प्रे त यि शा चा दि पु थ म ग न वि रा म ज्य ह च ड ख वि जे

स रा धे जु या व ॥ अ त्प त त म चा व स्र थे स रा का व ॥ ख व ला हा ति स चो
गु वि श्रु र पि हा व य थे २ स ना व चो न ॥ न दि मि दि भु त ये न पि सा च
ग धी या २ ध कं आ ख न रु या व ॥ नि व स्र जु या व ॥ अ नं रां व स्र थ न
व र रा ॥ पृ थ्वी वि न भु वि जु या व ॥ को र्ता न को ति पि हा व या व
ल ॥ ताल वे ताल ॥ ध्व वि लु ल स्र गि ॥ दा कि नि सा कि नि ॥ यो गि नि
य ॥ फ गान फ या थो ॥ हे धा न जु लो ॥ ध्व व ल ल श्री मा हा दे
लि ल मा ज्व ल लु व थो ॥ गो ल लु ला व ॥ हा हा कार रां वो या व ॥ मु खी
त क गु स्र या व श्री मा हा वि र भ दु मा हा का लि रा गु ल सं अ त्प
या च र न सं भो क गु या व श्री वि र भ दु मा हा का लि नि स्र ॥ नं दि नि
च उ ख वि जो नि गि नि ग न रां लि त का व ॥ मे ध र्ज जं पु ल थे वि

नि गुरु ॥
॥ ५३ ॥

सर्वराहासावसिंहनात॥ याव॥ य॥ श्रीविजोदोलायमान
वर्थे॥ जमकिरवथं॥ आत्यर्तक्रोधयानाव॥ श्रीमहादेवयाअ
हावलंथव्यसस॥ य॥ श्रीदोलायमाजुलं॥ हरांरुसगुलिसमुद्रस
जलयुंथेहालाव॥ दक्षयुजायतियाजशस॥ दुवातननं॥ ध्ववेतसदध
काससगंधईमाकोरवयनिसिनरासंरायतकयावलंजुलं॥ हनज
हालालावजुलं॥ ध्वहनंजशसररुवृद्धिजुलं॥ हरावायुन॥ वि
या॥ मनसवादि२जुलं॥ हरांश्वअमंगलवनावमाहाधिंदाका
धकमसभासयावचोनं॥ ध्ववेतसविरवद्र॥ माहाकातिनिस
थानस॥ सिंहदुवाकवनथं॥ माकालसमाशनीसुतपाकाया
हाअघोररुधजुलं॥ सिनसिहनसिहनलाकथे॥ हननि

लोलायमान जुयं कं ॥ छ हा चरागात कं लायवुया ॥ कातव
हादेवया आशासिरसधरलपाव ॥ कैलासपर्वतनकसा
लिसमुडसचोनजिघा ॥ नुतुपविवाहि २ जुया वनं ॥ हनं मेघग
ववेलसदक्षप्रजापतिघा जज्ञसचुन्येज अमगलजुल ॥ आ
नजुल ॥ हनजवुकएस्तु नहिपिहावयकाव ॥ माहाविसबन
वायुन ॥ वियरितनहालावजुल ॥ हनं थ जज्ञसचोकोदेवता
हाधंदाकासा ॥ मनसमहाधंधाकायाव ॥ आहु जुयतेनाषेधं
हातिनिससेन ॥ मेघगर्जयु ॥ विसबनहालाव ॥ किसेवि
रपाकायाव ॥ दक्षप्रजापतिघा जज्ञसदु कातव नं ॥ थवेलमा
॥ हननिगुसमुद्रनापलाकथे ॥ माहाअघोरसमाप्रजुल

॥ श्री सूर्या

॥ ५५ ॥

ध्वं वे ल स द क्ष पु जा य ति या त्वा घ नि ऋ शि लो क ॥ प्र स रा ॥ व
व बो या व ॥ द स दि ग भा ग सं वि से व ने ॥ पु न र वा र ॥ वि श्व पु भ
ना ग लो क ॥ ध ते दे व ता न क्ष द क्ष पु जा य ति र क्षा ॥ या य या नि
मा हा का लि व ना प जु ष या त ॥ थ थे दे व लो क थ व ना पं जु
सां ॥ को टा न को ति ॥ दे व ता ऋ मि वं न कं जो ना व ॥ हि तो ना व
ही न का य का व ॥ धै क धे क भु ला व ॥ स हा र स न गु लं ॥ ह न ग
ला न वा व ॥ वि स व रा हा ला व ॥ सं रा द ल का या व गु लं ॥ थ गु
सां ॥ द क्ष पु जा य ति या ॥ स्य ना प नि च र्ण भु त थ ना व ॥ ही न स म
पु ष्कार न ॥ मा हा का लि नं ॥ दे व दे व ता प नि स हा र या क स्व
ति वि र भ टु या के ॥ धु ने ग श स शु स ॥ पु हा र या तं ॥ थ गु स

प्रमसा॥ बालवपनिवाहिवाहि नारायनधकं विसवदनहाला
विष्णुपुत्रतिसुयेस्वकोतिदेवता॥ यक्षगर्धवकिर्नराक्षस
यापया निमितीनि॥ थयथयशस्त्र अस्त्र जोनाव॥ वीरभट्ट
भवनापंजुधयातववखनाव॥ वीरभट्टमाहाकालिनगुल
हितोनाव॥ लानयाव॥ अनेगमाथरानयाखनहुयाव
गुल॥ हनगंधव॥ षडमाघनिसेनतुप्रीजुयकहितोनाव
गुल॥ थगुलिपुकारत॥ श्रीविरभट्टमाहाकालिनगुल
वाहीनसमुद्रन्याकथे॥ लागाचवतचोनथे॥ थगुलि
याकस्वगाव॥ पुनवीरदकोदेवतान॥ श्रीमाहाका
त॥ थगुसस्त्रअस्त्रविरभट्टमाहाकालियकेजुयव

निगुरु॥
॥५॥

सुनु भस्म जु यावुवनं॥

॥ धनलिआविर भद्र माहाकाति न॥ ध

वृषकुपाछा यावु पुन वीर॥ हरां कोतान कोटि देवतापि निमोचक

ध्वकिन्नर॥ मोचक लं हरां नंदि भदि भुत्तयेत॥ पिसा चादि यनिसे

लरां॥ चेत्तमदय काव॥ शुचेत्तन्य यागाव विलं॥ धवेत्तस श्रीवेकु

ज्वलरां पुव्रषना व॥ धवत्तरां सिंतां गर ज्वलपिका याव॥ पुन वी

लिदेव लोकपनि चेत्ताद याव वपद नाव॥ अत्यस्य कर्धयान

शालस्रनाना सस्र अस्र पुहारया नाव मेघगर्जरुपुथं हा लाव

अस्र पुहारया नाव ने वा न वनं॥ पुन वीरि जुधयाने॥ गथे जु धय

वनं॥ शुगुलि शुकारा देवलोक दुवाक वव्रषना व॥ वीर भद्र माहा

याव॥ का लसमान का लरुद्र वव्रथे त्रिसुत हितु हितु लका व॥

वृत्ति हारथे विसव न हा ला व॥ देवलोक तु स याव ने वा ना व

कातिन **थ** व के सस्र अ ख पु हार या क स या व **वा** ट ट न न्ये या
नि मो च क **लं** **ह** न च उ ष षि जो गि नि ग न रां **को** ति २ न क्ष गं
चादि य नि से न **को** ति **को** ति दे व ता **सं** हार या तं **ह** न वि र व म ज्व
स स श्र वे कु थ ना थ ना रा य न रां **जु** सा ल सां **दे** व ता प नि वि र व म
वा **पु** न र्वा र **द** को दे व ता प नि **च** सा द य का व वि ले **॥** **थ** न
स क र्थ या ता व रा व ऊं कुं त मु कु ल मु स ल च क व ज ग दा व ला
थं हा ला व **मि** सा हा उ क ना व **वि** र भ द्र तु स्य या व ना ना स स्र
ग थे जु र्द या त धा ल सा **ज** श स की त य त ऊं उ हा क थें **दु** बो त
र भ द्र मा हा का ति न **ह** था २ स नं का ल स मा न **त्रि** सुर रा पा हा
मु ल का व **ह** ट ट न कि ला व **हि** हा स व थें वि स व द न हा ला
व दे वा ना व दे व सो क या त प्रा नि न कं जी ना व **ला** को २ न या व

॥ आस्था ॥

॥ ५ ॥

कोति १ देवता यमि सहार यातं ॥ गथे सहार यात धल सा ॥ गं गु
नर मोचक ॥ गुगुति पुकार नवीर नदु माहा कातिन मोचक गु
नादि गु याव थ व थ व जि व या ॥ रक्षा या य या नि मि ति नि ॥ फ या धे
दि नं वि से व ने म म या व ॥ अथे हा ला व यो नं ॥ ह नं गु ति दि य
गु ति दि या ज तो क धु ला व यो नं ॥ गु ति दि या अथे य द ल पा
सां द ध प्र जा प ति या जि ला ज न य नि जि ला न य नि पु र्ति भु त
सां ज श स आ रु ति वि य या ला ॥ ह या य त व गु हा म ल ई का ई त
को क या व ॥ जी व श्र दि या य का म ना रां ॥ मंत्र जी ह ज ल पा व ॥ ज
दु गो ल हा म ल पा द स २ दु गो ल उ प द ल का या द स २ गु ति
दि या ना ॥ थ व २ स स अ स जी ना व ॥ गथे व न धा ला सा ॥ द य
शि नि ग रा ॥ उ त पु त पि रा चा दि ॥ य नि से नं ला की २ दे व ता य नि

॥ निगु ॥
॥ ५ ॥

五言古詩

यनं प्रगुप्रकारनविरवदुमाहाकाहिमासे नासां देवलोक मोचन
गुलिभुवन कंठमानयाजुयाव ॥ यथा विमाताशां ॥ ध्वभासाकुपुय
नाहिरुयाव ॥ हाहा कालन जुवख नाव ॥ वेकुराठ नाथ श्री नाराय
जडाविधसयाक ॥ यथावदेवलोकयासे नमो नदको विसयवन
थे ॥ वेहरा ॥ जालतयाव ॥ अग्निनं जी जलपुलथे ते जपिका या
किं गदाया दयाव ॥ खवव हाहातिन पाचजू न मसरं जो नाव ॥ १५
अत्यत्र क्रोध या नाव ॥ वरिषास रां डवथे ॥ विसवन संव पुयाव ॥
लस्य याव ॥ से नातु स्वयाव ॥ दुधातवनं ॥ ॥ ध्ववेर सत्यति
उधातवन स्वयाव ॥ अंत्यत हर्षमानया नाव ॥ जय जय जुय मालध
यो नाव फण नम ॥ यार्थे थव ॥ २ सख अस्त्र पुहार या नाव ॥ मे
हाव याव श्री नास यनया जं वरं वलिवने चो नाव ॥ इद्रपु

वसोक्त॥ मोचकाव॥ चुराभुत॥ थनाव॥ कलोल जु र्क जुयाव॥ गुलि॥ जिपे
धभासाकुपु यमक॥ याव॥ न सगुलि॥ समुद्रसचोन जिवाजंतुयनि॥
नाथ श्री नारायण नं जुलसाव॥ गुण्य न क्रोध या नाव॥ दक्षय जाय तीया॥
को विस्य वन गुस्य याव॥ मिसवाहाउ कक नाव॥ नागने निस्यासतया
प्रेते जपिका याव॥ दुगदि बलपिका याव॥ जवराहातिरा॥ को नोद
विजो नाव॥ पृथ्वीस नासया यव लस श्री माहादेव श्री धिलगुथे॥
न संव युयाव॥ गदाहि तुहिलका काव॥ विरभट्ट माहा काहिया बा
वेल सत्यनिस कोहि देव ताना॥ विश्व भर मुक्ति श्री नारायण
यजुय माहाधकं श्री नारायण याधकं॥ लाय युयाव॥ आकास स
रया नाव॥ मेघगजियुथे॥ सिद्ध नादतया तयाव॥ युनवीर॥ हशं लि
नाव॥ इद्रुपुमिति देवलोक॥ यक्षगध वकि नर नाग लोक॥ थ

॥ श्री स्वस्वा

[illegible]

॥ श्री नारायण जवरवचो नाव ॥ १ ॥ यानवल खना व ॥ श्री वि ॥ ॥
॥ व ॥ आनि जो जल युथे ॥ जा गुले मान शांते जपि काया व ॥ काल ॥ ॥
॥ जो गिनि ॥ गन शांती न का व ॥ कि सि व थान स ॥ ति ह वा क थे देव ॥
॥ व स न मे घ चिल का थे ॥ पी ल का व ॥ सा को २ न या व ख कून पाता
॥ मा हा अ धो र गु व गु लं ॥ १ ॥ गु छि न दे व ता लोक में ति के जो ना व गु
॥ ता दि मि दि भु त प्र त यी सा चा दि वि ख म जो ल श्रा दि न अ ने ग दे व लो
॥ ज ग्ग सु दु ति ना व दो त ॥ १ ॥ पु गु पु जार न ॥ को ता न को ति दे व ता मो च
॥ स न ॥ मो च का व दे व लोक सक ले ना हि २ नो वि द ना हि २ नारा य न ध ॥
॥ १ ॥ छि वे य रा द थ ना र्थ श्री नारा य न या के स र न व न ॥ १ ॥ मे प र मे ख र श्री
॥ र न स या व स र न व न ॥ १ ॥ थ वे ल स श्री नारा य न या अ न्त को ध
॥ १ ॥ नि ची त रा ह य का या व ॥ पी र भ दु मा हा का लि या नु ग ल स ला

॥ मि ग ॥

॥ ६ ॥

तकं॥ कयका वको मोदकि गदान पुहार या तं॥ ध्वबेल स विरभ
को २ बुलाव यथी सजो लतुला व मुर्छी गुया वचो नहरां श्री मा
दि भुत प्रतपि साचा दि॥ ध्वयनित्राहि २ गुयकं या च जने संख पु
या छाया व वीरवद्रुमाहा काहि पासे ना स दुवात वन॥ ध्वबेल
प्रतपि साचा दि पनिद को ध्वारव या स बनेडे मफ्या वगदा य
वर्धिरुन हि हो या व॥ रन भीमि स॥ गो लतुला वचो न॥ ध्वबेल
कि नरपनिसे नधन॥ श्री नारायन धकं आका सश्रु चो ना व॥ या
चो न॥ ॥ ध्वनसि यु नवीर श्री नारायन गु लसां सव यु या
ज रा या सवदन॥ वीर नद्रुमाहा काहि पाचे घाद या व॥ श्री

लसविरभट्टमाहाकालिनगदायाप्रहारसदयायमय्यावधे
हं श्रीमाहादेवी ह्मनजुलं संयोऽसथिजोगिमिगरानंदिभि
जनेसंखपुयावजुली हंमेघगर्जलयुधेसिहनादतयाव गदा
न॥ थवेलसचौ सठिजोगिमिगरानदिभिदीयुधमगनभुत
याव गदायाप्रहारसलेमय्याव भूमिसधुनारायुयाव न
न॥ थवेलसलेहिसकीनिदेवतामंअविलो कयक्षार्धव
योनाव॥ यालिजालस्वानवागासकावशुनेगअसुतियातंनाव
रांसखपुयायासवनेदेवतायमिसेनलायवुया यासवदनंवा
मदयाव॥ थोयदनावस्यकवेलस थवयरिवारसकले ज्वल

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ५ ७ ॥

ज्वलन्तु लाव अचेत नु याव नो नष्ट नाव जाल सप्तमान
नाव ॥ जाल सप्तमात्र त्रिशु लयाच्छाव ॥ नारायण तु तं स्वयां निर्यात न
यस्य पुरहार यातं ॥ ध्वजलस ॥ नारायण तुल सा त्रि सुल या प्रह
मिल गोल तु लाव मु की नु याव नो न ॥ ध्वजल सप्तमात्र विर ॥ विर
लकाल सप्तमे र्ध ग र्ज पृथ ॥ सिंह नाद तया बालाय बुयाव ॥ ध्वजल
खम जोल ॥ भुत पुत पि सा चादि ॥ दको सैन ॥ ध हाच न र्क विस
स्थानं ॥ नै काद याव ॥ सो क वे ल स ॥ नारायण ॥ मु की नु व व न
गनं रं ॥ सक स्थानं ॥ ध न ॥ विर ॥ मद्य मा हा का लि ध व ॥ शु ने
याव ॥ यो स थी जो गि नि ग रा ॥ न दि भी दि पु थ म ग न भु त
य बु या व ॥ हे वा ण व ल को ॥ दे व ता मा मि क जो ना व ॥ ल या रा दा

जसमान कालसु दुको धल पुथे जो धनु याव मिषा ह्यउ कः॥
निर्घातन हयकाव कालसमाश तिसु लन श्री नारायन याहि द
सुल या प्रहा सह या म मय याव नव वीर नहि हो या वार राभु
हा विर विर भभटु माहा कालि न नारायन मुर्छा जु ब गु अ याव पु
याव धने लस यो सधि जो गिनि गन रां दि भी दी पुथ म गन वि
म के विसवने लाय बु याव ह न यो सठि जो गिनि गन सः
हो जु ब वना व सक त से न लाय बु ल ह न यो सधि जो गिनि
ह ध व शु ने ग भ सु ती या त श्री मा हा वि ह्य या चे का म दु स्य
म ग न भु त पु म पि शा या दि थ य नि द जो से न निर्घातन ला
ल या रा दा या व नु ति न रु या व ला को ज रा स दु या व को ति २ दे व रा

॥ नि गुरु ॥

॥ ७ ॥

मो चकरी॥ धवे लस श्री नारायण या चे मादया व॥ ओ श द ना व सो
गुल्य या व॥ मि वा ह्या ७ क ना व ग ग ज कि सि हा य थं हा ला व सु
हि या न के नं॥ मो पा पि ष विर भट्ट मा हा का लि॥ थ मि तु नि जि ल
तिया जज्ञ यु र्न या य॥ धवे लस तु मि दे व लो क य नि स म न थ
न य धा नु या व ल सां॥ छ रा र क्षा या य म पु र्ति॥ र क्षा म गु लो
जि ला हा ति स ची न गु॥ सु दर्श न च क ष न सा ध के दू त का
डे ना व॥ विर भट्ट मा हा का लि॥ अ त्प त्त को ध या ना व॥ को
थि न ला वी र या य रा क्र म॥ छ मा हा वि ह नु ध या ल च त सा॥
रु क या न या ना व ची न गु सु दर्श न च क॥ छ रा पु र्बी त थ दु
ध त्पे विर भट्ट या छि द्र व च रा न ना व॥ छि द्र भा वा ने ज व॥

॥ ओ श द ना व सो के वे ल स वि र भ द्य मा हा का हि रां दे व लो क मो च क
॥ थं हा ला व सु द र स न च क हि त हि त जा व वि र व द्य मा हा का
॥ मि तु नि जि ला स हा नि स ला त ॥ च न घ्रा न का या व ॥ द क्ष य जा य
॥ य नि स म न र्थ यु र्न तु र् ॥ थ नि या दि न स ॥ स का द स र्ग दु र्
॥ र क्षा म तु लो ॥ आ व द न सु सु सु स्म र ना या य ते न ॥ या व ॥ थ
॥ थ के दू त का व द्दो तं ॥ ॥ थ ते मा हा वि ह्नु या दि द्य व च न
॥ या ना व ॥ क्रो ध तु या व धा ली ॥ भो या पि षु मा हा वि ह्नु ॥ अ न
॥ स च त स ॥ र व तु लु ना व चो ने गु म सु ॥ अ म द को स तु या
॥ पु र्वा त र्थ दु थ्ये जी क्य यु हा र या व ध कं ॥ ह त का व द्दो तं ॥
॥ या ने क व ॥ ज म क्रो ध ल यु थ ॥ क्रो ध या ना व सु द र न च

॥ श्री स्वस्ति ॥
॥ ५ ॥

कृपा संवजो जलयाव प्रहरया नाव कोतं ॥ थच कगथ
लेमान गुयाव वरनाव ॥ चतुष्टय जो जिनिगरानं दिनिदिं यु
हि गुयाव श्री माहादेव या नाम कायाव दालाव चीनं ॥ श्री
सुदर्शन चक्रे गथे वना धासा कोति रसु यो या पुकास गुवथे व
स्वयाव युजा संहरया ये लस ॥ महारुद्र क्रोध लयुथे ॥ माहावे
न चक्र वर वना व ॥ हथा हथा सन त्रिभुल या का याव हट्ट
याव चीनं ॥ थवे लस सुदर्शन चक्र वीर मद्रया लुत्तु सजुत
माहादेवन ससुद्रु मथ नया कवे लस ॥ काल कृत विष न
नं ॥ ॥ थव्य लस विष्णु न गुल सां वा यु वेग न दान दान वन
शामिं कं कया व ॥ हथा रसन भना ए थं तरं ध्या न गुया

थचकगथेवरुधासः यवतुसातोवथे वज्रवृथे जाजुले
नदिनिदिंयुधमगरा विषमजलमुनयेतयिसाचादिवा
चोनं॥ श्रीसाहाकातिवीरभद्रनिलसयाकेसरनवनं॥ थ
सासजुवथेवज्रवृथे॥ निरघीननहालाव॥ साहाविरभद्रविरतुं
युथे॥ साहावेगरावनं॥ थवेहसविरभद्रनजुससां॥ थसुदर
यावः हट्टनन्दि लाव॥ साहानवायाव॥ थचक्रलुतुसकः
गलुतुसजुतवरां॥ ॥ थनंलिवीरभद्रनजुलसां॥ श्री
कृतविषनुयावकोमाथे॥ थसुदशुनचक्रनुयावकोयेते
ननानवनाव॥ वीरभद्रयालुतुसचोनगुतुदरसनचक्र
रथानगुयाववेकुंथपुरिसवित्यवरां॥ ॥ थनंलि

॥ निगुस॥
॥ ५८॥

नारायणविसेवनस्य यावद् ईश्वर भूतिनेति स कोटिदेव नारायण
रां॥ थवश्चाराणारक्षायाय निमित्तिरा॥ दसदिग्गदिसाभाजसा
यक्षगर्धवकिर्नयनिसेरा॥ रनभुमिस तोलताववाहिश्चुय
नं॥ आवजुकोदक्षयुजायतियायाणारक्षाप्रजुलका नधालसा
मिथ्याजुयावन्नहनं श्रीनारायण॥ रनभुमिसविष्णुनाव॥ थव
तिदेवतादेवतानलीनकाव॥ जजदिअरश्रीमाहादेववि
नावविष्णुमासासमर्थमद्यु॥ भोदेवलोकयनि॥ थतेन आवैकुर
थाजुयाव॥ श्रीनारायणभुवा॥ शुभरध्यानजुयावविस्ववन॥
थमद्यु॥ भोदेवलोकयनि॥ थतेन आवैकुरा नाथनारायणया
सुखी॥ शुभरध्यानजुयावविस्ववन॥ भोदेवलोकयनि॥ थते
सामर्थदईव॥ आवजुकोदक्षयुजायतियायानरक्षास
हासाव॥ आकासमाग्निसंस्थाहावरा॥ ॥ थनलीसुखी

देव नारायणाय नमः ॥ हा हा नारायण नमो यावत् फलदायकं यथेति ॥
भाग्यसावित्री वनं अत्र स्थानं जुगुप्सु विस्मयं रां ॥ ॥ हनं
वाहि २ जुगुप्सु विस्मयं रां ॥ हनं देव लोक यनिधिं यि नाना वचो
न धाल सावे कुं रा नमः श्री नारायण नमः गु ॥ सुदृशं चक्र सुधा अ
ण ना व ॥ सुदृशं चक्र यावत् यावत् चो नि व यल स ॥ इति स को
हा देव विष्णो क सा ॥ वे वृ थ नमः श्री नारायण नमः जुध या
न आ वे कुं रा नमः श्री नारायण नमः सुदृशं चक्र यि नं गु ॥ अमी
विस्मयं वन ॥ भो देव लोक यनिधिं यि नमः श्री नारायण नमः सा नि
नारायण नमः सुदृशं चक्र यि नं गु ॥ अमिथा जुगुप्सु श्री नारायण न
यनि ॥ ध ते न श्री नारायण नमः सा प्रथमं मयु ही जिस बहल या
नारक्षा मजुल ॥ इत्युभू तिते तिस कोटि देव लोक यनि
ली मु छी जुगुप्सु चो नमः श्री मा हा देव याचे का द य का व ॥

॥ श्री स्वस्था

॥ ५२ ॥

य का व व य द ना व ध्या रा दु वि रा स्व या व स्व क वे ल स ॥ विर
चा दिन लि त का व द क्षा पु जा य ति या ज रु वि ध स या क स्व
लु ष ण व लु म रा न का व जि प्रा न स मा न स ति दे वी थ थ
हा क षो या व या न ग न द क्षा पु जा य ति रा अ श्व मे ध न र
द रा षा या व हा य स ति दे वी र ध क षा या व अ रे पु रे र
अ ते स क्रो ध या व रा वा मि षा हा र क क ना व हा हा का
भो य क्षा पु जा य ति जि प्रा न स मा न स ति दे वी यु ध क प धी स
क्ष पु जा य ती रा गु र सा क ता रु धा य म द हा व म फ या
भ द्यु मा हा का हि गु र सा ॥ श्री ना य रा या सु द र्श न च
स्व या व या व श्री वी र भ द्यु मा हा का हि न गु र सा द को दे
प नि गु र वृ त्त ती अ वि स क र्त्त थ व २ प्रा न र द्या या य

लल॥ विरवद माहाकाहि निलसे नदको भुत पुन पि सा
 सया कस्यया व॥ थ व पु न स मान सति देवी मो क गु व गुः
 देवी थ था य द ई गु नी ध की॥ मन भा ला पा व वि स व न ह
 व मे ध न श या त॥ अन ची भा य भु म थे ए वे ल स नि से वी वः
 अरे पु रे द क्ष यु जा प ति जी प्रा न स मा न स ति दे वी ह वि ध क
 हा हा का र न वा या व वि स व द न हा ला व॥ आ हा द य क ल
 क प्र थी स ग व २ तु ल व ह एं अ वै त ने गु या व वि ज्ञा ती॥ स्व या व द
 म फ या व न्ने न क ग ना व चो री॥ स्व या व मा हा वि र् वी र
 ई न च क रु द्वा गु मि धा या ना व श्री ना रा य ण वि से व न
 द को दे व ता॥ ए द क्ष ना ग लो क द क्ष पु जा प ति या ल्पा य
 क्षा या य नि मि त्ति रा वि से व न स्व या व॥ का ल स मा न

॥ निगुरु ॥

॥ ५२ ॥

विश्रुतपाद्यायाव श्रीवीरवदु माहालि माहाकालि रा गुलसां शु
नाव मे ज क चु लुं २ फे पा व नाग नं स्वा स त या थ्य वे ल २ स जा
ब न हा ला व सी ह ना ट त या व नि र्धा त न ला य बु या व ह य का
व तु ति रा रु या व मो द स्व क फा ना व ज ग प स दु या व दो या व दो त
जो गि नि ग रा न दि भं दि पु थ म ग रा वी ष म ज्व ल भु त पु त पी शा
ध न श्री वी र भु मा हा का लि शि व नि द्रा या क स पा पि ष ट धा यु
मान वी र थ वे ल क श स म दु ध कं अ न्य मान वी र भु या गु र
वु व गु स व रा श्री मा हा दे व या मु र्छा गु या व चो न गु चे षा द या व
स ती गु स ती गु ध कं डि म ये गु लि भु व न रा ना य द य कं वि स व
दि द को स्य न ज श वि धं स या ना व गुरु वृ स प नि पु मि ती म वि ले
रा ज श स चो न गु नो का या व अ का स मा गृ त स हो रा व दो ती
ला कि सि आ दि रां ज ज कं म ल स कृ दि न क र दो दो य नं

गुलसां शुग्निजो जलयुवर्थने जपिकाया वमिषा ह्याऽक क
ल १ सजासु कालजुको तया वलिषानराडा वर्थी विस
व ॥ हयका वदक्षयुजा पतियां च सखा जे मिनक जो ना
या व छोत ॥ ॥ ध व स ल स ॥ श्री मा हा काली चौऽस ठि
पुत पीशा चादि दको स्या रा ॥ ह हा च नगा त कं ॥ लायु लं धने
प व द क्ष यु जा पति ना स या ना व वि ज्ञा क स्र ध क ॥ ह ल व स
भ यु या गु रा व र्ण या ना व चौ न ॥ ॥ ध ली न लि थो ला य
पि का द या व व य द ना व ह रा हा य स ति दे वी २ जि प्रा रा स मा न
क विस व न म या व य वि ज्ञा त ॥ ध न ली भु त पु त पि सा था
मि ती स वि लो क या ग्वा च स मि न यु त का व ग्वा च पु ल ॥ ग्वा स ते
व द्वा त ॥ गृहि से न म्हे व ने कु स क द त उ गृ लि व स क स
छो य न ॥ गृहि त उप द्रु व द त उ लि त उप द्रु या ना व ला क १

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ५० ॥

स्वामावयो न॥ असति देवी यात आदर भावनां या हु ना
गुह्यसि तं॥ गुह्यविस्मय नं गुह्य॥ ॥ धनसि श्री माहादे
ल स्वरा अ न्य ग पु कार न यो ध ल या वि ज्ञा तं॥ ॥ भो य र व
र्ये या से वि ज्ञा य म ते व अ म थे या ग वि ज्ञा ग नं थ वृत्ता रा
र न क म ल श॥ को ति र न म स्की ध क॥ च र न क म ल स भो
श्री मा हा दे व के स्व वि ज्ञा य मा ल॥ छ ल यो ल या आ ग्ना थं॥ छ
ज ज वि ध या ना व॥ ज क्ष ग र्थ व वि नै दे न दान व ति ने ॥ स को
दु मा ला न ज स दु या व को ति र दे ति दे व ना य नि स च का का व
रु मि ल स रा॥ वि न ति या ना व यो नै॥ थ ते वि र भ द्रु म हा क
ग्या द य क ल॥ भो वि र भ द्रु मा हा का ध न्य र छ प ति॥ पा पी वृ द
दे व ना संहार या ना व॥ जि म न द॥ आ नं द ज य क ल व ल ध न
नि स न्हा ण या थ जि के ली न गु या व यो न वा यो ध कं आ रा

रां पाहु नाया कगुलिन वीर निधु स जु को म्हात पर से खद
आ मा हा देवन विलाप या कगुब ना व वीर भद्र मा हा का ही नी
॥ भो हर वला हर म्हा हर ॥ ध ल पो ल से न अस लि तो शुधे
ध वला राद ग थ रक्षा गु ई व भो य म्हा हर ध ल य ल पा व
न ल स भो क गु या व वि न ति या से वि आ ती ॥ भो ज ग दि श्वर
ग थ ॥ ध ल पो ल या त मि आ या क स पा पि ष द रु प्रा जा प ति या
ने ॥ स को ती दे व ता नि सु ल थ ना व द क्ष गु जा प ति या मो ह
व का का व ता थ पु न ॥ भो पर म्हा हर ध के वीर भद्र मा हा का
द्र म हा का लि नि ल स या वि न ति ने ना व ॥ आ मा हा दे व न गु
पा पी ष द क्ष गु जा प ति या ज श वि ध स या ना व व सु य स को ति
ह व ल ध न्य र ध प ति भो वि र भद्र मा हा का लि आ व द प ति
कं आ शा गु या व श्री वि र भद्र मा हा का लि नि ल से न म्हा

॥ नि गुरु ॥
॥ ५० ॥

नमोदिभ्यश्चरनसभो कपुया श्रीमहादेवयाके लीर
कोधवि लाय घना वृत्ता विहनु नीम वया वृत्ता यम सखा ला
न युलपजु युनध की॥ मनरा भासया व॥ विशिन्यात श्रीमहादेवया के
कली॥ ॥ ध्व नसीदक्ष युजा यति याक लास वीर निराजु ल
स्मिदे वी नं या रा न्या ग या क गुस्व या य॥ तव क॥ सन क या व॥ कति
या व चो नं हं रा चे छा द या व॥ अ न ग ना थ न वि लाय या त॥ भो यु
जा ना॥ भो या ने अर॥ श्रीमहादेव वृत्ता लुगु को॥ ध्व जं जं स म
सा जा ति य का त न सु या छा ल स्व या य चो न्य॥ ध्व थी न भ रा
ध्व या रा न्या ग या से वी जा ना॥ भो यु भु क् लुपो लं ग न वि
जि न सु या छा ल स्व या व॥ ध्व चित्तं दृक् या य ध की ना र मा थ
व धि मि चारा ख पी हा य का व॥ गा ग ल यो स स त या व विर

वयाके लिरा जुयावविजातं॥ ॥ धनलि श्री माहादेव
यस छा ला व सु मु कं चो ना व चो न॥ अका हस अका लसं वर्थ
माहादेव या हे व ने व ना व ना व वि न तिया तं दु नि ध कं आ ज्ञा द श
र नि रा जु ल सा॥ ध व स्वा मि द क्ष यु जा य ति स्था क व ना व ध व ह्म्या च
क या व क ति स मा ज्व ल तु व थं॥ य थी स ज्व ल तु ला व मु र्छा ज
य या त॥ भो या न भा थ जि वी पु त्रा या ना व द ल पो लु कु क ग न वी
ध्व जं ज स म दो ना रा थ थी न अव स्था न य मा ल॥ आव ति मि
व थी न भ रां क क न या व द ल पो लु स्य न ग थे॥ भो स्वा मी ग
लु ग न वि ज्ञा ना॥ अन जि त व न वा यो हा य पु रा २ आव
कै ना २ भा थ न वि ला य या ना व॥ श्री माहादेव या था स व ना
स या व वि र ति न वि न ति या ती॥ भो पर मे श्वर श्री माहादेव

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ५९ ॥

जि मि सा जा जि ख न द या पु न्न न नु से वि ये मा ले ॥ नो पर मे
की ॥ नो पर मे श्वर दक्ष पु जा य नि ध या म जा पु र्व थु का ॥ ह री
रु यो ल या न कु पु यो ज न द यि व ॥ हे य मे श्वर जो वि धु वा य
न ती या म ॥ थ व स स ल मा म र व ना व ॥ श्री मा हा दे व न ती ल
शा ॥ थ श्री मा हा रु द्र जि जी रा ज न सि व हे व रु ध या गु भा व
न ॥ म पे अ स्तु ति या न धा र सा ॥ थ वि श्व स श र या ज न क ज
वी ध यि न ले या अ स्तु ती या य ॥ जि कु शा म र्थ म दु ॥ जि न जा
त्य भा ग्य मा नि ॥ थ वि भु व न शं तु म दु ध क ॥ म न भा ल या व ॥ यो
रा ज न या म हि मा ॥ च तु र्वे द न ह्य से पर म गु हो या ते त व गु ॥ थ
नि पु न नु य क यो न ल ग थे रु र्व रु द्धि ग थे नु ल ॥ यो ते या का र न ॥
भा ल त द क्ष पु जा य ति या त ॥ कु दो ख म दु ॥ थ गु अ व रा ध दो ख व

ले॥ मोयरे मे अर॥ छल यो लया पर न क म ल ॥ को सि र न म ल
थु का॥ हरा अति अं हं कारि॥ थ थि न ल सु र्व ज रा या त पु त का व
गो वि धु वा या य म ल॥ हे क ना म ये थ क हा त जो ह ल पा व रि
व म नी ल ज्ञा या या व सु सु क वि षा ती॥ थ स्व या व दि र नि जु
थ या गु भा व ना या रा व॥ थि स्ता र न॥ श्री मा हो दे या अ स तु नी या
ग ज न क ज न नी जु या व॥ चो न ल॥ वि श्रु मा या थ पा ल स सि दे
॥ जि न जा जि स्ता च थ क॥ मा या या व ल्य श चो ना व॥ जि थिं जा
ल या व॥ चो ना स नि दे वि थि न ल ह्णा च॥ छ ल यो ल थि न ल जी
से त व गु थ थि रा गु॥ व हे च तु र्वे द जि भा ल तो द द यु गा य ति रा
या का र न॥ छ ल यो ल या से न वी वे क या से स्व से वि ज्ञा य मा ल ग
ध दो र व द लो च तु र्वे द या त व॥ छ न गाल सा छ ल यो ल स न द

॥ नि गु ह् ॥
॥ ५५ ॥

यकसेवि ज्वा कगु चतुर्वेदो नाव॥ छल यो लयातर्तु॥ थथि मन
ल॥ अथे थुगु फल पाव यजुल॥ लिशु ज न्यस गथे ई जी रा मसि
सिमि सा जा नि॥ ध्वते न थ थी न ल॥ ज गत ज ना नि थ य का वा॥
म॥ गिर ब॥ थथि न ल गु या व जित विध वा॥ द सा गथे ज ल सति र
ल यो ल या दृ षा म द त सा जि कु जु यु व गु ष व॥ ह रा छ ल यो ल या
ये॥ य रो म छाल आ व जि ग न रो ग न चो न्य गु ष व॥ आ ग्रा द
आ चा या व॥ ध्व र न भु मि स गु लि गु लि म गु गु ल ते स क ती दे व
व स क लो म्वा त को व वी ली॥ ध्व बल स द द्य यु जा ति य ति या छ
य का व म्वा ना व द ना व ड र व थु म्वा न्य म सि या व थो क थो क पु ला
द को भु त ये त पि शा चा दि ग न य नि द को से न ला य व या व नि
या आ स्व र्यो या दु र व गु रं ध र्क वि न ति या क स या व॥ बु ला वि लु
स्वर श्री मा हा दे व थु गु कु हे तु के ल म दु स द क्ष यु जा य ति ग थे ह

यथि भननि न्या वयजुस गथे ह लयो लयातनि द्यायातवो ल वि
रा मसिया आ वजि अभा गिनिया ह गति जु यु गुरव व जी जु ल
य का व वि जा क ल स ति दे विया मा म ह ल य ल या स श ल मा
ल स ति दे वी रा जित त्व द त ल जी भा ल तो सि ह ध ते नी ति स न ह
यो ल या स श ल मा म गु व या नि मी ति नि जन म रा जन जित थि
आ ग्या दय क स्य वि ग्या हु ने धि क ध व ने ना व श्री मा हो दे व भ ति ल
की दे व ना रा जा यु जा से न्य द को या त अ म त या ज ल रा वा गा त का
ति या ह स स या ज क मु द ज ह स दु ति ने गु रा गु या का र न रा सि र म द
ये क पु ला व वान वान क व धि जु व थो ध द क्ष यु जा प ति जु व र व ना व
गु या व लि ला व स क जु ल ध ध या व वी र नि न जु ल सा भो यु भु ध
मा वि ष्णु न जु ल सा श्री मा हो दे व या हे व न्य वि न ती या ती भव र मे
ति ग थे ह व ने त य ह क रं ध सु धा ल श त श्री मा हो दे व या स श ल व

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ५२ ॥

बुधार्द्राथ तेन ध्यातं ॥ थथे रौरवशा न क भोग यात
सुध क धव गुक्षमोसि विज्ञाना व ॥ श्री वदान विष्णु विसे विष्णु
सिध या मुंद् विद्या व य न न गुसे विष्णु य माल ध क ध व गुने
सा व आ ग्या द य कं लं हे रां दी ॥ ध्या क्ष या त कु या गु मु न्य वी
व ध्या त मुं रा द वि य माल ॥ क रा माला व ह कि ध कं ध या व ॥ ध
या तं ॥ भो य र म्भ र क ल ये ल या त नि द्रा या ना व ॥ वो ल वी न
दी श्व र या त नी द्रा या त वो ल वी ल उ गु मु नु य सु या त नु गु
द क्ष पु जा य ति या मु रा द म द त ध कं वि न ति या क ने ना व
गु ल ना त ॥ श्री स ति दे वि या आ ग्या थे स रा य धि ॥ थ या वि म
द य कं लं ॥ थ वे ल स त क्का र न रां दि न व ना व ॥ ज ग्ग स न
ना व द क्ष पु जा य ति या स हा नु नु त हि स्व त क्का व कु ना व

भोग या त के गु म ठ ॥ थ पि जा गु गु य रा ध क्ष मा या से वि ज्ञा य मा
 से वि ज्ञा य मा ल जी व दी न वि स्य मा त का व वि ज्ञा य धु न क ल धो से
 क थ व गु ने गा व ॥ श्री मा हा दे व रा गु ल सा ॥ न दि या र वा रु स या व लि
 गु म न्द वी य मा ल ॥ थ या गु मु द धा ल सा ज रु द या व वा य धु न ॥ श्री
 थ या व ॥ थ ते श्री मा हा दे व या आ हा डे ना व रां दी न गु ल सा वी न ति
 वो ल वी न गु नि मि ति न ॥ श्री हा ति दे वी न गु ल सा गु गु मु तु न ज ग
 या ल गु गु य मा ल ध क अ य वि स्य वि ज्ञा क या नि ति नि या यि षु
 न ने ना व ॥ श्री मा हा दे व न गु ल सा आ हा द य क ल हि नं दि अ म धे
 थ या पि षु दे या ल स य सु या दे रु द या व ॥ कु ना व वि व ध की आ ग्या
 न ग्य स ब लि दान वि य या त ह स्य त या ल छा ग य सु या के ल धे
 कु ना व वि ली ॥ ८९ ॥ थ न लि श्री मा हा दे व न गु ल सा प थ

॥ नि गु नि ॥
 ॥ ५२ ॥

५:२१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥

पशुपाद्ये लदेकेयातस जीवदान विद्या वं चातकावपिलं
मसुखजुयावृहजोतजो जलमाक अस्तनियामं ॥ ॥
रुयो लु हरथयाल रुयो लु ॥ हरिधयाल रुयो लु ॥
रुधयाल रुयो लु ॥ थयधीससिमा लो ह ई त्याद च
याल रु लयो लु ॥ यचमाहाभुत थयाल रु यो लु निरा थ
तथाय ॥ थयधि सदको यु नि यानुगलु स विज्या न ॥
रुयो लु ॥ थभिन सयरं व त्या रुयो लु या सजिन नि
नि रक्षमाया स विज्या य माल ॥ थनि न्या याना या या य न
वि रुपाव यजु यधु रा थ क नाना मान भन असु नीया न
रु रुयो लु या स हिमा ला य हा स थ स दु ॥ जी अवला

सकावपिलं थथ्युपस्तु न दक्ष युजायति न तुलसा ॥ खा
पानं ॥ ॥ भोपर मैस्त वृत्तुधया संछर्योत् वृत्ता धयासं
छर्योत् वायुधया संछर्योत् त्रलधया संछर्योत् ॥ छ
ईत्यादि चरधया संछर्योत् आदिमधे अथ न्यध
लनिराधार निरुपधया संछर्योत् ॥ तुलि
सविज्ञाना नयापपु न्येया साधि नया वविज्ञा क संध
सजिन निद्रायाय मसत् ॥ ५७ अथरध सस्र २ को
मायायाय न जितश्च फलरात्र य तु स्यात् ॥ छाग मखगा
सुतीयात्रा ॥ वारं वा नमस्तस्मात्ता नाव द्ययसस
गी अवस्ता भारवाक् दया युस्त नैतु स्ये विदमात् मात्

॥ श्री स्वामी ॥

॥ ५३ ॥

धर्कं दत्तं जलयाव विनति यातं ॥ ध्ववे लस बुला
देव या के ॥ आका सप्तार्जत राखा ने का गात का त का
यमा ल धर्क ॥ विनति या ना व ॥ देह यु जा पति है व ॥ मे
रौ न या क रं ल धर्क ॥ कुमा हि ति ॥ कुमा र नं अगत
~~द उरु रने मा य मा त मे के द र ख दे कुमा र नं अ ग~~
~~जा य ति या ज र वि भ स वि र नि रा ना मि व र ना न~~
दे अगस्त मुनि ॥ ध्वन लि मा हा विर भयु मा हा लि न
मो च का व अ स्व ते ध न इ ति स या ना व विर नी य
न द या ना व चो न ॥ ॥ ध्वन लि ग ग्य कु द ल स ॥ स

वे लस बुला विष्णु आदि दको देव लो क बया व हुन श्री महा
गात का न का वा थद दे पुजा पति या ज है सपुर्ण या से विष्णु
ति है व ने न या व श्री सा ह दे व या त भा ग त या व ज है पु
न अ ग त या ह व ने आ ग द य क है ॥

~~ने अ ग द य क है व ने आ ग द य क है ल स व दे द य क है~~

~~न ध र्मा न का न स क न था य न ॥~~

हा ल न को ल न को ति दे व ता ज है गी थ कि न व

विर नी या त श्वा मि व र दान वि या व स न स आ नि आ

ल स ॥ स ति दे व स ग न गु या व ची न वि ज्ञा क ह यो न थ

॥ निगुह ॥
॥ ५३ ॥

[illegible]

माव जग्य कुं शं दु नं थ त क या व मु दे स त या व ॥ वा ल न
न बो वि ह य का व ॥ थ व मु दे स त या व ॥ च स २ ९ ना व ॥ हा प्र
नं हं स ति दे वी या मा या नं लु म न का व ॥ वी ला य या तं ॥ हा यः
वा च ने हा य स ति २ ॥ आ व गु क कै ला स सु ना रां र क्षा या य
म यो ना या कु प्र यो ज न म द त ॥ १ ॥ क ग ना व ता चो ना य
ना व कु गु क ग न व ना व चो ॥ हा य स ति २ सदा का लं जि सिः
लु जो ना व ॥ जि त तु रि चा य क रु व ई व ॥ आ व सु ना रां वी चाः
चो न व ई व आ व सु या त ज्ञा न क ग व ॥ भो गुा न स मा न ह रं
॥ मा ल धा स्तु नं त न की र रां पि वि यु ॥ आ व सु ना रां वि व भी

॥ आत्मस्थ ॥

॥ ५ ॥

पुनः समानः सति ध्वनिमणो विष्णो गये दृढया यथं ध्वन्यु
तं ॥ हरां सति देवीया गुणवशां लुप्तं वचिं तं दृढया यमकं
यदलुपायं मुखां गुया वचो नं ॥ हरां चेष्टादया वनाशा पुकार
वेधरि आवर्जितं सुनासां विचालया ईवधं कं ध्वन्यु गल
नग्वला व विलापया नावः स्वर्गो ललाणा ॥ कौविहायका व विल
लससु न्युलोहाय सती आवसुयाया ल स्वयाव ॥ ध्वनिं तं
नाव वीज्यातं ॥ ॥ हरां यथे विस्मयोरुगोल तु लाव ओय
रां विहायका ॥ माहादुखरां विलापया नाव विज्यातं
देविया अवर्तु मणव ॥ अतिकरुणा याया ॥ स्वः स्वः
रि २ धं कं हा हा कार सया व विराय पा नाव विज्यातं ॥ हरी सति

धेदुठयायधकंधवनुगलसथमदायावविलुपयाज्ञवविजा
 वचिन्नदुठयायमफुयावकलिलमाग्वलुलुधुमिस
 गदयावनाशापुकारनं विलाययातंहायपुनसमानरहयपु
 र्वधकंधवनुगलसवानयुहारजुवसतनधेमहादुव
 ओविहायकावविलाययानाववीजाती॥भोपाराआवुके
 लसयाव॥धचिन्नधीर्जयायधकनानापाथनविलायया
 लजोलतुलारओयहावथेहायसति२धकंस्वग्वलमिखा
 ययानावविजाती॥हनकासकीदालुसनावहनसति
 नाथायावस्वग्वलमिखानयविहायकावहाययानेस्व
 नावविजाती॥हरीसतिदेवीयामलकसरिलघसपुनाव

॥ निगृह ॥
 ५५

साकथे २ धा गो ल नु नु ला रु थ नु ग ल स थ म रां वा या व हा
ना व वि ज्ञा ल ह न थ व थ म नी धे र्थे या ना व म त क स रि
त थ स रु या व नु ह न स सि दि वि या म त क स रि ल स
व य हा व र्थे हा ला व वि ज्ञा ल ह न स रि दे वी या म त क स
ल २ गु ला व मु र्धा गु या व ची न ह न चे वा द या व व य द ना व
त गु मा व ह रा थ म त क स रि ल या वा या व दे स ३ य सि ग
उ र व ल या व विला य या डा व वि ज्ञा ल ह न थ स सि दे वी या
मा हा दे व या के ची रा या फा र न गी थ म त क स रि र स य
ल र्थे ची रा र्थे ची न गु ल थ थी न गु थु फा र न श्री म ग दि अ र

ममं वायाव हायाव हाय सति हाय सति धर्म वि लुपया
मृतक सति लुपया पुत्र वृद्धि मम लुपया मम लु
मृतक सति लु सति देवि या वा लु स्याव स्वभा सद्यु स
या मृतक सति लु लो लु स मम याव हाक २ था ममो
याव वृद्धि नाव हाक था स सति देवि या मृतक सति लु घ
दे स ३ यति गा म २ यती हाय सती २ धर्म नाना युका र्म
व सति देवि या म लु सति लु लु सता नदि जगदि श्वर श्री
म क सति र सय ननु याव विज्या क सपथे मा क सया सति
श्री जगदि श्वर उ मत्ता नु याव सतति र स मम पृथि

॥ श्री गुरुवा ॥

॥ ५५ ॥

प्रमलयावजुलं धनलिङ्गं यादिसासदेवलो कयनिह
पुभति ते नीसकोरिदेवनासकले सुजाव वै कुरा
थ श्री नारायनया चरनसंभोक् पुष्पाव विन नीयार्त्त
श्री नारायन जी यनि वीनतिने स्प विज्ञा यमा रु गथा
देववल्ह लो लवनि ससेन थ जगत सी आर रक्षा मया
धने यानि मिर्तिनि भो श्री नारायन सति देवी मदयाव श्री
नि देवी या मृतक सार रथत कयाव श्री सा हो देवन लुक्
श्री नारायन थ स जगदि श्वर थ धे कु यात यान थ बु सा रा
अ न न या भो श्री नारायन आ वल्ह लो लया मा या न अ

वलो कयनिहपास-चाया बदेवर जई दुन जुलसा ई दु
जव वैकुंठपुरिस विजात विजात वैकुंठ ना
विननीयात मो वैकुंठ श्री नारायन मो वैकुंठ नाथ
यायमा गथा धालसा-थव संसार सख लपोल श्री महा
शाररक्षा मया तसा-थव लारा सुना रक्षा यायीव
वी मदया श्री जगदिश्वर जइ कुंठ लस विजात क संस
मा होदेवन लुकुन विजात भुम लयाव विजात मो
यान थव लारा सुना रक्षा याई आते निमिर्तिन जिपनि
या माया न अहं भुजि निदाय काव सटिदे कीया म

॥ निगुरु ॥

॥ ५५ ॥

नमस्तस्मिन्सकलेश्वरलुगितकावश्रीमाहादेवयाकेनते
मालधकदेवराजईदुराविननीयात॥ धनदेवराजया
दयकल॥ भोदेवराजधयतिशासत्यशुवसाएजिनथव
वियसलीदेवीयामृतकसरिलुधोलुगितकाववियनी
ऊनीधकशाआशायकल॥ धनलिपरंबुसाश्रीनार
नसभोकपुयाववेलाकयावमनसअतिआनूयाजव
सहिवत॥ ॥ धनलिश्रीनारायनरांजुलसा॥ धवसा
देवीयामृतकसरिलुधोलुगितकाव॥ लासकलेंवेसापेत
घसपुगतयाथे॥ मृतकसरिलुधोलुगितकाव॥ श्रीमाहा

माहोदेव या केन तो लतय का व पु स र्त्त जु य का व वि ज्ञाय
॥ ध ते दे व राज या वी न ती ने म्म व ॥ श्री नारायण आ शा
शु व स ए जि न थ व मा या न अ स व क मो जि नि दा य का व
जि त का व वि य नी शु जु ल ॥ आ व द्य प नि से न थ व र था स
पर व स श्री ना र य न या आ शो ने ग व ॥ श्री ना रा य न या च र
ति आ नु या ग व ॥ अ ना रं अ न्न र ध्या न जु या व ॥ अ म ल व ती
रां जु ल सं ॥ थ व मा या नं अ स व क मो जी नी दा य का व ॥ स दि
ग स क लें पे ता पे ता न कु ति रा व य का व ॥ श्री मा हो दे व न
ग त का व ॥ श्री मा हो दे व न तो द न य क रु धि पि धी या ना म

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ५६ ॥

ब्रह्मान आ ग्यादय क ली धि कं कु मार न भ गव या हव ने ॥
कं दो पु राने मा य मा स मे के दी र सं दे कर भ गव स वा दे म न

॥ ६ ॥ स्व न् इ क ष भो ग व मु नि ग न ग न श्री स ति दे वी

त्य ति जु या व वी ज्ञा तं गु लि पी ठ तु त्य ति जु ल धा ल सा ॥ पंच

अ ग प त न जु व था य स श्री ने णा ल सं रा द ल म ध्ये श्री ने णा ल

दे वी श्री चं चु च रा णा जो गि नि ॥ वि श्वे स्वर ना म श्री मा हो दे व उ

वि ज्ञा तं ॥ अ गु लि था य स पु न्य भु मि जु लं ॥ अ था य स ई न्य

शु ब ना ना मा न क ष न य व त प स्या या ना व वि ज्ञा त ॥ अ वे

य कं ली ॥ दू प नि ये गु लि गु ग सं ते ति स को टि दे व ता ध कं

अगव्याहवने आशादयकलं॥ ८०० ॥ इतीप्पिस
रअगवसबादेनतकनासकथाअसमकथाध्यायः
गनभासतिदेवीयासरिलकुतिनवनअन२पीठगनउ
जुलधालसा॥पंचास ५० पीठ उग्रतीजुलं॥ ॥ नृपां
रमधो॥ श्रीनेपालपीठ उत्पत्तिजुयावविज्यातं॥ श्रीगुप्तसरि
मम श्रीमाहादेव उर्ध्वतिजुयाव॥ शिवज्ञागतीस्थपजुयावः
॥ अथायसईन्द्रपुत्रुत्तितिसकोर्तदेवतानीविज्ञा
मावविज्यात॥ अवेरुसपरमेश्वरसतोषजुयाव आशाद
कोटिदेवताधकं॥ नामपुष्टाव्यातिजुयमालधकंवरदा

॥ निगस ॥
॥ यद् ॥

नविलः तथालुधकंमो नावविष्णुतं ५ अवनहिनुगल
याव श्रीका मुआदे श्रीवीती जोगिनि वक्रै अर नाम श्री
स्वयंरुय गुया वविष्णुतं पुगुथानसपुन्य भुमिगुलु
नतयस्यायातं अवालस श्रीपरमेस्वर आतिवृष्टिगुया
लसं दयानिस नाम पुष्पातिगुय मालुधकंवरदान वीसे वीज्य
त्रेनधास वारनरसिधयाथास श्रीवारनसिधया ना
हादिदेवी श्रीसंकता जोगिनि विष्णु अर नाम श्री
रुय गुया वविष्णुतं पुगुथानसपुन्य भुमिगुलु
चीनं अवालस ईस्वरिरसतायाव दयानि वा अति

धनहिनु गल कुतिन वन थास का मरु यि उत्पत्तिं
वैकुण्ठेश्वर नाम श्री महादेव उग्र जगत्पतिं शिव शक्तिं
युग्मं भुवि गुरुं अध्याय जगत्पतिं यनि वृथा वना नापा
र आनि वृत्तिं युगाव आणादय क ह स्वर्ग तम वे याताः
वरदान वीक्षे वी ज्ञात २ धनहि चतुष्पाद स कुतिन
वारन सिद्धि या ना मयी थ उत्पत्तिं युगाव श्री विमाल
वैकुण्ठेश्वर नाम श्री महादेव उग्र जगत्पतिं शिव शक्तिं स्व
युग्मं भुवि गुरुं अध्याय सगंधर्व यनि वृथा मे हल व
वृत्तिं वी क्षा सिद्धिं युगाव ह वरदान विले ३ थ

श्रीचस्या

५७

नहि जलन स्यात्तकुली नवहागाथाशु जौरवध नय या ना
पी श्री यदु य गा जोगि नि ध मे स्वर नाम श्री साहा व ड
विज्ञात थ गु धान सर र्ने भु मि जु लं थ था य स दे ल ग
स र्स्वरि पु स र्ने जु या व ध य नि स्य न दे व लो क य नि स्ता
र्त्त * अत लि मे कु ति न व न था य स का सि म
ठ उ त्प ति जु या व सि व स क्रि स्य क गु या व वि ज्ञा तं थु
य स वि न र ग न य नि व या व न य सा ना व ची न थ रु स
नो र थ वा क्ता न ना ला सि धि ज य मा थ कं व र दान वी लं
हि था य स क २ कृ बु ध या था य स श्री का ने कृ बु ध

जैरवधमय या नाम धीठउ सति जुयाव श्रीअस्वकोदे
 नाम श्रीसाहावउ सति जुयाव शिवसुकिस्वरुप जुयाव
 धयायस देवि गारा व याव नयस्यायात्ताव चीन धवेरु
 पलो कयानिस्तानितय यापय नालुधकवरद नविः
 थायस कास्मिरधयाथायस कास्मिरीरुधयाना मणी
 याव विज्ञातं भुगुलिथानसयु नभूमिजुलं धथा
 नाव चीन धरुस श्री ईधरिरुसना याव ५० यनिस म
 कवरदानवीलं ५ धनलिख यादे गति कुति नवनग
 श्रीका नेकु व्रुधया नाम धीठउ सति जुयाव श्रीअस्वकोदे

निगुरु
 ५७

ॐ रिदेवि श्रीचंद्रा जोगिनि दुदाधे अर्धयानान श्रीमाहोदे
विज्ञातं धोगुलिथानसमैक्षभूमिजलं धोथायसरव
वईस्वरिष्ठुसिजुयाव रूपनिसेनदेवत्वकयातजिन
६ धनलिष्ठवयापिष्ठासुसिक्तनीनवनधाम गुरीति
धउत्पत्तिजुयाव श्रीगुर्नगिरिदेवी श्रीकामाकुण्डल
वउत्पत्तिजुया दिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्ञातं
यसअयसरजगणनिवयाव नानाप्रानणारवनहुया
रां धवेत्तस श्रीईस्वरिष्ठुसिजुयाव रूपनिईन्द्रय
धकवरदानवितं ७ धनलिष्ठुसिक्तनीनवनध

ॐ
यानामासाहोदेव उच्यते जुयाव शिव शक्ति स्वप जुपावः
हं धोथायसरवनयनिव्यावतपस्यायातं धपनीरवना
वस्वकयातजिनयेयायययमाहधंवरदानविल
वनथास युरीगिरिधयाथानस पु र्गिरिधयानामपि
श्रीकृष्णकुण्डलजोतिनिचंद्रश्चरधयानामपिमाहोदे
जुयावविज्ञातं शुगलिथारासहवभूमिजुलं धथा
नज्जारवनहुयावमाहाहावु धापहनगायकाववो
रुपनिईरुयाथायास उवकतसंभुक्तपमजुयमल
सिद्धुतिनवनथायस अमुखायलथायाथानस श्री

श्रीसुखा

पट

अमरादाचलध्यानामपीठउत्पत्तिगुणावसिबशा
थानससिद्धभूमिजुलंथथायसनारदकाधिव्याव
सिस्त्वयगुणावसेनवाक्यसिद्धजयमालुधकंपरद
तीनवतथानसअश्रातकेवरधयाथायसश्रीअश्रात
श्रीवित्तकेकेरेश्वरीश्रीयकादिजोगिनीनिन्दायते
वशिवसज्जीस्वरूपगुणावविज्ञातिथुगुलिथायसपु
निगणायनिव्यावतयस्यायातेथवेल्सयमेस्वर
दाहिनगुयमालुधकंपरयानविलेखथानसिबव
वरधयाथायसश्रीयेकावरधयानामपीठउत्पत्ति
दायोगिशिश्रीयुधेश्वरनामश्रीमाहादेवउत्पत्तिगु

जुयाव सिवहाकिस्वरूप जुयावविजातं भुगुलि
रद-काष्ठिव्यावतयस्यापातं धवे लस श्रीपरमेस्वर
मालुधकं परदातविलं द धनसि जेवला हातक
यस श्रीअत्रातवे अतिधया ना मयी ठ उत्यति जुयाव
जिनी निद्यायते शरनाम श्री माहादेव उत्यति जुया
भुगुलिथायस पुन्य भुमि जुलं धथायस राधी कापः
लस परमेस्वर रसनायावं रूपनि सदा श्रीकृष्णया
रथानसि वरुया नृसयोत कुमिन वराथायस येका
मा मयी थ उत्यति जुयाव श्रीसिद्धेश्वरी देवी श्रीसि
हादेव उत्यति जुयाव शिवसक्तीस्वरूप जुयावविद्या

निगुरु

५८

तं॥ अगुलिथायसपुनः भूमि जुलं॥ अथायसः कर्णविरम
यस्यायातं॥ अवेल् ईस्वरी युक्ष जुयाव॥ अयनिसेन म तठ
वरदा नविलं॥ १०॥ धनलि मलद्वार कुति नवथायस॥ त्रिशो
या नाम॥ यीठ उत्पत्ति जुयाव॥ श्री मा लेस्वरि देवी॥ श्री विव
म॥ श्री मा हारु दु उत्पत्ति जुयाव॥ शिव सक्ति स्वरुप जु
रो भूमि जुलं॥ अगुथायस॥ जन्मरा जायनि वयाव नय
सि जुयाव॥ अयनि सन वृत्तान श्रुष्टि या नावतगु॥ अमि
रदा नविलं॥ ११॥ धनरि ककु कुति नवतथास॥ हा मरु
मयीठ उत्पत्ति जुयाव॥ श्री का सी नि देवी॥ श्री लु वि क

॥ धृथाय स कर्ण विरमसा राद को वया व पु मृष न व या व न
या वा ॥ कृय निसे न मृ त क द को म स म या य क य म ल ध क
र कृति न व था य स ॥ त्रिशो न क ध या था ये स ॥ त्रि स त क ध
माले स वि दे वी ॥ श्री वि कंठ दुष्ठा जो गि नि ॥ च म्पे श्व र ध या ना
व ॥ शिव स कि स रू य जु या व वि ज्ञा तं ॥ धृ गु रि था य स पु
म रा जा य नि व या व न य स या तं ॥ थो वे रु म्प य र मे श्व री षु
धृ ष्टि या ना व त गु ॥ कृ मि से न ना स पा य क य म ल ध क व
ति न व न था स ॥ हा म रू ध या था स ॥ श्री का म रा ध ध या ना
मी नि दे वी ॥ श्री रु वि का जो गि नि ॥ मो ह श्व र ध या ना म

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ५२ ॥

स्वस्था

श्रीमहोदेव उतपत्तिजुयाव॥ शिवशक्तिजुयाव विज्ञातं॥ थु
पृथीमातावयाव॥ पुजायातावचोनं॥ थवेलसपरमेश्वरीसं
यावचोनेमालुधर्कवरदानविलं॥ १२॥ थनलिजवयालि
उतपत्तिजुयाव॥ आपावतिदेवी॥ श्रीरंजीकाजोगिनि॥ विश्व
उपतिजुयाव॥ शिवशक्तिस्वरूपजुयाव विज्ञातं॥ थुगु
स॥ चतुर्भुवब्रह्मावयाव॥ अनेजजज्ञजपहोमतपस्याया
सपरमेश्वरियतक्षजुयाव॥ धनतस्वगतमधेपातालसं
दातविलं॥ १३॥ थनलिथथुवाकुतिरावराथायस॥
गुधयानामयीथठउतपत्तिजुयाव॥ श्रीमिनाकिदेवि

सत्य

जती जुयाव विज्ञानं॥ थुगुलिथानसगुन भुमि जुलं॥ थथा
मं॥ थवेल्सपरमेश्वरी संतोष जुयाव॥ धनस विधानज
॥ १२॥ थनहि जवया लि कुन वन थायस॥ श्री कैलास पर्व
रींजीका जो गिनि॥ विश्व भरे श्वर धया ना म॥ श्री माहादेव
जुयाव विज्ञानं॥ थुगुथायस सिद्ध भुमि जुलं॥ थथाय
ज जप हो मत पस्या यातं न पस्या याता वचनं॥ थवेल्
न स्वगत म धे पाता ल सं श्रु बी क ती जुय मा ल ध क वर
कु ति रा व रा था य स॥ भुयं गु ध या था था य स श्री भुय
गा व॥ श्री मिना छि दे वि॥ श्री बु जे दे हा जो गिनि॥ सत्य

॥ निगुरु ॥

॥ ५६ ॥

श्वरनाम श्री माहोदेव उवाच ॥ शिव शक्ति स्वरूप
भुमि जुल ॥ ७ ॥ अगुलिथानसध मरुत राजा वया व ॥ मा हा जो
धवे लस ईश्वरि पुक्ष जुया व ॥ छनत जव लं देव तान मफ
देण ला हा कुनि न व था य स ॥ के दार ध या था स ॥ श्री के द
ई दे वि ॥ श्री मुद्रा जो गि नि श्री को ते श्वरनाम ॥ श्री मा हा दे व
विज्या तं ॥ ७ ॥ अगुलिथानस पुने भुमि जुल ॥ ध था य स य का
ल स पर मे स्वरि र स ता या व ॥ छ य नि किं छ स स या ते ज
न रि ज व मि या मि र वा कु रि न व रा था स ॥ चं द्र पुर पी ठ उ
वा जो गि नि ॥ पु का से श्वर ध या ना म ॥ श्री मा हा दे व उ य ति
तं ॥ ७ ॥ अगुलिथानस शि ध भुमि जुल ॥ ध था य स द स दि

शिवशक्तिस्वरूपं ज्ञाय विज्ञातं॥ भृगुलिथानसर्वमैः
तावदाव॥ माहाजीगनतयस्यायानाचुजायानावचोत्तं॥
वसुदेवतानमस्तु यमा लुधकं वरदानविही॥१५॥ यत्तलि
याथास॥ श्रीकेदारध्यानामपीथउत्पत्तिज्ञयाव॥ श्रीकेदा
नाम॥ श्रीमाहादेवउत्पत्तिज्ञयाव॥ शिवशक्तिस्वरूपं ज्ञाय
॥ ध्यायस्यकादसरुद्रयावतयस्यायानाचोत्तं॥ धोवे
मंस्त्रसंज्ञातेजउत्तिज्ञयमा लुधकं वरदानविही॥१५॥ य
॥ चंद्रपुरपीठउत्पत्तिज्ञयाव॥ श्रीसिद्धिकालिदेवी॥ सिद्धा
मीमाहादेवउत्पत्तिज्ञयाव॥ शिवशक्तिस्वरूपं ज्ञाय विज्ञा
ध्यायस्यदसदिज्ञया लुपति॥ श्रीयाव॥ वीधीपुर्वकनपु

॥ श्री त्वत्पा ॥

॥ ६० ॥

जाया नाचो नं॥ ध्व वे लपर मे स्वरिर सताया व॥ छप नि थव
विलं॥ १६॥ धन लि कया लया रुकु कु ति न व न था स॥ श्री ध या
म द्रा क्ष दे वी॥ श्री म द्रा जो गि नि॥ क ले श्व र ना म॥ श्री मा हो दे व
वि ज्ञा तं॥ धु गु लि था न स पु ने भु मि जु लं॥ ध था न स अ वृ सि
नं॥ ध वे ल स ई श्व री वृ सि जु या व॥ छप नि वृ म नो र थ का म
व॥ ध न लि ना भी कु ति व न था स स का वि र ध या था स॥ श्री
वि र जो गि नि॥ श्री य का वि र दे वि॥ श्री मा हो दे व उ र्व ति जु या
गु लि था न स पु न्य भु मि जु लं॥ ध था स ना ग लो क व या व॥ अ
नं॥ ध वे ल स ई श्व रिर स ता या व॥ छप नि स फ पा ता रु या
ध न लि क पु रु थु सि कु ति न व न था य स॥ गा ल ध र ध या थ

यावत्पनिथवथवथानयानाथजुयमालधकंवरदान
वनथास॥श्रीधयाथानस॥श्रीनामपीठउत्पतिजुयाव॥श्री
रनाम॥श्रीमाहोदेवउत्पतिजुयाव॥शिवज्ञातीस्वरूपजुयाव
॥धथानसअवसिहावयाव॥षोडशयचारणगुणयानावर्च
वसमोर्थकासनावाद्यातसिद्धजुयमालधकंवरदानविही
विर्धयाथास॥श्रीयकाविरनामपीठउत्पतिजुयाव॥श्रीय
माहोदेवउत्पतिजुयाव॥शिवज्ञातीस्वरूपजुयावविज्ञाती
गोहोक्तवयाव॥अनेगमनिमानिककायावर्णयानावर्च
मसकपातारयाअधिपतिजुयमालधकंवरदानविही
॥गालधरधयाथानस॥श्रीगालधरनामपीठउत्पतिजुः

निगुह॥

॥६०॥

पा ॥ श्री गुरुयो देवी ॥ श्री गुरु लो सुविजोगिनी ॥ श्री पी सा चे
वडा कि स्व रूप जु या व वि ज्ञा ता ॥ अथा य सा सि व भु मि जु स
य क अ का व न य सा घा न ॥ अ वे ल स य र मे र्थ स मो ष जु या व
र्ये स वि प पि त्र जु य मा ल ध र्म र दान विलं ॥ १९ ॥ ध न रि ष
ह व र ध या था य स ॥ श्री म ल व र ध या ना म पी थ उ त्त नि ज
यो जि नि ॥ भु व ने श्व र ना म ॥ श्री म हा दे व उ त्त नि जु या व ॥ नि
गु रि था न स प पि त्र भु मि जु र् ॥ अथा य स चा द स आ दि त्पे
य ने स्वर भु मि जु या व ॥ क य नि स्य न डि म नि गु रि भु मि नि न
र दान विलं ॥ २० ॥ अथा लि स या सा द को कृ ति न व व रा था स ॥ कृ

नी ॥ श्री श्री साचे स्वर्ग नाम ॥ श्री सा हा देव उत निति जु या व ॥ सि
ग सि व भु मि जु स ॥ अथा आस का म धे न सा व या व उरु हा
सि मो ब जु या व ॥ ह न गु चो धि उरु ॥ अ स्व ता न स क ल का
॥ १९ ॥ ध न लि ष व या तु टि या लि कु ति न व न था य स ॥ म
थि थ उ त न ति जु या व ॥ श्री सा हा का लि दे वी ॥ श्री क म लि
त ति जु या व ॥ शि व शक्ति स्व रु य जु या व वि आ ती ॥ ॥ अ
दा द स आ दि त्पे ग ल य नि व द्या व न य सा या ती ॥ अ वे रु स
गु हि क तु मि न के ॥ म भि के च मि वु ति जु य मा ल ध की व
न व व रा था स ॥ क स ल न ध या था स ॥ श्री क स ल न ध या

॥ श्री लक्ष्मणा

॥ ६९ ॥

नाम यीठ उत्पत्ति जुयाव ॥ श्री लक्ष्मणा न कालिदेवी ॥ श्री गुरा
व उर्यदि जुयाव ॥ सिव द्वा गती स्वरूप जुयाव ॥ श्री ॥
अष्टानि ॥ भूनि ॥ हूति ॥ शुभिति न द्वा वगनय निव पाव न्य स्वा
स ॥ जेति क सा ह्य या अधिय ति जुय माध कंवर दान विस्
देवी को नम या नाम यीठ उत्पत्ति जुयाव ॥ श्री लक्ष्मणा दे
श्री मा हो देव इति ॥ जुयाव ॥ सीव द्वा गती स्वरूप जुयाव
सि ॥ शुभ ति जुयाव आदर भा वन या ताव ॥ पुजा या नाव चो
ने लं देव ले व क या ॥ मं नु क्य लो क या जेति बाधा सा सु
॥ १९ ॥ थ न हिर व व या नृ पो न कृ ति न व था य स ॥ जे क र्ति स्व

देवी॥ श्री गुराद घराठ जो गि नी॥ सी रे स्वर नाम॥ श्री माहोद
ग वृषी ज्या ती॥ शु गु लि था न स गु न्य भु मि गु र्जी॥ थ था य हा
नि व पा व न्य स्वा या तं॥ ध वे ल स य र मे श्व र गु या॥ छ नि ह स
क व र दान वि ल॥ २५॥ थ न ज व ला हा कु नि न व न था स॥ श्री
॥ श्री मन्त्राक्षि देवी॥ श्री ललिता जो नि॥ माने स्वर ध या नामः
व रू य गु या व वि ज्या ती॥ थ था य स मे व वृ य मि थु न र॥
प्र जा या ना व चो नी॥ ध वे ल स य र मे श्व र॥ स य न गु या व दि
जो ति बा द्या सा सु या अ वि य नि गु य मा ल धि क य र दान नि लि
स॥ जो क र्ण स्वर ध या नाम था य स॥ श्री गव क र्ण स्वर ध या

॥ नि गु रू ॥

॥ ६९ ॥

नाम पीठ उ स्तुत जुयाव ॥ मे र विदे की ॥ श्री य क जंघा जो गि नि ॥
जुयाव ॥ शिव स गी स्व रूप जुयाव वी ज्ञा त ॥ भृगु लिथान स
नि आ गु व्या रा पु न यो ग ॥ ग न व या व ॥ मा हा क व न या व ॥ न य ह्या
य नि स क ले ॥ जो ति व या सा स्रु या अ धि य नि जु य मा ल ध र्क व र द
न व न था य स ॥ मा तु ले श्व र थ या था य स ॥ श्री मा तु ले श्व र थ या
पी ग ला जो गि नि रु ध ना ते श्व र ॥ ना म श्री मा हा दे व उ न्य ति जु य
त ॥ भृगु लि था य स पु ने भु म्बि जु र ॥ भृगु लि था य स क स्य
न या ना व चो न ॥ ध व ल स य मे श्व री सु सि जु या व क्प नि स क
र्क व र दान वि ल ॥ २५ ॥ ध न क थु वा क्ती न व न था य स

શ્રીયઠ્ઠજંગાજોગિનિ॥શ્રીજોગશ્વરનામશ્રીમાહાદેવઉપતિ
યાત॥૪ગુલિથાનસગુનામુનિજુલે॥અથાયસવિષ્ણુમયીઃ
ગાઠાકલનયાવૃત્તપણાયાત॥૫વેલસપરમેશ્વરીષુતિજુયાવ૥છ
તિજુયમાલધર્મવરદાનવિલ॥૨૩॥થનલિજવડુરુકુતિલા
સ॥શ્રીમાતુલેશ્વરધયાનામયીથઉત્પત્તિજુયાવ૥૨જોગેશ્વર॥૬
શ્રીમાહાદેવઉત્પત્તિજુયાવ૥શિવશાગીત્યરૂપજુયાવવિજ્યા
ગુલિથાયાસકલપશુભતીઅવિલોકનિવંશાવજપથા
સિજુયાવક્ષ્યનિસકલે॥ચતુર્વેદયાઅધિપતિજુયમાલધ
ગકૃતીનવનથાયસઅદુહાસધયાથાયસ॥અદુહાસનામ

॥ श्री लक्ष्मी
॥ ६२ ॥

पीठउत्पत्तिजुयाव॥ शिवसक्तिस्वरूपजुयावविज्ञात॥ अगुति
अचराजोगिनि॥ श्रीसकभुक्तेश्वरधयानामश्रीमाहोदेवउत्प
त्ति॥ अगुथानसपुन्यभूमिजुलं॥ वागमत्तिपुभुत्तिगंगादेवीदत्ते
अवेससयाम्भरिसंस्वरजुयाव॥ अयनिसंसारभुक्तिमुक्तिद
॥ यनहिरियाउयुक्तवनथायसविलयधयाथायस॥ विलयध
याव॥ श्रीभुवनेश्वरिदेवी॥ कृष्णवर्णेश्वरधयानामश्रीमाहोदे
जुयावविज्ञात॥ अगुतिथानसपुन्यभूमिजुलं॥ अगुतिथान
माथनय्यायननुयावमेहासावतयस्यात॥ अवेससय
केमाहजुयमारुधर्कवादानविलं॥ २६॥ यनलिजवया

याववि ज्ञान ॥ २४ ॥ गुरुहिथानसगुरु ॥ श्रीमहादेवीदेवी ॥ श्री
मानाम श्रीमहादेव उत्पत्ति जुयाव ॥ सितसक्तिस्वरु जुयाव विज्ञा
तपुभूति गंगादेवी दको वयाव ॥ गंगाजल छायाव तयस्याया तं ॥
निसंसार भुक्ति मुक्ति दारा दाना जुयमही धं वंदान विही ॥ २५ ॥
धयाथायस ॥ विल्व धयाथा विल्व धयानाम पीठ उत्पत्ति जुयाव ॥
धयानाम श्रीमहादेव उत्पत्ति जुयाव ॥ सितसगती स्वरु
मिगुरु ॥ गुरुलिथाय स श्री कृष्ण रसिकाय निवयाव नाना
पयात ॥ धवेससयर मेश्वर पुसि जुयाव ॥ कृष्ण निष नाव वै सो
॥ २६ ॥ यनलि जयया गुल्या कृत्ति वत थासर जगदे धयाना

॥ श्रीरु ॥

॥ ६२ ॥

मयीठठत्यति जु याव॥ श्री रा ज उ हरे श्री देवी॥ उलका जो गि.
नी जु याव॥ हिव शग्री स्व रु जु याव वि ज्ञात॥ भुगुलि थान समो
वय का वत प त्या या ना व चीन॥ अ वे रु स पर मे श्री सु सि जु या व॥
या व ची ने द य मा रु ध कं व र दान वि ल॥ २७॥ ध न हि जु व या या दु
ति जु या व॥ श्री चं दि का दे वि॥ श्री नु रे नु का जो गि नी॥ वि श्वा मि त्रे
स्व प जु या व वि ज्ञा नं॥ अ था य स पु न्य भु मि जु लं॥ अ था य स
र व न रु या व त प त्या या तं॥ अ वे रु स पर मे स्व रि स त्व व जु या व
ह या य फ य मा रु ध कं व र दान नि ल॥ २८॥ ध न हि या य ज्व
स॥ श्री को रा पु र ध या पि ठ उ त्प ति जु या व॥ श्री मा हा ल क्ष्मी दे

उलकाजोगिनी ॥ श्रीहरेस्वरहररोस्वर श्रीमाहादेव
गुह्यथानसमोक्षभुमीजुल ॥ अथथायवायुध्वताव्यावसुगंधस
रिषुसिजुयाव ॥ अथपनीथसंसारशुजिवाजंतुयाप्रानवायुज
लिजवयायादुकाकुतिवनथास ॥ श्रीमाहापठधयानासपीठउत्त
मि ॥ विश्वामित्रेश्वर ॥ श्रीमाहादेवउत्पत्तिजुयाव ॥ शिवसक्ति
लि ॥ अथथायस ॥ अथसरगणपनिव्यावजनेगतरुनपा
सत्त्ववजुयाव ॥ अथपनिस्पनइन्द्रपुत्रतिद्वलोकपनीमो
नसिद्याथज्वलकुतिवनथायस ॥ श्रीकोरपुर्धयाथाय
माहालक्ष्मीदेवी ॥ श्रीसुनदायोगिनि ॥ श्रीरुमशालेश्वरमाहा

॥ श्रीस्यस्या ॥

॥ ५३ ॥

देवउत्पत्ति जुयाव ॥ शिवसगती स्वरूप जुया जुयाव विज्यातं ॥
भुतिपंडिजनपनिव्रयाव ॥ अने गरजनकायाव ॥ पुज्यायातं
लोक आहार जुयमारुधक वरदान विलं ॥ २९ ॥ धनहि
यीठउत्पत्ति जुयाव ॥ श्रीसाधुद्धिदेवी ॥ श्रीरत्ननपाजोति
जुयाव ॥ शिवसगती स्वरूप जुयाव विज्यातं ॥ अथायस
नपस्यायातं ॥ ध्ववेलसपरम्यस्वरि शरिसंतोष जुया
धक वरदान विलं ॥ ३० ॥ धनहि थथु सुथु सिक्तीन
त्पत्ति जुयाव ॥ श्रीअस्त्रमात्रिका गनदेवी ॥ पुण्यरी
नि जुयाव ॥ शिवसगती स्वरूप जुयाव विज्यातं ॥ अगुहि

व विज्ञातं ॥ अथायस पुने भुमि जुलं ॥ अथायस गहदुप
॥ पुजायातं ॥ अवेरुसईस रीषुसी जुयाव ॥ ह्यनिसन नाग
॥ थन हि जव पुहिकुति नवनथाय ॥ यकायु धया नाम
न पा जो गिनि ॥ श्री उ मते अरनाम ॥ श्री मा हा देव उ मति
अथायस पवित्र भुमि जुलं ॥ अथायस लोहद को वयाव
तो ष जुयाव ॥ ह्यनिस क लें देवता पनि अं ग जुय माह
सि कु ती नवनथायस ॥ वकारे स्वर धया नाम प्रयी ठ उः
॥ पुणदरी यो गिनी ॥ श्री निसनारे अरि मा हा देव उ म
॥ भुगुहिथान पुन्य भुमि जुलं ॥ अथायस क ल्य वृक्ष

॥ निगुरु ॥

॥ ६३ ॥

सिमावुयावुना ना पदार्थ काया वनयस्या यातं ॥ थवे लस
पागु सिउ न्यति याय फय मा ल धं वर दान वि ॥ २
पुर धया ना मयी उ उ न्यति जुया व ॥ जयति देवी ॥ श्री च
उ न्यति जुया व ॥ सी वरु कि स्व प्र जुया व वि ज्ञातं ॥ थु गु
सिक्क सल य निवृत्ता व ॥ त पस्या यातं ॥ थवे लस पर मे स्त
नि स्य न माने या य मा ल धं वर दान वि विल ॥ ह न तु र
याय मा ल धं वर दान वि विल ॥ ३ ॥ थन हि हि पाय
उ न्यति जुया व ॥ श्री मा ल का ति देवी ॥ श्री ल जि ह्वा जो नि
उ न्यति जुया व ॥ शिव श जी स्व रूप जुया व वि ज्ञातं
मा ल य व यात यस्या यातं ॥ थवे लस पर मे अ रि सु सि

प्राप्तं॥ अवे लसपर मे अरि सुसि जुया व॥ क न म न रं भा ल
दा न वि ल॥ २०॥ अ न लि स ला कु ति रा व न था स॥ श्री ज य टि
वी॥ श्री च च र जो गि नी॥ श्री क ल्य स र ना म॥ श्री मा हा दे
वे ज्ञा तं॥ थु गु लि था न स ध र्म भु मी जु लं॥ अ था य स तु ल
ल स पर मे अरि सुसि जुया व॥ क य नि र्ध ध सं ला र स च न य
व ल॥ ह न तु ल सि या त न ह न त का ति म ई ना स मा न्य
न न लि हि पा य कु ति व न था य स॥ श्री उ र्ज य नि ना म पी ठ
ल जि क्हा जो नि रा ति॥ श्री ज घे स्वर ध या ना म श्री मा हा दे व
या व वि ज्ञा तं॥ अ था य स सि ध भु मि जु लं॥ अ था य स सि
र मे अरि सुसि जुया व॥ क न स क र ह क यान मो क्ष वि

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ६५ ॥

य फल्य मा लध क व र दान वि लं ॥ ३३ ॥ थ न लि ज व य
ध या ना म पी ठ उ त्प ति जु या व ॥ श्री स्व र्ने श्व री दे वि ॥ श्री ति
त्प ति जु या व ॥ शि व शु क्ति स्वरु प जु या व वि ज्ञा तं ॥ धु गु ति
गि नि ग त व या व ॥ अ ने ग धा न ज य या ना व वि ज्ञा तं
प नि स रु पा म न्न न नानं सि द्धी जु य मा ल ध क व र दान
था स ॥ श्री धि रि का यु र ध या ना म पी ठ उ त्प ति जु या व ॥
स ह श्र वे दे श्व र ना म ॥ श्री मा हा दे व उ त्प ति जु या व ॥ शि व
य स मो क्ष भु मी जु लं ॥ श्व था य स श्रु श्रु त्त मा श्री का ग य
यो र्ने ॥ श्व वे ल स य र मे स्वरि सं तो ष जु या व ॥ धा न २ या
ल ध क व र दान वि लं ॥ ३४ ॥ थ न ली ज व ला हा त मा

थन लिज वया वयिको च कुतिन वन था यस ॥ च-रित्रपुर
वरी देवि ॥ श्री वित्रा योनि सि ॥ वायु वे श्वर नाम श्री माहादेव उ
जा तं ॥ धुगुलिथान स पुन्य भूमि जुलं ॥ धोथा यस जो
मा व वि जा तं ॥ श्व वे ल स प र म्म स्वरि क सि जु या व ॥ ध
ध क व र दान वि ल ॥ ३५ ॥ थन लिखा थ ज्वल कुतिन वन
त्यती जु या व ॥ श्री जुग सा दे वो ॥ श्री क ल कि नि यो गि नि
जु या व ॥ शिव श क स्व रूप जु या व वि ज्ञो तं ॥ धुगुलिथा
मा श्री का ग ण व या व ना ना मा थ न ॥ नय सा या तं या ना व
व ॥ थान २ या क्य नि न कि नी जु य मा ल ॥ जु या व ची ने ना
व ला हा त मा ल णा कु ति न व न था यस ॥ श्री स सि ना पु

॥ निगु ॥
॥ ३५ ॥

र ध्याता म पीठ उत्पत्ति जुया व॥ सि व द्वा व स की जु या व या व नि
श्री च न्द्र स्व र्दे दे वी॥ श्री को टा ए चि जो गि ति॥ श्री पु सु षा रे श्व र
मि जु ल॥ श्री ध्या य स तु द्वा स न च क व या व वि न ति न त प स
स सा र स क प नि से न॥ स ते त्रि ती॥ श्री कृ ल क लि॥ ध्य ये गु रि
न वि ल॥ ३६॥ ध न लि ज ल कु ति व न था स॥ श्री वि ल्य व या
कु मे श्व र दे वि॥ श्री कृ का रि जो गि ति॥ श्री कृ स ले श्व रि ध
जी स्वि रू प जु या व वि ज्ञा ती॥ श्री गु रि था न स पु न्य भु मी जु ल॥
ज ल धा न या दे ज ल द य का वृ त प सा या तं॥ ध्य वे ल स ई श्व
माल ध क व र द्या न वि ली॥ ३७॥ ध न लि प्र ल क कु ती न व न
ध या ता म पीठ उत्पत्ति जुया व॥ श्री वी म ला दे वी॥ श्री धी ग ला

जु या व या व वि ज्ञानं ॥ शि व भ्रा त्रि त्ति स्वरूप जु या व वि ज्ञानं ॥

॥ मु सु भारि श्वर श्री मा हा दे व उ त्प ति जु या व ॥ अथा य स मु न्य भु

म ति न त प स्या या तं ॥ अ वे ल स य र मे श्वरि स तो य जु या व अ

लि ॥ अ ये गु लि जु या स ॥ दे ल्य स हार या य ह य मा ल ध कं व र दा

नी वि ल्य च या ना मयी थ ध या ना मयी थ उ त्प ति जु या व ॥ श्री

र द ले श्वरि ध या ना म ॥ श्री मा हा दे व उ त्प ति जु या व वि व स

य भु मी जु लं ॥ अथा य स वि स्व क मी व या व त प स्या या तं ॥ अ ने

वे ल स ई श्वरि र स ता या व ॥ न नु द्वि ज्ञान व ध य जु य

न कु ती न व न था य स ॥ श्री अ दृ हा स ध या था य स ॥ अ दृ हा स

॥ श्री थी ग ला जो नि शि ॥ ज क्ष श्वर ना म श्री मा हा दे व उ त्प ति जु

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ६५ ॥

या वसि वस गी स्व रूप जु या व वि ज्ञा तं ॥ शु शु लि था न स यु
कं गु ला व ॥ अ ने ग य र्थ क र पु र ल का या व ह नु मा न गु
या व छ य नि श्री ए म चं द्र या से व क जु या व चो ने द य मा
ति न व न था य स ॥ श्री प्री य गु ध या था य स श्री प्री य गु ध या
सि ह वे ग जो जि नि ॥ श्री मा हि ने स्वर ना म श्री मा हो दे व उ त्त
शु शु लि था न स पु न्य भु मि जु ल ॥ शु शु लि था न स द स अ व त
स तो ष जु या व ॥ छ य नि से न च नु जु ग स दै त्थ स ह र या य य
पि कृ ति न व न था य स ॥ श्री मा या पुर ध या ना म श्री ठ उ त्त
जि नि ॥ श्री त य से श्व र ना म मा हो दे व उ त्त य नि जु या व ॥ शि

लिथानसयुग्मभूमिगुलं॥धथायसहनुमानवपाव॥मा
हनुमानपुलावतयस्यायातं॥धवेलसयरसेस्वर॥सताः
वोनेदयमालुधकीवरदवि॥३५॥धनहिसेलाकु
प्रीयगुधया॥मापपीठउता॥निगुयाव॥श्रीसुदरिदेवी॥श्री
हादेवउता॥निगुयाव॥शिवसगीस्वरुयगुयावविज्यातं
दसअवतारव्यावतयस्यायातं॥धवेलसयरसेश्वरि
हारयायययमालुधकीवरदानविरु॥३६॥धनहिअ
मपीठउता॥निगुयाव॥श्रीमाहादेवी॥अचंचलातोः
गुयाव॥शिवसगीस्वरुयगुयावविज्यातं॥धथायस

॥निगु॥

॥६५॥

संतामभुमि जुलं ॥ शुगुलिथानस ॥ चनुयधि लि जा
वेल्सयरेनिसरि स लख जुया व ॥ यनिसक ले ॥
रानविल ॥ ५० ॥ थनलिखवुलया कुतितननथा यस
गिरिधया नामपीठ ॥ तनी जुया व ॥ श्री माहिकादेवि
रश्री नाम श्री माहादेव ठ लति अ या व ॥ शिवसक्ति
मि जुल ॥ शुगुलिथा यस म नष्टि न पीसा चादि गणा य
न प साया न ॥ थवेल्सयरेनिसरि स लख ना या व ॥ यनिस
थेक व र दानविल ॥ ५५ ॥ थनलियान पाया च कु ति
श्री मलयाजि रि धया नामपीठ ॥ तनी जुया व ॥ ५६

पुष्पं लिङ्गं यन्निब्रूयात् जय तय यासां व विष्णो तं ॥ १ ॥
नि सकलैः ॥ स्वयं भुङ्क्ते गुणान् वचो नेदय मा लुपं क्व
न न तथा यसः ॥ श्री मलयागिरि ध्याया यसः ॥ श्री मलया
गिरि कादेवि ॥ श्री कोकला जोगिनि ॥ श्री कुलउत्पते ॥
॥ शिवसक्तिस्वरूपं गुणान् विष्णो तं ॥ २ ॥ ध्याया यसः ॥
चादि गुणान् निब्रूयात् ॥ नाना माथ नयास्व न नृणां व
गया च ॥ ३ ॥ पुनः सकलैः सदा त्रिब्रूयात् वचो नेदय मा लु ॥
पाया च कुनिब्रूयात् ॥ श्री मलयागिरि ध्याया यसः
॥ श्री गुणाव ॥ श्री वृजं धरिदेवि ॥ श्री कोकला जोगिनि

॥ श्री सखा

॥ ६५ ॥

६६

श्री जोगेश्वर नाम ॥ श्री साहोदेव उत नमि जुयाव ॥ सिव
वसपुत्रा भुमि जुलुगुलिथा न सखा न प्रन वयाव
पाव ॥ ६५ ॥ यनि सदा कालं सत्पथ मी सचो ने फल य
ग सया या च कुत्ति न वन था ॥ श्री सेन वया था श
याव ॥ श्री उमदे वी ॥ श्री अ उ उ काल जोगि नि ॥ श्री या
याव ॥ शिव द्वा कि सूर्य जुयाव वि ज्ञात ॥ ६६ ॥ यथा य सपु न
व न य स्या यात ॥ ६७ ॥ स स य र मे स्वरि र मा ता याव ॥ ६८ ॥ यनि
भुमि जुय सा ल थ क व र दान वि लं ॥ ६९ ॥ ७० ॥ यन लि
या नाम यी उ उ नमि जुयाव ॥ श्री मूर्ति दारिदे वी ॥ श्री

जुयाव॥ सिबडा कि स्वहय जुयाव विजातं॥ थुगुतिधा
अन वयावत यस्यायातं॥ थवे लसपर मे स्वकुसिजु
थोने फुम मालुखि बं वरदान वि लं॥ २॥ थुन सिनु
नथया थायस॥ श्रीसेन धया ना म पीठ उत्यति ज
जिनि॥ श्री गारव पाके श्वर ना म॥ श्री माहादेव उत्यति ज
थथा यसापु न्य भुमि जु लं॥ थथा यसन व ग्रह यनि वया
याव॥ हयनिसेन थ संसार सदय के युत के धमिः
॥ थन लि का कर लकुति नवनथा स मेरु गिरि ध
रिदि वी॥ श्री क साहि जगिनि॥ सत्य जिह श्वर ना

॥ निगुंरु॥

॥ ६५॥

[illegible]

स्वरूपं ज्ञया वृ विज्ञातं गुणं लि धानसयुग्म भुमिस्तु ॥ ५ ॥
काया वृत्तयस्यायातं ॥ ५ ॥ वेत्तु सयार मे अरि रसता या
धर्कं वरदा न वि लं ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ नलि जे व या तु नी या
यस ॥ ५ ॥ आ घा हि दु ध या ना मयी ठ उ त्पत्ति ज या वृ ॥ ५ ॥
ता त ले स्वरु ध या ना म ॥ ५ ॥ आ मा हा दे व उ त्पत्ति ज या वृत्ति
नसु ध म्प भु मि जु लं ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
इ स्वरि सु मि ज या वृ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
आ तु ने या कृ स्म या ज मा धा सि भु नु स क ल या तं
तस्तु ध कं वरदा न वि लं ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
धया गु लि ना म पि ठ उ त्पत्ति ज या वृ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ६५ ॥

६७

देवी ॥ श्रीक्षत्रजोगीनि ॥ श्रीवेदा ने श्रिधया नाम ॥
रुम गु या व वि जा ती ॥ थ गु ति था न स मो क्ष भु मि ज
द को व या व ना ना सु अ थ स न का या व से वा या नं ॥
थ के आ शू र न ॥ थ वे ल स दे व ना या सी ल स गु आ व
सु ध थ के व र दान वि या को नं ॥ ५५ ॥ थ रा लि स चा
या ना म श्री मि ह उ त्प ति गु या व ॥ श्री न व ट त न स
दे स्वर ध या ना म श्री मा हा दे व उ त्प ति गु या व सि व
स आ न द भु मि गु ती ॥ थ था य न द सा या रा ज व
यो ने ॥ थ वा ल स ॥ ई स्वरि या ह र्ष ना न या ना व द्ध प ति
द य के र्ण ॥ थ वे ल स दे व लो क पा के गु या व ॥ सं शा ल या न ज

धया ना म॥ श्री गणेश देव उपाति जु यावु॥ शिवसु श्री स्व
नाक्ष भुमि जु लं॥ अथायस कं मरु युमि तिं स्वान
मेवायातं॥ धवे लस ईश्वर मजान जु यावु व ल काव
लस यु ग क मी स युसन जु य मा ल ध कं को नं तथा
वरा लि म चाक्ष कुति न वृणा थाय त॥ श्री हर ते श्व र ध
वृट ते नास्म दि दे दि आ यु द न द्या जो गि जि श्री नार
या व शिव स गी स्वरु प जु यावु वि ज्ञा तं॥ अथाय
मा या रा ज व॥ अ ने गा मा धे न पुं जा मा ते या ना वृ च
ता वृ क्ष पति म॥ कु हो ने तं ज फो इ ध क आ ग्या॥
सं शाल या त ज ल द न वि य म य मा ल ध क॥ यो नं तथा सु ध कं व

॥ नि गुरु ॥
॥ ६ ॥

टदा रावि या वृद्धो तं ॥ ७७ ॥ अन लि दु गा ठ घा को च कु ति वृ न धा य
पि ठ ५ अ ति जु या व ॥ श्री पु द न ट दे वी ॥ श्री सु सु को दे वी जोग नि ॥
वृ सि व स गी स्वरूप जु या व वि ज्ञा तं ॥ अ ग्रा स त न भु मी जु तं
स स स र ना म पो ल पा व चो तं ॥ ओ वे ल ह ई स रि स ते छ जु या व
या त सा स्त वि य गु ॥ अ वि य ति जु य मा ल ध क फे न छ ॥
नु या लो क मा मे या ध नि जु य मा ल ध क व ट दा ण वि तं ॥ ७८ ॥
हा र क्षी पु र धा या ठा य स य मा ल ह क्षी पु र ध या पि ठ ७ अ त
जोग नि ॥ श्री श्री कु ले स्वर ना म श्री मा हा दे व उ त्प ति जु या व
धा न स गु न्य भु मि तु ल ॥ अ धा य स गी र्थ धा ट पु सु र व न अ
वे ल ह स व ट मे स्त ॥ सु मि जु या व द्य प्र या ल स मा अ य सि ति

चक्रुतिवृत्तनथाग्रहा॥ श्री उद्यमनधयाठा सग्रहा श्री उद्यमनधया ना मः
तोपेकी जोगतिनि॥ श्री भैरवे स्थापित धया ना॥ श्री मा ह्यदेव उ पति जुया
जन भु मी जु लं॥ धया य स र स्थापित वया व॥ अने श क सि लो को
सो ल जुया व वरुका वृध क॥ श्री ह्यदेव क ल॥ श्री वे ल स म नु म
ध क फो न क॥ न सा दि य धु न धन सा वा वान ध स सा र स चो ड म
ण वि लं॥ ५७॥ धन लि ख वृ द्या व पि को च क्रु ति वृ न ठा य स मा
ध या पि ठ उ न्ना तै जु या व॥ श्री श्री म र धि दे वि॥ श्री दि गं व ए
उ न्ना तै जु या व॥ सी व स स्त स्वरु ण जु या व वि ज्ञा तै॥ ध गु हि
पु सु र व न अ ध सि द्धा व या व जो ग या ना वं त य स्था मा तै॥ ध
स मा अ ध सि धि न गु र्यै जु य मा रु ध र्थ व र द्या न वि लं॥ ५८॥

॥ श्री स्वथा

॥ ६८ ॥

६८

अनलिदुगाकोचक निज न था यस ॥ ७८ ॥ न था या था यस श्री ठ
गुरुसुंदरी देवी ॥ श्री सुसुकोदरि यो गिनि ॥ नैर वे सर ना प्र श्री प्रा
न्या ॥ शुगुलि था यस आ न नु मि जु ल ॥ अ था यस मा हा मे च ज
अ वे ल स पा मे सर र स ता या व कृ प नि दे व लो क या आ ल य ध
न लि हा ल वा कि ले न गु र्वे ग अ ति स ल कृ ति न व रा था यस
व शि व स कि स्वरूप गु या व वि ज्ञा त ॥ अ गु रि था न स पु न्य भु
मा भ न भो ग दि या व वी ज्ञा त ॥ अ वे ल स पा मे सर रि स्वि नो ष तु
गु या चो व च क व र दान दि ले ॥ ५० ॥ अ न लि पु री वार
ह्य प ति पि रु ड त्प ति गु या व चो न गु प चा स पि थ पु नु र व सं ख्या ल ॥
अ था यस य द ग ध र्व कि नै र दे त दान व अ व व सु द्वाद सा रि
या चो न ल ॥ गु रु व र स्व प ति न ॥ ना ना मा न जो ग्य जो ग्य पु म

मथायस श्री उद्यानधया नामपि नामपि ॐ त्वत्ति जु याव ॥ श्री
वरनाम श्री माहादेव ॐ त्वत्ति जु याव ॥ सिरस गीस्वर ॐ याव वि
मसमा हा मेघ जापनि वयाव मानसि पु ज्य या नाव त मस्या जा त
काया आलयधया गु ॐ जु य मा ल ध क व ट्या न वि त ॥ ५ ॥ ध
न वृण था य स श्री का या ॐ व धा या ना म पि ॐ त्वत्ति जु या
थान स पु न्य भु मि जु ॥ ६ ॥ गु थान स श्री म नै र व व या व ना ना
स्व रि स्वि नो म जु या व ॥ ७ ॥ ध्या नि अ म मा श्री का ग न या ना ज क
न रि पु री वार ध य धी म रा द र सा ति दे वी या हि पु ति या तु या
म सु व सं ध्या ॥ ८ ॥ ० ० ० ० ० ० ० नृ स को ति त्या पि थ ॐ त्वत्ति जु
व तु द्वाद सा रि त्या ॥ ना ए दु पु भु ति स क ल दे व लो क या पु हि तं जु
ग ग जो ज्य पु मान थे गु जा या ना व ॥ श्री म र मे अ रि स लो क या ना

॥ निशु ॥
॥ ६६ ॥

सुसकल्लोकया नमो भूवि आवु कौतं अनलिपु नवरिसन
यायमाल अ मनुविद्या पापमुगतुमु अथवा दही यान
खन नैनेत्रमा हापु न्यतु ल पुनवीर अ सतासक ना ना पा
जन मनुत्र धकी चतुमु ठवृत्तान मा शा द यकं ली क क
ईति श्री स्व दठ पुत ने गा य प्राप्ति के दा ट खी दे कु मा अ
मृ स्वा दड अ व हे अ मृ मु नि स्व ट वन लि पु न वी ट श्री
टि ट डील ता व श्री मा हा दे व न चि त दू ट या य प्र फि या य
वैत गो ल तु ल वृ थं म श्री स गो ल तु ला व हा य स ति दे वि र ध र
वै श्री सु का तु ल तु कौ त या वृ थो नै व न लि पु न वी ट
जै या य स फि या वृ य थो नै स ए ल स श्री मा हा दे व न प्र म ल
नै दू ज या ना वृ स्व वै ल स म न क स हा ट स ति दे वि थ वृ के म

हिरु न वरि स कल पिठ द स न या अ म मरु हा ॐ अ हि पु न
थ वा द ही या न व ने म मरु न सा ना म पु नु का या पु अ हि वा
म स ॐ ना ना पा न या क स या सं ला र स ज म का या या क प्र
या क ली ॐ क ॐ मार न अ स या ह व ने आ ग्या द य क ल
वि दे कु ना अ म स वा दे यं वा स पिठ ह ट प ति क था स म पा क
ह पु न वी र श्री मा हा दे व या के न अ स नि दे व या म त क स
य म पि यो य स फ या व स ति दे वा तु स म ना व व ज न क या व र्ण
स ति दे वि र ध क मा हा वि स प या ना व यो नं ह रा य ह न च स द या
म लि पु न वी र स त कि द स ल स ति दे वा या वि रु न चि त व द
हा दे व न पु म ल पा व आ ना व ज ल अ ना ति रु या म स थ व थ म न चि
म दे वा थ व क म दु स या व आ व ज ना व ने थ म न न स श्रु दो ल या

ना व अ व ने थ ना व ने ध की म सिया ॐ तुरदि स्वा या व अ ना
वि न गी नी श्रु न सी द क्षि न दि सा स के री त क था पा ठा न स
न ग ट स स ता ६ १०० रि वि लो क या गंगा स अ ध्वा न या य ध
नि प्र नि मु ना व स क ति या ना व यो री हे पा सा प नि आ व के जो
नु यो ध के सा दु ति या ना व यो न वे ल स श्री मा हा दे व भु गु रि
श्रु ली नी प नि स्र रा श्री मा हा दे व न व र व ना व श्रु ली प नी
जा मा हा दे व भु का स नि दे वा म द या व न अ त गु या व दि
भा ल लो प नि गंगा स अ ध्वा न या य धु न का व व न न
क न या न व ल हि न नु व अ सा म र्थ र स भो ग क म द
दे व ना य व ने नु यो ध के सा दु ति या ना व मा हा दे व या
स द या यो मा ल को अ ध्वा न स ध्वा न प न ई त्या दि

६०
२२

स
दिस्वा याव अना नं उत एषी र्थ सी ग्यो ने ध र्म न न न मा ल पा व
कि धा पा ठा न स व ल पु र्धा या ना म रा ग ट र्क गु लो द से यो न थ
स अन्ना न या य ध र्म व नं थ वे ल स थ पि मि स प नी स त कि व ल
पनि आवे जे श्री स र्ध स ज्ञा कु म द तो ध र्म व त र्क गु लि द य के
मा ल दे व भु गु लि ह न थ धा य स थ न क ल वि ज्ञा न थ वे ल स
व व लो प नी थि थि सा हु ति जा त भो मा सो धा न हु हु व व ल
म त गु या व दि न व र गु या व गु ल आवे र्क ज्ञा स प नि ग या
का व थ न न र्क रि र्क स मा ल नी व ल य नि न र्क को ल र्क
भो ग क म द यो नी न थ यो या का र न रि र्क स क र्क मा ल
मा ल दे व य लि व लि व र्क न थ न रि र्क स न को रि रि र्क
प न इ त्या दि भु न को व थ र्क व र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क

१०

सर्वसुनिपति मय शिव ह प्रपद्यु यावन्मोक्षानम नावन्मया अर्थे
आवगच्छ यायपाल हि जितिया वल्ल निपनिग नावनरवसवि
सेनधा लं॥ भोपासपनि हि जितिस कला तजो माहादेव वव वनाय
जीपति वधि छे वल्लन वने धक वधि वधि थया वने वेल्लन व
लोकराधा लं॥ भोमादेव ह न छा य जितिस कला तवो नाव
क लं॥ भो मृषियनि छपनि या कला तजिन वीता वम ह या ध
वल्लिव व वपनि सुख व सो अ॥ स्वयो धक धया व॥ श्री माहादेव
माहादेवन गुल सा जिन न कतु निख ना धक॥ आशा दय
यात आप विलं॥ आप धाल सा ह न लिङ्ग के ना व जि मि क
ध क॥ आप विलं॥ ध वेल्ल स श्री माहादेव या लिङ्ग घा न गु य
नो कपु य ते न॥ ध वेल्ल स देव लोक गध गध वकि व दे सय
पनि ह ना स या याव आव गच्छ गु य स न थ न कु गु य ते रा अ ध क

मावः आ अये चायाव सकलें सु नाव साहु नियात ॥ भो यासा पनि :
मावनरवसवि चायाय नु योधक ॥ विचासया नाव सो याव ॥ छल
हादे बबव नायं वन वय मास ॥ आव छ पनि वधि छ वे लहुनी
वावने घेलन वनाव ॥ माहादेव यात नृया नाव तल ॥ थ ना रि घी
लात वी नाव हया धक धा याव ॥ श्री माहादेवन आ शाद य
माव प्रहया धक धया व ॥ विघनि से न धल ॥ श्री मो छ पनि लि
॥ श्री माहादेवन सलि अबे लस हात छि वलति व नाव ॥ श्री
॥ आ शाद य कल ॥ थ वे लस रि घिलोक न ॥ श्री माहादेव
माव जि मि कलात वी माव हाल छ न जि ग पाटन गुया माल
ग पाटन गुया व ॥ जो तिलि ग गु याव न व ध गाव य धि वी
किा वं दे सदा न व स कल भ स्र गुय ते न ॥ थ वे लस दे व लो
पति रा अ ध क स ल व न ॥ थ वे लस श्री माहादेव या लि गं रां जो

॥ श्री स्वस्त्या ॥

॥ ७९ ॥

निर्भुत्ति गुया वव स्वया वव प्रमा प भिते ति स्को रि देवता स लें ज्य
रं वृत्ता श्री नारायन या के विनटि या तं ॥ कु ध या व वि न ती या तं ॥ ध ल स
रा गु या व ॥ जो ति पि हा व व गु लि रा थ य वि तो क पु य ते न ॥ मा हा अ न
टि या तं ॥ श्व वे ल स श्री रा रा य न गु ल सा दे व लो क या वि रा टि डे डा व
वे ल स श्री मा हा दे व या लि ग या जो ती सां म्य गु लं ॥ श्व वे ल स दे व लो क
र य नि से न ध न्य ध न्य ॥ श्री ना रा य रा ध क गु न क री या ना व ॥ श्री ना रा
आ न न्द रां वि ज्ञा तं ॥ ॥ श्व न लि पु न वी र श्री मा हा दे व जो टि लिं ज न पि
य वि लं कु आ प वि ल धा ल सा वी ना अ य धा रा न छ य नि स्य न जित
सु ड गु य मा ल ध कं आ प वि लं ॥ पु न वी र ह रा वृ त्त नि य नि स सं आ प
अ टि लो क न य नि से न ॥ आ प वि य क ल आ व न लि वृ त्त नि धा त्री
ल तो न म य मा ल क ध कं ॥ आ प वि या व ॥ अ ना रां गु त रा पं ठ स वि
चि ना व स्य गो ल मि रा ति सि या व ॥ मा हा क स न ॥ परं वृ त्त या ज य

देवतासलें ग्या नाव॥ तदकारनं अनारां वैकुण्ठपुरि सबनावय
 मनीयात॥ धलसारिधिलोकया आयन॥ श्री माहादेवया लिंगयंत
 तेन॥ माहा अनार्थ जुल॥ भालपाव॥ धलपोलया थासवया धर्क विरा
 मा विराटि डे डावत कारनं विज्यात॥ नाव॥ जो तिलिग घसपु नाव विलं
 वेलसदेव लोक सकल रक्षा जुल॥ धनली देव लोक॥ जक्षा गधर्व किर्न
 या नाव॥ श्री नारायन या वै वैला काया व देव लोक पनि थव आश्रम स
 जोटि लिंगमपिहा विज्या डाव॥ माहा जोध जु याव॥ रिखि लोक या त अ
 पनिस्य न जित आ पविल भोरि खि लोक॥ आवरां लि छपनिस वा क्य भ
 ने पनिस आ पविल॥ भो वुल नि पनिस पनिस्य न निरा अ प ए धन स
 वुल नि ध श्री वैया सुदु धयेठा स जात अति वे स्या जु या व छ स भा
 उत्तरा पंठ स विज्या डा व का प्र जोध जो भ मो दू मा या द को ईदु य
 मर वुल या ज प्र ध्या न या ना व त प स्या या ना व विज्या त॥ ॥ धन

॥ नि शुभ ॥

॥ ७१ ॥

सिसतिदेगी या प्राणवायु तुलसाहि मा लयवर्बतया तपस्या नया वलन
लि लुकि नेला मेला पुलाद या वः प्रो व पर वत रा ज हि मा लय न जु
कं य चा म त आ दि अ म त ॥ भो जन या त के ध कं ॥ भो जन या त के
लि गु ला के ने तु कु नं ॥ म धि ची धि क सी ई त्या दी भो ज या तं क लं
र व त हि मा ल य न य र्व त रा जा या दे स स यो न य नि थ व ॥ धी धी प्रा ज
त के ध कं ॥ ना ना ठ र ह रा या म धि च ठि ध ति दु दु ई त्या दि जो ज वा ॥
न र जु या व मा हा आ ल स्य जु लं या व स स व स त य म फ या व व लं
ह रा अ म्भ त रा या व अ म्भ ल न का य का व चो नं ॥ ह रा म्भ त का भ स
वे ल स को ठा स यो ना व चो न जु लं ॥ ॥ ध न ति पु सु ति वे ध न
प नि स्य न रा नि को ठा रा वि ष या भो न गु स ल ना यो व ॥ हि दु र्ग
वि य गा त ध कं स क ल पु जालो क न ॥ अ व थ व म या भा व ना
य र्व व त रा हे पर मे स्वरि ॥ श्री मा हा दे व हे हे न रा जि क रा त

पस्यानयावलन॥मेनकायागर्भसजर्भकाहविजात॥ ॥धनः॥
जहिमालयनजुलसा॥अतिहविमारायागावपंचमाहासजुलध
मोजनयातकजुल॥ ॥धनलिषुलाहसलायालाफुल
मोजयातकल॥ ॥नानातिसावस्तकलतियकल॥हनधप
मवा॥थीथीप्राजालोकपनिसेनजुलसानरनियाह॥मोजनया
स्यादिजोगाव॥मोजनयाहकेहली॥हनमेनकारनियागर्भपु
मफुयाववल॥लंघईस्यादिभुमिसशयनजुसेयासेचोन
हसमृत्तकाभसपयात॥थथेजुजुहिसासंपुर्नजुयाववल॥ध
हपुसुतिवेधनजुयावजेनवाहस॥धदेसयोराधनिपुजा
नायोव॥हियुगीभवानीदुखविशगात॥आववेधनाकव
मयाभावनाराअस्तुतियाकजुल॥हनरगाहिमालय
राजिकरातया॥मेनकारनियापुसुतिजुयकावविजायः

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ७५ ॥

७२

मालधक आधिराजो न चो न श्वेलेलस ॥ भवानि महं प्राया जन्म उ
यारथ स्थीर न चो न ॥ वायु न सस्म जु वस्नु न द को देव जन पति स्य
श्वेलेलस बुद्ध्या न पेया तल्लु रा चतुर वैद उ चार न या से वि ज्ञा तं
स्तु तीया तं ॥ गधर्व पति से त गित वा या ठ्या ना व ॥ अघ सर पति य
ना व पा रि जा त स्वा न वा गा त का व अस्तु रिया तं ॥ थ थ जु व भव या व
स ग थे सह र द का ल या पु री चं द्र मा या त्प ज चो न अर्थे अत्य त ते ज
ग्या द य क ल ॥ इति श्री स्कंद उ पु सने माघ मा त्मे दे दार ष
कथा ॥ ८० ॥ सकंद उ क था ॥ हे अम मुनि धन लि ध्व क न्या
मा या ते ज कि र न व व थै ते ज ष ने द या व प्र त व्या य मु मा ल थ्ये को थ
ना ॥ श्वेलेल स का य मु चा गु को म गु ल्या य मु चा गु या व चो न ख ना
व कु या य ध क ध धि न वै स श म वा त द त ना व ल्या य मु चा गु ल

सु

हं प्राया जन्म तु से वि आ तं थथे जन्म तु व वे ल स अ का स स श्री जे
व जन प नि स्ये न भवानि स हं प्राया जन्म का लु कं कं वा त ठा या व
म या से वि आ तं श्री विष्णु न य पा ला हा त न हा त जो ज ल पा व भ
अ य स र प नि ष्या व रु ल द को दे व लो क न ग्रा का स मा री त स यो
म थ्य तु व भ या व मे न का र या चे छा द या व मि खा क ना स्व क वे लः
ज थें अ त्प त ते ज व त तु या व चो न ध कं कु मार न अ व या ह व ने भा
मा त्मे के दार ष दे कु मार भ व सं वा दे मे न का र या क न्या ज न्म
म लि ध्व क न्या थ थ्य चो न ख ना व थ्य ते या पु भा व न रां को ठ स च द्रुः
मु मा ल थ्यं को था स चो न मि सा ज न द के स या आ भ्व र्थ्य चा या व चो
या व चो न ख ना व थ्य थ्य थ म न थ व स वि षि ति स ने व ने धा लं आ
या य मु वा तु ल कु या य जि क मि थ यि न म प ने क न्या तु ई ध कं जि म

॥ नि शु र ॥

॥ ७९ ॥

नराभा लयागुं कन्यागुल आवहुयायधकं थवथधमनंथै जेताया
जायातसमचारविलंथखनेडावराजा अतिहर्षविस्मययानाकांहु
वहलधकंमनंभा लयावना नारलद्वयपितहयाववात्पराभातनि
हयारत्नमनिमानिकहस्तिसल्लुवरीदानयासेविज्यातंथवेत्तस
यनिसेनथमचाकयावमुदेसतयावत्तकवेत्तसथवात्तखजथि
कारानिराखनायअततग्वाथ्वर्येचायावचोनंगुलिकोठासचे
कुधायफमफयावचोनंछमनेमसेनअहोथहुमचाज
मकायकलस्ववथ्वथनलसजोलुमिरादवत्तभाचा
नधकंधावनेडावसकलनिसाजनयनिस्यनथजथ्यजुयतेन
होयावस्वतकेमालुक्कीनानामाथनथवठवसयागुसियागुष
लधकीनिलपेलमुडावराजायातखवरविरुहेमाहुराजने

जोताया नावचोन॥ धन लि कं न्या ज न्म जुल ध कं दे मा लय पर्व तरा
नावां कुं मधा स्य सु मु कं चोन॥ ह न कु या य जि क र्म स थ थे हे चो या
भा त भि कु क प नि प्र दान दा ता त व य गौ दान॥ मु मि दान नाना तर
ध वे ल स मु चा वु व गु को था स चो न प ति थ व॥ थ ति थि या मि सा ज न ग न
ख ज थि न ह्य वा ल स धा ल सा स्य जो ल मि षा द या व ल चो त ल मि न
ठा स चो त प नि मि सा ज न प नि द व उ लि से न स्व या व सु ना रा कु
म चा ज न्म जुल ष व ग थि न ल म चा थ व ल्मान ग थि न ल म ज
भा चा ज्म जि मि से न ग व वे ल सं घा ना॥ क टा म धी चो न थं चो
म जु य ते न जि मि से न ज्म म सि य॥ आव जो ति क र्प र दी त वी न क ल
स या गु ष स्त ना व चो न॥ ह नं थ व ज्म ए जा या के चि न ति या य माः
रा ज ने से वि जा हु ने ध र पो ल या र नि या म चा वु व ल कं न्या या

श्रीस्वत्या

७३

जांस्वत्त्वमिमादयावचो न जिसे न म म सिया गवे ल सने ने न
कुलके न ख वृध की सक ल से न स जा हे मा ल य या रु व ने वि न ति
क्षन ल व वृध ल पो ल से न कु वृ य या ना वि चार या ना व न नारां थ
र या ना व चो न वे ल स दे स चो न मु नि ऋ वि वा ल न य नि सक ल व
गो मि मा द व पु क्ष ष ना व स क ल्य आ स्य र्ये चा व चो न थ वे ल स रा जा
व जि त कु कं न्या ज न्म वि से वि ज्ञा ना रूप धा ल सा सु र्व न थो चो न
गु व स्व ज्व ल मि र वा द य का व अ सि दि कु का ए न रा या स्वे वि ज्ञा ना
थ कं न्या जि न न्या ग या य धा ल सा जि नु ग ल व ज्ञ न व थो नृ क ग
सा अ न्य त्त त वि स द न षो या व चो न थ न लि प र्व त रा ज हि मा
क पु य का व थ व क ला त मे ना या न्दे व धा लं दे रा नि आ व ग थ य
व ग थे या य थ कं न्या या त सि ज ल या पि ला स त या व न दि स व ह

नेने न म न्या ज स य म डा पा स म्बाल स स्व गोल मि ला जा मा हा
 व न तिया ता हे मा हा र ज थ क न्या जा अ त त अ म ग ल अ लः
 ग रा थ क न्या ध ल मो ल स न न्या ग या स वि ज्ञा तु ने ध क स म धा
 क ल व या व क न्या ज न्म जु व गु को ठा स व या व स्व के वे ल स भ
 स र ज हे मा ल ये न हे ई स्वर स द सि व थ थि न गु आ स च र्प या ना
 पं चो न अ त्प त्त वान ला क सो स व य म गा क सो को व को मो ह न
 व ज्ञा ना जि न थ पुा न ग थे ध र पे ध क अ त्प त्त वि वा द चि त या डा व
 न्दु क्त ग ना व व न थं व नि मो ध क प र्व र ज हि मा ल य न गु ल
 ज हि मा ल य न गु ल सा दे व भा व लो ल म न का व म नु दे पा या न तो
 म ग थ या य स क ल लो क न थ क न्या न्या ग या व ध क धा ल आ
 स व ह ल पं छो य मा ल ध क ध या व य ने त गार गु लं थ ते थ

नि ग
 ७३

वस्वामि यावचनभाषादे नाव मनकारानिन जुलसा ॥ चितदृढ यायप्र
थथिनगुजितदुष जुये के माल नाव ॥ छाया थमवादेवन जितस्था
ज्यातं ॥ हनरा निरा जुलसा सो सेखो स्थथ वस्वामि पर्वतरा जहे मालया
न्या फल पोलसे न ग नायसे वि ज्पा यधया ॥ हाय हाय ॥ थ पर्वत कोतिन
लोहन नि कपाल सकयाव ॥ थ प्रान न्याग याय निश्च जुल जि प्रान स
स चुसे व ने वि श्वय जुलध कं ॥ नाना माथन स या वर्य तन चा व वेलस
ठ करानिरा विलाप या ना ॥ पाक शु व थ वाल ख या ते जस्य व ना व थ व न
मालय न छ ता धाय म फ्र या व चो न ॥ हन थ व थे ठ मन धै र्य या ना व
वाल स त य ध कं द य का व ह व गु ॥ सि जल या पिला चा का या व थ व
वन दिस व ह ल पं छो य ध कं ॥ सो या व चो न ॥ थ वेल स अ कं स्मा न ॥
देव या स ति दे वी मो च के लु म ना व ध्या न दृ षि न स स्ते वि ज्पा क व ल स

चेतदृष्टयायप्रकृत्यावपृथ्वीसपदलपावविलाययास्येविज्यातं ॥ हनं
देवनजितस्थानावविज्यायमालगुरवबंधकंधयावविलाययास्येवि
राजहेमालयायाहेमावनेविनतियातंहेस्यामिजिप्रानसमानस्रकं
ययवतकोतिनवनावधजिप्रानत्यागयायनिश्वयेजुलधयवतया
जिप्रानसमानस्रकंमागुगुनदिसचुयकलकोयधयावहेनदि
तनचाववेससगथेस्यातयाअथस्यासतयावविलायास्येविज्यातंथथे
स्यवनावथवनुगलसथमनंदायावमिषाणवोविहायकावराजाहिः
मधैर्ययातावमिषासववगुघोविप्रिखासतुवुयावनकावधस
कायावथवमुदेसतमावधभवानिवालषपिलाचासतया
सअकंस्मानंकेसासउतयंरापंठसविज्यानावचोनसश्रीमाहा
वज्याकवलससतिदेवीयाप्रानहिमालयपवतसप्रेतायागर्भ

॥ श्रीसख्या ॥

॥ ७३ ॥

सजनम कालवन आव मेन काया केन जन्म जुयान सखल मिवाट
यधकं तयार जुया चोन धकं ध्यानं लुय काव मपुथे जुई नोधकं म
सथेन कल विज्यातं गधि न गुरु प जुया व वि ज्यत धालसा गल
व मायान लोक पुया व गुरु व सत्र ति या व जता ह फ ह ल ह न त या व
वे कं च्या ना व रु द्रा क्ष माला न को मा या व फ ल ध ख ल ला हा
गु सि नृ ल रा ति या व हि माल ये पर्वतरा जा या क्ष थे न कल वि ज
व व व वं ट ना व तु पर्वतरा ज हि माल य या षा ल स या व आ शा द य
च्या शा व जो ना व व या गु व सु क रु ष व जि छ क के व ध कं धा व डे
जा वा ल ष कं न्या थु का वि धा ना न सखल मि स्वा द य का व जि
प नि से न ध वा ल ष के स त ल सा अत्यर्त अ मं ल ग ल जु यु ध कं ध
थु का ध कं ध या व ध व ने ना व भे ष धा रि व ल चा रि न गुरु सा

स्य गवलमिमादवसमहा। अमंगल आवथ वं न्यानदिवहृतपंछोय
जुईनोधकंमनंभालपाव। निमेषमात्रनंहेमालयपर्वतराजयाभा
धालसा। गलपोतसशर्पिनकोसायावबुलुचाटियारूपजुयावथ
लहनतयावजबलातिनसिजलयातुमाजो। गव। कुसंकुसासनः
गवललाहातिनजोनाव। कपालसविभुतिनबुयावलाईनः
ननकलविज्यातं॥ ॥ धनलिबुलुचारित्रीमाहादेवनजुसा
वा। आशादयकंल॥ भोपर्वतराजआसेभ्यासेभ्यामछनवेकुन
वधकंधावडेनावपर्वतराजहेमालयनजुलसा॥ हेगवसाजुध
दयकाव॥ जिकेजन्मकायकलहबयानीमितीनि। सकलोक
सजुयुधकंधयानिमितीनिरादिसवहृलपाकोयधकं। जोगवय
तिनजुलसा। अतिविषादयानावभोहिमालयपर्वतराजाजिह

॥ निगुरु ॥

॥ ७३ ॥

लपोलस्वयजीवलाधुकंनेन॥थवेलसपर्वतराजहिमालयनजु
श्रीमाहोदेवनजुलसावस्तरिवनाव॥आवजिप्राणरक्षाजुलधकंम
मचालानदिसबहलपंछोयधायरा॥धननिश्रुयनबहलपंछे
वजिनलहिनावतय॥वितवजितविव॥धनतजिनआसिवाटवि
कंन्यायास्नेवायानावचोनेतवधीकल॥जुयावईवेलसजिन
नतुलहिनावतयधालसालहिनावतिव॥नदिसबहलपंछोमते
लचाहियातधास॥हेबुलचारिखजुलबुलचारिखकंमा॥धन
हिमालयपर्वतराजथकंन्यागथीनलधाससा॥प्राणथुकाथ
आवजिप्राणवेगानासदत॥आवजिजन्मकालवयागुसाफले
राधकंपुर्यातिजुयाचोन॥जिगुनामस्मसानवासिधकंपुर्याति
मिर्तिनग्यामसिजलपिलासचोनप्रयाताप्रआदिस्तीधायल

यन जुलसा ॥ सिजल यापिला उलावकेन ॥ थवेलस भेरव धारि
धक मनरां भालयाव ॥ थवाय चोतवानला कलकं न्या ॥ वालम
सपंदोयधया गुजुलसा ॥ थमवायातदुदु तोन कि ल दयका
वाटवियाववने जीन जुलसा ॥ भीक्षा फो नाव ह हि नाव तय थ
नजिनवानला कल पुळु स द स व विवाहार या नाव वी ॥ थक
को म ते धं कंधा या व हि मालय पर्वत ल चाटिन राजा गुलसा व
मा ॥ धनय नाव कु या य ध कंधा या व ने डा व व ह्य चारिन धा सं भो
का थ या कार नरां विषन या व भालपे म फु य का व ॥ गु या तो द नो
फुले गुल थ गुल जिपान धन सर्व स्वथु का ॥ जी ना म गुल य चान
रवा ति गु या व ॥ चोत ल द न के ने व नाव त व गु य माल थ त या नि
ग य ल स व ॥ हि पर्वतराज आम कं न्या जा द न नित्य शि त ज बा पु

श्रीस्वभा॥

७ ५॥

खवेरुपत्रकायावपुजायानाव॥ तयप्रथुकाथधिनलतत्तम
दुयानिमित्तिनिधासुसान्तेवकालसयावजिनिसियाथुकागथेध
मेनकायागर्भसंपरंवल्लुश्रीनारायनरांजन्मकायकलहलु
तजीनयरिचयवियविधुनधकंआग्यादयकगुषनेडावप
हतजोजरुपावभेषधारिवृहचारि॥ माहादेवयाहवन्विन
दसैनविसेवीज्यायमात्त॥ जिअग्यानियाउपरसदयापुत्तिन्नगुहे
माहादेवनगुलसानिमेषमात्रनवल्लुचारिश्चम्यतोएताव॥ थ
तराजअतिषुसिजुयाव॥ भगीभावनंपुजामान्ययानावअस
वारंवारकोत्तिकोतिदंवत्तहेअनाथनाठजुयावविज्याकह
तिश्रुष्टिस्त्रितिपुलयकालधयाह्र॥ धलपोलदक्षपुजायति
दिगपालकपंचाननआद्यायतिविश्वनाथ॥ वीस्वसन्सारया
देवजगतईश्वर॥ जिआत्मादकोयांश्यात्मापुम्बजुसेविज्याक

तत्त्वमयथुकाथभीनततोयातधनमुदेसतयावतयदतध्व
गधेधाससापरापुर्वकालसधनयातायापुननधनकलान
रुहलुजितामधवाखकंन्यायाताप्रशिवाथुकाध्वनेधन
डावपर्वतरुजहिमालयनजुलसा॥अन्यर्तमनसरसतायाव
न्यविनतियातंभोईअरिदयामयधपोरस्यनप्रतधाजुयक
ननुसेविज्यायप्रासधकंमानासाधनअसुतियाकस्वयावश्री
तावधवमृतीधिरुपावदसनविसेविज्यातं॥ध्वनलिपर्व
वअसुतियातंभोपरमेस्वरशिवसवरधरुपोलयाचरनस
पाकलपरमइअरजयजयहेप्रिताकधादि॥जयजयप्रभुय
तापतियाअहंकारतोदकाव॥मोक्षविवलधरुपोलदिगम्बरः
सारयापतिजुसेविज्याकलवितानंनुसेवरचयुसेवध्वीमहा
वज्याकल॥त्रीलेचनत्रिश्रुधारि॥माहाकालविषपाणवृखभः

॥गुरुनि॥

॥०॥

ससवारजुसेविज्याकस्रदया मय॥ रजगुशाभोगुनसत्त्वगुन जुयाव
तपोलसंतयावदया मयथासथासविनन्या नावपुं पुं सव्ययव
तपोलसगंगायासवदयका वविज्याकस्रकसुरधनुरयापान
यावविज्याकस्रयाचरनसहाह्रसहकोटि कोत्तिदंतधक
श्रीमाहादेवसिजुयावहेपर्वतराजहिमालयगुणवदन
तवधिकलजुववईवेलसजितविवाहारयाविवयानाविवध
वियावथवहेकोयाव॥ श्रीमाहादेवजुलसांअनानंअर्त्तरध
थनलिसिजरपिलासचोनस्रवालसकंन्यालीतजोनाव
समेनकारनियाकोठासवतावपर्वतराजहिमालयनजुलसां
दयकलधालसा॥ जीनथकंन्यानदिसवहलपंकोयधकंवना
याधकं॥ श्रीवेलसजीनथोजास्वजोलमिरादयाववत्सकं

वशुन जुया व विभुती धारना यासे स्वभायमान जुया व विज्या कल ॥ ज
स वे व य का व ॥ विज्या कल मधुर स्वा नंद मरुथा से विज्या कल ॥ ज
धनुर यापान या से मिमातु लु लु न क ना व चीत ल ॥ काल कुत नु या
दंद न ध कं ॥ वार वार न म्म कार या त ॥ ध्व ते असु निया क घ ना व ॥
क न ॥ ध म ह मा या भ वा निया त छे स ली त य ना व ल हि ना व ती व
या ना वि व ध कं ॥ आ शा द य का व प र्व त र ॥ ज हि मा ल य या त छे ल
न न अ र्त्त र ध्या न जु या व ॥ कै ला स उ त र प ठ स तं वि ज्या क जु ल ॥
त जो ना व ॥ अ त्त ह र वि मा न या ना व ली हा वि ज्या क जु ले ॥ ध्व वे ल
न जु ल सा ॥ ध व रा नि मे न का या नृ व ने आ ग्ना द य क लं ॥ ॐ आ ग्ना
य ध कं व न ॥ ध्व वे ल स श्री मा ह दे व न वि ज्या ना व ॥ थो ॐ जो ना व व
या व व ल कं मा ॥ जु या या नि र्मि ती रा ॥ न दि स च य क ल को य ध कं

श्री स्वास्था ॥

॥७५॥

हयास्रधानेनाव ॥ श्री साहोदेवन जुलसां आग्यादयकं ल ॥ ओ पर्वत
सठोलताव ॥ थन जन्म काल बल ॥ थकं न्यायापुभाव न जिवया ॥ थ
नि ॥ निलंतरय जुल ॥ सकर साहोदेवनापालाय दत्तका प्रनारां ॥ थ
लसाथो कन्याया पुसादन पंचमुष श्री साहोदेवया दर्शन दत्त गुणव
दन गभरा जात जु से विज्यात ॥ थया कारन हर पार्वती जु ये ते न ॥ थ न मत
क प्रन ॥ रिजिउ पर सदया पुर्न जु से विज्या क प्रपुत्री ॥ भावता दय का वज
दे स पर्वत ए गहि माल यन तया व विलं ॥ ५०७ ॥ थ तहि महं साया न
थ व पुत्री भाग पाव मिष्टान्त रवो विहाय का व पुत्री कं न्या वाला प्रकाया
तं ॥ थ तहि न थ व थ थ सनं र सताया व स्व व थ व ॥ गधित आश्व
निसेन साहा साहा तय स्या या तद सन या य म दु जिल जिव कृ पा या न
ने जि भाग प थ कं मे न कारनि जु न जु लसा अतिर सताया व यर्वत

स॥ ओ पर्वत राजहि मालय धनतपस्या नया फलत॥ थ जि सी न के साः
जि वया॥ थ माहा माया वनि त्रस या द शी न धि मी त ला त गुा व द प
न ना रां॥ थ न ज न्म व ओ गु व व थ सा प मा ने त्र क न्या म सु द्धा न धा
न द त गुा व के ला स पर्वत या श्री माहा देव या स्त्री मे हे स्वरि ध या त्र थ
न ध न म न रां लु य का व स व थ या नि प्रि ति तः सं सार या सार जु या व वि ज्ञा
द य का व ज न्म का ल थ न वि ज्ञा त ध कं ध या व पु त्री कं न्या मे न का या मु
न हं मा या न तो क पु य का व मा या न्व क पु य का व अ ज्ञा त या भा व ना रा
ल क का या व मु दे स त या व॥ अ न्य त्र को त वा या व डु ड तो त का व वि ज्ञा
प न आ श्च र्य॥ जि क र्म थ थी न त्र को तो त को टि वु ला पु भृ ति य
व कृ पा या ना व पु त्री भा व ना द य का व पु स र्ग जु से वि ज्ञा क ध क ध
वा व य र्व त रा हि माल य मे न का र नि शि त्र से न ल ना व त लं थ न

॥ नि गृह ॥

॥ ७५६ ॥

लिङ्गपूनावपुनृदयापर्वतराजहिमालयनकुलसामालकोसामाग्र
न्यवात्माणईत्यादियातविलं॥॥धनलिच्याहुपुनृपिनेवालषमचा
धीपुजायातं॥हरांमर्त्यातथेहिनुपुनृवेनकावमालकोकर्मधुनकाव
धवालषयानामयारवतिधकंस्वगमधेपातालसंनामप्रख्यातिजु
तिनिथोयानामयारवतिधकंनामकर्मयातं॥धनलिहिमालयपर्वत
ललातकावनातापदार्थदयकाव॥गुरुपुहितजोतिषअतिरसता
र्थदयकाव॥गुरुपुहितअतिअभ्यागपनिस्तदानयुनयातं॥धनि
यनिसेनहिमालयपर्वतराजयापुजामानेभोजनदक्षिनाईत्यादिकायध
नद्यलयेसयाभाषधन्यधन्यमेतकायागर्भ॥आवतुनिजिपनीसपरम
तिश्रीमाहोदेवयानजीभावयायुभोपर्वतराज॥धनपारवतिनीके
तिनचतुर्दसभुवनयारानिजुगु॥हरांश्रीमाहोदेवधवालषयापुरु

सको सामा ग्रीताललानकाव॥ धैतिपु ज्ञायानाव नानाद्वेदानपु॥
मवालसमचातयात॥ अनेगफलपुलईनावकुविलंभुनुपुनुष
मर्मधुनकाव॥ पोहितरागं नामकर्मियातं॥ भोहिमालयपर्वतराज
मप्रख्यातिजुगुईव॥ दानधालसा॥ हृषोहपर्वतराजजुवयानिमी
हमालयपर्वतराजयाप्रतसअतिरज्ञातायावअनेगसामा ग्रीता
मअतिरसतायावअनेगसामा ग्रीताललानकाव॥ अनेगपदीद
नयातं॥ धनिलिगुरुपोहितजोतिकषअधिलोकअतिअभ्यागत
ईत्यादिकायधुनकाव॥ आसीवादबिलं॥ भोहिमालयपर्वतराजधन्यधि
जिपनीसपरमआनंदजुगु॥ भोहिमालयध्वलवालसपार्वतीनभ
पार्वतिनीकोठानकोतीश्वसुरसंहायायु॥ भोपर्वतराजध्वलयाव
वालसयापुरुषजुगु॥ भोपर्वतराजधन्यधण्डलपोलयाभाजध

॥ श्री स्वस्त्या ॥

॥ ६६ ॥

न्यधन्यमेनाया भग भधन्यधन्यजिपनिसभापधं कं नाताप्राधनं गु
पनिसेनयवतरा जहिपालययापु जाभाक्कायावधवठव आश्रमसविज
क्षयाचं न्यप्राजावधं तवधिकल जुयाव भजति भतिसेतल जुयसयाव
विपनि यासायनिदको मुनकावधी हावयाव नानातर हतलीति ताव चोतं
निनानाप्राधन अवतारकायाव सवि जुयाव पार्वतीया वै स जुयकाव ह
शायति जयायति जमुना जयति सुरधनी उपाधु प्रासत्य भासाव न्या अ
सायनि ॥ श्री पार्वतीया जवषव न्देवने चो नावलीताव चोतं ॥ धनलि
लावनयेधं कं सनं रां भासपाव ध्यान दृष्टि नस्सेसे विज्ञातं ॥ धवे लसेद
जुयाव पार्वतीया याकावतवधिकल जुयाव चोतं गु ध्यान रां जुयकाव
याचो नगु श्री माहादेवन गुलसा ॥ श्री भवानि पार्वति लु प्रतावचित उदा स
चंचल जुयाव सनं नं भासपाव नृपायाथे विश्रुत जो नाव वल चारिया भेष
नकल विज्ञातं नाव कलयाय गुवां घानर सहि हाव विज्ञातं ॥ गधिन गु

ता माधनं गुन वर्णा नायाना व॥ आसिर्वीदवियाव गुरुये हितरिषिमुनि
 आश्रमसर्विज्ञातं॥ ॥ धनलिपुर्नवारपार्वतिनजुलसांकथथं शुक्रय
 लजुयसयाव श्रुं॥ धनलपा र्वति जुलसांगथे हितिवधा लसाथवस
 लितितिवचो नंदं दृशं गेरि पार्वतिया स्या वायाय निमित्तिनयोगिनिगतय
 वे सजुयकावह्नि तिलवनं सुसुधा लसा काली न्दी॥ कमला कृष्णयुगिका
 मा मावृन्दा अरु धति धर्पनी भतिवात लाकरुच्य वति जुयावसकरुपा
 तं॥ ॥ धनलि श्री माहोदेवरा जुलसा॥ सतिदेवलिपु मताव गत जन्मका
 ॥ धवे लसेह मालयय वंतरा जया कला तमेत काश निया गर्भन जात
 नरां लुयकावसो से विज्ञाक जुलो॥ ॥ धवे लसथ वसक्ति तवर्धिक लजु
 वचित उदा सजुयाव आवह्नु को लसल निवनेध कं मतरां भालपाव मन
 मचारिया भेषधरु लपाव निमेष मात्रनं यवतरा जहि मालययाथा सथ
 तां॥ गधित गुरुय जुयाव विज्ञातधा लसा जताफु लहनतयावुः

॥ निगुरु ॥

॥ ७६ ॥

तुसच्चोनगुवाफुसनसनकावअतिनवृद्धस्वरूपगुयावशिवसिवधकंहल
थासथेनकलविज्ञात॥थीसंन्यासिद्धल्लगनरावलषेस्ववस्ववधकंहको
चायावकोकोकुडावचोनथोवेससभेवधारिसंन्यासिनधालंकुधालस
गुलिरालायावदिलालिल्लावनानातरहयारवल्हानावचोन॥थवयलसथ
छायवलशोवस्ववधकंहकोससिपतिसेनवेनेनाव॥गोरिपार्वतितगुल
छायवयाधकं॥नोनुवहनवयाकपालचोनगुजगसासावधानधानथन
नसियकावमुसुनुनलिल्लावआनन्दयानावहेवृद्धयोगिंकुप्रसिल्ल
वनावहेवृद्धजोगिथनवयागुछायकराप्रहालेसवलामेदुपुहावधकं
साप्रकृतिमाहप्रायागितचरपावप्याषतकुयावकेन॥थवेसपर्वतराउ
कुतरूपसोयावचोनगुलंहनंगुलिस्पातंय्याषनहुवधालंगुलिस्पात॥व
तिसचोनगुडेककोपुयावकेवधकंधालंगुलस्पातं॥थजाटासनक

वसिवधकं हलावका मातुरस्वभावदयका वसिवधकं प्रिसाग नयनि
वसिवधकं दको प्रिसागतस विपनिसेन आस्वयेरुपस्वया वमनसत्रा
मधालुधालसाको हावना वमलवारसयापीने त्रिभुरतिया वधुया दे
तं ॥ थवलसथ भागउ जो गिधन दाय चोन वलथ थी न भेषया ना व
ने रिपार्वतित जुलसा सविपनिस ने वधालुहे सविधपनि मण्णसे वना वध
वधान वानथन वायोधकं सविपनिस या तसे एण वचोनं गु श्री मा हो दे व
गिधु मसि लस चोन थे चो ना व चोन ॥ थवलस सविध मवानसे तदको
मेधु पु हावध कंधया व ॥ थवलस वृद्ध जो गिरुण श्री मा हो दे व न जुलः
वे लस पर्वतराज या गी मस गुलि प्रिसा मो वा गन दत्त उलिस कल्प अ
लं गु लि स्थान ॥ वानला क गु मेधु पु हाव धालं ॥ ग्वल्लस्थानं आ मला हा
॥ थ जा टासन कावलं खपिता काय फ वला धलं धालं ॥ मो चातस्थान

॥ श्री स्व ल्या ॥

॥ ७५ ॥

जना सरला सा लाव के रां भेष धारि श्री माहा देवनं जुलसां अति आनन्द मय स्व
दुया वज्र टासन का वलं खचित काया व अक्षर रसन दे ला व विष्णु क जुलो ॥ ॥ ॥
ना व चो त ख ना व भेन कार निन व ना व भिक्षा विया व छो य ध कं सुर्व न या था ल
भिक्षा ना यो ध कं ध या व ॥ ॥ ॥ भेष धारि श्री माहा देवनं जुलसां
ना व चो तं ह न भो भाग्य व ति आप जित कु ध न भिक्षा विय ध कं जो ना व या आपो ज
ति न त्री भुवन लो क चो ध भुवन सं म दु गु फे ना व या ने ध क थ न व या थु का ॥ ॥ ॥
निन जुलसां आ दय क ल ॥ ॥ ॥ भो जो जि ह त भिक्षा का य प्र षु जुलसां छा य भिक्ष
चो ना ध कं धा व ते ना व भेष धारि सं न्या सिन जुलसां भो भाग्य व ति जि गु दुर व
या थु का ॥ ॥ ॥ दु ष धा ल सा ने व काल स जि क ला त पर ल सुं दु रि ह ल द व ॥ ॥ ॥
के व ज्यो न थ वेल स थ व क्ष या पि नि वृ त या त कु अप मा त या षे जी न म सि या ज्यो
न गु थ लो तो द त थ न व या विर ह न जी रा चि दृ क या य म फ या व ॥ ॥ ॥ थ ये भु म

ति आनन्दमयस्वरूपजुयावगथागथेमोचातसेधास॥ अथेमेहासावप्यावरा
 ष्याकजुलो॥ ॥ धनलियर्तराजहिमासयनजुयादारसरसनयाषतहुस्येविजा
 धकंसुर्वनयाथाहासजाकितयावजोनावसंन्यासियाथासवयावधासंभोसंन्यासि
 माहादेवनजुलसांससलमाप्रयानेवनेमेहालेमहासावमेहालेदिनावकोहु
 जोनावयाआमोजाकिभिक्षाकयावयनेधकंजिभनावयाप्रभुहुधाससाध्वः
 नवयाथुका॥ मेवताधनयाप्रयोजराजिप्रयुधकंधयाव॥ ॥ धवेसमेनकार
 रुसाछायभिक्षाफोनवयानचोना॥ छायमेयाद्वारद्वारसचोनावफेरावनाव
 वतिजिगुदुरवकनारांगुलितोक्ते॥ ॥ धदुषशिवारराजुयुगुफेनेधकं
 ररुलदव॥ ॥ धलसुदुरिनंजीववानज्जुयाकगुस्येयाववयधकं॥ ॥ धवः
 जीनमसियाग्योदेअप्रमानधसुदुरिनंयातत्पागयातनावजीतोसतावग्यो
 याव॥ ॥ धथेधमसयावजुयाथुका॥ ॥ धुलियाविरहनजिसरिलवहप्रदयकं

॥ ति गुरु ॥

॥ ॐ ॥

गवनं वधकं धया वधते संन्यासिया भाषा ने हा वधपर्वतया ग्रासवासि
वधालं धजोगिन गधिन गुखलु तबल स्ववध वधकं धवठ वलु तुगवि
तं न हल निहसेन कलाट सीत धकं धवल गहिरिया ना वधुधा जुय कचे
मया ना सं आवतो लं चो ना वधुधा जुय कं चो ना धकं धया वदी स्या ना वधा व
न निश्चयन धव जी गवा चद को भुई से चो न अतिन वधुधा जुल धकं जीत सु
त मविल जीत तिसा वसत सुतान विद्युग ना काय वुछाल मि जत धकं ने न
व मेन कारनिन जुल सा आ दय कलं हे जो गि अत्रात या व चो ना व सु जो गि
धक आ ग्या दय कलं थो वे ल स जो गि रुप श्री मा हो दे वरा जुल सा ॥ आ दय
त लि सल वि वधकं धु धाल सा गोरि ना म जु या व चो ना ल वाल कु मारि हल स
व ने ना व मेन कारनिन धालं ॥ भो जो गि व जं जी ल्या च थु का धव वा ष ल ष कं
या व त या ल थु का कु मा कार न ध व ने हा ध क धा या व ध ते मे न कार नि या
आ ग्या दय कलं ॥ भो द या म यं डे डे स्व स्वे ह न मि षा भु ले य जु ल थु का ध

वर्तया ग्राप्रवासि सदको प्रिसा प्रचागन सषिपतिद को स्पेन नृला वृद्धिस्थाना
रुध्वठ वल्लुतुगदिलिया ताव गा चो नरा तो कठो कपुया वल्लु आचाया वचो
नाव बुधा जुय कचोरो मा वला दको भनां भिक्षा फे नानं कलात कल व्या हा हाः
वृद्धिस्थाना वधा वने ना व भेरव धारि जो गिसं न्यासिन धालं च मिसे न धा गुव च
उलध कं जीत सुतान कं न्या म विव दनं वल्लु म द्युति सान कुषुनु म द्युध कं जीः
मि जत ध कं ने न्य सुनु अपाल वल्लु ना व सुतानं जीत क न्या म विव ध कं धा वनेः
गा व चो ना व सु जो गि गन सक ग्रादत ना व दन त कं न्या विवाहार या ना व विय
उलसा ॥ आशा दय कलं भो भाग्यवति दया मय क ता ष जि रा धाय ने ना व जि
ल कु मारि द्ध स थ ग्रा म स सु या दै सद व सु या कं न्या व व स त्प थं धा व ध कं धा
का थ व वा ष ल ष कं न्या द रा सि व श्री मा ह दे व या त वि आ य या त वि य ध कं तं
मे न का रा नि या भा षा डे ना व भे ष धारि सं न्या सि न जो गि श्री मा ह दे व न श
रे य जु ल थु का थ दे कं न्या थु का भिक्षा फे ने ध कं थ न व या व चो ना आव आ

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ७६ ॥

मन्त्राजित विवाहार्यानाविविकं न्या जतिथवेदे सतयावत यमते वृद्ध
जुलसां धनियदितस जीत कु अवस्थापि हा वरुषेधकं तमचाया वृधालंति
क बुधायात जिन जिलचाधाय मालिधकं मेन कारनिनधाववाक्यनेना
तजिलधकं मेन कारनिनथववाक्यन धाले दया मय भागवति धव
धक धायधुन कल जिलचाधाय गु धव निनथव लु नधा यधुन कल
सां भत्पत्र हर्ष मान या नाव जय गो न्द जय गो विन्ध कंधया व ॥ जे रि हा
या वरं ग भं गत ना ना तर ह्या मे हा ला व भ जन या ना व चोतं ॥ धव
मेन कार निरा स्वया व धव जो गि भ का स्मात् गन वया व धव उपद्रु वया न
त्यात यातं व वे ल स कु नी हु नि ए जा हि त वो ना व ह कि दे स थे थं उपद्रु वया न
फ यान फ या थे वान वान ओ ता व रा जा या त स म चार विलं धवे त सरा जान ने
जातं ॥ धव निरा जो हे मा ल य रा जु ल सां धव जो गि सं न्या सिया था स व
स्व प ष न ह नं म नु क्ष मा या त तो क पु या व रा जा हि मा ल य न जु ल सा मा

यावत्तयमतेवधकधयावध्वतेवृक्षचारियावाक्यनेनावमेनकारानिन
सप्रचायावृधालंजिल्याचयातजिलाजनथोत्रीभुवनससुप्रदयावृनसं
धावृवाक्यनेनावमेप्रधारि॥ श्रीमाहोदेवनआज्ञादयकलंस्ववृस्ववृजिः
प्रभाणवति॥ ध्वकन्याजाजितयथेधारसंतिनतोलेतेमघुजितजिलवा
नधायधुनकलधकंधायावमेप्रधारि॥ श्रीमाहोदेवनवृक्षचारिनगुल
धयाव॥ जेतिहाकातिनावृत्रिश्रुवसमृप्तितकंतियावृधुकेगुलिनहा
चोतं॥ ॥ ध्वतहिथवृक्षसध्वसंन्यासिननानातरह्याउत्पातयाकः
ध्वउपद्रवयानावचोनंराजाअह्मानयातविज्ञातस्वयावृध्वजोगिनउ
थेध्वउपद्रवयानावचोनधंकेकंधकंआणादयलंध्ववेलसदासिपनि
ध्ववेलसरजाननेन्यतुस्तुकोधयाता॥ विलभप्रयासेतुरंतलिहावि
न्यासियाथासवृयावृस्वकवेलस॥ ध्वजो लप्रिषादयावृअतीवानलाक
यनगुलसाभाहाकोधयातावृध्वउपद्रयानावचोनाहेअके

॥ निगुरु ॥

॥ ७६ ॥

ध अग्नानि जोगि **॥** न ज्ञात गत को या न आपनिर्वृद्धि शारा जोगा **॥** थ व स
यानि निनिधन को ठा स थे न क कु सा हा स ह न व या हे **॥** अग्नानि क या व
व भेष धारि श्री मा हो दे व न तु ल सा आ ग्ना द य क लं **॥** भो स सु ति ना ची त हि
म नु या व चो त स क न्या वि वा हा र या ना व **॥** न जिल तु य ध क **॥** जी ध ग्रा म स
ख ल हा य सु नु भ न्य न को ध या ना व नु या दु न हि त म च या व क म्प ज्व र व
पति से त थ व क पा लि क जोगि न जि ल्या च वि वा हा र या ना व जी ल वा
या व द्रु भं ग या ना व लि प त स थ लि से ष ल्प य ध कं म न रां भा ल या व
य स्व या व भे धा हि जोगि न त म च या व धा लं भो ए जा अ ति त अ भ्या ग त
प या य जोगि म पु थु का क न ल्या च वि य म व त सा जा कि क्क मु विल
भ ग या य ध क धा य मा ल ला हे रा जा क्क न कु मि क्षा वि य ध या मे व ता मि क्ष
दा त वि व म वि ल सा क्क न अ ति त कु वा का ल हा य धु त क गु ली जि न स ह

जो नाव॥ धवसरि रभेषधादि जुयाववा नला नाव दुयाय सुनानं धायाव॥
पारा कयावत हु लधकं॥ धन सुषु जु लधकं हे लाया नाव धाव गुडे ना
ति ना चीत खिरया नाव नी गुख भ नी ति ने नाव दु धाल सा भन जो रिना
॥ जीध ग्राम सब या भु का धकं धायाव॥ हुन राजा हिमालये न जु लसां ध
कं मज्जर व व ल स थं ल सा त का व॥ आणा दय कं लं स्व व सो व सकल
नाव जील वा धाय के धकं दु व व ल त व ल॥ धव जो गि या त दा त्र क द
न रां भा ल या व ओ न वे ल स॥ राजा म चा या व ध व सं प ति त कं व ओ॥
म त अ भ्या ग त किं का र जु या व फो न व ओ ल या उ प र स भु म ति त को
कं दु सु विल या व के या न म गा क ला अ म ति तो क वा क्य ल ता व अ गं मे
या मे व ता मि क्षा हु न के का य म पु हु त द या द त सा हु न कं न्या जो रि र त
ली जि न सह या य फु ई व म पु ध कं हु न थ थी न व ल त व राजा न ने ना

॥ श्री लक्ष्मी ॥

॥ ६० ॥

वर राजा हिमालय नजुल सं हनं अति न कोपयि काया वर धधिन जो गि
वला वने नुल सा आमो धुं के गुलि त्रिभुल जो लि कया वन नां दु नी धं कं ध
सां मुसु हुत न्हि ला व आ ग्या दय कं लं ॥ मो राजा जी गुरव भति ने वहु धा त
जित मुम्वा लहु कार न रां जी त जिल बा धा या आव ग्या मरु न ल्या च जो
ने ता वरा राजा हिमालय नजुल सं ध्व पृथ्वी मं रा द ल स चो न प मि स्त थ व थ
सं कर मा हो दे व त न या ता थ गुरु यु ध नि या दि न स थ व हु तु ल जिन म सि य
द को दू धे ल स धं कं म न रां भा ल पा व वि चार या ना व आव थ सं न्या सि य
माल धं कं म न रां भा ल पा व थ व चा की प नि स्त आ ग्या दय कं लं मो चा का
ल यु अ भान य या धं कं गं गा या ति र स वि ज्ञा तं ॥ ध्व न हि हे माल य प व
धिया ता व श्री मा हो दे व श्री गं गा ति र स वो ना व फि या ल श्री मा हो दे व द य
रा द सि धु र ज ज मु का पं चा मृ त ध म न फ को सा प्रा गी द य का व ना ना फ ल

अथ धिन जो गिजु याव जिह सव याव **थ** धि भन रां छत मन रण या य दई
नां दु नी ध कं ध या व **थ** ते पर्वतराज या भाषा ते डा **त्र** **भ** षधा टि जो गिन गु
रति ने वहु धाल सा जि गु डू लि त्रि श्रु ल धु छे गु लि द को द न त जु ल आव
न ल्या च गोरिया त जी दे स **ना** ना रां फे क तु ना का व वि व ध कं धा या व **थ**
प मि स थ व थ व क पा र स चो या व वि धा ता त चो या व ह व थ **म** गु म गा क
ल **ज** न म सि या **थ** स न्या सि व लि स्य ला ना चो ता नं जी अ ह्मा त सं धा पु जा
थ स न्या सि या त **थ** हे को षा स तु त या व बा णा ति ना व त य **ना** लं द या व त य
क ल **भो** चा का प नि से न बा णा ति ना व **ना** लं द या व वि रं **थ** न लि रा जा हि मा
हे मा ल य प र्व त रा जा या गु ल सां गं गा अ ह्मा न या य धु न का व सं धा त र्प त भा
मा हा दे व द य का व पु जा या य ध कं **मा** ना त र ह या स्वा न मा ला वे ल प त्र श्री ष
व **ना** ना फ र मु ल म ढी च धि ने वै य मि षा द धु प दि प छा या व ज य का सि

॥ निगुह ॥

॥ २५ ॥

पति॥ पसुपति अग्नित्यात गतिसिसे विज्ञा कलदे परमेस्वर॥ द्विरक्षाया से वि
देवने धकं रा ज्ञादि मालय लिहव या वथ वदे सथे न कल वली॥ थवे लस
चाय का वसक वे लस पर्वत स ज्ञादि मालय न गंगा याति रस क्रिया ल
पत्र मधि चिदि छाया गुदत उलिद को भेष धारि जो गिया॥ दे वने
वचो न गुष नाव॥ पर्वतरा ज्ञादि मालय न जु लसा॥ अति आश्चर्य्य चा
गत छन गल घात स सुता न कषा ये के हल॥ छन ग का या व ह या॥ अ
ल अपि थ्यान जी न कने मते धकं धया थने पर्वतरा ज्ञादि मालय या भाषा
र्वतरा ज जीत मेव सुता न वियु जी भक्ती या कल न विलथु का॥ जित यु जा य
तरा ज्ञादि मालय या प्रन स॥ अति तिदुषि मान या नाव॥ अति स्वर्गी या या व
रदार सव ता व फो ना वन या व जु इल॥ छने के भजित या ना ए छन य रई व
भेष धारि श्री माहो दे न आ इय कल॥ दि पर्वतरा ज्ञादि मालय छन जीत

सायासेविजायमालधकं॥ श्री माहोदेवयानेवनेसोत्रादियानावधव
॥ थवेलसगनभेधधारि श्री माहोदेवयाना॥ कुनावतयागुकोठासभापा
मफियालदयकाव॥ पुजायानावगुवेलसगुलतदसोस्वा॥ नमालावेल
॥ नेवनेचोनाव॥ वेलयत्रसहितयास्वानमालावगलपोतसलाना
भव्ययायावभोवृधजोगि॥ आमोस्वानमालावेलयत्रयामालाछन
वृहया॥ आमनेवेदेफरफुमुरमधिचठिछननेवनेसुनानंतयाववि
मयाभाषानेनाव॥ भिषधारि श्री माहोदेवनजुलसाआगादयकलेहप
जितयुजायातधकंधयाव॥ थसेभेधधारिजोगियावचन॥ भाषानेनावपर्व
यायावनिहलवंहनंधालं॥ भोजोगिछजुलंभिषधारि॥ जोगिमेवयाव
नयदईवधकंछनेकेसुनानं॥ मकीयायुधनंजांसुववमखानाधिकंधायाव
छनजीतलसिक्कल॥ मीराजयधाराधस॥ नजिततिद्रायानाव॥ छ

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ८९ ॥

८०

गंगा नवता मधु मधुलाधुपदिपनेव स्रवाया मुमुलाधु
थते भेषधादि जोडियावचन भाषा मे डाव पर्वतरा जहि मालयन
माहादेव धुका पुजा याता छनत जा पुजा मया नाहे जो गि जीन ग
लावेल पत्र धुपदिपनेव द्यस स्रवने वने गथे चोन वल भव आस
आमाहादेवन तुलसा आव थयात मने जि ईव मधुत धक मंत भा
स्यात मालावेल पत्र नेव द्यदि काया व पुजा याता वल स्रव जि मधु
यक स्रव सिव अथं मुर्ति धर ल पाव द सन वि से वि जातं ॥ भवेल सपर मे
रि अव सेन नत कारन वि य तु ल पर मे स्वर जि गु अण र ध द को क्ष मा य
वया प्र त क्ष स्रव ता व भु सि तु या व चो तं व ता व श्री माहादेवन तुलसा
या चोन गु ता द त स ग्नी म द य का व जी न अति दुष सि य धुन ॥ छन अति
निता आव जि पा न र क्षा तुल ध क अति भु सि तु य धुन धं क आ शं द य

पुलाथमं नं पुजाया तावथमनं विस्मयचायावचो तासाधकंधया व
लयनजुलसा॥ दनधालं हेजोगि जित जांगगायातिरसव ताव श्रीः
जित गगायातिरस श्रीमाहोदेव पुजाया नागुकुत्तमचंदनस्नानपा
ल॥ अस्वर्ग्यायाष जीतकवधकंधाव गुते नाव यवत राजाया घने ताव
मनं आलयाव हेअशतिराजाक ननेव दुधालसा छन गगायातिरस
मजिम सुला॥ छप्रतित मजुलसा स्वजिगुपुतीधकं गधे गगायातिरस द
लसपरमेश्वर॥ श्रीमाहोदेव क लपोल सत को नागुभिक्षा जिल्याच गो
नाक्षमायासे विज्याय मालधकं अतिगद गद वचन या ताव श्रीमाहोदे
नजुलसा दने आगादय कलं॥ भोपत रजदिमालय जीसक्ति दिनज
॥ छन अतिपुन्य मान जव॥ छन गोति जित ननकारतं विवधाव यातिपि
गशंदय कलं॥ अवे लसपर्वतर रजदिमालय नजुलसा श्रीमाहोदेव या॥

॥ निगृह ॥

॥ ८७ ॥

प्रधानक्षमूर्तियादर्शनलानाव श्रीमाहोदेवयाचरनकमलसअष्टांगप्रनाम
यावगदगदवचनयानावहातजोहलपावविप्रतियातंभोपरमेश्वरिजीअइ
परमेश्वरनृचत्रीतकलपोलधंकेमसिसेजीनकोथासकुनावतयागुदोख
ब्रह्मपायासेविज्जायमालहेपरमेश्वरश्रीमाहोदेवजिमुधगतिशाकल
कीनयानागुस्सुतिहलपोलसंतोत्रयावविज्जायमालजीनकलपोलध
याजिनलसिलसाकायकोठासकुनावंधनयानावतअधदोषसहस्र
सनंजुसेविज्जायमालभोलोकनाथमहेस्वरकलपोलयाकिंकरदा
संज्ञानशांअग्याननंकलपोलयानामकायफलयकावविज्जायमाल
मुथुथुलावचोनलसेसतागयासामर्थमदुजीमवहलयाकुसाप्रथं
जिथनसंतुचोनाकलपोलयादर्शनलायधुनधनधनेत्रिथीनलभागवत
निनमसिसेकलपोलयातकोठासबंधनयासेतयागुदोषमोचका

लस अष्टांग प्रमाणा वारंवारं दंदवत्तु ना प्रमाणा वपाहिने पा संभो कप
परमेश्वरि जी अज्ञानि मुठ या दोषद को क्षमा या से विज्ञा यमा ल हे का सि प्र
ना वत या गु दोष न जी त कृ गति जु यु गु व व थ दो ख द को क्ष मा या ता व जी
मधु गति रा छ ल पो ल या म हि मा सि य के म फ ते जी अज्ञाति न यथा स
जी न छ ल पो ल ध कं म सि या जि अ त्त अ ग्या नि थ का छ ल पो ल ध कं म सि
य थ दोष सह सह सह क्ष मा या से विज्ञा ना व भु गु पा प द को पु त का व पु
ल या किं कर दा सि गु या व चो ने द य कं से विज्ञा यमा ल स प्र ना सं वि प्र ना
व विज्ञा यमा ल छ ल पो ल या म हि मा जी न ग ना त क व ल य दो ल छि
ल या छु सा प्र थ द ई व ह न जो ग स्वर न जी व रु पा या से विज्ञा क या ति मि ति नि
जै थी न ल भा ग व त थ य थी मं द ल सं सु म थ थ ते या नि मि ति नि जि त अं श
गु दो ष मो च का व वि से विज्ञा यमा ल हे वि श्वे श्व र जी गु अ ज्ञा न द को

॥ श्री लक्ष्मी ॥

॥ ८९ ॥

पुनः काव पुंसं न जुसे छले लो लया पादुका सजित वास विसे वि ज्ञाय माल
या स्वभाव गये धाल सा करुना मये मुनि जु याव वि ज्ञाय स ल ल लो ल दि
स्वर्न जिगु अ परा धक्ष माया नाव को था सकु ना वत या व गु दो ख मो च व
पान या य जिन म स य धु न जिगु संतान जु याव ज न्म काल व या या नि मि ति
या क या नि मि ति न का य म चा संतान म द या व पि त्रि क त्प न या क म ट
न हे मा या से वि ज्ञा ता व जि व कृ पा या से वि ज्ञा य माल ध कं थ म न फ के
बेल स पर्व तरा ज हि माल य या अ सु ति वा क्य ते ता व अ त्प र षु ति जु या व
षु ति जु य धु न छ न जि त वं ध न या ना गु दो छ छ न त म द त छ न भा ग्य ३ ट
या व ज न्म काल व व ल कं न्या गु ल ति न श्री लो क या ई श्व रि जु या व वि ज्ञा क
श्व रि त त्व म ई जु या व छ न पु त्री भा व या त का व ध न ज न्म काल व ल थ व ह
ज स ज न्म काल व ल थ ते या नि मि ति न रा ना नं थ गे रि व ना यं हे न का व

विसेवि ज्ञाय माल मोपरं वृत्त अ गति या त गति विसेवि ज्ञा क ल लपो ल
 ल ल लपो ल दि गं व र धा य का व वि ज्ञा क ल ल लपो ल थ भिन ल पर मे
 ग व गु दो ल मो च का व वि ज्ञाय माल हे भ ग वा न ल लपो ल या त थ अ प न
 ल व या या नि मि ति नि थ गु अ प र ध जी न या त ह न न्ने थ गु ज न्म स जी न या प
 क त् प न या क म द या व सि य माल थ ते न थ ते अ प र ध द को ल लपो ल से
 र ध कं थ मं न फ को भ कि भा व या तं प्रे म वा क या व वि न ति या ता व चो न थ
 त्प र षु ति जु या व भो हि लाल य र्व त रा ज ह न अ स्तु ति न या क गु रि त जि
 त ह न भा ग्य ऽ द य गु गु वृ जि न ग न त क व ल य ग्व ल ह न ल्या च गु
 रि जु या व वि ज्ञा क ल ल ल वि लु मा हो दे व श्री या से वि ज्ञा क ल पर मे
 म काल व ल थ ल मा हा मा या न गु ल सां गित तो ल ता व थ न ह न के ह स
 रि व ना यं हो न का व वी व ध कं आ ग्या द य का व थ ते श्री मा हो दे व या आ श

॥ ति गु ॥

॥ ८९ ॥

ते जगत्पर्वतराजहि सालयेराविनती यातं ॥ हे परमेश्वर अनियादि न स ज
जित्वा च जुयाव जन्म काल वल विभुवनया नाथ जुयाव विजाक ॥ श्री
आजे त्रैलोक्य संमदुर्लभ जुलुग्व ॥ श्री साहोदेव या नाप जक काया न
लसा जीधिन भाग्य मानि सुंद ईव मधु थ निरुति जी जन्म काल वया
क ॥ श्रव्य दत्त सा जीत व भाग्य जुलु सिव ॥ श्री साहोदेव विना जी
मितीन ॥ जीक्षस जतम काल विजा तग्व पु ॥ जित्वा च जन्म जु
निमिर्तिन ॥ लयो लया गुष्ठु ईक्षा ॥ जुल व पु नु भा वा विनि पा व
जग्व ॥ श्री साहोदेव न जुल सा पर्वतरा जहे सा लय या वा कडे ना व
जिब यथु काध कं पर्व रा जहि साल य या के वेला का ॥ अ न रां अर्त
यातं ॥ ॥ धन लिभ रा पु र्णा भवा नि पा र्तिन जुल सा ॥ थ व या सा
सट को मुद्रा व सु ना व ध या गु भो ज न र य के नु व ॥ लि ते नु यो ध कं ध

परमेश्वरभनियादि नसजीज न्मकाल वया यासा फले जुल। उमाथीनलः
माथ जुया ववि ज्जाक ल। श्रीमाहदेव विनल। जी जी ल चा जुल साजिधीनगु
दवया नापजक काया न जन्मराज न वि यमफु ल। थथीनल जी जी ल गु
तुनि जी जन्म काल वया यासा फले जुल। भवानिसकर जुया ववि ज्जा
श्रीमाहदेव विना जी ल्या चशि बाध या ल स्या सो भामदु थते यानि
उनु। जि ल्या च जन्म जुल ओषुनु हेरु लपो लयात वि यधुन थते या
षुनु भावा विनि या वति यात कै लास यसे वि ज्जा हुने धक धाव गुने
ग ल य या वा क्कडे ना व। अतिसंस्तु जुया व थ्रात्र जि कै लास निवने ते सुन
वेला काव। अमरां अर्त ध्यान जुया व कै लास पर्वत सा वि ज्जा धक वि
सन जुल सा। थ व या सा यतिस्त आ ग्गाद यक ल। श्रीयासा यति ऊँ जि
जु व। हिते जुयो धक धया व हित हवनं। थ वे ल स ता रा ध या ल स धिनं

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ४३ ॥

नितियातं ॥ भोगोरिद्ध लये लन कि न लज्जुय माल जी पति से न माल
ति ना पं हित लज्जुलं ॥ नृपा धु त ह या व थु तिके छि के छि से छे धा या ध
या व क्षे या दु न्य य न म कि रा ल मार्वती या ने व ने त या व विल ॥ ॥ थो
के या त जा थु य माल ध कं ध या व ॥ पार्वती न धिर जा थु लै धु ल या थु
ते ॥ त य ते ध का सि मा ह ल ह या व त लं ॥ ह त थ व पा सा य नित्य ॥ को स त ता व
सु सु धा ल सा का ली नि द्ध म ला कृ क्ष प्रिया का य नि ज या व ति ॥ ज मु न
गु न व ति वृ न्दा अरुं ध ति शु पु र्णा पार्व ति ॥ ध ते स मे तं ग्रा म या या सा प
न य नि स या त व रा ह र्ष मा न या त का व स क ल्प ना प ॥ फे क तु त का व धु ल य
वे ल सा द को पा प नि से न जो ज न या तं ॥ श्री पार्व ति न गु ल सा धु ल या
माल स क ता ठ म न त या व स क ल या त न के धु न का व नो चा य के माल
वा पा हा या व ध कं ध या व स क ल या त नो चा य का व ॥ ह न अ स आ न

प्रमात्सीपतिसेनमासगुजोरेयायनावविद्यधकंसमधारयानावार्वा
कठिरेजिसेधेधायाधकंपेवेकुनसधुलयाचिनदयकलहृनधुलह
वनेतयावविल॥ ॥ थोतलिपार्वतीनगुलसाथोधुलकयावभोजनरा
नधिरजाधुलधुलयागुनानातरहयातरकारिअचारसकंतातयारया
वपासापनियकोसततावभोजनराकेवेधकंसकलयातंकेकतुतकल
लायनिजयावति॥ जमुना॥ जयतिसुरधतिउमादुमासत्यभामारूपह
तेसमेतंग्रामयायासापनिसकल॥ पिदापुत्रावजिदयावेसजुयावचो
नापयेकतुतकावधुलयागुभोजनश्रीपार्वतिशानेवनेतयावविल॥ थ
पार्वतिनगुलसाधुलयागुवीरवाचसिमाहलयातकीरिगुगुगुगुतय
धुनकावनोचायकेमासधकंपार्वतिराधमनकठिछपुजोनाताहाक
यकाव॥ हनअसजानयाज्वालदयकावज्वालछगुलिछगुलिविल॥ थ

॥ निगुह॥

॥ ८२॥

वेलस शकल पासापनिस्त फेकतुत केयात ठव वस्त्र पु ना व लासा लाय
ना व यासापनिसथास व या व फेकतुत व लं थ थे हित धुन का व ॥ थ
हुलिते धुन का व दन पु जा या ना व हिते नुयो ध क सकल यासापनि
सापासापनि सेन ॥ भो पार्वती श्री शिव जु या ना व हिते नुयो ध क च य
ल कुटे व ध सि व पु जा या ना नं कु फ ल वी ई व थो पु जा या ना या गुन
पु जा या यत कु कु मा जी मा व ध व ॥ थ व ल स पु जा या य ध क सकल
ल ॥ हे पार्वति कुरु पो ल सेन पु जा या य ध ल सा फ ल कुरु धु य नै व द
पु जा या ल सु व ध क ने ना व ॥ भिन गु भिन गु व री न वी पु थ ते या क
पु जा या पु सा द न न थ व स न रां भा ल पा थ चो न ल भा ल ठो ला ई व ध व
गु र व अ व स्य त र व व जि हि मि सा जा ति या क र पिं त वि या व को ई व वे ल स ॥
या ना व भि न ल भा ल त ला त क्य मा ल ॥ थ ते न पु जा या व सी व पु त थ या न

तठववस्त्रमु नावलासा लायाव विली॥ हनंदकोस गालिपाथमंतं॥ भोजनया
लंथथे सितधुनकाव॥ थवठवक्षे सलिहावनथुगुप्रकारतं॥ पेनु-चा
मुयोधकीसकलयासापमिमुनावपुजायानावसितलं॥ छनुयादिनस
यानावसितेनुयोधकीचयावधातं॥ ध्ववेलसपार्वतिनजुलसासिवधया
दिईवथोपुजायातायागुनछुशिवधयाल्लेदेवतागथेचोनिवठोशिव
लसपुजायायधकीसकलयाकेडेनावनारावतिधायाल्लसखिनधा
लसाफललधुयनैवद्यतयावसिवपुजायायमाल॥ ध्ववेलसथो
नगुवरीनबीपुध्वतेयाकारतरारननसीवपुजायायनुयोहनध्व॥
चोनलभाल्लोलाईवधकंनेडाधवगुनेना॥ बडेयासाताराछुनधा
रपितवियावकोईववेलस॥ वरोमाल॥ ॥ ध्वतेयाकारनगुपुवसिवपुजा
नपुजायावसीवपुतक्षयाताव॥ बडेवरदानकायधकीमेतभाल्लयावजी

॥ श्री सखा ॥

॥ ८ ॥

तजित जं बहे श्री मा हो देव पुरुख लाय मा लाध वं पु जा याय मा लख
काव चो ते ध कं धाव या सा प नी द को से रा ने ना व स्व व स्व व पा र्व ती न हु
नी ॥ ॥ धन सि ह न पा सा पा र्व ति न जु ल सां पा सा प नि ने बु ने धा लं
सि व पु जा हे या य जि थ था मा म या ठा स व ता व व य भो पी प नी थ नी तु चे
व त त का र न मा म मे त का या था स व ता व भो मा म भो मा म ध कं स ल तां व
न मा या व स चो ना व जि ल्या च या त दु दु तो त के ध कं म न रा भा ल पा व कं न्या
वा नि र्क रा कु म न या नि ल कु म न से लि ज क लि ता व चो ला आ व र्क कु न
पा र्व ति न जु ल सां मा म या च्छा ल ख या व भो मा म थ ति या दि रा त स जी न
सि व पु जा या य त हा पु जा धु न का का व न य ध कं ल्या च भ वा ति या
आ श्रा द य क लं भो पु ता छ न अ म थे धा य म ते कु भ ति न नि रा वा ॥ ध व
धु न का व लि प त स पु जा या ना व लि त ल हु ति मि त्या त का का व ला र्क पु
ना व ह नं पा र्व ति न धा ल जि न जी रा य म पु जी पि त्या क म गु ति थ व जा

लाधकं पु जा यायमासुधवे लस वरदात लात काव ३ मा महे अरधा य
 ने नावस्ववस्वव पावती नहु ॥ धा लधकं सकल्प पासापनिनि लावचो
 रसां पासापनिने बुने धालं ह्यासापति जीन जा नि अ यनसत्य सत्य नं
 नावव य ॥ ओषी प्र नीधनं तु चो नावचो व जीना ना न वयथ काधकं धाया
 तो मा म मोमा मधकं सलतां व वन ह्या च गारलता या व मेन कारानिनं जुलसा
 केधकं मनरा भाल या व कं न्या या वती का या व मुदे सफे क तुत का व हे पुता भ
 क स्मिता व चो ला आ व रु कु न या स्मिता लहु ति थ कं धा व गु ने डा व ॥ भवति
 मो मा म ध ति या दि रा त स जी न हु न म पु कान धाल सा सा वि या सा य ति स ना पी
 न य ध कं ह्या च भ व ति या व ती या म धुर व च न रो डा व मे न का रा निः
 म म ते हु भ ति न नि रा व ॥ अ य न ला छ न त ट या व त या गु व सु क ॥ ध ते न य
 ति मि त्या त का का व ला कं पु जा ध कं स्मि ते ला ध कं धा व गु मा म या व च न रो
 जी पि त्या क म गु ति थ व जं छ न गु ने ने म पु ति न्या गु जु ल सां जि या जा या सा

॥ निशु ॥
 ॥ ८५ ॥

निवृत्तायं सिव पु जाया तव ने धवं प्राप्त माष प्रने से श्री मा हो देव पु जाया ताव श्री
लने वर्य जो नाव स सि पा साप नि सवो नाव गंगा याति र स वरा जु ल ॥ ॥ धन
का वशि वलि गङ्गु ली दय का व नृ या धु सि व ली ज या त अ ह्मा न या तं
वती न जु ल सा वे ल पत्र छाल थ वे ल स श्री भ वा नि या र्व ती या ये को जी त
या क वे ल स गु ली छाल उ लि सार जा प्र स क तां वे ल पत्र स हि टं के स ला स व र्व
थे ना वृ अ का स्मा त जी ह्मा स ॥ ध जु ल वे ल त्र ग न रा व ल ध वं श्री मा हो दे व अ
वे ल स हि मा ल य प र्व त स भ वा नि पा र्व ती न पु जा या क र व ना व ॥ अ ति कृ सि जु य
व ॥ श्री मा हो दे व आ च न रु या व वि ज्ञा त ॥ ॥ ध न लि पा र्व ति रा जु ल स
ना फ ल पु ल द्या या व नि की ण्डि वि वि त का व पु जा या से वि ज्ञा ना व व ह
या व या ल न या से वि ज्ञा त श्री पा र्व ती या म न स ध्या न या तं शां सि व श
का से वि ज्ञा त सां सि व ज क सार ध वं चान दि न शि व सि वा य मे व ता ना म

॥ श्री महादेव पुजाया तावत्सीतलवने धकंधुयदिपस्वानमाधिचधी फलपुः
यातिरसवरा जुल ॥ ॥ अनलिधवत्ताहातनुठिसिलाव अ ह्माणायायधिन
वलीजयात अ ह्मान यातं कलं हतसिधलनतित कावयु जायात हनं पा
वानियार्वतीयायेको जीतनकाव या निमित्ति निश्चि वलीजया पुजा
बेलपत्रसहितं केसलासवर्तसवि ज्या नावचोनल श्री महादेव या सिरश
राव लधकं श्री महादेव अति कौतुक चाया वया वया दृष्टि नस्वसेवि ज्या के
या करवना ॥ अति सुसि जुया व थव स लस जोत गुबेल पत्र या मा लास याः
॥ अनलि पार्वतिरा जुल संथु गु कथन गणा यातिरसवि ज्या तावा मा
वयु जायासेवि ज्या नाव वह नि जुय स्तु नु जनाव चोन गु सिया मा हल न
नस ध्यान यातं शांति व शा त रा स्वसेवि ज्या तस्य वि ज्या तसं शिव नाम
त शिव सिवाय मे वता नाम कुं म काव ने लव य व सांति व नाम न पयातं

॥ श्री स्वस्त्या ॥

॥ ८५ ॥

सप्तमासतसासिबनाप्रजपयासेविज्याव गुमनिवथधीनगुयकची
कठनंवधी जुयाववलयवेतससिमायाकोसचोनाव शिवसीवधकं
सेविज्यातथवनुगलुरांसिवशिवधकीनाप्रकाइवाहनवधी जुयाव
थवागातसां गुनानचोतावाथवसिरसगाचोततधुयावमाहाका
रांसिसिलका जुयावथलसचायगातसाथसपार्वतिनथवलस
कषतावलोकसकसेनअतीशुद्धतचायावथधीनलवालवनथुसी
तावकरुनाचावजुलहनयार्वतिजुलसां सुयागुखननेसेनिदिहोय
नोलतुसिसिरकालयालखसलदुनावलखसतुचोतावामिरवातिसि
याववानिबनिधुगुकथतंतपसायासेविज्यातथथेतुदुरवसियावत
दुतचायावगातावचोनाहनवसतसमयजुयावसिमादकोचुलिअ
तयावतयस्यायाकजोगिरिषिगानदकोसतभयचायावथवालस

गुह्यनिर्वाधधीनगुह्यकधीकृत्यानावसिवनामज्ञपयासेविज्ञातं॥पुगु
सचोनावशिवसीवधकंनमकायावविज्ञातं॥तंअनाहारया
मकाइवा॥तवधीगुयावप्रसुलधारापुमाननंवागानाववसंथां॥
गाचोतनधुयावमाहाकषणशिवयानामकासेविज्ञातं॥गुरुह
॥असपार्वतिनधवससचापुगातकावयक॥धीकृतनसिवयाध्यानया
वधधीनलवालसमंथुलीतीकषनयावतपस्यायार्तधकंवालखष
सुयागुखमनेसे॥निहिहोयाथुगुकननीतीनित्यपुजाप्रयासेम
खसतुचोतावमिरवातिसियावनिहिलाव२शिवशिवधकंनमका
वज्ञातं॥थथेतुदुर्वासियावतपस्यायाकगुषनावलोकदकेअतित्रर
यजुयावसिमादकोचुति॥आयाववगुसयावधवालसमंथुगुक
पतभयचायावधवालससापमानावाल॥पुमधुधकंप्राणैदासयाता

॥निगुरु॥
॥६५॥

वचोतु रथे तु भार्वती न तव स्यात्मा कयार्क वंसत मे नावयाव ॥ जी व
वय म ह्यलुथ धी न गु ॥ श्री सु र्ज्या ते न स चो ना वये व्यमि य का व ॥ द थ
हो दे व या शिर सि व ना म जु या व चो त गु ना म या म त्र ज य ल या व ॥ मा हा व
क गु न ॥ के ला स स आ मा हो दे व या सि द्धा सा न स्थी र म जु या व ॥ ध क्तु
क वे ल स भ वा ति या र्व ती या त प स्या न थ थे गु ल आ वृ त्ति रा ध ग्रान स
७ गु जु कि द्य के मा ल ध कं म त रं ॥ मा ल पा वृ त्त चारि या मे ष का या
या गं धी न गु भु ति जु या व वि ज्ञा त धा ल स ॥ क पा र ह ज ता टा हा य का
ना व अ ति स्र भा य ला त का व ॥ अ र्ध च न्द्र मा न ज त यो ल स क्तु ना व ॥ धु
ल यो न स रू द्रा क्ष या मा ला न को षा या व ॥ ज व ला हा ति न दं म रू जो ना
ल ता व ॥ श्री या र्व ती या त ह ल य या य गु म त स त या व ॥ वृ त्त चारि य
ना व या ह या वृ ज व ला हा ती न वि भु ती या ज्ब ला व फ ली क या मा

वंसतमे नाव याव ॥ जी ॐ परितु व याव ॐ ॐ याते जस लोक सुधी हा
 जो नाव येव प्रिय काव ॥ दधु स आ का स तथा नाव पं चा ग्रीत पल या वं ॐ मा
 १ प्र ३ ज प ल या व ॥ मा हा क थोर त न य स्या स वी ज्या त थ थेत प स्या या गु
 न स्थी र प्र भु या व ॥ ॐ कु तु त थ कं ॐ मा हा दे व या म न न भा ल या व स्य
 तु ल आ वृ जि रा थ ग्रान स मा न ॥ म वा नि या त थ क रू प द ई न वि य मा त
 व वृ ल चारि या भे ष का या व वि ज्या त ॥ ॥ ॐ व त ली ॐ मा हा दे व :
 क पा ल स ज ता टा हा य का व क पा ल स ह्या ई गु णि न त न प्र त्त म सा क ती
 न ज न यो ल स कु ना व ॥ ॐ कु गु ति तो ल ता व ॥ गे तु जे रु व स्र न पु ज व ग
 म ला हा ति न दं प्र रु जो ना व ॥ ख व ल हा ति न शृ गी जो ना व चो न गु ने
 न स त या व ॥ वृ ल चारि या भे ष का या व ला हा ति स श्री शृ ल जो ली जो
 ज्व ला व फ ली क या मा ता जो ना व प र व त रा ज हि मा ल य या भा स

धार ल

विज्ञातं धं विज्ञातं धं वे ल स श्री भग नि पा र्वा ती न जु सा अति
ती न भा भ भक्ति न य प स्या या क गु ख ना व ॥ मे र ख रि श्री मा हो दे व न व
या वृ आ ग्या द य क लं हे सु द्य रि छ न न मु स्व भा व न मि खा ती सि या
ध यि न वे ल स च त्र दी स च त्र दि ग स मि छो य का वृ पं चा ग्री ना य
छ त्रु ल मा हा को म ल स रि ल ह नं क म ल या को म ल प त्र धि जा गु स
न य नि मु ति र द को मो ह जु ल छ न त कु दु ष जु या वृ भु शु क छ न या वृ च
न म रा या गु दु ष जि रु क वृ छ न जा त कु ग ना वृ न वृ या छ न मा म
ला अ मि थ्या न जी त क ने म त्प स त्प ध्यं धा वृ ॥ हे सु लो च ना क ग ना वृ ते
ती न आ ग्या र य क लं हे अ द्रु त वृ प्र चारि जि गु ता म जु ल सां गो रि ॥ जी रि
मे न को हे गो सा ई जी न थ्य ध या जी वि वा हा र आ वृ तं ल ले म भु नि
मा हो दे व न जु ल सां ध ने ना वृ अ ति र स त या वृ ॥ आ ग्या द य क लं हे स

॥ श्री लक्ष्मी ॥

॥ ८६ ॥

धार ल

निघावती ननुसा अति कथोर नथी माहोदेव या साधन याग्रनिर्मि
॥ मेरवरि श्री माहोदेवनवाहखकं न्या पावती भवानी या काल स्वः
स्वभाव न सिखाती सि याव कु भ ज ना या ना व ची ना क न त कुटुष तुल
वा य का वृ घं चा गी ना य प या व ज य त य या ना व ची ना या कार न कु
या को म ल प त्र धि जा गु स रि रा क न त य स्या त या क गु ष ना व ध न चो
तु या व भु गु क ष न या व ची ना भो च नु मा धे चो न ह व वा ह कु मारि च
ना ना व न व या क न मा म कु क सु या ला च च न वि वा हा र धु न रा म धु नि
॥ हे सु लो च ना क ग ना व ते ते ना ॥ स म स क वृ ता त धा वृ ध कं ध या व पा व
गु ता म नु ल सं गो रि जी पि ता या ना म ही मा ल य जी मा म या तां म
हा य आ व त ल ले म धु नि ध कं ध या व ध र ख ते ना व भे ष धा रि श्री मा
या व आ ग्या द य कं लं हे रु प व ती क न त आ व त ले वि वा हा र म या ले

॥ निगु ॥

॥ ४६ ॥

कनमासववुनिश्चितरागथेचोनछिछिहुकारनरांकनतविवाहारयात
यावृकनविवाहारयाताववियाआवृकनथुगुकभोरनभावनातयस्यायाय
मानयाताव।यार्वतीनआज्ञादयकलं॥हेसंन्यासिडेसेविज्याहुनेकुधालसा॥
रुषलाईधकंधावयातिर्मितितजीनमहेभरयाभावभकीयातावपुजाया
आयमालमेवपुरुषजीतयुयोजनमदु॥धतेराजिगुउपरसदयाअनुयदुत
यकावप्रसतजुसेविज्यायमालधकंआज्ञादयकलं॥॥धनलिषार्वतिय
सा॥आज्ञादयकलंभोबालकंन्याछिछिहुततकुफलवियुथधिनलय
यगुहुततसुनानेस्येनावविलशिवयुजायानंकनतकुफलविईधधिनभ
यतिफेनाफेनानयमालमसेतकनतकुवरदानकुवीईधधीनगुवरदा
कुवरफेनेधकंधधधिनगुकषणयावपुजातयस्यायानाठववनया॥नपंफेना
नमदुधधधिनलयकनतकुवरदानविईधनचोनेमुमालक्षेहुनिजीन

नरां नत विवाहारया ताव प्रविसेंत ल आवध न मा मव वु या ने व ने जी त ध
भोर न आव ना त प स्या या य मु म्वा ल ध क सं न्या सि रा धा व ष ने डा व गु ति ह ष
से वि ष्या ड ने कु धा ल सा श्री मा हो दे व गु जा या सा या त सा मि त ल सा भि न ल गु
आ व भ की या ता व गु जा या ता गु ष व थ हे म हे व र स्वा मि या ता व पु स्त न गु से विः
ज गु उ पर स द या अ नु य ह त या व श्री मा हो दे व व ली से जी त न ता रां वि वा हा र गु
लं ॥ ॥ थ न लि पा र्व ति या व र त भा षा ने ना व मे र व थारि श्री मा हो दे व न गु ल
कु फ ल वि यु थ थि न ल या त कु ष ल ना शि व गु जा या ता व थ थे त प स्या या
न त कु ष ल वि ई थ थि न भ न दु ष सि या व चो ने मु म्वा ल के हु नि चा न नी न के षा
न कु वी ई थ थि न गु व र दा त न त वि य फ ल ला थ थि न ल भि ष धा रि या के
मा ना ठ व व न या न प फो ता फो ता हा या व न य न य मा ल व ओ मा के स ग्रं थ कु
गे ने मु म्वा ल के हु नि जी त थ या गु ष न त चि त ट या व ने व थ ल मा हो दे

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ६७ ॥

वयादोषदको जिकने सिक् धिनिगुको चयको मुडा व मा ला दय का व के
नने ई व ग ल फो त स स र्च न को वा या त त ई व ॥ ध स र्च या भ ये न व ल मा हा रे
ला क के ला क था स ज्व ल ज्व ल तु ला व ज्वा थ दो ह ल ग या व स्र सा रा सं वा स या गु व सि
ध या वा स या य या म ध म दु या नि मी ति नि स्म सा ने जु ल सं ल सं तु जु ल सं वा स या ना व को नि
य थु का ध के सु ना रां मा ने म या क ग जि य स ध तु र वि ष न या व ॥ ला क ला क था सं तु
थ न थ न ना रां सि यं म प्र हे सुं द रि वा ल के न्ना ध जु ई ग धि न ल्म था ला सा प स्त्री नि को
चो न ल वु धा ल्म भा ल तो व ना पं हो ने द य का व वि य मा ल ध के छ धि न गु चि त स त य
सा म दु थ धि न ल या के व न सा जां मा हा अ द्रु त दु र्द सा न के नि व्र ध य नी मि ती रा
लु य के म ते थो ल मा हा दे व क न त भा ल तो या य जो ग्ग म जु व्र च र ग या रा जा ई न न
ला त ई डा य नि तो ल ता व्र क न के व ई थु का ह नं वै क रा ठ पु रि या ठा कुर जु या व चो रा
स्व य ई क्षा म या से थ व क ला ट ल क्ष्मी सर स्व ति त्या ग या ना व्र क न के व ई थु का हं रां क न
ष व्र जी मे व मि सा म दु धु के गु ति कृ सा स न कृ शां गु ति जे ति ज क दु थु ली त्या ग या ना व

मुद्रावृत्तमात्रादय कावकोषाईववेहेमालात जपया ईकिसियाहे गुलि
 सधिया भयेनवह माहादेवव नाय सधितितकं सुवनेमहाल जनेज जीतो नाव
 वस्मसारा संवा सया युवसि नल नति नाव धकं स्मसारा मानलि नकया लसगुयाव
 संतु जुल संवा सया नावो निव देव लोक प निसेन थ स माहादेव धया ल जं
 धनया व लाक लाक था संतु ग्वल ग्वल लुला वसि क स चो न थो चो नी व थ
 येन सधा लासा पली नि को मल सरिर थ थि न स सेन अ थि न स व य चो न थ
 ल ध कं छ थि न गु चित स त या व जु या थ बु ठा संकर माहादेव धया ल जा कु भरो
 के नि व थ या नी मि ता रा हे प द म सु द रि वा ल कु मारि थ स या के व ने ध कं मन नं
 म जु व चर ग या रा जा ई न न क न रु य ज ड न रा ने ज र व ने सु नु मो द गु या व थ क
 गुरिया ठा कुर जु या व चो रा ल श्री नाराय न रां ह न ते ज रूप गु न न्य सु नु मे व
 व क न के व ई धु का हं रां ह न त क ता धाय धु धा ल सा जी व स चारिया का त ज क
 लि ज क द थु ली त्या ज या ना व क न त जी था स वो ना व य ने म न गु या व चो त व

॥ निगु ॥

॥ ६७ ॥

नेनुयोऽपामोमाहोदेव भजनायाद्यमुच्चा लधकंधयावथ्यतेवृत्तचारि
मधुरस्वरयाज्ञवतमवायावआज्ञादयकले॥भोवृत्तचारिधय
यातछाअनिन्दायाताछवृत्तचारिभेव नुयानामतीनिजकछन
धिनमनेनावृत्तनतभजति॥भावयायगुअतिअश्रधागुल॥छात
यानाववोलविवयानिप्रितिनितक्षयुजायतियाछे॥लधेज्ञवमसुया
वतयास्वगीयाराजाइन्दुयात॥अषीयाआयनस्तनयामोदियाचि
तछननीन्दायाकगुथतवअयराधयातध्ववीअसंसारयायति॥गुस
मकलथलधधसिनस्तयाताछनभेवधारिधकहेसयातछवृत्त
जनायातावचोनास्तयाथासपुयावअप्रथीनगुगोधगुईगु॥म
इवछनतधधाममाला॥भीमाहोदेवधधिनलधकछनकमने
भीमाहोदेववीनारागीतमेवमतसमयुधधनिथायसवयावआम

धर्कधयाव॥ ध्यते वलचारिया भाषाने नाव॥ श्री यावती न तुलसा मधुर
कल॥ भो वलचारि धधध धीरा लन जाव वान तुयाव॥ श्री साहादेव
तुया नाना मती॥ निजक कनत भाव भक्ति याना गुलव ध्यते न कन गुथ
अति भ्रथा गुल॥ कान धालसा यरा पुर्व स श्री साहादेव यात निंदा
तिया के॥ लधे डाव मसु या के ल क नाव विल धर्क॥ वाघन करण गुने
मायने लन या मोनिया चिन्ह गुल क॥ ध्यते न धधिन ल श्री साहादेव या
धवी श्व संसार यायति॥ गुस्य विज्ञा क ल ध ल व लाद या क॥ ती गु या व वि
धारि धर्क हे स यात क व या गु ल ला जि ध थीन मन य क चित या नाव भ
म थीन गु गो ध गु ई गु॥ वल त न ल जी क या ल स गु गु यो या ह ल ई गु गु
ये न ल ध क कन क न ने मु म्बाल॥ अठिन ल गुल सा जीत व हे त व धन
ध थीन था य स व या व भा म थीन मन॥ जी था य स व या व श्री साहादेव

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ६६ ॥

यातनि न्यायात वयगुल ज्ञा चायमुष्वालसाधकधावगुनेताव भेखधा
हनत भीनगुहित जुईगु वधकाधयात हन वियरित वसे लि जीन कुधा
चितन मनधवके जुवगु सियकाव अतन अतरध्यान जुयाव श्री माहादेव
रिपावतीन जुलसायु जाजयत यधुन कावधवके सली हा विज्याना वामा
धक सलताव मेन कारनिया मुदे सचोत विज्यातं ॥ मेन कारनिघसयु
धनलिया वतीन जुसा ईषुन निस्ते जया वियास विघनिसेनलीत काव
जुयाव ॥ श्री माहादेवया मुर्तिदयकाव यचामत कटयकाव सहितन नान
पु जाया वामा ॥ अर्घवियाव मनोरथवां हायायु भोयर मेभ्वर ॥ हल योल
थगुलि धर्मयात हंत श्रीसुर्येयातं न्दिन स्वयो ल अर्घवियाव चोत हंत
गयुरानदियाथ या आदिनयातं ॥ हन अवि मुनि अतीत अभ्यागत यनि
तदानया यागु ३ लितदान याक गुषतावा ॥ ६७ ॥ श्री नारायन अति

धकधावृष्टनेनावभेधधारिवृत्तधारिनधालं॥हेवालकुमारिजिनजां
 वेयरितवसेलिजीनकुधायधकगोरिभवानिवालकुमारियायेक
 रध्यानगुयावन्नीमाहादेवकेलासथेतकलुविज्यातं॥॥थनहिंगो
 केसलीहाविज्याना॥माममेनकारानियाथासव्रनावभोमामभोमाम
 ज्ञातं॥मेनकारनिघसयुनावमुदेसतयाव्रनानाषल्लानावचोमजुल
 गसधियनितेनलीतकावअनेगधसिकसिदातयुने॥यानावत्रीथजात्रा
 तकटयकावसहितननानासुगधधुयदियनैवदेन॥सगुक्तगुयकाव
 युभोयरमेचर॥छलयोलगुकेछलगुकोहितस्वामिलायमालधक
 गाल॥अर्धवियावचोतंहनयकादसिवुर्तआदि॥नानावुतयातहनअने
 गनिअतीतअभ्यागतयनिषुसुर्वनवस्रअन्नभुमि॥गुहितदतउलि
 ॥॥॥॥श्रीनारायनअतिरसतायावगरुदगयावसंघचक्रगदा

॥ श्री गुरु

॥ ६८ ॥

यत्नो नाव **॥** आकास मूर्ति नं यावती याथायसथेन कलविष्णुतं ना
तिसंतोष जुयधुन धन्य धन्य धन धी नवाल स वे लसनिसे तयस्याया क
तिभिर्भुक् कोतिकोती अघियनित्तदान युदार भोजनयाय धुन कल भो
स्यादान पुन्ययाना भोयावती क नतयस्यान जी अनी संतोष जुयधुन
धते नारायनया वचनरे नाव यावती न जुल सा धी नितियातं भोयं
पोलया चरन कमलस कोति कोटी न संस्कार भो नारायन जीत व
वद ल जुको जितयुख यानाव **॥** पुस च या ताव नृस्य वी ज्ञाय मा
वितती यातं धते यावती या विनती नेडा व नारायन जुल सा **॥** आग्य
वयुख लाय जुल सा जित उघटे सकने दे व भो यावती द को वुत या
सित उत म जुया व चो न ग्रथ म वुत **॥ श्री श्री श्री** स्वस्ति निघर मे श्वरी
नति निह तट **॥** आरा वदे वयुख लाय क ई व ध की आग्य द य व

सथेनकलविष्णुतंनावभागादयकंलंभोयार्वतीक्ष्णतयस्यानजीभ
वेससनिसेतयस्यायाकहनंभनेगतिथिजात्रायायधुनकल॥हनंकोतिको
नजनयायधुनकलभोयार्वतीक्ष्णनहुकामनान॥धुगुलियुकारननय
भीअतीसंतोषगुयधुन॥नतवरदानविययोवधकंश्याशादयकलं
नसांधीनितियातंभोयंरंवल्लभ्रीनारायनधन्यधन्यजिभाग्य॥कलः
शभोनारायनजीतवरदानमेवतामयव॥नगदिश्वरधीमाहादे
तावगुस्वधीज्यायमालभोनारायनजीतवरदानधुलिनगाकधकं
नारायनजुलसांभागादयकंलंभोयार्वतीजगदिश्वरधीमाहादे
भोयार्वतीदकोवुतयासिनतवधनगुवुत॥भनेगतिथिधीजात्राया
स्वस्थानिपरमेश्वरीयाधर्मवुतदनयाव॥भोयार्वतीधुयायुभान
इवधर्कभागादयकंलंभवते॥श्रीनारायनयाशांनेजवया

॥ श्री स्वस्था
॥ ८८ ॥

वर्तनी न वितियातं भो परं सवस श्री नारायन ध्वल श्री श्री श्री स्वस्थानिय
लसमस्त आशादय कसेवि ज्या हुने धकं विनतियातं ॥ ॥ ध्वनलियुन
वितिय कचित या नाव नेव ॥ हाया या व भुक्त पुया पुरी मासि सु कुनिसे ॥ ध्व
अं हान या ना व वा नि जाव व लस श्री मा हा देव पु जा या या ॥ ध्वन सि सं पु रा
गु सा मा गी ता ल ला त का व हु हु धाल सा ॥ सत छि च्या या अधि म धी ॥ सत छि च
व्या फो ल द्या फल स्वा न ॥ सत छि च्या तु ज ज मु का ॥ सत छि च्या ता स्वा न ने वै द्य
ग ध धु प दि य ने वै द्य ध मन क या थ्ये सा मा गी त या ना व ॥ षो द स र् उ य चार
म सं नृ कर नृ स क न स श्कार न चो से स्था य ना या य ॥ श्री श्री श्री स्व स्थ
या त के षो द स र् उ य चार न पु जा या य ॥ सत छि च्या ता न सं जु क या ना व वा व न
ली मा ल को क र्म धु न का व स्वा न को का या व च्या पा त अ थी म धी स गो त स
सा थ व पु त्र ल व ल्हा य ॥ पु त्र न म द त सा मि त्र पु त्र या त ल व ल्हा य मि त्र पु त्र

१.
स श्री श्री स्वस्थानियर मस्वरिया धर्मदने यात किधी युर्व क ग धे माः
तियातं ॥ ॥ ध्वनलियुनवीर श्री नारायन गुलसां आशादयकलं भोपा
युरी मासिष्ठु कुनिसे ॥ ध्वनतजो ने धुनतिसेली लुसिधना वनित्यनित्य गंगा
युजायाय ॥ ध्वनसि संयुर्ग जय वृध माघ सुकलैया युरी मासिष्ठु नु श्री अने
ध्याया अधि मधी ॥ सत छि च्या गोल अक्षतं ॥ सत छि च्या पाटय कुवात ॥ सत छि
सत छि च्या ता स्या न नै वै क फल युल श्री प्रणदर रु चंदन गंगा जल नाना सं
तिया नाव ॥ षोडस ईय चार न ईत्या दी नै व ने तथा वया व वारवनं लाय पुथ
याय ॥ श्री श्री श्री स्वस्थानियर मे श्वरियात ॥ नृयां गंगा जलनं अहमान
तान सं जुक्त या नाव वाषत लाय ध मन फळे ॥ जय ध्यान याय ॥ ॥ ध्वन
यात अथी मधी स गोल सहित दयका वयु रूष ला व लाय गुरुव मदत
यात ल व लाय मित्र पुत्र मदत सा ॥ ध्वन मनरा गुगुवां फा या ना उगुका मना

॥ निगुह ॥
॥ ८२ ॥

गुरीजुयमालधकग्यासिषयेनावतिथसचोयकलकोयधनंलिध
विधिथुलिङ्कनधधर्मवुतयाव॥ध्वेलसङ्कनमनवांकागुरीजुईध
भरमुर्तिश्रीनारायनयाआग्यानेनावयार्वतीयासनसभानरुजुय
तियातं॥श्रीनारायनधन्यधन्यकलयोलधन्यधन्यजिभाशकलबल
नियरमेध्वरयाधर्मवुतडेनेधुनधकंअतिहर्षमाननं॥श्रीनारायन
वोनं॥संताकारभुजगसयनंयफुनाभंसुरेसंविस्वाधारंगगरास
यनंजोगभिधीनगविवन्दविष्णुभवभयहरनंसर्वलोकैकनाथ
नकावसासतांगगुरीमयानावविदाविलं॥॥ध्वनलिश्रीनारा
मडयेदेसविद्यावअनानंअतध्यानगुयाववैकुण्ठगुरीविष्णुतं॥धकं
तिश्रीसकटउगुरीनेमाद्यमास्त्रेकेदारखेदेकुमारअगस्तसंवादे
श्रीनारायनरांश्रीस्वस्थानियरमेध्वरियासमाफ॥११०॥सद

यकलकोय धनं लिख मनया लनयाय ॥ भोयार्वती धर्मव्रतया
न मनवांकायुर्गुर्द्धकं आशादयकलं ॥ ॥ धनलि श्रीविष्णु
मीया मनसमानं जुगाव श्रीनारायनयाचरी सभो कपुयावविनः
यधन्यजिभा शकल लययादयानजीन अयुर्वकठा श्री श्री श्री स्वस्था
हर्षमाननं श्री नारायनयातयोदसईयचारनयुजायानावसिलोकः
संविस्वाधारंगगरा सदसंमेघवरी भुभांगं ॥ लक्ष्मीकांतकमलन
हरनं सर्वलोकैकनाथी ॥ ॥ ध्वयेधर्कसिलोकवोनावयुजाधु
॥ ॥ धनलि श्री नारायनरां गुलसां पार्वतीयायुजामानेकयावध
वेकुठयुर्विष्णुतं ॥ धकं कुमारन अगष्टयाहवने आग्यादयकलं ॥
~~कुमार अगस्तसंवादे पार्वतीनि श्री श्री श्री स्वस्थानिकथा उपदेशः~~
~~समाप्तः ॥ ११० ॥~~ ॥ सदउवाचा ॥ हे अगष्ट मुनि धनलि पार्वतीन

॥ श्रीसुखा ॥

॥ ८० ॥

जुलसा श्रीनारायनया आशुधे जयाविजयासविषयनितेन ली नका
वली लुसिधनकावयोष भुक्त्यापुर्णमसिषुक्तुनिते ॥ श्रीनारायनय
नसहितदयकाव नृसकनस ३० कारनचोसे श्री श्री श्री सुखानियरमे
चोन ॥ ॥ धनलिललक्षिसंगुर्णजुयावमाद्यभुक्त्यापुर्णमसिषुक्तु श्रीना
ताव नृसकनस ३० कारनचोस्य श्री श्री श्री सुखानियरमेस्वरिस्थायन
तगंगा जलतअधमानयात काव श्रीरादरक्तचंदनरांतितकाव सुगंध
सर्पचारनदयकाव पुजायायधुन कावा अर्धजोनावना ना पाथ
नुयादिनसतारकासुरलक्षिसुरत्रियुरासुरनामदेत्यनईदुपुभृतिनेति
नवानावतारकासुरनं स्वर्गतमध्ययातालदको जीतययानावा ॥ परमसुष
तिदेवतायारा जाईन्दुन जुलसा मनंभालयाव आवतुनियाधिष तारक
रनदतगधेधालसा ॥ ६ मालयपर्वतराजयास्याच पावतिन जुलसा ॥

सविधनिसेनली नकावमा हासुचिजुयावयक भक्त नउपासचोना
हुनिसे ॥ श्रीनारायनया आशाथं सतदि च्यातानसंजुक्तयानावसम्बः
श्री श्री स्वस्थानियरमे श्वरिथापनायानावषोदस पंचारनं गुजायानाव
क्रयापुरीमासिपुनु श्रीनारायनया आशाथं ॥ सतदि च्यातानसंजुक्तयाना
स्थानियरमे श्वरिथापनायातं ॥ धनलि श्री श्री श्री स्वस्थानियरमे श्वरिथा
पंदनरांतितकावसुगंधस्वानफलफूलपकुवानधुपरिपने वैद्यपोद
रघजोनावनाना माथन आरिवादफोनावचोनं ॥ धनलिपुनवीरद
नामदेत्यनईदुपुभुतितेतिसकोतीदेवतावसंग्यामयानाव जयपरजय
जीतययानाव ॥ परमसुषनकालहनावचोनं ॥ ॥ धनलितेतिसको
भावतुनियधिष तारकासुरसुमासुरत्रिपुराश्ररदेत्यमोचकेयातका
न्याचयार्वतिनजुलसं ॥ श्रीमाहादेवपुरुषलायनिमितीनि श्री स्वस्था

॥ निगृह्य ॥

॥ ८० ॥

निपरमेष्ठरियाधर्मवृत्तदनआवध्यायुनेन श्री माहोदेवव्यावर्तित्व
गर्भयुत्रजन्मजुईवधो मवालषननुनिजिजिसअमलावतीलीतकार
देवतापतिवोतकलको यावदेवराजइन्दुनआज्ञादयकलं॥ भोदेवले
साताकार्ललंदतयापीषुतारका॥ अरमहिषा अरत्रीपुरासुरनदैत्यन
निष्ठुतावका अरसंहारयायतकारनदत्तकुकारनधालसाहिमा
देवपुरुषलायनिप्रितीन श्री ३ स्वस्वानियरमेष्ठरियाधर्मवृत्तदनधो
तिवस्त्रीपुरुषजुईवभोदेवलोकध्वेवलसपार्वतीयार्गभातिपुत्रजन्मजु
ईषासुरत्रीपुरासुरस्याइवभोदेवलोक॥ श्री माहोदेवधालसासतिदेव
वमाहाकषनयावका मकोधलोभमोहदकोइन्दुीयचिनाव॥ पंरं॥ ल
स्रजगदिश्वरथथेतयानमजिलो॥ थसईश्वरयातजागर्तनायाय
दयकेमालधकविनतियात॥ थत्पदेवराजयाआग्यानेडावतेतीसको

न श्री माहोदेवनयार्वतीर्वनिनिस्त्रीपुहवजुयुवा॥ १ ॥ वेलसपार्वतीयाः
जिसअमलावतीलीतकायावविद्युवधं कंसनंभालयाव॥ सुयस्वकोति
नआज्ञादयकलं॥ भोदेवलोक गीनषष्ठगुलिविनतीयायगधेधाल
षाश्रुत्रीयुरासुरनदैत्यनंजिजिसअमलाकतीतेलातव॥ आवथय
नकुकारनधालसाहिमालययवितराजयायुत्रीयार्वतीनश्रीमाहा
रमेश्वरियाधर्मवुतदनथोवुतयायुभावनतंयुन्यनश्रीमाहोदेवनयार्व
तीयागभातिपुत्रजन्मजुईथलवालवनयाषीष्टतारका॥ २ ॥ अरुमई
माहोदेवधालसासतिदेवीमदयावउप्रतागुयावउत्रायंथसविज्ञाना
कोइन्दुीयचिनाव॥ पंरं॥ लयाजयधानयानावविज्ञातंभोदेवलोकथ
ईश्वरयातजागर्तनायायमाल॥ उपायकुयायमालसकलस्यानआग्ना
नयाआग्यानेशवृत्तेतीसकोतिदेवतातविनतीयातंभोदेवरजधनधन्य॥

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ८१ ॥

लपोलया ज्ञान ॥ छलपोलया वचन सत्यनखवधुका भो देवराज श्री माहोटे
सा प्रथम महु भो देवराज का प्रदेव छलवाहिकन मे वे देव लोक या सा प्रथम
बध भालया वन कारन वायु वे गन वाई देवता वीन कल को या व ॥ भो वा
ल ध कं आ शा दय क लं ॥ वायु देवता न गुल सोत कारन दना वरा जाई
ध कं वायु वे गन वना व का प्रदेव वीना हलं ॥ पुन वीर का प्रदेव नं देवराज ईन्द्र
राज न आ शा दय क लं ॥ भो का प्रदेव छ थ थें वना व ॥ उत्रा पंथ स वना व ज ग
लात पुरा हार या ना व जा गत ता गु के माल ॥ भो का प्रदेव थु लिया ज्ञाने ती
शा गुल धन लि का प्रदेव नं विन तिया तं भो देवराज ईन्द्र छलपोलया आ ग्य
या ना व व य ध कं देवराज ईन्द्र या चर स भो क पु या व वे ला का या व थ व अ म
थ स वने ध कं वनं ॥ ग थे वन धाल सा थ व ला हा नी स पु ष्य व ला जो ता व न्द व
या गिरि पर्वत या श्री खं रा या वा स व व गु फ स व य का व सित ल गु य का व व

शुक्रा भो देवराज श्री माहादेव जातनी जुय कैयात थन मेवे देव पति सजा श्रयां॥
कन मेवे देव लोक यासा मर्थ दुध कं विनतीयात॥ पुनर्वा देवराज ईदुन गुलसा
वता वोन कल कोयाव॥ भो वायु देवता धृथ थें वना वका मदेव वीना वहय मा
सोत कारन दना वरा जाई द्युया चरन स॥ भो कपुया वका मदेवता याथा वने
न वीर का मदेव नंदेवराज ईदुया चरन स॥ भो कपुया व विनतियाती॥ धन लि देव
ना व॥ उत्रा पंथ स वना व ज गदि श्वर श्री माहादेव माहा रुदुयानु गुलस पुष्प व
का मदेव थु लिया ज्ञाने तीस को ति देवता या उघ एस दया दय माल ध की आ
वरा जई नुदु लये लाया आ ग्या थें अव सेत ज गदि॥ श्वर श्री माहादेव जा गतना
पुया व वेला काया व थ व ज मला व तिलि हा वया व॥ थ व स्त्री रती सहित नं उत्रा पं
ती स पुष्प वला जो ना व नु व नु व वं सत कोया व को किल भु मल हाय का व मः
य का व सित ल जुय का व व संत व व थें गुषना ओ व नांतर सि मा पति थु लि जा

निगुह्य॥

॥८९॥

या वनानां स्थान हो या व भोल वन जंतु यानि सथ व थ व जात या ते ज थि का
काम देव जु सां थ व कला तर नि व ना घं ना ता कौ तु क ख हा ना व ठ ठा या न
म सिया सी व मा हा देव या क्रोध गु ई बल स थ काम देव ॥ ग थें तं जु य फ व
ला व ख ने म द य कं वि से व ना व चो नं ॥ ॥ थ सिया काम देव न जु स सा तं ॥
ख व ध की ॥ व न व नं हि ला व मा ला व गु लं थ थे गु व गु व न जं तु न र व ता व सो या व
त ज ग दि श्व र श्री मा हा देव न त य स्या या त स्या वि ज्ञा त पु न थे न क ल वि ज्ञा न
नं भो ज ग दि श्व र जित हुं न य धार दोष या से वि ज्ञा य ते व ई न्द्र पु भू तित टि स व
त हु नि ध की को से ह व या नी मि ती न छ ल यो ल या त ज ग त ना या य का म ना नं ॥ ज
य ते ना ध की ध या व ध नु र व या तां का र स द्द द य का व ॥ लि ग्व न वा ला दु या व न्द्र स्यो
व या नु ग ल स ला तं कं पु ष्ये वा ला न पु हा र या ती ॥ ० ० ॥ ॥ थ वे ल स श्री मा हा देव
ला पु हा र या तं ध की ये गु लि दी सां सं स्व क वे ल स थ व न्द्र ने काम देव न ध नु

वथव जातयाते जयिकायाव व्याघ्रु याव स्वकोषकोदको मोहयानाव
तुकरावहा नाव ठठा यानाव भोनंदेवलोकदको स्यातं थ ज्वा संगथे जु
का मदेव ॥ गथेतं जुयक वध कंधयाव ॥ का मदेव वनगु सुनान स्वयमस्त्र
या का मदेवन गुलसातं ॥ श्री माहोदेव रांतय स्या या नाव वी ज्वा क गु गन
गुवन जंतु नख नाव सोयाव दको मोह जुयाव चो न हन का मदेवन गुलसा ग
पात ॥ पुनथे न कल वि ज्वा नाव थ व मनरां यातं न रा प्रस्कार या नाव स्फुती या
याय ते व ई च्यु भूति तटि सको ती देवता या पति सेत क लयो लयात जागत नाया
जागत नायाय का मनानी ॥ जीन थ युषे वान त क लयो लया नु ग ल सी पुहा या
॥ लि ज्वन वाला दुयाव नृ स्या तथे न कल ली ज्वन सा लावा ॥ जगदिस्वर श्री माहोदे
॥ ॥ थ वेल स श्री माहोदेव जागत नी जुयाव थ जिनु गल स सुनानं युषा वा
थ क नृ ने का मदेवन धनुष ॥ जो ज्व चो न ख नाव मु सु हु न न्द लाव स्वतं ह न थ

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ८२ ॥

ब्रह्म गलस पुष्प बालाग्रहारया कषणावश्रुत्यक्त कोध गुयाव स्वगोलमिधान
लोचनरीमिषिहावव गुषणावकाप्रदेवविसेवनंगनजनकाप्रदेवओनअ
नवनसोनकनयानलेनिवमषतो धर्कयेषेनंमिनयदनादथुसतयाव
देवयावाननसेहलेयेमफयावमुर्छी गुयावचोतंहनंथवथ्यथमनंमुर्छी
नदवलाधर्कजवषंववृवनेयाग्याप्रग्याप्रदेसदेसपतीउल्लंतगुयावधाना
पसरगनकिनरगनसकलमिसागनयनिविस्तेवनावहेसुर्द्धितभुंषिह
गुलसांअकस्मात्नारदमुनिभ्वरवयावमनरांहीलावश्रीमाहादेवयाने
लसांयुलीनियातंगुयावहातजोजलयावदंदवत्तयानावमुसुहुननिलाव
समानसतिदेवीनगुलसांदक्षप्रजापतियाहेतोलातावहिमालयधर्वतर
जातगुसेविज्याताआवहलपोलसेनविवाहारयातावभानंदयानावा
लीनारुद्रमुनिशावाक्यडेनावश्रीमाहादेवनआग्यादयकलीहेनारुद्र

क्रोध गुणावस्वगोलमिधानमिपिकायावस्वकवेलसललातसवेगुनगुभस्म
 नंगनजनकाप्रदेवओनअनगुनधमिधानधानवनध्वनिविभुवनसंग
 मिनयदनादथुसतयावभस्मयातं॥ध्वनलिश्रीमाहादेवनजुलसांकाप्रः
 धोतंहनंथव्रथधमनंमुर्धनदनावस्यतंहनकाप्रयाववससलानावगनग
 देसपती॥उल्लंतजुयावधानावजुलथथेकाप्रयातुरजुवस्वयावअपराधनंअ
 विस्येवनावस्वसुर्धतश्रुपिहावयमकालावचोतं॥ध्ववेलसनारदुमुनिनीः
 गहीलावश्रीमाहादेवयानेवनेथेनकलवर्त॥ध्ववेलसनारदुमुनिनजुः
 वस्त्यानावमुसुहुनहिलाववित्तित्यातंभोजगदिस्यरकलपोलयायानः
 तोलतावहिमालयधर्वतराजयायुत्रीजुयावमेनकारानियाप्रभसगभन
 रयातावआनंदयातावविज्जाहतेधर्कनारदुमुनिनंविनतित्यातंध्वन
 तआग्यादयकलीहेनारदुअथजुलनावछलमिजुयावधर्वतराजयाथा

॥निगुह्य॥

॥८२॥

सथेथेहुनिविलंभयायमतेधकधयाव धते श्रीमाहोदेवया आशासिरस
भोतामहक लयो लकायहतासवसेविज्यानाजिनमालकोरबल्लानावभो
सिधयकावभो यथुकाक लयो लसेनकुधीधाकासेविज्यायमुमालध
यानावनानाषल्लानावकामवानसाततजुयकावनारदुमुनिनजुलसां श्री
वयवतराजयाके वनेधकंविज्यातं॥ ध्वेलसकामदेवभस्मजुवगुरतीन
भालतोकासदेवभस्मजुवगुथासयसथनकलवयावविलाययातंभोस्व
जितवोनावयेसेविज्याहुन्यधकंमिखानजलधाराहायावधेयोविहायकाव
याचुराततज्यातकावकपालनंहियाधारापिहावयकावघसघसयुनावस्म
वथेहालाव मुर्छाजुयावचोतं॥ हरांयेष्टादयकावबुलुहुनस्वापितकायाव
रयुतधकंहाहाकारनयोयावविलाययानाव धालंभोजीयानस्वामिजीत
पानगथधरलपावचोनेआधरुसंमयतक लयो लकामदेवजीक लयो ल

श्री माहादेव या आशा सिरसने शिवना द्रुमुनिनी जुलसां आशा दय कर्ल
जिन माल कोरव लहना व ओय थुका दिन या थास थो कनाना पीदय काव
धा का से विज्या य मुमाल धर्क हनंद को देव लोक पनिस निम गना या ना व
व नारद मुनि न जुलसां श्री माहादेव या चरन स भो कय या व वेला का या
का मे देव भस्म जु व गुरती न वात त या व शुनानि से विलाय या ना व थ वः
कल व या व विलाय या ती भो स्वामि जी त वा शिव छ ल यो ल जु को गत विज्या ना
रा हा या व थो से विहाय का व थ व क पाल स थ व ला हा ति दा या या व नाना त
य का व घ स घ स यु ना व स्म छ ह्री न लित पुन का व थ स थ मी यु या व उरि हा
व वुलु हु न स्वा स पित का या व ना गनं स्वा स त व थें मा सु का ल त या व जी सं सा
धालं भो जी या न स्वा मि जी त न छ ल यो ल ना र्थ ती व छ ल यो ल वि ना र्थ जी
त यो ल का मे देव जी छ ल यो ल या स्त्री रती जी मिसा छ ल यो ल भा लु तो मि जन

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ८३ ॥

ध्वतेन निगुलिदेह जुसायान क गुलिया नावचो नाथुका भो स्वामि गथे नृप
प्रतिनोलता व विज्याना प्रीतीया विधान थथे ला भो स्वामि क लपोल गन
नुसेय निव भ्राव क लपोल सेन गथे जीत तोलता व नृया लात का व क लपोल
अमिथ्यापे म जुया व थो न थ्व क हेतु विधातान गथे यात जिन म सिया क ल
लपोल नया त्या गया क गुवेल स क लपोल या सरिल वृत्ति जिमि घाने मुमाल
म्या लला नृपा लात क क लपोल सेन यान त्या गया से विज्यात थु गुप स्वात य
जीन म सिया हाय हाय शिव शिव भो स्वामि क लपोल सेन वना व विसे वन
यमा लला जिनु गल बालि जुय का वचो ने गुद व जीनु गल स विज्या गुजुल सा
लपोल या मुती जीन गन वना व स्वय सिव शिव शिव ध क पार वार ना म व
लसेरा स्वसे विज्या हुने जिभाल तो ग म तुजुल अथ जिम तु जुय भो यर मे
श्री मा हो देव या क पाल स चो न गुमि न मि व या क पाल स गां जि स्वामि यात

धोनाथका भो स्वामि गथे नृपां निसें थ तित क प्रतिया से विज्या ना व नृपाया
मेला भो स्वामि छ लपोल गन गन विज्या त अन भून जीत गवे वेल सम तोल
ता व नृपा लात का व छ लपोल गन विज्या ना थ लितो ये म धिर ति जु या व थो न ग
गथे या त जिन म सिया छ लपोल थे थे नो जु या क ग भ स्म जु ल जी मि घान छ
सरिल पुन जि मि घाने मु म्हा लला छ लपोल या म धुर व चत जी न कु ने रो मु म्हा
ग या से वि ज्या त थ गु प श्वा त या ना य न जी म्हा य गु ई क्षा म द त थ थे जु गु ध क
लपोल से न व ना व वि से व ना भो चो ने गु स्था न म लु या व भ स्म जु य व वि ज्या
जी नु ग ल स वि ज्या गु जु ल सा छ लपोल या त ग थि गु मान्द ई गु व व आ व छ
व शि व ध क पारि वारि ना म का या व ॥ भो श्री मा हा दे व जि क पाल सं छ ल पो
अ ध्य जि म तु जु य भो य र मे श्वर ॥ थ थि न गु अव स्था जां जी त गो वे ल स म च ना
क पाल स ॥ जां जि स्वामि या त आ कृ ति का य ध क धो न गु व म ते थ थि जा गु मि

॥ नि गृ ह्य ॥

॥ ८३ ॥

धर्कं जिनमसियाथ वृकपालसचोनगुमिनमेवया कपालसंकोयकेपुगुजि
जिस्वामि मृतुजुल आवजिनमृतुजुयहेदुरात्मापानजिभालतो गुगुजविज
व अरेमया फलजीभालतो धठे मृतुगुवृगुस्वयावृद्धपनिसेननेला भतिमुन
रक्षमि उयरसवृज्याघातजुयमालहे भमरहेको किलपनीसेनथवथववो
पावतय मुम्वालला धतेयानिमितिनिहपनि मृतुजुयहेवसंत श्रीमाहादेव
नतकोनावृद्धयाधुका जीभालतो मृतुपुयातकावृद्धमिसेनस्वयावृचोनेला
मुम्वालला धतेयानिमितिनिहेवसंत छगेवेलसंसिय मुमालला माधन
नरतिनजुलसां विलाययातं भोपुतयानसामान जिस्वामि हलपोलसेन
नेसे विज्यातक हलपोल विज्या कगुथास जीनमसिया हलपोलषने म
विज्याहुने जि कपालतज्ञातकावृद्धस्वर्गयारा जाईन्दन थवृकार्येसाधे
धारनायायधकमनरांभालयावृग्नी कंरादलदयकावृमिहोयकावृथ

रा कपास स छोय के पुगु जिन स्य मन ना मिया कपाले मि हे चो ना चोन **व**र्थन
पान जि भाल तो गुगु र वि ज्ञात **॥** छ नृया नृया वृन ना व जी तल भ ति के ना वृवी
वृष नि सेन ने ला भ ति वृ नुरक्षा या य मु म्वाल ला **॥** ध ते या नि मि ति नि वारं वा
के ल य नी सेन थ वृ थ वृ वो लि धित का या व **॥** श्री मा हो दे व या त भ ति वृ नु भु ल ल
जु य हे व सं त श्री मा हो दे व न ओ ध या त सां छ मि से न मो ह ल या व त ई ध के छ
छ मि से न स्व या व चो ने ला **॥** भ ति वृ नु थ वृ थ वृ य रा क क म या ता व र क्षा या य
सं सिय मु मा ल ला मा ध न दा जु की जा सं म द य मा ल ध के आ प वि या व ह
मान जि स्वा मि छ ल यो ल से न जी तो ल ता व **॥** ग न वि ज्ञा ता जी के भ ती न यां म
म सिया छ ल यो ल घ ने म द त य क जि चो ने म यु त न ना रां जि त द र्श त वि से
जा ई नृ त **॥** थ वृ का र्थे सा धे या य त भा व जि म्वा य म य ल **॥** अंत काल वृ नु वृ
द य का व **॥** मि छो य का व थ मि स दु धा डा व या न त्या ग या य **॥** थ वे ल स जी गु

विरहयासंतापदको अग्नीनका ईवथुका धकी। अग्नीं कुं रादलं स दुवायत
श्री माहादेव श्री परमेश्वरि न आकासवानि जुया व॥ आ ग्यादय कं लं भो
य मते ईयाययात सा क न स्वा मि का मे देव व नायं हो ने द ई ती नि थु का ध ह ता स
आ रं भ स श्री नारायतं॥ कं स त्या य या नि मि ति नि श्री कृष्ण अवतार क य
श्री कृष्ण न रु कि नि वि हार या ना व ह ई व थु वे ल स रु कि नि या ग र्भ न क न
काल व न धा ल सा॥ स म्बर दान व ध या त्म अ ते त दु र्ज ध न दै त्प मे च के या नि
थो का मे दे व या ला ह ति न म न्त्र गु गु गु गु या व चो न थ या॥ अ ते या क
य तो ल ता व दा सी या रु य गु या व मा या व नि धा या का व॥ अ म्बर दै त्प या था
का य धा य का व रु कि नि या ग र्भ न का मे दे व ज न्म गु गु नं ना र मु नि स म्बर
रा गु कृष्ण या पु त्र ज न्म गु ल ध र्क क न व र्श॥ अ वे ल स थु रा त्मा सं प्रो र दै
नि वि द्या पु त्र का स या ना व द को मो ह गु य का व थ का मे दे व वा ल व पु या व

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ९४ ॥

की॥ अग्नी कुं रादल स दुवायततयारयातां वचोनी॥ थवे लस आकां मार्गितन
जुया व॥ आग्नादयकं लं भोरती आसे आसे छन आस अग्नी कुं रादल स दुवा
होने दई ती निथु का धृता सचाय मते गथे धालसा॥ द्वापर फुले कलिया
मनि श्री कृष्ण अवतार कया व दारिका का स विहार यासे विज्याई व थल॥
लस सुक्मिनिया गर्भन क नस्या मिक्का मदेव जन्म का ईव कु कारन नं जन्म
स दुर्ज धन दैत्य मोच के यानि मिमिति नं जन्म का लवनां॥ थल दैत्य मृतु जु ईव गु॥
निन थया॥ थने या कारन कृता सचाय मते आव क न आ मोर तीया रु
माका व॥ थ म्वर दैत्य या था सवना वचो न हुनि हनं गथ्य जु धालसा कृष्ण या
जन्म जु लुनं नार मुनि स म्वर ना मदेत्य या था सवना व कृ मृतु जुया ल क न॥
वेल स थदुरात्मा संमोर दैत्य न माया रूप जुया व दारिका सवना व मोहि
थ का मदेव धाल व पुया व ह ईव॥ थ वेल स थ दैत्य न निर्मोही जुया व स नु

॥ निगृह्य ॥

॥ ८४ ॥

[illegible]

नल्लननजिभाहारनायालानधर्कथवालवनुयावकोईवथकासः
तिनिभवितवेसचोयावतवकारन॥थकासदेवसिईवमषुछनुयादि
मतिनिवनावजालतोसतईवथवेसवदेमसेजालसकेनाववईव
धर्क॥आजोनावसंवरदैत्यराजायातविलवईवथवेससथदैत्यसं
थआकायावन्मायायाकायावईवथवेससहनथन्यायाकेनकृष्णयापु
तवधीकलजुलनासथवेससहनथवालवकयावपुत्रतुंभालयावमिनकंछ
समासधकासलतईवथवेससहननृसपोततीनावचो॥भतितवधीकल
यंचवानविद्यादकोसेनावधुलिसंगुणिसयतुनंछनथवयदिआविद्यावतिव
कावति॥थवेससहनमनमनथगुणीजुईवथवेससहनस्वामिनायलाई
माधनचितदृढयानावुओयगुतोसटाव॥अग्नीकुरारयामिलिकायावथव
नामदैत्ययादेससदासिपुसुषनुयावचोतवनं॥थनहिरुनुयादिन

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ८५ ॥

सः सत्पलोकन नारद मुनिस्वरननुसां ॥ ॥ आमाहं प्रायोदेति या गृतवर्न
मालयपर्वतराजयाथासवयावव्याघनऊयावविज्ञाती ॥ ॥ ध्वनलि
निसासादकोमुनकावचायाग ॥ श्री माहोदेवयावतीयुतुलिकादयकाववि
वधकुचमकारनलितावचोनाविज्ञातकधर्ककोतुकचायावनादमु
याभवताहमाहप्रायाथकुज्ञायासेविज्ञानाधर्कधयावथयावतीनमन
गुलसांपुनामयासेविज्ञानाव ॥ धनियादिनसहलपोलयादर्शनलायध
गुयाफलपुलधर्कविरजिवजुयमालधर्क ॥ नारदमुनीनआसिरवादविया
वतमचायावआगादयकल ॥ हेवद्वलनहनजीतयुनामधर्कछायधय
ग्वाचदकोभोईस्पचोनकवुर्वागुवस्मयासिनजिथकालिमप्रजिप्रचातिनि
तिनथुगुर्कर्मयानाधर्कधावनेनावनारदमुनिनगुलसांआज्ञादयकल ॥ हे
वभयेकासेविज्ञानायाकारनकुलपोलयाकृपातंजीतकुभयमदुधुका

आमाहं मायोदेति या गुनवर्नना या नाक् गीति चरल पाववीनाथानावहिः

वविष्वाती॥

॥ ध्वनलिपार्वतिया जुसां चोस थीजोगिनि न जनप

यावती युतुलिकादयकावविहायानावलितावचोन गुनारदन मुनिनं वना

कधर्क कोतुक चायाव नाद मुनिन जुलसां॥ ॥ पार्वतिया स्या लस्य या वेहेमा

गधर्क धयाव थयाव तीन मननं दं दं तया सेविज्यातं ध्वने लसनाद मुनिनं

न स हल पो ल या दर्शन लाय धुन धन्य धन्य जिभा गप जि न हरि भजना या ना

भारद मुनीन आसिर वाद वियाव तलं ध्वने लस पार्वतिन जुसां नाद निषनाः

कन जीत युना मधर्क छा य धया पुना मया य ज्यो गप प्र गुवा छ थ थीन सन

न जिथ कालि मप्र जिप्र चाति निथु का जित कन जिथि या नाला ध्वन युयानिर्मि

तिन जुलं सां आज्ञादय क लं हे माहं माया ध्वन लहाना व माया या वसत या

पा कृपा नं जीत कुंभ य मरु थुका जित हल पो ल सेन ज्वाध माल याव जिजी

नि गुह्य॥

॥ ८५ ॥

हलपोलयाकयमचाथुका॥ हलपोलसेनसोसेविज्याहुने विवुवावुसाया
आतहलपोलयातजियासितंग्वाचभोवईसेचोनस्रकसववसांनावंहिगि
विवाहारयाताववियधकधयाव॥ थथेविवाहारयायगुषल्लायसुनी॥ पा
यधकभोमामभोमामधकसलनाव॥ हिसहुहावुनावविज्यावनावमाम
वविज्यानाव॥ मामयागलपोलपोतसलाहतिनतिजोनाव॥ भोमामभोमा
कोमुनकावधुलततयावभोजनदयकावुकतामधीदयवविहायानाव
हावुहावुलनहसवयावजितपुराणमधकधाली॥ थहुमलसनगुषल्लाय
कमचातयतपुराणमधायलाधकधयावनंअनांतुचोनाव॥ हुकनहाक
हिसियानायावहिसिमदयकावनानावहनावचोनकुथीहप्रसनिष्म्वर
मदमयय्यावहुयावमेहालाववलथथीनवुहाव॥ ॥ हानआम्वेले
वायातस्वलकुनिववावोनावस्वलकुनिधकी॥ पार्वतीनधावनेजानाव

ज्याकुने विवुवावुसायासामकलपोलथुका **ह**यमचावुठाकन्हिसमासेवि
मस्यकसववसांनावंलिगिलिगिवासनकवुधागुवसनापंसिलामिजुयाव
रयायगुषल्लायसुर्न **॥** पार्वतीभतील ज्पाचायाव **जि**सामयातकनाववि
नावविज्यावनाव **मा**ममेनकारनियामुदेसचंद्रमाचोनथेवानलातका
तिजोनाव **भो**सामभोसामधनियानसजिपिनेवनावसषीयनितेनदः
मधीदयवविहायानावसितावचोनाथासगनारांवलमसिया **दो**काः
॥ थंहुभलसनगुषल्लानव **जि**नजितह्यपुनामयानावुधायनितेनसा
तुचोनाव **ह**कनहाकरांधयावचोन **जि**मिलितेमजिकमजियकहिसि
कोनकथीहपुसतिव्यग्वरग्वरगु **ह**गोहगोलघानावतवगुथानावहिसिः
व **॥** **॥** हानमाग्वेलेसंमखानागधिनहिसिमयु **॥** आवतलेदनिव
॥ पार्वतीनधावनेजनावमेनकारनंजुलसां **थ**जोनारदमुनिगुगुध

॥ श्री स्वस्थ ॥

॥ ८६ ॥

धं कं मनं भालयाव पि हावयावयाव स्वक वे लस नार मुनि वनाव दंद वत्त
द वत्त युगा मया नाव लिलात चाय काव सिंघासान सतयाव विज्यात
कल ॥ भोयर वत्तरा जहि मालय जि गुषे डे डो कुधा लसाध न्यध न्यध भाग
यधुन छान धालसा ॥ आ मोहन कं न्याई माना मगु या चोत लकं न्या गन लधा
धकं छ लपोल सेन यनि सेन मसिया ला भाव था सयात सुवलि से विवाहार यात
न्या जुलं श्री माहा देव या सती थुका ॥ श्री माहा देव या ना मसि वध कं ध्व कं न्या
पर वत्तरा जहि मालय नं जुलसां ॥ भाव भा ग्या दय कं लं हे नारद मुनि अवर जी
याव चो न लया ल्या च भन लथेल ॥ जगदि अरया के गधे न लाई थथी न भा
ध जी जी ल्या च उ मा भ बा निष याव चो गु जुलसा ध्व भव संसार स जि उधार जुल
दय कं लं भोयर वत्तरा जह लपोल हाता चाय मु म्वाल भा ग्य उदय न नागं जुयु थु
से विज्यात नानं हि मालय नं मेन कारा नि नी ल उधार मगु लसा सुई छार जुयु ध

नारदमुनिवनावदं वदन्त्यातं ॥ परवर्तहिमालयनजुलसां पिहावयावदं
सानसतया विष्णुपातकं लं ॥ धनलिनारदमुनिनजुलसां आशादय
रुधा लसाधन्यधन्यद्भाग्या आवरुतभागे उदयजुवप्रनावजिअतिशुसिजुः
पाचोतलकं न्यागनलधा ॥ लसागधीनलधालसा धवैलो कयासामथका
गतसुवलिसे विवाहुरयाताववियधकं धमिसेनमननं भालयावचोना धर्क
गनामसिवधकं धकं न्यायानामसिवायधकं ॥ नारदमुनिस्वरनं धावनेडाव
कं लहे नारदमुनिश्वरजीधधीनलमक्षमं रादलसयवतराजहिमालयनजुः
गके गधेनलाई धधीनभा गजित गधेनदयुधलपोलसेन ॥ आग्यादयकाथे
भवसंसारसजिउधारजुलधकं धावने नाव नारदमुनिश्वरनजुलसां आग्याः
भा ग्य उदयननागं जुयुधका ॥ धधीनलजगत्माता धनजन्मा कालवलजन्मका
रमजुलसा सुईछारजुयुधकं धयाव नारदमुनिश्वरनजुलसां ॥ आवधथेमधुः

॥ निगुरु ॥

॥ ८६ ॥

तो ध्वं कं न्या माजी वाहा श्री माहोदेव या य मा व धन ल ग्न वेला सहित थी क या व ना
विया व नारद मुनि श्वर न जुल सा भनानं भनं र धान जु या व अरा व ति व ना व ई न्द्र मु
नं धन लि ई न्द्र यु भू ति ते ति स को ती देव ता द को सु सि जु या व नार द या या ने व ने
ला स व ना वा ध्वं क ना व ल ग्न य त्री का विया व ना था मा ल ध की ध या व नार द
ली नार द मुनि जुल सा लं त कार न के ला स थे न का वा श्री माहोदेव या चर न सं
या आ शा थं जि पर्व त रा ज हि मा ल य या था स व ना व क ल यो ल या त ध र्क पा र्क
स मे तं विया व व य धु न भो ष मे श्वर आ व थो षु रु या दि त स क ल यो ल प र्व त रा
दु ते रि स को ति देव ता लो क या त नि म व र्नी या त क ल हो य मा ल ध की ध या व
र द आ व ध्वं ज्ञा सु ना नं या गु ह न मा ल को सा मा गी द य का व व ला वि षु ई न्द्र
हो य मा व न नां य र्व त रा ज या था स व ने नु यो ध र्क भा ग्ना द य र्क ध्व वे ल स ना
नि म व ना या त क ल हो या व मा ल को सा मा गी द य का व ल स ल व ने ने य क ल

मम वेला सहित थी कया वनावल गनय श्री का **गु**ली हेमाल ये पर्वतराज यातः
जुयाव अरावति वनाव ईन्द्र प्रभृती देतिस कोति देवता यनिसा **द**को समचारक
सिजुयाव **नारद** या नेवने धालं भोद नदर मुनि आव कल योलन नाराण के
माथ्यमालधकी **ध**याव नारद मुनि कैलास वने धके पुस्थान यानाव ओनं **ध**
वा **श्री** माहो देव या चरन संभो कपुयाव विनतियातं **भो** परमेस्वरि कल योल
वा कल योल यात धर्क पार्वती लहाना वदिन या थे कनादय कावल गनय श्री का
या दित स कल योल पर्वतराज या के सविज्या यमाल **ह**नं वृत्ता विष्णु प्रभृति ई
कल कोयमालधकी **ध**याव श्री माहो देवन जुलसां **अ**न्यत्र सुसिजुयाव भोना
दिदय काव वृत्ता विष्णु ईन्द्र प्रभृति सकल देवलोक यातरि प्रं नना यात कल
ई भागादय के **ध**वेस सनारद मुनि न जुलसांत काकारनं देवलोक याथा स
काव लखलवने ते यकली ॥ ॥ **ध**नलि श्री माहो देव या विवाहा **ध**र्क सि

॥ श्रीस्यस्था ॥

॥ ८७ ॥

गं नमधपातालसचोतवृत्ताविष्णुइन्द्रप्रभृति सकलदेवलोकयातरिाम
तितेति सकोतिदेवता गतरा जागनसहित सकलें नानाचित्रविचित्रयातिसान
नभनेगईत्यादिवाद्याथातकावना नागितया नावदकोदेवलोक राजालोक
पसरागनप्याषडयकावदोतं ॥ गंधर्वयनि मेहायकावसेतववंनं ॥ हनवृह
स्वर्गयारा जाईन्द्रप्रभृति सुयस्वकोतिदेवता यनिसेनलीतकावविष्णुतं ॥ ह
भंदारिजुयावविष्णुतं ॥ नानाचित्रविचित्रयावसतनपुनाव ॥ गंधर्गंधर्वकिं
यावलसनाजितयाववतं ॥ हननारदमुनिनजुलसा श्रीमाहादेवयातछाया
यान्देनेवतं ॥ ध्रुवलसनारदववषनाव आववनेतेलभालयाव श्रीमाहादे
साविनतियातं ॥ भोपिमाविवाहारयायतअमथीनलाकंवनेलाभतिनाय
नयान्देनेवतं ॥ अथेथगेविष्णायतेना ॥ आप्रजटादकोमुताकाव ॥ सयनचिसेति
तचितकंहनं ॥ हिरमोतिमातिकयामालातं ॥ जासिकलराजापुभृतिनको

सकलदेवलोकयातरिमन्त्रनायातकलकोयावयावपुष्पाविष्णुईन्दुपुम्भ
 नानाचित्रविचित्रयातिसानतियावभोसतनतियावपुष्पाभलंकारंतियावलंह
 दकोदेवलोकराजालोकलसवलनेधकंधयावतयारगुयावचोतंन्यायाभ
 यकावसेतवन्नं॥हनपुष्पायोहितवरकर्ता॥श्रीनारायनरांविज्यातंहनं
 मेसेनलीतकावविज्यातंहनंमक्षमरादलयाराजायनिसक॥स्पेन्नंकुवेर
 मतपुनाव॥गंधगर्धवकिंनरगगायनिवन॥हनवायुवअग्नीवमेलयजु
 साश्रीमाहादेवयातकायलपोधक॥निलाहिलाववनावश्रीमाहादेवा॥
 तेनलभालयावश्रीमाहादेवदनावविज्यात॥थवेलसनाएदमुनीनगुला
 निलाकंवेनेलाभतिनापं॥गायायमृमाललाधुलिमहिंदेवलोकराजा
 मृताकाव॥सर्वनचिसेविज्याहनेधक॥मनुकलितकायावगताससर्वनः
 सकलराजापुम्भतिनकोचावसकलसर्पकोचावगुलीनछलयोलथीः

॥तिगुह॥

॥२७॥

त्रैलोक्यनाथ जु यावच्छल्योलसेन॥ कोषायस्वभामलाकहिरामोतिमानि
सुयामदुगुतिसावसतनपुनेमावधकं॥ कोचयामालानकोषायकलं॥
स्पयनायाकसकलराजागनरांयाकगुयानानं॥ छलपोरयातत्रैलोकेना
छल्योलसेनरातुकविभुतिनवुसेविज्जाहुनेधकंवितिवुयकलं॥ मनिमय
यावचोनसुयामदुगुसर्पयातिसानतियाथासथासतियावविज्जाहुनेधवे
राधनिसेनधायकमावधकं॥ सर्पयातियासतिसानथासथासलोयकति
स्वानमालानंजांसकलराजापुजामनुष्यपतिस्येननापकोषाय॥ छल्योल
देवयासिनंदेवच्छल्योल॥ ध्येतेसुनानंकोषावमदुगुमुरादमालानकोषायक
वच्छल्योलयातत्रैलोकाथधाईवमधु॥ भीनभीनहनभिनभिनगुवसुजं
नगुकापतघनेसुनुंमिसातदकोमुनकावकेनेहईसकलमिसागतदुधायस
हईसकलमिसागतदुधायसध्वतेयाकारननंसुनानंमतिलगुधुछेगुलिन

ममलाकहिरामोतिमानिकखनेसुनुकन्यायासामनं लोभयानाकाययुं
मालानकोषायकलं हनकसुरिचंदनरांजांसकलराजागनयतिसेन
लपोरयातवैलोकेनाथधाईमसुसुनानंमयाकगुयायप्रावधकंआव
विवितिवुयकलं मनिमययातिसानहुस्वभाविगु सकलराजायतिसेनतिः
सतियावविज्याहुनेथ्वेलसथनलयुहगनंदवलाधकंसकलराजाग
नथासथासलोयकतियकलं स्नानमालानकोषायातस्वभामलाक
ननापकोषायु लपोलसेनजांदेवतायतिसेनयाकगुसमेतयायमगुः
मुरादमालानकोषायकली भिनभिनयातयतवरकापतयावसतनयुना
महनभिनभिनगुवसुजांसकललोकनलोभयागुहनेकंन्याआसामनभी
सकलमिसागतदुथायसमोहनिसयिनंदई थतेनलोभयानाकायुवकेने
नंमतिलगुधुकेगुलिनतिसेविज्याहुनेथ्वेलससुनानंलोभयायफई

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ८८ ॥

वमधुधक्षगुलिनतियाकावथासथाससर्घनचिनावविलंबिवाहारयातवनि
चोनाववचोनिनावसकस्यानंयाकगुल्लपोलसेनयानानंहुस्वभाल
कंसकस्यानसियु॥ जिआमोवुवादोहोगसेविज्याहुनेधकंदोहोलगय
हिमालयप्रवतराजमेतकारानियानेवनेजिवनीमयानावराथेधुनहन
हुनयमतेवउयासयानावचोनेमावहनंथतेयाकारननं॥ गजियसधत
नेधवेलसपित्ताईमधुधकंधयावनारदनंगथेगथधालभधे॥ यान
तंधुगुलियकारतंभृगारयातकावश्रीमाहादेवनेवावनेतयात्रनारदमु
यानेवनेभाग्यादयकला॥ ॥ ईती श्री सकंद उपुराते माघा मासे केदा
हारपुवेसकथा ॥ ११ ॥ स्कंद उवाचा ॥ हे अगस्त्य निधन लिह नं श्री मा
पिसाचादिपनि अनं वलथनं वलधकीधायमययक असंख्य जुयकं उत
गुलिनधुलवोयावअकाससंवायुमानजुगावश्रीसुर्येयातेजनायंखने

वविलंबिवाहारयातवनिव्वेलससलकिसिरथ॥ मिचानासुषणलसः
 ससेनयानानं कुस्वभालाकमधुसुनानं मयाकथेयातसा॥ वेसोकेनाथाध
 णाहुनेधकंदोहोलगयकली॥ हलपोलथथीनलधकंजिनमालकोखः
 मिमयानावठाथेधुन॥ हनजिनकताधायकुधालसाविकाहारमधुतोले
 कारननं॥ गजियसधतुरभलमकिंल्याकेवकक्षागवनयावविज्याहु
 गेगथाधालभथे॥ यानावगजिधतुरयसआयाममिंकिंननयावविज्या
 न्पोवन्नेतयाव॥ नारदमुनिनजुलसानायांनयंवली॥ धर्ककुमारनअष्टः
 उपुरातेमाद्यमापेकेदाखदेकुमारअगवसंनारे॥ श्रीमाहादेवविका
 वनिध्वनलिहूनं॥ श्रीमाहादेवयाव्याहालेलस्वलवनेमालधकं॥ भुतयुत
 यकअसंख्यजुयकंउत्पानिजुयाववलीथथेभुतयुतपिसाचगतवव
 श्रीसुर्येयातेजनायंखनेमदयाववनं॥ हनभुतयेतपिसाचगतयनिसेनद

॥ निगुत् ॥

॥ ८८ ॥

को गथे बल धालसा ॥ गुलितितितिं नु याव वली ॥ गुलितुतिवावा स्याना वली ॥ गुलिकि
गुलिहाक हाहाकार सवदय का वली ॥ गुलिं जय माहादेव धर्क हा ला वली ॥
याव वली ॥ नाना भेष या ना वया वन ह याव भूमि स चो न गुधुल क या व अ का स मा
न क ल छो या व व धा ई या क गुथे सवदय का वली ॥ थु गुलियु कार न गुलितो
ल स ल व ने वे ल स स क ल रा जा ग न न या क थं या ना व ह ॥ स्व भा म दु सुं ना नं म या
चो ने म फ या व ॥ गुलि म त द त उ लि म त मु स्या न द को ति तिं नु या व ला हा ति न द
थु का वे ने गुध कं व द्या सु ति गु या व ॥ श्री मा हा दे व या ज वं व वं स चो ना व व नं
ज न द को भी नां तु ई स्य चो ना व चो नं ह नं गु लि स्या नं ला हा था ना व ॥ गु लि स्या नं
ल क ध कं तु नु या ना व स व द य क ल ॥ गु लि से नं ही ही ही ध कं ही ला व स व द
व सि ता व नं नं ॥ थ थे गं दु गो ल स व द य का व ॥ गु लि स्या न ग व ल नु य क च ता
कार या ना व व नं ॥ ग व स से न गु गु व ला ता ॥ ग व स से रा ग थे धा ल थ सु ना नं कु

वावास्यानाव्रवली॥गुलिकि लीकिलीसद्वयकाव्रवली॥गुलिंसाहायाथानाव्रवली
हादेवधर्कहालाव्रवली॥गुलिसजकफलहनतयाव्रवली॥गुलिविकतस्वतयजु
नगुधुलकयाव्रअकासमागीतसहोलाव्रवली॥गुलिस्थानयर्वयालोहयोलाव्रकृती
॥थुगुलियुकारनगुलितोडेयदुदतर्तलीतोर्तयदुयानाव्रवली॥हनंथव्याहातस
वहुं॥स्वभामदुसुनानंमयाकथेंयायमालधकं॥भुतगरायनिसेनतुगुगुथास
तिंतिंनुयाव्रलाहातिनदायादायामतस्यानाव्रवली॥विउकवनेगुसुयामदुथथे
जव्रंषव्रंसचोनाव्रवनी॥श्रीमाहादेवयाकयालसचोनगुभस्मलोचनयाते
लाहाथानाव्र॥गुलिस्थानंवाकटटनसद्वयकली॥गुलीस्थानंलकलक
हीहीधर्कहीलाव्रसद्वयकली॥थव्रथव्रयासानियनिसव्रनायंदायादाया
लिस्थानगवलनयकयतावानाव्रकोती॥गुलिस्थेनतेसालल्यानाव्रलकारय
गगथेधालथसुनानंहुंसियकेमफुमानुयलयकारजुर्कयतवागाथे

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ २२ ॥

भुतयुतसिसाचगनपिहाब्रयात्र॥ ज्वलुस्यानसिमालीनाब्रधनाधक
ब्रयोगाथेंगातकेधकंभकाससहोलावकोतंगुलिनंयोगातथेगा
स्वलवदेवताईन्द्रादितेतिसकोतिदेवतालोक॥ राजागतयनिथवथवजि
स्येवनावतातायाकाषाकवृजुलो॥ हनश्रीनारायनराजुलसांवलसाया
ओनावजीशिवनेमयल॥ हनयवराजहिमालयनजुलसांथथेवलजु
नृपालातकेवनावयवतराजयातयाहेससमधारयानाचोनवनेनुर्यो
विसेवनव॥ नृपालातकेवतराजायाहेवनेधकंविज्ञातं॥ ॥ ॥ ॥
यनिजुकोनृपालि॥ याविसेवनवनावश्रीमाहोदेवनस्वयावन्मिलाववि
सांथवल्ल्याचयार्वतिर्कृत्यादानविययातथवलातमेनकारानियानेवने
त्यादानविययातमालकोसामागुतियारनाललातकिबृहतातेतिसको
समेनकारानीनजुलसांथवस्वामिया॥ आनेडावमालकोसामागुतियारया
नदैत्यदानवअयसराजननागलोकदसदिगयाल॥ पृथीसदकोवलसनयनिव

नमालीनात्र धनाधकं गोनात्रवर्तनी॥ यवतसचोनगुलोहचापोलापोतचिना
नंगुलिनंयोगातथेगातकलंगुलितुकारनंउयदुवयावजुवस्ययावल
जागतयनिथवथवजिब्रक्षायायनिर्मितीनदसदिगसभागसंविसेवि
यनराजुलसांबुलायाकेनेधातंभोबुलाथथीनगुउयदुवजुवगुथायसः
यनगुलसांथथेवलगुषनात्रआभ्यर्थ्यायावग्यानात्रचोनिवभिजीः
गरयानाचोनवनेनुर्यो॥ धकंधयायावश्रीनारायतवश्रीबुलावनिष्ट
धकंधिज्यातं॥ ॥ धनलिईन्युपुभितितेति सकोतिदेवतावराजागत
वनस्वयावन्मिलावविज्याकगुलधनलियवतराजाहिमालयनगुल
तमेनकारानियाकेनेआशादयकलं॥ भोस्त्रीमेनाकाआवयावतिकं
गतकिब्रहततेतिसकोतिदेवतानिमंत्रनायावधकआग्यादयकल॥ धवेस
लकोसामाग्रीनयारयानाव॥ गुहृवृस्पयतिअवितेतिसकोतिदेवताग
थीसदकोबुलनयनिवोतकलकोयावसुवर्गायाकलसजबववतयावथा

॥ निगुरु ॥

॥ ५६ ॥

सथासयतिविजयमानयेनावधजहउयताकाचामलबोरकावभसुसंग
जयाआज्ञाथेसुयस्वकोतिदेवगतदकोबुलनपनिबुयावथीथीकुंसलवी
नलिहिमालययवतराजनजुलसांमालकोसमुर्तीतयारयायेधुनकाव
वतियकावरनमालानकोसायकावधमनंक्याथेह्यायलयावसषिया
निदकोसेनस्वतकावभशसालासतयावगुरुहसयतिनजशभारभंयात
हनयनिसेतचतुर्वेदयदलयावचोनहनबालानयनिसेनयुरानादिया
न्यायनिसेतयातयतंवरयातिसानवस्वनतियावतीयावमनिमानिकया
यावलेयनायानाव॥यार्वतीयाजववसचोतावचोतावनंदनगंधर्वकन्या
अयसरायनिध्यावहुयावनातामंगलजात्रायानावचोन॥धनलिश्रीन
थासथेनकलविज्ञानावायवतराजयाहिमालयनेवनेआग्यादयकलीभोय
नहुहुवनिधतथेनिनधवमालगुसराजामतयारयावधकधावनेनाव॥ग

मसबोयकाव॥ अष्टमंगलनर्तयकावहिवेदेहयानावचोनं युनर्वारयवतराः
निवृत्त्याव॥ धीं धीं कुंसलर्वीतयानावथवथवआश्रमसविज्ञातकावतली॥ ध
रितयारयोधेधुनकावथवयुत्रीयावतीयात॥ जरिजवाययावस्वनतितका
याथेछायलयावसषियनिदकोजवषवसतयाव॥ गामसचोकोमिसागतय
सयतिनजशभारभंयातकावचोनं॥ ॥ धनलियुनर्वारदकोअषिवा
नयनिसेनयुरानादियाथयातनावचोनं देवर्कन्या॥ गधर्वर्कन्याकिनरर्कः
वतीयाव॥ मनिमानिकयातिसाततियावकेसरिकस्तुहि॥ श्रीरवदनं अंगसव
वचोनावनं हनगंधर्वकन्यापतिसेन॥ गीतयानावकिनरयनिसेतनास्थानाव
चोनं॥ ॥ धनलिश्रीनारायनरां श्रीबुल्लाहयालातर्कयवतराजाथायाः
नेवनेआग्यादयर्कली॥ भोयवतराजहेमालय॥ श्रीमाहोदेवथेनकलविज्याई
रयावधकधावनेनाव॥ ॥ गामयायुरवासिमिसासुचादकोसकललोकदना

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ १०० ॥

दनावस्वयावचो न हनं यवंतरा जमेन कारनि त गुलसां मिवालिम को
गामयापुरवासिमिसा स्वचापु जागत सकलसेन गथेवन धालसा
निसाकि निदको पुधमगन दको सयां तिसा वसतं कुमदुपो ची लपो ची
ली कि सीहाला व ग्वलस्या नहि हिहाला ववलं ॥ ग्वलस्या तल कल कल क
गोलनहाला ववलं हनं नारदमुनि नेवने नृवने तयाव ॥ दोहो गया व विसव
थाहा ववस्वया वयवंतरा जहि मालय मेन कारनि गामयापुरवासिदको से
तिन ग्याना व ग्वल ग्वल गत गत चोन गथे गथे चोन अथे अथे चैतन्य गुय
अथे चो नाव चो नाव चो नी ॥ स्वस्वया वयाव श्री नारायन नं गुलसां थववत सथ
अथे तने गुय का अधिमदय का वथ जशस कं न्यादा तयाय जिईवम ॥ नान
कि निसां कि निय निसेन गुलित मा हो देव नायं व गोप निदत ॥ उलिस क स्या के
युंत पि सा च दा कि तिसां कि निस कल यां घ्या वन दुय सा मर्थे मदयाव ॥ जसे

न गुलसां मिषालिम कोसे स्वया चोतं **थ** यर्वतरा जहि मा लय मेत कारानित
 मत गथे वन धालसा **ग** गथे **॥** यो गा के गुथे भुत युत गरा पिसा च गत **॥** दां कि
 सत **कुं** मटु पो ची लपो ची ल गुया व चोत य नि ति ति तु या व वलं ग्व स्या न कि
॥ ग्व स्या त ल कल कल कल स द न द य का व ग्व स्या न **॥** जय श्री मा हा दे व ध कं गं ड
॥ दो हो ग या व विस व द न ड कु लियु या व दं मरु था ना व य र्वत न था हा व ल
 ग्रा म या गुर वा सि द को से तं थ नि या दि रा स थ कु गु य ते न थ ग ठे जु ध कं **॥** ग्य
 न थु थे अ थे थु थे चै त न्य गु या व सु ना न कु धा य म फ या व **॥** ग थे चो या व त रा पि चो न
 न नं गु ल सां थ य र्वत स थ थे भु त यु त ग न पि सा च ग त व य का व स क ल म षे ग त
 त न या य जि ई व म **॥** ना ना ई य द्र व या ई व ह रां थ भु त यु त ग न पि सा च ग रा दा
 प ति द त **॥** उ लि स क स्यां के चो न ग स क्ती लि त का या व विलं **॥** थ वे ल स द को भु त
 य सा म र्थे म द या व **॥** ग से व ने सा म र्थ म द या व **॥** आ दा सु या म द या व य र्वत स

निगु ह ॥

॥ १०० ॥

थाहावनेमयुक्त^३ध्वेलसकलनिसेराव^३वीरभद्रमांकातिवनिसेन^३वी
नयाघनहुयाव^३गोयायाकारनरांत्पानुसेवयावध्वयवतसथाहावनेमयुक्त
आधाजुलमदतध्ववरयात्रासववयनिषकुनेकेमुमाललाहेयरमेध्वरजिय
सामर्थमदतध्व^३गवलगोलतुलावचोनेध्वस्ययाव^३वीमाहादेवनजुलसां^३थ
चायावधालेहेगनरायकवीरभद्रमाहाकातिवनिसेनअमथेगोलजे
वनिस्वस्ववयवतयाचोसथेनिगुतुन^३हनेवनेमुमालअथेनेसुनंयवतराज
वनिस्वस्वकामतेध्व^३धावनेनाव^३सकलगनयतिसेनहचगातकविनतियात
याविवाहारसवयाव^३थथीनभती^३पित्यातकावजियनिसजंअतिनेशुसावाजुल
ग्यादयकेलेहेगनयनिआवकुयाय^३जिजुलंविवाहारयायहतासचायावजिजु
मतथुकाहननारदमुनितंविवाहारमधुतलेनय^३कुप्रतेवधावयानिमित्तिनजी
दकोसांअआहाजुलधालसाध्ववृषभगायकावयेनेवांयोधक^३नारदमुनि

विरभट्टमाकालिबनिसेन श्री माहादेव याके विनतियातं भोयर मेस्वरता येने भु
यावध्वयवतसथा हावने मयुतो हरणं अतिनयित्या कय्या सचाया वं डो से वने गुअ
नके मुम्बालला हेयर मे श्वर जियनिष्ठ जायित्या कय्या सचाया वानु जुयाव सुयो
ययाव श्री माहादेवन जुलसो ॥ थवनाय वव गतयनि अश्रधा जुयाव अतिकरुता
कालिष्ठयनिसेन अमथे गोल गोल तुले मते यवतरा जया के धेन थुका ॥ हुहु
ने वने मुम्बाल अथे ने सुनं यवतरा जनक्यनिसतत्कारननं सकलयातं नके थुका हता
यनिसेन हहाच गात क विनतियातं हे पर मे श्वर कलयोतथथीन लोके धनाथ
वजियनिस जा अतिने श्रुसावा जुल ॥ वने मयुत धाली ॥ धवे लसहन श्री माहादेवन आ
विवाहार याय हता सचाया वजि जुयाया निमित्तिन ॥ जिजे सद्यनिसन के लोत्तम
नय ॥ कुं प्रते वधावयानि मितिनि जीन कुं नयाम वयानि थुका ॥ आवकु याय क्यनिस
मावयेने वायो धर्क ॥ ८ नारद मुनि कल वाहिक न मे वदके ॥ भुत युत पिसाच दा

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ १०१ ॥

किं नि सां किं नि विर भव दु मा हा ति यु ति भ ति स क ल आ त थ व जे लि स त या न मे ति
हा वि ज्ञा तं ना व य व त रा ज या ज श सा ला स श्री मा हा दे व धे न क ल वि ज्ञा तं ॥ ग
का व जा जु ले मा त नं ते ज पि त का या व स्व जे ल मि धा नं हे गु लि व री जु य का व
व सु सु हु न ने ला व ॥ मा ता व चो न गु स र्य द को स्या तं ॥ फुं फुं फुं फुं स व द पि त का य
या ता व वृ खं भं ग या व ना र द मु नि ने व त या व भु त पि सा च ये त नं दी भु नि यु
या का व श्री मा हा दे व न जु ल सां भु भु स व द द ये क डे क पु या व ज श सा ला स वि
सां भु ति शु सि जु या व वि ज्ञा क गु जु व या नि मि ति न थ न चो ने थ न म चो ने ध व
सं धे सं धे भु त ग न ष ना व ॥ अ धि म द या व चो न या नि मि ति न ॥ थ न वि ज्ञा हु ने
न कुं धा य म फ या व सु मुं चो नं या का र न रां ॥ श्री मा हा दे व जु ल सां स फे क तु ये य
त या गु हे मा ल य व त रा ज या त ध कं ला या व त या गु ला सा स वि ज्ञा क गु ला
तु ये य जु ल म न का व ॥ श्री मा हा दे व या त ला या व त या गु लि ला सा स फे क तु लं

लयातथवमोलिसतयात्रोलियाद्यावावृषंभससवारजुयावृयवतनथा
 माहादेवधेनकलविज्यातं॥गथेविज्यातधालसास्यकोषकोमोक्तजुय
 ममिषानंहेगुलिवरीजुयकाव॥भतिभतिमिपिहावृयकावतुलुतुलुनस्यया
 च्यातं॥पुंपुंयुंपुंसवदपितकायकाव॥भतितवानलातकावमायास्यस्य
 व॥भतपिसाचयेतनंदीभन्दिपुथमगतदुकिनिसाकिनिगराहसंमद॥
 येकडेकुपुयावजशालासविज्यातं॥॥ध्वेलसश्रीमाहादेवनंजुलः
 भतिनथनचोनेथनमचोनेधकंहुंससियावाहेमालयवृत्तनंराजनंअ
 नेनयानिमितिनाथनविज्याहुनेधकंहुंधायमफयावचोतं॥मेवदकोसा
 सामाहादेवजुलसांसेकेकतुयेयगुलोलमनकाव॥श्रीमाहादेवयातलायाव
 तयागुलासासविज्याकजुला॥नवर्ततराजेहेमालयतंथवलासासकेक
 वततयागुलि॥लासासकेकतुलंथ्वेलससुनानंहुंधायमफयावचोर्नदनं

॥निशुस्॥

॥१०१॥

गुरुवृत्तपतिर्योहीतनजज्ञसविज्ञातकावतवराजाग्रभृतिसकलयनिसेनदक्षेयुज
मस्याकगुलुमनकावसुनानंदुंधायमहालावरा॥मुमुकंचोतंथवेससतकंन्यादान
वर्तराजेहेमालयतंचोनतावचोतहेमालयेषवर्तराजमातधकंलायावतयागुलास
यमालधकंसकलेकुंधायमहालावरा॥चोतगुश्रीब्रह्मानवतावभावनलि॥धकुगुलि
हमदुधर्क॥आग्यादयकावधोआसनयाठितिरयकावविज्ञातं॥ॐ॥धतना
अतिविस्मयचायावरा॥श्रुतिमदुलचोतथोचोनहनंयोहितनुनजुलसाहेयवर्तरा
धर्कलाहातिसहाप्रलकुसतयायावनिलंहनंमेनकारनिनजुलसाकमंदलुज
सयोहितनंश्रीमाहादेवयाकेनेनी॥भोपरमेश्वरश्रीमाहादेवकंन्यादानदानक
कुतायाआजुयानामहुगोत्रकुयुलवकु॥आग्यादयकसेविज्ञाहुनेधर्कधाया
लसावधायधधायमययावलजावायावकोकुगवसुमुकंचोनावचोतं॥थवेस
आग्यादयकलं॥हनंहेयोहितथलश्रीमाहादेवयास्मरनायायेतहरधकंस्मरना

तिसकलपतिसेत दक्षेयुजायति या जज्ञस ॥ श्री माहादेवन ओधयायानाव विधं
धोतं ध्ववेलसतकं न्यादान वियते यावस्व कवेलस ॥ श्री माहादेवया श्यासनस य
धके लायावतया गुलासास ॥ श्री माहादेवविष्णानावचोगुषनाव आवगथेयाः
नाव आवनलि ॥ ध्वगुलिषयं रतुं संजियके मा लधकं ॥ धेठं लासाहिलावसां संदे
विष्णानं ॥ ॐ ॥ ध्वतनलि श्री माहादेवयास्यषनाव हिमालययवत जुलसां
हितनु न जुलसां हेयवतराज हिमालय ॥ ध्यावर्क न्यादान वियगु वेला अवेला जुल
रानिन जुलसां क मंदलु जलधार हायकावतयारयानाव जुयावचोतं ॥ धो वेल
हादेव कं न्यादान दान काययात क लयो लया ववायाना महु ॥ आजुयाना म
स्येविष्णा हुने धर्क धायाव ध्वतेयो हितया वाकेते नाव ॥ श्री माहादेवन जु
मुकंचो नाव चोतं ॥ ध्ववेलस श्री माहादेव धेठे चोतष नाव ॥ श्री ब्रह्मान जुलसा
नायायेत हरधकं स्मरनायाये ॥ ववायाना म जुलसां पुरहर आजुयाना म जुलः

श्री माह देवयात ५

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ १०२ ॥

सां सहर धारये ॥ नाया आजुयाना मजुलं हर गोव धाय सां सिव गोत्र ॥ पुलक धाल
देवन जुलसां ॥ अति सुसिजुया वन्दी लाव विष्णातं ॥ थवे लस गठे गथे वृह
क्या वस कृत्य वाक्या ना वयर्वतराज हिमालय नं ॥ थव ल्या च यार्व निया
राहाय काय व ॥ सुवेला सलात कं श्री यार्व ती देवी कं न्यादान विली ॥ ॥ थव
का वस्त्री आचार याय यात ॥ थव थी ठि ईष्ट मि वर्ग मया गुर वा सिस्त्री गन
वृव श्री नारायन गुलसां स्वया वठन क गुलि उय दुदय के धकं मनं न भाल
दय कल हे नारद आव कन ॥ थमि सा गन यति कलोल न ल्यात कि व थवे
दय कल ॥ हन श्री नारायन नं गुलसां थव वाहन गरुड आराध यातं ॥ थवे
को हा वया व थव ग्य सा ला स कुरु वृध के स्वय धं हुकार स व दय का व गस
हाना व या गु चि ना वत या गु सर्य द को ॥ गरुड या भय नंद स दिसा भाग सं
धु या के गुलि कि सिया क्षे गुलि द को व सं कुति न वनं ॥ थवे लस श्री माहा देव

सासिवगोत्र॥युलयधालसाशंकरयुवलधकंआग्याजुलं॥थवेलसथीमाहा
 नं॥थवेलसगठेगथेवलनआज्ञादयकल॥अठेथथेग्वत्रयुसलसयाताम
 नं॥थवल्पाचयार्वनियालाहालाहातजोनाव॥मेनकानिनंकंमंदलुनजलधा
 न्यादानविलं॥॥थनलियातवियधुनकावृशग्याकर्ममाक्षिधुन
 मयागुरवासिस्त्रीगनसहितमुनाव॥मेनकारानिनजुलसांजशसालास
 दयकंधकंमनंतभालयाव॥नारदमुनिसलताव॥सयोतदुयाव॥आज्ञा
 लोलनल्यातकिवथवेलसजिजिस्पननमासास्ययाव॥चोनेधर्कआग्या
 रुदआराधयातं॥थवेलसगरुधजुलसांतकारना॥आर्कसमार्गतन
 कारसदयकावगरुदववगुषनाव॥श्रीमाहादेवयासस॥थासथास
 यनंदसदिसाभागसंविश्यवनं॥थवेलसश्रीमाहादेवयासस॥चोनगु
 नं॥थवेलसश्रीमाहादेवयानिर्वस्त्रजुकायगुया॥चोनगुमिसागनदके

॥ निगुल ॥

॥ १०२ ॥

यो नाव श्री माहोदेवया त ॥ श्री पार्वतिया त स्त्री आचारयाना वचो न थाय स ॥
सा गनय निसेन वना ॥ थठिन गुल ॥ गथे रान गुल ॥ मिसा त दको सेन गा ॥
ल ॥ आल जिला जन लात ॥ स्वव स्वव हि हि ध कं धां धां वि स्व वनं ॥ गुवे वि से वन धा ॥
व उ व थ व व ने म सिया व म त स्या ना व धान धान ॥ गु व स्व या व श्री माहोदेव या ॥
क म त या सि नं ते ज पित क या व विलं ॥ थ वेल स नार द मु नि न गु ल सा ॥ भो न कार ॥
यूर वारं धा यु क मिस्य त द को भन स्व या व का व लि प त स जी त धा य द ई म पु ध व ॥
छित म चा या व नार द मु नि या त वो ल विलं ॥ अ रे धु सि वु धा थ थी न स ल ल ॥ गु पा ॥
ला त का व वि या क न मि षा कां गु ल ला ॥ जि भा ल तो य र्व त रा त वु धा गु या व पा ग ल ॥
ने ना व ॥ थ थी न स ल ल ॥ गु क ल्य भां ग ठ वु धा या त थ व ल्या च ला त का व ॥ चो त स्व ॥
धा भा ल तो गु ल ह नं थ थी न मि सा ग न य नि द को व या व स्त्री आ चार या ना व चो न ॥
दि जे म्बर थ थी न गु वि य रि त स्व या व चो ने मा ल ॥ जि ल्या च या र्व ति या के स ग ॥

नाचारयानावचोनथायसथठेजुवस्वयावमेनकारानिनंसहितनदकोमिः
नजुलमिसातदकोसेनगागोरासुतसलोललोलसुयानावचोनगधीनहानी
विस्ववनंगुषेवितेवनधालसाउधश्रीनारायनदनावस्वयावचोनवना
जुवस्वयावश्रीमाहोदेवयाकपालसचोनगुनेवनमिरानमिधिहावयका
रदमुनिनजुलसाभोनकारानिजिलचावानमलाकज्याथजुयाचोनधकंजित
यतसजीतधाथदईममुधकीधावगुस्तुमेनकारानिनंजुलसानृयायाडुग
सिवुधाथधीनसलर्जुपाभागठतुरवुछायातकुनिमितीतिहयावजीस्याच
वर्तरानवुधाजुयावपागलवुधीजुलछानधालसाधधुसिवुधानारदयाव
वस्याचलातकावचोनस्ववस्ववजिस्याचपदमसुंदरियातधधीनसलवु
गवस्वीभाचारयानावचोनवेलसनिर्वसुजुयावनीर्ज्याजुयावचोनसः
स्याचयावर्तियाकेसगधीनगुधालसाचोमलचोनथोचोनधवुधाया

॥ श्री स्वामि ॥

॥ १०३ ॥

ससिजलयादयकावतयागुथे ॥ थयाजतासमेचुलुचुलुनयि हावयाकाव
यातावग्यानावपुस्यचोनकावगुईगील्या ॥ चयावयातीष्यालपुरीचट्टमा
ताकंधंयाग्वोबदयावचोनल ॥ बालसविभ्रुतिनवयावचोनल ॥
मालानंकोषायकावतयाप्रयात ॥ भालतोकोचमालानंकोषायवचो
ल्याचजोनाववनीगुजीनगथेस्ययावचोने ॥ धकंअतिनंमेनकारनि
तिनंजुलसं ॥ थवलाहातयालुसिनलुसिल्यातकावन्टिलावचोनंहनंना
यावतत्कारनंकुतिबोसेवया नारदमुनियानेबनेचोनावली ॥ थवेलस
हतकुतिधनतवीवाहारया ॥ भोनयाकाधकंभीमाहादेवनहुततसल
स्त्रीआचरयातववधिंमीसागतयनिसल्यातकावकपालनंहिवयक
थकुतिसगयाव ॥ नारदमुतिनंजुलसं ॥ स्वातकेगुर्मवजो जलयाव जशस
लीनारदमुनियामाकधुभा गुयमदुयातिमितिनि ॥ थमिसागतयनि

बुलु बुलु न पि हा व या का व चो न ल स र्प न चि ना व स्वय नार्थ भयं कर मुनी
 व या ती ष्या ल पु री च द्रु मा चो न थे चो न थ थी न ल या त मा ल तो ना लु या
 वि भु ति न वु या व चो न ल जि ह्वा च या ग ल यो त स हि रा मा नि कर त्त याः
 च मा ला नं को षा या व चो नि ल या क ला त थ थी न ल भां ग छान आ व जी
 ध कं अ ति नं मे न का र नि न वि ला य या ना व चो न थ स्व या व ना र द मु
 का व न्ति ला व चो नं ह नं ना र द मु नि न जु ल सां थ व वा हा न कु ति आ रा ध ना
 ने व ने चो ना व ली थ वे ल स ना र द मु नी न जु लं सां आ ग्या द य क ली हे वा
 श्री मा हा दे व न कृ त त स ल त ल थु का आव श्री मा हा दे व या आ रा धे थ
 न का व क पा ल नं हि व य का व कृ त र ग त या न या व ध की आ ग्या द य का व
 गु र्म व जो ज ल या व ज श स स्य ल व ने ध र्क वि ना था ना व व नं थ न
 म ति नि थ मि सा ग न य नि द को थ व ठे थ म नं म दु म दु गु लि ष पि त क या

॥ निगुरूपसे

॥ १०३ ॥

वृत्त्याक जुलो गथे लात धाल सा ग्वल स्या नं कृत श्री माहादेव वचना वृत्ति न मुदि
या के वने दत्त सा जिवने धा वृत्त मधुला धकं ॥ ग्वल मधुला ग्वल स्या न नाराय
कंधाल ल मधुला धकं थिं ठिं लायु पित काया वमि जि मि से न ॥ जालो भ म
चो ना ल मधुला ॥ कृत गुरु साया लि वने चो ना व ॥ श्री नाराय त स्वया व चो
त ॥ कृत न तान छा य विवा क या व या या न कित क ॥ स्वया व चो ना ध की ॥ ध
या कि ल न तं घने मधुला ॥ वय मधुला स्वय धुन कृत गुरु ति वृत्ता ध मे
कपाल सह ना वृद्धि वय का वृद्धान धान जुल ॥ गुलि छी न घो या व चो ना ॥ गुलि
न जुल सां हि ला स्वया व चो नं ह न या व ती न गा चो न कपाल स लोक पु या व
थ वृत्ति वी या व ती दे वी त्रै लो के ना थ ॥ श्री माहादेव या त वि य धुन ध कं ॥ म नं ल
व चो नं ॥ ॐ ॥ थो न लि मे न का रा नि न जुल सां मि सा ग न द को ल्या ना व चो न गु
स्वा स्वया व चो ने माल जि ल्या च उ मा या र्व ती लु या ल चो न थे चो न ॥ थ थी न

माहोदेवमनाव्युतिनमुष्टिजुयावसोकस्रममुलागोलायायेयातखालदतव
ममुलाग्वलस्यातनारायनअतिवातलाक।थयाकेवनेदतसाजिवनेध
मिजिमिसेन।जालोभमचायावस्वतवनिधिजुल।हंम्युतिवताधक
।श्रीनारायतस्वयावचोनाममुलाधक।धालहनंचतुरमुखमुलाया
।वस्वयावचोताधक।धलंहनंसतस्यातधकं।मिसेनस्ववगुचंदुमा
।हनगुयुतिवताधमधकंनानामाथतंत्वायुथकजुलोहनं।ग्वलस्या
।छीनमोयावचोत।गुलिदिनंयोलवियावचोनेथस्वयाव।श्रीमाहोदेव
चोनकपालसतोकपुयावन्दितावचोनेहनंदिमालयतयवतराजजुलसा
।तवियधुनधकं।मनंलुमनकावअतिमुष्टिजुयावहर्षविस्मेयेजुयका
।गनदकोल्यानावचोतगुमनायुकालनवियावधालं।हाय२गथिनअव
।स्रचोनथेचोत।थथीनस्रयातभालतो गथीनस्रलातथठिनस्रपाग

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ १० ॥

लसस्वयावजिनगचिनन जा ल्प्याचनग भे चितनदृढया नावचोनिव ॥ जि
धायावा जुलंयस जक बलसां ली गिलि गितसना व च निव जि ल्प्याचयास
स्वयावचोनिवजिल्प्याच उमाचोनिवथास चन्द्रमायुकास जुयावचो नथेचो
लीनईलावसदको भोईका वचोनि लह न उमाया लसक सूरिके सरिन स्व
लधु किसिया के गुलिन डे यावचो निव दुर्गधया तदयका वचो निव धुका ॥
त जि ल्प्याचया के नाना सुगंधस्वानया मालान गल पत स कषाया वत ईव ॥
ल्प्याचया वसत तिसानाना चित्र विचित्रया यात यत वरया गुति अतिवान व
सान तिया वचो निव ॥ थवु धाया वसत तिसा सिक लधु किसिया के गुली
निल सयन चिना वथास २ सयन न्या ताव ॥ द्यो चाया पुक न वयका वचो निव
दव सु नुं थ वथ वरा या भयन सय दको विसे वने सु नुं थ थी भन मिसा गन व
ला किसिया के गुलि कुरा वयका वस ज्ञा जु यका वचो ने माल हन लज्जा

तदुहयाभावचोनिवृत्तिरिति च यास्तु स चो न गुह्यं तद्वा लेया गुह्ये चोरा ॥ थव
 व च निवृत्तिरिति च यास्तु लया लियु यक चो निवृत्तिरिति च थव धाया स श्रुका स
 युका स जुया व चो न धे चो न ॥ थव धा चो निवृत्तिरिति च थव धाया स सन नायं धुल बोय का वन
 ग स स क स्तरि के सरि न स्वाना व चो निवृत्तिरिति च थव धाया स सन लीनं युया व सि
 तदय का व चो निवृत्तिरिति च थव धाया स सन लीनं युया व सि
 ल यत स क षा या व त ई व ॥ थव धाया को च या मालान को षा या व चो निवृत्तिरिति च
 त व र या वृत्ति अतिवान के ला क गु लिन तिया व र त न म नि मा नि क या नि
 क स धु कि सि या के गु ली डे या स ने व ने व ने म जि कं पु पु स र द य का व चो
 था या पु क न व य का व चो निवृत्तिरिति च थव धाया स सन लीनं युया व सि
 तु नुं थ थी भ न मि सा ग न व या व चो न वे ल स ॥ स स ल मा म या ने व ने वा घ षा
 व चो ने मा ल ह न ल ज्जा नि वार न या ध र्क ॥ म ता स्या ना व वि या नं थ व क या

॥ निगुत् ॥

॥ १० ॥

तस्योत्तमगुणमग्निनेत्रनथवरेधमनमिधितकायावमताच्याकथेच्या
निर्लज्जालजं सुसोयमज्ञानादायहायजिह्वाचयातयस्यामंजांथ
धुकाधकाभानामानधनबलानावमिवातवोभीतयाववयकावचोनीहृनं
लवियावसतिंलतिंक्रोधपिकायावचोनंथथेजुवगुवैयकुराठनाथअ
जिलोधकंमननंभालयावनंदिसलतावाआज्ञादयकलंहेनदीहृन
हृनिंधकंआग्नादयकंलंखवेलसनदीनजुलसातत्काकारननीमे
विकताकारयाभुतस्वरूपगुयावभुनानंवलथनानंवलधायमफ
वयावयामेनकारानियालाहातजोनावयनेधकंधायावधानधानव
लावदकोमिसागनगणानावधुमृतिजिह्वासेनसोयमनरागधीन
यावचोनंज्वलंमिवातेलहतंकनावचोनंहुंधायमफसेचोनंसनेमफ
लावमिवातिसियावसिकलचोनथेमृक्षगुयावचोनंभर्तृभुतस्य

त का या व म ता च्या कथे च्या त का व ज म्पा म द यं चो ना व चो नं ॥ थ थी न ह्न
न ह्या च या त य स्या नं जां थ थे स र्प न भु त या ने व ते मा लि ह्न म व य म्पा ॥ लः
भी त या व व य का व चो नं ॥ ह नं मि सा ग न द को ल्वा ना व क या न क या थे वो लः
थे जु व ग्ग वै य कू रा ठ ना थ श्री ना रा य नं ॥ सो या व श्वा व थ या त का व त य म
आ ज्ञा द य क लं हे न दी क्क न अ र द्भु त रू प गु या व ॥ थ मि सा ग न या था स
जु लं सा त त्का का र न नी मि व मा उ नं थ व रू प तो ल ता व ॥ अ र द्भु त य रू पः
ल थ ना नं व ल धा य म फ य द्दी मि सा ग न या था स कू का र स व र य का व
ने ध कं धा या व धा न धा न व व च या व ग्ग व लं वि से व नं ग्ग व लं गो ल ग्ग व ल नु
हि से न सो य म न रा ग थी न गु वि क त मु ती धि कं ॥ अ ति नं म्पा ना व मु छी जु
धाय म फ से चो नं स ने म फ या व अ चे त गु या व चो नं ॥ ग्ग व लं स्या नं स्व य म धा
जु या व चो नं ॥ अ र द्भु त भु त स्व य रू प न दी न जु लं ॥ स क ल मि सा ग न या द

॥ १०५ ॥

ध्रुस श्री माहादेव श्री यावति नृने चो ना वधि कि कि कि हि हि हि हि हि हि
तिं नु या व व्या ष डु या व चो तं हनं थ भूत व्या ष न डु या व चो न स्व या व ॥ श्री माहादेव
नि स व लु न ॥ व्या हा व या व थ प नि ति स भूत रूप न दि व ना यं चो ना व ॥ श्री
शु शु रूप गु या व व्या हा र ल धा ल सा ॥ ला हा तु ति यु ती पु ति हा क ल प वि न धा ल
ल ग्व ल त व गो ल गु या व चो न व्या ल धा ल सा हा सा थे चा क ला क मि त्ता धा ल
नु थं गा गा व ना व चो न हा स धा ल सा पु ति हा क ल त व्या क चो ना व चो न नु ति
या व व्या न डु या व चो न ष ना व स्व को ष को द को नि सा मो चा ग्राम वा सि य
उ प नि स जु ल सा वि से हु ने वि हु ने ध क धा धा वि से व नं ल गो ल ते त मे न कारा
वे ल सं थ थी न शु स्व य म न्या ना ध के हा हा का र या ना व चो न शु श्री माहादेव या
ल सां थ व स्वा मि या त नि न्द्रा या क गु शे ने म फ़ या व द क्ष पु जा य ति या त थे या
शी या व्या ल स्व या व आ ग्पा द य क लं भो मा म न्य से वि ग्ना हु ने दु धा ल सा द

॥ निग्रह ॥
॥ १० ५ ॥

॥१०५॥

या क गु से ह ले पे म क या व ध दु न द क्ष यु जा य जी या छे तो ल तो व थ न ज न्न काल
व थे जि स्वा मिया त नि द्रु या ना ला जि गु लं श्री मा हा दे व व ना यं चो ना व म नु व्य
या ल म छि नि द्रु या ना व श्री मा हा दे व या त क्रोध गु य के म ते क्रोध गु ल
मा म मे न का रा नि या त श्री या र्व ती न बो ध ल या व आ ग्ना द य क स्ये वि ज्ञा त
वा या ई स रा या ना व श्री या र्व ती न या त भो य र मे श्व र आ व थ व गु मु र्ति ध र
र न नि मे व मा उ नं रा ज रा ज्य स्वर या मु र्ति ध र ल या व वि ज्ञा त ग थी न गु मु र्ति ध
या भ लं का र नं द य का व त या गु म नु क न गु या व हि रा म्ना नि क र त्त न ई त्या दि य
य न या ना व सु ग धि वा स व य का व य ले स्वा न या व र्ण थो अ ति को म ल या ना व
तो मि सा ग द त ई लि तो से न स्व को ष को मो ह न गु य का व धु छे गु लि को च
ति नं वु या व च न्दु त रा ति ना व त व गु द को को ति पुरी चं द्रु मा या ते ज थे ते ज यि
थं क रू ना चा यु गु मु र्ति गु या चो नं थ व थि न गु मु र्ति मे न का रा नि नं द र्त्त न ल

हे तो लतो वथन जन्म काल वया थना ह लपो लया सेन दक्षय जायति न धा व
देव वनायें जो ना व मनुष्या लि लया यध के थन वया व पु का थनेन अमो अ
गध गुय के मते ॥ क्रोध गुलना सदक्षय जायति या तया कथें गु यक वध क ॥
व आ ग्पाद य क स्पे वि ज्पातं ह न थ व स्वा मि श्री मा हो देव या त काल स्व या व मि
श्वर आव थ व गु मु ति धर ल या व द र्शन वि से वि ज्पा हु ने ध कं धा य सु नु त का
ग व वि ज्पा तं ग थी न गु मु ति धा ल सा स्व को ष को मो ह गु य कं ॥ ना ना म ति म य क
हे रा मा नि क र्त्त न ई त्पा दि या मा ला न को षा या व अ ग चं रु बं द न पु वान ल स ले
री थें ॥ अ ति को म ल या ना व मि षा धा ल सा प ले स्वा न या ह ल थें थो न का व गु लि
ग य का व धु के गु लि ॥ को च या मा ला स र्प द को दि व्य व स्व गु या व थो नं ह न थि
री चं दु मा या ते ज धे ते ज पि हा व य का व मु सु हु न हि ला व ल ग्पा चा व ल थो न
ति मे न का रा नि नं द र्शन ला ना व रु पा या गु मु ति दि को लो ल म न का व अ ति

॥ श्रीचस्था ॥

॥ १०६ ॥

सिजुयावयवतराजहिमालयव॥मेनकारनिबनिलसेनपार्वतिन
चनषावातुतकावथवल्याचपार्तिवर्तिव॥जिलाजनश्रीमाहोदेवयात
तियायुसादरादकोदेवलोकईदुयुभतितेतिसकोतिदेवलोकराजागनयनिते
सेनवेदयलयावचोनंभवत्स्यातंचरिदपाथयानावचोनं॥गोलस्यातंनातासास्त्र
नरगनयनितेनतालथनाव॥अयस्रागनयनिय्यावनहुयावहृषमायानावचोनं॥
वनापनियुजायानाव॥दक्षिनावियावनातापदीथर्भोजनयातकावहनंकोतिवे
दादातवियावमुमिदानवियावगृहेदानअर्नदानयातं॥हनंअतितअभ्यागा
वेदावियावकोतं॥पुनरवारयवतराजहिमालयनजुलसां॥थवगुरुयाप्रोहितय
दकोदेवगनअपीयनितेनमनसआनरुयावनावग्राग्यादयर्क॥संभोहिमा
यधुनधर्कधन्यधन्यद्वलोपलयाभाज्यधन्यधन्यमेनायागर्भद्वयोसमानभा
कयायासाफल्येजुलछानधालसागोलमनुषेनलकछिलकछिदपर्यंततयस

निव निलसेन पार्वति न विद्या ग्यान लाना वृत्ति गद गद्या वना वृवः
 न ला जन श्री माहादेव या तला हात जो ना वृथ वृके सदुत को ना वृथ तय तं हनं श्री पार्व
 ति देव लोकरा जा गन य निसेन दसि रा लातं ॥ सक ले वृसि जु या वृल शासन य नि
 चोतं ॥ गोल स्यातं ना ना सा स्या या वाष तला ना वृचोतं ॥ हन गध वय निसेन मेहा ला वृकि
 रुया वृहृष मा या ना वृचोतं ॥ ॥ धन लिय वृतरा ज हि मा ल य न जु ल सां द को दे व
 र्भो जन या त का वृह नं को ति को ति सुर्व न को ति को ति रूप को ति २ स ल कि सि को ति २
 न या तं ॥ हनं अ ति त अ भ्या ग त य नि स्त मि त सं तोष जु या वृय का के ना ना दु व वि या व
 जु ल सां ॥ ध वृगु रू या प्रो हित या आ सि वा द क या वृ ॥ ज श स मु री या तं ॥ ॥ धन लि
 वृ ग्या ग्या द य र्क ॥ ल भो हि मा ल य य वृतरा ज छ ल यो ल या द या त जि य नि स तोष जु
 मे ना या गर्भ छ ल यो ल स मा न भा गे मा नि ॥ नृ स गु लि भु व न सं म दु भो य वृतरा ज छ न ज न्म
 क छि ॥ ल क छि द प र्य त त य स्या या ना नं ॥ श्री मा हा दे व या द श न या य म यु ह नं जो ग्य श्व र

॥ नि गु त्प ॥

॥ १०६ ॥

पतिसेनध्यातरां लुये के सामर्थ्य महु ॥ थथीन सपिना कधारि श्री माहादेव छ लपोल
मेव सुं महु ध कं ते तिस को ति देवता यक्ष गर्धर्व कीर्त्तना गलोक दैत्य दानव अय सरा
जामान्य कया व आसि वार्दवी या व वेला का या व थठ व थ व गुा अ म स वि ज्ञातं ॥
वया के विन तिया ती ॥ भो पर मे स्वरि श्री मादेव छ लपोल नाय व व य नि सु सु द व अ सं
सा कि नि ग न द व ध कं नारद मुनि त धा व या नि मी ती जी न विन तिया ना स क ल या
न या ना व ॥ सरा जाम दय का त या थु का ॥ आव थ न जि न सुं म व ना ॥ छ ल पो ल व न
आ ग्या द य क से वि ज्ञा हु ने ध कं धा व ने ना व श्री मा हा दे व न जु ल सा आ ग्या द य व
या थ य व त हे माल ये प र्व त ह न उ च चु या व चो न या नि मि ति नि सुं था हा व य म य
त या को स तो ल ता व ता था का थु का ॥ अ ति क ष न या व नि स्र थ न ये न क ल व व
कि व ध कं धा व ने ना व प र्व त रा ज हि मा ल य न जु ल सां ह न ॥ श्री मा हा दे व या के
जां ॥ थु सि म कि सार जाम यु त के फ र्द म सु ॥ छ ल पो ल या आ ज्ञा द त सा प र्व त या

कधारि श्री माहादेव छ लपोलया जिला जन जुलना व छ लपोल समान भाग्यमानि
नाग लोक दैत्य दानव भय सरा यथी द को बालन यनि से न धाया व ॥ पर्वतराज या पु
थ व भुा भ्र म स वि ज्ञातं ॥ ॥ धन ति पर्वतरा ज हे मा ल य तं जु ल सां ॥ श्री माहा दे
पोल नायं व व य नि सु सु द व भ सं ख्य भ व सं ख्य भु त ग न ये त ग रा पि सा च ग न ॥ दा की
र्जि न वि न ति या ना स क ल या त भो र्ज न या त के मा ध के भ स ख्य भ सं ख्य प र्व त स मा
जि न सं म व ना ॥ छ ल पो ल व ना यं सं म व व ला भा व थ व सरा जा म सु या त न के गु ष व
हा दे व न जु ल सा आ ग्या द य क र्त्त ॥ भो प र्व त रा ज थ य र्व त या को स थे न क को ना व ह
ग नि मि ति नि सं था हा व य म क या व ॥ आ सा म र्थ जु ल ध र्क धा व या नि मि ति त प र्व
या व नि ह थ न थे न क ल व व पिं दु ॥ ध य नि स व जी हा त नं दि थ स्व स्र या त ज क न
म सं ह न ॥ श्री माहा दे व या के वि न ति या तं भो प र मे श्व र थ स्व स्र से न ज क न या तं
पो ल या भा सा द त सा प र्व त या को स ॥ ये न य नि ग न द को जि न स ल त के को ये ध

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ १०७ ॥

कं विनतिया कने नाव श्री माहादेव नजुलसां ॥ मुसुडु नन्दि लाव ॥ आग्नादय क
वचो नयानि मिर्ति न ज्ञाना ववय मफु स्प चो न ह न थ ना वय स्मु त्रं थ व र्व त स चो न
त के को य म ते मु म्हा ल थ न थ त क ल व व य नि नि ह स व जि का हा त रां दि क ह स
सा म न स वि षा दी चि त या ना व ॥ थ व सा रा जा म द य का व त या था सा को ना व य ना व
वे ल स वि र भ नु मा हा का लि या स्व स्य न दी व थ स्व ह से न जु ल सा ॥ ग न ग न स रा
क ह तं रा या व ह नं य र्व त रा ज या था स व या व भो य र्व त रा ज जि मि ज्ञा न य म गा क नि
ज अ ति वि स्म य चा या व भ व भं द रि या त य नि स्त आ ग्ना द य क ल ॥ भो भं द रि य नि मि
फ त ले न कि वृ ध कं ॥ आ ग्ना वि या व थ वे स स भं द रि य नि य से त ग न ग न भं द रि
व त या व वि ल थ थेत म गा ना व क नि धा व ने ना व ॥ हु ता स त ज्ञा ना व वि य ध कं हु त
ह या व वि ल थ व नं रा या व वि ल ॥ थ थ्ये आ व्व य्य जु व स्व या व ॥ भं द रि य नि अ ति को न
भो मा हा रा ज य र्व त जि स भ द रि स चो को र को य न का व वि य धु त थ थ्य नं त प्री म

हुन न्हि लाव ॥ आग्यादय कलं ॥ भोय वत रा जहि मा लय ध्वय वत स भति उच गुया
 थना वय सुनुं ध्वय वत स चो ते द ईव म सु थास ॥ ध्वते या नि मि ति नि वय नि सः सलः
 स स व जि वा हा त रां दि ह स या त ज क न कि व ध क धा व गु ने ना व य व त रा ज गु ल
 का व त या था सा को ना व य ना व ध मि से न गु गु न य य ल उ गु न व ध क के ना व कि र्ण ध्व
 ल से न गु ल सा ॥ ग न ग न स रा जा म द त य व त या भ न भ न व ना व से ष वा कि म य र्क था
 ति रा ज जि मि जा न य म गा क ति कु द त सा वि स्य वि ज्पा हु ने ध क धा व ते ता वा ॥ प र्व त रा
 ग्या द य क लं ॥ भो भं दारि य नि मी जि भं द्या सा ॥ हुं हुं व सु द त ध्व य नि स्व ल स या त न य
 रि य नि य से त ग न ग त भं दार हुं हुं व सु क द त उं गु उं गु था स व ता व सार जा म ह या
 ता स त ज ना व वि य ध क ह त या ना व ता स नं ॥ ग्व ल से के गु लि गु लि द त द को डा ना व
 व या व ॥ भं दारि य नि अ ति को तु चा या व ॥ य र्व त रा ज हि मा ल य या के वि त ति या र्क व ल
 का व वि य धु न थ ध्व नं त पी म गु या व ॥ ह त स ग्व ल स्या वे ॥ गु लि गु लि द त द को द को

॥ नि गु र्प ॥

॥ १०७ ॥

जाना ब्रह्मावस्थ न के धुन थथे नंतपी म जु याव आव जिप निस जं अश्रा दी जु ल भाव
हि माल यत जु ल सं भति विस्मय चाव ग्या नाव ॥ श्री मा हो देव या ने व ने व नाव ला हा
नं म सिया व जि धु लि मं किं सरा जा म दय का व त या गु सु या त न के ध कं वी न तिया
निद को स ल ता व त के को य ध कं वित तिया ना ॥ ह न भ्या व थ ह ल यो ल व र्यं ना पं व
करु ना या या व ज य रा ध के मा या से वि ज्ञा य माल ॥ गी मु र्ख या म न स थ स्व स से त रा या
व न य क को न कि जि डि सरा जा म दय का व त या था स वो ना व य ना व के ना व वि या व
स ल हे वै लो के ना थ सह श्र ह अ य धार क्ष मा या से वि ज्ञा य माल ध कं वित तिया गु श्री
थ जे ली स चो न गु ग जि नि ता व त या व गु घो ता ॥ भ ति या य न का व लं ष स त या
ध कं ने व थो वे ल स न य गा त ध कं धा ई व ध की ॥ ग जि नि ता व त या गु घो ता भ ति च
तो लं व स त या व तो न के ये नं थ्य वे ल स थ्य घो ता तो ने सु त्र ॥ स्व स से त मु र ना व
ल सं हे अ द्रु त रु प मु र्ति य नि ध प ति न य गा त ला ॥ म गा क ति ला ध कं ध या व म ग
जि य नि त पी जु य कं त य धु त ध कं ध या व स्व स ज्व ल ज्व ल तु ला व हे ल व य कं

जिपनिस जं अश्रादी जुल आव गथेया यमालधकं विनतिनयातं कते नाव पर्वतस
होदेव याहे वने वनाव लाहात जो जलयाव विनतिया ती ॥ भोपर मे अरि जी अग्यानिः
सुयातन के धर्क वी नतिया ना ॥ हरा थव वतया को सधे नक वव ॥ भुतयेत गनप
व्रथ वल यो लव यं नायं वल स्वस्त सयात नार्यं जिनरा के मयुत जि सुख वना वदया
यामन स थ स्वस्त से नरा यानं ॥ पुलिम किं सरा जाम युई वम मुधर्क मनन भा लया
ना वय ना व के ना व विद्या वधर्क जि अग्यानिया अह कालिन धया ॥ थ व जिन धाय म
मालधर्क विनतिया गुभी मा हो देवन डे ना व अतिरसता या व हे पर्वतराज आव
चायन का व ल व सत या व लं व भति भतितो न कि व थो वेल स हुने नय य व ला
व ना वत या गु घो ता भति वा विद्या व को तं थ वेल स ॥ श्री मा हो देव या आ ग्या थें घो
सु त ॥ स्वस्त से न मूर ना व नय मयुत स्व थ स्व या व य वतरा ज हि मालय न जुः
कति ला धर्क धया व म गा कति जुल सा हुनी विद्य धाय सु नु वल यो ल या कपान
ज्वलतु ला व हे ल व य की ली ॥ ॥ थ व त लि श्री मा हो देव या श्री या वति निस्त थ त वो

नावयनावरत्ननयासिधासानसयेकतुतकावतिलसयातयुजाभावयातं॥थवे
यातभोपरमेभ्वरभोस्वामि॥कलयोलस्वामिलाययाकारतरां॥जिनअनेगधर्मया
नारायनयुक्षजुयावजिवकृपायाताव॥श्रीश्रीश्रीस्वस्थानियरमेस्वरियाधर्मवत
नयाउयदेसधो॥श्रीस्वस्थानियरमेभ्वरियाधर्मवतलछियतंक॥उपासनचे
योसेननारदमुनि॥कोसेयाहसेविज्ञात॥थतेन॥थतेन॥थवर्तयायुभावन॥कलयो
तनिलव्रवृहायनावीयुधकविनतियानावत॥कारतंसग्वनसहित॥च्यायात
यातगणल॥च्याकुरुग्वचसहितदयकाव॥श्रीमाहासादेवयात॥श्रीपार्वति
रनर्भोकयुयावविनतियातं॥भोस्वामिजगदिस्वर॥कलयोलस्वामिलाय
अथानं॥कलयोलयादर्सनलायमयुआवधनियादिनस॥श्री॥स्वस्थानि
मिआव॥कलयोलयादासितु॥भालवजीउपरसग्रनजुसेविज्ञायमालधव
हादेवनजुलसांयार्वतिन॥दिवगुसग्वनकायाव॥भोजनइत्यादियासेविज्ञ

॥श्रीस्वस्वा॥

॥१०६॥

यात युजा भावयातं **॥** ध्ववेलस श्री यावर्तिन जुलसा श्री मा होदेवया नेवने विन
 रतरां **॥** जिन अने गधर्म याता ति ध्ववर्तयाता नाता उया सत याता ध्ववेलस श्री
 स्थातियर मे स्वरिया धर्म वुत या उये देस विसे विज्याता **॥** ध्ववेलस जिन **॥** श्री नाराय
 तल छिय तं कं उपासन चो ना व युजा भावयाता वया यधुन का वुचो ना वेलस छल
 ध्ववर्तयायु भावन छलयो लस्वामि लायधुन **॥** आव ध्ववुत या स ग्वन सहित चित स्वा
 रतं स ग्वन सहित यायात अधीत मधि च्यातु जज मुका च्या को लदाय स्वान या
 मा देवयात श्री यावर्तिन लल्ला वल्ला व विल ध्ववस्वामि श्री मा होदेवया व
 वर **॥** छलयो लस्वामि लाय या कारन निर्मितीना **॥** नाता माथ नत यं स्वायाता थः
 यादि नत श्री **॥** स्वस्वा नियर मे श्वरिया कृपान जिम नो थयुरी जुल भो स्वाः
 न जुसे विज्याय माल धर्क विन तियाती **॥** थन ली युन वार जगदी स्वर श्री मा
 भोजन इत्यादिया से विज्याती **॥** नय वतरा जहि माल यन ना नामे वा मेका

॥ निगुरु **॥**

॥ १० **॥**

गमधिचरिधलिदुदुघेलकसीयंचामृतकआदिकलमुलदकोईत्यादि
होदेवजुलसं॥अतिआनद्यानालाविज्यानी॥ ॥धनलियुर्गारः॥
यापुसादनजिनथलश्रीस्वस्थानियरमेवरियाधर्मवर्तलायधुनआ
मनुष्यासंसारसदुषिदुरिदुयनिर्धरयासेविज्यायमाल॥भोस्वामीधुल
विज्यायमालधर्कविनतीयाकषनाव्रजगदिभर॥श्रीमाहोदेवनआग्य
सतोखजुयेधुन॥भोयीयधुअतिज्ञानिषवदुषिदुरिदुषनाव्रदयाईयरस
यावधर्कआग्यादयकेलं॥युनवीथवस्वामिमाहारुदुयाआग्यानेनाव्र
माअधिधेनकलवयाव॥श्रीमाहारुदुयावतियाचरीनसंभोकपुयाव
रनायासेविज्याना॥ग्याज्ञापुसनजुसेविज्याहुने॥जियतिसेनहुयायम
भोअस्वस्थामाधुलपोलयातालसविज्यानाव्रदुषिदुरिदुनागलोकय
स्वस्थानियरमेस्वरियाधर्मईयदेसविल॥अथेयावतिनंअस्वस्थामाअधि
युनवीअस्वस्थामाअधिवयावतियाआग्यानेनाव्रअपूर्वकथा॥श्रीस्व

ॐ कल मुल्य को ईत्यादि ॥ नृनेनयावभो जनयातकलं च तेन काव श्री मा
॥ धनलियुर्गारः या वंती न जुलसां वी न तीया तं ॥ भो स्वामि क ल यो ल
या धर्मवर्तलाय धुन आवथ स य र मे ॥ वरिया धर्म वर्त गुपु या से वि ज्ञा य म ते
या य माल ॥ भो स्वा मी थु ली या नि मि ति नि दु षि द रि दु या उ य स स य स न द य व से
वर ॥ श्री मा हा दे व न आ ग्या द य कं ली ॥ भो स्त्री या र्व ति क न भा व भक्ति ष ना व अ ति
रि दु ष ना व द या रु य र स क रू ना दु ॥ भो पुी य आव अ स्व स्था मा रि षि आ ध र ना
हा रु दु या आ ग्या ने ना व अ स्व स्था मा ऋ षि आ ध र ना या तं ॥ धनलि अ स्व स्था
या च र्ण न सं भो क पु या व वि न ति यो तं ॥ भो य र मे श्व र कु कार नं रं जि य नि आ ध
॥ जि य ति से न कु या य मालं ध कं वि न ति या व ना व या र्व ति न आ ग्या द य कं ली
दु षि द रि दु ना ग लो क य नि दु षी र या य मालं ध कं ॥ ग थे थ व त श्री ना रा य त नं श्री
या र्व ति नं अ स्व स्था मा ऋ षि या तः श्री स्व स्था नि य र मे श्व रि या ध र्म उ य दे स वि लं
मा व अ पु र्व क था ॥ श्री स्व स्था नि य र मे श्व रि या ध र्म वर्त जो ना व थ व भे म नं र सः

॥ श्री स्वस्था

॥ १०८ ॥

ताद्यावसिवसकरभावानियाचरनसभोकपुयाववेलाकयावयातालस
युनवारः श्री मा हान आ ज्ञादयकलं ॥ भोयार्वतिसयु अषियनि आराधना
कं आ ग्यावियावयावतिनजुलसांसयु अषियनिस आराधनायातं ॥ ध्वन
चरनसभोकपुयाववितनियातं ॥ भोयरमे श्वरकुनिर्मितीनजीयति आ
तं नाव ॥ श्री यार्वतिनजुलसां आ ग्यादयलं ॥ भोसयु अषियनिदु लयोल
दारिद्वयनिस श्री स्वस्थानीयरमे श्वरि आधमवर्त उयेदेसवियाव ॥ उ
येदेसविल ॥ अथे श्री यार्वतिनसयु अषियनिस उयेदेसवियावचोन
या आ ज्ञातेनाव ॥ श्री ३ स्वस्थानियरमे श्वरीयाधमवर्तजो नाव ॥ वेला
कं विन्यातं ॥ ५ कं कुमारनं अगष्ट यान्तिवने आ ग्यादयकलं ॥ ॥
~~कुमार अगष्ट संवादे नागलोक मनुष्यलोक श्री स्वस्था कथा उये~~
निथ्यनलिपुनवार श्री मादेवनजुलसां यार्वतियात आ ग्यादयक
याचा ज्येसयानासुने गुयाचोन ॥ आवभिगीसवनेतेलपितायवतर

याववेलाकयावयातालसनाशलो कपनि उर्द्धायायकं विज्ञातं ॥ ००० ॥ धनलिः
सपुअवियनिभारधनायानाव॥ धर्मउपदेसवियावमक्षमरादलसकोवध
नस्तथाराधनायातं॥ धनलिः सपुअवियनिवयावधीयावती श्रीमाहादेवया
रकुनिर्मितीनजीयनिभारधनायाताजियनिसेनहुयायमालधकं विनतिया
सपुअवियनिदुलपोलमक्षमराउलसविज्ञातं॥ मनुष्यलोकसउचिः
मवर्तउपदेसवियाव॥ उधारयायमालधकं गथे श्रीनारायनंरां धवर्त
नस्तउपदेसवियावचोतं॥ ००० ॥ धनलिः सपुअवियनिसेन श्रीपावति
धर्मवर्तजोनाव॥ वेलाकयावमक्षमराउलसमनुष्यलो उर्द्धायायकं
निजाग्यादयकलं॥ इति श्रीमाधमात्मसकदउपनिषाधमात्म
स्वस्थाकथाउपदेसकथा॥ ००००॥ सकदउवाव॥ हिअषुम
तियातभाग्यादयकलं॥ मोपुययावतिताकालंदतजितकेलास
सर्वनेलेलदितायवतराजमातामेनायाके किलाफेनेनुयाधकंभा

॥ नियम ॥

॥ १०८ ॥

ज्वालयकाव नीलसखी पुरुष पर्वत राजयाथाचो नाव विनतीयातं ॥ भो पी
कं आशादयकलं ॥ भो पीतामाता सती देवी मदयावता कालंदतो कैलास च
हुणे धकं आशादयकलं ॥ श्ववेलसमे नकारा नोन जुलसांः प्रायान तोक पुयाव
मेस्वरि श्री महादेव भो पुत्री पार्वति जी ह्या च धालसाः काय धालसां हलपे
तं हलपेलपनी मदत नाव जी पनी से न गथेः श्वचीन स्थीरया नाव चोने ध
से विज्यातं ॥ भो पीतामाताः आसथे धायमो हान धालसा कैलास तोलताव
नि कैलास व नाव हं नंथ नाव यथुकाः ह तास चायमो व जी पनी सवेदा
गत न सह यायमफ्यावः मीधानयो विष्वापोष्वापो वयकाव ह्युधायमफ्य
रापी कयाव भुमी सपद लपाव विलापयातं ॥ हं नंथ व ह्या च मुदे स तय
न मिशान मो भी याधार व गु न पार्वतीया ह्यस अ भी सेष या नाथे ह्यप्या नाव
थे सुंदर स्वर वयकाव वीसद न खो याव चो नं ॥ हं नं चो काल रूंग लया

नावाविनतीयातं ॥ भो पीतामाताग्रावजीपनीवनेतेलवेलावीहुनेध
दमावताकालंदतोकेलासचार्यमयानाभोपीतामाताजीवनेतेलवेलावि
नजुलसांः मायानतोकपुयाव ॥ श्रीमहादेव श्रीपार्वतीयाद्वेवनेधालं भो पर
धालसाः कायधालसांछलपौलपनीखवः जीक्षसुमेया नाव विज्जायधायम
ध्वचीनस्थीरयानावचोनेधकंधावगुनेनाव श्रीमहादेवनग्राज्ञादयक
नधालसाकेलासतोलतावचोंगुतादतो ॥ आवध्वतेनगनेधायमतेछको
चायमतेव जीपनीसवेदाविहुनेधकंधायवतुनं ॥ पर्वतराजानजुलसांनु
वापोवयकावहुधायमफूपावचोनं ॥ मेनकाएनीमिस्वानखोवियाधा
॥ हंनंथवल्ग्याचमुदेसतयावधसधसपुनावप्रपंतविलापयाकगुली
अभीसेषयानार्थेह्यप्यानाववलं ॥ गथेकोकीलरुंगलयासवदवलभ्र
नं ॥ हंनंचौकालरुंगलयामायाथेः मायाजेमयानावल्ग्याचतोलतेम

श्री स्वस्था

११०

फ्याव घस घस पुना वचो नं॥ हं नं मा म मे न कार नी श्व व गु डे ना वः पार्वती न
व भो मा म भो मा म ध कंः घस घस पु ना व सो या व चो नंः हं नं मे न कार नी न ज
ल ह न खाल म व न कं॥ जी वा धी ली सु धा त चो ने म फुः गु गु नु ग ल न जी रा
क या व विला प या तं॥ थ ये मे न कार नी न विला प या क गु॥ पार्वती न मा म
म फ या व ग्राम वा सि प र्य तं थ व थी थी प नी स क ल व या व स क स्वे नः म
थ वे ल स स क ल ग्राम वा सी थ व थी थी प नी से न प र्व त रा ज हे मा ल येः मे
व त रा ज हे मा ल ये मे न कार नी॥ ह्या य म चा धा य ह्य म चा गु त ले थु का थ
ल तो ना पं व नी वः श्व ते न ग्रा व विला प या ना वः दु या य ध कं धा व गु ने ना वः ख
या ना वः श्री महा दे वः श्री पार्वती म्या खाल स्व या वः प र्व त रा ज ही मा ल येः मे
भ वा नी सं क र ह ल पो ल प नी स्वे न जी प नि स्त पी ता मा ता ध कंः म नु श्व या
त भो प र मे स्वर॥ ते ती स्को ती दे व ता या अ जा गुं ह ल पो ल॥ भो ई स्वर चो

रानी स्वर्गगुहे नावः पार्वती नथ व्रमामया गलपोत सलाहा तीन घस पुना
वचो नः हं नं मे न कारनी न जुल सां भो पुत्री आव जी नहु उ पाय याय मा
ने मफुः गुगु नु गल न जी राहन ता वेला विय धकं अती न करु ना माया पि
ना पया क गु ॥ पार्वती न मा मया गलपोत सघस घस पु नावः बो व गु स्वय
ोस कल वया वस क स्पे नः मी यान सो वी वय कावः वी ला पया नाव चो रां
ो से न पर्वतरा जहे मालयेः मे न कारनी यात बो धल पाव वि न ती यातं भो प
नाय ह्यम चा गुत ले थु का थ व हे स चो नी वः तव धी कल गु यस्तु नं थ व भा
हु याय धकं धा व गु ने ना वः ख व भा ल पा वः थ व थो थ म नं नी ह्य स न धै र्य
पा वः पर्वतरा जही मालयेः मे न कारनी नी ह्य से न वि न ती यातं भो पर मे स्वर
पी ता मा ता धकं मनुष्य या मा या न तो क पु य का व ॥ अशा दय का व वि ज्ञा
गुं हल पो ल ॥ भो ई स्वर ये लो के ना थ जी प नी अशा नि या त ॥ ९

नी गुरु

११०

गणदयका वनि सखी गुरु स्वयं वर्तमानाया चो ना व वि न तियातं ॥ भो पि
आग्यादयक सं ॥ भो पिता माता सति देवी मदया व ॥ ना कालं दत्त कै लास या वा
ध कं ॥ आज्ञादयक सं ॥ ध्व वे ल स मे न कारा नि न जु ल सं ॥ माया स न तो क पु या
मे स्व रि श्री मा हा दे वं भो यु वी या र्व ति जि ह्वा च धा ल सं ॥ काय धा ल सं ॥ ल
म ते छ ल पो ल य नि म द ना व जि य नि से न ग थे ॥ ध्व चित स्ती र या ना व ची ते ध व
वि ज्ञा तं ॥ भो पिता माता ॥ अ म र्थे धाय म ने छा न धा ल सा कै ला त तो ल सा व ची
म ते छ को ति कै ला व ना व ह नं थ ना व य पु का ॥ ह ता स या य म ते व जि य नि स
सा नु ग ल न स ह या य म फ या व मि षा न व वि षा पो या पो ल व य का व हुं धा
धारा वि का या व ॥ भु मि स य द ल या व वि रा य या तं ॥ ह नं थ व ह्वा च मु दे स त
मि र वा न वी भि या धारा व न गु न या र्व ति या ल स स थु भी से ष या ना थे ल य्या
अ र्थे सु द र स्वर व य का व वि स न वी या व ची नं ह नं ची का च ग ल य

गेनावविनतियातं॥ भोयितामाता आवजियनिवनेतेलेलाविहुनेधकं
व॥ ताकालंदतकैलासयाचार्यमयाना भोयितामाता निवनेतेलेलाविहुने
तुलसां॥ मायासनतो कपुयाव॥ श्रीसा होदेव श्रीपार्वतिया नुवनेधाली॥ भोपर
धालसां॥ कायधालसां॥ लयोलयत्रिष्व॥ जिक्षससुनेयानावविज्जायधाय
धचित्स्थीरयानावचोतेधकंधाव॥ गुनेनाव श्रीसा होदेवन आग्यादयकसे
धालसां॥ कैलासतो लसावचो॥ तादतो॥ आवध्वन्यनेयनेधायमतेगरोधाय
॥ हतासयायमतेवजियनिसवेदाविहुनेधकंधायावतुनी॥ पर्वतराजन तुलः
वायो व्यापोलवयकावकुंधायमक्यावचोनी॥ मेनकारानिमिषानवोविद्या
॥ हतंधवल्याचमुदेसतयावधसद्यसपुनानावअन्यत्रविययाकगुलिन
मथुभीसेषयानाथेलयानाववली॥ गध्यकोकिलाऊगलयासवदवलः
॥ नं हनंचौकाचऊगलयामायाथे॥ मायापुमयानावल्याचतो लतेमः

॥ श्री स्वस्त्या ॥

॥ १०१० ॥

न कृपा वचस घस पुना वचो न हन मास मेन कारा निष्प वगुडे ना वषा व
व भो मास भो मास धर्मा घस घस पुना वषो या वचो न हन मेन कारा नि
माल ह न माल मन कं जिवा घसि सुद्धि तयो ते मयु गुगु नु गल न जि रा ह
क या व विला यया तं ॥ थ ये मेन कारा निरा विला यया क गु ॥ या र्व ति न मा
मय या व ग्रा म वा सि य र्य तं थ व थि थि य नि स क ल व या व स क स्था नं ॥
थ वेल स स क ल ग्रा म वा सि थ व थि थि य नि से त य र्व त रा ज हे माल ये मे
तरा ज हे माल ये मेन कारा नि ॥ ग्रा य म वा ध या स म वा जु त ले थु का थ व
पं व ति व ॥ थ ते न आ व वी ला य या ना व ॥ क या ज ध कं धा र्व गु ने ना व ॥ र व व
व श्री या ह दे व ॥ या र्व ति या माल स्व या व य र्व रा ज हे माल ये मेन
र भ वा नि सं क र क ल यो ल य ति से न नि नि य ति स पि ना मा ना ध क ॥ म नु
व वि ज्ञा त भो य र मे स्च र ॥ ते ति स को ति दे व ता या अ जा जु क ल यो ल ॥ मे

कारा निष्कृष्टं नावृषा र्वति न थ व मा मै जा ग यो त स ला हा ती न घ स पु न
व चो न ह न मे न कारा नि नी जु ल सा भो यु जी आ व जी त कु र्त्त या य का य
म कु गु गु नु ग ल न जि रा ह न त वे ला वि या ध कं शु ति न क रु ना मा या पि त
ला य या क गु ॥ या र्व ति न मा म या ग ल यो त स घ स घ स पु ना व ॥ षो व गु स्व य
स क ल व या व स क स्पा नं ॥ मि षा न षो वि व य का व वि ला य या ना व चो न
से त य र्व त रा ज हे मा ल ये मे न कारा नि या त बो ध ल या व वि न ति या तं ॥ भो य र्व
ग ल म च ज त ले धु का थ व क्ष स ॥ यो नि व त व धी ल गु य स नु थ व भाल तो ना
न ध कं धा वं गु ने ना व ॥ र व व भाल या व थ व ठे थ म न नी ल स्य न ॥ धै र्य या ना
य र्व रा ज हि मा ल ये मे न कारा नि नी ल स्या न वि न ति या तं ॥ भो य र्व मे स्व
स पि ता मा ता ध क ॥ म नु ष्य या मा न या त तो क पु य का व ॥ आ शा द य का
ग या भ जो गु ह ल यो त ॥ भो ई श्व र त्रै लो कै ना थ जि य नि अ शा नि या त

॥ नि गृ ह्य ॥

॥ १० १० ॥

ज्यानसनदुफिनावदयायुर्नजुसेविज्यायमाल॥अमथ्येमोहननोकपुयकावजि
भोभवानिसंकरजियनिसभग्यानिसयापायदुषयुक्तकावसदाकालंफलयो
नजुसेविज्यायमाल॥भोससिस्तेषरःप्रावफललयनियुजानियायधकंध
हसनसविज्यातकाव॥अनेगयरार्थदयकावनानामाधन॥रत्तमनिमाराति
कशायादुर्वीमनिमुक्तादिछायावयुजायानावजयध्यानयाती॥हनअनगधम
भानिसंकरधन्यधन्यजियनिसभागेफलयोलव॥जियुत्रीवनिहविज्याव
मुद्रसन्नीनारायतवलक्ष्मीवविज्यायुअथ्येक्षिरिसमुद्रयाआनचजुल
आकषतावजिमनआनचजुल॥भोजोरिसींघरगथिनलधालसाधव
जुयकावविज्याकल॥थथिनलकीदाविलासयाकंलभीमवाविनीस
धालसा॥समुद्रमनथनयाकवेलसकालकृतथाहोवयावयुधिभस्मजुय
सधातकावदेवलोकदायागव॥कंधजुकोनिलकंराठयाताव॥निलकर
ल॥थथिनलनिलकंराठयातकोति२नमस्कार॥भोपरमेश्वरहनफल

ये मोहन तो कपुयका व्रजिय निसयात ॥ यिता माता धर्म आ ज्ञाद स्पे विज्या मुखा लः
न का वसदा कालं फल योलया जय ध्यान सोत्र जी यनिस नुगल सथात का व्र युसः
यनियु जानिया यध कंध या व ॥ श्री माहादेव श्री यावती देवी निसर लठ नसि घा
मा धन ॥ रत्न मनि माणा क्रिया तिसान नितिय का व्र तिसान नितिय का व्र अरोग सु
धान याती ॥ हन अन गध म कथाने ना व ॥ धमन क को सा व यातं भो यर मे श्वर
॥ जियु श्री वनि ह विज्या करव ना व ॥ जी मन स अति आन न्य जुल ॥ गथे क्षिर स
स मुद्र या आन न्य जुल ॥ गथे जिय निस मन सं ॥ फल योल य नी स व नि ह वि
र गथी नि ह धाल सा ध व मा या न थ मनं तो कपुय का व्र मनुष्य या मानं बुध
या कं ह श्री भवा विनी स कर यात को नि २ न स्कार ॥ हन फल योल गथी नि ह
हा व या व यु धि भ स्म जु य ते रा ॥ थो वे ल स फल योल से न क मा व नु या व ग यो त
कं रा ठ या ना व ॥ निल क रा ठ ध कं ना म पु ष्या तिया ना व जु य का व वि ज्या कः
भो यर मे श्वर ॥ हन फल योल गथी नि ह धाल सा ॥ वि स्थी स हा या ना व वि

॥ श्रीस्यत्या ॥

॥ १०११ ॥

आकलकलयोलभोईश्वरकलयोलगधिनलधालसा॥ वियुरासुरदैत्यव
पृथिरथचतुरर्वेदसलचंद्रसुर्जेघलचाकब्रह्मासारथीसुमेरुयवतिधनु
यासकृपुतकेयातसाजथथीनल॥ वीयुरासुरदैत्यमचकुलविस्वभ
नमस्कीभोपरिव्रज्यायार्त्तिनजुलसां॥ जगत्माताजुयावविज्याकलुयो
नावविज्याकल॥ थथिनलकृपासयातकृपासययातकोति॥ नमस्की
सागरंकलयोल॥ पंचभुतंकलयोल॥ पंचआत्मांकलयोल॥ निरजननिर
गुनथयालंकलयोल॥ तेरिस्कोतिदेवतायादेवलंकलयोल॥ आदिसदुअतंस
दित्यंकलयोल॥ विस्वरुपलंकलयोल॥ नथससारसदकृपानिजानुगतसय
वृषभर्षजंकलयोलयासहिमाबल्हायजिसामर्थसदु॥ भोयुभुदोलकिनु
रभावजिगुईयरसंकलयोलयाजयध्यानसदाकालंजिनुगलसथातव
रुषसेनहात॥ जोजलयावविनतियातं॥ धनलिजगदिश्वरश्रीमाहादेव

लसा ॥ त्रिपुरासुरदैत्यव जुद्धजुववे लसक लयो लयावल ग धीन धालसाः
मार्थी सुमेरुय वीत धनुख से सना गलि गो न मा हा वि धुवला तुरा धया
रदैत्य म्ब चकुल विस्व भर मुक्ति ॥ श्री मा हा देव या चरन क मल स को ति ॥ २ ॥
मा जु या व वि म्बा क ल यो न ल जि यु धी धाय का व जि ई य र स द या कृ पा याः
मय या त को ति ॥ न म स्कार ॥ भो ज ग दि स्वर ॥ स था व र जं ग मं क ल यो ल ॥ स प्र
क ल यो ल ॥ नि र ज न नि रं का ल ध या लं क यो ल ॥ स त्प गु न र जो गु रा न योः
ल यो ल ॥ आ दि म द्भु अ तं म द्भु लं क ल यो ल ॥ अ व स ध या लं क ल यो ल द्वा द स
स द कृ पा नि या नु ग ल स यो य यु ने या सा द्दि जु या व र्णी ॥ अ पा क लं क ल यो ल ॥ भो
मि द्भु ॥ भो यु भु दो ल द्दि सु धु ला व चो न ल से ष ना ग या ग मे म द्भु भो ग रि सं क
का लं जि नु ग ल स था त का व यु स र्न् जु से वि ज्ञा य म्ब लं ध कं ॥ नि ल जी युः
ज ग दि श्व र श्री मा हा दे व न जु ल सां ॥ ध व स सु र यि ता य नि से न अ ने ग अ स्त

॥ गु नि श ॥

॥ १०११ ॥

तुस्तीयाकरवनाव ॥ पुनिरसयातायावमुमुहुननृत्तिराव यर्वतराजयाव्यालस्य
नयुक्तीजाभावनाभक्तियाकषनावजीअतिसंतोषजुयधुन ॥ योयर्वतराज
नस्तोयपाथसदाकालं ननुगलसतयावतयफयमाल ॥ ध्ववेलसहुनकै
भासवनेतेलोधकआग्यादयकाववेलाकाली ॥ ॥ ध्वनलियर्वतराज
नयोविहायकावनिलसुखीयुखसेराभवानिसंकंरयाचरनंसंभोकपु
यार्वतीनीलश्रीयुषसुखसेनवेदाकायावयुजामान्यकायावमाहाभानं
नामाथन ॥ असुतीयानावहिमालययर्वतराजयाहेनयिहाविज्ञानाव
ज्यातंधकंकुमारनंभगव्याहवनेआग्यादयकीली ॥ ॥ ॥
~~कुमारअग्यासम्यादेवभीमाहादेवभीयावतिवैलासयुवेसकथा~~
भीमाहादेवभीयावतिनिलग्यानदनकैलासविज्ञायधकीन्दिलानि
तंभीमाहादेवयामनससक्तिमदयाव ॥ ध्वकैससुन्येजुयावचोनगुः भावसा

साव यवर्तनराजयाव्यालस्ययाव आशायकली॥ भोयवर्तनराज भोमेनकाह
मजुयधुन॥ भोयवर्तनराज हननवरदानधुलीजुल ह्युधालसाजिगतिजयध्या
यमाल॥ धनवेलसह नकेलासयदविलायु भोयवर्तनराज॥ आयेजियनिके
॥ ॥ धनलियवर्तनराजनयार्वतीयान॥ अरोगतिसानतिथकावमिमा
नकर्याचरनंसभोकपुयावविद्याविली॥ ८०॥ धनलिभीजगदिस्वर
गन्यकायावमाहाआनंदनवृषभगयावतेतिसकोनिदेवतानंलितकावना
याहेनपिहाविज्ञानावकेलासविज्ञायधर्कपुस्यातयानावयिहाविः
पकली॥ ८१॥ ~~इति श्री सावर्तनराज उपाख्यानं समाप्तं~~
~~केलासपुरे सवकाथा॥ १५॥~~ ॥ स्मदुर्वाचोहेअगवमुनिथोनली
मविज्ञायधर्कनिलानिलायावर्तनराजायाकेलासपुरिथेनकलविज्ञा
पुयावचोनगुःआवसक्तिहेसतयहयधुनधर्क॥ पुतीहर्वमातमुसिजुः

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ १०१२ ॥

या ब्रथ ब्रैठे ठ म न ह र्ष म न या ना व **व्यु** ति सु द र स य नु या व यं च मुर ब नु या व
ख लु ना व वि ज्पा क र व ना व **या** र्व ती न नु ल स णा त जो न ल या व वि न ति या ती
भा ल या व जि ब्र कृ या द य का स दा का लं **क** ल यो ल स्ये न धु गृ क न द या व
ध्व न सि धी मा हो दे व न नु ल स णा **अ** ति रा ग्पा क ल चो उ थ्ये क र **ना** म य व च न
न द **व्य** रू पी नि यु न्ना ध या अ ना द्या स **कि** जि न ब्र कृ गु लि धा य कृ धा ल स
ता ब्र थ ठे या य जो ऽप म **हृ** दे **व्य** गो ल मि षा द या व चो न ल यो न धि या
क न त कृ प्य यो ज न द त जी नु लं क न ग **आ** सा त या व थ यान ध र ल या व
गु स्व या व व य ध की **जि** हे य का व **आ** व त लें जि व्यु थ या ना व **व्य** य व ने
व चो न थो ते रा जि व य नु य का व **क** को ल न थ ठे या य त व **हृ** दे ण ने **व्य** रि
क **हा** क था सं जो स नु ल व **व्य** यो या स या **ना** का ली क न म र क स रि ल लु व
स जि म व या नि **ध** ते न जि न थु रि तो षो य का व **क** न त गु रि तो सु ख नु य

पञ्चयात्रयंचसुखञ्चयात्रयार्वातीवनापंचगुलिलासासतुंकेकतुनावमाना
जोनलयावविनतियातीभोयर्मैश्वरस्वामिश्रावतुनिकस्योलरादासित्वं
स्येनथुगुकनदयावनाचायाववित्रयसर्नजुयमालधकंविनतियाती
उथेकरुनामयवचनयानावयार्वातीयानेवनेव्याग्यादयकलंभोआ
षष्ठगुलिधायकुधालसाकनजितथुलितोवुनचित्तयानावजीतोला
यावचोनलयानयियारिजिषनावथुलितोतमचायावजितवोयकाव
यावथयानधरलयावचोनाथुकादक्षयजायतियाहेसजज्ञयाक
व्युथयानावभवयवनेमदयकावाजिषोयकावदयामायामदयका
यायतंवल्लाहेहनेवरिह्नगुकारनरांथयथीभुमलयायानावला
कनमटकसरिललुकंनकिनावजुयाश्रावतलेकनगुविरहनथेहे
कनतगुलितोसुखजुयधकीनानामाधननृयायागुबदकोलुसनका

॥निगुरु॥

॥१०१२५॥

वृषावर्तनीयाने वने शुभा ग्यादयकल॥ ध्वते धवस्वामि श्री साहो देवया अ
भोस्वामि॥ लयो लयात निन्द्या या कयानि मिर्तिन जिनयान न्या गय
लवना वेल स ह लयो यात दक्षयु जायति न बो लविया व निन्द्या या क गु
भोस्वामि न ह लयो लना य लाय या नि मिर्तिन॥ जिय वत र ज हे मा ल
लयो लया ज ध्यान या ना व मा हा क थोर न॥ तय स्या या ना व चो ना गु डा
ना स या त ह लयो ल से न ना ना रु य का या व भेर व हि ला व जि ने व ने चो ना
या ना व जि त हं रां बो य का व त म चा य का व॥ चो न वि ज्ञा त ध्व ते न ह ल ये
त बो य का ते व ला ध्व र व द को य व त र ज हि मा ल य या दे स स र्ग म वा रि
या त॥ भो स्वा मि शु लि ठो ह ल यो ल से न या क यान जि गु र्प र स द त न
न स त्थ थं जि त क ने मा ल ध र्क ध या व न्दि ला न्दि ला व ग्या शा द य क
ने स्व य म द य कं द या॥ मा या तो ल ता व व त ध र्क जि त आ ग्या द य क से

॥ श्री महादेव या अण्णने हा व श्री या र्वति न जुलसां विनतिया तं भो नाथ
निजिनयान न्या गयाना थुका ॥ गथे धालसा दक्षयु जायतिया ॥ ज्ञासस
या व निन्द्या या क गुलि जिनु गलन से हे लये मय या व ॥ पुन न्या गयाना
जि पर्वत ए जे हे मालय या हे स जन्म काल वना जि जन्म जु से नि से ॥ छ
या ना व चो ना गुडा ददत थुका थुलितो छ लयो लया स्मर्ना याना व चो
या व जि ने वने चो ना व जि स्वा मि धी ॥ सा हा रे वया त नाना मा थन निन्द्याः
जात थ्व ते न छ लये ल से न थुलित नि थुर जु या व ॥ थ ठे जि अवला याः
या रे स सर्ग म वा सि द को से न सि व ध क ॥ अ ने ग मा ठ न विनति
जि गु ठ पर स दत ना स ॥ जी न र व छ गुलि विनतिया य ॥ छ ल यो ल स्तेः
ला व अण्ण दय क ल ॥ भो स्वा मि पंचन रा छ न ब्या ल भति न यं र वः
त आ ग्ण दय क से वि ज्ञात ॥ जित छ ल यो ल या के दया मा या तो ल ता

॥ श्री स्वस्ती ॥

॥ ११३ ॥

गु तुलसा छलये लया कतन कुच न धया ल वे स्या या हे स वि ज्या क गु
या हे स वि ज्या क वे ल सा छल यो ल से न ग जि य स ध तुर न या व रं गि भ मि
ब वि ज्या ना म सु ला ॥ थ कु च नि वे स्या त य नि से न छु छु धाल थ व जि त
ठा स वि ज्या ना व्र भा स क गु या व या व नि मि ति न लो स म ना व्र जि य
कु नि वे स्या थ स वि ज्या क या नि मि ति न छ ल यो ल या त वि ज्या य म टे ध व
न ई क्षा तु ल व्यु न अ रा य धी भु म ना या ना व्र वि ज्या क गु व व ध कं ॥ या व
ला व्र भा ग्या द य क लं भो यान पि यारि ह न अ मो व ल्हा त गु जि त हे ये व
का व न कं ला क जि त ग ति य नि द ई व ल ला सु व द ई ला ॥ थ कु व ल
स वि ला सि नि ध या ल थ व व छ न त जि रा भा व ना या य गु तो ला ता व
मु र्ती स रि र या छा या व लु कु न छि ना व ॥ य धी वि स भ्र म ना भु म ल
छ न गु म्हा ल स्व य द या व थ दु व द को नि वा र रा तु ल भो याने भ

योहोसविज्याकगुजिनगथोसदुविज्यातागुषबुलामबुलाहंनंन
गुरनयावरंगिभगिगुयावसकलवेस्यामितोसेनहेसंयातका
कुधालथवजितकनासेविज्यायमालहंतध्वकचनिवेस्यायाः
नलोसमनावजियनकेसयुजथका॥वारंवारंछलयोलस्वदुदन
गतविज्यायमेटेधर्कगतिपिसुदुगुमदुध्वतेनकलयोलयागनग
गकगुषवधकं॥पार्वतीनिधावगुषडेनाव॥श्रीमाहोदेवनजसामि
गुलतगुजितहेयेकलमगुगुलिषल्लायतकनतोलतादलोसमन
दर्शला॥ध्वकुषल्लानाकगुलजियानयागुलथका॥सुषविईसर
गयायगुतोलातावगुगुलसा॥हपुनन्यागयायधुनकगुसिकगु
वेसभ्रमनाभ्रमलयावगुयमालाहोमनिथधिनगुदुषदको
गगुलभोपुानेवरिदुगाकनगुलालवयावजिदुषदकोतन

॥निगु॥

॥५५३॥

धुकाधर्कपरस्परना वल्लानावनिलअतिशुभिजुयाव॥ नानामाधनयचाम
केलासससुसुकनसुवनविआतं॥ ००॥ ध्वनसिद्धनुयादिनसप्रीमाहादेव
वचनयानावभ्याग्यादयकलं॥ दिप्रानयियारिजिबनावरुनदयादयकेमाल
वनावजितरुनयोयकावहेमालयवनाव॥ मेनकायाकेजन्मकालवनजी
सुर्वातगेनेमयुत॥ ध्वतेनरुनदयावजिदुषसियागुषगुलितकनेजिगु
अधारजुकोरुधुका॥ हनजिगुदेरुधुजिगुयानजुयावचोनरुन॥ ध्वभव
मदु॥ असाध्यजुवसयातसाध्यवीरुनरुनविनारुनगुपुसादनसुंतरयमजुव
तुरआहारचुललानकावचोनासुषदुषयादाताजुयावसीयाह्यजुयाव॥ जि
काधनहनंजिनोदतावओनसाजीनयानरुधाजुईमयुतरुनततोलाताव
ताववनेमयुधकसत्यवायावहनगयधालसाडिभिनिहसयारुगुलिगुगनजुय
भोयीयेविस्वमतिनियालया॥ रुनजुलतासगनगनरुवनचुनअनजिवनेदयी॥ डि

नाना माधनयचामत आदि नभ्य म तादि ॥ भोजनयानाव क्रीडा भोगयानाव
गादिन सप्रि माहादेवन जुलसा ॥ श्री पार्वतिया ने वने अति नर्म जुयाव को मलः
कन दयादय के माल कुं धालसा ॥ दक्षयुजायतिया ब्रह्म सोलवने धक जित
के जन्म काल वन जी भाग्यन आवक नया लात ॥ अत्र क म दय क जि चल कि
प्रगुलित कने जिगु ग्या त बाल नं यो विधि हा वय का व ॥ हे दुर्गा प्रान प्रिय जी
चोन स ॥ थ भव सा गर जुयाव चोन स द को क थु का क गु चर विना मेव
सा द न संतर य म जु व थ ते न क न नाम ज य ल पा व जिन विष ई त्या दि ग जि य स ध
प्रीया स्य जुयाव ॥ जी चो ने फ ई व म सु थ ते न ॥ जित रक्षा याना चोन स क थुः
न क न त तो ला ता व जी चो ने म ई फ ई म सु थ ते न क न जि दु ई य र स कृ पा त या व तो द
ग क गु लि गु ग न जु य का व चो ने द त सा वा य मा लि व म सु ॥ थु लि ली गु व्यु ति नं म जु ल सा
म अन जि व ने द यी ॥ जि ग न ग रा व न अ न न्यु न क व ने मा लि वा य मा लि व म सु ध र्कः

॥ श्री स्वरा ॥

॥ १५४ ॥

आग्यादयक गुंनेनावधी पार्वतिन जुलसांदि लाव आग्यादयलं ॥ भो स्वा मिह लं
गधे सव गधे या य गुष वयुसु सधु मि सा वला कं नि सनं कल जु य जि वला मि सा धया सय
तो या स्य या जु य मा व ॥ थते न थ व मि सा ना र्य दय का व मे व या मि सा त स्व य जि ई
न स या ॥ भाल तो सि त ना स पु रु ख ना य सि स दु धा ना व स ति व ना व सि य मा व मि ज न
लो ल म न का व बो नि व ॥ थते न मि सा व मि ज न व नि स या क ल ग धे न या य जि यु व
सा ना र्य ना र्य द त ना व स वे स मि सा तो स के स था के स व ने जि ई व म धु ध कं पार्व ति
जु ल ध कं म न नी भाल या व म न या व य जु य धु न ध कं पु सि जु या व ॥ ह न आ ग्या द
म वो न सा क न म त क स रि र जि न जु कु न दि ना व थ य थी वि द्या य भ्र म ना य
दा य का व ॥ ह न स रि र धो ल गि त का व जि के न तो द त य क ल हा ल को च जु
वु जि न को वा या व जु या ति नि क ॥ त स रि र या सा हि फु ति ग न ग न कु ति न व न
से चो ना ॥ थते न क न न म रि तो नि स र या ना व धा य म मा ल ह न जि तो ल

यत्नं भोस्वामि हलये लया अग्याजिन लघनाया यमपु धनिस्ये ५ यो स जुयगु
यजिबलामिसाधया सया जुलं पुरुषा के आसक्त जुया वमि जनया जुल मेव मिसा तो
या मिसा तस्व यजि ईवमपु हनं मिसाया मि जनया ॥ विति विवा हार जुया चो न चो
वना वसिय मा वमि जनया कला त सित ना वहनं मिसा विवा हार या ना वसि कल
ल गथे नया यजि युव हनं जिन तो सभा ॥ कव निवे स्या तो सया के स वने मा वथ वमि
त ईवमपु ध के पार्वति न ने ना व ॥ श्री मा हा देवन जुल सल सं आ वया वति धु सि
त जुया व ॥ हन आ ग्या दय कलं भो युी य पार्वति हन के जि मन आसक्त जुया व चो
धी विद्या य भ्रम नाया ना व जुया ॥ श्री नारय नया मायान अश्व क भु जि नि
य कल हल को च जु को वा कि द व नि गु ना र्य तो ल ते म फ या व मा ला दय का ॥ निशु ॥
गन गन कु ति न व न जु न ठा न भै व या अवतार का या व ह न सारि र म तो ल त ॥ १० ॥
सु मा ल ह न जि तो ल ता व व नि व ध क जि या न ग्या क प्रा नि मि ति न धा रा

भुकाधकंधयाव॥ ध्वते श्री माहोदेवया आग्यानेनावहरी श्री यावति न तुलसां॥ अति
सगथेयाय जीईव॥ लये लया तुलंशयात खाल॥ जि तुलंश यात खाल ध्ववदि
लनिका लाहात॥ ध्वगथेरावदि वदि याय जि युध्वमूर्ति जुयके जि ईवमसु॥ ३
ससां॥ हन आग्यादय कलं भोयाने ध्वरि नृपाया षष्ठ गुलि छनत कनेडे व॥ ध्व
लि छन नं छन ग अगंम्ये गृहे ग सुति या नाव निया लाहाति न हात जो जलयाव च
ये यात खाल च्या यात लाहात न॥ अयो लदय का व विव गृषव॥ ध्वते न थ मनं विया
त या व वि ज्ञात॥ ध्व वे ल स श्री यावति न तुलसां निमेष मात्र न॥ श्री माहोदेव
भवानि संकर जुया व व्युति सुसि जुसे विज्ञाती॥ ध्व वे ल स निम अति सुसि जुया
ती॥ ध्व भवानि सीर या मूर्ति गथिन ग मूर्ति जुया व वि ज्ञात धाल सा छ गुलि सरिर स व
या सा लिन सि ना व त व गृं छ पा ला हाति स मनि मय या तुल्यान न्या ना व त व गृ व
मनि क या मा लान को षा या व त व गृ व दि ग ल त यो त स काल कृत नु या व त या गृ

पार्वति न तुलसा ॥ अति सुसि जया व व्यागाट य क ली ॥ भो स्वामि जगदि श्वर नि सनः
लं क पात खाल थ व कि व कि ॥ गथे न या य जि यु क ल यो ल या र्जि का ला हा द व ॥ जि तु
जु य के जि ई व म सु ॥ ई त्पा त या मु ति जु ई थु का ध कं धा व ने ना व ॥ श्री मा हा दे व न तु
ल क न त क ने डे व ॥ कु धा ल सा जि तु लं क पा त खाल नि या ला हा त व ॥ थ क गु
ति न हा त जो ज ल या व ची ना हु न ये गु लि वे द न अ स्तु ति या य मा व ध र्क ॥ क न हु न
व ॥ थ ते न थ म नं वि या मु मु ति या त थ म नं गी ल्हा या य का य या ना ध र्क ने व ने
उ नं ॥ श्री मा हा दे व या त व कि थ व व कि सरि र क या व नि स यां क ल ज या व
नि स अ ति सु सि ज या व र स रं ग नं या व हु या व की या वि ला स या से सि ता व वि ज्वा
ल सा क गु लि सरि र स व कि ल स धु के गु लि ना हि ना व त या गु ॥ व कि ल स पि तां व र
स्या न न्हा ना व त व गु व कि ग ल पो त स स र्प न को षा या व त व गु व कि ग ल पो त स
ल क्त नु या व त या गु व व र्ण ज या व सो भा ला ना व ची न ॥ व कि ग ल पो त अ

॥ त्वत्था ॥
॥ ११५ ॥

तिनस्मात्सर्वं न जुयात् भवभायमान जुयात् वचो न क्षणालाहाति स सर्वं या कन
जडाउ जुयात् अल्पान नाना व्रत व्रत ॥ वक्षिस्तु न गजिय सधतुरन या व
चो न कतया गु ॥ क्षणमिषा गजिय सधतुरन का य का वतु लुतु न क ना व
मान जुय का वचो न ॥ वक्षि कपाल सस्मात्सु गु सि नृ ल न तिया ना वत या गु ॥ व
तया गु ॥ कपाल सचो न गु मिषा वक्षि या ॥ गोल जुया वधान लात का वचो न
नु मात या व सो भाय मान जुया वचो न ॥ वक्षि कपाल स गंगा धार ना या ना वत
रयारं गथे हा कु से चो न क सत वत शु ना व सो भाय मान जुया वचो न गु ॥ क्षण
मय या कुरा ल न सु या व स्व भाला ना वचो न गु ॥ वक्षि स्त वि भु ति न वु य
के सर वु या व न स्वात का त या गु ॥ क्षण तु ति स को ठ या ई न नाना व या गु ॥
वक्षि स्त को च या माला न को षा या वचो न गु ॥ वक्षि स्त स ग ज म ति या म
ति स दं व रु था ना वचो न गु ॥ क्षण ला हा ति न स य ले स्वा न जो ना वचो न गु

हातिससर्षयाकनकनननानावतवगु॥ कपालाहातिसमनिमानिकया
जियसधतुरनयावचोनगु॥ वक्षिस्तुसनामुसग्वालनयावस्तुह्याईक
वतुलुतुनकनावचोन॥ धणमिधानभजशनईलावअतिस्यभायः
तियानावतयागु॥ वक्षिकयासतहिगुलिसिमुलनवानलातकतिनाव
वानलातकावचोनकयालसकुनावतयागुवन्दुमाधक्षिवक्षिनिवेच्य
जंगधारनायानावतयागुजतास्वभायमानजुयकाव॥ वक्षिकणारसभम
नजुयावचोनगु॥ धणकसयोतसनाजनंतियावतयागु॥ धणकसयोतमनि
सविभुतिनवयावभवभायमानजुयावचोनगु॥ वक्षिलसकसरि
ईननानावयागु॥ कणतुतिसलुयाघंघलावकरावन्हाजावतयागु
ससगजमतियामालानकोषायावसोभालानाचोनगु॥ कपालाहाः
वानजोनावचोनगु॥ धतेयुकारनअतिवानलातकावस्वभायमान

॥ निगुह्य ॥

॥ ११५ ॥

जुके भावानि संकरया स्वरूप गुया व स्व को रव को द को मोहन गुय का व
ज्याक जुलो थो नलिह नं छु या दिन स श्री माहा देवन जुल सा थ व दा सि नं
व थ न के स स म व या गु ता द त थ ते न ग जि या घो ता तो ने गु नं लो ल म ना व च
त मे व म दु थ ते न छ न घो ता द य का व वि व थो ल त द त जि न घो ता तो ने
ग ना व यि या ज क व या व वो न थ ते न थ नि या दिन स क्ष स स कि द या नि
नि या दिन जि व रा आ नंद जुल गो वु नु स ति दे वी म द त व वु नु नि से अ र्ध क
जा नि न या ज ज स स ति दे वी न यु न त्या ग या त व वु नु नि स्यं जी न सि धि तो
सि धि त या र या ना ह कि धु लु हु न स बाला व यो ल नि ना व ह य माल ह न ध तुर लं वा
ली डुरु द को म स ला त या व नि ना व थ थे न ना नं ह य माल ध कं आ ग्ना द य क
क पु या व ध तुर आ दिन म ला म स ला त या व श्री माहा दे व या ना म का या व
धि त या र या ना व भो पर मे ध्वर नि य मं धु न आव घो ता को ने या य त का य त

मोहनजुयकाव थथीनगुमुतिरियकाव॥ सुवनविराजमानजुयाववि
लसा॥ थवदासिनंदियातसलतावआग्यादयकली॥ मोनदिजिसक्तिमदया
गुनंलोलमनावचोनथुका॥ आवकअतिजिभक्तथुका॥ वसनवलव
तजिनघोतातोनेमषानागु॥ सुदिमदयावबुदितनावचोनजिभुत
क्षससक्तिदयानिर्मितिन॥ शुभदिनजुयावचोनगुथुका॥ ध्वतेनथ
मधुतुनिसेअर्द्धकालजुयाचोनगु॥ अर्द्धकालफुतथुका॥ ग्वधुतुदक्षय
संजीनसिद्धितोनेमषानि॥ थनियादिनसजिमनर्थगुनंजुल॥ आवआमसि
लहनधतरलंवांगजिमलेजीकोलजययकीयालविनिमित्रीचिनिका॥
कंआग्यादयकगु॥ श्रीमाहोदेवयावचनेनावसिरसयुयावचरनीसंभो
यानामकायावनियाभाहातिननिनावसमुदुथेगालषथं॥ अयालम
जनेयायतकायतविसेविज्याहुनेधकी॥ नंदिनकिनतिगकनेनावश्री

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ११६ ॥

माहादेवनकापतक कुति कु वि य म क या व ल गुप्ता चा या व चो नं ॥ ध्व वे ल स य
थो न सि सि धि घो ता त या र या ना व जो ना व ॥ श्री मा हा दे व या न्ते ने नं दि ना द न
पु भ ति पु थ म ग न द को व या व से ख वा कि ले न गु पु सां द न य धं कं म न ॥
ल सां ध्य वि ज या घो ता व ना व ॥ अ ति वृ सि जु या व मी वा ति सि या व ॥ ति ज या म
ह नं भ वा नि या त धं कं ति ना व को ती ॥ ध न लि न श्री मा हा दे व न जु ल सां ह न
घो तो ज या से ष म द यं कं तो ना व हुं का र स व या ना व अ ति वृ सि जु या व घो त
द य क लं भो तं दि क न व य का ह या गु घो ता स ॥ यु ति न सु स्या द जु ल थु का क
कं ध या व ने ना व ॥ नं दि न धा लं भो य र मे ॥ श्व र द को क ल यो ल या त ह या व वि य
दि न स मे न का रा नि या ल्पा च या र्वा ति भ वा नि ॥ रि डि स के स ह या वं या थु का
व ना व भ वा नि या र्वा ति या के ने न हु नि भ ति भ ति द व नि जु ल सा ॥ ध्व य रि वा र ग
व गु ने ना व ॥ प्पा ख न हु या व चो न वे ता ल भै र व पु थ म ग न द को आ स गु

वचो नं॥ ध्ववे लसया वति नन्दि ला वथ व अच ला क चो त स धा ना वलि ल
 गान्ते ने नं दि नं॥ द ना व चो न व ना व॥ वे ता ल भे र व ग न न दि भु त ये त पि सा च
 म य धं कं म न॥ ल य व या व न ह या व चो नं॥ ध्व न लि श्री मा हा दे व न जु
 सि या व॥ ति ज या मं त्र यो ल या व भु य चि नि न॥ अ ग भा ग ति ना व चो तं
 दे व न जु ल सां ह न मं त्र यो ल या व मि षा ति सि या व छ गु लि स्था स न द को वि
 ति षु सि जु या व चो तान का य का व वि षा तं॥ ह नं श्री मा हा दे व न जु ल सां आ ग
 त्या द जु ल थु का क न भ ति ले न का व त या गु द व नि ला॥ द त सां ह नं ह कि व ध
 न या त ह या व वि य धु न थु का ध क धा व गु ने ना व॥ आ व ग थो य य थ नि या
 स ह या व थु का व या त से ष वा कि॥ भ ति ना यं त या व म त या ला क थ थो दु ने
 म सा॥ ध्व य रि वा र ग रा द को या र्त पु सा द से ख भ ति भ ति ई ना व वि व ध कं धा
 व ग न द को आ स पु ना व॥ आ व मि मि स्त से ष म द त ध कं भा ल या व चो नं

॥ निगुल ॥

॥ ११६ ॥

श्री माहादेव धालसा गजियारंगनं अति सुसि जया वध वधे धमनं ॥ न्दिल्ल व
का वनिर्वस्य जु व गु सुधा तया दम दय का वध व गन दको सया तव को य रि वा
वनं दिन जु लसा वधा य ध धा य म सिया व ॥ भवानि यार्व तिया था स व ना व वि न
न द को श्री मा हा दे व या ने व ने य ना व वि या ॥ ध वेल स श्री मा हा दे व न क पा
मा द त सा यु सा द द को ग न य नि स या त ई ना वी वि व ध कं आ ग्या द य क स वि
व ने व ने त या व वी ग्या त ह नं ध वि ज रा रं ग नं नि र्व स्य जु व गु ना यं भु दि म
दि न वि न ति या व ने ना व ॥ भ वानि न जु ल सा आ ग्या द य कं लं ॥ मो नं दि छ
छ प नि से त ह नं द छि त न ल सां पु र्व म सु गु लि मा ई ल ई लि ह न ग न य ति य
न दि अ ति सु सि जु या व सो ल व न वेल स ॥ प्र सं ख्य अ सं ख्य वि ज रा त या र जु या
सु सि जु या व द रं श्री मा हा दे व नं जु ल सां हे न न्दि स क ल ग न य नि या त वि
क लं ध वेल स नं दि न जु ल सा द क स या त ई ना व वि लां ॥ ध वेल स या व

बठेथमनं॥ निला वयावनहुयावधुसेगुलिकिसियाकेगुलिकुतिनवन
सयातयकोपरिवारसलतावस्वेषइनाविविधकहालावजुली॥ ध्वस्वरा
तियाथासवनाविविनतियातं॥ भोपरमेश्वरभवानि॥ घोताविजगुलसांजि
मीमाहोदेवनकपादकोपुतकसेमदयकंतोनावविज्यातंआवहुनंदनि
आग्यादयकसविज्यानावधवथेठमनंयावहुयावदकोगनसलता
जुवगुनायंभुदिमदत॥ भोमाताभवानिश्रावगथेरायमालधकन
यकंलं॥ भोनंदिहतासचायमेतेजिनलेनकावतयागुदुकाथुका
उलिहनजनयनियातयनकावविविधहुकनस्वलहुनिधकधावगुनेनावं
विज्यातयारजुयावचोनंशुत्ययावदका॥ नैरववेतालपुठमरायनिभुः
कलगनयनियातविजयास्वेषप्रसादभतिभतिईनावविविधकआशादय
वेलं॥ ध्ववेलसयावतिनआग्यादयकली॥ भोमयागनयनिआवधुवि

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ ११७ ॥

जनया वडु पदु वया ना वजु मते धर्क आग्या दय की ली ॥ धवे लस मे
जु या वजु जय मा हा दे व जय मा हा दे व जय भवानि धर्क धा या व ॥ व्या वत
कारन श्री मा हा दे व याने जु लसा ॥ श्री भवानि या र्वति वना य नाना कि दा
वि ज्ञाना वचो नं ॥ धवे लस श्री भा वानि या र्वति या ग भवति जु या व यु
व्यवृष्टि या ना वह लं ॥ हरा द को ई नु पु नृ ति ते ति स को टि दे व ता लो क स व
ति मा ति कर भदु व्य पु नृ ति या ति सा ना ना व स्य या व स त द म का व का या
न या व ना ना दु व्य का या व असं व्य असं व्य का व द स न या तं ॥ ॐ ॥
क ल दे व लो क व या व द स न खाल स्य या व आ ग्या द या क लं मो दे व लो क
रा या त व ल ॥ इ ति श्वर क ल स या ज क जि का य व ल ध क ने ना गु भु सि
ष्टि त नि स्वर न जि त अ य मा न या त थु का थ या त नि न आ य वि य ध क आ ग्या द
॥ मो य र मे स्वरि भ वा नि या र्व ति ॥ ध स ति भ र न क ल यो ल या त अ य मा न या य

कैली॥ ध्वेलेसमैव गरा चतुर्वीति श्रीयोगिनि गनपतिस अतिष्ठसिः
धायाव॥ व्याखत दुयाव थवठव भागक राव नयाव चोने॥ धुगुलिधुः
वनाय नानाकि दावीलास याव नाव के लास विजानाव सुव भोगयास
गर्भवति जुयाव युव जन्म जुल॥ ध्वेलेस स्वर्गस दुंदुभिवा दधानाव वृ
दिदेवता लोक सक से के लास सवनाव॥ धव धव अष्टा पुर्व कहिरा मो
तदय का व छायाव वस्त्रा विष्णु पु नृति सकल से तंदरी तयात॥ हतं कुवेर
यात॥ ॐ० ॥ ध्वेलेस आया वति न जुल सान अतिष्ठसि जुयाव स
गकलं मोदेव लोक पतिजि काय पुलध कसक लदेव लोक वयाव दस
धक नेना गुष्ठसि म जुल॥ ध्वेलेनं क ससेन सोल वं मव सो वस्त्र धपाठि
विय धक आगपाद यक गुनेना वद कोदेव लोक न यनितेन विनति यात॥
यात अयमान याय धं क सवल म सु॥ ध्वेलेनित्वर न ध्वय वनु नं मस्म जुया

॥ निगुस्व॥

॥ १११॥

ब्रह्मो निवृद्धकं॥ गणना ब्रह्मसूत्रं धृत्वा विष्णुं अयं राधसं श्रावयितुं मे ते ब्रह्मकं विनति
तं भो देव लोकधुलिमहि देवताय निसे न सोयानं जि काय कुं मजु व धसनि
यात धर्कं तम चाया व आग्या दय क गुने ना व सुतानं कुं धाय म फाला व सनि
व क्सेता या का चो ना व हात जो जल या व क्से स्व या व य॥ श्री भवानि या र्व
नि या र्व ति मे व ता का र न रां जि म व रा म सु छ ल यो ल या का य वृ व गु व ना जि का
ल व भ स्म ज्ञ य क् वृ ध कं वि न ति या क गु गु ने ना व॥ श्री या र्व ति न आ ग्या द य क
ह न के म फा ल थु का थो ते न ह न भ ग ल व ल ना व चो न थु का ध कं आ रा द य व
थ ग र्व ति न अ व से न आ य वि य क् वृ ध कं म न रां भाल ग व क्से ता या क चो
लु म द या व व नं थ स्व या व॥ श्री या र्व ति न जु ल सां हा हा का र न बो या व॥ अ ति
नि रा अ य रा ध न जि का या या के ल कृ ति न का व वि ल आ व क न सु ना नं सु रा
ध कं आ य वि लं थ वे ल स श्री मा हा दे व न जु ल सां॥ श्री या र्व ति या वि ला य ने

यमेतेवधकंविनतियाकनेनावधीयार्वतिनजुलसाहनंतमचायावआगादयक
कुंमजुवधसतिश्वरनसोयानजकजिकायकुजुईव॥जितअयमान
यमहालावसनिस्वरयातधायकलंछोतं॥थवलसस^{ति}श्वर^नकारनवयाः
॥श्रीभवानियावीतियातदंदवतयनामयानावविनतियात॥भोमाताभवा
यवुवगुवनाजिकायतमचायजिजुलंसनिस्वरधकाजिमिषानंसयसुनुंथव
तिनआगादयकलंभोसनिश्वरकुअतिअहंकारिधुका॥जिकायवुवगु
काधकंआगादयकलीथवेलससनिस्वरनजुलसांआवजिईवमवुत॥
वकुवेतायाकचोनाव॥मिषायाकुनंरंमतिचाजकसोयवसुनुंवालवयाहे
नरनवोयाव॥अतिविलाययानावशानिस्वरयातआयविली॥भोसनिचह
वकुननुनानंसुयाखालसयदयमाल॥कुनतनुनानंमान्ययावमदयमाल
वतियाविलायनेडेकयाव॥थवहारयारनदिभन्दिपुथमजनयनिया

नाव

थथेयेगुलिदिसासर्वगोपनकालातकवलसयाहेलधेनावहयमाहमवि
माहारुदुयाआग्यानेनावआग्यासिरसफयावतकारनवयदनाव॥ श्रीमाहदेवया
मालवत॥ **थ**नलियेगुलिदिसासमालजुयानंलुयकेमफयाव॥ आवग्यायः
क्षामजुलधिकंमनसआसचायावकालयंतिवैनयंतिमालववेलसदकिनदि
सदुतयनिसेनवनावहतासतं॥ धावानवनावलितुलिनावयेस्येयेसंचो
युवानवसानकयकलंथवेलसकिसियागलपतसलातकावमस्तकहि
आकासतुंफयावयनं॥ **थ**किसिगथीनसधालसास्वेतवैनचोथेतेतुयुव
सकहिन्नयानावयेससेनकुवयावकेलासथतयनाव॥ श्रीमाहारुदुयान्दे
यार्वतियाकाययाहासथेहेलकुनावजिवदानवियावम्यातकावविलं॥ **थ**नलि
नयुधानियानावविलं॥ **थ**नलियावीतिनजुलसांथवयुत्रयाजिवरक्षाजुवस्ययावमा
वकोठासचोनावनानारसभोगयातावअतंदनविज्यातं॥ **॥थनलिहनुयादि**

॥निगुत्प॥

॥११८॥

नस्तनेतिसकोतिदेवतायाराजाईदुनजुलसांअग्नीदेवतावोतकलकोयावआग्नाद
श्रुर्विहिहामविज्याकं॥धलजगदिस्वरथठेतयावधल्लुवलादगथेनरक्षाजुयु
वयितकायावहयमालधर्कआग्नादयकरी॥धनलिअग्निदेवतादेवराजया
केलासर्वतथेनकलवनावहाहावनेतेनवेलसवारयारनयनितेनदुतमहो
पनावभिहुकयागुसपकायावभोनंगथनिगुवेलसदुहावनधालसा॥भी
वचोनथासवनंधवेहसमाहासुदुकोपजुयावभस्मयायतेन॥धवेलस
यावकोनववसयातहुनतिविगावकोसेविज्याहुनेविज्यायमालअमथेको
जुलसांभवभासयावहतासनंविज्येकपासलचोमिनंकंयावअग्नीदेवता
यिहावलं॥धवेलसविजयायुभावतअग्निदेवतायासरिरसदयावयावगथेया
गायातिरसवनावगगासीसवनावलोयावरोतंथठेतमजियावचिभायभु
कोयावचोनंधवेहसअग्नीदेवतातंयासरिरसतुषटयावदधवकेसलिहावनं

लकोयाव आग्यादयकंलं॥ भो अग्नीदेवता जगदिस्वर श्रीमा हादेवकोठानः
गदगथेनरक्षा जुगुवसुनानंरक्षायायुगुष्व भो अनिदेवता धधेवनावना
देवतादेवराजया आग्यानेनाव आग्यासिरसतयाव॥ तत्कारनंवायुवेगन
यनिसेनदुतमहोसितल॥ धवेवलसवायुदेवता जुयाव कोचयाद्यालनडहा
गवनधालसा॥ श्री मादेवव श्री यार्वतिवनिह्रयाय कायकातनंयानाचो
यतेनं॥ धवेलस श्री यार्वतिन जुलसाविनतियातं॥ भो यरमे श्वर भिक्षु क गु
यमाल अमथे कोधयासे विज्जाय मते धकं आग्या जुयाव॥ श्री मा हादेवन
कं याव अग्नीदेवतायात विलं॥ धवेलस धुविर्ग कयाव अग्निदेवताननुयाव
मदयाव अग्नाव गथे याय माहा अनार्थ जुलं धकं हालाव जिह्र जुयतेन वेधकं ग्याना वग
जियाव विभाय भुवनाव कसभो सलोयाव ताथल॥ धवेलस धुगुलि विर्ग तमि
धवृक्षे॥ सलिहा वनं थोन लिह कुगदिनस सयुम वि श्वरयाव॥ लात नृसल वलनियनि

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ ११५ ॥

गंगासमोल्लुखेधुनका बलिहाववेलसमिहोया चोनवतावधालं भोगा
नुयोधकंधायावधु ससेनधालं भोगासापनिमेवयामिहोयकावतवगुमि
पुनवारवसुनिधुससेनजकमि कुतवनावधुवधेसलिहवसं ॥ धनलिपुर्
यनिसेनधरयनिसेनभोगुलनियनिकुयनिसगधेगभसदतधकंधाया
ससत्तेनंससियाधकंसत्तेवाचायातं थथेसत्यवो लयातानं रिषिस्वरयनियु
यावधुसनिधुसंगगासवनावगगासविर्ज्यहोयावअकाससथाहावनावन
चोनवनं ॥ पुनवारगगासहोयावताथाठगुलिनविर्जनं ॥ कुमारधयालवुय
नुयकावविष्णुतं ॥ धनलिगगातं थवासवजोनावधामाहादेवयाथा
लयाकायगोनावयाधकविननियाकनेनावअतिधुसिगुयावविष्णुतं ॥ थ
गरोसकुमारनिसवनावदर्सनयातं ॥ धनलिजगदि धरन ॥ श्री गरोसकुम
लिहकुयादिनसहिमालयापर्वतराजायाकलातमेनकारनिनगुलसास

पताव्रधालं भोगसायनिः कुकुमिकोरावकावतलभ्रिजिसेनमिभतिमिधने
कोयकावतवृगमिकुयमतेवधकंधायावकलजकलिहावनं भोगसायनिः
वृलं ॥ धनसिगुरीवारमिलागुलादराववृलनियनिससलिलसदरावअभि
सिदतधकंधायाववृलनियनिसेनधालं ॥ भोस्यामिहलयेलवाहिकनमेवमा
नं रिषिस्वरयनियुनितमजुयावआयविलंगुर्नवार ॥ अरिषिस्वरयनिसआयक
ससथाहावनावनाराजनसमारिषियनिसआयनषाषिपुचलनगुनिजुयावः
कुमारधयालुयातयोलेलसकलईत्यतिजुयावगगापुत्रधकं नामयुष्यातिः
आमाहादेवयाथासवनानेवनेतयावविनतियातं ॥ भोजगदिश्वरकलये
जुयावविज्यातं ॥ धनलिआयावति श्रीगंगाआमाहादेव स्वसरादेवने श्री
रुन ॥ श्रीगणेशकुमारजवंषवतयावपरमआनन्दनविज्यातं ॥ ॥ धन
कारनिनजुलसासयनासआमाहादेव श्रीयावतिनेलकेलासगुरिसवि

॥ निगृह्य ॥

॥ ११८ ॥

न्यातनावचोनेनधकं घनावनेलतचायनसुनुंभवह्यावलुसनावभत्यत
कोराकथेनेनकावभुमिसग्वलग्वलतुलाव अईमादिगुयाववोयावभोईमा
नावचोतंहतनुगलतंसहयायमकयाव॥जिरक्षामजुलभोयावतिईमाक
धरलयेकनगुनामकयानं॥जगतसंसारयादुबतनाववनिवाधकंधावनेगु
लसतायवलजिग्यानसमानयानावयासगोरिजितभतित्वयदयमाल॥कनना
हेईमाक॥कोलजिनेवनेवयावमाप्रमासंधकंसधुरस्वरन॥कोलवुतंस
याववतयाराजायाकलातनुवयानिर्मितीतजिलोहथेजुल॥भोगुवीहविना
नियातजनमराजानरायमकस्येचोतं॥हविनानथयानधरलयेमप्रतोहेहुम
तिप्रईवभुगुक्तिगुक्तिदईवधकंधालंथ्वसेनजिगुर्गीतिप्रतकावविद्यमाल
मथानीदयागुयावचोनेला॥जिनेवनेककोलवुतंसयप्रमाललाहनगुत
नईक्षागुलमिषामदुलयातमिषाहुनाववियाथेधनमदुलयातधनदव

पुष्पावसुमनावभत्यनविलाययानावमनईदसगुयकावथवससमि
नईमादिगुयावयोयावभोईमाभोईमाधकं॥मिरानंखवीहायकावविलायया
रक्षामजुलभोयावतिईमाधनखालमयानावगुतायनोआवजिधयानगथे
वतनाववनिवधकंधावनेगुनेनावधतेनजिगुलंथथेगधमिहोक्थेजि
नभतित्वयदयमाल॥ननामकायानंजिगुकोथगठेगथेयनससंयजुल
सधुरस्वरन॥कोलधुतंसलतकानेनेगईकाजुलभोयानेवरिजिलोहन
लोहथेजुल॥भोगुवीहविनासंथयाननित्तिहियाहिनगुयाववनजिपाधि
नथयानधरलेमप्रतोहेदुगाभवानिधननामदुगीधकं॥नामजकयानंदुग
गुदुगीतिप्रतकावविगमालजिअनाथवनावधनभतित्दयादयमुमाललाभ
धुतंयमुमाललाधनगुतादतथका॥नमामधावगुस्वरनेडेगुजितअति
गथेधनमदुसयातधनदवथेधनेवनेतयदेतनावजिमनसंतोषजुगुथ

का हनं छ जुलं मिषास उ लाव यागु अजलथे थुका भो पुत्री छवि नानं जिघा न
सेलो हचोन थें चो ना वचोन धक ना ना मा धन मे नकारा नि न वि ला य या
हा व य का व षो या व चो न थ न लि य र्व त रा ज या दे स या ग्रा म स चो न पुर वा
न ति या तं भो मा हा रा नि ॥ छ ल यो ल से न गु म थे अ न्न भो र्जन म या स्य पी ज्य
ज्या दु ने क धं वि न ति य म ने ना व थ व थ र म तं धै र्य या ना व सु मु क चो न ह
न वि न ति या तं ॥ भो मा हा रा नि आ व स ट द क तु या स म य व ल ॥ आ का स मा
म गुर यं कि नं थ व ग तु स्वर न हा ला व या ष तं दु ल थु का व र्णा गु या व नं दि न न
के त कि स्या न हो ल थु का भ म रा ई न्या दि कि न यं तं ग नं हा ला व स्वा न या र स
न गु व या व व ल स क ल पं कि वा न ला ना व व ल ॥ च र्छा तं ग ल य नि से न र
व ल ना व ॥ वि सं सार स क ल जि घा अ त्मा या सु व गु य थु का वा न ला त के या
वे षा न स क से न या त थु का भो मा हा रा नि अ म लि त्व वि र ह स ह स पे म पु

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ १९० ॥

का भो पुत्री हविना नं जिघात न मारु गु संसय गु ल जिघात न न मा घात वने म फ
 र मे न कारा नि न वि ला य या ना व अ ति मा या यि हा व य का व क रू ना स्वर पि
 पा दे स या आ म स चो न पु र वा सि र को मि सा ग न य नि व या व वो ध वि या व वि न
 ये अ न्न भो र्जन म या स्वी ज्वा य म ते व उ मा या र्वा ति व य के गु गु क्ति या से वि
 न धे र्वा या ना व सु मु क चो न ह नं मि सा त द को से न या र्वा ति व के या नि मि ति
 या स म य व ल आ का स मा र्जन वा व ० यो गु न भ ति भ ति रि ना व व ल ह न
 ल थु का व र्वा गु या व नं दि न ना रं अ ति वा ल व या व चो न गु भ ति स मे गु ल
 यं तं ग नं हा ला व स्वा न या र स का ल व ल ॥ गु ल यं दि य नि से न या हा या व चो
 ॥ च उ क्ता त गु ल य नि से न रा सा मा ले गु लो भ न व ल थु का ॥ थ व स द र अ नु
 व गु थु का वा न ला त के या नि मि ति न सार दा स र स्व ति या से वा या य गु
 पु म लि त्व वि र ह स ह ल पे म फु ल नं ॥ ह ल यो ल या या न ध न गु या व चो न ल

॥ नि गु र्वा ॥
 ॥ १६० ॥

सुवर्णनया प्रतिमा चो नथे चो^न स्यावति अर्थे न स्या गल वययात काय विद्याव^न
मास जुयाव चोता वा^थ व ल्या च सल त के को यं गुना मनायं म का वा^द को लो लम
नानं कु सुष क लयो लया मुचा तो ये ल सु सु दु गु म सु दत नं वे हे क ल व नं म मथे लो ल
वे हे या वति सि व लो क या त्रु न न धा व गु ने ना वा^धा ल सा र्द्ध मा या व ति या ल स व स त
मा हा दे व न गु या नि मि ति न धु के गु लि कि सि या के गु लि डे य का व त ल चि कं म द्रु या नि
चो त अ न्न न य म घा ना व सु र्वा थ चो थे न ल र्द्ध मा कु से ग हि लि जु या व चो न ग न
डा क्षे या को षा य का व त ल ॥ उ ण धा ल सा कु म द्रु या नि मि ति न ग जि ज क न्हा य का व त व
त गु या व ॥ कि सि या के गु लि चो त थें चो ता व चो त ॥ थ य व ति न दु ष सि या व चो त गु
नि जि ल चा या गु ष धा ल सा गु ने अ न्ये क गु ष डे ने दु ॥ ग थें धा ल सा मि जि स र्द्ध मा
ना व स र्थ जो ना व स र्थ को षा या व मि मि र्द्ध मा या त रो ल ता व म सा न स व ना व चो नि व
त जि ला ज न या ना व र्द्ध मा या व ति या त विल ॥ ह नं व र्थ मा स जु या व चो न वे ल स वे दा वि

निलयागलवययातकायवियावकोयाकलयोलयाचितयातधन्यधन्यधायजोग
गुनामनायमकाव॥दकोलोलमतकावधवगुधोधसतभर्जिकसोकथानावचो
बुदतनंवेहेकलवन्ममथेलोलमतकावगधेविज्यानाकलयोलयासंसारदको
गलसार्वमायार्वतिगलसवसतयानामयुतकायुतकयुतनायमदुवस्वविय
कगुलिडेयकावतलचिकमदुयानिमित्तिनिसदकोसिईस्यचोनावजताथेचोनाव
ईमाकुसेगहिलिजुयावचोनगनावचोनंतिसाभलसातिसायाभावनधालसार
निमित्तिनगजिजकन्हायकावतवयानिमित्तिनलाहातदको॥येलयेलजनावघो
॥धयार्वतिनदुषसियावचोनगुकनानंगुलितकनेयानजकलेनावचोनगुदः
डेनेदु॥गथेधालसाभिजिसईमावनाययीतिमदुगजियसधुनुरद्योतानोना
रोलतावमसानसवतावचोनिवईमायातमांमायामतव॥धतेनधधिनलया
र्यमासजुयावचोनवेलसवेदावियावकोतधतेनगुगुनिलुमतकाववोयवकी

॥ श्री स्वस्था

॥ १२१ ॥

मास जुयावचोनवेलसवडयनिसलसगथे गथे जुंवे ॥ थवायासमाचारकुं नेरो
यावचोनयानिमित्तिननामंयवर्तज्यांयवर्तयालो हथो ॥ सामया माया मरु मेवय
भो मास धकं सुनारां ॥ सलतलवडिं गुषववर्तरा जहि माल ययान धि कार धायक
या अमलित धन दयान कुयाया ॥ कल योलया धनया तंधी कार धकं धाय धकं
नं ॥ थोनसिगुन वीर मेन कारानिनं जुलसां ल्या चयार्धति काय कल कोरया निमि
थ वनु गलस अग्नि निदा हा जुल थेंड नथं नेत कावा ॥ अत्य विलाय या ना
ना वसुस्वरपित काया व विनंति यातं ॥ भो सोमिने स्पे वि ज्वाहु ने कल योलय
न कल योल जुई लो हसमान दया माया के सनाय मरु स जुवया निमि तिना
हाय मरुय का वजि गथे चोने गुरव व कल योलया ना मयवर्तरा जा ॥ नुगलनयव
थें चोन स ल्या चन भिळारि भेख जुयावचोन धावने ना हुनं मा हा देव या छे
स्थान मरु स स्मसान स वास या ना वजि उं मा या थास मचोन जि जोरि गथे

जे ॥ **श्रवणा** सप्ताचार कुं नेरो मुमालला ॥ **कल** योलयर्वतरा जया कलात जु
 लोहथे **मा** मया माया मरु मेवया जुलसाया नचोनी वमवुत ॥ **कल** योलयात
 रा जहि मालययात धि कारधाय **क** ल योलयात धि कारधाय जो जपथुका **कल** योल
 धनयातें धि कारधकं धायधकं धाया वा **सकल** मिसा गनद को थवठ वळे लिहा
 चयार्धति काय **कल** को रया निमितिना ॥ **षो** णा षेया व अतिरुषन विलायया ना व
 नेतका वा ॥ **अ** त्प च विलायया ना व थ वस्वामि यर्वतरा जहि मालयया था सब
 मिने स्पे वि ज्हा हु ने **कल** योलया **या** थुत्प न निर्दयारा वमने ॥ **जि** यान व नि
 तनायं मरु **म** जु वया निमितिना ॥ **थ** वयान समान स **ल** या चनायं व **क** गुलिनायं
 प्रया ना मयर्वतरा ज ॥ **नु** गलनयर्वतरा लोहथे जा गु माया मरु वमने सुवर्णाः
 त धावने ना हुतं मा हा देवयो छे स अंनं मरु वा सयायत के मरु यानि मिनिनिः
 यया था स मचोन जि गोरि गथे मै ना क ॥ **प** र्वत जल सल सचो ना वचोन थें

॥ तिगुरु ॥

॥ १२९ ॥

चोनगुजिनुगलनशथेसहयानावधैर्येयानावचोनेचोनलोहगालथेजिजुग
थेतयावतयास॥ आवथसल्ल्याचस्वयमदयकावगथेमानावचोनेधन
जितसुयाबालस्वयावचोनेथथीनगुवियरितस्वयावमानागुनधित्कारधाय
थथीनगुल्ल्याचयार्वतिमदयक॥ गथेलोलमकावचोनधकमाहारुषन
नेदयकेस्वयास्वयागोकेगुथेउमायाबालवनेमदुधतेनरानाती॥ जिल्ल्याचउ
मधकंससतुतलेजियाननपिजुईवममुजिमिषानयितमकोतलेसेजिगुअचलास
सा॥ जिथयाययासरिरयागयायतेलथथेदुषसियकेमावयानिमितिनिआवते
जिथयाययासरिरमानावचोनेयईवममुत॥ थतेनथुलिसियायजितमेवनाकु
यार्वतिउमाहयावमातकिव॥ भोस्यामिल्ल्याचगोरियातजिनस्वयनासवनाथु
सेहनुक्कभवरीनजुयानजुलथोतेनजिमामजुयानथवनेनावचोनेयईगुम
निमितिनिहयायकतजिजुलसाजिल्ल्याचउमान॥ भोमामभोमामधकंसलत

मलोह गालथें जिजुकाव गथेचोने॥ जिह्याच जिह्याच जिमियाया अजल
गथे म्मानावचोने धनमदयकावरिदु जुयाव म्मानावचोने गुथे जुल आव
म्माना गुनं धित्कार धाय गुष्ठ व॥ उमायावती म्मदयकी थयवती यास्वभा महु॥
वचोन धक माहारुषन सोयावचोनं हनं जिनं गुष्ठे स्वयाव॥ यावती याकोल व
नेनरानानी॥ जिह्याच उमायात हयाव विसेवि जाहुने॥ जिह्याच न जित भोमा
कोतले स्पे जिगु अचलास यो लचिना वयात यास्म जिगु धनन नारां हयाव विवम विल
गव्या निमितिनि आवते ले वुल्लान म्मात कावत लथुका॥ जिह्याच स्वयमदयका
सिखाय जित मेवना कुधाव उना मदन॥ जी म्मात के गु जुल सा जिह्याच भवानि
न जिन स्वयं नास वना थुका॥ गन गथीन गुष्ठन धाल सा गुं नैन यम म्मानाव हाकु
षने नावचोने क ई गु महु॥ भोस्वामि कु लयो लजां लोह पिजा गु नु गल जुयाव
माम भोमा म धकं सलत कावडे ने गु ईक्षान व्याकुल व्याकुल जुल हनं भो मा म

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ १२२ ॥

धकंसलतईयिमेवसुमदुथोनेनरानानके लासविजानावगौरियार्वतिभवानि
हिमालययानेवनेधयावअतिविलाययावाक्यनेनावआग्यादयकल॥भो
वस्याचईमायाकारनंरां॥कनअलितोमनईदासयायमुमाल हेलोहथिजां
यायमते॥वमंभिजिसस्याचमपुथका॥५॥ग्वलस्यानामजकयान॥भवसा
थिवकनयुमानसदुविनावजिलाजनयाकेसअर्नमदुयानिमितिर्ननयमका
आमोमिसावजकवधकसियकि॥ग्वलयावीतिदेवीधयालअर्नयापुरीयास
त्यारजईवलाधकहनंभिवारिजुयावाभिछायेनावयार्वतिनरायावगुलधाल
थीजांलजांक्याभंदारिधकधसंसारंसजीवात्मादको॥सिमालोहयर्थतसकस्यां
लाथभिजिसपुत्रीईमाधयालजां॥केवलंतराजराजेश्वरिजिलचाधालसामे
मथेअज्ञानसलुधजुयावजुयते॥जिभिसेनजन्मजाप्तातरसस्यवातयस्याय
कगुषवहनंभिजिसजन्मकर्मससाकलेयायता॥श्रीमहमायानकनकेगभ
नलपमेश्वरियाभावलोमनकावकनगथेयुमथीनगुषलहाना॥ग्वलपुस

गवगोरिवार्वतिभवानिउमा॥जिह्वाचयातहयावविवधकंधवस्यामिपर्वतराज
 आग्यादयकल॥भोस्त्रिमेनाहूनविलाययाकयायसत्यमनस्थीरयानावचो
 मुमालहेलोहथिजांगुवृद्धीजुयावचोनस॥हूनजिह्वाचधकंधवगुभावना
 मजकयान॥भवसागरतरयेजुयकावविज्याईसथुका॥धनसधकंधाल
 यानिमित्तिननयममानावयार्वतिहकसेगहिसिजुयावहशुवरीगुलधकंधाल
 यालअर्नयायुरीयास्वरुपाजुयावविज्याकलयाहेस॥अर्नमदुधयानंजियः
 तिनरायावगुलधालअमोषनजियत्पारमजुवा॥ज्वलयरमेध्वरियाजांकुवेर
 मालोहययंतसकस्यांसियावचोनधास्यलिवयनिस्येनभिकाकोनावनयमाल
 वरिजिलचाधालसामहेध्वरधकंधालतकहूननुगलनसियकि॥हेरानिअः
 मातरसस्यवातयस्यायानागुपुन्यनडिजिसकेउमायार्वतिनजन्मकालविज्या
 महेमायानहूनकेगर्भनजन्मकालसेविज्याकगुषबहनंथुका॥भोरानिथठी
 नगुषलहाना॥ज्वलगुरुवोमधायकावविज्याकल॥सिवायागुलपुहृतिशि

निगुस्व॥
 १२२॥

वानिधया स्यात्तु न जियु श्रीधकं सायाया भावना या नावथ वतठ मतं दुषवि
खोय मने क नयत्तार म जुल सा जिन थ थो कै ला स व ना व ॥ जगदं वा भवानिय
क ह ना स चाय मु स्वा ल ॥ ह नं जि मि स ई मा व ना यं जिल चा स कर मा हा दे व ना यं
व ना गु भा व या ना व चो ने म ने दु र्गी नां म ज य ल या व चो व ॥ ध व ल स क न या न
य ति जु या व व ल सां तु र्गी ना म ज पि व थो व ल स क न वि य ति ना स गु ई वा ॥ म्ब म्ब
ह नं श्री मा हा दे व न का ल कु त नु या व ग ल यो त स था त का व थ व यान स सं स र
प ल या व ॥ या न र क्षा या त ध न्य न थ थी न स ज ग त मा ता गु या व चो न स य
चो ना व ॥ अ म थो यो या व चो ना रु र्गी या ना म ज य ल ये गु ॥ नु ग ल स ति व क न
ल सा ध व म्ब दु र्गी लु म न के फ र्द्व म्ब ध कं धा व गु ने ना व मे न का रा नि नं ज
ना व थ व स्वा मि य व त रा जं या ने व न्धाल ॥ भो स्वा मि न ना रां के ला स हु नि
स य ति लु वा स गुरी धं त त या व अं मा या ह ल ॥ व लं गा त सि या ह ल ॥ घ त या दे

बनायानावथवतठमतंडुषविद्यावजुयतेवला मनस्थिरयातावचोव॥ भोरानि
लासबनाव॥ जगदंबाभवानियावतिउमायातथनजिजिसकेसहयावविद्य॥
यंजिलचासकरमाहादेवनायवोनावहय॥ कनथनकेसचोनावमेवतागुभा
लयावचोव॥ धवेवेलसकनयानसमानसउमाकनहेवनेवईवथुका॥ कनतवि
कनवियतिनासगुईव॥ स्वसुदुर्गीयानामचर्तुवेदनमहिनायायमयुस॥
तसथातकावथवयानसंसयजुयजुयकाव॥ चोनवेलसवहेदुर्गीयानामज
जगतमाताजुयावचोनसयातकनगथाजील्लाचधर्कसायायावससचा
तयलयेगु॥ नुगलसतिवकनदुर्गीयानामजयलयेगुतोलेतेमहेव॥ तोलत
एवगुनेनावमेनकारानिनंजुलसांछोयगुदिनाव॥ मनसअतिआन्दयाः
भोस्वामिननारांकेलासहुनिधकंधयावसुमंगलवाद्यथातकावथासथा
॥ बलंगानसियाहल॥ घतयादेवनेतयावलुवायति॥ निषेजवंषवंसकेरा

॥ श्री स्वस्था ॥

॥ १२३ ॥

माथना वतलं हनंध लिदुदु आहया वतलं वसुनयनि ॥ कन्या गतयनि नेव
मान्यया नावयं च दियाना वय चदि मत छोय काव ॥ ग्राम वासिय निसेन मुस्या
नचं दियारयात काव ग्वसस्य नदुर्गा नाम जययात काव ॥ यर्वतरा न हे मा
यराव ॥ अनिन सुसिजुया वथ वस्या च भवानिया र्वति दुर्गा उमायात थ व छे स
कं विज्यात ॥ ॥ धन लिसेन कारानिन जुलसांग थे चर्ड कोठ म्गलया वास
वदवय काव चाव हीति ववथे घरि घरि यिहा क्या व धेन लावे थेन लावे ध कं गु
छिपोल स्वया व चोन ॥ धन लिय र्वतरा जहि मालय जुलसांग ॥ अति हर्ष मानया
चोन रांदि चो ना व चोनं यर्वतरा जहि मालय या चरन संभो क पुया व ॥ यालिया
हुने विष्वा हुने ध कंधालं हुन नन्दीन जुलसांग भो था क्रर भजा जु धन कलये
का जुल आणा दय कसे विज्या हुने ॥ हनं कल योल अमठिन बुढा या वैस जुल
ने गुष व बुधी मरानियात तोलता व काय विज्या ना ॥ हनं सुया भलो सान तोल

सनयनि॥ कन्या गनयनि नैवने याव॥ संतुष्ट जुय का दान दहि ना विद्या व युजा
 गाव॥ गामवा सिय निसेन सुसाल च्यात काव सत कोय काव॥ व सनय दित यनि से
 तय यात काव॥ यर्वतरा न हे मालय न जुल सां थ व मन रां दुर्गा दुर्गा ध कं नाम ज
 न या व ति दुर्गा उ मा यात थ व छे स वि ज्ञात के ध कं मन नं भाल पाव कै ला स व ने ध
 ल सां ग थे च उ कोट भुगल या वा स या यत नित् स ति पु न दि धार न दि धार चो ना व मा या या स
 त्या व धे न ला वे धे न ला वे ध कं गु वे थ व स्वा मि य र्व रा ज व ना॥ उ खे र ज क घ ल छि दो ल
 ल य जु ल सां॥ अ ति ह र्व मा न या ना व कै ला स य र्व त धे न क ल व नं॥ थ वे ल स द्धार स
 च र न सं भो क पु या व॥ या लि या धु ल क रा व सिल स त या व॥ ह नं रा जा या ना वि ज्ञा
 न भो था क्र र भ जा जु थ न क ल यो ल वि ज्ञा ना गु क्कार न छु॥ ने ने गु लि श्रु ति न ई॥
 यो ल अ म ठि न पु ढा या वै स जु ल थ थि गु र्द मे र स वु डा वु छि ना थं ध का चो ना व चो
 पा ना॥ ह नं सु या भ लो सा न लो ल ता व ता भ का॥ का य म चा ल्या य म चा सुं दु गु म सु

॥ निगुम् ॥

॥ १२३ ॥

धकंधथेठथायानावनदिनजुलसा॥हनंधालीभोआजाजुललपोलविज्जायते
मायातयावमधावला॥बुढाजुयानिमितिनिमायातोलातावकोसेलजुईथ
जहिमालयेनआग्यादयकली॥भोहयचानदिबुढापनिसेनजितबुढायअ
जुलंसचावेलसंसिंयेसभावजुयावचोगुआवथुगुलिउमेरजुयधुनधास्यालि
मजुयावचोनिथुका॥हजायअजानकेथेथुकायेमयिरतिधयागुजायाभाव
रतिधयागुलियाजुसेलिवधयजुयाववईथुका॥नृयागनथेजीयधुनक
निनंविनतियात॥भोअजाजुयवतराजअमोषनेनावजिनसियधुन॥अ
काविज्जाकजुयमाला॥बकोजुकोआग्यादयकसेविज्जाहुनेकलपोलअ
जुधकंधावगुनेनावयवतराजहिमालयेनआग्यादयकलहेहयचान
सकोनावयनेधकवयाथुकाहनअजिमाजुनह्याचउमायाबालास्वयध
यावहल॥अगत रहनबुययानानंभुयेमजुयाव॥धनकपनिदसयाबा

गङ्गा जुहल योल विज्याय तेना वे लस ॥ अजिमा जु विज्याय मते धकं भति नायं
गते लता वृक्षो सेल जुई धुका धकं धा वृगु नदि नया वचन ने ना वृय वतरा
हा पनि से न जित वृक्षाय अ ग्यथुका ॥ हुन रु न जित हि स्थाय गुष्ठ लत थुका जिमि
गलि उमेर जुय धुन धा स्थालि मचा ल्याय सवे लस गुग्गु ये म जु लयं रंतु स उं गुदे पेः
मयिर नि धया गु जाया भावना कु सिई व हुन रु म त वारि भा म द थुका ॥ ये म धि
हृया ग न धे जी य धुन क गुलि ॥ ये म रु त य जुय म दु धकं धा वने ना व हुन नः
ने ना व जित सि य धुन ॥ अजिमा जुया आ ग्यान सि य म्मा य म जुगु दुष जुय
विज्या हुने क ल योल अ अ का स्मा त्र त थन विज्या क ष ना व ॥ ७ जित आ र्यः
या द य क लं हे क य चान दि क न ध व ने ना नं रु या य ॥ जि जु लं सां क न त जि हे
या च उं मा यो म्मा ल स्व य ध या गुई क्षा या ना उ ई नि जु व थे हु ता स चा या व जित को
व ॥ धन रु पनि द स या म्मा ल स्व या व ल्पा च या र्व ति या त वो ना व ये ने ध कं जिन

॥ श्री स्वस्ति ॥

॥ १२० ॥

यमनं वया धुका धावने नावनदि अति सुसि जयाव मनस आनंद या नाव यवत र
ज्या कना चो न था य स थ ता वो ना व य न ॥ थ वे ल स य व त र ज हि माल य मन
श्री भवा निया र्व ति वि ज्ञा ना व चो न अ न थे न क व ना व द से न या य सु नु मन अ
नो क पु य का व ॥ सु सि ज या व चो न ह या र्व ति न नु त सा श्री मा हा दे व न ज ल सा य र्व त
य र्व त र ज हे माल य न ज ल सा मा या न नो क पु य का व ॥ सु सि ज या व चो न ह न या
काल स्व या व ल ज्या चा या व ल थ चो ना व ॥ यि या या दु का स भो क पु व वि ज्ञा
माल य या त वि न ति या त ॥ ॥ थ त लि या र्व ति न नु क र्त्ता स्वर न यि त क या व भो
ल मन का व वि ज्ञा ना ला जि र्त्त य र स द या मा या तो द ता व वि ज्ञा य म ते व जि दु वि
जित श्री मा हा दे व ग्यो ना यं वि हार या ना व ना यं हो या व ह से वि ज्ञा त ॥ व सु नु ति से जि
या तो द ता व वि ज्ञा ना ध कं धा व ने ना व य र्व त र ज हि माल ये न आ ग्या द य क लं ॥
या व या ॥ व सु नु ति से जि मि षा स ठे वि न म जि क नि ॥ ॥ जु ई व ग धि न ल धा ल सा जि

नस आनंदया नावयवत राजहि मालयनं यात जो नाव ॥ श्री माहादेव श्री पार्वति वि
यवत राजहि मालय मनस अति आननं या नावन दिव नायं जन श्री माहादेव
वद सैन या यस्तु न मन आनद या नाव द नाव चोत स्व या व मनुष्ये या मा या न
श्री माहादेव न तुलसां यवत राजहि मालयत यात ॥ गुनित यातं थथे या कस्य या व
॥ सुसि तु या व चोतं हनं या वति न तुलसां थ व पिता यवत राजहि मालय या
या दुका स भो क पुत्र वि ज्ञात ॥ थन सिया वति न तुलसां थ व पिता यवत राजहि
क मना स्वर न यित क या व भो पिता जि दुषि नि तु व या नि मि ति नि छ ल यो ल से न लो
ता व वि ज्ञा य म ते व जि दुषि तु व नि मि ति नि छ ल यो ल से न द्यो चा या ला ॥ ७७ ॥
गृह से वि ज्ञा त ॥ व वृ न नि से जि दुषि या गु व र ना य या से म र्वि ज्ञा क ॥ का य थ थे या
माल ये न आ ग्या द य क लं ॥ भो यु धी अ म थे ह न का य थ या क गु वृ नु वे दा वि क
॥ छ तु ई व ग धि न ल धा ल सा जि य ति नी ल स या मि वा या स घा ना व त या ल थु का क

॥ निगु स्था ॥
॥ ७२५ ॥

मदुबुननिसैकेसमतमदुगुराविथेजुलकतमामन॥कनगुमायानतोलनेमय
नगुसितयानजकवाकिरुतनिआवजायानवनेधुनकलाला यानजकवावि
सिद्यानि॥जिमनसजांसदेहुजुयावचोनतिति॥कनमामयायाननिरुनं
यानिमिर्तितजिमिनुगललोहथेवर्जुथेजुलं॥भोगुत्रीकनअथिनगुख
नोस्नेहतयावधायानलोलमकेजिईवमधु॥जिधितामातायागथेवर्तम
थेचोनसंजीथनवयातादतोषनिजिधालसाधुस्वनायंचोनावमामधुवलो
लोलमनकेसतेधायारुनेनावयार्वतिनआग्यादयकली॥भोयिताकलपोलसे
नोषजुयधुनोस्वाचमचाधयासयातथवक्षेयागुआआतोलेनकईवमधुधु
दयावचोनिवधकधामिषासोभियिनकायाव॥जिभालतनायंचोनाधकलोल
यार्वतियाखालत्ययावआग्यादयकली॥भोगुत्रीभवानियावर्तितिजिनआयाल
तकायावदोउदको॥क्षेमायायमालभोगुत्रीजिजिमिनुगुलस॥कसिवायमे

शुभायानलोलेनेमय्याव॥ ओजकषोयावमिषानमकुता॥ सगदिलिजुयावओ
माला यानजकवाकिलेनावचोननिला॥ जिथुबेवयधुसेलियाववरजिनम
मयायानंदिनंनगुखालस्वयगईक्षायानाव॥ चोन थुकाजियवतजुया
कनअथिनगुखलानाव॥ जिमिगुदुबलोमनकेधकंधयालाअमलि
गतायागथेवर्तमानयानवेजिमदयकद्योकिमुर्छाचोनेमयुधि आवग
चोनावमाप्रवृलोलमनथुकाधकंधायमावलस्यता॥ अमथधायावमाप्रवृ
॥ भोयिताकलपोलसेनजिगुईयरस॥ अमलितमायादयादतआवजिअतिसंः
तोलनेकईवमधुथुकाभोयिताहन॥ मिसातोसमाप्रवृयाकेअतितमायाः
नायंचोनाधकलोलमतामधुधकंधावनेनावयवतरजहिमालयनगुलसां
वर्तितजिनआयालअयराधयाअधुनजिमोहयाजालसचोनसयातंजालनयि
लस॥ कसिवायमेवकुलुममनथुका॥ थथीनगुगलयातलोलमनकाव

१८६

५६५

॥ श्री स्वस्था

॥ १२५ ॥

मायातो लतके गुष्ठलातय मते भोगुनी छन मास जुलसा छन गुनि सिर्तिन गति
व भोगुनी छन सिखास बाभितया व जित के ने मते जि जुलं छन त विद्या हव यधु
भितय मते मनस्थी रया व छन त बोना वये ने धकं जिथन वया थुका ॥ हनं जि
कं जिथन वया था व ने नाव ॥ श्री गार्धतिन जुलसां अति सुसि गुया व विज्यातं
छु विनतियात धालसा जिह्या चया ति बोना व ये ने धकं ॥ जिठन वया हन व
धकं विनतियातं ॥ धवे लस पार्वति थव के सब निगु सिया व ॥ श्री माहादेव
वने आशादय कलं भोहि मालय धव ने नाव जिमन युति उदास जुल हनं
गुया व चोन ल पार्वति जुलसां जिं गु आत्मा सक्ति थुका ॥ थोते धसक्ति यन क
काल सदक्ष युजायति न रा ज रु स स्व सवने धकं वन ल सक्ति ५ सति देवी वि
जु व गुद को धवार्धतिन सि व थुका ॥ धते न जिभा न त ना व वन गुया न
खान यिने छो य म जि व ॥ वरु जि गुया न विय गुसा म थडु धते न पार्वति व

न गुनिमिर्तिन गतियतिमदयकावचो न ध्वतेन मासववुया दुषतनकाववि
 न तविद्या हवयधुसेंतिसे **ध्वमिमासखोविववुगुमजिकनि ध्वतेन दुरांको**
वयाधुका ॥ हनंजिलचायातं हवनायं जो नावयने **हनमासयाथासयेनेध**
सिगुयावविज्यातं ॥ हन श्री माहादेवयाके पर्वतराज हिमायत विराटियातं
 जिठनवया हन कलखोलन जिह्याचयार्वति वनायं जिह्येस विज्यायमाल
 याव ॥ श्री माहादेवन गुलसांधवमन उदायाना वयवतरा जहिमासययाने
 ति उदास गुलहनं जिह्यातवनिनधन ग्या नाववस कान धालसा हनस्माच
 ते धसक्ति यन कलनास ॥ जिनप्यान धरलये कर्तव्यमव ॥ गये धालसा नेव
 सक्ति धसति देवी लिहा मवसे अनानतुताना ववन धवदुष ध्वतेन धवदुष
 तत नाववन गुपान धन हन के के स गुयकाव हया गुभाव धधन जिमि
 ध ध्वतेन पार्वति कोये गुवनेने वसुन ॥ जिज्ञानमदयाव विभुदिगुईन ध

निगुस्व ॥
 वरुध ॥

॥॥॥॥

कं वृग्नेना वृषना वृयर्वतरा जहिमालयनजुलसं॥ अतिनगना वृषाल हाउसोचे
व॥ कोकुना वृचोनं हुन श्रीमाहादेवनं यावति कोयमुखा लकेयानि मिर्तिन
श्रीमाहादेवया आगपानेनाव यर्वतराजसिमा लयनजुलसं हुन श्रीमाहादेवया
सास्वदुयानि मिर्तिन॥ जिवृकयायानाव उमायावति कोसेविज्जायमाल॥ सयुमि अ
हुनंदधत कोया वृहयथुका॥ भोयरमे श्वर खलि कल यो लया के कोतान कोति सह
नेध कंधा वृग्नेनाव श्रीमाहादेवसु सिजुयाव॥ सोनुयानि मिर्तिन जिवृध कं आगप
वृ हुन श्रीमाहादेवया के विनतियात॥ भोयरमे श्वर कल यो लनाय विज्जायमाल धकं
नेध कंध वृयरिवारस कल्ये मुनकाव गरोस कुमार जोनाव॥ श्रीमाहादेवनांय॥ श्रीदु
नयासेविज्जात॥ ॥ धनलि श्रीमाहादेव श्रीगर्वति श्रीगरोसनं श्रीमाहादेवय
कल यो लससलया के सविज्जायधकं विज्जात॥ ससल सवनेत लाता लाता यातायात
या मालाव कोथन तोलनाव विज्जा हुने॥ यकत कुरु यो लयात सक स्यात या गल भा गडुव

गणना व बाल लहा उस्से चो नका व वधि अदि म दय का व ॥ व र्ण ना यं व च से चो न का
सु खाल के या नि मि ति न ना ता त रह न य र्व त रा ज या त व द य या ना व ध लं ख ते न
प सा हु न श्री मा हा दे व या के वि न ति या तं ॥ भो य र मे श्व र ॥ हे से वि ज्ञा हु ने कु धालः
वि ज्ञा य मा ल ॥ स यु मि अ व मि न व मि थ व स्व हु नु ज क जि के स वि ज्ञा त का व द स मि थु
या के को ता न को ति स ह अ स ह अ वि न ति ॥ अ थे उ थे ध क आ बा द य क स वि ज्ञा य म
मि ति न जि व ध कं अ या ग्या द य क से वि ज्ञा तं ॥ थ वे ल स य र्व त रा ज हि मा ल य पु सि जु या
प ना यं वि ज्ञा य मा ल ध कं वि न ति या क गु या र्व ति न हे ना व अ ति पु सि जु या व थ व क्षे व
श्री मा हा दे व नां यं ॥ श्री दु र्गा भ वा नि त जु ल सां ॥ सि ह ग या व भ वा नि स्व रू य जु या व यु स्था
गि री सो स नं श्री मा हा वे व या ने व म धु र स्वर न वि न ति या तं ॥ भो स्वा मि श्री मा हा दे व या ल
न ला ता ला ता या ता या ता व य क को च या मा ला न को वा या व वि ज्ञा य म ते आ मो को च
क स्था न या ग ल भा ग दु व य ध या व चो न ॥ ह तं आ मो थे वि ज्ञा त ता स स क स्था न हि स्था

॥ श्री स्वस्था

॥ १२६ ॥

ईव जितनं लज्जा गुईव ॥ जिध वक्षस जिया साय निसेत अधिकंद वमि साग नय निद व
या व विज्जा ईव ॥ कल यो लया जुलसां नु या या गु न्या या त बाल जुय का व विज्जा ईव ॥
यद को तोल ना वरा जा या भेरव का या व वान लात का व हे माल य य वत स वि ज्जा
वे वत जुलसां आशा दय कली ॥ भो यी य या व ति थ को च या माला ॥ कार नं ग या गु
को या य ला ॥ थ को च या माला जुलसां ॥ ह न गु को च या माला थ का ॥ थ को च या
न तोल ते मालि व थ का ध कं ध व गु ते ना व आ या व ति न जुलसां थ या गु लि तो
न गरो सकु मार ॥ पर्वतरा ज हे माल य ॥ थ रि वार दो को व ते म द य का व मा हा
वे ग न न्या त का व ॥ अ ति उ च उ च गु य का व तरं ग व या का व ॥ स मु द्रु चो न थें चो
ल या व ॥ के क तु ना व वि ज्जा तं थ स्व या व आ मा हा दे व न जुलसां ॥ थ ग थे जुल न
हु जुल थ स मु द्रु ग थे द न ॥ थ ग थे ह नं थ व या व ति व ते म द या व अ ति न रान
हे यु ने स्वरि ध कं या व ति ध कं स ल ना व चो नं ॥ ह न थ थे तं या नं या व ति व ते

दवमिसाजनयनिदवहनकुलयोलयनिसेनयसगजिधतुरनयावृयनकोषा
 मजुयकावविज्जाईव॥अमगुस्वरुयनविज्जायमतेस्वनुयानिमितिनिआमोस्व
 मालययवतसविज्जाहुनेधक॥यार्वतितधावगुवचनभाषातेनाव॥श्रीमाहे
 रलाकुकारनंछायागुषवहननेवजिनकेनेमेवयागुजुलसाजिनगलयोतसः
 मालाथुका॥धकोचयामालालांकजिनमोलतेजिवला॥धमोलतलनासजिया
 गुलसांथयागुलितोजिमेमायायेमदुस्वयधकंसनभालयाव॥निमेवमाव
 वतेमदयकावसाहाभयानकमुर्तिगुहियासमुद्रुगुलिठनेदयकावअति
 काव॥समुद्रुचोनथेचोनकावछेतायाकाथवश्रीकारियाभयानकमुर्तिधर
 लसां॥धगथेजुलनकनिनिपजियरिवारसहितनथनवयाथुकाआवथ
 मदयावअतिनशानावमुत्तुगनकाववडावडास्वरन॥हेदुगीहेगीदुगीः
 थेतंयानंयार्वतिठनेमदयाव॥विसव्यनकोयावहेयार्वतिथथेजितमोलः

॥निगुरु॥

॥१२६॥

नाववनिधकाजिनहुनताकोयगुईक्षामयानाथुका आवजितो लतो वहुग नवन
जिनहुनसवना॥ व्यावगथेयायेगतवनेथसमुद्रतरयेयायतविनाहुनगुया
नवननावसुलावचोनाननाराजिनेनेवाओ॥ ओवानियावीतिजिअतिनंगाना
नगुकालियारुय श्रीपार्वतिनस्वयावन्तिलावचोनेहनमाहोदेवयाबालस्व
माहागुरुवहुसुकाययोयावचोनायोयायाकारनहुहुनिमितिनिषोयाहु
नजुसाआसादयकली॥ जिजुलसा माहादेवथुका आवयारिवारजोनाव॥
थनेवसुनुयतिसकलेगवनगनचोत जिनमसियाथनेनजिअतिआ
नर्थहुया॥ ओयावचोनाथुकाजियारिवारदकोहुनवनलावनसा॥
साहुसुजुईवसत्यधेधावधकनेनाव॥ श्रीमाहाकालिस्वरुय श्रीपार्वति
नगुगुलीचीतनायानाउंगुलिजिथुकाधकंधावगुनेनाव श्रीमाहादेवया
माहालिह नभामोरुयगथेनजुल॥ थदियासमुद्रधनगनरांवलजथेनद

धुका आवजितो लतो वरुण नवना ॥ मेवता धन रुषते महुहिया समुद्र सिवाय
मुद्रतरये पायत विना रु न गुया रुकान सिवाय मेवया गमे महु ॥ भो विष्णु य रुगः
मेवानिया वीति जि अति नंगाना धकं ॥ षोया वचो नं थठे श्री माहा देव षोया वचो
वचो नं हन माहा देव या खाल स्वया व ॥ श्री माहा कालिन आग्नादय कली ॥ भो
कारन रु कुति मिनि नि षोया रु मुमन का षोया धकं धा वने नाव श्री माहा देव
वधुका आवय रिवार जो नाव ॥ यवति रा जया रु वने धकं जि धन वया ॥ धन
जिन मसिया धते न जि अति आस्व र्गि तु रा या व ग्या ना व जि स मि को या व चो
गारद को रु न वन लावन सा ॥ षको मि को धा व हन व रुता जिन धाय रु धाल
श्री माहा कालि स्व रुय श्री षा र्व ति न तु ल सा आग्नादय कली ॥ भो माहा रु रु व रु
कंधा व गुने नाव श्री माहा देव या मन स अनि आस्व र्ग्ये चा या व हनं धाली ॥ भो
समुद्र धन गन रां व ल ग ये न दत ॥ धकंधा व गुने नाव ॥ श्री माहा कालि रु यः

॥ श्री स्वस्था

॥ १२७

श्री यावति न तुलसां क न चित्त तया वने वा ॥ जित क ने ध क धा या व भा द य व
निस्ये जिगुलि मु ति ध्व हे थु का क ज न म जु व वे ल स हि न जु व गु ध्व स मु द्ध थु का
ध कं आ ग्या द य क लं ॥ ह नं क तु ल सां जि द्या थ स न्द स को ल ज न म का य धु न
थ धि जा गु स मु द्ध गु गु लि मे ले द व नि थु का ॥ क य नि वृ ह्ना वि ह्नु मा ह दे व स्व सं वि
ल या स मु द्ध स चो ना वा ॥ चो ना चो न वे ल स जि न ॥ त य त य प त य ध कं धा व गु ने न
स जि न क य नि स क ल ये गु ई क्षा न जि गु ल धो ल जि न का व गं ध व य का व स मु द्ध
ने व य थु का वृ ह्ना न गं ध स ह या य म य या व ॥ बाल कृत कृत हिला या नि मि ति न ये
द ना श्यो व नं क न गं ध व व गु स ह या ना वा ॥ जि स रि र क या व आ स न या से त ल ॥ थ य
बु सि जु या व भ ग व ति या ह्य जु या व चो ना ह नं क न गु भ ज ना या य ध कं ॥ द क्ष यु ज
स रि र तो द ना व य व न रा ज या ठा स ज न म का ल व ना थु का ध कं ॥ व्या ना द य क लं ॥ थ
यो चा या व चो नं ॥ ह नं श्री मा हो दे व न तु ल सां ॥ श्री या व ति या थ धि गु च रि च स्व

जितकनेधकंधायावभादयकलं कुलसां जिगर्भनजन्मकालवव्वेलसः
सहिनजुवगु ध्वसमुद्रधुकाध्वसमुद्रकनजन्मस्थरथुका॥ भो माहादेव
ध्वसन्ध्वसकोलजन्मकायधुनकलध्वानध्वथधिनगुसमुद्रखत्र॥ हनं
यनिबुद्धाविष्णुमाहादेवस्वस्विना जिगर्भनयितकयावकयनिकारनज
नन॥ तयत्ययतयधकंधावगुनेनावसोस्नस्याततयस्यायानाचोन॥ ध्ववेलः
नजितकावगंधवयकावसमुद्रसचोयकलवयकलवयकावकयनिसन्धेव
गलकृतकृतहिलायानिमित्तिनयेयातबालकुलविष्णुनगंधसहयायमक्याव
रिरक्यावभासनयासेतल॥ धयेकनभक्तिभावनभासनयाकस्वयाव जिअति
कनगुभजनायायधक॥ दक्षयुजायतियाकेजिजन्मकालवना॥ हनंअनानेध
वनाधुकाधक॥ व्याज्ञादयकल॥ ध्वस्वयाव श्री माहादेवनकुलसां अतिआश्व
॥ श्रीयार्वतियाधधिगुचरिधस्वयावलाहातहाजलयावस्तुतियातं भो भवानि

निगुम्
१२७॥

आद्यासक्ति॥ अनर्नमूर्ति असुरसहारयासेवि आकलन अविलमूर्तिविसादय
वायुधयालकलये लयकासयातालधयालकलये ल॥ ध्रुवतमरादु
स्यलकलये लयसंसारया मुलजुयावविज्ञाकलकलये ल मायायाभ
यामहिमालायजिसामदुहंनं माहाविद्यायालकलये ल॥ आद्यासक्ति नारा
लये ल॥ अष्टिस्थितिकर्तीनंकलये लयका॥ ध्रुवसंसारसंगुलितजिवात्माचरदतईलि
यावविज्ञाकलकलये ल॥ धमनं अष्टिया नावधमनं सहारयासेविज्ञाकलकलये
यास्यलकलये ल॥ ध्रुवसादयाकर्तीहर्तीजुयावविज्ञाकलकलये ल॥ कलये
लिमाहादेवयितकसेविज्ञानावहनदकोधवकेतुलिनयासेविज्ञानाकलकलये ल
कलकलये लयातत्वजिसियकेसामधमदुगि धधिनहसेनकलये लयास
धकधधिनगुवहानाव श्रीमाहादेवन कलियाकलयाव॥ श्रीमाहाकालिरु
असेया असंख्यवहारादुगोलधवकाथसतयाव॥ श्रीमाहादेवयातके नाव विलं॥

अविलम्बुर्निष्कारुयाईस्वरिसत्पसनातनि॥ अकारसाकारं मरुल॥ हन
ल॥ ध्रुवतमराडुलं कल्योल॥ हनंयुस्वयास्वयलं कल्योल स्त्रियास्व
कल्योल मायायाश्चस्वयलं कल्योल॥ माहमायास्त्रकल्योल कल्योल
गोल॥ आद्यासक्तिनारायनिधयास्त्रकल्योल॥ विश्वसंसारया कर्त्ताधियास्त्रक
लितजिवात्माचरदतईलिसया आत्मायुस्वगुयावविज्याकल्योल कल्योल॥ वितत्त्वजु
यासेविज्याकल्योल कल्योल सकलवस्तुयासारजुसेविज्याकल्योल कल्योल॥ कालि
कल्योल॥ कल्योलया महिमा मनंतं लुपकेस्तुनं॥ गुलिवला गुलिविलुग
नंविज्यानाकल्योल कल्योल कल्योल कल्योल॥ भोमामयारुय गुयावविज्या
नस्त्रसेनकल्योलया सक्तियायसार्धमयु॥ जिनस्त्रक्तियायमसवयायगुमसव
व॥ श्रीमाहाकालिरुययावीर्त्तनं नृलावनिमेषवरां विरातरुय गुयावधरलयाव
देवयातकेनावविलं॥ कगुलिश्चस्माराडुजोलस असंख्येवलाविलु महेस्वरमः

॥ श्री स्वस्था
॥ १२८ ॥

नाव श्री महादेवनं हनं नानातरुनं स्तुतियातं ॥ ध्वजलारागुगोलयादुमेचोनय
रगुचरदकोजिवात्मा दनिसेन ॥ ध्वजकतिरुयमाहायायास्तुतियातावच
कसिमालोदयवर्तनदि ॥ नानासमुद्र ईत्यादि ॥ ध्वजमाहाभायायोधस ॥ अ
सगुलियामालासमुद्रियदकोसतकिगुलि श्री महादेवन सनाव कचेत्यने
हाभाभाया ॥ मायास्वरुयध्वयावविज्जात ॥ ध्वजेलसहननिमेषमावनं विगत
नियारुयगुयासेविज्जानाव ॥ हिमासमुद्रदकोषनेमदयकाव ॥ गरोरुका
तयावकेन ध्वजयाव श्री महादेवन गुलसाचेष्टादवल्लथेगुयावदनाव
नधाली ॥ भोष्टिययावतिथनचोनेमयलवनेनुरो ॥ कनगुमहिमालायजिस
यायातावजितकनदासित्वंभालयावजिअज्ञाननासयानावज्ञानसदु
यमालनिरआसायासेविज्जायमतेधकंविनतियातावहिमालययवर्तव
धकंकुमाभुनंअगष्ट्याहेवनआगणदयकली ॥ ॥ ~~ध्वजमाहाभाया~~

तारागुगो लयागुवेचोनयनिदेवलोक॥ यक्षलोक मनुष्यलोक कितयंतंगादि च
 रायायास्तनियानावचोनधवसारागुगोलसदेवलोक किन्नर जक्ष॥ नागलो
 माभायापोथस॥ असंख्यस असंख्यरवनेदयावचोनं नृसगुलिस्वर्ग नृ
 देवनयनाव अचैत्यये जुयाव भालयेमकुलचोनथे॥ चैतन्यमदयाकाव मा
 निमेषमावनं विगतस्वरूपतो लताव नृयायागुदिका ला हात जुयाव भर्वाः
 दयकाव॥ गरोडाकुमारयवतनरा जहिमालययुभनियारिवारदको॥ नेवने
 वलथे जुयावदनाव नृयायाथी जागुस्य भवानियावतियास्य वनाव हः
 नगुमहिमालयजिसामर्थमिदुजिगु अयराधदकोक्षमायानाव॥ जिवकु
 सयानाव ज्ञानसदुफीनाव विज्याय मास॥ जित आसायुर्गीयाताव विज्या
 गवहिमालययवतवनेधर्व सक्लयरिवारसहितनमुनावविज्यात॥

॥ इति श्री स्कंद पुराणे महादेव कथारंघे कनारज गवसम्पदे

॥ निगुरु ॥
 ॥ १२८ ॥

~~श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः~~

मयात आशादयकली ॥ धनलिहे मालयवर्तसमेतकारानिनजुलस
वजिह्माचयार्वतिवईनधकाव आशानयाव गुगुलनयवर्तराजहेमालय
गुलितववदतवयनिडलिसयाकेनेनावचोनचउकातउगलनगवेलसधु
युलिनायलायदयुवधकनदिस ५ ईताठिताचोनावस्वरजकवराकावयुवयंधि
गुरेथवस्वामियवर्तराजवनउषेजकमिषातयावचोन ॥ हेदुगीहेदुगीधकन
वअचैतन्यजुयावसथेज्वलग्वस्तुलावचोन ॥ हनंकेसचोनेमनमदयका
देवनेआगादयकली ॥ भोसधियनिजितुनित्यानुलहयनिवनावजिह्माच
नकवनावस्वयावननारांजितववरकनवायोधक ॥ आगादयकावनिह
यनिजिह्माचयार्वतिजोनावयवर्तराजहेमालयन ॥ मविज्जातधालसाजि
लहयनिवनावधवदकोजिह्माचयाथासथेतकावनाव ॥ भोयार्वतिहिन

॥ ~~यद्यपि हिमालयवेन कथा~~ ॥ १५ ॥ स्फुटं वाचं नं कुमार न भग
ति समेन कारनि न तुलसा ॥ उमाया वतीया कारनरां भाकुल वाकुल जय का
मनय वतीरा जहे माला यवन उगुल समिधा लिमका से स्वया वचो नं हुनं उलनं
त उगुल न गव वेल सधु सुये उदय जय वा ॥ ओ ईं वय वसु नं जिय नि नि सति
स्वर जक वय का वयुर्वयं किं जक स्वया वचो निव ॥ अथे अतिनं कल्पना वयाना व
नं ॥ हे दुर्गा हे दुर्गा धकं नाम कया व चरि चरि यि हा वया व स्वल व ई व ॥ हुनं दुहा वना
नं के सचो ने मन मय का व यि हा तु वया व हुनं विलायाना व थ व सधिय नि सया
प्रहय नि वना व जि स्या च उमा जो ना वय वतीरा ज वि ज्ञात ला षे य नि ॥ हुं धा स ठे
कं ॥ आ ग्या दय का व नि स स्व ल ष धिय नि स दे व ने आ ग्या दय क ल भो स धि
नं ॥ म वि ज्ञात धाल सा जि यान चो नि व स ध तो ॥ अव नं जि न यान त्या ग या य ज
का व ना व ॥ भो या व तिं हु न मा म न क म व ल धाल सा ॥ अव से न यान त्या ग या ई न ध व क

॥ श्री स्वस्था

॥ १२८ ॥

ब्रह्म नं राजा या तं कव धाय धुने वस्तु नुं ई मा या र्वति तु म ना का ब्रह्म नं मुक्ता गु या
से न व ना व ॥ भो रानि भो रानि या कं नं द ना व वि ज्ञा हु ने य र्वत रा ज हे मा ल
से न म न स वि षा द या ये मु म्मा ल दु ष त न कि व षो य से ते ॥ अ च ला वे ना व
ला स यो ल चि ना व त या गु नु ग ल या ध त ई मा या र्व ति थे न क ल व ल थु का ध कं धा व
मु च्य ग न व ल ॥ जि त के ना व वि व नु यो नु यो ध कं ध या व ॥ धा न धा त पि हा व या व
य र्वत रा ज हे मा ल य न गु ल सां हि ला न्दि ला व थ व क्षे स थे न क ल भो व गु स्व या व चो
नि ल जो ना व ॥ भो रानि षो य म ते षो य म ते जि न या र्व ति जो ना व व य धु न ध कं
ग थे सा म च ॥ त न स लु यु गु वे ल स ग थे धा न धा न व ई ॥ व थे मे न का रा नि त धा
ष ना व ॥ मे न का रा नि न गु ल सां ह र्ष वि स्म य गु य का व य र्वत रा ज हि मा ल य या
जां ध म सु ॥ जि ई मा ग न त या व व या ध जां स वा सु र दै न स्या क ल ॥ म हि ष म दि नि ध
न ल धा ल सा त मु ति गु या व ॥ नि या ला हा त स्व गो ल मी षा दु ल ध का ष व थ व त

नाकावहनं मुक्ता गुणावचो ननं ॥ थथे चो न वे ल उ मा या र्व ति या या सा मो चा छ
 हु ने य र्व त रा ज हे मा ल य न ॥ छ भो ल या ल्या च या र्व ति जो ना व व ल क ल यो ल
 य मे ते ॥ अ च ला वे ना व चो ना गु य अ च ला न चि ना व वि ज्ञा हु ने ॥ क ल यो ल या अ च
 क ल व ल थु का ध कं धा व गु ने ना व ला हा त स चं द्र मा ला क ॥ स थे ने न का व ॥ भो स छि
 वा ॥ धा न धा त पि हा व या व सो ल व न थ वे ल स भ वा नि या र्व ति उ मा गे रि या न जो ना व
 न क ल ओ व गु स्व यां व चो न ह न य र्व त रा ज न हे मा ल य न जु ल सा या र्व ति या का य
 ति जो ना व व य धु न ध कं धा व गु ने ना व अ ति न मु सि गु या व आ नं द स्व रू य गु या
 ॥ व थे मे न का रा ति न धा न धा न व या व स्व क वे ल स रि का ला हा त द या व चो न स
 य र्व त रा ज हि मा ल य या के ने न ॥ भो स्वा मि य र्व त रा ज जि ह्वा च या र्व ति गे रि उ मा
 स्या क ल ॥ स हि व स दि नि ध य ल ॥ रि का ला हा त द या व चो ल थु का ॥ जि ह्वा च ग ध ति
 धा तु ल ध का व ॥ थ व ता व जां जि श ना व ल ध कं धा व गु ने ना व य र्व त रा ज हि मा

निगुरु ॥

१२५ ॥

लयन आग्यादय कर्त्तु भोरानिह तन्वुने जित धाय ह न स्या चया अंत ह न का जय
हात जुई ग्व वे लं सयु सव जुई ॥ ग्व वे लं संत्रिया सय जुई ॥ ग्व वे लं संत्रा कार जुव ग्व वे
काईव ग्व वे लं संहार या युव ॥ धया ध्वते न धया आदि अत्त तुना नं सिईव म
काव आन न्दया नाव आन दया दृषो मिहा य काव थव स्या चया वति काया व थव
य सयु नाव चो नं ॥ हनं या वति या काय ने सकु तार या तं कया व मुदे सये क तु त का
व चो नं हनं मे न कारानि नं जुल सा दया मय धया स ह न ना म थु का ध क ध या व ने न
या ना ॥ हनं ह ता य जित ह न के ने ने ह जा जि स्या च ध क चो ना ह न गु मन स ग थे व ॥
ह न ना म क या व ॥ ह न गु ध्या न या ना व चो ना नं थ थे सिय मयु स्या यं मयु य का व
मन स द्यौ चा स्ये व ल ला ह न अ म थे ह को ल नं मा या तो ल ना व चो ने ते व ला भो यु
यां जि य नी य व त रा ज या रा जा रा नि ध य का व चो ना ॥ थ थि न गु वे था गु या व जि य
जि ला सा स दे ने मन स द या व ॥ अ मि सं तुं य द स या व चो ना गु ना द तो थु का ॥ थु लि य

रह्या चया अंतर्द्वन काय कर्तु मधु ग्ववेल संनिका ला हात जुगु ग्ववेल संनिका ला
व॥ ग्ववेल संसा कार जुगु ग्ववेल संनिरा कार जुगु ग्ववेल सं थव व ला राडु ग्ववेल पित्त॥
तादि अंतर्द्वन न संसि र्द्वि मधु ध कंधा वने ना व॥ मे न कार नि या संदे हत न या ना
रह्या चया वनिका या व थव मधु दे सत या व मुदे सके क तु त का व च म ना या ना व घ स॥
क या व मुदे सके क तु त का व॥ मे न रा नि न जु ल सा अति सु सि जु या व आ न च स्व रु य जु या
ना म थु का ध क ध या व ने ना व त या थ ल य न जि न कु अ य रा ध या त ध कं अ म र्थ नि र्द या
गे ना ध न गु म न स ग थे व॥ क न ना म क या नं स्व क आ य पा य॥ त नि व थु का ध ल जि न
य म यु म्मा यं म यु य का व अ गि रा दा हा या क थें ग थे न जु ल जि दु सि नि र व ना व क न म
गे ल ना व चो ने ते व ला भो यु श्री॥ थ थे या ना व म्मा य ध या गु सु बु दि ना यं॥ म द या व व न रु
थ थि न गु वे था जु या व जि य नि य र्व त या लो ह थे स्थी र न चो ना व चो ना॥ क न गु म्मा या न
गु ना द तो थु का॥ थु लि या वि र ह न या ना व क न ना म क या नं चो ना नं॥ सि य ज क

॥ श्री स्वस्था
॥ १३० ॥

मय्यावचोनभोगुचीहृत्तं॥ निद्रुयेनृजकछथनथेनकलमवलसा॥ जियानअवते
थतेनबुहानजिगुखदुषसिगकावधनियादिनसशिकक्तिगानावयानावच
यवतसमानगुदुषतनकावविलहंतनिमेषमावनजिनुगलसश्रीसुर्गेउदय
राज्जेससूर्यउदयगुवथेजोतियिहावल॥ थनियादिनसनिराआकारगुया
ल॥ भोगुचीयावतिउमागोरिहृत्तकालस्वयदयावजिभानन्दगुवगु॥ गुलित
हृयाजिनुगलविउयावदसदिसाविउयावजियानयय्यतवनीथेचोनका
थमनवयधकंसननंभालयावचोनाथुकाभोगुचीजिमिसाजातियाकातन
नथनथेनकलवयावस्वगोलमिषादुलजिह्वाचस्वयदत॥ भोग्यानेचरियु
रांनंकोयमभुत॥ हृत्तजियनिसेनयिनेयनेमभुतगुवहृत्ततदुनेतयावसु
यकावतयधकंथथानिगुमायायानावा॥ मेनकारानितंआग्यादयकुगुवने
जिगुअयराधदकोहृमायानावजिगुलिषहृगुलिनेमेविज्याहृनेहृधालसा

कलमवलसा॥ जियान अवसेन लेनिवमषु छन मामधकंसलतयतदईवमषतोः
हाक कि यानावयातावचं नु मायारवा लजुयावचोन ल॥ जियुत्री नाय लातकाव
जिनुगलस श्रीसुखेईदय गुवथेजुलं॥ हनं छ लधयवतसव ओगुलिन धयवत
नस निरा आकार गुयावचोन गुस मुदुनयार गुयधुन धकं जिमतस आनदगु
जिआनन्द गुवगु॥ गुलित धाय जिमतस सुसि जुवगु आनदतय गुथास गनं मरु
यय्यत वनी थेचोन कावचोन॥ हनं छ नवालस्वया गुध अंधतन केधकं जि
जिमिसा जातिया कातन वयस जि वयानि मिर्तिन जक जि वयस युत जि भाग्य
चयदत॥ भोयाने चरियुत्रि व्यावजियान रक्षा जुल रक्षा यायत॥ जिन छन तग
व्याव छन तदुनेत याव सुनानं मषनक॥ जिनुगलस यादधुस चलान भुनाव सु
नितं आग्यादय कु गुवनेतावा॥ श्रीयारवतित जुलसा भाग्यादय कलं॥ भो मास
मेमे विज्या हुने कुधालसा कल योलया गुलित जिउयरस मायादव गुजिन सिया

॥ निगुह ॥
॥ १२० ॥

शुकावर्षाकालसजितविदावियात्र॥मिवयाहेसकेयगुमबुद्धुयायेजिभाविनः
वसुरवनचोनाथुका॥भोमामआवधुदुरवदकोलोलमनकावमायाभोहृदके
युनाब्रह्मयाउत्तरोत्तर॥धनलिभवानियावतिगोरिउमाअचपुर्णधवक्षेसवि
यावचछिदनंशामयायासायतिजोगिनिगनदकोवयाव॥विचारयातवलंहनः
यावचोनं॥धवेससयवतिराजनजुलसांहिमालयया॥भवानियायुजायायगु
यायसावधकंगुह्योहितवसनयनिसवोनकलकोयाव॥भवानियातधिवाम
चोयावतला॥अथेविधियुर्वकनंहायावस्मारायनिसनिसंयतायायुजायाय
म्वलस्यानंदुगीयानाकयावचोनं॥वस्वसेनदुगीयामत्रजयलयावचोनं॥ज्वलस्य
वचोनं॥वस्वस्यानअस्तुनियातं॥धस्वयावयवतिराजहेमालयतजुलसांअतिषु
ठमनंषुसिजुयावधन्यधन्यजिभागधकआनंदजुयावविज्यातं॥यनिजिदुष
यवतिराजषुसिजुयावचोनंथेठेयवतिराजषुसिजुवगुस्वयाव॥पुरवासिदकोष

मधुक्रु पायेति भाविनवलधकं वर्णा जुलसां ॥ दुख जुलसां सुख जुमनकाव वना
नकाव माया मोहदको तोरु तस्ये विज्याहुने ॥ धकंधयाव मा मस्या च व घ स घ स
मा अचयुरी धवक्षे स विज्याया काव ॥ यवत रा जदि मालयत जुलसां अतिबुसि जुः
॥ विचारया तवलं हन गा मवासिमिसा गनदको यक्ष गधर्वयु भतिन बुसि जु
भवानिया युजा याय गुमनं भालयाव ॥ थनिया दिन स अधिवासन या नि संतना
॥ भवानिया तधिवासन या से विज्यातं ॥ गथे या त धलसा वेदयुरना स गथे
नि सं वना या युजा या य धुन काव सकल वृत्तान यति से रा भक्ति भाव या त कली
यल या व चो नं ॥ ग्वल स्या नं चं दि पाथ या ना व चो नं ॥ ग्वल स्या नं गुराना दिया ठ या ना
मालयत जुलसां अतिबुसि जुया व थ वरा ग्य स भवानि विज्यात के धुन धकंधव थे
विज्यातं ॥ थ नि जि दुषद को तन काव सुष या जल वृष्टि जुव थे मा हा उ स वं गुध वं
व याव ॥ पुरवा सिद को बुसि जुया व चो नं ॥ थ बुसि जुव गुया म हि मा ॥ ल्हा य गु सर स्वा

॥ श्री स्वस्था
॥ १३१ ॥

नियामार्थमदुष्टयेयवर्तनराजसुसिजुयावा ॥ श्री भवानियात अधिवा ससनयाय गु
लजुयसुनुयवर्तनराजहेमायदना वगुताविवहलनहानानातयायमावधकना
तकावधंठाथानकाव ॥ योहितवर्त्यननायवोनावा ॥ यवर्तनराजहिमालयनजुल
ध्वनलिवोरहिनवेदवाक्ययातकावयवर्तनराजन ॥ हानतयानावलिहाविग्यानावा
गुलिगामवासिदतउलीसकस्थानं सुसिजुयावा ॥ नवलास्वानजोनाववयाव
हावनं ॥ ॥ ध्वनलियवर्तनराजहेमायनजुलसां ॥ उगीभवानियातसिहास
ययानामकयावा ॥ श्री भवानि उगीयायुजायायतकुसलकयावा ॥ जलन
श्री वराडुचंदनकयावमव्योलयावतितकलं ॥ यादुकासयुजायातं ॥ यातव
ज्यातकावरत्नमनिमानिकनदयकावतयागु ॥ नानातरहयातिसाहयावति
श्री भवानियानेवनेछायावतलं हननानापुकारनयारफलकुलमेवामे
तिअमगुताउतादयकाव ॥ असंख्यअसरेवेनेवनेतयावा ॥ अतिभावभक्तिन

मधिका सनयाय गृसिधयका वसुधनराविहननावविज्यातं॥ धनलियुतका
नानयायमावधकं नानातरहृतवितरहया वाक्यसलसल धातकावसंषधुनिया
निराजहिमालयनजुलसांमाहादूर्धमाननं॥ गगासअहानयायधकं विज्यातं
गनावलिहाविज्यानावसास्वपुमाननंहनंभवानियातं हानयातकली॥ धवेलस
सात्तानजोनाववयावा॥ भवानियापादुकासंभोकभोकयुयावधवधवदेसलि
भवानियातसिहासानसविज्यातकावपुहितनजुलसांयवतराजहेमाल
कुसलकयावा॥ जलनहानयातकाव॥ जिहोलसानवेलयत्र हाउंसिन्दुल
सयुजायातं॥ यातवस्वरंगिचंगिवस्यततियकावरत्ननयासिहासनसवि
नरहयातिसाहयावतिसानतियकली॥ सुवर्णीरैयादियवतसमानजुयक
नयारफलकुलमेवामेवागनैवदेकायावतलधिरजाधलिदुरु॥ धतरसपुभ
वा॥ व्युतिभावभक्तिनयुजायातं॥ हनजिहोसराजराजेभ्वरिविज्यातकेधुन

निगुरु॥
१९२९॥

ध क॥ यवतरा जभतितुसि जुयाववि ज्यात॥ गुरुयोहितयनितेन हर्षमातया
यानावचोनं हनं कागमेष वसिदानविलं धवेसचतुर्दिगसं नानावायध
नविया गृहितयावयात्रने वनेतयावविलं धवेतेधुनकाव जज्ञ आरंभयात॥
यातं गुलितेनय कचित्तयानाव जययातं हरां यवतरा जयारा जयसदकोत्यातं
र्यानाव गुलियवतरा जयसजिवात्मादत उलित्यावरसिमाय जयतयातय
नमधिचधि॥ अमृतआदितयाव भोजनयातकाववि ज्यात॥ हनगजाजल
मेसिमसलाग्वासवचविसेवि ज्याती॥ हनं धवेतेधुनकाव आरतियायधुनक
तकसे वि ज्यात॥ हनयवतरा जहिमालयत गुलितदानयुन्य भोजनादियात
दुष्य उतिंयारिगुरु जुयावचोनं धस्ययाव यवतरा जगुतिगुसिजुल गुलित
नयानावचोनं॥ हनमेनकारानितजुलसा॥ धवयुरवाति या मीसा मोचा
नेतयाव॥ भोजनयातकलं धमिसातो स भोजनया कथासमिसा रु ल ३

हृत्तयनिसेन हर्षमानया नावचोन॥ भक्ति भाव या नावचोन यर्वतरा जनसेवा
चतुर्दिगसंनानावायथातकावतलं॥ हनमनुक्षेया वय्यरयाया वसवलिया
कावजज्ञार्भयातं॥ अवेलसक्षललक्षलक्षवलनयनिसेन चंरिडुयाठ
जयारा ग्यसदकोस्यातं माहर्चसवयातं थंठेयुजाधुनकाव॥ भोजनयातया
रसिमाय ज्यतयातय जनादिघेलसावल॥ विरधलिडुरुमेवामेष्टा गयकुवा
वि ज्यतं॥ हनगगाजलनंतोनक लंथोतेधुनकाव॥ कपुरयामताच्यातकाव
काव आरतियायधुनकाव॥ लंखलखवा लखनिसयुसादर्शनाव भोजनया
दानयुन्यभोजनादियातक लउंसिउंसी अन्नपुरायायुभावन अन्नवेजनादि
गुतिष्ठसिजुल गुलितमनरांभालयल उतितुं अन्नवेजनादिद्वयादानयुदा
रवातिया मीसामोचारा मागनयनिदकोसयात भोजनया सामाग्यिन्देव
कथासमिसाह ल अतिनवानलाक ल लसेन॥ भोजनकारानिडेस्य

॥ श्री स्वस्त्या ॥
॥ १२२ ॥

विष्णुने दुधालसाक लयोलयास्याच वार्वति दुर्गा आवर्धयनिजियनितेन सिस
रिनि भवानिष्ठमने जियनितेन नृणां मसिया आवधवधवमिवात युक्षय
थो श्रीदेवयनितेन ध्वउ माया वति दुर्गा भवानिया नेवने चो नावा असुति
कयुभ नितियनितेन ॥ गा ग लयो तसतया बहात जो जलयाव ॥ नेवने चो न
यो लया व हनयवतरा जहे मालया तधन्यधन्य धाय गुरव ॥ ध्वतेन
विज्यात ॥ ध्वतेन धन्यधन्य कल योलया गभधकंधाव गुने नाव मे न क
यधुन कावमि सा गराय निरा मा गनद को सेन भो जनयाय धुन काव थ
अथ य गुयाव ओ नं ॥ हनं यावति भवानिया मा म मे न कारा निष्ठु सि गुयाव गु
यं विज्या ना व जलया न अमृत भो जनया नाव विज्यातं ॥ ॥ ध्वन लिध्व
वतरा जहे मालया ॥ आवरा श्री सना ना वाय धा नाव मे हाला वया वत दु रे
आराधना याव गध वियनितेन मे हाल काव किर्न गन यनितेन ताल

भाव्यनिजियनितेन सियाव जां भवसागरतरयद्यानाव विगुह तारनाका
 वधवधवमिवातयुक्षयुतक्षसोयधुन॥ भो माहानि बुद्धाविष्णुमहेश्वर
 नेवनेचोनाव॥ असुतियानावचोनस ईडादितेनिसकोतिदेवतालो
 जलयाव॥ नेवनेचोनावदनावचोनिब भो माहारानि धन्य २ धायकल
 धायगुखव॥ धतेनथथीनसकंन्याकलयोलयागभनजातनुसे
 कंधावगुनेनावमेनकारानिन अतिबुसिगुयावविज्यात धतेबल्ला
 मोजनयायधुनकावधवठवकेसलिहावन धुगुलितरहनधुनुयादिन
 नकारानिबुसिगुयावगुस्वयाव॥ धमनंभुसिगुयावसितलयासे मासवना
 गतं॥ ॥ धनलिध्वनुयायुजाधुनकावयोहितनविततियातं भोय
 वमेहालावयावनदुरेकेमावधकंधयावस्वर्गतयाभयसरागरायनि
 न्नगनयनितेनतालथानाव उर्वसिमेनकातिजोतमारभाभयसरागरा

निगुह्य॥
 १२२॥

यनिष्ठावदुयकावरात्रिहृतं॥ ॥ धनलिसयुमिगुजाधिनकाव अष्टमिर्दु
 सेविज्जातं नृपाद्योहितया ह्मानया यधु नकावयानपर्यनतिनाव श्री भवानिया
 केन येकतुनावजा नृविगंगाया जलनं श्री भवानियात ह्मानयात काव॥ वायो लं
 जवतिया अतिराये मजुया चोन गुजवायुष्यनकुतकलं हनं धुयठ नाव मता विल
 तरहयानैवयेयलसुलमधिच॥ धीमेवामेवामगुभृतिविरनोनिषुवा इत्यादिभो
 भावयातं ह्यार्तुवस्त्रना नारत्नया अंलरनतियकाविलं॥ मनि कथुना गु अंगुलीन
 यावविलं हनं नानालासातयावविलं सिद्यासनदय कावतयारया ताव॥ देवनेतया
 यावचोनं॥ धतेन विधियुर्वकनयर्वतरा जेहेमालयत श्री दुर्गा भवानिया अष्ट
 म्रुहयावसंकल्पवा केयातं हरं यावतं श्री दुर्गा या देवनेतयावविलं धवेलसच
 भगवति दुर्गा नजुलसांदकोपरिवार॥ सलयसकलयनिसयात॥ तवतवसलन
 चोनाववर्ल हनवदुजोनावरवकुकारयति देवनेवयाव अतिहर्षमातया नावच

पुजाधिनकाव अष्टमिर्दयजुयजुयावहन अष्टमिपुजायायगुगुगारंभया
 नवस्यनतिनाव श्री भवानियादेवने ॥ आसततयाव अर्धचिंतया नाव भक्तिपुव
 रातश्मानयातकाव ॥ बायो लंत जो नाव मंत्रयोलयाव देविघातकालं ॥ हनं श्री भ
 तकलं हनं पुयठ नाव मताविलं सलंसलघोलया मतको राकावयु जायातं ॥ नाना
 मृतिविरने निषुवाइयादिभोजनया सा मागुदियकाव देवने तयाव विलं हनं अ
 विलं ॥ मनि कथुना गु अंगुलीन स्वातकलं हनं पुयागुदयकाव तयागु आसनमत
 काव तयारया ताव देवने तयाव विलं वारं वार ॥ श्री दुर्गा या पादुका सभो कभो कपु
 यत श्री दुर्गा भवानिया अष्टमिपुजाया सेवि ज्ञातं हत वलिदान विघते याव पु
 देवने तयाव विलं ध्रुवेल सचतुर्दिगं संताना तर हनं या वास थातं ध्रुवयाव श्री
 कलयनिस यात तवतव सलत सलतु सेवि ज्ञातं ॥ ध्रुवेल ससकल परिवार देवने
 याव अति हर्ष मातया नाव चोन ध्रुवेल स श्री दुर्गा नजुल सां कयनिसे न ग्यः

॥ श्रीसुखा

॥ १३३ ॥

ये सुमाल आसय भुजिने देवने वसिदान विवधकं आगणदय कली ॥ ध्ववेलस
दको यारवन रुया वचोनं हन ग्वस स्या नया च सहि कया वा ॥ श्री भगवतिया ने
या अळ मि पुजा यातं ॥ हनं वा लन यनि सेन जुल सां मा हा धु म धा मन ज ग्य कु
रुति वि या व्र ज र या ना वा ॥ दको देव लोक यनि संतुष्ट यातं ॥ हन देव लोक यनि व्र अन
त नाना दु व्य अनदान वि या व्र संव यातं ॥ ध्वने न वि धि पुर्व कन पु जा हो म भो ज ना दि
पुष्प वेल यत्र अक्षत जो ना व्र हात जो जल या व्र श्री दु र्गी या या दु का सत या व्र भो क पु य
व ॥ वृत्ता वि ह्नु मे हे श्वर ध्व यनि सेन ग्व वेल सं पु जा या य म पु गु श्री दु र्गी या पु स
य धु न का व्र दको स यातं भो ज ना दि या त का ली ॥ हन वृत्ता न यनि स भो ज न य
दको थ व ठ व्र छे लि हा व्र तं ॥ ध्व वेल संध्या काल जु या व्र ॥ श्री दु र्गी या सि त ल जु य व
रा श्री स वै व द वि धि पुर्व कन हनं पु जा हो म या ना वा ॥ आर तिया ना व्र व सि दान नि
व्र हनं आर तिया ना व्र धु पु नु या पु जा स मा पु या तं या ना वा ॥ रा श्री स जा गत ना

आगणदयकली॥ थवेलसखद्रकारयनिसेनपञ्चदशदनानावरखडाकार
 हिक्याव॥ श्रीभगवतियाहेवनेतयावविलेथथीनगु॥ विधीपुर्वकनश्रीहृगी
 सांसाहाधुमधामनजग्यकराडुलयलयाव॥ अग्नीहोत्रयलयावघेलनदृवहिआः
 यात॥ हनदेवलोकायनिष्ठजनभोजनयातकावसंनृष्टयात॥ भातभिक्षुकपतिसया
 पुर्वकनपुजाहोमभोजनादिधुनकावसकलयरिवारमुनावपुष्यजलियातजवा
 यायादुकासतयावभोक्तपुयावधुगुलियुकारनयनक्षत्रीभगवतिहवनेतया
 नायायमयुगुश्रीदुर्गीयायुसादन॥ यर्वतराजहिमालयनयादुकासयुजायाः
 हनवृत्तानयनिसभोजनयातकावधुवृत्तुयायुजाहोमईत्यादिसिधयकाव
 याव॥ श्रीदुर्गीयासितलजुयकावविज्यात॥ हनवृत्तानयनिसेनसंध्याकालया
 व॥ आरतियानाववलिदानविलेथतेधुनकावसतहियायातमतछोयका
 नयावा॥ रात्रीसजागतनायातनानावाकथानावअयसरामेनकारंभातिः

निगुह्य
 १२२

लोतमाईविमियभतिवयावव्याखनहुयावमेहालावचोनंथुगुलियुकारनरा
मिउदयजुयावनेमियुजायायगुपारंभयातंसेविज्यातयोहितनवदाभक्ति
श्रीदुर्गायायादुकासअंसवेअसंखजुयकतयावधुयथानावदियधनावने
धिअल्याषजुयकदोदोलदोमववोतावनेवनेतयावलिनी॥सकलवृत्तानय
नमस्कारयातं॥हनसकलयरिवारयनितेनगुष्यजलियातां॥यादुकास
तयातावयेगुलिदिगसंवृत्तनयनितेनचंदियाथगुरानादि॥वेदयारनय
काववलिदारावियगुतेयावलंखलंखदुगुकेमेस॥भईयुसिहयावश्री
दानवियावगुहितर्वकाकालसनदिवहलगुथ्येहियावालन्यातावचोनं
हनखडाकारदकोयाषनहुयावचोनंहनयर्वतराजयाथवयरिवारद
कितकाववडाहर्षमानरांयाषनहुयावचोनं॥गुगुलियुकारननंवल
सुयाकेलदकोथवनेवनेतयकावअतिषुसिजुयकावक्षरिभोजनयासे

वचो नंथुगुलियुकारनरा वीहनं॥ ध्वनलितपुमिअष्टमियुजाधुनकाव नव
विज्यातयोदितनवदाभक्तिभावत वेदमत्रदलयावजवायुष्यनौलात्वातरां॥
धुयथानावदियधनावनैवदमेव छागभमनादिफलमुलयक प्रातमधिच
गवत्रिली॥ सकलवृत्तानपरिवारदकोस्यानं जयदुर्गा जयदुर्गा धकंधयाव
अजलियातां॥ पादुकासतया माहाभक्तिभावना यातावयकचितयकम
पथगुरानादि॥ वेदयारनया नावचो नंथुगुलियुकारन नवमियुजायाधुन
मेस॥ भुईकुसिहयाव आदुर्गा याहेवनेतयाव वलिदानविली॥ ध्वनलिवली
धौहियावाल न्यानावचो नं हनंचतुर्दिगस नानातरया वा जानथानावचो नं
वतरा जयाधवपरिवारदाजुकि जायुकि जगामवासीदि कोसयां ससहिन
गुगुलियुकारन नं वलिदान यायधुनकाव श्रीभवानिदुर्गातजुलसाय
यकावक्षरिभोजनयासेविजानी॥ ध्वनपुजाहोमवलिनयायधुनकावघोर

॥ श्री स्वस्वा
॥ १३५ ॥

हितवाहनयनिसेनसदधि नावियते याव हेमालयनयवतरा जहेमाल
सनयनिससससतुष्टुयुयकं दधिनाविलं हनं भातमिदु कपनिसस गवससे
योहितवसनयनिसयात नानावेजानादि सकि चधिधलिदुतयाव भो
सियनिसयातं भोजनयाकलं हनं थव थव न भोजनयासेविज्यातं थवे
सहनसलंसलमतयातकाव आदुगीया नेवनेतयाव आरतियातं आ
रया नाव मेन कारानिन जो नाव आदुगी भवानिया नेवनेतयाव तयाव
लिदुत सधि चधिषतरसगुवा इत्यादि अमृत मेवा मेवांग सामया ला
सेषो से भवानिया वतियात भोजनयातकाव अचलानं थव मिषासवे
वयो याव चोनि ववथेत वसदन वयो याव चोनं हन भोगु चीया वति आव
तजिन वन के फ इव मगु तो थते न दस मिर्दय मगु वलं हन जिगु या
कजि चोने क ईव मगु जिलया माहा देवयात धा यधालसा व धालसा व

लालयनयवर्तनरजहेमालयनजुलसांनानासुवर्णद्वययितहयावप्रोहित
मातभिकुक्कणनिस्रग्ग्वस्त्रसेनगुगुगुगुवाछायातर्कसिविद्यावसंख्यातंहनं
चधिधलिदुदुतयाव॥भोजनयातकावविज्यात॥हनथवृथीथीगुमना
भोजनयासेविज्यात॥ध्वबेलसनवमियादिनअखयजुयाव॥संध्याकाल
नेतयावआरतियात॥आरतिधुनकावरावियाभोजनयासामाग्रीतया
नियानेवनेतयावतयावविलध्वबेलसध्वीदुगीभवानितजुलसांक्षिरध
मेगामेष्टांगमामयालाहातिनभोजनयासेविज्यात॥मेनकारानितखो
अचलानंथवृमिषासखोविदुयाव॥गथेचर्तुकाचङ्गलनमायायानाः
हनभोगुचीयार्वतिआवृथकालरात्रियाचछिवनाव॥सुथजुयतुनंकन
यमजुवलंकनजिगुयानकयावमाहादेवनायंकहुनिकसदतमखन
धायधालसावृधालसावृययागेलथुका॥वयातधायातनेतिवमभुजिः

॥तिगुस्व॥

॥व२५॥

पुलवस हतं म्वायमातिशयतसा शुकासनजिमियमालीन॥ हे पुने श्वरिउमा
राव॥ भोचद्रमाथेचोनसपुचीदनजितककोलभोमासधकसलतगुडेनेग
नाबमेनकारानिषोयावचोनहनराविजुयावचोनसअंधकारयाकेविनतियातावध
याराचीकनेससुथजुयकावविद्यमेने कातधालसासुथजुयवुसुनंजिस्पाचया
वनजिस्पातावनायबोनावयनिन॥ धतेनजिमियायाअजलथेंतयावतयासजि
अजिलचानजिसिपुधकंलुमनकईसमपुधकमेतकारानि नविलाययाना
नहनराचीअंधकारयाकेनविमतियातं॥ भोराचीअंधकारजिगुविनतिनडेना
लयायाडुकासवारंवारनमस्कारधकंछोयावोयावविनतियातावविलाययानावुमिस
वनावःदसमिउदयजुयाव॥ मेनकानितजुलसांअतिस्वकयानावआबादयकलंजि
ततताव॥ मालजुयुवेलसगथेआनुरयाताजुवजुईवधेथवससअग्नीजोअलमुथे
यनअचैतसैजुयावसिकसचोनथेचोनावचोन॥ पुरवासियनिसकलवयावदको

मय मालीन ॥ हे पुने श्वरि उमा क न जि मु दे सक को ल के क तु त वा यो ध क मु वे स त
भो मा म ध क स ल त गु गु डे ते गु ई क्षा जु ल ॥ न ता रां स ल ति व ध कं ध या व हा हा का र या
अं ध का र या के वि न ति या ना व धा लं ॥ भो रा त्रि क न जि गु उ य र स द या मा या त या व ध नि
म सु थ गु य व त्त सु तं जि ह्या च या ध्या ल स्व य र ई व म पु त्तो ॥ जि ह्या च या र्वा ति श्री मा हा दे
या अ ज ल थे त या व त्त या ल जि उ मा या र्वा ति म द य क च ल कि सु द्वा त चो ते क ई व म पु
मि त का र ति न वि ला य या ना व ॥ थ व ह्या च या ने व ने अ स्तु ति श्री विं स ति या ना व चो
अं ध का र जि गु वि न ति न डे ना व क ल यो ल से न भु थ गु य का व वि ज्ञा य मे ते क ल यो
ति या ना व वि ला य या ना व भु मि स ग्व ल जो लु त्त ला व चो नं ॥ ॥ श्व त लि त व मि या रा श्री
ने स्व क या ना व आ का र य क लं जि भू न न्य चो ना गु आ व त्त ति नि आ तं द जु लो स र्प या क ला
थो थ व ह्या स अ ग्नी जो ज ल मु थो डे न का व भ क्ता य क्ता या ना व जु लं प र्व त रा जे हे मा ल
पु र वा सि य नि स क ल व या व द को से न यो या यो या व वि ला य या ना व चो नं ॥ थ वे ल स या र्वा

॥ श्री स्वस्त्वा ॥
॥ १३५ ॥

नित्याजविजयासधियनिनिलसयानेवनेधायधका॥ मननंभालपालवमेनकारानिन
याथनित्यादिनजितथोविजोगगथेनजुलजितुमायावतिमनेमदईनजितुगीजुईन
जिलवायानेवनेस्वनुजकयाकरालयानावजिल्याचथनाहयागुषव॥ आव
यात॥ जिल्याचयावतियनिगुजुल॥ धतेनकपनिसेनश्रीमाहादेवयातगुमय
दुमाथेचोनगुखालजुयाचोनलस्याचयनेवसुनुंजिमिषानस्ययईमषु
वचोनेजितभोमामधकंधायकेयातमेवसुंदुगुमसुनानमामधालवई॥
थेजिनविलाधिया॥ वकीकालजुलसांथर्वसासगथेवनेगथेयनेधकविनतिया
वियाव॥ छोयधुनकावहनगुलिदुषकवनयावजिपुनकुमारिसस्याचलुय
जितुगुमषु॥ सोनुजकतयधकंजियानम्वतकेयाकारनंरांकुमारियावतिहया
सिनंयातसर्तमामदयकं॥ जियानगथेधर्लयावचोना॥ थथिनलयातसमान
त्कारधित्कारनिर्दयानिखरबुलानव॥ नवमियादिहेगुयेकावतयेमदुलाजि

नन भालालवमेनकारानिन तुलसां नृया जया सधिया नृवने आ ग्या दय क सं भो जः
वति सने मरु ईन जिउ गी तु ईन ध्वजिनु गलया धन वने वतु सु नं जिपुान ले व म व तो
स्या च थना हया गुष व ॥ आवथ निसुथ गु य व सु नं थ करार युरा तुल आवजिल
सेन श्री माहा देव या त बु रु य सु रु य या ना व थ नं तुं त य गु ग्या या ना वि व आ जि च
नु नं जि मि थान स य ई व म व तो ॥ आ जि न कु स्य या व चो ने जिपुान ग थे धर स या
गु म व सु नान मा म धाल व ई ॥ थ ते न जिपुान स मान ल स्या च ई मा या र्व ति या त ग
थे व ने ग थे य ते ध क वि न ति या ना नं जि न थ न तुं त या व त य गु ष व नृ या जि न वि द
जि पुान कु मारि स स्या च लु य का व थ न ह या व त या ॥ थ क स वा दिक नं मे व स्या च
ग कार नं रां कु मारि या र्व ति ह या व वि व या नि मि ती न ज क जि म्वा त ॥ थ जि पुान याः
व चो ना ॥ थ थि न स या न स मान या र्व ति व न धाल सा जि पुान ग व वे ल त त्वो नि व धि
या दि हे गु ये का व त ये म दु ला जि पुान स्या म धु कं ॥ द स मि का य ई द य गु य का व वी

॥ नि गुरु ॥

॥ व ३५ ॥

लहेजधुहेतुजुलनृपाजिसितकावृथुधका दसमिउदयजुयकावृवियशुधवा
शुधवृजियमधुनक॥सिकचोनथेचोशोमावृशुधगथिनशुधोहननोकयुलध
भोमेनकारानिजिशुधनेनावृविज्याहुने॥धुउमायावृतियानिमित्तिनकलयेलसे
शुधउमायावृतियानिमित्तिनकलयेलसेतुर्गयानामजककयाना॥भवसाज
दुधुइरंजुवृधासेलिअलितोविराययायगुधुधावृवृधकधावृगुनेनावृमेनकारानि
हितदकोसकलयरीवारखेयावृचोलाथथिनशुवेलसा॥श्रीमाहोदेवतगुलसं
यवृतराजआवृजिवृनेतेलोवेलावियतनयारयावृ॥विलभयावृमतेजिवृताय
कलंआग्याशुवृशुधनेनावृयवृतराजहेमालयतजुलसाठवृनुगलसवजुनव
यकावृकोथासवृनावृधवृरानिमेनकायानेवृते॥श्रीमाहोवेवतआवा
चोनथेचोनावृधवृयुत्रीयावृतियातकयावृमुदेसंकेकतुनकावृउमायावृ
यावृचोनखनावृ॥धरिवारयुरवादिदकोमिसारांमौगतयनिवृयावृमाया

मि उदययुयकाववियगुधवाभावजिहुनु गलत उयावतियात छहुनिधकंधायः
गजथनिगुमोहननोकपुलधकंधावगुनेनावजयाविजयासधितंविननियान
नियानिमित्तिनकुलयेलसेतअमलिनोसोकसंताययातावकायबोसेविज्याना
गानामजककयानाभवसागरतयगुवभावनौयानातंथभवसागरतरयगुव॥
कंधावगुनेनावमेनकारानिवोधमजुयावहनबोयावचोतं गुधनावगुरवासिसः
वेलसा॥ श्रीमाहोदेवतगुलसां॥ यवतराजहेमालययामेवनेआशादयकंलंभो
॥ विलभयायमतेजिवताययावतियातकेलासकोयाहयमालधकंआग्यादय
गुलसाठवनुगलसवजुतकवल्लथेनेतकावविलाययातं॥ हतमिमानकोविहा
ते॥ श्रीमाहोदेवतआशादयकुगुधरकोकनावनोनवायमयूयावलातिः
संकेकतुतकावउमायावतीयासिरसमिमानकोविद्वगुलिनअभिसेववि
तांमौगतयनिवयावमायायावेसचोतावबोयावचोतथथेचोनावचोतवेल

॥ श्री स्वस्था
॥ १३६ ॥

स मेन कारनि न तुलसां मछोसें जिई सु सुध कं सनं भालया व थठे धमनं धेयं या
नमित काया वा भोयुची उ माया वति दुर्गा भवानि जिथ थिन लुड रिचिं यात तो
निडु विनिं यात दसत विलै वला ॥ हत हन मा मया तस्या ना वव ने धाय मते भो
हनं जिय निनि लसया अंध काल जुई वथु का हतं जिडु विनि यात मा मध कं सु
जिप्र निचो ना या पु योजन मदत ॥ जिय निसेन कुया आधर या ना वचो ने ॥
तस्या ना वव ने गुह न माया गथी न गुव वय वतरा जया ल्या च जु या व या निमि
निस या न दत लिह न त वं गुगु मननं विदा बिय छ वने धाया गु तुलसा जिय नि
मेन कारानि ज्वलतु लाव भोई मा भोई मा ध कं विलाय या ना वचो नं ॥ हनं थु
या व ॥ क्षीर अमृतादि भोजन यात कलं ॥ हन उ माया खाल स्य या वचो नं ॥ थु
सेन अमथ्य विलाय या य मुमाल दछि दछि वय वत्तु नं जिथ न वया व भोज
कं वोध विव गुने ना व मा म मेन कारानि न संतुष्ट गुया व ॥ थु व पु ची य वति

गलयावथठेधमनं धेयानावथवस्याचयार्धति या स्वालस्वयावकहनावच
 जेथथीनसुदुरिविंयाततोलाताव छगनवनेतेना भो विंयुत्रीदद्विदवसेलीति
 तस्यानाववनेधायमते भोयुत्रिदवनेधायसुं वंथयुरिदको विउसेवनिवधुका
 जिउविनियानामाधकंसुनानसलतईव छरनेमदयवसुं नं थसंसारस
 कया व्याधरयातावचोने थसंसारसजियनिसयातमुमाला थनेमं मासया
 जयास्याचजुयावया निमिर्तिन छननुगलरां यवतयालो हथेजुलला जिय।
 वनेधायगुजुलसाजियनिसस्यानावहुनिध धावगुनेनं हनं मुकी जुयाव
 वेलाययानावचो नं हनं थुगुरियुकारनं वोवो ल्याचयार्धति थवमुदेसतुत
 माया स्वालस्वयावचो नं थवेससयार्धति आग्यादयकली भो मास छलेपोर
 वसुं नं जिधनवयाव भोजनयायथुका छलपोलहनासचायमुमालधा
 वजुयाव थवयुत्रीया वति भोजनयातकेधुन कावहनंनानां र त्वनमनि

निगुह
 १२६

मानिक शाकं आभरनतिसावत यितयावमेन कारनि नजुलसां बोबो जरिज
यागुतिसानतिय कावकाययावतलं समालयातकावविलं ॥ श्रीगसेसकुमारया
माहादेवनजुलसां थववाहातरादियाहेवने आग्यादयकलं ॥ भोनदिआव
ह्यानां हेवनेतयावविलं थववगुषनेवसुं मेनकारानितजुलसां
मिकं युत्रिउमायावतियातवुयावथवमुदेसयेकतुतकाव ॥ विलाययानावबो
स्वयाव ॥ भोमाप्रजिवनेतेलविदावसेविग्याहुने ॥ जिदुषिनिधकंसियकावलो
मालधकयावतिन आशादयकगुषनेनावमेनकारानिअचैतन्यजुयावकुं
तस्यानावकगतवनेतेनाहकनंजिगभाग्यवेलसंउदयजुईव ॥ थवेलसा
रानिनजुलसां थवसिरसलाहातदेहायाव ॥ अतिकरुनावचनरां भोयुचीया
भोमाप्रधकंसलतकेदईवधकमायायानावविलाययानावबोनां ॥ थनलिय
कलं ॥ भोयावतिआवक्षिसवनेतेलोयितायवतराजमातामेनकायाकेवेराकाव

नजुलसंखोखोजरिजवायया॥ वसतनतियकावमतिमानिकथुनावदयकाव त
॥ श्रीगणेशसकुमारयातनानातिसावसतरातियकावकाययावतलं॥ ध्ववेलसभा
कलं॥ भोनदिआवृद्धिजिसकेलासवनेनेलो॥ आससिंहवाहनरथतं
नकारानितजुलसां॥ धवल्याचवरांनोसंजिथेहेसुन्यजुलधकंधयावचा
॥ विलाययानावखोयावचोवरांमाममेनकारानितमायायानाविलाययाक
निधकसियकावलोलमनकेमतेजिल्यायमचाधकलुमतकसेविज्याय
अचैतन्यजुयावकुधायमकसेचोनःहनहाययानेभवरियुत्रीउमायावतिजि
दयजुईव॥ ध्ववेलसतितिभोसामधकसलतईजिननेरोदईवहनंमेनका
वचनरांभोयुचीयावतिआवकुग्ववेलसवरावयावमुदेसचोतावभोसाम
नावचोमं॥ धनलियुनवीरश्रीसाहादेवनजुलसांयावतिथानेवनेभाग्यदय
मनकायाकेवेदाकावधकआशादयकावनिलानियुतवतसेना॥ भोपितामाना

॥ आस्यत्वा

॥ १३७ ॥

आवजियनिसयातयातं विलभयायमतेव विज्ञायमतेव वेदाविदुनेधकं आशादय
नेनावथवठेथमतंधैर्यानावहेमालयवर्तमेनकारानिनजुलसामनसहर्वम
जियनिसयातयितामाताधकं आग्यादयकसेविज्ञात॥ भोयरमेश्वरतेनिसकोटिदे
यायायउषयुतकावसदाकालं कलपोलया जयसोत्रजिगुनुगलसथातकावयु
कलपोलयनियुजानियायधकं श्रीमाहादेव श्रीपार्वतिनिलं रत्नयासिहासन
दसयचारनयुजामानेयातं॥ १३७ ॥ ध्वनलिनानायायार्थयकावयंचामतक
द्वयरत्ननमुर्कादियावरत्नमनिमानिकयातिसानतियकाव॥ अनेकयातंधैव
कथानेनावथमतंधैकोसोत्रयातं भोयरमेश्वरभवानिसंकरंधन्यधन्यजिभ
नसअतिआनन्दजुल गथेक्षारसमुद्रस श्रीनारायनव श्रीलक्ष्मीवर्द्धि
जिमरासकलपोलयनिविज्ञाकषनाव॥ आनन्दजुल भोगोरिसंवरक
यकौवमनुक्षयामायानलुधजुयावविज्ञाकल॥ धधिनलकिदावि

हाविहुनेधकं आशादयकली॥ **ध**ते श्रीमाहादेवपुत्रीपार्वतियावचननेनावभाषाः
 ननुलसामनसहर्षमानजुयकावविमतिरातं॥ **भो** त्रैलोकेनाथकलयोलसेन
 रमेश्वरतेनिसकोटिदेवतायाआगाजुकलयोल॥ **भो** ईश्वरजियनिसयातअज्ञानः
 ननुगलसथातकावयुत्रंसन्नजुसेविज्यायमाल॥ **भो** ससिसेसर आववेलावियंत
 नेलं रत्नयासिहासनसविज्यातकावअनेगुयदार्थदयकावअनेगुयकीनवो
 थयिकावयंचामतकलमुलपुंमुलदयका॥ **भो** जनयातकावअशोजसुवर्णी
 काव॥ **अ**नेमयातयवै^{पूतपूत}रयावस्यननितकाव॥ गयध्यानयानावअनेगधर्म
 संकरंधन्यधन्यजिभाग्यकलयोलवजिपुत्रीवतिलविज्याकवनावजिम
 नवश्रीलक्ष्मीवकिज्याकगुवेत्तसगथेकिरसमुन्दयाआनन्दजुलअथे
 लभोजौरिसंवरकलयोलगथीनलधालसा॥ **थ**वमायानंथमनंतो कपु
 ॥ **थ**थिनलकिदाविलासयाकल श्रीभवानिसंकरयाकोतिकोटिन

निगु २५॥

॥१३७॥

नमस्कार हनक लयोल गथीन सुधालसा समुद्र मधन याक वेलस काल
सेनरा या वगल योत सथात का व वि ज्ञा क ल थ थि न ल क ल यो ल थ थि न
र ॥ क ल यो ल ग थि न ल धालसा नृ षि ति सं हार या व ना व वि ज्ञा क ल क ल
र दै त्र व जु ध जु व वेल स क ल यो ल या व ल ग थि न गु धालसा ॥ य थि र थ च त्र
र व से व ना ग लि गु न मा हा विष्णु व ला त्रि न ध या घा च क पु पु त के या त सा ज थ थि
श्री मा हा दे व या च र न स को ति को ति न म स्का र ॥ भो यं रं व ला ध ल या र्थ ति न जु ल
जि गु र्द य र स कृ पा या ना व वि ज्ञा क ल थ थि न ल क या म ति या त को ति को ति न
न क ल जु या व वि ज्ञा क ल या त को ति न म स्का र भो जु ग ना य कि ज ग दि
यो ल ॥ स पु सा ग रं क ल यो ल यं च भु त आ त्मा ध या ल क ल यो ल ॥ नि र ज न नि
या ल क ल यो ल ते ति स्को ति दे व ता या दे वं क ल यो ल ॥ आ दि म दु अ तं म दु ल
क ल यो ल ॥ वि भ्व रु य ल क ल यो ल ॥ ह नं थ स सार स द को या नि या नु ग ल स या

नयाक वेलस कालकृत ठाहा वया वय थी भस्मया यतेन वेलस कल योल
नल कल योल थ थी नल निल करण यात कोति कोटि नमस्कार भोयर मे भव
नाव विज्याक लकल योल ॥ भोई श्वर कल योल ग थी नल धालसा ॥ विगुरा तु
लसा ॥ य थी र थ चतु वेसल चंद्र सूर्य घल चाक वला सार थी मुमे स्य वत धनु
पुत के यात सा ज थ थिन ॥ ग थी नल विगुरा तु स्मो च कुल ॥ भो विस्व भर मुनि
ला थ ल या र्वति न तुलसा ॥ ज गत्मा ता गु या व ची नल नै जिं यु वी धाय का व
गति यात कोति कोति नमस्कार ॥ भो जगदि श्वर वला विष्णु माहा रुद्र ध कं स्व ल
ग नाय कि जगदि श्वर ॥ वला दध या ल कल योल ॥ स धा र्व जग म ध या ल कल
कल योल ॥ निरजन निरी कार ध या ल कल योल ॥ सत्य गु न र जो गु रात यो गु न ध
मा दि म दु अ तं म दु ल कल योल अ व व सु ध या ल कल योल ॥ द्वादसा दी ल
यानि या नु ग ल स या प पु न्प या सा कि गु या व वि ज्या क ल कल योल ॥ भो वृ

श्री स्वच्छा
१३४

बभूव जहल योलया वजिन लहाय सामर्थ मयु भोयु मुदो लहि सुतु थु
आवजि गुय उय रस कल योलया जय ध्यान सदा कालं जिय निस नुग
लखि पुरुष ते सेन हात जो जलया व विन नियातं ॥ ॥ धन लि हा
ता यनि सेना अने गु असुया क स्वया व अतिर सया क स्वया व मुतु न न्हि
तरा ज भो मे ना का ॥ क न यु गान भाव भक्ति न व ना व जि अति स तो जु य धु न
व दान थु लि वि य धु न ॥ क धाल सा जि गु ज य ध्यान तो ज रा ठ सदा कालं क न
स य वी ला ई व ॥ भो य व र त र ज ओ यौ वौ जि य नि कै ला स व ने ते ल ध कं आ ग्या व
या व ति नि ल खि पुरुष सेन वे ला का या व यु जा मा न्य क या व मा हा आ नं द न श्री
कु मार ज व व र त या व मु दे स त या व थ व य रि वार यु थ म ग रा य नि से न उ य य
मि या त का व हे मा ल य व र त या के न पि हा वि ज्ञा ना व कै ला स य व र त थे न क ल
व या व ति स हि त न श्री ग रो स कु मार युं मुं वं तं यु ठ म ग न रां उ य का व ॥ अ ने ग

१ भुदो लहि तुतु थुला वचोन ससे वना गया गं म्म म्म भो गौरिसवरः
कालं जियनिसनु गलसथा तका व पुर्नन गुते विज्जाय माल धकं नि
॥ धनलि जगदिश्वर श्री माहादेवन गुलसां थ व ससल पितामा
स्वया व मुसुन न्हिला व यर्वत राजा बाल स्वया व आ ग्या दय कलं ॥ भो यर्व
अतिसंतो जय धुन भो यर्वत राजा ननु गलसतया वत यक्य माल कनत
गारा सदा कालं कननु गलसतया वत यक्य माल धवेलस कनत कैला
वने तेल धकं आ ग्या दय का व वेला कालं ॥ धनलि जगदिश्वर श्री माहादेव श्री
माहा आनंदन श्री माहादेव वृं स भगया व श्री यार्वतिन सिंह गया व गरो स
गारा यनिसेन उं य यका वने तित्को ति देवता तलित का व ॥ नाना मा थनं अस्तु
ला स यर्वत थेन कल विज्जातं ॥ ॥ धनलि श्री माहादेव कैलास था हा विज्जातं
मरां उं य का व ॥ अने ग का मर सभो गया ना व सुख ग्या तदन विज्जातं धकं कुमा

निगुल
१२६

रनं अग व द्या ने बने भा ग्या दय कली ॥

~~॥ विष्णु कवचि उर ने ना च मा न~~

~~॥ श्री गणेश उर ने ना च मा न~~

१५५

॥ त्वद उवाच ॥ हनं कु मा

गथिन शु धाल सा शु ति मत हर जु या व चो न गु ॥ को ति र चं द्र मा यु का स जु व थ्ये ते ॥
वि द्या धर अ य स रा य नि से न वा स या ना चो न गु ॥ ह नं चा व नि व म दुः ति गु लि य क्ष
वा न जु या व वा स या ना चो न या नि मि ति न ज्व वे ल सं चा नि सि य म द य का व त
सु त व रु ष व रो व र जु य का व त वं ण ना ना त र ह या मं ग ल वं णि ना ना नो गी स र्व धै र्य य भु
ता स र्व त जु ल सा अ ति शु ति उ च उ च जु या व चो न गु ठा य स सिं ह वा द्य ॥ भा लुं य नि
य चि मं ग ल भ म रा इ त्या दि न सो भा य मा न जु य का व हा व गु सु स्वर न हा ला व चो
वा स या ना व सो भा य मा न जु य का व ज प त य या ना व चो ति व ह न ना रा जा ति य
या व स क ल जि वा आ त्मा या म न मो ह न तो क पु य क सु स्वर न हा ला व चो न ह न
ह न र क्षा या ना व चो न स र्व या त ल स वा न र क्षा या ना चो न कुं या त भ ति न र क्षा

~~कुरु मे माया माया मे कुरु माया माया मे श्री माहादेव जी वाक्मिः~~

॥ त्वदुवाच ॥ हनं कुरु मारनं अगव्यात कना ॥ भोजगव्य मुनिश्च केलास
रिचंद्रमायुकासजुवथोते जथुलावचोनगु हनं धथायस गंधर्वी किनर यक्ष
धावनिवमदुः निगुलियक्ष ॥ नृसगुलिवारमहिसं स्वतसर ध्वयनिदको मुनि
चान्दिसियमदय कावतवैगु हनं तं च मत्रवेद ध्वयनिस भेद मदय काव
पंडि नाना नो गी सर्व दैर्घ्य भुजाति चोनावसो भायमान जुय कावचोन हनं धके
यससिंह व्याघ्र ॥ भालु यनिसेन हालावसो भायमान जुय कावचोनं ॥ कोकिल
वहावगु सुस्वरन हालावचोनिव ॥ हनं मुनि इत्यादि वदावदात ^{वत्या} यिगरा यनिसेनः
चोतिव हननारा जाति यां गल पंडि यनिसेन ॥ धवठवगु बोलापितका
सुस्वरन हालावचोनं हनं मृयात सार्दु हरक्षायानावचोनं ॥ किसियात सि
चोन ॥ कुंयात भतिनरक्षायानाचोन ॥ ध्वतेनरा ईश्वर ने किं वज्र लसा ॥

॥ श्री स्वत्या
॥ १३८ ॥

सुनानं सुगानं वैश्वर्याय महु ॥ हिसा के र्म गाय महु थय निस आ हार अम
गु महु ग्वल स्या न सा ज्ञे गुया व चो न ॥ वल सेन नुं व या तर क्षा रा गु गु गु या व
य स जोर सितां ग क फ वात धित थते नाना रोग महु विरय गु या व चो न धिं न महु द
ला स स चो न य निस या त के व लं त सु सि वा य ड व न वा स या य महु सु व या म ल
स मु द न चा क ल उ ला व त या व त गु था स था स क ल्य वृ क्षे न वा स या ना चो न गु ॥
गु के स आ मा हा दे व श्री या वं ति वि रा ज मा न या ना व ना ना र स रं ग या कि दा य
जि वा त्मा य नि से न सु व भो ग या क गु ॥ गु लि तो धा य थ ठा स या सु व या म हि म
के ला स या ज्व च र महु ॥ थ ति न गु अ ज्व च र या था य स दार या र गु या गु या व
था स या लु वा स आ ग न्य स कु मा र वी ज पा ना व चो न ॥ के रा लु वा स नं दि भि दि ॥ भे
गु या व भु त यु त यि सा च य क्ष व ल दे न्य थ य नि अ सं ख्य नं चो ना व चो न गु
स या म हि ॥ मा हा य चो य गु सि य के गु ॥ सु यां सा र्म र्थ महु ॥ थ ते न थ के ला स

इथयनिसभा हार अमृत्तानयानां वसुधां नयमुखा लयित्या कया गुधया
 वयातरक्षाया गुग्गुलुया वचोन थतेया कानरां थके लासधया गुलिधा
 हय गुया वचोन यिन मउ दको यनि जिवात्मा अते तसुं दूर गुया वचोन ॥ थके
 वासयाय मउ सुवया मलया ना वन वगु थोथाय संचतुर्दि ॥ गसं अमृतया
 वक्षेनं वासयाना वोन गु ॥ थठिन गुके लासयुस्सि मनि मयन दय का वतया
 वना नार सरं गया किदाया ना वसुधन विज्या ना वचोन थके लास योः
 यथ ठासया सुवया महिमा वला विष्णु नं सिके यके मयू ॥ थयनिसया थः
 ययस धार यार गुया गुया वचोन यनिसुसु गथे चोन धालसा ॥ ज्वथा नृयां को
 ० यालुबासनं दि भिदि ॥ भेरव वैताल चोन हनं यिने यादु सदिसा यार ववार
 न संख्यनं चो ना वचोन गु सुतानं हिसाय याय सा मर्थ मउ थतेन थथाय
 मर्थ मउ ॥ थतेन थके लासया महिमा ॥ ज्वलसेन लाय गुग्गुलुन सन योः

निगुह
 १३८

ना
गर्वित इव गलत्या न थवावनने निव २७ असमनुषे पात के लास स
जुग यथीत चोने वई जुल धकं कुमार न अगव्या हवने आग्या द
धमा मे के दार रवंदे कुमार अगव्य सम्वदे श्री माहासुदन जुल स
मायत १७ सकद उव व थतली क कुया दिस श्री माहासुदन
भोगरोस कुमार आवु छ पनिरि ससेन नृपालात क थसु मेरु प्र
न विद्य निधय धकं आग्या दय का वत कारनं कुमार न जुल स
ववनं पुनवार गने स जु को मत स जु को मत स धंदा क याव थ
थ वे ल सति कुन धालं भो श्री गरोस धनि क ल यो ल या मत स काय
कुया विन तिया क गु श्री गरोस न ठे नाव आशा दय क ल भो ती कु
लसा जिव वा श्री माहासुदन भोगने स कुमार क पनिरि ससेन
लठ लाव वय कृत व स यात वरदान विद्य धकं आग्या दय क ल थने

ममनुष्येपातकेलाससवासयानावसुषभोजयानावपरमआनंदनजुग.
आग्यादयकल इति श्रीसकलउरानेमा
श्रीमाहारुद्रनजुलसा श्रीगनेस श्रीकुमारसुमेरुयवर्तनकथास।
मादिस श्रीमाहारुद्रनजुलसा गनेस कुमारयनेति आशादयकल
मा लातकथसुमेरुपर्वत चा क लउलाव वययुत वसुयातवरदान
रने कुमारने जलसंयिता माताया चरनसंभोक युधाव वैला कया
नसंधदा कयाव धवके लिहावयाव मनस अंदोलयानाव वीन
पयो लया मनस काय अंदोरया स्पविज्याना धक विनति यातं नि
शादयकल भोती कु जिमनस अनिन अंदोरन जुव गुलि कानधा
र कपनिनिहसेन नृपालात कथसुमेरुपर्वत ग्वहसेन चा क
आग्यादयकल धनेन कुमारया धालसा लसवा वाहान वोसे वने पु

श्री स्वच्छा

१४०

भो^{ति}कु जि धालसाया धनवृग्वलसोलताहाक कान धालसाति कु
मेरु पर्वत उलावलि हावई न भोति कु आव्रगथे या यमाल धकं स
लियानि मिर्तिनि फल योलसे न धांदा कासे वि ज्ञाय मुम्बाल भो^{मं}वो
से वि ज्ञा तु ने गथे धालसा श्री जगदि श्वर श्री माहादेव श्री धा वति
लयोल वि ज्ञाना वसो हस सां चरन संभो क यु या व भोयिता मासा
मेरु असु मेरु धया गु फल योलय नि स्य ह ज क सिया धकं आ शाद य
या चरन संभो क यु या व माता पिता स्व स्यातं स्व चाकल क उ ला व
व विनती या व धकं ति कु न उ य दे स विलं ध वेल स श्री गरो शानं
स्व स्यो न था स व ना व माता पिता स्व स्य चाला क ल उ ला व स्व
विनतियातं भोयिता माता जिन जां सु मेरु असु मेरु मे^ल जां मसि
सिया धकं विनतिया क गु ठे ना व श्री माहादेव अनि सु सि जु या व

कान धालसाति कुथ्यते यानि मिर्तिन जिधं धा तु ल कुमार न सु
 थे या य माल ध कं सा रु ति या ना व ति कु न धालं भो श्री त्वं मोद र धुः
 ज्ञा य मु म्बा ल भो त्वं वोद र ते सो वि ज्ञा रु ने जि न उ य दे स वि या थे या
 ति मा हा दे व श्री या व ति श्री गंगा ध स्य स वि ज्ञा ना व चो नि वे ल स ध
 यु या व भो यि ता मा सा सु रु भ सु मे रु ध या गु मे ले जा जि नं म सि या सुः
 सि या धं कं आ शा द य किं व सो ल य ता तं श्व चा क ल उ ला व शो ल स
 ता तं स्य चा क ल क उ ला व श्व स स्यां च र न सं भो क यु या व ला हा जो ज ल या
 व वे ल स श्री ग रो श नं तु लं सां ध व वा ह न ति कु न से ना थे यि ता मा ना
 वा ला क ल उ ला व स्य स स्यां च र्ण सं भो क यु या व ला हा न जो ज ल या व
 भ सु मे रुं मे ले जां म सि या भु मे रुं श्व सु मे रुं क ल पो ल य ति स्य ल ज क
 दे व भ ति पु सि तु या व आ शा द स क लं भो यु व ग ने स क पर म श नि ष

मि ७८
 १४०

ब्रह्म नतवरदानं दत्तं वरदानं धालसां स्वर्गमध्ययात्तालं चोत्तु
कनननह्यासातकं कननतयुजायाकलयायैयै कार्यायातसां सिद्ध
जायाकलयायैयै कार्यायातसां असिद्धजुयमालं भोगनेसआ
लङ्कनिधकं वरदानविलं धनलिगनेसनवरदानलातकाव म
रुडलसविज्यातं धनलीकुमारजुकोथववाहानयायैयैति
नं ध्ववेलसगंगानं अनिधंधाकायाव श्री माहावे वयाके विनति
यातजकहेयकावकोयाव गरुसयातजकदकोवदीनविसेवि
वगधेयायमालधकं विनतियाकगुनेनाव श्री माहादेवनजुलसां
हावयमययावचो नं कननयै वयके यातः श्री ३स्वस्थानियरमेस्व
ध्ववेलस श्री गंगानजुलसा कायकुमारधेनके याका कायानाव
जोनावमाघभुकलयापुरीमासिष्ठु श्री ३स्वस्थानियरमेस्वरिय

वर्ग मध्ययातालसं चोनगुयनिकुनी गवससांकु का ज्ययातंसा
यथी काय्यायातसां सिद्धजुयमाल हरांकुनतलीयालातक पु
दजुयमालं भोगनेसआवकयनिमक्षेमराहसवनावयुजाय
सितवरदानलातकाव मर्ममराहलसयुजाययकक मर्मेम
जुकोथववाहानयायैयुनियैयानसिमासकेनाव वयमकयाचो
व श्री माहावेवयाकेविनतियातं भोजगदिश्वरजिकायकुमारः
नजकदकोवदीनविसेवि ज्ञातं जिकायजुकोलिहामवनि आ
नाव श्री माहादेवनजुलसां आग्यादयकलं भोगंगाकनकायलिः
नः श्री ३स्वस्थानियरमेस्वरया धर्मव्रतदनेमालधक आशादयक
रधेनकेयाकाकायानाव यैषभुक यापुरोमाधुनुनित्येधर्मव्रतः
श्री ३स्वस्थानियस्वरियात सतकि वयातानसंजुक्तयानाववि

श्री स्वधा

११९

धिगुर्वकनदयकांकोदसर्तयचारनगुजायानाव परमेश्वरि
श्री स्वस्थानियरमेस्वरिया पुभावन कुमारनथेनक लवयाव
यावचोनं थस्ययावगंगाया मनस अती हर्षमान गुया वस्वानलि
श्री माहादेवनगुलसां कुमारयातनै वरदानविले कु वरदानधा
नुष्यनगुजासां न्ययातव स्याननानं वस्यया कार्ये सिध गुयमाल
असिदु गुयमालधक वरदानविले धते वरदानलानावः कुमार
न आजादयकलं भो कुमार आवकन मक्ष मराउ लसगुजा फल कु
न गुलसां यितामाताया चरनसं भो कपुया व यदा कया व मक्ष मराउ
ककु यादिनसः देवराज ईदुन गुलसां ते तिसकोति देवतानलित
लासशवयाव चरनसं भो कपुया व देवराज युभतित तिसकोति देव
दिश्वरजियनिरक्षाया यते लना कालंदतं पापिष्ठता की सुरनं अ

पुजायानां वरमेश्वरियानामकावविज्ञातं ध्वनती
 कुमारनथेन कलवयाव यिता माता स्वहस्ता चरणसंभोकपु
 ती हर्षमान गुया वस्वानवियाव आसिर्वीदवियावतलं धोनती
 रदानविले कुवरदान धालसा भो कुमार कनत ग्वहसेन ग्वहस
 प्रयाकार्ये सिध गुयमाल कनत मान्यमयास्यां यीथी कार्येयात्सां
 तेवरदानलानां वः कुमारनं अति सुसिजुलं ध्वेलस श्री माहादेव
 मक्षमंराउलस गुजा फल कुनिधकं आगादय कलं ध्वेलस कुमार
 गाव धदा कयाव मक्षमंराउलस गुजा फल कं विज्ञातं ध्वनती
 निसकोति देवतानलित कावः जगदिश्वर श्री माहादेव याथासंके
 राजयुभतिततिस्कोति देवतानलित काव विनतियातं भो स्यामि जग
 म पायिष्ठना की सुरनं अमलावति भोगया कगुता दतो धतेन ध

त्रिगुरु

१५१

अमलावतिलितकायाविविधगुणकारनदत आव्रजियनिसर्गधारयायेत
देवनआग्यादयकलं भोदेवराजईदृकयनिसया अमलावतिलित
मसु भोदेवराजआव्रकुमारसीध्यानाव कयुभतिदेवराजदेवजक्ष
अष्टजोनावहुनिधकंआज्ञाजुयावदेवराज सुयस्वकोतिदेवलो
बंलाविष्णुमहेश्वरयुभतिभुतयुतयिसाचआदीयासस्त्रअष्टजोन
षवानवलाद्यादियस्थानयानावतलं धनलिश्रीगरोसकंनंथवव
तिनिजकवरदानविद्याहल आव्रधमननुमारेयेमयाधक आज्ञाजुया
ज्यायमतेलोलमनकलथुका आव्रजिव्रनावनुमनकाव्रवयधुव
नयानाव्रनयाथासथेनकाव्रतिहुनजुलसाधनुषयालिग्वनवानक
सतिहुथवथायसथेनकाव्रओयावसुमुकचोनं धनलियुतवारदेव
स्थअस्यकयावस्वकवेलसधनुषयालिग्वराहुनचानावतयागुस्वव

जियनिस उधारयायेतेलो धक ईनाययाना वविनतिया क ई ना व श्री माहा
या अमलावतिलितकययात कुमार मदयकं मज्जु कयानिसेन फईव
भतिदेवराजदेवजक्षगंधर्वकिन्नर भुतयेतयिसाव आदिनं वनावसः
सुयस्वकोतिदेवलोकयक्षगंधर्वकिन्नर नाग अष्टवसुदसदिगपालः
गिया सस्त्रअष्टजोनाव कुमारयाथास अरोग अरोगसस्त्रअष्टधनु
श्री गरोस नंधववाहानति कु यातधा लभोति कु स्ववस्ववजि वुवानं क
नयाधक आ शा जुयावति कु नं विनतियातं भो म्मोदरधंधा का सेवि
मुमनका वः वय धुका धकं विनतिया ना वः ति कु वनावधनु वया पुस्था
षयालिग्वनभानकचिकचिया ना वः लोकलहाना वचाना वविलं थवे
थवनलियुनवारदेवलोकयनि सर्ग मस वन्ये नेला जुया व थ व थ व स
मयाना वतया गुस्ववरव ना वः हता स रा श्री माहादे वयाथा स वनावविन

श्री स्वस्था

१४२

निर्यातं भो स्वामि जगदि श्वर भिजि सद्युस्थान यौ वना वयात गुं स व
या ज्वा मसिया धन जां विघ्न न जु लति नि भो स्वामि कल यो लसे न ध
धते देव लोक यनि सभा खाने ना व श्री मा हा देवन ध्यान रां स्व से वि
य मते विघ्न न जु ल स भु जि यु वल मो दर या त नि म व न ना या य लो ल म
विल ध धनु वया लि ग्व न चाना वत व सति कु धु का ध कं आ शा गु या
हा देव यु भ ति ग रो डा कु मार ग वं व व त या व सु य स्व स्को टि दे व ता न
य ध कं पु स्थान या से वि ज्ञा तं धन ली यु न र्वा र ता की सुर दे
व व व ना ओ अ त्प त क्रो ध या ना व ता र का सुर हो वा श्रु र ध य नि स्व ह
स क ले मु न का व थ व र स स्र अ व जो ना व दे व लो क स्व या व क यो ल न
वलं धन लि नि य क्षे या से ना नं ज य य रा ज य न ल्या ना व मा हा क ली
या व स स्र अ वृ प हार या ना व क को लो ल न जु दु या ना व चो न ह तं नि

श्री वनावायानगुस^{स्त्र} अस्वधनुषयालिग्वराहुनचानावतल थ्वसुः
 मि छलयोलसेनधानरांस्वसेविज्याहुनेधक् विनतियानाव
 नधानरांस्वसेविज्यानावआगादयकलं भोदेवलोकयनिगा
 मत्रनायायलोलमनाथुका श्री श्री श्रीगरोसलुलमनकाव
 का धक् आशा गुयाव गरोसवोनकलकोयाव जगदिश्वर श्रीमा
 यस्वस्कोटिदेवतानंलीनकावतारकासुरदैत्ययनिरवनायगुड्या
 पुनर्धारता कीसुरदैत्ययनिनायदैत्यनखनावदेवलोकयनिहताल
 मषाश्वर थ्वयनिस्वहासयाअनेगदैत्यगतसेनेदयावचोनं थ्वयनि
 कस्वयावक्योलनगतकलायवुथावुयाव हयकायावगुड्यात
 मल्यानावमाहाकलीलजुडुजुलं हनंसिंहनसिंहनल्याकथेथिथिदा
 द्यानावचोनं हतंनिगुलिसमुद्रनायलाकथेहुनुनुहालावचोनं

निगुरु
 १४२

हृन्तरथनंरथरथल्लातकावृजुद्धयानावृचोतं ध्वनलिदेवलोकया
भुनधनावृविलयथेदेवलोकयनिसेनथवसेनापनिचुरीभुतयाक
ब्रवाकट्टनन्हेयावृविसवृनहालावृ कुमारयासेनायनिचुरीभुत
तं ध्ववेलसकुमारयाअत्यंतकोधजुयावृ तारकासुरयारथपेगुजो
निसेनलायवृलं ध्ववेलसतारकासुरयामनसअत्यंतकोधजुया
हुनयुहायानावृदेवलोकमोचकगुस्वयावृ कुमारनअत्यंतकोद्धया
नकयकावृकोयाथे तारकासुरयासेनासचन्द्रवातवलानयुहीर
सदिसाभागसंतविसेवृनं ध्वनलितारकासुरमहिषाभुरत्रियु
मारकुमारतुस्वयावृनानावानसस्वअष्टप्रहारयातं ध्वनेधवृकेसर
वृथवरथवानवानयनकावृ इन्द्रवैवानयामत्रजो जलयावृ तारका
पोतसक्यावृतुनावृकयकावृकोतं ध्ववेलसतारकासुरमहिषाभुर
स्यासिरदिंदुजुयावृभूमिसजुयतेनं ध्ववेलहताहतासनओना

धनलिदेवलोकया अन्यत्र क्रोधयानावदेन्ययासेनागरायनिचुर्न
पनिचुरीभुतया कषणाव अन्यत्र क्रोधयानावमिषानमिषितकाया
मसेनायनिचुरीभुतयानावकुमारयारथजो जैहिचियकन्यानावको
तसुरयारथपेगुजो जनलिहिचियकावकोत धवेलसदेवलोकय
न अन्यत्र क्रोधयानावदेवलोकयनिस्तसं नयुहारयानावजुलंथथेष
रनअन्यत्र क्रोधयानाव नयादुगहि वलयिकाव नाही संसअतया
द्वानवलानयुहीयानावकोत धवेलसतारका रयासेनादकोद
सुरमहिषाभुरत्रियुरासुरस्वसस्यारथचुललानकाव पुनरवारकु
यात धतेथवकेसस अस्वयुहारयाक स्वयाव अन्यत्र क्रोधयाना
त्रजो जलयाव तारकाभुर लसिषासुरत्रियुरासुरस्वस्वसयागल
तारकासुर ^{महिषा}भुरत्रियुरासुरस्वस्वसयागलयोतसकयाव स्वस्व
हताहतासनओनाव भूमिसजुयमलातक अकाससंजुयया हतं

श्रीसूक्त्या
१४३

ध्वनलि श्री माहादेवन ध्वनिरकाद्या व सुरमासासनया व थ
गुवेलस मोचल धालसा दिनयानि भालमदया व वन रात्रिया
पुरा भुर मोच का व विल देव लोक पानि सेन ह हा च न गात कलाय
ध्वनलि ला व थ व ठ व था स धेन क वि से व न ध्वनलि देव लोक पानि स
याना व यालि जात स्वात वा गात का व य र म आन द न ईन्द्रासन लि ह
देवन गु सा अमला व तिलित कया व वि पुरा भुर यानि मो च का व सुर
ता का व माहा संगल गा या याना व के ला स धेन क ल कि या
नरां यानि सेन ईय का व पु म आन द न वि ज्ञात ध्वनलि ईन्द्र न वि
लया क या न अमला व तिलित का य धुत धन्य र छ ल गेल धन्य
ध्वनलि श्री माहादेवन गुल सा आ ग्या दय कलं भो देव राज ईन्द्र
ना व पु म आन द न चो न रु नि ध क आ शा गु या व पुन वीर ईन्द्र पु
माहादेव आचर्या संभो क पु या व वेदा क या व देव राज या मन सन

एरमासासतयाव थमनं को^षयावविज्ञातं ध्वतार कासुरगधिनग
 दयाववन रात्रिया धरिमर्तवति धधिनगुसंध्या कालबेलसवि
 रहाचनगातकलायबुलं ध्वबेलसतारकाभुरयासेनायनिगादि
 नलिदेवलोकपनिसनधंन्यधंरो कुमारधकं नानामाधनस्योत्रया
 नदनईन्द्रासनलिहावलितकायावविज्ञातं ध्वनलिश्रीमाह
 रयनिमोचकाव सुयस्वस्कोतिदेवतानलितकाव अनेगवायेथा
 सधेतकलकिज्यानाक गरौस कुमारजवववतयाव प्रथमग
 न ध्वनलिईन्द्रनवितनितियातं भोजगदिस्वरस्यामि छलवो
 न्य २ छलयेलधनपर कुमारधक वेलायेनाववितनितियानावयोनं
 कलं भोदेवराजईन्द्र आव छपनिअम ~~वति~~ वनावराजभोगया
 याव पुनवीरईन्द्रपुत्र तितेतिस्कोतिदेवतानं जगदिश्वरश्रीमा
 देवराजयामनसनआनन्दुनयानाव तेतिस्कोतिदेवतानलितका

७५

१५३

~~विष्णु~~
वृ अमलावातसविज्ञानावसुषनराजेभुकलयावविज्ञातं ॥ अमर
थोनलिथी माहादेवया मनसयावतिथानकगुलिगुलिचरि
ॐ वृषमांतकवनसथेनकलविज्ञातं थोनलिथीकुमार
नावस्यतनासेलिथी माहादेवयार्वतिनिलसमदयावकुमा
भोमातापिताथथेठगुकेलासतोतनावजनविज्ञातस्यध
नगुआस्वर्यधकंथथीनगुकेलाससंतोलतानसुन्ये
गुसियावथोस्योलयितथथेतयमजिवधकंभालयावथीव
मारनगुलसाआगपादयकलंसेविज्ञातं भो श्रीब्रह्मा
जगदिस्वर श्री माहादेव श्री यार्वतिथोयनि निलसमालावके
गपादयकलंथोतेऽगुगणनेनावथीब्रह्माविष्णुईद्रुचसस
तंभो श्री सुमारधकं श्री माहादेवयार्वतिथोयनिइहंजन
ज्ञादयकलं भो श्री ब्रह्माविष्णुईद्रुधकंजिमासयार्वति

गवविज्ञातं ॐ अमलिजग^{दि}अर^रभी माहोदेवयु^रमे आनदनविज्ञातंधकं
रुगुलिगुलिचरित्रकेने धकं मगयासुपधारनायासाव
थोनलि श्रीकुमारनजुलसां कैलसयवतसथेनकलविज्ञा
नेलसमदयावकुमारनजुलसागुरुभुतआश्वर्ष्यायावधालं
वजनविज्ञातधधकं अंतर्धानेरास्वयावविज्ञातं गधि
संतोलतानसुन्येयानाव मगरुपजुयावस्मितलविज्ञाक
धकं भालयाव श्रीब्रह्माविष्णुईद्रथोयनिस्वत्तसलताव श्रीकु
णातं भो श्रीब्रह्माविष्णुईद्रुलमोलयनिस्वत्तविज्ञानाव
निःनिलंमालाव कैलाससविज्ञातकेमाला औ धकं आः
माविष्णुईद्रुस्वत्तस्यनजुलसां श्रीकुमारयाहवेनेविनतिया
तिथ्ययनिः संजनविज्ञातधकं देनाव श्रीकुमारन आः
कं जिमासयावति जुलसां मदलसुंदरि मुती जुयावमनुष्ये

श्रीस्वधा

११४५

याभेषकायाव माहायवित्रजुयावचोनगुथीवागमतिद्याति
मकफोलजोनावचोनावचोनिवहनजिमामयावतिनज
वथुलिसिवलिंगस वागमतिद्यातिरसजलनजुलसा
यानावचुन्येगमाथनसिवयासहस्रनाम आदिनयाथ
स्वामिजगदिस्वरभा माहादेवताकालदतो हलपोलजुल
लमदयावनितीनिकेलासस्वर्गससुन्यजुयाववीउसेचो
साथमथंधनचैतनेजुयाईदुपुभुतिसकलस्यातंदसन
धकंभोपरमेस्वर हलपोलस्यनजुलसा धमथोधमनचैत
सकैकवेकुंराठसत्पलोक अमरावतिथोप आदिनं
स्येनकेलाससमविज्यानावः माहायविधुनजुलसावेकुंराठ
यसुपतिनाथदेवराजईदुनजुलसा गुमरावतिनोलताव

गुभी वागमति याति रसमिं गुलो ह ह ग्वल सये कतु नावय
 न जिमामणा वतिन जुलसा गालुवाफिया गुसि बलि गदय का
 रस जलन जुलसा गुभी से स विद्या व दस उय चारन युजा
 माम आदिन पाथ याना व विनति याना व चो ना वि चो न भो मि
 दतो ह ल यो ल जुलसा म ग रूप जुया व वि ज्ञा क ह ल योः
 जुया व वी उ से चो न ध कं हे ई स्वर क ल यो ल स्पे न जु ल
 स क ल स्या तं द र्शन वि या व क रु ना कृ पा द य क से वि दू ने ध
 मा ध म थो ध म नं चै त नो जु य माल ह ल यो ल म द त ना व के ता
 ति थो म आ दि नं सु न्य जु या व चो न ग थे धाल सा ह ल यो ल न
 ध न जु ल सां वै क रा ठ तो ल ता व थ न थे न क ल वि ज्ञा ना व चो न हे
 म रा व ति तो ल ता व थ न वि ज्ञा तः च र्त्तु म र्व वृ ह्मा न जु ल सां स

निगुरु

१५५

जे लोक तोल ताव कल यो लया गुदर्सन या य गु २ पु र्थ न ध न धे न
न स कल यो ल वि ज्ञा त ध क कल यो ल या गुदर्सन या म गु नि नि मि ति
रा ब ल आव थो य नि व द स र्न वी से वि ज्ञा क ने ध क भो ज ग दि
कल यो ल म ग या रु प जु या व वि ज्ञा क गु दे व दं डि दो ल १०००००
म नं चै त न्य जु या व वि ज्ञा य माल ध व गु दे ह मु ति ध र ल या व वि ज्ञा
तं थ धे नं श्री मा हा दे व जु ल सा चै त न्य म जु व सा क्षा त य सु य ति जु
ता व जु लं भो पु भु स म व स त्प या नि या हृ द य स या य गु ने या गु स
या क सु आव थ म नं य सु या गु मु ति जु या व गु चै त न्य जु या व य सु
श्री मा हा दे व भो ग मा या न जु ल सा च क पु या व चो नं शु ध न क ल यो
ल सा कु भाल यो फ ई व ध कं भो ते नि मि ति नि गो ल स्ये न जु ल सा क ल
या गु व ल स या के मा या न थी स क ई व म सु मो ह जु ई व म सु स दा का लं

ॐ पुर्थन धन धेन क ल वि ज्ञाना व चो न ध कं ॐ श्रेष्ठ मांत क व
 ग म गु नि नि मि ति न च य नि स्य न जु ल सा त व ध न गु कं ॐ न य व
 कं भो ज ग रि स्वर आव क ल यो ल य मि त्र गा त ना का ल द तो
 दो ल १०००० दं य र्जित द तो ध कं भो ई स्वर ध कं आव थ व थे थ
 र ल य व वि ज्ञा य मा ल ध कं ॐ गु लि यु का र न यु ध ना य ना व चो
 क्षा त य सु य ति जु य व को स ल गु धा स पु य व ति हि ति हि कु या व सि
 न य य पु न्ये या गु सा हि जु य व स म स य नि या त चै त न्य ना ना व धी
 न्ये जु य वः य सु ना यं वि हार ना व वि ज्ञा क ल भो य र मे स्वर
 पु थ्य न क ल यो ल न जु ल सा भा ल यो म पु नि म्ये व मे व यु नि या जु
 ध न जु ल सा क ल यो ल य केः य क चित्त ना व ग्व ह स्य न स्ये वा ग
 व म पु स दा का लं थो ह य ह द र क म ल स श्री य सु य ति ना थ वि ज्ञा

श्रीस्यथा

~~५५५~~

५५५

पुत्रधुकाधकं धोत्येयुकारनजिमासथीयार्वतिनजुलसा वारं वारं
सावित्र्युईदुधोयनिष्ठगुणादयकलं धोनलिधोत्यथीव
सस्यनजुलसाथीमाहासुदयागुप्तोत्रयायगुधुनकाव पुनर्वाद
सस्यनकलविजातं धोवलसवसानजुलसांवाग्मतिग
थिनस्यार्वतिधकंधालसासाक्षात्प्रधानयाथीसुर्येयात्प्रज
ववालुधानथीमाहादेवज्जानावपुजागानावचोनसर्वनाववृत्ता
वआज्ञादयका भोमाहाविष्णुदेवराजईदुस्ववृत्तवृत्तुंवाग
तसुर्येकोहावयावचोनथेचोनथथिनगुभयानकमुतिगुवनस
भोविष्णुदेवराजईदु धोवैकंन्यालागंधर्विकंन्याला किनरकंन्या
कलातरतिनीकंजुललाधसुजुईवयोधकं॥१०॥ भोमाहाविष्णु
साजातचोनेकालिवृत्तवृत्तससुयांअगोचरगुथासः अन्यज
ला

लसा वारं वारं नितिया नावचो धकं श्री कुमाररा जुलसा श्री व
 नलिधोत्त श्री कुमार नया आग्याडे नाव श्री वल्लाविष्णु ईदुथो स्वः
 नका व पुनर्वाद श्री माहादेव यात माले गु अर्थ न वाग मति याति रस
 लसा वाग मति या कि नारास चो नावचो न लसा श्री पार्वती देवी रवन ग
 श्री सुर्ये यात्त जचो नथे वाग मति सुधां जा ज्वल मान रां धित का
 लसर नाव वल्ला न जुलसा माहा विष्णु देवरा ज ईदु रा माल स्वरा
 व श्रव व कुंदु वाग मति या कि नारास माहाय म सुंदरिक न्या क लसा क्षा
 म क मुति गु वन स निभय या ना वय कात न चो न लसा सु जु ई व धंधक
 ला कि नर के न्या ला ह के म सु देव के न्या ला ह राम सु का म देव या
 हु० भो माहा विष्णु देवरा ज ईदु जि मरा स म्पथ श्री ननु धान समि
 रग थासः अन्य गवन जंतु सिंघ या घृ ह स्त्री वन जंतु आदि नंथा

निगुरु

१४५

॥ दयावचो न हनं राक्षस उतपेतपीसाचारिण भयदयावचो न थथि
लिवधकं जिमनस जाधोकं नानगतमाता श्रीयार्वति जुयं पुधकं मे
न जगधे चो न जिमनस जाधथिन गुनिरंजनवनसः माहा मायायार्व
वममुधुलितसुंदरि जुयमदुधुलितनिर्भययानावचो ने कालिवममुधु
धिकं भालयाधकधायावगधे धालसानदिन ध्वश्वेकांतकवनसंधीमा
निध्वयनकनावहलध्वतेयानि मिर्तिनिध्वकं नो श्रीयार्वति देवि जुई
सजोममाया श्रीयार्वति देवी विष्णो इव गुगुलिधास्सजोगमायावि
माहादेव श्रीयार्वति वनायं गवबेलसंवायमदुधवसावनसविष्णक
कं भो श्रीमाहाविष्णु देवराज ईड आबकलयो लयनिनिहविष्णानाव
डे स्पेविष्णु दुनेधक श्रीवृक्षान आशायकल थोत्त श्रीवृक्षाय
श्रीवृक्षो दे स्पेविष्णु दुनेधकं धोकं नो गायसजियनिवनेमजिव

मयदयावचोन थाथिन गुथास इमिसा जाति गथेय कातन चोने काः
विनिजुयं युधकं भो माहाविष्णु देवराज ईदुधोया गुरुय कनस्यया
सः माहा मायाया वतिदेवी मस्वतसा थाथिन गुवनस थाथिन गुतेज जुई
ने कालि वमसु थत्तया निमिति निनि। ध्वयन थया वतिदेवी जुयं यु
मांतक वनसधी माहादेव जुलसां सितल विजात धकं श्री कृमार्नः
श्री या वतिदेवि जुई व गुगुली थासस श्री माहादेव विजात उगुलि थास
तासस भोग माया विजात उगुलि थास सधी माहा रुद्र विजात युवधी
सावनस विजात कध कं थत्तेन सत्प्र २ न थो स श्री या वतिदेवि खतध
निनि स विजाना व थो स श्री या वतिदेवी या के श्री माहादेव या गुवार्ति
थो स श्री व स्या या गु आ ज्ञाने न व श्री विष्णु ईदुन धाल भो
नियनि वने मजि व गथे धाल सा जिय निनि लु ल्या य स वे स धा

श्रीस्वधा

१०४५

लनरां न्वान कलवलधकंत मचायुयु हनं श्री माहादेवयावार्ता सम
ययु ध्वयेयानिमितिर्नथोथायसजियनिवनानजां कथनमलाक
सजुलसाक लयो लविग्यानाव श्री माहादेवयागुवार्ता डेस्पेविज्या डु
क लयो लयागुमुर्तिवनावः मान्ययायुवधकं थोतेयानिमितिर्नः क लयो
वधकं डेस्पेविज्या डुनेधकं वयाध ध्वय श्री नारायनयादेवरा जईदु
लयाव श्री माहाविष्णुदेवरा जईदुनेस्वके वे लाकायाव थोकं न्यायाथा
यकल भो कं न्याक लयो लसुजुईव काय थोथायसस्त्री जातिरक
नाव शुभिमिथ्यानसंजितकनेमत्यवधकं जिमतस मां क लयो लजगत
वधधकं धयाव थोते श्री वृत्तायागु भाषा डे नाव श्री यवतिन जुल
वतिधया लसवधुका क लयो ल श्री वृत्ताविष्णु ईदु क पति जुलसा
आ गणदयक सेविज्या डुनेधकं शुभासादयक सेविज्यात मध्व

दिवयावार्ता समचारकनेयु मकनेयु थोतेनतमचायावधायवि
 णं कथनमलाक भोवलाथतेयानिमित्तिन थोसकन्यायाथा
 वाताडेस्पेविज्जाहुने भोवलाफलयेलजुलसांवाएनजातहुन
 निमित्तिन फलयेलविज्जानावधीमाहादेवयागुसमचारराथेव
 रायनयादेवरजईदुयागुआगणनेडावधिवलानजुलसांववधकंभा
 यावथोकंन्यायाथाससविज्जानावधीवलानजुलसानआजाद
 सस्त्रीजातिरकातनचोना थथिनगुवागसतियागुतिरसचो
 मांफलयेलजगतमानाशीयावतिजुईवधकाभालयाववधक
 वधीयावतिनजुलसानपाजारयकल भोवलागीजुलसाया
 दिदुफणनिजुलसांकायथोथायसविज्जानायाकारनहुसस्त्री
 विज्जानमरुधराधीयावतिदेवियाभाषाडेनाववलानजुलसा

निगुरु
 ५४६

मिमांसाविविधुर्दुसलतावः ध्वस्यलस्येन श्रीयार्वतियाके ओ
लपोल जुईव ध्वसंसारया माता जुया वविज्या कल गुादिसक्तिधया
हरां आधयाल संलपोल धधिनल संलपोल याया दय मस के
गधिनल संधाल साधया निया सरिर सचैने जुया वविज्या कल सं
हमाया धयाल संलपोल हरां ईक्षा सक्तिधयाल संलपोल हनं कय
ल संलपोल धधिनल सक्तिधयाल संलपोल म हमाया याया रुका सवे
व यं वल या सक्ति जुया वविज्या कल श्रीराजराज्यस्वरिध कंधयाल
ध्वयधिविभ्र विद्या कल संलपोल हनलैया सुर सुभ सुभ मोच
काल सक्ति जुया वध्वचतुर्दस भुवन या दधु संयो ना व योनय निया
कारि सक्ति या चरनं सं कोरि नमस्कार भो माता माया धया गु
यानमंथिय कुल संलपोल हनं मायान तो कय या वत वल संलपोल
जोग या कल संलपोल हनं जोग या कल वियुल संलपोल हनं

श्रीयार्वतियाके ओवयातं भोयरमेस्वरि श्रीभगवतिदेवि ह
लः पुादिसक्तिधयालं कलपोल संयुर्तविद्याधयालं कलपोल
लयायादयमसकोतिरनमस्कारजिपनिया ओमाता कलपोल
यावविष्णुकल कलपोल हनंजोनिदुधयाल कलपोल हनंम
कलपोल हनंकृयासक्तिधयालं कलपोल हरांसंहारसक्तिधया
मायायापारुकासकोतिरनमस्कार हेअस्वाधयालं कलपोल गुई
ज्यस्वरिधकंधयालं कलपोल हनमधुकैतवदैत्ययातमोचकाव
रुः सुभसुभमोचकाव थयिधीविश्रुधियाकलं कलपोल हनं
योनावचोनयनियानिदकोसंहारयाकलं कलपोल थथीनल
मातामायाधयागुलिं कलपोल हनंमायादकलं कलपोल हनमा
यावतवत्स कलपोल हनजोगमायाधकंधयालं कलपोल हनं
कुलं कलपोल हनतंत्रमंत्रदयकलं कलपोल हननानापुराना

श्रीसुधा

१५७

दिदयकुलकुलपोल हनजगयायकुलविईसंकुलपोल हरांससु^मउय
थीनसंकुलपोलयाचरनसस्कोति२नमस्कार हेजननिदेविवा
संकुलपोल हनंउमाधयासंकुलपोल हरांकात्ययनिधाया
अकारिधकधयासंकुलपोल हरांताराधकधयासंकुलपोल
धयासंकुलपोल हनंउजैचंदिधयासंकुलपोल हनंभैरविध
हनंअसमाविकाधकधयासंकुलपोल हनसुंदरिधकधयासंकुल
हनगिरिजाधयासंकुलपोल हरांसरस्वतिधयासंकुलपोल हन
धयासंकुलपोल थथीनसपिथीमातायार्वतिदेविगायादयससह
यासंकुलपोल हनवाग्मतिधयासंकुलपोल भोमाताथथिनसंकुल
लपोलयागुसतनामसहअनामकोति२युमानदयांचोन थथीनगु
धससारदानानंमाहासमुद्र थथीनगुसमुद्र थोसनंजक^नतरेय

प्रयोल हरांस^म उयवासक्रियाकर्मयागुफलविगुलसुखलपोल थ
 र हेजननिदेविवासिनिधयालसुखलपोल हनकामवायिनिधया
 कात्ययनिधायालसुखलपोल हनगौरिधयालसुखलपोल हनगु
 कधयालसुखलपोल हनस्यामाधयालसुखलपोल हनगुंरुगुनी
 योल हनभैरविधयालसुखलपोल हनदुर्गाधकाधयालसुखलपोल
 रिरिधकंधायालसुखलपोल हनविरुयमुर्तिकालिधयालसुखलपोल
 यालसुखलपोल हनलक्ष्मिधकंधयालसुखलपोल हनजगत्माताधिक
 देविद्यायादयलससहब्रकोति२नमस्कार भोजगदिश्वरिगंगाजुमुनाध
 भोमाताथथिनलसुखलपोलयाचरनसकोति२नमस्कार भोमाताहरां
 दयांचोन थथीमगुनामजुलसांगोलसेनसुमर्नायातवलसमनुष्यात
 थोलनंजकतरेययाईवलमेवमदुधोलनंकेलासवाससगुवसेन

निगुरु

१०४७

ताईवधकं भोमामथथीनगुहलपोलयागुनामजककाशामावनजियनि
सिंहारयाकर्ताजुयावचोडा भोजगामाताहलपोलयागुचरनकलसके
याधकंधालसा ताकालंदतहलपोलयास्यामिथीमाहादेवदर्शनमदु कैला
हादेवयादर्शनयाय अथनिजियनिस्वस्वः ध्वक्षेत्रमांतकवनस थीमाहारु
वहलपोलयनिसेतजुलसां जियनिष थीमाहादेवयागुदर्शनवियाजियनि
विहनंदेवदंदिदोलयुर्जतदतो कैलाससुनेजुयावचोन ध्वतेनहलपोलसा
तकाव न्यतिसकोतिदेवतायातदर्शनविद्याव्यानिसयातं करुनाकृपायास्येवि
थीमाहाकृदुयादर्शनविज्ञावकरुनाकृपादयकस्येविज्ञायमाल धकंविनति
वराजईदुधस्वलसयागुगुस्सुतियाकगुस्वयावथोपनिसया भाषानेडाव
लाव थीवृत्ताविष्णुदेवराजईदुयाश्चालस्वयाव आगपादयकस्येविज्य
डेन थीमाहादेवजुलसां शुगुलिथायसमदु धोक्षेत्रमांतकवनसयानैज

जक काशमात्रनजियनिजुलसाः वृत्ताविष्णुसुदुधकंधायकाव श्रुषी
गोलयागुचरनकलसकोतिनमस्कारधकं धनजियनिहु निमित्तिनिव
माहादेवदर्सनमहुं कैलाससुन्यजुयावचोनताकालंदतो ध्वलश्रीमा
मांतकवनस श्रीमाहारुद्रयातमालेधकंधनवरा भोगार्वतिदेविआ
यागुदर्सनवियाजियनिष्कृपायाडाविज्यायमालधकं भोभगवतिदे
वचोनध्वतेनछलयेलसहितनश्रीमाहादेवसहितन कैलाससविज्या
यातं करुनाकृपायास्येविज्यायमालधकं हेजगन्माताओवजीयनिष्कृ
पाविज्यायमालधकं विततियानावचोनं ध्वनलिध्वन्यवृत्ताविष्णुदे
गेपनिसयाभाषानेडावधीजोगमायायार्वतिनजुलसांमुसुदुनन्दि
वृत्तागुदयकस्यविज्यातं भोवृत्ताविष्णुईदुधकं ग्रावजिगुख
श्लेषमांतकवनसयानैजुत्तकनासतवधनगुसरोवनछगुलिदयावचो

श्रीस्वधा
१५६

नहसं भविष्याभ्याश्रमकृत् गुफा आदिदयावचोत हनंश्चथायसुभ्युनेज
आदिदयावचोत मगयावधानसवधानदयावचोत अतिमहत्तुहरथा
गुंथाथिनगुथायस जगदिस्वरथी माहोदेवजुलसा मगयास्य जुयाववन
थी ब्रह्मा माहाविष्णुदेवराज ईदुधकं जिगुर्वडे नथी माहोदेवजुलसा श्लेषम
व अन्यगपुकारन मगयास्य जुयावमगयनिसवनायं सितता वजुलधकं
चिंदुगथिन धालसां या क कया वतया गु जुया गुथिगुवर्ग शुति सुषुयुस्त
गयाः ग कालकृपुज कदयावचोत मिषा धालसास्व ज्वलदयावचोत
दयाचोकोचलावधानरां लितका व धवागमतिया गु ईताथीता गाय
समालङ्कनिविज्याङ्कने भो ब्रह्मा विश्वदेवराज ईदुधकं भो स माहा
क्षातयसुयास्य जुयावघासनया वगथेयसुयावे वाहारयात अथोसन
विष्णुदेवराज ईदुधो सथी माहोदेवजुलसा थो स ईस्वरधकं थ मनम
जुलसां गुगुति जतनयाना वथो स रुद्र मगयात स्वर्ग सथा तायने धकं

हनं ध्वथाय सुश्रुने गसिसास्वनरथावचोन अनेगवनचलमग
 चोन अतिमहं हरथान जुथावचोन पुनस्वसलयावचोनैय्या
 मगयास्य जुथाववनस हृदायानावविज्याकजुलो भेसुरश्रेष्ठ
 माहोदेवजुलसांश्रेष्ठमांतकवनसयानैरित्यकुनासः मगस्य जुथा
 वनायं सितावजुलधकं भोवृत्ताविष्णुदेवराज ईद्वध्वसुसुदु मगया
 गुवर्गं पुति सुषुप्त जुथावचोन हनं अतिसुदर हनं ध्वसुसुदु म
 त्वज्वलदयावचोन हनं अतिसुदरवानलौ सध्वचलाधकं हन
 तियागु ईताथीतागायकावतिंतिं दुयावसितावजुगुव थो गुतिग
 जईद्वधकं भोत्तमाहासुदुजुलधवगुमायानं धमनं तोकपुयावसा
 वाहारयात अथोसनावतिंतिं दुयावसितावजुलधकं भोवृत्ता
 लईस्वरधकं धमनमसि व थोत्तयानिति तिंन कलयालयनि स्पेन
 र्गसथातायने धकं वावमनामतिं धयसु जुथावचोन लवईमषु हनं

निगुरु
 १२८

विनतिभावभागतियानानंजां थोवईवमधुधतेयानिमितिनि
यास्योथोयातचैतन्येजुयकेफईवमधुधकं छानधालासाथ
निहेजुयावधौसाक्षातयसुजुयावचोनावचोनधकं भो
नजुलसांधवगुभाजातोलातावनाव थोभृषियानागुगत
वयातथथ्यदुयकावतयमतेव गथेयानावधुयातचैतन्ये
यास्येविज्यादुनेधकं ३५५ सादयकावजगत्माताथीयावति
थोनलिथीवसाविह्नुदेवराजईदुधस्वसस्वेनजुलसांध
यानैऋत्यकुनासस्वसंवननावस्वसंस्पनमालाव धासरस्व
कंधालसांअन्येगअन्यगयाकल्यावृक्षसिमादयावचोन गु
यासिसावुसायकरजुयावचोन हनंअनेगजातजातयागुस्व
गलयंक्षिसिमासचोनावसुस्वरनहालावचोनावचोनहनंअ

धत्तेयानिमितिर्न कल यो लयनि स्य न जु लसाः वलाकारनमः
कं कान्धा लासाथ व गुमायानथ मनं लुब्धं या नावय सुया गु जो
चोन धकं भो श्री वत्सा विष्णु देवराज ईदु थो संसार स ईस्वर
भृषि याना गु गतरक्षा जु ईव धत्तया गु निमितिर्न धमाहादे
माव धया त चैत न्ये जु पुत्र थुगु लि उया य कल यो लय नि सेनः
गत्मा ता श्री या व ति न जु लसा थु नानं अंतर्धान जु या व विज्या तं
त स्वै स्ये न जु लसा या व ति या गु आ ग्ना थो ध श्लेष मात क वनः
माला व था स र स्व या व जु लं ह नं श्लेष मात क वन सः गथा चोन ध
माद या व चोन गु वि न य रि पुर नं जु या व चोन ह नं थु ने थु ने ग
जात जात या गु स्वा न द या व प्रा रिं हो या व चोन ह नं अ न्ये ग ऊं
ना व चोन ह नं अ ने ग व न या जंतु सिंघ जु ल या धु जु ल ह सी जु ल

श्रीस्वधा
१४६

मृगजुलवराजुल हनंवालाजुल कालिजः जातजातयायंकि
नाव सुवनआनदयानावसितलसुनसययसआनंदयाना
साविभुदेवराजईदुथोचससेन श्री माहादेवमालैगुभुथनि
धयलसकिरातेस्वरयाधयाससिवलिंगकगुलिथनाव श्री
गुलिकिलातेस्वरयादरसनयानावयुदकिनायानायाभवेत्
गुवथानववगुधयनिस्वससेनवनाव थोचलावधानयनिग
संसातकं थमगसुदुतयावययसआनदयानावचोनावचोनंथ
चोनावचोनधकंधालसानवलायतारातउलावउयकावदधुस
जानं थनलिथोससुदुमृगयाकेजुलसांस्वसस्यन
दक्षीनायानावथोमृगचोनगुथासथैकैकैनावस्वससेनज
मृगसुयिजुयावधलयालजुलभ्रष्टिस्तिसंहारयाकैकै

जात जात यायं किं आदि स्मि गुरु स्व सहित रा श्रु ने ग काम कि द या
 र म आनंद या ना व व स ल ग व चो नं थ थि न गु स्व या व श्री व
 व व लै गु श्रु थ न व लु क न स्व या व जु लं थ थ्य स्व ल जु व गु वे ल सः
 क गु लि थ ना व श्री व ल्सा वि ह्नु दे व रा ज ई ड स्व ल स्य न जु ल सां थो
 र ना या ना थ न वे ल स थो वा ग म ति या ति र स सह स भ्र स च ला याः
 च ला व धा न य नि ग थ्य चो न धि कं धाल सां क चा क ल न उ ला व द थु
 ना व चो ना व चो नं थ च ला व धा न या द थु स जा त कं थ म ग रु दु ग थ्यः
 ला व उ य का व द थु स पु र्ण चं द्र मा स्व भा ला क थ्ये स्व भा ला क का व वि
 क जु ल सां स्व ल स्य न र व ना व यी म री श्री मा हा रु दु म ग या त को ति र व
 ल न ना व स्व ल स्ये न जु ल सां रु दु म ग या के श्रु तु या न भो र मे स्व र
 ति सां हा र या के मु क र्ता जु या व वि ज्ञा क ल थ थ्ये न ल क ल यो लः

नि गुरु
 १४२

याः यादव^स कोति २ नमस्कार भो ईश्वर धंता काल दत्त कै
चैतन्य जुगो वज्रिय निसद स रू न विद्या व क रु ना कृपा दय का व
थो मृगा स प्रिय स धेन क ल व नं थ स्वया व श्री नाराय न रां जु
देवरा ज ई दु आव ग थो या य ऋ जिस स्व ल से न नाना मानं वि न
म जु व आव कृ पा य ध क भो वृ ला देवरा ज ई दु ध कं स्व व र थो रु दु म
प सु जु या व ग थे य सु या वे श्री वा हा र ज ल व थें स वा व निं हि र दृ या व
दु आव थ थो चो नं गु म पु न ऋ जिस स्व ल से नं स्व थं चो ना व घे रा
न ति न अ स्तु ति या ना नं थ मा हा रु दु या चैत न्ये जु व गु म पु ध कं
व श्री वृ ला देवरा ज ई दु न जु ल सां आ म थो या य माल व ध कं भा
थं चो ना व घे रे या ना व ह लं थ वे ल स थो च ला व था न स ला क र था
ज ई दु थ स्व ल से न को पि ना व व ना वः ग नं व न्ये म जु गु था स स म
पा ला त कं मा हा लि न थो रु दु म ग रां इ क ल स च्या मि न कं जो ना व न
वि

धकंता कालरत्न कैलासपुरे जुगावचोड आवध मंथेयमनं
नाहुपादयकाव बिज्या डनेधकं नानामाथन अस्तु यानाव
श्री नारायनरां जुलसांथ वृत्ता इंदरा ह्वने धालं भो वृत्ता
सेन नानामानं विनति अस्तु नित्या नानं श्री माहादेव याचैतने
धकं स्ववरथो रुद्र मगया जुलसां डि जिष नाव विस्तर वन थ वृत्ता
वना वनिं हि र नृया ववन स विसे वन स्ववरधकं ५ भो वृत्ता ई
स्व घं चो नाव घेरा विद्याव जो ने नुरो धकं मनामातिनः वि
ये जु व गु म धु धकं धयाव थोत्प श्री नारायन या गु ना वा ने श
या माल वधकं भालया व स्वस्थो वन स ड हा व ना व स्व स्वः
वथान स ला कर था स विसे वनं थ स्व या व श्री वृत्ता विष्णु देवर
ये म जु गु था स स म द य का व व ना व क थं थें नं घेरा विद्याव हूः
या मिं न कं जो ना व त ल हरां थो स्व या व चतुर्विधी वृत्ता न जुलसां
जु

श्रीस्वधा

१५१

१५०

हृत्तानधानवनावधचलाया ~~समा~~ सजोनं थथावला
गजोनावतवगुर्त्तनावहनं देवराज ईदुनखनावतववेगनधा
वतलं थोवेलसथरुदमगजुलसांतिहिरुयाव अकाससथाह
तलं हनंमगनंवलयाकवेलसथचलायागु हाकुलस्वर्चौक
चोलचाकगुईदयालाहातिस थोचलायागुगकालदथुचाकगु
तिस थस्मयावथस्वल्सयाके श्रीरुदयागकुल ह्वाकथवर
प्रधया आव ~~स~~ गथयायउपकारयायधकं ~~मिलेकाजं शु~~
भोपरमेस्वरश्रीनारायनदेवराज ईदु आवगथयाय शुनर्थजु
उपकारयानानजां ~~प्रव~~ जुल भोमाहाविष्णुदेवराज ईदु
तियानाव क्षमाको न्येनुयोधकंधयावस्वल्सथनं श्रीवसुपतिस्व
नाथः हृतयो लजुईवगथिनलधकंधालसा थोचर्तुदसभुवनया

रसजोनं तथा ब्रह्माविष्णुन जोन गुरवनाव विश्वन न गुलसां थोम
 रवनाव तव वेगन धात वनाव थोम गगगा गुण कालया गुचोकास जोना
 याव अकास सथा ह्यवन थोत्तन थथ्यन मत्तन लसें कातुं कं जोनाव
 गुण कुल स्वर्वा कं धिला वः सतिं कत्वा करला हातिस दया वचोनं
 गुण काल दधुत्वा क गुवलाया ला हातिसं योलत्वा क गुविष्णुया ला हा
 न कुल कत्वा क रथ वरला हातिस चोन गुत्तया व थि थिर मनस भालया
 ध कं मिलिका जं भुखा न्तर ल गुल ध कं भालया व धी वृत्तान धलं
 ग थया य गुन र्थ गुल ध कं जिजिस्व ल सयांतं मा हा ह थ्यान केनः
 हा विष्णु देवरा जर्द दु आव जिजिस्व ल स्पन धी मा हा देवरा के असु
 स्पन धी व सुपति स्वरया के चो वयांतं भो पर मेर धी व सुपति
 थो चर्तु दस भुवन या था क्र गुया व विज्या क ल थ क मायानं थ व के

निगुरु
 १५७

लोकपुयावमृगयामुनीजुयाववनसकृदाभोगयानावविज्यात
तिकोतिनमस्कारधकं हनंकुलपोलगथीनलधालसा नोतिच
यमदु दुनसंयिन्यसंख्यायु जुयावचोनल धथीनलसर्वव्यापि
तिरनमस्कारधकं हे भगवाण हनंकुलपोलगुईवगथिनलधकं
गध्यानयाववनं लुखके मजिव थाथिनं प्रभुवक्रमुर्तिजुयावविज्या
नमस्कारधकं भोजगदिचर हनंकुलपोलगथिनलधकंधालसा
रभान्मा जुयावविज्याकलकुलपोलयाचैनयेवसकृदकुलपोल ह
लपोल हनंसुंदरमुर्तिलकुलपोल हरादेवमुर्तिलकुलपोल हनं
कुलपोल हनं अशायुतकाव शानकृतकावविवलकुलपोल ह
कालकुलपोल हनं वेदधयालकुलपोल हनं विपुसुरधया
मादेवलकुलपोल हनं पुनं तधयालकुलपोल हन अकालया

नानावविज्ञान धधिनसमगुरुयिथीमाहादेवयायादयस्तसको
प्रधालसा नोतिस्वरुयगुयावविज्ञाकल तेजमयल आदिश्रुतसी
रथीनससर्वव्यापिनिजोतिस्वरुयथीमाहादेवयागुचरनकमलसको
गुईवगधितलधकंधालसांनिरंजननिरंकारं साक्षानब्रह्मस्वरुयजो
रुमुर्तिजुयावविज्ञाकलयायादयस्तसर्गेकारसहितनयानावकोतिर
नलधकंधालसासमस्तयानियागुहृदयसयार्वतिसहितनजिवात्माय
वस्तुकलपोलहनज्ञानविज्ञानलकलपोलहनसांतमुर्तिलिख
तिलिखलपोलहनंप्रकृतियागुरुमलकलपोलहनसिद्धिर्वसंतल
वेवलकलपोलहनसमध्यावस्तुधयालकलपोलहनजज्ञयाभु
मंत्रिपुरासुरधयालकलपोलहनअनाथलकलपोलहनदेव
लहनअकालयाकाललकलपोलमाहाकालखनावदयादसेवि

श्रीस्वधा

१५२

१५१

ज्यायमालहंनजिपनिसरासह^{स्त्र}कोतिरनमस्कारप्रपराधक्ष
सेनफलपोलराकेजुलसांतवधनगुअपराधयावधुनधुगुलि
सैनविसेकरुनाकृपायानावविज्यायमालफलपोलरागयादप
लंसांभीब्रह्मानमाहाविष्णुदेवराजईदुधोस्वस्तसेनजुलसांथ
पुनामयानावःश्रीमाहासुदृशाकेक्षमाफोनावअनेगपुकारन
धनलिमगहयश्रीमाहादेवनजुलसांभीब्रह्मामाहाविष्णुदेवराजईदु
सनकोहाविज्यानावधवगुत्यजस्वरूपपुकासयानावमुसुदुन
यलंभोब्रह्माविष्णुईदुधन्यरक्षयनिसरागुवलपराक्रमस्वयावजिज
संवधकंधालसांजिधथिनसराइकुलक्षयनिसेनत्वकथुलेक
ससयानंधन्यरधायभोब्रह्माविष्णुदेवराजईदुधयनिसेनयाना
लपोलयनिवृअक्षयवलयक्षयनिस्यनहुवरफोनेगईकाजुल
वि

स्फारः प्रपराधक्षमायासेविज्यायमालधकं हे ईस्वरि जिपनिस्त्र
 वयायधुन धुगुलिप्रपराधजुलसाक्षमायानाव जिपनिस्त्रर
 रतपोलयागयादपमसकोतिरनमस्कारधकं धुगुलिप्रकारनजु
 सस्त्रेनजुलसाधवकपालनयिधिविसभोक्पुयावअव्याजं पु
 वअनेगप्रकारनक्षकोनहनंअन्येगयुकारनअसुतियात
 हाविष्णुदेवराजईदुनजुलसाअसुतियाकगुसत्त्ववैजुयाव अका
 सयानाव मुमुकुनक्रियावध्वस्वसयावालस्ययाव आशाद
 यराक्रमस्वयावजिजुलसाजिजुलसाअतिसंतोषजुयधुनं गधेन
 नसेनत्वकधुलेकवनवधनगुसामर्थद्वःथोत्पेनआवक्षपानिस्त्र
 द्वक्षपानिसेनयानागुअसुतिनजिअतिसंतवषजुयधुनआवई
 रकोन्येगईकाजुलउगुलीवरकोवजिनविद्यजुलधकं भोवृत्ता

निगुरु
 १५२

माहाविष्णुदेवराईद्व जलप्रमनुष्यन ह्यपनिस्तेन तुलसांजिके त्रैलोक्ये
बोके सप्ततुंदयकावचोयावतल थोससयाके सशुभिनया भय लखराभ
नागुपापपंचमाहायाप ~~अ~~सप्तसयाप नास जुयावयुई हनं गुप्तकाल
सयातगुदर्सनलाईव बुलमोक्षजुईव थससयातजवयेतंसमासयागभ
ह्नुदेवराजईद्वै नग्रामकपनिसयालाहातिसचोरुगु जिगुश्रंगनजु
यालोकउधारजुईवथुकाधकधयाव थयेजोतिस्वरुय श्रीपसुपति
विसुरयागुचरनयाडुकासकोतिरनमस्कारके ~~वि~~र्यक्षिनायानावः बुल
रन ~~क~~कुपुयो जनसदा कालंकलयोलयागु जयध्याननामजिगुनुगलस
जिपनिसयागुअपरधक्षमायानावविज्जायमालथोत्पवरयुसादकोनेधव
यावचोन आवतेतिसकोतिदेवलोकयातदर्सनविद्याब्रमोक्षयागुस्थानके
देवदा१००००० जिदोलदंतो कलयोलमगयागुरु पजुयावथवनसवि

ननु जलसंजिके तौ सो वयानागु थो सो वजुलसं ज्वलस्येन या ठयात अथ
स अग्नि या भय लवण भय सनु या भय कुंद ई वसु कुस गुलि जन्म सया
जुया वयु ई हनं गुत काल संजि गुलि पसु पति या जोति स्व रु य मु ति थो ल
यात ज्वये लं सं मा मया गर्भ स जन्म जुय मु म्बाल धकं भो वल्ला मा हा वि
स चो इ गु जि गु श्रं गन जल सं कप नि स्व लं गुा दियाना वस म ल प्रा नि
जोति स्व रु य थो पसु पति स्व र या गुा रा न्ये श व थ स्व ल स्येन थो य सु प
मि र्पे क्षि ना या ना वः व ल्ला न जल सं वि न ति या तं भो य र मे स्व रै मे व ता का
य ध्या नं ना म जि गु नु ग ल स था त का व क रु ना कृ पा या श व वि ज्पा य मा ल ह नः
ल थो त्प व र य सार को ने ध कं भो ज ग दि श्व र ता का लं द तो कै ला स सु सु नो गु
म वि धा व मो क्ष या गु स्था न कै ला स पु रि स था हा वि ज्पा य त्पे ल भो य र मे स्व र
गुरु य जु या व थ व न स वि ज्पा क गु ध कं भो ज ग दि स्व र ने स्ये वि ज्पा इ नेः

श्रीस्यथा
१५३

आवधक लपोलयागु अंगकु या मा लथो अंगकु जुईवगु थो ^{भृगुगु} ~~भृगुगु~~ धा
चेसुरभ्रेखस वल्लायागु भाखाडे ना व म गरु यथा मा हा देवन आ ग्या द य व
मकन के चोन गुद धुत्ताकगु अंग जुलसां वागमतिव चड भागान दिवः
बंधकं भोवलाडे नथुगुथाय सजव करी स्वरधकं नाम जुईवधकं ह
भोवलाडे न भविष्य ^{विकल्प} ~~विकल्प~~ न न धकं थोथाय स कुवेर वया व ~~स~~ थोथा
थोस कुवेरयात जिन जुलसां वरदान विद्यावः सुवरी मयलं का पुरिस
कंनकने के न ~~कं~~ हनं थथाय सरावन ~~कं~~ कं भं करी वया वत य स्या
न वरदान विद्या व छोय थल्लरावनः कुवेरयात जयलपिव छोय थवे
याव चोनि वधकं भोवला थल्लरावन यात थ लपोलयात सेनत वधन वर
राजारा वनरां जुलसां स्वर्ग ~~ध~~ वेयाता लसं जयलपिव थोसरावनरां
याव अवतार काईव थवे लस कोती कोति राक्षस सहित नयाना वरावन

सं

सर्व १

ध्वलजोकरौस्वरयाके गोहस्येनतयस्यातब्रह्मयात गोवेलसंदुखसंताप
भोगयायुवश्रुतकालसमोक्षमाप्तिप्रापि जुयुवधकं आग्याविद्याव हनं
समाहायुनयाथानजुईवधकं थोजवकरौस्वरयामाहात्माजिनल्लोयगुसाम
हादेवराजुलसां देवराजईदुयाखालस्वयाव आजादयकस्येविज्यातं
गुः जिगुलिश्रंगयाचोका गुमलावतिसयनाव थायनायानावथुगुलिलि
पुजामान्येयानावतयुव भोदेवराजईदुथुगुलिं मस्यमिवरावनजुलसां ह
लिलिंगजुलसां बलनरावनरां लिनावदधि नससमुद्रयातिरसथायना
धकं नामयुष्यातिजुयीव भोदेवराजईदुथुगुलिदधि नससमुद्रयातिरस
धकं नामयुष्यातिजुवईवधकं भोदेवईदुथुगुलिदधि नराथीजवकरौस्
आजाविद्यावयुनवीदधी नारायनयाखालस्वयाव आजादयकस्येविज
आमकनकेचोनगुजिगुलिं मल्लयागुघोलत्वाक पातालसयनाव भे

श्रंगया

यात गोवेलसंदुखसंतापदयमदु ईहलोकसंमाहाभागेवत्तजुयावसुष
वधकं आग्याविद्याव हनंभोवत्तासमस्तथासयासिक्कनं थुगुलिगोकरो
माहात्माजिन^{रवे}हायगुतामर्थमदुधकं आग्याविद्यावपुनवीरमृगस्यपिथीमा
ताज्ञादयकस्येविज्यातं थोनलिभोदेवराजईदु थ्यामछनैकेचोउ
थायनायानावथुगुलिलिगंसछन आदिनत्पेतिसकोतिदेवतानजुलसा
मिसिभिरावनजुलसा हतालवयावपुमरावतिसलुतययानावथुगु
नससमुद्रयातिरसथायनायाईवथोयानामजुलसादछिनजवकरोस्वर
गुलिदछिनसमुद्रयातिरसथायनायाईव थोयानामदक्षिनजवकरोस्वर
गुलिदछिनराथीजवकरोस्वरयामहिमावल्हायगुजिसामर्थमदुधकं
वयावपुताज्ञादयकस्येविज्यातं थवनलिभोविष्णुनेसेविज्याकुने
सत्वाक यातालसयनाव भोगवतिनदियागुतिरससुहायनायानावविवध

श्रीस्वस्था
१५५

धकं भोविष्णुभ्यामलिंगयानामश्री भृंगेस्वरधकं नामपुरवातिजुईवधकं थो
शृंगेस्वरयागुमाहमो^{स्व}हायजिंसामर्थमदु गुगुलिसुतनधायकं तउगुलि
लिबृंगेस्वरयाकेवलियुभितिदैत्यदानवधमिसेनतयस्यायायिव वाल
वल^{सा}युद्धकायाव प^{ना}श्रानदयावमाहासुषनभोगयानावचोनिवधकं
भविष्यरवंकनावतष्वस्वस्येन एकचित्तजुयावनेस्येविज्जाहुनेध
तलसजिचोमे मगायारूपजुयावचोनेभोश्रीमाहाविष्णुधकं थनांली
मनरांगयुतक्षजुयावः थवागमतियातिरसविज्जाकल श्रीपार्वतिदेविनजुल
तकावविलं थनश्रीमाहादेवजुलसां अत्यतषुसिजुयावविज्जातं^आ
जुलसांछनंकेसिवसेवधकंषुसिजुयाव सिवसक्तिस्वरूपजुयावअ
विष्णुदेवराजईदुथोस्वस्यननानायुकारनरा^{सामाशी}मुक्तेयकाव
यातंगुजामान्ययानावविनतिगातं भोश्रीमाहादेवकलयोलस्येनजुल

स

नामपुरवातिजुईवधकं थोथायसतवधनगुगुनस्थानजुईव थवसभी
गुलिसुतनधायकं तउगुलिसहिधकं ~~भो~~ भोमाहाविधुधकं थुगु
स्येनतयस्यायायिव वालसुषियभीतीनागलोकनतयस्यायानावजिके
मभोगयानावचोनिवधकं भोमाहाविधुनेइधकं आवजिजुलसां
वजुयावनेस्येविज्याइनेधकं भोभीमाहाविधुआवजिथववागमतिर्याइ
माहाविधुधकं थनांलीजुगातकल्यकल्यवननासजिजुलसांथमथथ
गकल भीयार्वतिदेविनजुलसांभीजगदिअरभीमाहादेवयाथासतविज्या
नसुसिजुयावविज्यातं ~~आसदी~~ भोयार्वतिधनरुणतलिगुलिमहिमाः
सिबसक्तिस्वरुपजुयावआननविज्यातं थनलिथस्वयावभीवसा
^{सामाग्री} ~~भो~~ भोया ~~मुचस्व~~ काव षोदउय चरनभीमाहादेवभीयार्वतिनिहसः
हादेवकुलपोलस्येनजुलसांजियनित्व ससयातं कुलपोलयागुनामज

निगु
१५८

यध्यात जुलसांजियनिनुगलसथातकावकरु रुयायास्येविज्यायमालहनं
 नसयाथावरुज्यावविज्याकल भोगुनंतमुर्तिकलपोलजुईवमृष्टिसिनि
 रुद्रयाचरनसकोतिनमस्कार भोगतकालवृत्तस्वरुपलंकलपोल हन
 लंकलपोल भोजगदिश्वर हुनजगदिस्वरश्चिमाहादेवंकलपोल गधि
 लसयार्वतिसहितयानावविज्याकलपापपुन्येयासाधि जुयावविज्याक
 लपोल हनंचैतन्येवस्तकलंकलपोल हनं ग्यानविशारांलंकलपोल ह
 माहासुखंमुर्तिजुयाकलंकलपोल हनपुर्णरुयापुष्टधयालंकल
 हनं अज्ञानयुक्तकावज्ञानविईलंकलपोलसंतपधकंधयालंकल
 पोल हनं कामदेव भसमयानावविवलंकलपोल हनचीयुरायातभ
 यावविज्यालंकलपोल हनदेवयादेवलंकलपोल हनमृतयामृत
 थयिनल आदियुष्टवृत्तयाचरनकमलसकोतिनमस्कार भोपरमे

पायास्येविज्यायमालहनं कलपोल जुर्विगथिनलधालसा थचतुरदसुव
कलपोल जुर्विभूषि स्थितिसंहारयाकर्ता जुयावविज्याकल थथिनलमाह
लस्यरूपलंकलपोल हनंयेजस्यरूपलंकलपोल आदिमदु अंतमदु
मीमाहोदेवंकलपोल गथिनलधकंधालसा समस्तयानिया रुदयसकमः
पेयासाधि जुयावविज्याकलधर्मात्मापनिष्ठ उधारयानावविज्याकलं क
नविशारालंकलपोल हनसात्तामूर्तिजुयावविज्याकलंकलपोल हनं
पुष्टकपापुष्टकधयालंकलपोल हरांसिधुवस्तुधयालंकलपोल
मसत्यधकंधयालंकलपोल हनंजज्ञयाभुक्ताजुयावविज्याकलंकल
पोल हनत्रीपुरायातभस्मयाकलंकलपोल हनंअनाथयानाथजु
पोल हनमृतयामृतलंकलपोल हनकालयाकाललंकलपोल
गतिरनमस्कार भोपरमेश्वरमज्जहृयी श्रीमाहोदेवजिपनिष्ठ करुना

श्रीचस्था
१५५

दृष्टि

कृपाकुम्भिनस्वयावरक्षायायमालयकं भृगुलियकारनभीवृत्तानमाहाविह
नलिभीमाहासुदुसंतोषजुयावयावमाहारसन्नायावभीमाहादेवपार्वतिस
वृत्तामाहाविहदेवराजईद ग्वत्समनुषेनजुलसा भृगुलिभीस्वस्थानिगार्वत
स्येनधवाषनल्लतकल ग्वत्सस्येनक्षेसबुनुंदयकावतल थोपनिसयास
जुयुव हनंमियाभयराजायाभय लंबयाभयबुयाभयसनुयाभयवोकसि
यावअतंकालसकैलासपदविलाईव हनमाहापातकिजुयावचोनसा वृ
रजुयावभी३स्वस्थानिपरमेस्वरयाकैलिनजुयाव हनंगथेपार्वतिन
पुरुषलानावचतुर्दभुवनयारानिजुयावचोनावचोनं अथेभक्तिसुधान
भृगुलिधर्मदनिव वृत्समनुषेनयातमनंभाललियावकार्येसिधजु
भीमाहादेवयाभासाडेनावविदाकायावभीमाहादेवपार्वतिदेवीध्या
लसां वृत्तलोकसविज्ञातं हनभीनारायनराजुलसांवेकुराठसवि
जुलसांभवनकलविज्ञातं - ध्वत्तभीतोस्थानिपरमास्वसागुधमवर्तभीपा

प्रकारन श्रीवृत्तानमाहाविष्णुईदं थोत्तेस्वस्वस्वेन अस्तुतिया नावचोनं थ
 मायाव श्रीमाहादेवपार्वतिसहितनस्वर्गत कैलासथन कलविज्यातं भो
 धुगुलि श्रीस्वस्थानिगार्वतया कथा ~~येन~~ धर्मद्वन्द्वेन गोप्तसन्धर्मद्वन्द्वेन ज्वल
 यकावतल थोपनिसयासदाकालसं सजुनास जुईव परत्रस कैलासवास
 याभयसजुयाभयवोकसियाभय ज्ववेत्तसंदईवमषु ईहलोकसंमाहासुषजु
 यातकि जुयावचोनसां वृत्ताहथान केनसादकोपायमुक्त जुयावदिव्यसर
 याव हनंगथेपार्वतिन जुलसा धुगुलि बर्त्तया पुभाव न श्रीमाहादेव
 वचोनं अथेभक्ति सुधान जुलसां संजुक्तयानां ज्वलमनुषेन जुलसां
 जल्लियात्रकार्ये सिध जुगुव थतलिकैलासयदविलाईव थत्तान
 माहादेवपार्वतिदेवी ध्यानि स्तसया केचरनं सभोक्पुयाव श्रीवृत्ताजु
 रा जुलसां वे ~~कुरा~~ कुरा सविज्यातं हनं देवरा जईद जुलसां अमरावतिस
 रम्यस्वयागुधमवर्त्त श्रीपावतिन जुलसां श्री माहादेवपुत्रकार्यनिमित्तितंद

निगुरु
 १५५

यः अमृतं वातं स विद्यानां वरुणः ॥ १ ॥ अमृतं वातं स विद्यानां

ननु वीरथ संसारसंज्ञं सन्मनुष्येन धुगुलि श्री स्वस्थानियरमे
ननु वीरथ संसारसंज्ञं सन्मनुष्येन धुगुलि श्री स्वस्थानियरमे
रोगभय चौरभय अग्निभये मरुतभय जलभये ^{स्थ}लभये नाना
यायु धत्तेन ईहलोकसंज्ञं सन्मनुष्येन धुगुलि श्री स्वस्थानियरमे
लघुहृत्था ब्रह्महृत्था विहृत्था गुरुहृत्था लातसां धुगुलियायनमोचन
ग्वलमनुष्यनं श्री स्वस्थानियरमे श्वरिया भग्वती भावया कसुयागधे
ध श्रीमाहादेव गुरुखलानां वचनुरदस भुवनया रा निजुल अथे धृष्ट
नलायुनिश्चयत धकं कुमारनं अगवृथात कना भो अगवृ मुनि स्व
ती श्री स्वदई गुराने माद्यमात मे कुमार अगवृ सवादे केदार खेदे श्री स्व
यत १२ श्री गरो सायनमो स्वदंवा च नलि भो अगवृ मुनि य
नुयायो न गुरसात लधया गु मराद लघाद धुस नागलोक पादे स क गुलि

विमानं

श्री २ स्वस्थानियर मे स्वरिया धर्म कठाने निवृ ग्व हनं दनिव ग्व ह्यः
त ईव थ ह मनुष्या सदा कालं कल्याणं तु ईव स तु ना स तु ईव हनं
भये ^{स्थ} लभये नाना ईय दुव भय ना स तु या व ध व ग रे हे स लक्ष्मी निवास
निभुक्त लया व य र लोक स कै लास श वा स ला ईव हनं पुन र वीर ह त्या वा
धु गुलिया य न मो च न तु या व सुष भोग या ना व चो ने द ई गुल ध ते न ५
भाव या क सु या ग थे या र्वा नि न थ स्व य र मे श्व रिया यु सा द न वै लो के ना
रानि गुल अ थे थ ह श्री २ स्वस्थानी य र मे श्व र या भा व भ गी या क सु
ना भो भ ग वृ मु नि स्व र्ग या ख क ने धु त आ व या ता ल या ख क ने डे ड ई
वा दे के दार रं दे श्री स्वस्थानियर मे श्व रिया धर्म कथा स्व र्ग त या व य रिस प्रा
त लि भो भ ग वृ मु नि या ता ल या वं ति ल्हा य रु यां नु स गु लि या ल या गु ल
ग लोक या दे स क गु लि द से चो न ध ग थी न गु दे स धा ल सा म ति मा रा णि क्त न

श्रीस्वस्था

१५६

दय का वनयागु हनं धासथास यतिहे लथुना वदय का वनयागु लिन
वनागरा जायु भति वसल यं चो नं गधिनयि नागरा जा धालसा अनंतन
कीर्तनागरा जा यलनागरा जा माहाय वनागरा जा संवयालना
तेन वर नागया न्या कन्या नाजिनयति पुमुख अंसवे नागरा
पतय र म सुद रि सुय गुला चो न मनि मनि कया तिसा नतिया वजा
काल मोच का वर म आन द न विष्णाना वचो न पुन वीर थव नाग
थाया कर्त हेरा वति हनं रत्न चर न धिया लनागरा जाया कला तरत न
वति थस्व लस नागया रा जा या कला तस्त्रि पुख स हि तरा न मा
र क नु या दि न स थ स च री क या द त धि तरा व हे मा वति रत्ना वति यद
लि ना व मा हा कं गाल दु रि व दि दु गु या व न य म वा ना व अं ग स व त्रु म
व ना ग लो क स चो न्य म य या व रा जे तो ल ना व क गु लि व नां त र स

दयकावतयागुलिन अंधकालयुतकावतलधथीनगुदेसयादधुससे
 रागाधालसा अनंतनागराजा बालसुषिनागराजा नक्षत्रनागराजा क
 गराजा संवयालनागराजा कलिकनागराजा वरुनानागराजा थ
 मुखं अंसवेनागराजायनिवसलयांघोन हरांथनागनागिनिअ
 यानिसाननित्यावजाजुलेमानरांथव्रकरनित्यातेजपिकायाव (अंध)
 न पुनवीरथनागयामरादलवसलयाचोन संवचुरांनागराजा
 गराजायाकलातरतनावति हनंकुयादतनागराजायाकलातवदमा
 रुवसहितराज माहासत्तेषादिक जुयावचोन धनलिपुनवा
 हमावति रत्नावति यद्व्यावति मृगावती धुलीनागनागिनिदेवनलि
 खानाव अंगसवसुमदयावसुधामाहालगाजुयाव माहादुखजुया
 व कगुलिवनांतरसयासिसया के गुफा कगुलिसधवे सारागनगि

निरुज

१५६

नियमिसेन आस बाया वना कालंदु बसि याव माहाक व नया वचोन
त्यंत्रं त जुया वचोन पुन वरि क नु द्य दिन स श्री पार्वति न को से ह ल
यध क रं सां त ल स वि ज्ञा न्ते न हे नागरा जाय नि धन ना ग लोक
कं आ ग्या द य का नागरा जाय नि से न चि न ति या त भोरि शि वर धन ज
तर स या सि स चो न गु या कु स चो न यि सं व चुरी र त्त चूर् न क या द त्त ह त रा
न मा हा दु स सि या व चो न ध कं क ना व को त ध न लि अ स्व स्था
नो न र स व ना व च दु षि ना ग य नि स त ता व वं न ध वेल स ना ग न गि नि
स अ स्व स्था मा रि शि वर ध ना व वि न ति या त भोरि शि वर ध न को न
स्था मा रि शि त आ ग्या द य क लं भो ना ग न गि नि जि न दु षि द रि दु उ द्वा या
य ल सा जि न उ य दे स वि य मु द्ध चि त क य ना व सु चि जु या व डे न
स हे मा ल य व र त रा ज या यु वी श्री पार्वती दे वी न श्री मा हा दे व यु र स्व

हाक व नया वचो न थथदरिदु जुया वचो न सांकाय लोभ मोह मदु स
गि धा वनि न को से हल अस्थथा मारिधि श्वर न दुषिदरिदु यनि उधारया
यनि धन नाग लोक सज्वलरदुरिवदरिदु जुल वलर जिने उधारया अध
भोरिधि श्वर धन जा छ ल यो ल या द यानं स क ल्ये भा ग्ये मानि दु दु वना
त चुर्न क या द त ह त रा व ध या नागरा जायनि ये ल स्यां स्त्रियु रुष सहिनः
धन लि अस्थथा मारिधि श्वर न नागरा जायनि स व च न रो ना व व
ध वेल स नाग न गि नियति से न नाय व पा कुत पि हा व या व श्व क वेल
रिधि श्वर धन को न विजाता कु आ ग्या जु ल ध कं विन निया ना ~~जा~~ ३१
न दुषिदरिदु उ द्वा या य ध कं जि धन व या थु का आ व क य नि उ धा जु य
सु चि जु या व के न भो ना ग न गि नियती य रा पु र्व का ल स हा य जु ग
श्री मा हा दे व यु रुष ला य आ नि नि निर्नि द ना गु ध र्म वृत्त श्री स्वः

श्री स्वस्था
१५७

स्थानियरमेश्वरियायुजाविधिजिनकने नृपायोरवभृक्तयायुरोमा
बेलस गंगादिश्वरश्रीमाहादेवयुजायायआसुर्येदेवतायातनसमावि
जुयवस्तुनुमाद्यस्तुक्तयायुरोमासिष्ठतु धर्मनयकोमाहासुचिजुय
भावभक्त्यानावसतकि वच्यातानसंजुगतजुयकभमतककोयुज
परमेश्वरिधकंरुक्तनसंजुकारनचोवावस्थायनायानाव गंगाजलन
ब्रजजमुकातानास्वानधुपरिपनेवूरेकमुलयकवानदकिनाथमनक
कोजयध्यानयायधुनकावस्वानकोये ध्वतलिभधितमधिसग्वनसहि
मदतसाधवयुवकायलबलहायेधवयुवमदसा मित्रयुखलबलहाये
मनाननानसिधजुयमालधकंगंगासुबुयकलकोय भोनागिनिना
शादयकलं पुनवारनागनगिनियनिसेनबिनतियातं भोपरमेश्वरिभ
कावविज्जायमालधकंविनतियानाव मिनगुसिंघासानसकेकतुनका

पौरवभुक्त यायुरीमासिबुनिसें नितस्वकोलमोलकु यावमध्याना
 विदेवतायातनमताविय नितेकयुवावनकने धनलिलकिमपुर्ण
 फकोमाहासुचिजुयावयकनकेयकचित्तयानात्र श्रीईश्वरिया
 प्रकभमतफकोयुजासराजामदकेधनलि श्रीश्रीश्रीस्वस्थानि
 नायानात्र गंगाजलनभ्रातनयातके श्रीसरडरगतचराडनरांतितका
 वानदकिनाथमनफयाधेभगतीभावतयुजायाय धनलिधमनफ
 रचितमधिसग्वनसहितदयकात्र धनयुस्वल्हायतबल्हाय धनपुरु
 मित्रयुस्वल्हाये मित्रयुत्रमदतसाधनमनराहुईकाजुलउगुकाः
 कोय भोनागिनिनागयनिधुगलिधर्मयाविधीविधानथयेधकआ
 यात भोयरमेश्वरिभस्वस्थामाकलकोलसेनतुधर्मव्रतजियनिसदन
 यासानसकेकतुनकावविज्ञातकावनल धनलिभस्वस्थामाअधिः

निगुरु
 ५५७

घोरदित जु याव ~~म~~ मात को सामागिदय काव माहासुभी जु याव ~~म~~ मात
से ~~ध~~ वृत्त जो नाव हीन सो को ल ~~म~~ मातान या नाव हीन क्यु वासन
बेलस आमाहादेव गुजाया नाव चोतं धन लिल कि सयुर्ग जु याव ~~म~~ मात
ओ ३ स्वस्थानियर मे ~~ध~~ रिकं ~~ध~~ कारन यो से थाय ना या नाव गंगा जल
या नाव ज जम का त को याय काव ना नायु बोधु यदिय ने वदे फल फूल
या नाव यं यो य चा चारन गुजाया य धुन काव अर्थ जो नाव ना नाय ~~म~~ मात
मिधुन काव अ सुतियातं भो ओ ३ स्वस्थानियर मे ~~ध~~ री जिय नियाय
लंदत भो यर मे ~~ध~~ र आव जीय निस थ पाय ना स या नाव यु न्य सरिर
र मे ~~ध~~ र हनं जिय निस स्या मि यर दे स व नाव चोत य नित नानं थे न का
न बेलस पुर्व दि सा न दल कि ओ सु र्यो या ने ज पु का जु ब ध्ये पु का
आ ग्या द य कलं भो ना गि निया नि ~~म~~ मात नाव जि अ ति क र ना या

हसुभी जुयाव गनानि गिनियनि सेन जुलसा यो वसुक्रु पापुने मापुनुनि
दीन कयु वासन लोनाव श्री सुये अयात मतवीयाव मध्याने काल
किसयुगी जुयाव माघ भुक्रु पापुगी मासि पुनु जुयाव भुपुनु जुलसा
गयाना वगी गां जलन अह्मा नयाना काव श्री बराइर गचंदन लेयना
यने वेदे फल फूल यकु वानना मुल दक्षिना सतदि च्यातानं संजुग
नावना नायक संभासि वयो नाव भर्षी विलं च नलि माल कोक
भरी जियनियापी निया जुयाव ~~भुक्रु~~ भोग याता वचोन गुता का
या नाव यु न्यसरिर याता व पुसन जुयाव गुसे विद्यायल माल भोय
नित नानं येन काव विद्याय माल धकं मिषान यो विहाया कावचो
का जुवथे पुका सया नाव श्री स्थानि परमे श्वरि यु सक्ष जुयाव
जिअति कसुना चाय धुन भो नागिनियनि ~~भुक्रु~~ सेन कु केनेने

श्रीस्यस्था

१५६

नाकोवधकं आग्यादयकलं धनलिनागिनियनिसेन जुलकां विन
मियनिसयाभालनस्यामिवयोनापं होनकारानानप्रसनसुसेवि
तकावअवधातुनवननचतुषष्टीविहिनयरिपुरीयायमालधकं
नआग्याजुलभोनागिनियनिकयनिसमतरथवाकापुरीजुयमाल
धनलिसंघचुरीथ्येह्यनागथेनकलवलं धवेससरागिनियनिस
यातअधितमधिसग्वनसहितनदयकावलवल्लानावविलं धवरस्व
चोनं धननिसंघचुरी रत्नचुरी कृपादत्तधतराध धयेससयासग्व
नागिनियनिसेनअस्यस्थामारिषिध्वरयातयुजामानययानावदक्षिना
काव धवथवयनिसयालनयानाव मालकोकार्येसिद्धयानावचोन
नाववेलाकयावधवआश्रमसविज्ञात धनलिनागनगिनियनिसेन
दकोनासजुयकावसरिरयुषुकावधनसयनियरिपुरीनजुयकावना

मैसेन जुलसां विततियातं भो श्री २ स्वस्थानियर मे न्वरि मुलन
मानयसनसुसे विज्याय माल भो करुना मयेहनं जियनिसदरिद्वपु
रौयाय माल धक विततियातं धनलि श्री स्वस्थानियर मे न्वरि
गङ्गापुरी जुय माल धक वरदान विद्या व अमर धान नुया व वृणात
स सरागि निय निमन स अतिर सताया व स्वात को या व को का या व चा
ना व विल ध वर स्वा मिया चरन सं भो क पुया व कुसल वार्त या ना व
ध ये स स या स ग व न सहित न क या व पालन यात धनलि
मान्य या ना व द क्षि ना आदि न विद्या व ना नाय दार्थ दय का व भोजन यात
ये सिद्ध या ना व चीत धनलि अ स्वस्थारि धिन नाग लोक यति उ धार या
नाग न गि निय निसेन श्री २ स्वस्थानियर मे न्वरि पुसादन पुर्व ज न या या व
रे पु री न जुय का व नाग लोक स व या व ध व अत्र पुरि दय का व ना नाय दार्थ

निगुल
१५६

पुस्तकानि
भोजनया नाव अने गपुरा नादि कथा भिन भिन नयं दिखनि से न लहात
लसध संसार शृंग्व लसमनुषे न धु गुलिया ना लया पुरिया ना जलो
या धर्म वर्तया वारवन ने निवृ थ लसमनुषे या सदा काल कल्यान जु इव
स सुष सया फि भुक्रया व परलोक स कै लास वास लाई व थ ते न ग
ना स जुया व सुष संय दला न व थ वारवन ने न लस लाई जु लध क
मे के दार खदे कु मार अ व स वो दे श्री ३ स्व स्थानि यर मे भ्रर या धर्म व
संयुगी १५॥ स्क्रंद उवाचा भोज ग व मुनि या ता लया वं कने
लाय पुथ म सं श्री ३ स्व स्थानि यर मे भ्ररी ध क नृ स क न
अ ला या त के श्री वर उ न र क च द न सिंधु र स्वा न ज ज म का सु गंध
सुरिक पु र ता मु ल द कि ना व स थ म न क या थे सा मा मि ता ल ला त
को ज य धा न या य थ न लि गु र या वा क्य न वा धं न ने ने थ म न

पुरातारि

मे नयं दिवस निवेन नृणां काय रम आनन्द न काल ह नाचोन गुल धवे
नालया पुरिया नाग लोक ई द्वार जुव गु श्री स्वस्थानि यर मे श्वरि
सदा काल कल्याण जु ईव थ वृष्ट हे सलक्ष्मी निवास या ई व ई ह लोक
न वास ला ई व थ तेन गधे थया ल पुरिया नागरा जाय नि सद रि दु दु व
नेन सन ला ई जु ल ध क कुमार ने ई ती श्री स कर द ड पुरा ने मा ध मात्मा
गानि यर मे श्वर या धि मे क था नाग लोक उ धार जु व गु लि या ना ल या व
ग व मु नि या ना ल या व क ने धु न आव ध न लि पु न वार म ध मे ल या व नि
मे श्वरी ध क नृ स क न म उं कार न चो से स्था य ना या य मं गा जल न
चान ज ज म का सु गं ध वृ ष्ठे धु य दि य ने व दे फ ल मु ल प क वान क
ग थे सा मा मि ता ल ला त का व षो द स उ य चार न पु जा या य थ म न य
क्य न वा ध न ने ने थ म न य को द छि ना वि य ध न लि नृ या म धो म
थ

श्रीस्वस्था
५५८

राउलसदक्षिनदिसावत्सपुरधया नामनगरकगुलिरसेवोनथ
हसंथवत्सनयानिअनेगधनसंयानि चतुसर्षीवृहिनसंजुक्रजुय
नगरसगुन्यवतिधयागुलितिधुनउलावचोन थनगरसदुधि
कसुदयावचोन थयाकलातनामजुलंसांसतिनामवत्सनिधय
यासतानसुद्रातमदयावचोन माहादुरिवदरिदुदुषसियावताव
यादिनसशिभभक्तवत्साननथवत्सितिनामयातधलंभोसति
पुर्वजन्मसयिनावतयामदुयाकारनरासमिजिधुगुलिजनमस
वचोन्येमालभोरिुसति थतेनभावमिजिसेनधनदर
मोदरयाकेसेवायायनुयोधकं साहुतियानावत्सितिनामवत्सनि
ग्यादयकगुषमिनगुषवत्सुकाजिव्वेनुयोधकं साहुतियायधु
यासमाहाकहनयाव पुथमसिवाजुलं थथेनुमाहाकहन

नगरक गुलिरसेचोन थ नगरसअने कनदिन व सायनिवसलयाचान
वसती वृहिनसंजुक्र जुयावचोन हनथ नगरसअन्यतथानलाकथ
वचोन थ नगरस दुषिदरिदु कंगालसिवभक्तधया सप्रालनक्ष
सांसतिनाम व सुनिधयनिनिहसिपुसुव जुयावचोन हनथ वृहिन
रिवदरिदुससियावता कालंदुसन कालहनाचोन थ नलिहकु
तिनामयातधलं भोसतिरिच जिजिसमाहादुबदरिदु जुल कानधासा
सजिधुगुलिजनमसमाहादरिदु जुयावदु सयासागरसपदलया
मआवजिजिसेनधनदयके काप्रनानंक नजिन चानु चानु सश्रील
यानाव सतिनाम व सुनिनविनतिघातं भोस्यामि ह लपोलसेनआ
योधकं साहुतियायधुनकाव धनदयके वाछान चानु रयानसो
लं थथेनुमाहाक व नयावयिदयाद सेवाजुयावचोन वेलस रंवी

निगुस्
१५६

दरुसि जु या वथ व मुर्ति धर लया व सिव भक्त वा स्मन या त दर्शन वि
के अतिक्रमन या कस्यै वा या क वना व्रजि अति संतोष जु य धुन धते
आज्ञा जु या व सिव भक्त वा स्मन रा विन नियातं भो श्री सुमोदर मेव ता
श्वर धते न धन द्रव्य पुन जु से विज्या य माल श्री सुमोदर या चरन संभे
न या विन तिडे ना व ल मोदर नं आ श्या दय कलं भो सिव भक्त क वना व्रजि
चास म गल बार पुन व या व्रजि त यु जा या व ध्व वेल स जि ने व ने भंदा रि
ल स क न ध्व गो मा ता या त लि ला हा त चा य का व यु जा या व ध्व वेल स
य ना व वा ता ने ग व ल न थ यु के पु या ना व तो क पु या व ति व ध्व न लि ये
धन संपति न य रि यु री जु यु भो वा स्मन क न त व र दान वि य धुन ध क अ
सिव भक्त वा स्मन या म न सर स ता या व नि ह्म स्त्रि पु सू ष से न श्री सुमो
लि हा व नं थ न लि ल मोदर नं अंत तर्धान जु या व विज्या तं धन लि पु न वी र

सनयातदर्शनविद्यावभागादयकलमोसिवभक्तवाहनकनजि
नतोषजुयधुन धनेयानिमित्तिनभावकनकुफेनेतेनायोवधकः
मोश्रुमोदरमेवताकारननंजितछलयोलयाकस्येवायानामधुहेई
मोदरयाचरनसंभोकपुयावविनतियातं पुनरवारशिवभक्तवाह
नवभक्तवनावजिअतिकसुराचायाधुनभावकनसदायाथेनसा
लसजिनेवनेभंदारिसाहस्योनावधोयोतीव मोवाहनधवेत
पुजायाव धवेतसजिनेवनेकुवसुकदतउगुलिवसुककयावके
गवतिव धनलियेकुपुहुईलावस्यव मोवाहनधवेतसहनत
दानविद्यधुनधकआगाजुल धनलिश्रीमोदरयाआज्ञानेनाव
धपुस्यसेत श्रीमोदरयाचरनसंभोकपुयाववेलाफोनावधवधः
यातं धनलिपुनवीरश्रीलमोदरयाआगाथेच्याकुपुहुमंगलवारयान

सा

श्रीचस्था
१६०

संस्थासयुजाविधिभालकोमागीजोनावनितिरिचयुरुषवनावश्रीलम
पुनकावचवबेलसागवलजाकगवलहेवनेचोनावचोनचनावहतास
कयुयावहताससनथवकेलिवहावयावश्रीलमोदरयाआसाथेवा
लियेनुषुनुकुँलावस्यकबेलससुर्वनयागवदजाजुयावचोनथवे
हसमानयानावदुवतयानावथसुवरीयागवलजावयावधुकुतिस
लसांथवगवदजायायुभावनरांअनेगधनसंयतिभारावर्तनदयकलं
रिधनदुवदयकंउत्पतिजुयाववलंहरांक्षेवुंचेलभारिनदयकलं
लंथुगुलियुकारनंश्रीलमोदरयाकयातथुनेगसंयतिनयरिधुन
वथुनेगयुकारननंरसंभोगयानावनानायदार्थदयकावताकालं
थवाहनयादिननृसखाकेहिलावकोनावहीनककोलजकन
वचोनंथवनलिककुयादिनसदिवभक्तवाहनथवकलातस
तिभिजिसयुर्वजन्मसपिनावतयामदुयाकारनथुगुलिजनमसदरि

अयुरुषव नाव श्री लम्बोदरयात युजाया नावथ व मालको जयधानयाय
वचो नय नाव हतासनं थग्वल जाक याव श्री लम्बोदरया चरन सभे
वोदरया आ साथे वातानि ग्वल नठ युको युया नावतल थन
ता जुया वचो नथ वे लस सि व भक्त धा सन यनि से न मन स भक्ति
न जा वया वधु कृति सत्य कथ नावतल युन वीर शिव भक्त धा सन न जु
भारावर्त नदय कलं हनं थ सुवर्णि या ग्वर जा या यु भा वन रा को तान को
न भारि नदय कलं हनं थ वन रा यु भा न न असंख्य अयु सरव दय क
ने ग संयति नय रि यु न जुय का व शिव भक्त धा सन न सति नाम व सुनि
दय का व ता कालं सुष भोग न काल ह ना वचो न जुलं थन लि हाया
ही न थ को ल ज क न थ माल आव ना नाय दार्थ दय का व भोजन या ना
ग सन थ व कला त सति नाम व सुनि या त आ ग्या दय कलं भो स्ति स
थु गुलि जन म सद रि दु जुल आव श्री लम्बोदरया कथान कि जिसे व

निगुरु
१६०

यासंप्रतिदत्तधकंपावधुगुलिजन्मसमादादानयुनोयानाववेनावतयक
भोवृत्तनिधयेयानिमित्तिनग्रावगंगायातिरसवनावनागंगासमेतकृया
मिक्षुकयातदरिद्रयातदानयायनुयोधकंधयावःध्वतेनपुरुषवाहनया
मिसिवभक्तनामजुयावचोनलवाहनधकंधनरक्तलयालधकंधधन
वियंनमजुवयावसत्तेथेववक्तलयोलयाआसादयकलधधदानयाना
वताथुकाधकंधथेनिलस्त्रियुहवयासमधारयानावसतिमुनिस्यंग
तकासुर्वनदानवियावथीहरिहरयातयुजायानावथीसिधिगणेशया
इष्टदेवतायाकुलदेवतायाथीमाहादेवयातयुजायानावधुनेअनेगद्य
अनेगपुरानादिवाखनल्लतकावभिठरलवाहनयानिभिन्नरंपरीतय
नानायदार्थनंभोगयानावताकालथुगुलिकधनंकालदनावचोनावचोन
सावृधेवत्ताजुयावविहवनिहसयासप्रधारयानावधालंभोस्त्रीसति

नयुन्येयानाववेनावतयकृतसाहकंनलिथुग जन्मसदरिदुर्जुवमसु
मवनावनागंगासमोलकृयावन्तिनलकहि १००००० तकासुर्वनवुस
यावःथ्वेनयुसुषवाहनयागुभाषानेनाववाहनिसाधालं भोगुभस्वा
धनरकलयेलधकं ध्वधनसयतिदुधेदानयुन्ययायगुथाससिवधक
सादयकलधधदानयानाधकं ध्वसंयतिपुईवमसुथका यरलोकसठ
भारयानावसतिपुनृनिस्येगंगासमोलकृयावन्तिनथं लवहि १०००००
यानावधासिधिगरोसयातयुजायानाव धवहेससिहावयावधवे
तयुजायानावधुनेअनेगयदार्थदयकावभक्षभोजनयानावधुनेग
वाहनयानिभिन्नरंपरीतयानिसधवहेसतयावस्मतिष्णादिनस्वतकाव
धनंफालदनावचोनावचोनजुल ध्वधनलिसिवभक्तवृत्तानजुल
धारयानावधालं भोस्त्रीसतिष्णावहिजिसधालसावधाअवस्ताजुल

अस्ति
१६९

आवाशविनायकयाकरुनाहृषानअनेगसुखभोगयायधुनः
मचावाचामरतो धतेनथोऽधनराहुयायुयो जैनमवावाचादयावका
मक भोसिद्धजुलसांजिथिया अवस्थाजुलजिजुलसां ज्वाधजुलह
तानदयकेमाल हकनं श्री सिधिगरोसयाकेसे ज्ञे जुयजुयोधकध
नावस्ववकाधिकं शुभज्वासत्यनरववजिवेधक शिथिसमधारया
याऊरसनानार्यराधदयकावशीगरोसयाकेसेवाजुलं थथेनु
गुका मुनावांछायानाव अतिकषु नयावसेवायावजुलं थथेनु
नभक्तियागुखनावमाहाकषु नयावयकचित्तयाभाव थवचीत्त
नसेवायानावनानाप्रकाररासेवायानावशीगरोसयत्तक्षेजुयाव
ज्वातं भोसिवभजतवृत्तनक्षनजुलसांजिकेस्यवायाकगुखनाव
यानानंक्षनजिकेमाहाकषु नयावजिकेस्यवायानाउगुलि वलके

मनेगमुषभोगयायधुनःप्रावध्वसयंतिजकदयाबहुयायमिजिसया
 प्रयोजनमवावादादयावकायाधनमदयकधनजकदयानकायमचा
 अजुलजिजुलसाऽपथजुलरुनेकेमचानदईवममुतध्वत्यनिमिर्तिनसं
 याकेसेजेजुयजुयोधकधयावःथोतेथवस्वामियागुभावाआजाने
 जिवेधकथिथिसमधारयानावसदायाध्वोनसचासमलधारयंतिः
 सयाकेसेवाजुलंथथेनुमाहाकवनयावयकचित्तयानावयुत्रया
 गवसेवायावजुलंथथेनुयिरनिरदयाववलंथोनलुभुति
 यकचित्तयानावथवचित्तनजुलसांमुत्रवीकानयानावभुतिकव
 गवधीगरोसप्रतक्षेजुयाववमानयानेवयेआगादयकस्यवि
 गाजिकेस्यजायाकगुखनावजिभुतिसंवत्तुयधुनकुकासुनानं
 चिस्यवाशानाउगुलिबलकोडधकआगादयकावविगातंधत्य

नि० ह
 १६१

श्रीगरोसयागु आग्यानेगवमनसअतिहवमानयानावश्रीगरोसय
विनतियातं भोयरमेस्वरशसिद्धिगरोसकलयेलयारुनाकृपानसप्तध
स्येविज्यानागुधनयायिबालनययाकारनयुत्रकलवरदानयुसनजुस्येविज्याय
नकलयेलयारुकेमाहाकषनस्पेवायाना जितवरदानथोतेनगाकधकंविनति
श्रीगरोसनशुभाज्ञादयकस्येविज्यातं भोवृसनकरानेइथनिच्याहसदा
योसदायाथेजितयुजायावथोवेलसजिहेवने काप्रधानुसाकलसईव
नावयुजाधुनकावयुजायायधुनकावकनस्ययावचोवथोवेलसधकाधुन
याचोवसासविद्यानाहइव कनजुलसां शुकासतुंयुयावकाव थोत्तसासवि
थाससतिव यद्गुत्तुल्लावस्वव थवेलसकनतजुलसांमनर्थयुरीजुति
धालसाकनपुर्वजुन्मसतयामदया थत्तयानिप्रितिनयुत्रीजुईवधकं
डावमनसश्रुतिआन्दयानावश्रीगरोसयातमालकोयुजायायधुनकाव

मानयानाव श्री गरो सया चरन स भो क पु या वृ ला हा त हा जल या व
गल या करु ना कृ पा न सप्त धन सं यति न जु ल सां जित गा क क ल यो ल स्ये न यु स न जु
त व र दान यु स न जु स्ये वि ज्ञा य माल भो वि घ्न न राज श्री गरो स थो स्ये यानि मि ति
दान थो ते न गा क ध कं वि न ति या तं थो ए सि व भ गत या गु व च न वि न ति डे ना व
न छ राने ड थ नि च्या ह स दा या थं न सं च्या स मं ग ल वा षु नु रु या या थ्ये से वा वा
का प्र ध्या नु सा छ स द ई व छ न जु ल सां थो सा या त बो द स उ य चार न यु जा या
ग ब चो व थो वे ल स थ व का ध्य नु सा न जु ल सां सा स्वी क्ता ना व ह ई व थ वे ल स छ न त्व
तं य या व का व थो त्प सा स वि क्षे स य ना व वा ता त या व थ यु को पु या ना व भि न गु
त न जु ल सां म न र्थ यु रीं जु यि व भो वा स्ता न यु त्र ज क म बु ध न यु वी जु ई व छान
नि मि ति नि न यु वी जु ई व ध कं ग्रा हा द य का व विलं थो त्प श्री गरो स या आ ग्या ने
गल को पु जा या य धु न का व क्को ज य ध्या न या ना व म न स ग्यु ति ग्या नं द न च र नं

श्रीत्वस्था

११६२

संभोकपुयावतिस्त्रिषुषधवृक्षेसलिहावनं थोनलिषीगरोसजुलसां अ
याग्याग्याथेयं चानुदुसुननसाचासनानायुदार्थदयकावनिस्त्रिषुषसि
यातयुजायातं थव्यलसकाप्रथनुसाकस्रवयावधनयुजायातावगुचं
असाहातारसनं वयदानावग्वमातायाचरनसंभोकपुयावषोदसउपचारन
रांजुलसां सउषिफुतावविलंथव्रासनरांजुलसां रुतारसनं वयदाना
मध्येनुजुलसां अयनारां अयत्तरथानजुयावविजातं थनलिमा
युजायाअधुनकावशीगरोसयातयुदकिनायानावचरनीरविंदुसभो
सयागुआग्याथे थोगुलिसासविजुलसां वातानिग्वलथयुकोपुयानाव
लावस्यतं थव्यलसअत्यंतमाहायदमसुदरिसकंन्याकस्रजातजुया
लक्षनरासंजुक्तजुयावचोनमध्यानकालयागुषीसुर्येचोनथेचोनमा
हलस्वानयागुहलथेसधालसागरुधयागुथेलाहातुतिधालसासह

गोनलिश्रीगरोस जुलसां अतध्यान जुयावविज्यातं धनलिश्रीगरोस
 दयकावनिहसिपुरुषसिक्तावानं धनबोदसउयचारनं श्रीसिद्धिगरोस
 ब्रयावधनयुजायानावगुचोनगुस्ययावचोनं धनसिवभगतवात्मनरां जु
 भोकपुयावबोदसउयचारनं युजायानावचोनं धनवेल्सकाप्रध्यासा
 लसां हुतासनं वयदनाव अकासरां कयावयनं धनध्वजोमाताक
 ज्ञातं धनलिमालको श्रीसिवयुत्रः श्रीगरोसयातयुजायानाव
 यानावचरनीरविंदुसभोकपुयावधवक्षसलिहावनं धनश्रीगरो
 गानिज्वलथयुकोपुयानावभिनगुथाससतयावतंतं धनयेरुदुषुनु उः
 रसकंन्याह स जात जुयावचोनं गधिनसवालखधकंधालसा वतिस
 गुशसुर्येचोनथेचोनमाहाउजरत्पज जुयावचोनमिखाधालसायले
 थेलाहातुतिधालसा महावसकि सियाथे कालधालसागुशीचदुमा

निगुरु

५६२

ये जालेधाले सालक्ष्मियाथं यालि धालसा सावित्रीयाथे पुत्र उय
तास जात जुलं येन लिपिक भक्त वालरायात सतिनाम जुयाव
दन जुयाव थोवालख जुलसा वातानथ कायाव कोथास यनाव भीराक
उर्यति जुयाव पुनद्याना वचोनावचोनं अंथे सतिनाम वालनिया माह
थन जात थें भि दुबुनुवेन काव अने ग वालन यनिष्ठ भि भुक्त यनिष्ठ
वकोतिरसादान विलं हरांन वगुह्यान विलं थोते आदि रादान विरध
याव नामक मियात कलं हनंरा वगुह केने धकं जोति सयनि वोनक को
सः वालन यनिसेन जुलसां स मस्त कि राक मधुन काव नाना कर्म य
जादय कलं भोसि व भक्त वालन क लपोल यागु त्रिया नाम जुल
लसा गव माता का मध्यनुसान विउस जुयाव निमित्ति थोवाल वया
धया व थोने जोति स वालन यागु आग्याडे नाव मनस अति आन

विनयीयाथे पुत्र उयलसुंदुरि जुयाव जात जुलं लाथेलिथेसन कावजा
जात सतिना मजुयाव चोन सत्रासनि थोयनिसया मनस अति अ्यानं
कोथासय नाव भीराकं निदानया नावतलं गथे जनकरा जाया के सिता
निनाम ब्राह्मनियामा हा निदानया नाव कोठास चो नाव लहि नाव चोरां
यनिष्ठ भिडुक यनिष्ठ धयनिष्ठ यात कोति र सुवरी अ्यादिदधि नावि या
ने आदि रादान विद्यधुन काव भीन सत्रास राध सयोग वन कल को
जोतिसयनि वोन क कोयाव जात कदय कलं धन लिथो हित जोति
धुन काव ना ना कर्म यायधुन कावः सिव भगत ब्राह्मण या ह वरो अ्या
यायुत्रिया नाम जुलसां मोमय जुधकं नाम युष्याति जुईव कोन धा
मिति निधो वालषयानाम ग्वमय जुधकं जोतिस ब्राह्मनयानि सेराः
व मनस अति आनदयानाव ब्राह्मनयनिष्ठः भोजन यात कावः सुव

श्रीसूक्त
१६२

रा आदिनंददि नाविया वचोनं हनं जोतिसवात्मन जुलसाः सतिना सव
हन गुभा ग्यथथीन ससुदरिसुगुनी हन के सदवगथेन धालसा हन
राः ध्वया जातक फलसरानि जुई बफलदवधकं जोतिक धालनरां आ
आ ग्याने गव मनस अत्तेत माहाहर्षमानयानाव ग्युनेग सुकारनं रां
लीथो वालव गव मय जु जुलसां लं पक्षे याचदुमा जावथेः द्विरक्षियानव
हनं भाति भतां ग्या भति भता याय फया व वलं थथे नुं यिद गददया व म
न धालं भो युत्री गव मय जु ग्या व हन जुलसां दि गुलिया ययात अभातले या
व श्री हरि हर यु जा या य धुन का व श्री गरो स यु जा या य धुन का वः ल क
हे स थ व से स लि हा व नं थ गुलियु कारन सिव भक्त धालनरां जुलसां
दुः प्रादिनं देवलोक या जुलसां माहा वाहिर जुलं ध्वत्प सिव भज धालन या
ति देवलोक रा लित का व मनस ग्युति विष्ठादि चीजन या ना वः कै लास पर्व

तनजुलसाः सातिनामवसुनिशाहवेनेधालं मोवास्त्रनिधन्य २
 दवगथेनधालसाधनपुत्रीयानजुलसां माहातवभाग्यगुईवधकं ह
 ० जौतिकवास्त्रनरां आशादयकावथोतेजौतिकवास्त्रनयोहितयाः
 मावपुन्येगमुकारनरां पुजामान्ययानावविद्याविद्याबुद्धेत्तं थोन
 गजावथेः द्विरक्षियानवधीनाववलं हनंभतिभतील्लितिलजुयसल
 थथेनुयिदगददयावमामववुयासनसभतिहर्षमानयानावमामवुवा
 याययातअभतलेयावचोवजियनिगंगासपुस्मानयागनधुनका
 यायधुनकावःलकक्षि १००००००तकासुर्वरादक्षिनावियावथव
 रक्तवास्त्रनरांजुलसाः पुराययाकगुयापुभावनरांजुलसाः स्वर्गीयाई
 तपसिवभगतवास्त्रनयागुधर्मगुन्यराजुलसां ईद्वयंशानावतेतिसको
 मयानावः कैलासपर्वतसथ्यनकलवनावधीमाहातुदयाचरनसंभोक

निरुग
 १६२

पुयावःमिमानयोविहायकाव भतिनकरुनाराविनतिघातं भोज
ज्याहुने कुधकंधलसामक्षमंरालसधुलपुरनगरससिवभजतनाम
सतिनामबालनिदसेचोन ध्वलबालनजुलसा कलपोलरापुव
सादवियाववल भोईस्वरआवध्वबालनरांगंगासमोलफुयाव
श्रीहरिहरयातपुजायानावथोत्पधुनकाव कलपोलयातपुजायानावति
मादेवधोयागुधर्मपुरेयेनयाफुयाप्रभावरा जिगुभमरावतिथिरम
नवयाभोनिलकंरठजितजुलसा कलपोलस्यनरक्षायासेविज्यायमाल
ध्वकः ध्वलसाः हर्तथोवास्मराजः गुरुसांसांनानमदयावः कुरु
मंगलवाटपतिः रासांयाससिप्रागुयावः तपस्यायावः ध्ववे
मयावः वतीमलछेनः सगुगतमयाव-योनध्वः मतीनेमप्रां
पुविहलवोलसाव-जोगतेसनवटदाताविद्यावतलः

नित्यातं भोजगदिश्वरश्चिमाहोदेवः माहासुद जिगुविनतिनेत्येवि
गरससिवभगतनामध्रासराकलदसेंचोन ध्वसुध्रासनयाकलात
मा कलपोलयापुत्रश्चिगरोपसः सत्त्ववजुयावकोतिरधनसंयतिवरय
गंगासमेतफुयावन्तिनलकछि१००००००तकासुवरीदानवियाव
नयानपुजायानावतिनिःपुनयानयानावचोमिव भोजगदिश्वरश्चिमा
गुभमरावतिधिरमजुवल भोजननायकध्वतेयानिमितिनि आवजिध
मायासेविज्यामाल भोकरुनामयहनंईनाययायडेः स्येविज्याहुने दु
नमदयावः हलपोलयापुत्रः ओगनेसयाकेः माहासुद
सत्यायाकः ध्ववेहसः हलपोलयापुत्रः हंकोदहप्रतक्ष
रसः मनीनेमपंतः माहापद्मसुदरिगुयाव योनधठिनस
गदियावतलः भोहयामहेस्वरध्वतेयानिमितिनिः ध्व

श्रीचिन्मा
१६४

प्राप्ततयागु तपस्यातेजनधदेवलोकधिरनयोनेमकृत मोक्ष
कृतीनवनिताः भोधीनेयआप्रमीपनीसयामाहाचाहिर
आप्रथ्यतेदेवलोककयागुः व्याहृत्ययावजिपनिषु कर्तुनागा
दिप्रहृषजिषनाप्रदयाप्रसन्नमुयतेहृष्यक्रीमाहादेव
देवराजइन्द्रयागुवचनभाषातेनाप्रश्रीमाहादेवरागुलसांआ
रुपनिगुलसांआसवायमतेपहुंवांवाकायमुस्याहजिप
रक्षायायगुनिचयनीषप्रव्यकंआप्रधपनिगुलसांअमरा
त्यैश्रीमाहादेवयागुआप्राजेनाप्रचरनसंभोदप्रयाप
काप्रअमरावतिसहहावनं धनंहिश्रीमाहादेवन
यायगुनिमितीनभिदुक्कारियाहृपकयाप्रपराहानि
तिनगुलसाइवतथाणाप्रमताप्राणिगुयाप्रभस्यनगु
कयाप्रप्रसुतनगरसिक्भग्नप्राप्ततयाक्षसमिक्

मोनेमकृत भोससितेवर ध्यागुतेजनजिगृहिर्द्रासललुध्या
 मासाहाजाहिर गुरुजिमित रक्षायायतेरु भोविनाकध्यारि
 निव कननागा कुरुयोरु प्रसन्नमुतेविज्यायमारु भोभा
 र्क श्रीसाहा देवया केवनेविनतीयानः ध्यनीहि ध्यये
 देवता गुरुसांभाग्या दय कसेविज्यात भोदेवता नईद्रु
 यमुस्यालुजिमनि गुरुसांघपनिवु उध्या उवाधयानाव
 ने गुरुसांभमरावतिसलिहानु निध्वकं भाग्याविज्यावध्व
 नं भो कपुया प्रविदा कथा वसुयस्य कोली देवतानहित
 श्रीसाहा देवन गुरुसांईद्रुजादि देवलो कथान उध्या
 यावप्रराहातिन गुरुसांविमु एवना प्रमव गुरुगह
 याव भस्मन गुरुसांभगतप्रयाव कांवाहिसया मेव
 नयाक्षतभिभ्यामोनेध्वकं ध्यन कुरु विज्यातं धोन

निगुरु
 १६५

लिसदायाथेसिवभगतवाहननिलनीयुस्वसं ध्यग्वमयजुयातगुध
यधकंवनं ध्ववेलसभेधधारिजुयावहनभीमाहादेवजुलसांभीक्षाय
यावचोनंथोवेलसभीमाहादेवनजुलसांदवस्थानावभिहाकेनं ध
यावचोनसग्वमयजुनजुलसांशुहंकारयानावधालं भोभिभुक्
ज्यातंछनतभिक्षाकृनेवीईससुमदुजिजुलसांमामववुजुयातदिगुल
वचोवजिमामवुजुलिहाविम्याईनभतिलनावचोवधकंधयावलनव
जुलसांअक्षतलेयधनकावभिहाजोनावकोहावयावधालं भोभि
ज्याकनिजिनजुलसांशुक्षतलेयधनकावछनतभीक्षायजोगववयाध
वनायमतेःभीक्षानायोधकंधयावथोयग्वमयजुयागुभावावचने
यकलं भोवाहननिध्ववेलतंलनकावतलआवनकतुनिछन
छनवियगुजुलसांछनमामवुयायातलेयावतयागु शुक्षतहिव

उवमयजुयान शुक्षलेयकावतल थवयनिजुलसांगगास शुस्माराया
देवजुलसांभीक्षाकोनेधकंदुहाविज्ञानं थनजवमयजुराअक्षतले
मावभिहाकोने भवयलसगोमयजुराजुलसामामवयुयान शुक्षतले
तल भोभिभुक्जिमामववुजुलसांगगास आस्मारायायधकंवि
मववुजुयानदिगुलयाययान अक्षतलेयावचोना भोभिभुक्करवदिनिलाश
वधकंधयावलनकावतलं थनलिताउतिनमवयावजवमयजुन
वयावधाल भोभिभुक्जिमामववाजुजुलसां आवतलेलीहामवि
रिक्षाजोगववयाधकं भोभिभुक्जिभतीविलंभजुलहनजुलसादु
जुयागुभावावचनेनाय भेषधारिथीनाहादेवनजुलसां प्राग्यादः
गवनकनुनिहनभिक्षानायेधकंधलवल आमभीक्षजितमयल
गु शुक्षतदिवधकंहनमविलसाहनत शुभीप्रायवियधकं

आत्मा
१६५

आशादयकावः भीष्मकयागुः ॥ आशानेनावज्वमयजुनधालं मो
यधकावतयागु अक्षतं जांविद्यमदु भुगुलि अक्षतं जांविद्यमदु छन
इतिधकंधयावथोतेज्वमयजुयागु छिदुभाखानेजवमेधधारिधाम
छनमविलभिक्षा ॥ आवछनत आयविद्यक पधकं आशादयका
बुधालनिछनगु अहकारनजितभिक्षामविल आवछनत आयविद्यक न
बाहारजुयमाल हनछनमामबुवाजुगामाहाकब नयाव श्रीगरोसयाकेतय
धकंहरांछ गुलसां अतितवकब नयावमाहादुरिदुजुयावडुबिजुयमाल ह
येताछनत आयविद्यधुनधकं आयविल थय आयविद्याव अुनानलि
ज्वमयजुगुलसांधीमाहादेवया अुभि आयकयाव अुतिविलाययानाववे
नामधालनिशिलस्त्रियुरुबनजुलसां गंगास अस्त्रारायानावलकधि
श्रीहरिहरगुजायानावधवक्षसालिहावल थवेलसज्वमयजुवोयावचीन

नुनधालं मोभीष्टकजिमासवुवाजुया श्रीमाहोदेवयागुजाया
 जांविद्यमयु छनतयलसाथोतेभिक्षाकावनायोमयलसा छलिहाः
 वभेष्टधारि श्रीमाहोदेवनजुलसा आज्ञादय कलं मोयायिष्टपुलनि
 कं आज्ञादयकाव थानावतयागुदंवस्तनं आयविद्यकलं मोयायि
 छनत आयविद्यक नुसददईवयलसः नुसददइज्याथलः बालननायंविहारवि
 श्रीगरोसयाकेतयस्यायानावदयकावतयागुधनयमसनासनास जुयमाल
 आवडुविजुयमाल हरां छनमासववुथनिंसुलानथीम नुजुयमालधकं थ
 वियाव अुनानलिहावि ज्ञानाव अत्र ध्यान जुयावविज्यातं थनलि
 गतिविलाययानाव बोयावचोनावचोनं शुगुववतससिवभक्तवात्मनसति
 गारायानावलकछितकाव ००००० सुवरीदानवियावविद्यधुनकावः
 वमयजुबोयावचोनगुखनावमामववुनधालं मोयुत्रीगवमयजुछका

निगुरु
 १६५

यवोपावचोनाछनतकुदुषजुलधकं सुनारंगोयलकारनकुः दुहेतुराछवो
थ्यत्यमामववुयागुप्राज्ञानेडाव ज्वमयजुराधालं भोपितामाताछलये
गगासभस्वानपाधकंवितत्रिजुसांमिजुलसां शुक्षतलेयावचोनाध
लसजिराधया भोभिष्टकजिमाममदुवावुमदुगगासशुस्नानय
भिष्टकभिक्षाविद्युतप्रईवयिंसुमदुवदिनिलानावचोवधकंजिनधय
विज्पाईनधकंलनावताउतिनचोन थःपुथेनछलयांलमनिसविआ
वकोहावनाव भोभीष्टकभीक्षानायोधकंजिनधयाथथेभिष्टकनकु
लरिगधकंप्रावआमभिक्षाजिनमकालछनविलसावियजुलसाछन
द्विबधकधालंमविलसाछतअभिप्रापविद्यधकंधालं भोपितामाता
मामधुवाजियातदेगुलियायतलेयावतयागु थोजांविद्यमधुयेलसां
भोपितामाता थव्यालसथोभिष्टकनकुलसां शुतोत्तरकोधयान

रनकुः कुहेतुसाधुषोयावचोनाधकंसमस्तविसारनजितकडाधकधायाव
मोपितामाताधलयोलनडेःस्यविज्याहुने नृपांखलयोतयनिजुलसां
क्षतलेयावचोनाथोवेलस भिक्कुक्कलस्येनभीक्षाकोनवल थवे
गंगास शुस्नानयातयधकंविज्यातं जीधालसा शुक्षतलेयावचोना
वोचधकंजिनधया हनथ्वभीभुकनजुलसां खलयोतयनिशिल
योतमनिसंविज्यानावजीजुलसां शुक्षतलेयधुनकावभिक्षाज्यो ग
पाथथेभिभुकनजुलसां जिगुभावाडिनाव थोभिभुकनधालं मोष
सागिय जुलसां खनमामवुवाजुयातलेयावरयागु शुक्षतलेयागुजित
गलं मोपितामाता थोवेलसजिनधया मोभीभुकथोअक्षतं जि
विद्यमषुवेलसां थवाकि कावधकंसयलसा कुतिधकंजिनधया
शुतोत्तरकोधयानाव थोमशांथास्येचोनागुदम्बरुनंजितजित भिमि

श्री स्वस्था

१६६

श्री पराविल भोद्यापी निधकं च न ब्रह्मकालां जितप्रिक्षामविल ३
छलेयोलयातनीयुरुषनिप्रयातं आयविल भोदितामाता दुसराय
डुगुवेलसूर्यर २० दवल ग्याथ सत्राप्रराव नायं विवाहार जुयमाल
वतयागुधनसंयतिदयका वतयागुधनससं नास जुयाव जुयमाल हन
गिनि जुयमालधकं हन ह मासववु जुलसापुलानम तु जुयमालधकं
दंभरुन आरायविद्याव भीक्षाम कास्यं गोजिपिह वनं भोदितामाता
वचोनाधिकंधायाव थोत्तेजवमय जुया भाषाने जव ववा जुन धालं भोपु
वचरा श्री माहादेवयागु ग्या ग्या मपु हन चास चाय मुबल शुभभि
या काय मतेधकं वेधि विद्यावतलं थोनं लिजवमय जुन जुलसं
जवाहननरा जुलसा मनस भालयाव आवगवमय जुयात ईहियाल
वाहननयनिगनडु स्वतकल छोय मालधक मनस चित्तनायानाव

मत्तभिक्षामविल आवृत्त शुभीसरायवियकवृधकंधायाव जित
 रितामाता कुसरायविलधालसा भोयापिनिधिकं नजुलसां नुसदा
 विवाहारजुयमालधकं हराधनमाप्रववाराभीगरोसयाकेतयस्यायाना
 जुयावजुयमाल हनं नतटवकं नयावमाहादरिह जुयमाल अभा
 मत्तु जुयमालधकं धयेताहलपोलयातं जितं धमिभुक्कनथायागु
 वनं भोयितामाता धत्ययानिमित्तिन जिमनसं जां ववभालयावजिषोया
 वराजुनधालं भोयुभीज्वमयजु ह जुलसां शायमुम्बालं शुभुभिभुक्कया
 यमुम्बल शुभुभिभुक्कनधयाथं जुईवमवृधकं नमससं देहसं
 ज्वमयजुन जुलसां सुदयुनाव नुसदाडुगुवेलास योनंलिसिवभ
 यजुयात ईहिपालयायगु शुवसलजुलधत्येयानिमित्तिन भिनल
 नचित्तायानाव धवस्त्रिसतिनामधालनियारु वनेधलं भोस्त्री

मिगुरु
 १६६

सतिनामवाहनि आवागवमय जुयात विवाहारयायमाल आवाव न जु लसांभिर
येगुलिदिसालकिनिलायागुलयेन के स्वत के कोतं थोनलियेगुलि
यति जुलसां वाहनयनि लुये के मयुतं थयेन लुये के मयुतं वाव धालं का
गुलिदुध गुलिया निमित्तिन भिरास अलन लुये के मयुतं वाव वी उदिगसं
कलिहाव वाव येगुलिदिसाया गुवार्तवनं भोवाहन नीजियनि जुलसांग
लसामदुध के धयाव धयार्तने नावसिव भगवत्सनरां गुलसां धमनं स्व
राखलवनं देस देस यतिं हिलाव स्वल जुलंगनरां लुये के मयुतं वाव गुसाम
गंगायातिरं सतिरं लिहावनं धवे लस गंगास अहमानानयाना चोन स
रायनि कलनायां मदयाव गंगाया गुतिरसल लिसें लिहावलं थो वे लस भि
नाव चोन ससिव स्मान धयास वाहन कलखरां धवाहन गधि न स
समिखा सि कुव भि कुव स्वाक मिखा भतिया ल धल वाताता हाफल स सकले

श्यावधनजुलसांभिरावृत्तवाहनकलस्यतकेकोवधकंसाहुतियानावः
थोनलियेगुलिदिसासंभिनस्रवाहनप्राप्तेधकंवनं ध्यस्वलवन
केमफ्यावृधालकानधालसाजगदिस्वरथीमाप्राहोदेवरां सरायविया
मफ्यावृवोउदिगसंभनावृत्तं वाहनमदयावृश्यासामर्थजुलंधः
नरीजियनिजुलसांगनारांवाहनकलसुयकेमफ्यावृजियनिसयाभ
नरांजुलसांधमनंस्वलवनेधकं सतिनामवृत्तनियाकेविदाकायावृधम
केमफ्यावृश्यासामर्थजुयावृधवक्षेसलिहावृन्धेधकं मनसभालयावृ
मानानयानाचोनस्रवाहनयनित्वलजुलस्वयारगुथायसंभिनस्रवाहन
लिहावलंथोवेलसंभिनगुलोहहृतसकेकतुनावृगायविजयसंध्याया
ध्ववाहनगथिनस्रधकंधालसास्रधसिलुयावृचोनस्ररूयदनमताव
ताहाकलससकलेनाहाकभुभुसस्रुनभालयेलेहेनहायकावृचोन

श्री स्वस्था
१६७

सप्तमसां हि सुतुङ्गन हाय काव हा कुशा लविया वृष्ट पडु १० दुस्र म्पाथ ल
शासन कल सव नाव सिव भज शासन गुति वित्त मय वायाव मिरवा लि
वस्मीरा शात जुल सांथ व के मिवा लि मका स्पे स्वया व चोन गु व नाव हा
सन रां स्वया व चोन गु थाय सव नाव थे न कल व नाव सिव स्मीन शा
ल यो ल या ना महु गन रां विज्या ना काय जित मिवा लि मका स्पे स्वया
स मत्त व तांतर आ ग्या दय क स्पे विज्या य माल ध कंध या व थो त्ये म
धा लं भो शासन जि गुलि व जुसा न त व तात व क ने ने स्प विज्या
का भो व धा शासन जि मे व ता कार न स थ न व या महु हु ति मि ति नि था
व थ ल गु ची जुलः पुद यु ना व ह स द द या व चोन प्रा व ध ल गु ची जुल
ल गु या स्व या र था स गन रां महु ये गु लि दि सा त स्व त के को या दे स र
य के म य या व प्रा व भ ल सा म द या व से लि हा व ने ध के गु गु लि ल ना

पडु० दुसः ग्याथः सधासमास्यतितिकमाहाभयकरं मुर्तिधर्धिनस
 मयचायाव मिर्यालिसकासेस्वयावचोन धनलिध्ववेत्तसोसि
 यावचोन गुवनाव हतारसनसंध्यातर्यनधुनकाव थसिवभगतव
 रनाव सिवस्मीन धासनधालं भोवासनधकं छलयेत्तसुगुईव ध
 मिर्यालिसकासेस्वयावचोना कारनहु कुयानिमितिनिधनविज्याना
 धकंधयाव थोत्येग्याथधासनया भावाडेनाव सिवभक्तधासन
 नवकन्ये नेत्यविज्यादुन्यधकं जिगुनामजुलसिवभगतधासनधुः
 मधु कुतिमितिनिधालसाजिह्वाचकल अतियलसुदरिदवधुकाथा
 ० प्रावधलपुत्रीजुलसांकन्यादानविद्यधकं भिनसधासनकलसव
 तस्वतके कोयादेसरहिला वस्वयधुनस्ययाध्वयाथासगनरांमडुलु
 धेधकं शुगलिलनजिवया हनं ध्वगं जायातिरसवो जषवरयाकध

निगुल
 १६७

कंधनवयाधनवयाधनसुमदुधकं भोवृत्तनध्वयेयानिमित्तिनक्षलपोलसु
वृजिथायसवयावृ जिक्केनग्याकुटुलाकारनकुजिथाससवयागुस्मस्तवृ
मानेजावृ सिवस्मीवास्मरानंधल भोसिवभजवास्मनजिगुनाप्रजुलसांसि
नकायधकंजिमृदुदुगुवेल्सनिसेमालावृजुया धनिग्यावृत्तलेसुन
लसांकुलपोलनयलातकतलधकधन्येजिभाक्षधक भोसिवभजवास्मन
धीविसभमलयावृजुया कलपोलस्येनकन्यादानविद्यधकं भमलयावृमा
कोनं भोवास्मनजितईस्वरिनजुलसानायलातकलकलपोलधकधन्य
पोलयाचरनसकोतिरनप्रस्कार भोयिताग्यावृकलपोलस्येनजुलसां
जिजुलसाईहियालविवाहारप्रधुनीधकंध्वयेयानिमित्तिननिलसंयाव
भोयिताध्वयनजिगुविनतिडेस्पविज्यायमालजिषनावदयादयकस्येवि
सांकुलपोलयाक्षेसवन्मेनुयोधकधयावृध्वयेग्याधवास्मरायागुभावाते

निमित्तिनल्लयेलसुजुईवनामहु कुयाकारनंहतारसनसध्यातर्पनधुनेका
थाससवयागुस्मस्तवृत्तार्तकवधकंधयाव धायेसिवभगतवाहनयागुभा
नजिगुनामजुलसांसिवस्मीरावाहनधुका भोवाहनजिगुलसांकन्यादा
ग धनि ग्रावतलेसुनाराजितकन्यादानविवमदुधकं ग्रावजिभा ग्यनगु
क भोसिवभगतवाहनजितना कालंदतोसुनानंकन्यादानविईवधकं ध
यधकं भमलयावमालजुलं आवगुमक न्याजितविस्येवि ग्यादुनेधक
ल्लयेलधकंधन्यरजी भा ग्यरवधकं भोयितासिवभगतवाहनधल
लयेलस्येनजुलसां गृधेधधेधकं आग्यादयकस्येवि ग्यायमयेधकं
निमित्तिननिलसंयाकार्येसिधजुईव ग्रावधधेचोनायाग्याहु मदुधकं
गवदयादयकस्येवि ग्यायमाल अवल्लयेलयाकार्येनिमित्तिनंजुल
वाहनयागुभावातेनावसिवभगतवाहनराधालं भोसिवस्मीवा

श्रीस्वस्था
१६८

सन धनयेतजिह्वचकुलसां धालखतुतिदशगुदधागुवैसतुनि कलयाल
थसवगधेविवाहारयाध भोवृधवासनधन्यनजियुत्रीधनतजु
समानथुका कलयालजुईवमाहाभयकरमुतिध्वत्तसाकन्याधनतआजो
नेनावसिवस्मानधाल भोसिवभगवासनकलयालसेनगुधेधे
कनथोत्तसारसमेववासनरांजितकन्यादानविईवमगु भोपितासि
यमाल धनजुलसांधोकन्यामविलसाधनतब्रह्महृथावियावधुगलि
गवासनधन्यनब्रह्महृथाकायला धनपुत्रीकन्यादानवियला नित
सनयाभाषानेनाव वयायहेमसिजाव अतिधंधाकायावचोन
यआदेसनकेनब्रह्महृथाकताजाकायला स्वाचकन्यादानवियला धे
नलवृधवासनयातगधेजियुत्रीज्वमपगु कन्यादानवियामवियधालसा
अवस्यनयानमोचकिव निधुआयानावचोन आगथीनवियरितयात

गुर्वैसतुनि कलयाल जुलसां थधीनल ज्वाध नृपदद व गुर्वैस सचा व ज्वा
 नजियु श्री कनन जुलसां अजोग्य धकं जि ल्या च जुलय प्रसुद रिरति देवी
 साक न्या कनन अजोग्य धकं धाया व भो न्य मसिव भक्त या गुर्वैस भाषा
 कलयाल सेन गुप्ते धे ग्या ग्या दय कस्ये वि ग्या य मये व कलयाल सेन बाहि
 ईव मधु भो धिता सिव भक्त धो न्ये यानि मिर्तिरा गुप्ता म कं न्या विस्वे वि ग्या
 मह्या विद्या व धु गुलि प्रा ना सं म च के जि नानि भय न जुल भो सिव भः
 न्या दन वि यला निता क ता वे त्ता ना व धा व ध कं ध या व ध ते वृ ध ता
 का या व चो न धन सि सिव भक्त धा ल न रां जुलसां गुप्ता व ग थ या
 कं न्या दान वि यला धो ते नि ना य स क ता या य माल गुप्ता व ग थ या य ध धि
 न वि या म वि य धा ल सा ग धे म वि म वृ ल ह ध्या न के नी व ध ज्वा ध धा ल रा नं
 ना ग थी न वि य रि त या त ध्ये दे व न जुलसां ग धि न सा सी या त धो उ वृ

निगुरु
 १६८

नुको ववस निभु क गां श्री माहादेव सने वसवो लयाद वरुन सराव विद्या
जुलसां जिन मवय के मयुध क विधातानं यात काथे याया माल गुा व
काल सवा सन यात जि ल्या च गो मय जु विद्य माल देवन जुलसां लला
वम सु कु या य जि ल्या च या गु थ धिन ला भा ग्य वित्त्य वन श्री माहादेव या
जुलसां मवय के गु जि गु सा मर्थ मरु ग्वल ईदु या सा मर्थ मरु गो लरा व
ईव दे ईवन जुलसां गल साल चि ना वत य धन कल आव जिन जुलसां
भाल या व ध्व ज्या ध धा सन या न्दे व न्ये धालं भो सिव स मी रा धा ल
लसां गुा मथे हथ्या विल ना व अव स्यन क नत क न्या दान विद्य जुल
कु कार न कु जि जि क्षे वने नु यो ध कं ध या व ना यं वो ना व क्ष स लि हा वन
यात सल ता व वनं थन सति ना म व ल्य निनं थन यु रुष वि ज्पा क गु रव ना व
चा य का व गाल नि या सं भो क यु या व थन धा ल नी रां ये नं भो यु रुष अ

यादवस्तुनसरायविद्यातवगुवसजुयमहुथोत्यनईस्वरयागु ॐभिआयः
तथेयायामाल ॐवगथययथासहथाकताकाकायमसुत धवृध
नदेवनजुलसांललातसचोयावतलं उगुलिसुनारांमेतययायकई
यवनथीमाहादेवयागु ॐभिआयजुलधकंतवतारांपुललातथोवः
मर्थमहु गोस्वरावरायासामर्थमहुजिथिरावहलयाकुसामर्थद
ॐआवजिनजुलसां ॐयालंखल्लनायाज्यामहुधकंधथेठवमनस
तोसिवसमीरावाहन ॐवजिनजुलसां कुयाय छलपोलस्यनजु
न्यादानवियजुल वलसहथाकताकाकायमसु ॐवधनाचोनायाज्या
वक्षसलिहावनं धनलिठवक्षेसथेनावसतिनामधुलनिकलात
वविज्याकगुखनावहतास्ननंताहायजोनावकोहावयावतुतिनियान
येनं भोगुरुव ॐमछलपोलनायं चोनावहथासयासुजुईव काय

श्री स्वस्था
१६८

वो नाव हया थो या नाम कु कु या कार्ये या निमिर्ति न धन वो नाव हया सम
धया व थो ते थ व पु ह नि या गु भा वा व च ने ना व सि व भ ज्ञा ह न धा लं
या य ध कं दे सर हिला व भि न स धा स रा त्व ल गु या स्व या श्व या था स ग न
श्व या था स ग ना रां म दु थो वे ल स क्षे लि हा व न्ये ध कं म न स भाल या व ग गा
सां गा य त्रि य स धा या ना व चो नं नि न थ या था या स स थे न क ल व ना थो
ध न का व जि वो ना व था स व या व जि के ने रां भो वा स सा ध कं छ ल यो ल स
ज्या ना छ ल यो ल या ना म कु कार न कु जि के डे नं थो य ल स जि रा धा या भो
जि थु का कु या गु नि मि ति न थ व या ध का धा ल सा जि ल्या च क स दु थो या त
ध कं माल गु या थु का आ र ज ना न म द या व जं गा या ति र स मा ल्ये ध कं
थ्ये जि गु भा वा न्ये ज व थ धा स न रां ल भो पि ता ध कं पु म कं न्या रा न
डु वे ल स नी स्ये ई ह या ल या य ध कं थ यु थि वि स भ्र म ल या व मा ल गु या

धनवो नाव ह्या समस्त वृत्तांतर आशादय का वस्य विज्या यमालधकं
 वभजत वासनधालं भोस्त्रिसतिनेराभिसग्वमयजुयात विवाहार
 स्वया भवयाथासगनारां मदुधबेलस गगायानिरसस्य धधकं वना स्वया
 मनसभालयाव गगायानिरसर ववा थोवेलस थोज्यावासरगाया जुलः
 ससथेन कलवना थोवासरानं जितरवना वहता रसनं सध्यात र्यन पाय
 ससाधकं छलपोल सुवव गनरां वया हु का ज्येयानि मिनि राधना विः
 यलसजिराधाया भोवासनधकं जिगुनाम जुल विभभगतधायास
 ल्याच छलदुथोयात कं न्यादान विरधकं भीनल वासन छलस्यय
 यातिरसमाल्येधकं वयाधकं जिनथुलिधाया भोसतिनाम वुलनि
 धकं प्रमकं न्यादान जित विवद ईवलाधकं जिधन जुलसां भिम सुदध
 मजुयावमाल गुया ग्यावत ज्येजित कं न्यादान विवसुं मदुथोतेन छ

निगुरु
 १६८

तयोऽनयापुत्रिजुप्तसंजितकन्यादानवियमालककंफोनंथोवेजसजिध
लसायदमसुदरीरतिदेविसमानवालरवतिरिहलखलजुलंधधिनह
पुत्रिऽपुजोऽयधकंजिराधायात्नीभोयानीधालनिथोत्पजिगुभाषाने
सनआसो कंन्याजितमविलसाब्रह्महथ्यावियावथुगुलियानमोच
यधकंतयारयानाबजिदेवनेधालंभोसिवभग्नधालनधकंछनयु
छतातकारनरांधावधकंजिरहवनेसधालंथोवेजसजिमनसभा
माहाप्रदोलजुलंथवग्वमयजुगथोथयानवियधकंहनब्रह्महथ्या
माकायपुधकंवरुथयानज्वमयजुकंन्यादानवियधकंथवब्रह्मनया
तिराथसिवस्मानब्रह्मनयातथ्वजोमयजुवियकंन्यादानवियमाल
धयावथयुरुषयावचनन्यनावसतिनामब्रह्मनिनधालंभोयुभुसिवभग्न
थिजासअर्थोरमुर्तिहब्रह्मनयाजियुत्रिजोमयजुयानगुरुवधकंभ

कंफेनं थोवेसजिधया भोवासरसधकं जिपुत्रिगुर्वगधिनसधकं पा
लखलजुलं धधिनस ज्वाध मयाव ज्वाध बगथे यथा हारया य धनतजि
नि थोत्तजिगुभाषानेनाव थोनेसि वस्मा धासरांनधलं भोसिवभगतवा
यावथुगुलिदानमोचकेनिसचयनव वधकं हथावियावदानत्यागया
तथासनधकं धनगुत्रिविद्यला वृत्तहथाकायला धनजुलसानितासः
वेजसजिमनसभालयाव ॥ प्रावगथेयायनालधकं मनसभालयाव
धकं हनवृत्तहथागथाकायधकं मनसभालयाव हरावृत्तहथाकता
यधकं ध्ववृत्तनयाहथासकास्येथनवोनावहथा भोयुीयथोयानिमि
रकं न्यादानविद्यमालधकं भोयुिप्रथयेयानिमितिनि थनवोनावहथाधकं
भालं भोयुभुसिवभगतजिगुविनातिनेस्येविज्वाद्रुनेकुधकं धालसा ॥ ग्राम
यजुयानगुरुवधकं भोस्वामि ॥ प्रम धासनगाधिनसधकं धालसा हथा

श्री स्वस्वा
३२०

व्यालधा लसाहि ज्वालये चोन मिपुत्वा कर्मिणा धालसा भनियाल स
पतधा लसामना व हासरा नहि सुतु न व सुतु धालसा ला लये
रमुति लिथ थीन समुतिलि धालसा नयात गथे जिपु विज्व मय गुवि य
जिपु निगु ईव अनि कमल मुति तप ज धालसा म ध्यान या श्री सु र्ये या ते ज
तल क्षि बत मान बा के धालसा क धिस मान धठि न सय व ल सुदुरि स
थे विद्यते ना भोगुरु व ग्राम धालसा नरां व स ह ध्या विद्या नं छ ल यो ल या त ह
ध्या विद्य क क ध्या नारां छ ल यो ल या त ह ध्या ला ई व म सु चा स चा या व वि
गु सिल संयु य ध कं छ ल यो ल सु संवा का या व वि ज्ञा य मु च ल ध कं
३२० धालसा या त जि स्या च ज्व म य गु न स १ द दु स ग थ ग थे वि वा
य धा यां य न पु न सां जि गु भाला गु ल ध कं गु न्या य क ति न थ का म स ने
या त वि य म गु नि भु न वि य म गु छ ल यो ल स्ये न वि धा ल या ना व स्व स्ये वि ज्ञा

गधालसाभनियाल सधालसासकल्ये भुईव वाधालसाभाहाकलरूप
मुनुधालसा लालयेले हेनहायकाव सधालसास्वनिक् भुतिभक्कः
नयुविज्वमय भुविज्वयथा नजसालासकं नारा नगथेविज्व भोयुभ
ध्यानयाधी सुर्येयाने जथे रोन धालधालसायुरेच समाथे रोन साकाः
नलपदल सुदुरिल्ल ज्वमय भु अथिनल्लिनाहारल्लः धालनयातग
यानं छलपोलयात हथा भुईवला मेवया स्यायम चाविलधका वल्लह
मभु चास चायाव विज्जायमते भोस्वामिध्व वल्लरानं हथा विलसांजि
विज्जाय भुम्वलधकं बालरवव वृधव गथेवि चाहारयाय हायां रुयद
डुल्लगथगथेवि चाहारयाय भोयुभस्व वृधवथथेम विज्जानं धकं
गय कतिनध्व कामसनेत्य व दोलधि वल्लह धारां लातसा ध्व ज्वाध्व वल्लरा
लयाना वस्वस्ये विज्जाडु न्येधकं हरां ध्व संसारसध्व छल्लजकदतला वल्लन

निगुरु

१७०

मेवमब्राह्मणसुमदु ला। भोयुभुधयेन भ्यामब्राह्मणायतविद्याविद्याबलि
नामब्रह्मनिबसंम्यादेयाकगुषनेनाव सिवसत्पीयासनसांधालं भोम
धिलंदव गुलिछियांमचासराजिथीकलात गुलिछियां ज्वाथसयात म
पुरुषजुयावयेन थोतेनईस्वरिसांतुयातगुलसांतुतिगेनकं ऋषिसया
धकं हरांगुलिछियांकलातलिहेथुं देधुदव गुलिछियांकलातंसदु हरा
यांमचावाचायकोदुधनमदु हरांगुलिछियांधनंसदुमनंसदु मचावा
तंसुवधियावतवगुमदु भोमानाधसंसारसदानारां कुलालयावलच
कल्येआधजुई जिथिजुईव थयेजुयावदि लाववशिवाव थजितसदा उ
लनायाज्यामदु छमित्यनअमकंन्यामविलसा भुवसेनब्रह्महथावि
कं भोमानासति धतेजिनजुलसांतुति शाययधुन विद्यलावतसावि
यास्त्रिपुषयातनिस्रयानं भुमिसरायविद्याव छनगुदुवारसतुं थुगुलि
लधकंधायाव प्रनामयानाव थवब्रह्मरादनजुलसांवागुधकायाव यानत

गलरायातविद्याविद्यावलित्ताछोवधकंधायाव धनेसिवभगतवाहनं सति
स्मीप्रालनरांधालं भोमानाधसंसारसं ल्यास्येसंदव बालवसदव जि
लिछि यां ज्वाधसयात मचासकलात गुलिछि यां ल्यास्येसकायातस्त्रि
उतिगेनकं ऋषिसयाक हरां गुलिछि यां महासुव गुलिछि यां महादुव
लिछि यां कलातं महु हरां गुलिछि यां धनयकोदु मचायाचामहु गुलिछि
नं महुमनं महु मचायाचामहु भोमानाधसंसारसं देवन जुलसां सुया
नारां कुलालया धलचाहितुं हीलथें हिलाव वनिव कथथं कथनं स
ववशिवा धजिउसदा उथं मचोन भोमानाधोतेयानिमित्तिराधुयालव
धुवसेनब्रह्महथाविद्याव थोबुननिनमोचकेत्यल निस्वयनजुलध
धुन विद्यलावतसावित्येविज्जाहुने विद्यमधुधकधालसाकपनितः
नगुदुवारसतं धुगुलिसरायविद्यावगिनधुगुलिपानमोचकेनिश्चयगु
सावाधुधकायाव पानतोलेनेन दयारयानावचोन थोनलिसिवभ

श्रीस्वस्था
११५

गुणसंगं न तुल्यं सिद्धसर्वान् नाना राधवक्षेस्युन मोचकेनेन
सिद्धस्यैवास्मिन्नेव न्येधालं भोवास्मिन् प्राप्तरजिगुलिरवधगुनि
तेन न कनतजिगुविज्वमयजुकन्या कनतदानविद्य भोवास्मिन्
कंधिजिवावशनिभ्येन कलयेलयानजिस्वाच ज्वमयजुविद्यजुल
नावभीनकोधासविज्यातकाव अनिश्चानदनया नावबोधविद्याव
थवकलानया न्येधालं भोपियनित्यनिआवपुधिकं रवल्हाना
फेनवल उषुनुमालकोसकतापुन भोसतिवृत्तिनि उषुनुभीसाको
धीमाहादेवधुका धोनेयानिमितिर्नधीमाहादेवयागुप्राज्ञालंघना
विद्यागुपुभिसराय जुलसांत्यनिसकोतिदेवलोकदको धमगुयहे
जकहालावकाय देवनगथेयानकलपुथेयायमालधोनेनदेवया
यागमेमदु कंधिजामवहलयाकुसामर्थद्विभोस्तिथोनेनप्राप्य
आदकन्यादागाविद्यया तसामागितालुलानकिप्रध्वक्यया

वक्षेस्पृष्टानमोचकेतेनगुर्वनावहतारसनवृद्धदनाप्रहरिरधकहालाव
 प्राप्तरजिगुलिरवधगुनिम्वयानतोलनस्यविज्यायमते निश्चयेनस
 विषय भोधासरासिसानसेनधायानजिनमविषला भोसिवसर्माध
 नचज्वमयजुविषयजुलधकवोधविद्यावतुतिसितकावक्षेसथातायना
 नयानाववोधविद्यावलं धोनलिसिवभगजधासनरांजुलसां
 नावपुधिकंरवल्लानायागुनमदुजिगुवनेन गुवुत्रभिभुक्तनभिक्षा
 वसनि उवुत्रभीक्ष्णोन्नयवस्रभिभुक्तजंभमषुकेगिनिमषुथोजुलः
 देवयागुप्राशालंघनायायकईवमषु भोसनिवास्निधीमाहादेवन
 लोकदको धनगुपछेजुयाववलसां थुगुलिन्नायवसजुईमदु छन
 यायमालथोतेनदैवयातलंघनायायमजीवदैवयातलघनायायगुसु
 भोस्त्रिथोत्तेनप्रापथ्यतेहाः अविद्वैषल्लानायाज्यामदुप्यद्वै
 तकिप्रः ध्वकंप्रयाप्रः थ्यतेथवत्यामियाभाषादेनाप्रः ततिना

निगुरु
 १२९

मवस्मनिनजुलसां प्रत्येग अभ्येग माधनविलाययानावधालं भोदै
मगनावगुग्गाधवमचावविवाहारजुईगुत्वयमाल नेयेनायमन्या
नभ्याहानिर्विद्यविधानानं जुलसां नृसदउसवालवयात नृसदउह
कल भोगुरुवयेसेविज्याहु नयेउगुनुजोतिकनयनित्यनसास्वस्वयाव
गधधिनलसुंदरिलयुत्रिदव गधिनलधलसाधयुत्रीजुईवधकंधालस्म
हनयुत्रीजुलसां माहातवभाग्यवतजुईव हनराजलक्षराननु ध्वजम
नयातकावयोनिवध्वकलवजुलसां पुनिलक्षनलाक हनंधवालक
नेधालधकं प्रत्येग जोतिकयंरितयनित्येनधालं ध्वसास्वरागु
स्वयावयोनेमाल कुद्यानागुयापनजिस्वाचयागुतजुलसां धधीनल
नावतवमडुनिजिपनित्येनजंहु प्रकर्म अकिंतीयानातयागुमडु
धकंधायध्वलविधानारववकुदोनमदयकां ग्राहाउगुनुभिक्षायेन

पानावधालं भोदैवधकं हायहायदैवगधिनः पुरभुतः व्यास्यर्धेधकं
माल नेन्येनायं मन्धाना हायरजिस्वा चयागुललातस गथावमनयो
लवयात रुयददुल ग्याथवविगुहवयानावजितथधिनः युवस्थान
नित्यनसास्यस्वयावगी नैव न्येधालं भोवास्तिनीधकंधन्यरु नगुभा
युत्रीगुईवधकंधालसावतिसलक्षनसमस्तसजुक्तुयावचोनस्महन
जलक्षरानदु ध्वजमयजुरानिगुईवधकंधालगुन्येकलोक कतकनंमा
नलाक हनंथवालवचोनगुथायसलक्षिन्नवासपाशिवधकंजिनेव
धालं धसास्त्रयागुवदकोरुथाजुलहायरः प्राहारगधिनवियारितजुल
गतजुलसाथधीनस ग्याथसगुहवसमानजिस्वा चनगांरुपायया
रीयानातयागुमदुःखधनंथधीनगुवियारितगुस्वयमालधित्कारः
हाउमुतुभिक्षायेनननसमीमाहावजुलंसावमन्येधस्वमीमाहादेव

भीमस्था
१७२

ननुलसांधधिनलनवालनयानलनधधसरायविद्यगुअजोपेधधिनलन
वभिडुकसुयकायावजियुवियातभुभिआयवियावविज्यातआवकु
जुईव देवनयातकाथेयायमालजियुवियाधनभाशकुयाय सुनारांया
आयजुलसां सुनानमोचकेफईवमधु तेनिसकोतिदेवलोकननुलसां
विवमधु धन्येदेवयातलंघनायायजिईवमधु देवसमानवलवतमेव
जिजकहालावकुयाय प्रावगधयायमाल धधेयात्येविज्याहुनेध
नावसिवभगतप्राप्ताननुलसांधालं भोस्त्रिसतिधन्यरकुविजाति
सिव भोस्त्रिप्राप्तनिप्रावधसिवस्मानप्राप्तनयातभिनरपथदिरय
कोयावतिवधकंधायावधन्येधवयुरुषयागुप्राप्तानेनावतत्कारनं
कोठासभिनरगुलासालायाव धेन्येकोवधकंधायागुनेनाव धते
वकोथासदेनवन धोनलिराविद्यासयस सतिनामप्राप्तनि

ॐ अओ गे ध धि न ल स वा ल व स्व या व जि म ड गु वे ल स ह ल क प त न लाना
 व वि ज्ञा त आ व कु या य जि स्था च या क पा ल स क म ग थ चो न गु थं
 र कु या य सु ना रां या ना रां म चा व वि स्ते व न भी मा हा दे व या गु भि
 ति दे व लो क न गु ल सां जि स्था च या य क्ष गु या व व ल सां ध्व स रा य व स गु
 व स मा न व ल व्र त मे व म ड भो पु भु आ व कु या य ई स्वर न त का थे गु ई व मि
 धि या स्ते वि ज्ञा दु ने ध कं धा या व ध ते स ति ना म क ला त या गु व च रा ने
 ति ध न्य र क वि जा ति गु स्य न क न गु ल सां गु ये ग ई स्वरि या गु म हि मा
 या त भि न र य ध द्य का व ज्ये ना व्या लि या त कि व भी न गु को ठा स थो ने
 ग्या ने ना व त कार नं अ न्ये ग य द्य ध द्य का व व्या लि या त का व भि न गु
 धा या गु ने ना व ध ते सि व स्मी रा धा स न रा गु ल सां वे लि या य धु न का
 स स ति ना म धा स नि रा गु ल सां ज्य म य गु या ह व न्ये धा लं भो गु वि श्व

नि गु ह
 १७२

मय जुः प्रादु नत विवाहारयायते लध्वुधालु प्रालन छ नत युत्पु जुल
नववत्स भी कुक जु कलसां श्री माहादेवधुका वयागुसरायन केन न
या विवाहार जुय मालध क धा न गु न्ये ना व धा व गु म म सतं तुललात धवं
स्मि प्रालन नृय दद गु व पु वये न व व ध न्य न श्री माहादेवया गु दं व रु
छ न म न म स विवाह जुय म ते व देवया त लं घ ना या या जि ई व म सु विधा
गु वि छ न ल ला त स चो या व ह ल गु लि सु ना रा मं व च य रा ई व ध ते या नि
गु भा ग्य थ थे जु ल जि न कु या य ध क य रा थे न बो ध वि या व को त या व चो
ना व मो म य जु न धालं भो मा ता छ ल यो ल य नि स ता न कु दो ष म ड जि गु क
ग्री मा हा दे व न वि या गु स र य जु ल या सु ना रा म म य क ई व म सु म क या न
य भो मा ता जि गु पुं हं का र रा जु ल सां जि हे कु न उ वु न भि ला को न व व ल
न धा ल सा जि गु लि ॐ हं का र रा भि क्षा वि ल म य स्य ध या त ल न का व न

मनकननगुरुपुत्रल (भोगुत्तुवविम) भोगुत्तुवमयगुनेनउत्तुनभिक्षाको
गुत्तुसरायनकेन नृपदडलजाथनाय नृपदडलकं-या छमिनिलस
मत्ततंचुललातधकं भोगुत्तुवनगुलसाहसददतरववधुका थोसिव
माहादेवयागुदंवरुनविवगु आय गुलसाहनभोगयायमालं भोगुत्तु
याजिईवमगु विधातानयातकाथगुईवहनमरासकुदेहकायमते भो
गईव धतेयानिमित्तिनहनदुसतायमते जिमित्तकुदानमदु हन
विद्यावकोतयावचोनं धनलिथोनेधवमामयागुवचनभाषाने
नकुदोषमदु जिगुक्रमसचोयागुलि छमित्तकुयादोष भोगातागुत्तु
मदईवमगु मद्रयानजिगुलिललातसचोमेतयागुलिजिनपुयातधा
नुभिक्षाकोनवचल भिक्षकजिमनसजाथी माहादेवभालयाधकं छ
धयातलनकावतयाजिनगुलसाजिनगुलसाधुकोनलेवचोना था

श्रीस्वस्था
१७३

ब्रह्मस्यो लयागु श्रायनकरा भोमाता ध्वत्पन जलमनुष्येन जुलसां रुपा
ध्वत्पभि भुक्पात भिक्षा मविसे कोतसा व्युवस्यन जीतये जुईव भोमा
भुक् जुलसां श्रीमाहादेवतुं भालयाव भिक्षा कुत भुत वन्यमाल ध्वत्पन
कुतसा ईह लोकसंघुर लोकसंगतिमदु भोमाता जीगुलि व्युहंकारनरां धु
रनमनुष्ये लोकनास जुलजि जुलसां व्युहंकारि जुयायानिमित्तिरां श्रीमा
सां व्युभि श्रायवियका वजिगुलि व्युहंकाररा कुतिन कल भोमाता देतिस्वे
भेद्यधारि श्रीमाहादेवयागुदम्वरुन विद्यागु सराप विद्यानाथगुलं च नायाय
ल व्युथमयास्ये मगा क व्युमवात्मन ज्याध जुलसां धुसि जुलसां माहादरिद्र
कि जुलसां नं गथिन जुलसां न जिगुलिक मर्मस चोना ध्य जुईव छल यो लया
थिन वृध काल लय सुखलात ध्वद कोस कतां देवराधा यधुन ल व्युव कुया
गुमदु श्रीराम चंद्रयायति जुलसां देवन लिनाव सितायात हरनया ना व वन वास

ननु येन जुलसां रूपालातकं थवक्षेसभि भुक्त्वा वा भिक्षा को न व ईव
 जीतये जु ईव भो माता धत्तेन यानि मिमिनि रूपालातकं को न व वत्सभि
 नयन्यमाल धत्तमनुवेद्या दुर्गतिना स जु ईव सुगति कुललाईव भिक्षाम
 गुलिः पुहं कारनरां थुगुलिः प्रायन केन भो माता धत्तेन स मत्तः पुहं क्त
 यानि मिमिनि रां श्री मा हा देव जुलसां भिक्षु कया रूयधरलयाव दम्बरु न जुल
 कल भो माता टेति स्कोति देव लोक दको जिगुलियक्ष जुयाव वलसां न थ
 माता थ गुलं च नायाय क ईव मधु भो माता विधाता न ग थ जव सा हा र चि ना वत
 सि जुलसा मा हा दरिद्र जुलसां रोगा हा जुलसां कुष रोग न थीलसां मा हा त
 थ जु ईव छल यो लयात कु रो मधु भो माता युर्वज न स या गुयाय न थ का थ
 य थु न लः प्राव कु याय भो माता पिता देव न जुलसां सुयातं सुव विद्यावत पा
 न हरन या ना व वन या स जुय माल धकं मा हा क व न य माल ह न जु धि सि र

निगुह

१७३

माहाराजयामथिदैवनलिनावसिनायातहरनयानाबबंगसजुयमालध
चोनेमाल हरांश्रीमाहोदेवयामथिदैवनलिनावकालकृतनुयावगलये
ठिदेवतायातदैवनलिनावतकावमाहादुषसियावचोन्यमाल भोमानाहन
लिराजासमानदानामाहायुतायिमेवसुंदबला हनयरसुरामसमानधनव
सुदबलाहनश्रीरामसमप्रतश्रीमाहादेवसमानसतवधनसुदेवतामेव
लिनावमाहायुवकानयमाल भोमानाथनेयानिमिर्निरादैवलघना
नजुलसांरुणालातकंललातसचोयावदयागुलिसुनानंमवयकेवमयु
भोमानामेवनमयुगथेधालसाधर्मकाकलनसुखभोगयायदईवया
सांयुर्वजन्मसयाययागुनिमित्तनथुका थथिनसज्जाथसयुरुबलातभो
भोमानाथनेनविधानाधायामाहातवधानधाय भोमानागथधालसा
धिकलरांमताहावकिसिधकं विकिधीकलसायाईमिमिलचा थयनिष्ठदुष
निनगथईस्वरनयातकलअुथेयायमाल भोमानासमुदुदेवरोदुधकं ०

न
गवर्गसजुयमालधकं माहाकठनयमालअनेग पुन्यगदुवरायाव
कालकृतउयावगलयोनयाथातकावतयमाल ध्वयेनयैलोकेयामा
मोन्यमाल भोमानाहनंजुधीरिसमानधर्मामाराजामेवसुमदु हनं व
यरसुरामसमानधनवधोरिमेवसुदवला हरांक नसमानलतागि मयव
ननवधनलेदेवतामेवसुदवला भोमानाथयिनदेवताया माथिदेवन
निमिर्निरादेवलघनायायगुगेलेदेवतानमयु ध्वयेनईत्विधिता
सुनानंमवयकेवमयुधकं भोमासुवदुखजुलंथवगुकरालसथुका
सुखभोगयायदईवयाययाकलिरां माहादुवकवनईव भोमानाजिनजुल
पाथसुयुरुबलातभोमानाम् मिसचोस्यतयागुसुनानंमयावकोयमयु
भोमानागथाधालसातबधानमधावचिकिधनमधानबगथेलसातव
मिलचा ध्वयनिष्ठदुवदयकावन्विद्यानावलल भोमानाध्वनेयानिमि
मसुदुनेवरोदुधकं अयाललंरवंवईवमयु थलसनेकोजकवईव भो

ॐ श्री स्व
११४

माता धर्मे नमः मुद्रा नारां धर्मे कथा लहना नंधल योत धुका धर्मे
ता धर्मे नमः पुमवा लन ज्वा धर्मे जुलसा दरिद्र जुलसा कृष्ण न थी या व-
ध ल यो ल यानि स्य न ग धे या य माल पुथे या स्य वि ज्वा रु न्ये ध कंध या व-
ना व मा म व वुरा धा लं भो यु वि ज्वा म य जु ध ने ध ये कथ थि न ल वा ल-
सि सि व धे ध ये ध न गु शान ध कंध या व च किं स्व स म चा ख ल न-
य मा स मे के दार ख दे कुमार पु ग व स म्बा दे सि व स्मी न ग व म य जु वि वा हा-
भो पु ग व मु नि ध न लि या त काल जु या व सि व भ क्त वा ल न रां जु ल-
न क ल हो या व लि लु सि ध न का व स सान का व भि न गु व स न पु न क-
नि लाल हि ना व न ल ध न लि थ सि व स्मी वा ल न जु ल सां नृ-
त जु या व व लं स्य न्य ल पा य मो धे व ल र या व व लं नृ या या सि नं कि म ने र-
वा ल न वा न ला ना व व व र व ना व मा हा ह र्ष मा न या ना व थ न सि व भ ज

धलयेतथुका धत्तेनिमिर्तिनः अधिकं स्वल्हा नाया गुनमदु भोसा
 मसा कुष्ठनथीयावचोनसां रोगा हा गुलसां जिगुलिभाविननबल
 वज्याहुयेधकंधयाव धत्तेथवल्हा च ग्वमय गुया गु वचनभा वाने
 धये हथयिनल बालव वेल जुस्यन पुने गग्यान गुरापुरा नादिस्म
 हं स्वस्म चास्वल्हा नावचोन गुल इति श्री स्फुट उपुरानेमा
 मीन ग्वमय गु विवाहारथी स्वस्थानि प्रथमं धाय १६ स्फुट उवाच
 वभक्त धास्मनरां गुलसां सिवस्मीन धास्मनया थास वनावन उवो
 अभिन गुवस्मन पुनका वभिन भिन यदीथरां भोजनयात कावलधि
 मी धास्मन गुलसां नृयासिनं दुगतधि वानलाना ववलं लहसुपो
 नं नृयायासिनं ऊमनेदाया जउभनिथे वानलाना ववलं धसिवसमी
 याना वथन सिवभगत धास्मनरां गुलसां सतिनाम धास्मनि सने वन्ये

निगुरु
 १२४

धालंस्त्रिभोस्त्रिग्यावग्बमयजुपातकं न्यादानविद्यते तल आ वसमागित
हातकलकोवधकधायाव हंसाभिनर जोतिस वासनयनिबोनकलकोव
ये पुन्येगसामागिताललातव माहासगलजायायानाव माहासुवे
यातकावजशकुसदलयादेवनेस्मस्तमंगलजायायातव गुरीघनपु
कमनिमानिकरातिसानतितकावजशयादेवनेनयाव पुनेअनेकय
कोषायेकावभिन्नगुबस्त्रयुनकावभिन्नगुसुवेलासलातकाव सिवभ
यजुक न्यादानविलं थोनलिग्वमयजुनजुलसांसिवसर्म वा
कावअनेगवास्त्ररायनिष्ठसुवर्गादहि नाविद्यावचोनावचोतं धन
वेदसयचारनरां वासनयातपुजायानावलकहि सुसादानविद्याव वा
यावकोतं धनस्मस्तविधिधुनकावधवधिथियतिस भोजनयायधुन
लताधवस्त्रामिसिवस्त्रा वासनयातभिन्नगुभोजनयातकावभिन्न

नेल आ वस मा गिता ललात कि व हरां थ व थी थी हाल नाल य निपा हाः
न य नि वो न क ल के व या व दिन स्व त का व दिन क ना या त धन लि भ
या ना व मा हा सु ये ला स भि न र वा ल न य नि स्य न जु ल सां च रु ये द या र न
या त व पु रीं घ न ग्रा दि न त या व ह नं गु ल कु मा रि स हि त या ना व अ ने
या व पु ने भ ने क या म नि मा नि क या ग्रा भ र नं रां पु न का व र ल माला न
म ला न का व सि व भ ग्न वा ल न रां गु ल सां सि व र्मा वा ल न या त ग्व मः
गु ल सां सि व र्म वा ल न या च र नं सं भो क पु या व स्वा न माला न को षा यः
व चो ना व चो नं ध न सि व भ क्क वा ल न रां गु ल सां ज ज स पु रीं या ना व
ह सा दान वि या व वा ल न य नि व पु ने पु का र नं भो ज न या त का व वे ला वि
न भो ज न या त पु न का व वे ला वि या व हो त ध न सि ग्व म य पु न गु
ज न या त का व भि न भ नि गु व र्मा रां पु न का व मा हा नि दान या ना व ल हि ना व

श्रीस्वस्था
१७५

तलहन्तभिः नगुवा सलचिक नवुय कावतलं हरा वानलात कावलहि ना
नथवयेथे सुवनतया वतलं धनलिसियसर्म धास नरां जुलसां थव
स जुया वना नापुदार्थ भोग किदा या ना वयस सुदरि ग्वमय जुनायं ता का
या ववलं ६ रुया दिनस सिवसर्म न धास नरां जुलसां मनरां भालया
गुता का लदत हनं जिगुसरिर रां पुस जुया ववलं आवथ ना चो नारा
वगुक्षस गथ २ जुलरेवं विचालस चालया कसुमदु ता का लदतो थ ना च
लिनि वयेथ कं वेला का यथ कं मनरां भालया व मास ववु थ व कलात
धास नरां जुलसां वेला कोने भो माता पिता ध्या वजि धना मो ना गुता
लवे मसिया सुनानं विचालस चालया कसुमदु धने न ० ध्या वजि वयेते
सिवसर्म न धास न नि ला जन या गु वचन भाषा ने ना व मास नं व वरा
भो सिवस्मा जि ला जन ने विज्या दु न्य छल बोल से न जुलसां थु मथ

मलातकावलहिनावरुष्टपुस्तजुयकावालहिनावतलं हनभितरकथ
 मिनरां जुलसांधवकलातकागुलाहातसलानावथवगुसरिरुष्टपु
 ज्वमयजुनायताकालंभोगद्यानावचोनं थनलिथथानुंयिदनिदद
 लसांमनरांभालवावधालं ७प्रावजिनजुलसांधनवद्यावच्यनावच्यना
 वं आवधनाचोनारांजितनिरभामजुलथथचोनारां थवगुकुलथ
 ताकालदतोथनाचोनावचोनगु ७प्रावधनाचोनमजिलंकेसदधु
 मामववुथवकलातज्वमयजुथोयनियोनगुथासवनावसिवस्मीन
 वजिधनाचोनागुताकालदत्व ७आवजिगुलि कुलक्षमगधोंगथो ७
 तेन ७प्रावजिवयेतेल जितवेलावित्थेविज्याहुनेधकंधयावधते
 तेनावमामनंबवुरां कलातनंविज्यायमतेवधकंस्वस्येनधलं
 तेनजुलसां ७पुमथ्यधकं ७आग्यादयकेस्येविज्यायमतेव थनचोन

निगुथ
 १७५

सा शुनाचोनसां छलपोलया गुममुला थोक्षुधनसपतिदको छलये
उदवला कायधालसा ह्या रुधालसां छलपोल छलथुका जि के दुधेयु
यधकंधायमने छलपोलया छे सधनयेयि बोया वस्त्रन कल कोयविज
भावा नेना वसिवस्त्रनराधलं भोमाना यिताउ सेविज्याहुने जिनग
लानिलाया छालथुका जिजकसुया भलसान चोनेथुका क्षसजक
रनलिहावयथुका जिजकसुदव छलपोल बाहिकन जिमिगति मेवम
लसांमिध धालसां नयमदुवे लसरा कावतवल छलपोल कसातमदु
हनदेव गुरुधायाल छलपोल यनिथुका थचेन भोपिता छलपोल यनिने
धया गुलिछु निद्योयिद्योवनथेवनीव भोयितामाना थोयेयानिमिति
कंधरा व थनेया सिवस्त्रनया वचन भावा नेना व गमयजुनधालं भ
काव जिजक गथेचोने मिता जानिया गुरुव विनारां गतिमेवमदु निव

नसपतिदको छलयेलयागुमभु भोजिलाजनभाजुजियनिसयाजक
सुधकाजिकेदुधेयुधेनयावःग्रान्दयानावचोव भोजुवछलयेलविष्ण
सुधनकलकोयविष्णायमुष्वा लधकंधयावधत्तेससलववुयाववचन
स्येविष्णाहुतेजितगरोधयमतेव जिवनावल्लिहामवयमभुधुका धि
धोनेधुका क्षसजकगधर जुलमजुलगुविचालसचालयानावतत्का
कनजिमिगतिमेवमदु जिजुलसांसासववुछलयेलधुका हनईधुधा
छलयेल कसातमदुगुवेलेस कलानदयकावविबल छलयेलधुका
पिताछलयेलपनिनोलसाव जिजनबनेनायावामभुधुकायिलानिला
गताथ्योयेयानिमिर्तिन जितगरोधायमतेव वेलावित्तविष्णाहुनेध
गवमयजुनधालं भोत्सामि छलयेलवियधामते छलयेलमदयः
सांगतिमेवमदुनिभ्वरन छलयेलविष्णायधायमतेविष्णायजुलसा

धीस्थथा
१७६

जिनायं वयनि न्यायन व वध कंधाया व ध्वये जवमय जुया व वन भारगडे
थय मेने कान धातसा क जुलसा मयास्य भाव नृति दगा क वो नाय न्यधा
तय थन रु वयथो यदाथ दिय का व नया व चो नह्य हरां क जुई व पुनिके
यर्वन गया व वन्य माल हन ताय नो व धाय महु क स व व ल ध कंधा य महु
क ध कंध य महु नाय न य स ल महु या स चाल धाल महु गन राल व महु
या व चो नह्य क सुधा या हा व ने माय म न्या नाह्य थ थि रा ल ग थे यर्वन गया
या भय सिंघ या भय साधुर या भय गुजर मया भय किसि या भय भा
या व चो नह्य क न नु जुल सां सु नारां व ना व हर न या ना व य नि व जि जुल स
व भो पिय ह न ल ये स व या भय द व ल ये स व न्ये वे ल स ना ना पु कार या
भो पिय सिंघ या नि मि निर्न क व य धाय मने थन मा म व व या न सिंघ
व्याधु का पिला या ला ध या गु ने दो ये दो व न गु थे म बु ला त कार न व नि व

क

नयजुयावचनभारगडे नावसिवस्मीरांधलं भोग्यमयजुधनजुलसां प्रम
हताक वो नायन्यधालसाजिह्वसंधनसपतिहु नमदु जिनतहु नकाव
हसंकुजुईव प्रतिको मलसरिर जिह्वेसको नावयन्यधलसा धमागक
सबबलधकंधायमदु बागाकधकंधायमदु चिकुधकंधायमदु यित्ता
ममदुगनरांलवमदु भोग्यीयकजुलसां प्रतिको मलस माहासुवसि
पेशासगधेयवर्तनगयाबन्धे हसंवतजंतुयाभयलसभयदुहुहु धालसाधि
य किसियाभय भालुईत्पादियागुभयदु हनंकुजुईवमाहायमसुदरिजु
नावयनिव जिजुलसांधथिनस जाध थवेलसक वजिवगायमालि
मेलसना नायकारयाभयदवधुका हनंकुजुलसां नायकईवमदु
नमासववुयातसिवायानावचोव जिजुलसांहकं पिलाया लायागुः
ला तत्कारनवनिवधुका कजुलसाहतासचायमतेव जिजुलसांध

निगुरु
१७६

वृक्षेस जक स्वयाव वय गधर जुल व्यं धं वि चाल सं चाल या ना व
ल स्व ल व य धु का छ ल या य गु म सु जि जु ल सां प्रा सा भ ल सा द को छ न के
व जि न ध या थे मा म व गु या न मि बा या ना व बो व ध क ध या व ध ते च र न गु
थो न लि भो स्वा मि ध कं छ ल यो ल से न जु ल सां ये से वि ज्ञा ५ ये जि जु ल सां
नि गु म सु त भो पु भु छ ल यो ल या गु छे स ध न सं य ति म द न सां छ ल यो ल से न
दा न ला त सा जि न दा न ला य धु का छ ल यो ल गु गु लि ग ति जु ल जि न उ गु
ल सां मा हा सु व गु र्बु धु का छ ल यो ल या दु व जु ल सां जि न सां दु र व गु र्बु
या भ य व न ज तु या भ य दु ध कं आ ग रा द य क से वि ज्ञा तं छ ल यो ल द न
चि कु सां ता य नो व सा बा दा व सां य स न दा व सां पि ता न सां या स या या
सु व धु का भो पु रु व स्वा मि ध न या नि मि ति नि जि न वा ना व ना धे म ते
हा सु व गु र्बु धु का भो पु भु स्वा मि छ ल यो ल से न जि न वा ना व ना धे म ते

वचालसंघालयानावजिवरथुका भोपिचजिजुलसां नरां छ नगुब्बा
साभलसादको छनकेथुका भोपिचसुदरिछन जुलसां गुमथेधयमतेआ
कधयाव धतेचरनगुरुवरागुग्राज्ञानेनयव जवमयजुन जुलसांधालं
विज्यादुनेजिजुलसां छलपोलमदयकाववाद्यलिसुधाजिगुसियानले
मदतसां छलपोलसेनकुनल जिनउगुलिवसुकजिनयथुका छलपोल
लिगतिजुलजिनउगुलिलिगतिजुईवथुका छलपोलयावुननगुलसां जिजु
सां जिनसांदुरजुईवथुका भोत्तामिलसवनजंक्काभयसुराभयधात
ज्यातं छलपोलदतनावजितजुलसां छुपाभदईववर्तगयमालसां
गतातसां व्यासयायावलसां छलपोलनायवनेचोयेदतनावजिमाहा
जितवानावनाथेमतेधकंधयावजितदतधकंधालसां छलपोलयातमा
मजितवानावतथधकं गुाशादयकसेविज्यायमतेव जितवानाता

श्रीस्वस्था
१७७

धलधकधालसांजिनजुलसांधुगुपानतत्कारनत्यागयानावकोयनि
जवयधकंधायावधननधवस्थियाजोमयजुयावचनभारवानेनाव
यातनावजिनजुलसां आवकुधायधक आवहनमामववुयाके
आग्यायेनाववजवमयजुनजुलसांधनमामवुयायाकेवेलाकोन
नेजिनवेलाविस्सेविज्याहुनेधकंविननित्यातथोनेजवमयजुयावच
चिगोमयजुहनगधवेलाकायाहननायंजियनितोहनेजुमनदतल
बालस्ययावचोयेसुयातसलतावजुयसतानमदयावअन्यगजत्वध
यानावकोनावतयाध्रावहनजियनित्सधानावताथमतेनालाजि
हनकेतयावचोनाध्रावजियनित्सेनहनतगधचलतावकोयभे
येहानधालसाजियनिसयाकायधालसांलुयायधालसांकुहसदत
नारांजियनिलहिनावतईवसुनारांजिमितलंरवतोनाकिवहनदत

यागयानाव छो यनि भयन जुल धकं सित मात सा हल योलना यस
मावचन भारवाने नाव सिवसर्मान रांधाल भो सिव हन आ मथ्य हथा
हन मा मववुया के बो लानि का वंधकं धयाव अत्यथ वयु रु स पा गु
गाया के वेला के न धन लि भो माता पिता आ व जि स्वा मि व ना वं व
थो ते ज्व मय जुया वचने नाव भारवाने नाव मा मववु न धाल भो पु
नि तो लने गु मन दत ला धकं ह स दत नाव जिय नि गथ्य चो न्ये गु सुया गु
र दया व अन्य ग जत्तया नाव श्री पर मे अरि श्री गरो सया के मा हा क ह
व ता थ्य मने ना ला जिय नि जुल सा ज्पा थ जि ठि जुल आ सा भल सा
थ्य च ल ना व छो य भो ज्व मय जुया च हन आ मथ्य धाल सा ज ग थे चो
धाल सा ह ह स दत भो पु त्रि ह स दत ना व थ्य या न ले नि व म यु त सुं
र व तो न कि व ह स दत ना व ह न मा म न जि न स न थ जु लो भो पु त्रि जि

निगुह

१७७

पुनि ॥ पुणार्थानावक वये धाय मने गथे धालसा धी-राम चड्या भाज
मोलता बस्य जीवात्स जुईव अथ क मदन नाव जिय निसया घारा घउति
निरिह सस्त्रिपुरुष या वचन थय न नाव ध्वन संवति रिगि दान या नाव
धालसा यिला च्या लाया च्या लथुका या करालि हाव ईव थुका भोगु विजय
नाव क जुलसा वने धाय मने धकं थव ल्या चय मय जुका के विन ति या
जो मय जुन धाल भोगिता माता आ मगथे ॥ पुणार दय काल नाव छल यो
विन ति भाखाने नाव सिव भजत वास न रां धलं हेयु विजो मय जुजिय
उरा वि ॥ पुथे जिय निसया ॥ पुध कार जुल हेयु विर निष्ठ यात ॥ पुध कार
न ति ने य मा ल धकं ॥ अ न गयु कार न मि वान व वि हा य का व थव ल्या
ई ति धी त्क द उ गुरा ने मा घ मा मे के दार सं दे कु मार आ ग व स मो रे सि
उ न वि स धाय १७ त्क वा धा थ न लि मा ता यि ना गु या गु वि ला य या व

भी-रामचंद्रया भाग्यासितादेविमदयावदसुरथराजानजुलसांयानः
निसयापाराद्यउद्धिसुधालीनिबमधु भोगुविजयमयजुभ्यावजियः
यतिशिरानयानावदुध्यपुथ्यनयावपुनदनचोव भोगुविह्नभालत
विधुका भोगुविजयमयजुधत्तेयानिमिर्निजियनित्वोलतावजनर्थया
यजुकाकेविनतियातं धनलियितामातायागुविलायप्राज्ञानेनाव
यकालनावदलयेलयनिसेनमसिवलाधकंधयाव धत्तेत्याचयागु
युविजोमयजुजियनिसनवानावानावतधलधकंधालसागधेचंद्रमाम
नखयातपुंधकारयानावदजकवयेधायमते धत्तेजियनिसयावि
हायकावधवत्याचयाकचविनतियातंधकंकुमारनप्राग्गदयकलं
आगवसमोरेसिवभगतबालनजवमयजुसमोरेध्रास्थानिवर्त
गुयागुविलायकाकगुचयाव जवमयजुनजुलसांविनतियातं हेपि

श्रीस्वामि
१७८

तामाताकुलयेनसेनभ्युमथ्येआग्यादयकसेविज्यायमत्ते जिन
तियाजुलसांगुसुखविनासांमेवसुमदु कान्तालसाधर्ममचोनजतिन
दगुवाहिकनम्यवगुधर्मिकुनमदु धर्मकर्मगतिमतिथोतेदकोमा
न्यजःपुन्येजगुरानादिस्वयावचोनस्मछलयेनववःप्राजिजिनकुलये
मतेकान्तालसामित्ताजातिनजुलसांगुसुखतोलनावकोतसानकवा
सावयातसुनानरक्षायाईवहनध्वसंसारसःस्यायमचाजुलसांगाल
मातापिताकुलयेनसेनजुलसानेस्येविज्याकुनेकुधकंधालसाधोसंसा
गुतवधनगुमेवकुमदु मित्ताजातियाप्रतिपुताजुयावचोन्यकृतसात
जुलहेपितामाताजिनमार्करोरयपुरानयागुपुजियुताधर्मयागुकथा
निसेनजुलसानेनावविज्याकुनेजिनकन्येन्यस्यविज्याकुनेहेमातापिता
संसंगुरारिववृतातसुमतिथायानामधवकाययावालस्वयाववकुते

ज्यायसत्ते जिनक गुलित्वविनतिद्यायडे. स्येवि ज्याहुने मिसा जाः
 अधर्ममचोन जतिन मडु कायमचाया जुलसांधिता माताया गुप्ते धाया
 तिमति थोतेदको मासवबुधु का कलपोलयनिष्ठ जिनसे मालमबुधु
 वः प्राजिजिन कलपोलया क्व विनतिद्यायने स्य विज्याहुने जित गने धाय
 गवको तत्मान कर्वा जुपुव हराजियुरुष जुलसा ज्याथ जुल लसकु जुल
 यमचा जुलसा गालव जुतलेथु का मासवबुधु धो सचो निवधु का हेमा
 कंधालसा धो संसारस जुलसा मिसा जातिद्यायुरुष विनान से बायाय
 गवचोन्यकृतसात नधान गुरोय लाक देवयनिसुधा गुत्र धाय का वज्रम
 नाधर्मिया गुकथा क गुलिजिन ने नानतयादव गथे धालसा कलपोलय
 ज्याहुने हे मातायिता भागवधया ह्यवा सनरा जुलसा ध्वज गतसमाः
 कालस्वयाव वहुतै जानावथो संसारस जिन जुलसा गथे थारडुत रेया

निगुह
 ११६

यगुगु कथं न उधार गुई वध कं ने ना व वि ज्ञात ध्वन लि छ नु य
शानि जन गुया व चो न ल पि न्य स्व त ये ल स धाल सा व द म र्बि थ च
गुया व चो न ल न थ धि न ल स सु म ति धा या ल का य न गु ल सां थ धि त
व व गु उ य दे स वि य गु ते ना भो धि ना ध कं जि गु व च न मा न्य या ना व
ता क न्ये त क ना न्य स्य वि ज्ञा हु ने हे पि ना छ ल यो ल स्ये न गु ल सां छे ते
रा यु स्था ऽ ग्रा स न स वि धि गु र्व क न गु ल सां ऽ ग्रा च म न या ना व वि ज्ञा
ब हू द य स चो न ल पुर मा त्मा या त ध्या न या ना व वि ज्ञा हु ने सु व ड
ना व स्य व या गु हु स षा म का स्ये य कां त र गु या व चो न भिं क्षा य्क ना व
सं ध धि न गु त र ह न चो ग्रा व यो ग मा र गं ध या गु सा ध ना या ना व ध्वन
दि गु या चो न ल स सु मि गु ई व गु का र न व दार ऽ पु नो व था गु या व चो न गु
या त ना व य गु गु भो धि ना थ धि गु यो ग मा गं ध या गु छ ल यो ल या त ऽ पु व

यात धनलिङ्गं नृणां दिनसंयुतं नृधीमान्जुगवचो नृसमाहा
संधालसा वदामुर्विध्यं चो नृसुदने स्वयं वेलसमाहा ज्ञानरां परिपुरीः
कायनजुलसां थयिता भागवधया सुवा सुनयात कुं कुं गुधवकेद
जिगुधचनमा नृया नाव कुं लयोलसेन श्रधातया वडे नसाजिकेच कुं
लयोलसेन जलसां कुं तोलताव वानत्था पुस्थाः पुा श्रमसचो न धना
प्राचमनया नाव विष्णुः कुं ये राज्ञया गा कर्मसकल्ये तोलताव मनसध
नाव विष्णुः कुं ये सुवदुष गमितीतलसतुं मि बुधोत्यसकल्ये वरो वरव
रावचो न भिक्षाये नाव सरिरालनायावः पुा वः आलस्ये मया स्ये म गु
गुसाधनाया नाव धनलिङ्गं संसारसरो गरात्तलता वत वल वदाः पुौष
नो वथा जुगवचो नृसु नागं कुं याय मयु गुधधिनयो गधया गुं लयोल
या गुं लयोलयातः पुवसेन कुं लयोलयात या वरा गुं स्यं लिहं कं धसंसारं

श्रीमत्
१७८

सचकजुयावचोनगु चकहिलेमालिप्रमसु थगुलिसुमनिधायागुनाम
यासवासनराआग्यादयकलंधकंशोमयजुनजुलसां थवयितामात
किजुईगुगुगुजोगमार्गयावयजुसेलिथोसंसारयागुदुखसुखयिस
गुजुलसां छनजितकनधलंधालं हेयुवथोससारयागुदुखसुखसंताय
तंजुलसांसितलजुईगुवाप्रज्ञागानंमजुनकजुयावचोनगु वचनं जलनंजु
मायामोहरूपि कालसर्पिनंशकथेचोनगु थकालसर्पियासुखनवि
भिनगुसुवाकेरुपियात थुमतरानपानावमातकिबजिस्त्रिजिज्ञाति
जितन्यलनकयावनत्न विज्ञानरुपिवचनंधयासुथंशकनं थन्य
नावसुमनिनधलं हेयिता छलयोत्तस्यनजुलसां गथाजिकेनेन
नावयमेविज्ञां मेधकं शोमयजुनजुलसां थवयितामासायात
धलं गुरागुर्व कालस्य अकलर्क राजानजुलसादत्तयियमुनिभ्वर

गुलिसुमतिधायागुनामजुयाचोनसुधवयुत्रयावचनमेनावभागवधा.
 जुनजुलसां धवयितामातायातकनावचोनं यिताउवाचा हयुत्रसु
 संसारयागुदुबसुधयिसमुदुतरयजुयगु उयायधधिनगु यो गध्यानधाया
 संसारयागुदुबसुधसंतायनधुसरिरजुलमनजुल दग्धजुयावचोनगुजि
 यावचोनगु वचनं जलनं जुलसां हा हा या नावसितलजुवधं पुविदा जुल
 ध्वकालसर्पियासुधनविधनजुलसां यिदाजुयावचोनगुसिकलयाजित
 वम्वतकिबजिस्त्रिजिक्षाजिबुजिगुधन जिगुदौलधधकं समतायानावः
 नधयासुधंयकनं ध्वन्यलनं न्वलतकिव ध्वगुलिधनयितायावचनं
 नजुलसां गध्याजिकेनेना अयुधंजितकन्य छलपोलसेन रुकचितया
 नंसां धवयितामातायातकनावविज्ञातं ध्वनलिधितामातायादेवने
 गुलसादत्तयियमुनि अवरयाकेडे नगु अलर्कराजायातदत्ताविद्यमुनि

निगुह
 १७८

स्वरनजुलसां गुगुयोगयात उगुलियोगक गवविज्यातं उगुलिजोगकलनयोतया
गुत्रकाययावचनये नावयिता भार्गववाहनरां गुगुजादयकलं गुत्रउव
विद्यमुनिस्वरनजुलसां गुगुतरहनयोगन गोसुभाज्यमानिजुयावचोनस
गुलियोगसकलेजितनधकं यिताभार्गववाहनरां गुगुजाजुयावगुत्रसुममि
स्वरन मथोजननजुल गुगुथां गुवथां गुलातसकेलेजिनकन्ये कलनपोलयनि
कनं गुगुलितगोमयजुनजुलसां थययितासिवभजतवाहनमातासमिन
गुरान्येमाधमाहान्ये केदारवरे कुमार गुगुगुसम्बोदेज्यमयजुसिवभजतवा
था साविसंनिधायसमापतं २९ स्वरउवाच भो गुगुगुमुनिवरथोन
गुलिनगरस कौसिकाथायास वाहनकदसेनथोन थोकौसिकाधयाह
गुलसांमाहाकुबरेजनगुयावचोन थोकुबरेजनगुलसां गुगुकुलयाकुल
कोधिजुयावचोनसयातसिद्धसमाहायसमुदरिदस्येचोनस थोसिध

नं उगुलिजोगकल्लयोलयानकनेजिन न्येनावविज्याइन्नेधकंधालं शुगुलि
आदयकलं युवउवाच हेपुउदत्तजेयथावात्मसुयाकायसवधोदत्ता
उपमानिजुयावचोनस अलर्कराजारादत्ताजेयमुनिस्वरयाकेयोगनेन उ
गं०प्राग्गुयावपुत्रसुमनिनं आशादयकलं भोपिनादत्तात्रिधधायात्मसुनि
जिनकन्येछलपोलवानित्येन उ नधकं सुमतिजुलसां थवपिना भार्गवयान
भजतवात्मनमानासनिनामबुल्लनिद्यानकनावविज्यात इतिथीस्फुल
देज्यमयजुसिवभजतवात्मनसनिनामबुल्लनिसंघोदेकथाथी स्वथानिक
भो०प्राग्गुमुनिस्वरथोनतिपुरावकात्तस पुनिवानगरछगुलिरस्येचोनथो
थोन थोकोसिकाधयात्मवात्मनजुलसां पुर्वजन्मसयागयनंयागगुयलन
नजुलसां०प्राक्कलयाकुलजुयावमाहाकछनयावचोन थोकोसिकावात्मनः
रिरस्येचोनस थोस्विधालसावरापुतिपुतियुताजुयावचोन थोपुतिपु

श्रीसुखा
१८०

नावात्मनिनजुलसांधवस्वामिगतजुलसांधेवतातुल्येयानाव वदामानि
नस्येवायानधकधालसांधिदिष्टिपातुतिमितकिव तुतिदायकिवलन
युक्तारनयागुवसतनहिलकिवअपुनगअपुनोगयुक्तारयायंचामृतया
नादियातकिवकफजुलोसिगानजुल आदायिसायजु पावजुयावहिव
राभोजजुलयियाशेवचनजुलो माया मोहषहायजुजुलो ध्वसकल्येदिष्टि
चोनंथथिनजुयुक्तारनअपुनतयुतिप्रताजुयावनल वात्मनिनजुलसांधि
लिखकौसिकावात्मनधालसामाहाक्रोधिमाहारिसाहाजुयावचोन वद
वचोनिवध्ववात्मनिनजुलसांधवस्वामिगतदेवतातुल्येमान्यतारयकावम
नावतनरपरजुयावधवस्वामिगतस्येवायानावनहप्रयावचोनं ध्वकौसिक
धवस्त्रिवात्मनियानवेवंवेनवोलविद्याव फदिहितयायिव अथोनंथयु
रोगनपिराजुयावचोनलधवस्वामिगतदकोलोकयामिनंनंथोहेजिस्वामि

गतुल्येयानाव वदमानमिर्जातयानावस्येवायानावचोनं गधिनगुपुकार
 किष तुनिदायकिवल्लनायंवासलचिकनडुकिव पुत्तानयानकिव नाना
 गयकारायंचामृतश्यादिसंभोजनयाकगुसामाजितयारयानाव भोज
 यसायजु पावजुयावहिववगुसकल्येसिल्लावविद्याव सकातस्मययगुकि
 यगुजुलो ध्वसकल्येद्विद्विधियाधवस्वामिधातुसियानावस्येवायानाव
 नल बालनिनजुलसांदिनित्यस्येवातहलयानावचोनावचोनं थोन
 हरिस्वाहागुयावचोन वदानिदुरथवाविवाहनिधायनानागुकीरनंवलविद्या
 गतुल्येमान्यतादयकावमान्ययानाववारंवारंनमनरांयुनामनमस्कीरया
 हलयावचोनं ध्वकौमिकाधयालबालनिनजुलसां दुःपुयराधमदयकाव
 हितयायिव अथेनं ध्वयुनियुताजुयावचोनस्वबालनिनजुलसां ध्वकक
 यामिकनंथोहेजिस्वामितवधानधकमान्ययानाचोनंजिदेवताधयालथोहेवव

निगुह
 १४०

धकंठा वनिस चययाना व मानेयाना वचोनं धुगुलियु कारनं चोचो छ उ
वास्तनियान छगुलिवचन छगुधालं कउसिकाउवाच हेधमन्मि
नससुथाने बलं मुलगुलासा चोनगुछे सचोनस वेस्यायात जिनतवना
नातया वनाधिधकं हेसुररिथो वेस्याया के जिवहुतै मन वराथ नि सुथास
दिछि जालवहनि जुल जिनथ वेस्याया छालम वाना वजिमनसचि
धमिसा धालसा के रिपिहा मव जिमनस धालसा धवे हे वेस्याया के जक
वानला के चोनगु वरा वरा दुदया वचोनगु वरा वरा जाले जुया वचोन
लेनि वम सुत थयान मोचरा जुवगु छनस या वचोनि व हेसुररि धाल
वहुतै चित्त वन मेमै धिमिसाया के जक चित्त वन थो पुति वानला कलवे
मतयाना वचोना जिधलसा नाय मकया व गनानं वने मकया व जिगथे
नावगुरेयाय जित धालसा वरा कस जुल धुगुलिनिका मातुर जुया व

लियु कारनं चोचो छ रुयादिनस थ को सि का बालन रां जुलसां थ वत्रि
का उवाच हे धर्ममि जुया चो न स धर्म सि बल बाल निध नि यारि
वे त्या या त जि न त व ना थ व त्या या छे या छे स छ न जित वो ना य ना ० पुः
तै मन व रा थ नि सु था स थि सु र्ये उ र य जु य व गु वे ल स जि न त व ना आव
म बा ना व जि म न स चि त्थ थाल सा व रु नै थ ल वे त्या मि त्या या के व न
थ वे हे वे त्या या के ज क व ना व चो न हे थाल नि ध नि जि त स क ल्ये सु र
य दा जाले जु या व चो न ल वे त्या या के स भो ग या य म र त सा जि थ व न
चो नि व हे सु र रि थाल नि म नु वे या थ व व से स चो न ल मि त्या या के
यो ० पु ति वान ला क ल वे त्या या क मे धिं मि ज न त सें वि न या त का व रु सा
व ने म क रा व जि ग थो थो या छे स व ने जि म्मि नं सु वा ग थे पु रे या
लि नि का मा तु र जु या व सि ज व चो ना ल ध कं धा या व थो ते थ व त्या मि

श्रीस्वस्था
१८९

यावचनेनाव वराकुलमजस्रजुयावचोनसथोयुतिबुताजुयावचोऽसमाहा
कायावगानजुलसाजसचिनावथोवेस्वायातवियत ॥ पुपावधनकायावथ
वथवस्वामियाससकुयाधिकामजुस्येयकं माहासंभारयानाव बुलुङ्गनजुल
समयसमेघनजुलसांतोकयुयाव ॥ पुकासव्यापुमानजुयाव विउस्वे ॥ पुधका
जकतोयाव वरा ॥ पुधकालजुयाव चोनवेलसथवस्वामिमाहितयायनि
धानवारागुलं देपितासिवभजनवाहनमानासतिधकं जामयजुन आशा
नधकं सुप्रतिधयासनाम कायनं जुलसां थवपिता भाजीववाहनयातव
समयसथो कुसुनथियावचोनसथस्वामि जुलसां ॥ कुनधिनाववेस्वायो
वेस्वायागुहेयतिवनवेलसथो मुलं गुलसमुल्लमुल्लमादुवेमुनिस्वरनजुल
गुविचवस ॥ थोयुतिबुतावाहशि नजुलसां स्वमेमदयावसरासरवनं थवे
नयानिमिति नथोलसपुरावियावतवल मादुवेमुनिस्वरयात जुलसां थ

बुताजुयावचोऽहमाहाभाजमानिलबुलनिनजुलसां थवगु वलपि
 पुयालधनकायावथवस्वामियात जुलसां थवस्वसनयावकु कुंनदिना
 रयानाव बुलुङ्ग नजुलसां थेस्वायोधे सस्वयाववरां थवे लसराधियागु
 रजुयावविउत्सेऽपुंधकालजुयाकं रसुनं लोकपुयाव येगुदिसानं हुहुसा
 स्वामिआहितयायनिमिर्निन मुलगुललिते थोयुतिबुताल थोस्वनिन
 थकंजोमयजुन आशादयकलं थनलिथोयुतिबुताथालनीव
 राभा जीवथालनयात कनावविज्यात हेयिताथथिनगुतरहनं राविया
 लुकुनधिनाववेस्वायोधे ससंभोजयायगुनिमिर्निन मुलगुललिते
 नमादुधेमुनिस्वरनजुलसां पुंधकंधयाव सुरावियावनवस्वदवथथिन
 सदावस्वरासरवनं थवे लसमे घनलोकपुयाव विउत्से लोकपुयाव थो
 मुनिस्वरयात जुलसां थयुतिबुताथालनिरामवानावसरासरललिते व

निगुह
 १८९

नंधे बेलसधो सुरविद्यात वल्लभा वहुते येतिता उद्याव माहादुरवसि यावचो
सत पुकुं नदिना वहु वल्लभ वस्वामि कोसिक धया लु बालराया गुटि
राविद्या वत वल्लभा माडवे मुनिस्वरया लसला वना वहुते येतिता उद्याव वध्या
तुमिया गुध का गुलसां स हले ये मय याव माडवा मुनि सां गुलसां माहा केधि
राय विद्या त्यासां ज्वल्लमे न ता तुनि न धो य का व थ धिन दुरव जुय का व चो
ये मध्य माहा पुधमी जुया व या या मा जु वल्लभा ज्वल्ल गुल वल्ल स या त गुल
वन जुई व ध कं थ धिन गुय कारन माडवे मुनि न गुलसां थो या त आय वि
थो पुति व ता बाल निरा गुलसां आव थ न म सु थ जुई न ध कं ध या व थालं
कं धा त्या लि अवा बलि थी सु र्ज गुलसां उदय जुई व म सु त ध कं थ गुलि पुति पु
उदय जुय म पु न थो थी सु र्ज उदय जु ये म य या व अति न विस्तार रा वि जुल
यानि स कल स्य न स्व या व चो न जुलो थ थो स्व या चो चो पु ने अन्ये क दि न दि

गव माहादुरवसियावचोनसु धमादुवेमुनिस्वरयात धपुतिपुतावास्त्रनिनं
यासु वास्त्ररायागुटिरीग जुलसाधकालजयजुयावस्त्रसधोयाव थोसु
हुतैयिदा जुयाव वधान जुलसा माहायिदिन जुयाव वरां थोनलिध
मेरां जुलसा माहा केधिया नाव थ कौमिकाधयास्त्रकोधि वास्त्रनयातस
थिनडुरवजुयकावचोनसुजि जितसां कामहा कष्टविवस्त्रथोसुमनुः
जुल वस्त्रसयात जुलसां थीसुर्ये कहे उदय जुयव थस्त्रमनुष्यातमो
लसां थोयात आयविलं थोसु आरायविदाव गुनेनाव अपुतिनशानाव
इनधकंधयावधालं कहेस थीसु र्ज उदय वंजिस्त्रामिस्त्रजुयमालध
पतधकंधुगुलिपुतिपुता वास्त्रनिनधालं थोनलि थीसुर्ये जुलसां
तिनविस्त्रारराविजुलं अवाव थीसुर्ये उदय जुई नधकं सकलया निलोक
ग गुने अन्ये कदिनदिन वितय जुयानं थीसुर्ये उदय मजुव सदा कालं रावि

श्री स्वस्था
१८२

जुदावचोनं थोवेत्तस सगुरी लोकसकले माहा भुक्त्वा कुल जुदावचोरां
पुजायाठ जशायय भुदिकर्मनित्य नैमित्तिक कर्मयाय गुरुकोपानित्यक
माहा भुक्त्वा स्वर्ग्ये थायावज्ञानावचोनं दकोरेवतायनित्यकले स्वर्गलोकस
नलधाल भुक्त्वा थोसंसारगथेचोत्रिव थोसंसारसयालनाय कल जुल
गानसंसारयु ईन थोय धिसवेराधे जुल ववत्त कार जुल स्वधास्य हा जु
नयागुवेवस्था मजुव महिनायामदतो महिनायाथे क नाम दुसेलि गुगुलि
रधिनायने उत्तरायनेया वेवस्था रईव मधु थोसयावेवस्था मधुसेलि व
लिमेवमेव गुकालगथेरईव पुतिपुतायागुवचरानं चिनायतन वत्त थि
यजुय मयुसेलि त्वान दान जुल पुजा याठ जय तय ध्यान जगयायगु
त जगया भुदिक्रिया दु मधुलि जिजिणित्ययात् पिजुईव मधुत थ
विधिपूर्वकरा पुजा याथ जय तय धारा लोच जशायनाव जिजिणित्ये

कथा कुलजुयावचोरां थोनलिसकलयानिलोकया भुभानसधा
 गयगुदकोयानिसकलेंचासचायावचोरां हरादेवतायनिसकले
 निसकलेस्वर्गलोकसचोनाव थथेनगयेजुलधकथवथवप्रायवसे
 सयालनायकलजुलं थीसुर्जधका थोथीसुर्जेउदयजुयमकुसेलिथो
 तारजुलसधासहागुथेसकलेलोकयजुलं थीसुर्जेउदयमजुयानरात्रिदि
 कनामदुसेलि गुगुलिरितुयाथकनादईवमधुभ्रतुयाथेकनामदुसेलि
 यावेगस्थामदुसेलि वर्णायावेवस्थागनदईव वषायागुथेकनामदुस
 रानचिनावतबल थीसुर्जेधालसाउदयजुयकईवमधुन थीसुर्जेउद
 यधान जगयायगु प्रादिकियाकर्म धर्मयायगु कुचलेयजुईवमधु
 दपिजुईवमधुन थनलिथवथिविसरारलस मनुष्यनिनजुलसा
 शयानाव जिजिणनितेनजुलसा भाछो चतुरवधि वदिसकलेसम्यनः

निगुल
 १८२

भाय यापनिमित्तनमनुषेयानिसवातकुरुना ह्यपातयाव वकीर
कुरुकुरुलईत्यादिसकतांसस्यवधयजुलईव हनधसस्येष्टोत्तरदि
थं जय तय धारा चो बयायिव हंगिजिपनितेननुत्तसा थो मनुषेय
यानावविष हनजिजिपनितेननुत्तसाव मनुषेयनिः सयातनिमि
वंजुनसावागतकावविष हनमनुषेयानितेननुत्तसां जिजिसया
रन मनुषेयानितेनजिजिदेवलोकयानिसवनिलसयापरस्परउपकार
यायानिजुयाव मनुषेयानितेननुत्तसां जिजिसयानिमितिर्ननित्यनौ
याकर्ममयास्ये थममनजकनयावचोनलयात थोत्तेयायिमिसय
वमिनसां कावकुरुययकाव थोसुर्जेयात्तेजुलसां थोयधिविमरा
थोयायिपिमनुषयातमोचनयाययातनिमित्तन कुरुवयकाव वा
रयाविद्युतांतिजुयिव हनंजोसमनुषाननुत्तसां धर्मात्माजुया

कृपातयाव व वीर्यकावविष्य भोगुलिवर्वायायुभावन्नः पुनर्नः पुनर्नः
नध्वसस्येः पुनर्नः कायाव विजियनिसस्युहना नया नावयजयुजाया
मसुवसा थो मनुवेकनियतसपुर्ण थवमनरां भालयागु कसमना सिधि
यनिः सयातनिमितिर्गा थजिनसहोमयानाव पुरस्वरनयाडाव चोना
जुलसां विजिमयागुनिमितिर्न घोवागतकावविधिव थुगुलियुका
नयापरस्वरउपकारजुयावगेन हरांसु ल गोसुदुव मतिजुयाव लोभानि
निमितिर्ननित्यनैमित्य पुजा थाथ जय तय ध्यान चोत्रय जया गारिकि
थोत्पेयाविमिसयनिसयात विजियनिसेन नासयायमाल नागतका
का थोवधि विमिरादलदकोविगारयाथिन विजियेनउपकारमयास्येः
कयवयकाव नागतकावविगरेजुयकाव शानायुकाव नानायुका
का धर्मात्माजुयाव विजियनिष्ठ पुजा थाथ जय तय ध्यान चोत्रय ज हा

श्रीस्यस्था
१८३

यागारिया नावयुसचनुसेयकावसेषवाकिरवगु भोजनयानावचोमि
दियागुगुरोनलानकावपुरेयानाववियभ्यावधीसुजेउदयमजुयाव वि
आदिहुंकर्मिकर्ताचलेजुयसयुत आवथगुकथनं किजिसेनहुवा
जुईवधकंदेवतायनिस्येन स्वर्गतसधवथासासिथिथिनगुतरहन
रानदेवतायागुवचनेनावभाषायेनाव संपूर्णपुजापानियायनिजुया
ब्रह्मोवाच हेवेवतायनितेजयाननेजतांसातियायिब हनंविषय
स्येनजिगुवचननेस्येविज्याहुने धनुलसांमाहायुतियुताजुयावचो
पुतियुतायनिसयागुजुलसांमाहायसुनानंवल्लायगुसासर्थमदु धा
मनुष्येयनिसयाजुलोवदुतैविगरेजुईन कानधालसां श्रीसुजेउद
स्त्रिमाहातयसिनिजुयावचोनल (अनुसुगधयालपुतीयुतायात
धकंसुमनिधयानासल बालसांथवयितायातकनावविज्ञान यन

नो जनयानावचोनिवथोयनिस्रिजियनिसेनजुलसां स्वगयागुयातिआ
 जेउदयमजुयाव नित्यनैमित्य युजायाठ जय तय धारा नो वजरायगुः
 नं क्रिजिसेनहुवर्तमानयाय हनंगुगुकरां थोमनुयेनानिसकलेयरक्षा
 थिंथथिनगुतरहनजुलसां वरनासजुलधकं संख्या कायावविलयानाव संयु
 यापानियायतिजुयावचोनह्र प्राप्तिनजुलसां गुग्यारयकलं ॐॐॐ
 नयायिव हनं विषयातविषयनं सात्रियायिव हानधालसा हलपोलयानि
 युतियुनाजुयावचोनह्र प्राप्तिनयागु वचनं श्रीसुर्येउदयजुयमयुत थ
 यगुसासर्थमहु श्रीसुर्येउदयमजुयाव हलपो लदेवनायनिसयाजुलो
 गलसां श्रीसुर्येउदयजुयिवहु मनसुभायायजुलसां थुत्रिसुनिसरया
 गलपतियुनायातपुसियानावबलति निहयनियाकासुगासिधिजुईव
 नावविज्ञातं यनग्वमयुजुनजुलसां यितासिवमग्नप्राप्तिनमातास

निगुह
 वरु

तिनाम भ्रातृनिपातकं नावविन्यातं धोनलिसुप्रतिनाम भ्रातृनरा
देवतायानि स कलें आविमुनिस्वरया ध्यासे मयथेन कलविज्याना
यावचो नमः पुनसुधया लमायि यान जुलसां ननायुकारसां ओत्रयाना
सांथे देवतायानि स्येन जुलसां ननायुकारया ओत्र असनुति या क गुत्च
तायानि स या देवयेऽप्राज्ञादय कसे विज्यातं पुनसुधो वाच
लसां गुगुरयुसाद कायधकं ईक्षायानाव दलये लयानि जिथास काय
अवस्येन रूपनिस्तवि य जुलधकं युति पुता जुयावचो नमः पुनसुधामा
देवतायानि स्यरा जुलसा वीनति यान देवुवाच हे युति पुताऽपु
संसारनाम गुयावयुईन जगतसंशार उधारया य गुनिमिनिन आव
जस्ताकोतखा याना वदिनया दिन जुय का वरा विद्या रात्रि कुतये जुय
धुगुलि देवतायानि स्येन जुलसां बल युसाद कोरां गुने नाव पुनसुध

सुप्रतिनामबालनरांधलं हेपिताध्वं सुसिद्धासायागुवचनचेनावदके
मयथेनकलविज्यानाव थोसुअुत्तिभुनिस्वरयाविमाहायुतिप्रताजु
नायुकारसां ओत्रयानावअुत्तुतिघातं थोनलिअनुसुयामाईनजुल
असुत्तुतिघाकगुत्तुयवअुत्तिहर्वमानयानावअुत्तिजुयवदकोदेव
अनुसुयोवाच देवलोकदेवतायनिअुत्तुवदलपोलपनिसेनजु
पोलपनिजिथासछायविज्यानागुगुलिवरदानकोन्नेत्तना जिनजुलसां
वचोस अुत्तुसुयामाईनजुलसांआग्यादयकुगुअुत्तुजानेनावसंगुरी
वाच हेपुतिप्रताअुत्तुसुयामाधिभीसुजेउदयमजुयवसगुरीजल
यगुनिमितिन अुत्तुअुत्तुसुर्येउदयेजुयकेमालरुपागथाचोनअुत्तु
विद्यारात्रिकुतयेजुयकावविज्यायमालधकविनतिघासेविज्यातं
सांगुन्नेनावअुत्तुसुयामाधिनजुलसांअुत्तुग्यादयकसेविज्यातं अुत्तु

श्रीत्वत्था
१८४

सुयोवाच हेदेवतायनियुतियुतायनिसयागुमाहात्माजुलसां जेवे
तिनजुलसां ज्वलसयागुवचनरां श्रीसुर्जेउरयजुयमयुत वलसपुति
यागुवचनरांतिनियुकासजुपाव दिनयागुरात्रियागु वेवस्थाजुईव
जुलसां त्रासचाद्यमुमाल खजगतसशास्म नासजुईवमयु धलपोल
कंसुमतिनधालं हेपिताधुगुलिवचनजुलसां देवतायनिसयातधया
जुलसां कौसिकमुनियस्त्रियुतियुताया केसविनाव थयुतियुतायाथ
वग्नाशादयकसेविज्यातं पुनुसुयोवाच हेकल्यानिधकंधवस्वा
हेयुतियुताधनजुलसां भामियागुस्वेधायायांजिनजुलसां माहाय
मिसाजातजुपावदकोमनसंभालयागुलि फलजुलसां थवस्वा
निसेनद्रिद्रिष्टिपाडातायुकारनयज्ञयायिबकुधुधकधालसास्म
जनेगयुकारनक्रियाकर्मयायीवथवगुस्वधर्मसयोनाव थव

७ माहात्मा तुलसां जेवेलसं तुलसां घत यत तुय मडु धुगुलिया निमिः
 य तुय मकुत वस पुतियुता वासुनियत तुलसां वुऊययाना वतिनि वः
 त्रियागु वेवस्था जुईव धुगुलिज्या मंजिनया नाविय आव छल यो लयनि
 स जुईव मधु छल यो लयनि तुलसां हुं संदेह काया व विज्याय मुम्बाल ध
 देवताय नित्यया त धया व धयुतियुता गुया व चोनस अनुसुया माई न
 वना व धयुतियुता याथास शतिका व विज्याना व भला कुसल वार्ता या ना
 कल्यानि धकं धव स्वामिया गुया ल भया व पुते व धुसि जुया व चोस
 यांजिन तुलसां माहाय नया व य जुया व माहासा म धं व ल दया व व लं
 फल तुलसां धव स्वामिया फल सेवान लाई व हे साथी मी जन रांय
 र कुकु धक धाल सा स्नान दान जय हो म व लि विस्व देव नित्य नैमित्य क
 व ध मी स चो ना व धं ध मं नं संर्ग हया थि व ह न ध न रां स ग्र ह या य धुः

निगुह
 १८४

नकावसुगवहवाहनयातविईव विधिपूर्वकनजशयाऽपुदिक म
तथायदकोतो लतावतयस्यायायिबगुजुलो दानयायजुलो दयायाय
लोभमोहलो लतावु महासुधातयावधवसा मथदिवधे-ही द्विधि पासा
तिमनुषेदनित्येन जुलसा वदावकाक दया नावधवजंतमायिक पु
सेनयाकगु हेपुतिपुतायथिनगुप्रकारन थवगुधर्मसचोनावमनुषे
गुथवगुजिवरां कमा इयानातयागुपुरोयधवतदवधुका थगुलिपुने
यागुस्येना भक्तया तया निमिर्निनदव थोयानिमीर्निनमिसा जाति
कं भालयावमिशातसेन जुलशा सरासैर्वदा कालं थवगुनुगलसगु
नदेवतायानिसयातगुजायाकगु मामधुवुयानिसगुजाया कगुमानयाक
दव उगुलिपुरोय याकगुवधुजुल थवसा मियास्येवाया कलयातदव
यात मेमेयिंधि जनयागुयात मस्यतस्य मनरां मतसे चोनहमिसाज

किंनजशयाः प्रादिक मीयाईव सनयागुचनूदाईव मनयागुकष
ननयायजुलो दयायायजुलसदासर्वदासंजुक्तुयावकासकोध
थदिवधे-हीहि धासास्रसहास्येतयापे कृयाकमयाधिव धन
नावथवजंतमाधिक पुजाः प्रादिसकलसेनयाकगुपुरोपलोकमनि
गुधर्मसचोनावमनुष्येधनित्येनजुलसां बहुतेकषयानावतया
नदवधुका धुगुलिगुनेयावकि जुलमिसा जातिधनिशोनथवस्वामी
गानिमीतिनमिसा जातिधा जुलशां धवस्वामिलुलयरमगतिववध
कालंधवगुनुगलसगुदिदयकावतय हेकल्यानिधवः वामियनिते
नगुजायाकगुमानयाकगुमतामंताधर्मकमीयागुः गुगुयागुनेन
स्येवायाकलयातदवकेवलीनथवस्वामियातमत्ततस्योचोनसः
मत्तसेचोनसमिसाजनयात धुगुलिगुनेदवधकंसुमतिधया

असत्त्वा
१८५

समाप्तपुत्रनथालं सुमनिरुवाच हेपिताथुगुलिः पुत्रसुयाम
बालनयाचिनसतिधासनिसां जुलसां पुत्रिमुनिर्न्यासिः पुत्रसुयाम
६ गुलिआग्यादयकलं सत्पुत्राच हेपुतिपुताथनिजिनजुलसा
भाउपदेवताएनित्येन जुलसां थनिजितसुदृष्टिनस्वयावविज्यातं हेक
वेलासत्तामियागुकारनसर्वावधेयानावविद्यावविज्याकल जसक
मिवरोवरः यरमगतिजुईव मेगुहुमदुधकं थवत्तामियातगुसियायगुनि
सधोत्तसकलेयं यधच जुयावत्तामिवलित्येयुति यायगुनिमिर्तिनईह
कथधुगुलितरहनत्तामियातिसयात थनेगुलोकससुषयदसिईवमित
नि धोतिहेः पुत्रसुयाईछलयेलं जुलं हुनिमिर्तिनथाजिथाससविज्या
यायमालउगुलिः पुत्राः पुत्राग्यादयकस्यविज्याहुयेकयाथेयायथकाधकं वि
नलबालनीयागुवचननेनावथोः पुत्रसुयामाईन जुलसां आग्यादयक

पताथुगुलिः पुनसुयामाईतयागुः प्राज्ञानेनाव कउसि काधिपाह
निस्वयास्त्रिः पुनसुयामाईयातमाहः प्रारनं गुजायानाव दुवचनः
पुताथनिजिनजुलसाह लयेलयगुदसं नयानाव जुलधः मधः नयजि
नस्वयाव विज्यातं हेकल्यानिगुगुकारनराह लयेलसेनजिनवेलाः
याव विज्याकल जसकाई बल विज्याईत्य पिसा जाजिया जुलसांसा
मियातगुसियायगुनिमिर्तिन जुलसां देवतायितरब नुछे जिवाकुतुं
तियायगुनिमिर्तिन ईह वसं पुनगंधन संघाति पुत्रयो वयातार ईवथुगु
मेकसमुषयद सिईव मिसा जातया रेचना जुलध वत्तामिथुका हभासेमा
मिर्तिनथा जिथासस विज्याना प्रावजिन जुलसां हलयेलयगुदुतहल
फयाथेयायथकाध कविनतियातं थुगुलिवचन सतिनाम गुयाववोः
ईन जुलसां आशादयकलं पुनसुयोवाव हेसुभगुगुकारनं

निगुह
१८५

सांख्यगुलि भ्यासमसवयावयाव गुगुलिकारनसांजिनथायदिननेताव
श्रीसुर्येउदयजुयमकयावचोन ध्वययानिमितिर्न गुलसांदिनराविदु
जग्ययागादिकर्मचलेजुईमसु जज्ञया भ्यादियुजायाथजय नवध्व
पनिकलेपुंडुर्वलजुयाचोन हनंदिनयादिनमदुस्येलिदकोकर्मसक
ईमसुवकीमदुस्येलि थोजगतसंसारकासारकलेक्षरजुयाववनिव
हाडवजुयावयानिमितिर्नजियनिसयाकेसरनवल आवधदेवता
वकिनजुलसां ध्वजगतसंसारयागुवियति ध्वयाव उधारयायगुई
यजुयकेमाल हेयुतिपुतासत्ययानियासकलो लोकयातउधारकरुन
धोगुलिअनुसुयामाईमागुचचनयेनाक्युतिपुता गुयावचोनह
भाज्यमानि भ्यामककोथजुयावरल हनमाडवेसुनित्तरनगुलसां
सा श्रीसुर्येउदयजुयवनमनुजुयमाल ध्वकंआवविलंथोनेयाकार

रनरांजिनधाद्यदि नयेनावदिसनेधि गुति वचनयाप्रभावनसां जुलसां
मिर्तिन जुलसां दिनराविष्णुतयम जुयावचोन दिनराविष्णुतयम जुयेली
यादियुजायाथ जय नय ध्यान गोबानित्यकर्मचले जुईवमसु थोदेवता
मम दुस्ये लिदकोकर्मसकलेनाम जुल दकोकर्मनाम जुवसेलि वर्काद
सारकलेक्षर जुयावचन विवधकं छानधालसां थोदेवतायनि जुलसां मा
सरनवल आवध देवतायनि सकलेन जिम्मेत दि गुलिथास यथा भु
नि थयाव उधारयाथ जुईछा जुलसां दयाथें गुगुलिनरहन भी सु जे उद
कलो लोकयात उधार करुना कृपा जुयाव प्रसन्न जुयाव विज्याथनालधकं
युनिपुता जुयावचोन स धालनिरां जुलसां थो जादय कलं हेमा हा
नमा दुवे सुनिस्वरन जुलसां जिन ईस्वर भालयावचोन जिस्वायित जुल
धकं आव विलं थो ते या कारनंरां भी सु जे उदय जुईवमसु धकं

आत्मा
१८६

अथ धृतिप्रतिपत्ताया गुर्वचनमेनाथ अथ नुसुया पाईन गुलसां
निजिनं धाया गुर्वचनसधा तदा वचनमा न्याया तसा धिन गुलसां व
माये या नावभी सुजे का के विनति या व सलता व काय थका आ सु मे
देन गुलसां धि स्वा मि मनु गुया व व नि यो म नु गुलसां धि स्वा मि या त र व
मात का व वि य धि स्वा मि या त मा हा रोग न क या व चो न गुरे ज रा धु त व
नि र व स त्या य स चा या ना व दि वे दे ह या ना व गु य का व वि य थो गु सि
ल हे व र व रि नि नि जि न गु ल सां द को स क ले प्र ति यु ता स्त्रि य नि स या मी
थो ना आ ज्ञा द य क ल धि कं गो म य गु नं गु ल सां थ व दि ता सि व भ ज
या तं ह न सु प ति वा स न रां गु ल सां थ व दि ता भा जी व वा स न या त व
अ नु सु या मा र्श या गु न गु ल सां त थ सु ध कं व च न वि या वि ज्ञा तं
मि स चो ना व वि ज्ञा क स अ नु सु या मा यि न गु ल सां अ धी जो ना

ॐ प्रभुसुखायार्द्रनजुलसां ॥ प्राणादयकलं ॥ प्रभुसुखे वाच ॥
 मान्यदातसाधिनजुलसां वचनमा न्येयानावविलसाजिनहिगु ॥
 सलतावकायधुका धीसुमेउदयजुयतुकनं सादुषा मुनित्वरयुसरा
 मृजुजुलसां किस्वामिगतातबाउजुय मलानकक्षगाभरतयावजिनजुलसा
 नकपाव चोनगुरोजरां दुतयजुय कावृहकनं मे सुसरिरयाव विद्यहिमः
 नावजुय कावृविद्यथे गुलिकारनसकि नजुलसां दुसदेहकायमुसा
 ले प्रतियुतास्त्रियनिसयामीहिमावधयनावव्यनस्थामयासेचोनाचक
 नंजुलसां थवयितासिवभग्नमानासतिनामवा लनियानकनाकवि
 यिताभाजीववाहनयानकनावृविजातं देयिताथे गुलियुकारन
 थकवचनविद्याविजातं थोनलिमाहनयसिजुयावृयनियुताधि
 यिनजुलसां अर्धजोनावधीसुर्वेयातसलतावचोनं थोनलि

निगुह
 १८६

धनलिङ्गिगुलिरात्रीगुलिदिनः समउदयमजुयावः चोनावचोनस
नथ्येऽप्राकृतिजुयावदोलङ्घिगुलिकिरनसंजुक्तजुयकावदेदिवमानरा
जुलसायवर्तदकोयाराजाजुयावचोनस उदयाचलधयागुयवर्तजुल
धीसुर्येउदजुयवर्तकन प्रतियुतायास्वामिकोऽसिकावाहनयाः प्रान
धवेनसथथिनगुपुत्रसरसप्रानकुतयजुयाव भूमिसजोलतुलेतेन
तलंथथिनगुवधतस अनुसुयामाईनजुलसाऽप्राग्यादयकलं अ
नोलतावर्तनालाधकं प्रावगथययायुधकधयावः हनजुलसां मनस
वायालावलानावतयागु धर्मयागुवलवल जिगुसामर्थजुलं प्रावधि
गुधर्मगुकरेयानावविज्ञातस जिनजुलसां धवस्वामिवाहिकनस
जुलोथोत्पईत्यादिगुतरां मेमेयिं गुरुवयातकदाचित्त जोबंलसंमषा
वचोनस धववाहनजुलसां धमहारोग कुतयजुयावकुवरोगरानो

ननु यावः चो नाव चो न स श्री सुर्ये जुलसां दो याव चो न गुह्या उगुः पले स्वा
क जुय काव दे दिव्य मानरां त्य जय का स जुय का व म रा द ल द य व श्री सुर्ये
या च ल ध या गु य व त जुलसां श्री सुर्ये उद य जु या व वि ज्ञा त ध न लि
उ सि का वा स न याः पान तो ल त लं पान तो ल ता व भु मि स गो ल तु ले ते न
व भु मि स गो ल तु ले ते न ध वे ल स ध र सा मि या त जो ना व था मे या ना व
सा ऽ प्रा णा द य क लं अ नु सु यो वा च हे क ल्या नि छ न स्वा मि या या न
या वः छ न जु ल सां म न स कुं स वा का य सु म्वा ल ध कं ध र स्वा मि या स्वेः
ज गु सा म र्थं जु लं आ व छि स्वा मि छिं स्वा या व वि ज्ञा दु ने धु लि ध या वः ध र
सां ध र स्वा मि वा हि क न रू प न जु लो सि त ल जु लो बु धी न जु लो म भु र व च न
दा चित जो वं ल मं म षा ना गु व त सा धु ग लि स त्म म त सा ध र म् तु जु या
य जु या व कु व रो ग रा तो ल ता व ह क नं डि म नि दा या जु ना न जु या व ध र

श्री-स्वस्था
१८७

स्थितिलिसेचोडावसतद्विदम्बायमाल जिनथवस्त्रामियात वरोवरमे
साधमृतुजुवसुत्रालनजुलसांनिरोगि जुयावम्बायमाल हरांमनरा
तभ्यारधनायानावस्येवायानावत जिनजुलसां सदीसर्वदाकालसं उ
लसातन्कारनरांम्बायमालधकंधालं धोनलिधनसुमतिनजुलसां
कनामजुयावचोनलुवालनजुलसांम्बानाववलं धोनलिधवालन
निदायाल्यायलुजुयावजुवानजुयावधवगुसरिरयात्यजनंजुलसां धव
जुयकावदनावविज्जातं धनलिचर्गसदेवलोकनजुलसांस्वान
अनेगदुदुभिवादेधातकावविज्जातम् हनदकोदेवतायनिसकल्लेषुसि
तदेवतायनिसेनजुलसां: कुंदवगुवचनकुगुभ्याज्ञादयकलं देवा
वविज्जासु लयो लस्येनजुलसातवधनगुकार्येसिधयानाव
जाकल्लहेकल्यानिदकोसंसारया उधारयानावविज्जात हेतयसि

वस्त्राभियान वरोवर मेधिं देवताय निमेषा नागुषत साधोत्पसत्पवनः
 वस्त्रायमाल हरामनरां जुलवचनरा जुलं कर्मनरां जुल वस्त्राभिया
 मां सदी सर्वदा कालसं उदयमयाना वस्त्रे वायाना सनया वस्त्रासन जु
 लित्थन सुमतिन जुलसां धालं हेयिता भार्गव वस्त्रमृगु जुग्रा वचो रुद्र कौमि
 न धोनलि वस्त्रासनया जुलसां दकोरोज याधियुत काव हरामि
 रिया त्यजनं जुलसां वस्त्रे स कल्पे प्रकास जुग्रा वदो श्री देवताया गुते ज
 देवलोकन जुलसां स्वान वागात काव विलं हनं त्यदा वदेवताय निसेनः
 देवताय निस्व कल्पे सुति जुग्रा विज्यातं धनलि अनुसुया माईया
 श्याज्ञादय कलं देवा दुवाच हे अनुसुयाई माहा भाग्यमानि जुग्रा
 गुकार्ये सिधयाना व विज्यातं हे कल्पानि श्रीसुर्ये जुग्रा काव वि
 ना व विज्यात हेतय सिनि छलये लस्येन जुलसां देवताय निस्वयाः

निगुरु

१६७

उधारसकरुना कृपादयकावचनब्रधनगुकार्येसिधया नाववि
दकोदवतायनिजुलसां सुसिजुयावविज्यातं छलयेलयगुगईका
पनिस्मेनवियजुल धगुलिदेवतायनिसयातशाग्यानेनाव शु
ज्यातं अनुसुयावाच हेदेवतायनिछलयेलब्रह्मादिश्रादिदके
कृपातयावविज्यातसा छलयेलयनिस्येनवरदानवियगुजोग्यु
गुवरदानमयव जितवरदानब्राह्माविष्णुमहेश्वरध्वस्यसदे
वयमालहकनध्वसंसारयादुखयाब्रधनरांमुक्तमुक्तगुयावस्था
धकं फोनावविज्यातधकं धनज्वमयजुनजुलसांथवयितासिव
वविज्यातं पुत्रउवाचा देयिताधगुलिपुत्रसुयामाईनजुल
पनिस्मेनजुलसां तथासुधकं छलयेलयनिस्यनजुलसां आ
पोलयोधुनकावजिमिस्यनवियधुनधकं आशारयकसेविज्य

गु कार्थे सिधया ना व वि ज्ञात छान धालसा छलये लया उयरस
तं छलये लया गु गुई धा जुल उ गुलि वरदान काया व वि ज्ञा कुने जि
मयात शा ग्याने ना व अ नु सु या मा यिन जुल सां अ्या शा दय क से वि
छलये ल व ल्मा दि अ्या दि द को दे व ना य नि स्ये न जुल सां जि उ य र स क रु ना
न व र दान वि य गु जो ग्य जुल सा व र दान वि य गु जुल सा जि से मे म्म
ह्म म हे स्वर धं स्य स दे व ना य नि जुल सां जि पु व गु या व ज न्म का ल
र गं मु क्त मु क्त गु या व स्या मि व लि से जि चो ना व भोग या य क य माल
न जुल सां थ व पि ता मि व भ क्त मा ता स ति ना म व ल नि या त क ना
लि अ पु नु सु या मा ई न जुल सां व र दान को न्य भु न का व द को दे व ना
य नि स्य न जुल सां आ ग्या द य का व थ्ये गु य माल ध कं व र दान
कं अ्या शा द य क से वि ज्ञा त ॥ अ गु लि मा हा त य सि नि गु या व वि ज्ञा

श्रीचरणा
१८८

कल्युतिपुताधर्मसचोनस अनुसुयामाईनजुलसांवास्वनिद्या
माईयाकेवेलाकायाव धवभ्यासमसदेवतायानिविज्ञान
तेजुयाववसेनंलिः सत्ययागुपुतिग्यायागुनिमित्तिनवसानजुल
धयागुलिनसजुक्तजुयकाव अविमुनिगमनस माहाहर्षमानय
लंम अनलिधवगुलिसितलगु किरनरांजुलसां दकोव
दिसकल्येः सितलगुः सिंचनायानावपुतिपुजायागिद्यातजुलसां
ज्वात अनलिपुतिपुताजुयावविज्ञाकल्यः अनुसुयामा
गवानविष्णुजुलसां दत्ता वीरमुनिमुनिस्वरथायकाव सत्यगु
जन्मजुयावविज्ञान अननुसुयामाईयागुदुदुजुलसांनोना
पयनिसकल्येनासयानावसजर्नसकलपुनियानियनिष्ठर
लनायाव स्वर्गमागैसचोनावरसभोजयानावविज्ञान

१८७

गईन जुलसां वासनिघात वरा आदरवचराया गव वं व्यमुय
 वतायानि विज्यातं धनलिज्ववुनु जुलसां दुगुलिकालवि
 गुनिमिति नवमान जुलसां स्वमचंद्रमाधायकावरजोगुनराध
 ममनस माहाहर्षमानयानाव अनुसुयामाईया गर्भसजन्मजु
 किरनरां जुलसां दको वक्षे आदिं गुल्मलता आदिं ओषदिईया
 निघुजायागियात जुलसां रक्षाया नावः आकासमार्गसचो नाववि
 ज्याकलः पुनसुयामाईया उयरसः करुनाकृपादयकावः श्रीभ
 निस्वरथायकावः सत्यगुनसजुक्तुयाव अनुसुयामाईया के
 माईया गुरुदु जुलसां लोनाव विज्यातं धस्योलसेन जुलसां उष्टदे
 कलपुनियानियनिष्ठरक्षाया नाव युजायानिस कल्येरक्षाया
 गयानाव विज्यातं धनलिथी माहादेवन जुलसां धोः पु

निगुह
 १६६

नुसुया माईया गर्भस्यो नावविज्यातं यधिनगुव वतस कार्तविर्ज्या
या गुडयस्प उयदुया उवदकोतयसि नियनिस्रमुनिवरयनिस्रः उ
यानावदिन नृस नृमात्रं पुननुसुया माईया गर्भस्य दवगु कार्तविर्ज्या
व कार्तविर्ज्या जायातः दग्धयाय गुईकायानावदिन नृस नृमात्रं पुननु
रथाय कावः तमोगुणानं संजुक्तं गुयकाव जन्म जुयाव विज्यातं
जुयाव चोनगुः उन्मत्तारणवुतः धधकं धायागुवुत कायाव धध धी
यधिनगुयु कीरनं जुलसां ब्रह्मा विष्णु माहासुदु धत्येस्य सुदेवताः
हरा दत्तात्रिय मुनिस्वरथाय काव विष्णु जुलसां जन्म जुलं हनंदुर्वासा
जन्म जुलं धध पुननुसुया माईया गर्भस्य जन्म जुधकंः सुमति धयानाम
ज्यातं धनलि हपिता दत्तात्रिय मुनिस्वर सुया कायधकं व्या
नगुव वदकोः संपूर्णवृत्तात कन्येधुन धकंः सुमति न जुलसां धध धी
धकथा हा जुलसां धर्मयादि पतिसेन जुलसां जैमुनि अ धिस्वरयात जु

गुव वतस कार्त विर्ये राजा जुलसां व हुतै उधत जुया वद कोया रिः
नम मुनि अरय निमः दुष विद्या व चोन ध्व विमान स कले भुंयं
भस्म दव गु कार्त विर्ये राजा जुलसां व हुतै कोध या हा वदुख या ईषा या ना
वदिन नृस रु मा व पुनु सु या मा ईया ग भसि चो ना व दुर्वा सा मुनि स्व
जुया व विज्या त धन लि मा ता पि ता या त तो ल ता व मा हा हुत म
गु वत का या व ध्व धी वि सि धु मे या ना व हि ला व व म ध क धा त
ग रु दु ध्व तो स्व ल दे व ता चं दु मा या य का व प्र ह्मा जु ल सा जन म जु ल
ज न्म जु ल हु नं दु र्वा सा मु नि स्व र ध कं धा य का व श्री मा हा दे व जु ल सा
ध कः सु म ति ध या ना म जु या व चो न ह्मा धा ल रा न जु ल सा क ना व विः
सु या का य ध कं ध्या णा द य क से वि ज्या त ध्व या गु गु या व
सु म ति न जु ल सा ध्व पि ता भा र्ग व धा ल रा या त क ना व वि ज्या त
जै मु नि अ धि स्व र या त जु ल सा क ना व वि ज्या त हु न ध्व क धा हा जै

श्री स्वस्था
१६८

प्रियारं रायवनसः सुतनामा यौ रात्रियनिसेन सौ नका अधिपतिः डिम च्या
तधकंः ज्वमय जुन जुलसां धवयितासि व भजत ब्राह्मराः माता सति
वस्था मि वनाय धव गुहे स वने धकं मनसु भायाना व मा मव वुया
धकं कुमारन गुग व मुनिस्वरा ये वने गुगणदय कलं
दा संदे कुमार गुग स मादे श्री स्वस्थानि वुत्तेः पुति युता धर्मः पित
य स्कद उवाच धनलि गोमय जुन आशादय कलं देयिता
स्वे वायाय कृतसा पुति युता जुया व चोने कृतसा धयिन पिं देवता
सां सुधा पुति युता पुच जुया व जन्म काल विज्यातं हे माता पिता
स्येन जुलसाः सत्य मफु काया कारन धुका थो संसार रक्षा जुया
ने स ब्राह्मनः माता सती नाम जुया व चोने स ब्राह्मणि जिन
कथा हा छ गुलि जिन जुलसा हे ना वत रा गुदुः मि सा जाति रा गुदु व

तेनका भविष्यतिः डिम च्यादोल भविष्यति सया हे वने कना व विजा
 भजत ब्राह्मणः माता सति नाम ब्राह्मणि भविष्यति सया हे वने भ
 भायाना व मा म व वुया चित्त बुद्ध्या यगु कारनरा कना व विजात
 पाण्डय कलं इति श्री माद्य मात्मा त मे स्कद इ पुरा न्ये के
 तये पुति युता धर्मः पिता युत्रि माता युत्री सम्वादे कथाय का ई सध
 आजादय कलं हे पिता माता मिमा जात जुया व भवपुरुष यागु
 तमा भयि न पिदेवता यनिः ब्रह्माः विष्णु महेश्वर भो यनि जुल
 विजात हे माता पिताः भक्त जराया वसा स चोन सा ईस्वर यनि
 त थो ससार रक्षा जुया व चोनः हे पिता सिव भजत नाम जुया व चो
 न स ब्राह्मणि जिन जुल सा धर्म वः लक्ष्मी व संम्वाद जु व गुण
 दुः मिमा जाति यागु ह व विनानः त व धान गु कु मडु हे पिता माता

निगुरु
 १६६

छपोलयनिसेनजुलसां: एकचित्रयागबडे. सेविज्यादेनेजिनजुल
गतोसत्यततो ललक्ष्मी: गतो लक्ष्मीस्ततो दृष्टि: गतो हरिस्ततो धर्म जतो
त्यदत: ब्रह्मसयाके जुलसां: लक्ष्मीनवासपाईव: लक्ष्मीनजुलसां: व
ब्रधर्मनवासपाईव: ब्रह्मसयाके धर्मदत: ब्रह्मसयाके सदास
लक्ष्मी छलपोलयात समस्त लोकन जुलसां: छलपोलयात के सवि
क जुलधधरां छलये लन जुलसां: समस्त लोकयात बरोबर न्यान
यमपुनियमपुन हनगुलिछियात: पुन्यपुनसल किमि: पुनक
छलपोलसेनमविज्याकथोत्पेयाकगुषजुलसां: छलपोलसेन क
ग्यादयकावविज्याकगुथोत्पेयनाव: लक्ष्मीनजुलसां: ग्याजावद
सेनदेस्येविज्यानागुष जुलसां: जिनविस्तारयानावकन्येधुका: छल
गनधकं धालसां: मुलं ब्रह्मसयाके सत्यदयावचोन: धोहसया
सयाधर्मदत: ब्रह्मसयाके सजिचोने धोत्पसत्यधर्म महुलया

सेवि ज्वा हे न्ये जिन जुसाः धर्म व लक्ष्मी व सं म्याद गु व गु व क ने ज
तो हरि सा तो धर्म ज तो म्मि सा तो ज रा त १ ज व ल स या के स
वः लक्ष्मी न जु ल सा वा स या क गु था स डा श्री नाराय न रा वा स या ई
व ल स या के स दा स र्वा का ल ज य जु ई व श्री ध र्म उ वा व भो
क ल पो ल या त हे स वि ज्वा त के ध क म न वा हा या ना व पु जा या य ध
क या त व रो व र न्या न का व हा य म वि ज्वा डा हे न गु लि छ या त न
पु जा स ल कि सिः शु य का व उ ये न शु य का व व रो व र उ थ्ये डा न का वः
न साः छ ल पो ल से न क ना व वि ज्वा गु मा ल थो ते ध र्म न जु ल सा ॐ
मी न जु ल सा ॐ पु जा व य क से वि ज्वा त भो ध र्म ध क छ ल पो ल
ना व क न्ये थु काः छ ल पो ल से न हे स्ये वि ज्वा डु ने जि चो ने गु था स
या व चो न थो ल स या के स जि न जु ल सा वा स या रे थो न लि गो लः
प स न्य ध र्म म डु ल या के जि चो न्ये म डु थो च रो प ता म डु ल या के ल

श्री स्वस्था

१८०

स्वीदईवमसु हनजिजुलसां: मिसा जातिया सुलक्षेन स्वयाव चोने
जुलसां चोने मसु: दसां ध्वसुचि या गुल छेन गथे धकं धालसां नृ
धास: वमसु स्ये तई ह ठो मिसान जुलसां धुधाम ब्रास्ये दो दो चिना व
व जुय य व ह मिसा दसां सधय लियाना कपालतत ज्वय का व जु
स्वर धाय थो ते यात अलक्षन धाय लु थो जुल थथिन लु या के जिन
के जिन जुलसां दु स्वय मसु धकं थोन लिपुन वीर मो ह मिसा
हर सनं मभिन ल थ व थि थी या के माल सा मु माल के जुय य व ह
या जा वत य म स व ह: नि दान या ना वत य म स व ह: दसां सा क म सा
व गुरु व यात: मरा क स्य: व सत न माति क स्ये थ म न ज क व सत न ति
जान जुलसां: क्रि द्वि द्वि या दु व न दु हा व व गु कु ता मु माल के पु ना व
ग यु कार नं व लु दु हा व ल सां न व व व ने द ई व: पि हा व न गु ल ने द ई

१८२

लक्ष्मि स्वयावचो नो ज्वलसि महाप्रसुचि जुई धससरा केः जि
 न गथे धकं धालसा नृपानि स्वई अंगलस वुं ला वत ईव हंरा को
 मत्रास्ये दो दो चिना वत ईस हनं थ वलस धितो लो लो ला दय का
 पालत तज्वय का व जु व ल हंरा तु ति ला हात र घाल म सि स्ये न व ल नि
 र थ थि न ल स या के जि न जु ल सा वा स या ना व चो नो म सु थ थि न ल स या
 म पु न र्वा द गो ल मि सा ज न या के जु ल सा सि र स्व भा व न भि ड गु वे
 म सु माल के जु य य व ल व व त म स्व स्ये वे व हार या क लः लि पि ह पि
 म व ल हंरा सा क म सा क नः बु क म बु क रां द ता स नं रां य यो ल ह नं थ
 थ म न ज क व स त न ति या व न या व चो न ल थ थि न ल मि सा ज न या
 ता मु म्बाल के पु ना व चो नि व थ व म न स धा का जु ल सा न पु ने
 वः धि हा व न गु र व ने र ई व म सुः ग थे ध कं धाल सा सा क गु भा ज न सा

निगुरु
 १८०

जंरवतयावथ्ये सुताववनिवथथ्येथहिनसमनुष्येयाकेजिचोने
आज्यादयकाववीतधकः उवमयजुनजुलसां थवयितासिवभ
नावविज्यातं----- इति श्रीस्कंदपुराणे माघमाहात्मा मेः व
लक्ष्मीसंस्मारेः स्त्रिनगुलनकेन कथादावा ईसध्याय २२
धर्मनजुलसां आज्यादयकावविज्यातं भोलक्ष्मी छलघोलसे
आवलक्षनयागुमहिमास्वजिनेकेः छलघोलस्मिरनविज्यायगुथ
छलघोलसेनयुचसन्नजुयमालधकं धर्मनआज्ञादयकसे
लिरवेनेनाव धनलक्ष्मिनजुलसां आज्यादयकलं भोधर्मधकं
स्तारयानानेनावविज्यादुन्ये जिनकनावविद्य नृणांयाव
न्येऽतोस्त्रसयाके सत्पदत वस्त्रसयाके जलसाजिचोने
स्त्रमिसोजनरां थवयुहवयाकसेवाशाक भक्त्याकद्रिध

समनुष्येयाकेजिचोनेमगुधकः लक्ष्मीनंजुलसाधर्म्यादेवने
लसां धवयितासिवभजतशालिनः मातासतीनामवलनिजातक
नेमाद्यमाहात्मासेः कुमारगष्टसम्बोदेधीस्वस्थानिवर्त्यचर्म
वाईसध्याय २२ स्फुरादुवाच हेभुगष्टमुनीधनलि
भोलक्ष्मीछलघोलस्येन आवगुलक्षनयागुबकनावविज्यातः
लसिरनविज्यायगुधासयागुखनेनेईछाजुलः थोत्परवजुलसा
धर्मनभ्याशादयकस्येविज्यात धतेधर्मनआग्यादयकगु
दयकलंभोधर्मधकं छलघोलस्येनजुलसाएकचित्तयानाववि
वविद्य नृपायावगुप्रादियागुमुलजुयोवचोनगुखजिराक
जुलसाजिचोने थोनलिमिसाजनयागुलक्षनस्वयज्व
तिकभक्त्याकहिंधहिंधमधुरचयनल्लकगुहृषयागुदुषु

श्री स्वस्था

१८९

मदयके गुलिमन वांकायाना वयु रूषया के भिन गुलिजु को मान
य मेव या वचन मन्नेन ह्य पुरुष रव न्य वरुं नं देवता रव नाथे भा
का गुलित क व ल्हाय हरा कुं व सु क ध व के ला हात सर व गु
पुरुष या गु पुरान व ल्हा हन भिन भि ऊ व ल्हा न गु ने गु ति य गु गु ल सा
य गु व ल्हा गु सां थ व ल्हा मि या त नि न्हा ला त कं भो ज न या त के थ थ य
पो ने ध कं लक्ष्मी न गु सां ध र्मी या त ० प्रा ग्पा द य क स्मे वि ज्पा तं
जा ति या गु ल सां न्हा या या त का ल स द ना व रु कि का या व दु न्ने पि न्ने
ला त का व के ल चि क न गु या व मो ल हो य म पु त सा खाल ला हा तु
व नि न्ने क र्मी या य त सु चि जु य नि चि य विं च सा इ व गु जा त या व थ
जा या य धु न का व भो र्ज न या य त ताल ला त का व द्वां स स व गु स

१८०

भिनगुलिजुकोमानमर्धतयाकपुहृषनधयागुतिवचनमिवा
 त्तुं देवताखनाथे भालयावचोउल भोगुरुषयागुरुषयागु वा
 वकेलाहातसरवगु थोवस्तुकपुहृषयातनिकायावलियतन
 नगुनेगु तियगु जुलसां हया थवत्तामियातनियुनकेतियके हरा
 भोजनयातके थथायानावचोनलयाके जिजुलसानिसचयन
 यादयकस्येविजातं धोनलियुनयादहृकनं हगुलिषमिसा
 कि कायाव दुयेपिने चोतासकोथायति वगुनाव थवत्तासुचिः
 मपुतसा बाललाहातुतिसिलाव थोत्पयंचअस्त्रनयायधुनका
 वसागवगुजातयाव थवनिनेगु जायाय थवगुनिने केमी जुलपु
 नकावः दूपांससवगुः ससमामजुः थवगुरुषयातस्येवाशानावः

निगुरु
 १८९

सकलयातं कोलयाव धवगुरुवयातः भोयि एकेः धवयेनिये द्विन
नेमयाहृयाकलुयाकेयुकाजिनलसावासयायनिधुयनरव
यकसेविज्यातं धं धलमनुषेयाजुलसांजवबेलसंः तोस
संयतिदयकावविधि कं शुभेज शुभेजयं चरत् नवरत्न लुओहो
तउजुलिवस्तदयकावविधि हनंकयगुलमुत्पामासवाको कंक
यासत्यदत्व बलसयाछेसनिजुलसां निधुयनजिवासयायध
शादयकसेविज्यातं जवमयजुनजुलसां धवयितासिवभक्तवाह
नावविज्यातंधक कुमारनराभगवयातभागादयकलं
रवरोकुमार अजसम्वदे श्रीस्थानिवर्धे धर्मलक्ष्मीसम्वदे
मसंम्वदकथावित्तविसधाय २३ स्कदउवाच भो
धर्मयातशुभादयकसेविज्यातः भो धर्म लपोलयातजुलसां

यि एकेः ध्वन्येन द्वि न धेधुन का वृत्ति तिथ मरां अर्चनये धधेने
मासयायनि शुचनरववधकः लक्ष्मीन जुलसां श्रुतादय कसेः
जुलसां ज्वबेलसः सोसन जुयमुदु धया गुक्ष जुलसां शुन्यगुधन
चरत्त नवरत्त लुओहो आदिन शुस धातुदईवः गुगुलिषा छाया
मुत्पा मासधाको ककुठकुठ पुमानरा दयका ववि ये जुल गोसस
शुचन जिवासयाय धक लक्ष्मीन जुलसा धर्म सा हे वये आ
धवपितासिव भक्त वालनध मातासतिनाम वालनि या हे वये क
न आगण दयक ल इति श्री स्वर पुरा न्य सा घ मा हा त्मे के
ध धर्म लक्ष्मी स मा दे सि रां ल हे न जब मय जु सिव भक्त सतिना
स्वदुता च ओ शु ग व पुति धन लि ह कं रा लक्ष्मीन जुसा
फल पो ल रात जुलसाः तिसा जन या गु लक्ष्मीन या गु व क ने धुन शु

श्री स्वस्था

१६५

वृक्षलये लयाके पुन्येया क गुष ने न्योः छलये लयेन जुलसां क रुना
मालधकं लक्ष्मी न जुलसां धर्म या ने व न्ये विन ति यानं थो वे ल स
यो ल भो लक्ष्मी या गु विन ति आ गाने इ व ध र्म न जुलसां आ ग्या द र
न जु ल सां या म पु रो य या गु ष डे न्ये गु र्ब का जु ल सा जि न क ने छ ल ये
यां क गु लि न ग र स मि स्या क ल द या व चो न थो मि स्या ज न जु ल सां
थं न म न जु व सः नि न थ थो ल विल वि या व जु ल द न पु रु ष या त
उ हा व न सां थि हा व न सां ला हा त स त या व न या व गु र्ब सः सं
परि पं चा या हु ना म या क लः लो क न म यो ल जो ड ग व व स या के
थ व ता ज क क या व ध कं धा व सः थ थि न स मि स्या ज न लि य त
ग थे जु ल ध कं धा ल सा जि न क न्ये डे या पु रु ष न हि क या गु या

लस्येन जुलसां कलनाकृपादयकावकना वधुचसच जुस्येविज्याय
विनतियानं थोवेलसलक्ष्मीयागुवडे नेजुलसाजिनकये छल
रमन जुलसां आग्यादयकस्येविज्यात हे लक्ष्मी छलयो लस्ये
जुलसाजिनकने छलयो लस्येः विसारयानावयेसेविज्यादने रु
थोमिसाजन जुलसां थवपुरुष जुलं अतिनमहिकः द्विर्ध द्विः
वजुल दनपुरुषयातमुईया लमनस्य पुरुषयावचनमयेस्य
याव नयावगुईसः संधा कालनईवस्य मतामदयकस्येचोनस्य
स्य जोडाव वस्ययाके वसुजक कयाव थवगुविद्यमयवस्य
नस्यमिसाजनलियतसः मरु जुलसा पुनजन्मस थोसमिसा
पुरुषमहिकयागुयायन जुलसां निचाजातडुईनिचाजुईवः

निगुरु

१८२

हकनंतमंतमंजुयायायनंजुलसां लाकोलाकोनदायकावजु
यनंजुसां जुगलमक्षिसे नवायमयुस्थेचोनिव हनथवयुस्वयान
जुईव मिस्वाधालसासिलिकुतिजुईव विकुतिविलिकुतिस्थाल
रुषयाके दोहोयानागुयायनजुलसां थवगुलगतिमलास्येयु
षयानमतिकस्थेथमनजकतियावचोनायायायनजुलसां धि
नजन्मसरिडजुयावचोनेमालिव हरागुर्नवाद अभक्षगुवसु
नेड ज्वलमिसाजनरा थथिनगु अकर्मयात ब्रह्ममिसाजन
धोसमचवेगथेजुलभुथेजुईवधक धर्मनजुलसां लक्ष्मीयात
तासिवभगतवासानव मातासतिनामब्रह्मनियातकनाववि
आगादयकल ईतिथीस्करडरानेमाद्यमाहात्म्यके

कोलाकोनदायकावजुईव हनयुषयुसुखायातगोलविद्यायाणा
निवः हनथवयुसुखायातकोधनस्ययायाः पायनजुसांहासिकृति
विकृतिविलिकृतिद्यालजुईव हनथवयुसुखायागुवचनमन्येसेयु
वगुलगातिमलास्येअुनावसिजुईवनयमकईव हनथवयुसु
नायायायनजुलसाधिचा जुन्म जुयावसालनयमालव हरायु
युर्नवादअभक्षगुवसुनयावजुईव भोलक्ष्मीकुलयेालमेन
मयात वलमिसाजनयात लियतसमृतुजुलनावपुनजनमस
मिनजुलसांलक्ष्मीयातअुदय कस्येविज्यातंधकंः जोमयजुन पि
मवलमिनियातकनावविज्यात धकंकुमारनअुगवमुनियात
रानेमायमाहात्म्येकेरोरवंदे कुमारअुगवसंम्यादेशीत्वस्था

श्री स्वस्था
१८३

निवर्त्य धर्म लक्ष्मी समादे विनयाय पुन्ये कथा हाः गोमय जुषि
२५ कुमारनं शुष्या न आग्या दय कर्त्त श्री लक्ष्मी उवा
करुना कृपा न आवा जिन जुलसाः मिसा जनयागः पुन्ये यागुष क
सा जनयाः धर्म कर्म दान पुन्ये मेले मधु कुध कंधाल सा थव्यु
तिस स्मस्म देवता धुका स्मस्म धर्म थव्यु रूषया गुल धोसे ल
निदान यात केः तु तिसित केः तु तिस हेल मवत ले निदान या ना व
व्यु रूषवी नागा मेवता सु मधु थोत न जुलसाः हि हि हि या से व
त या उ या दु कासन मस्कार याय थु लिखन काव हेतु फि जो न
सन प्रात के यात लंख आदिनं क या व विद्य माल माल गुलि माल ला
गुथा सवना वत हल याय पुन्य या गुनु निचाय काव थते नु ति या

१८२

येकथाहः गोमयजुपितामातासंसादेकथाचौथाविसंध्याय
 कल श्रीलक्ष्मीउवाच धनलिभोधर्मकुलपोलयागुदया
 जनयागः पुन्येयागुषकन्येः विसारयानावनेसेविजाहुने नृपामि
 कुधकंधालसां धनगुरुषयाके समस्तत्रिथः पुरुषयानुतियालि
 पुरुषयागुस धोपेलहिनागुसयुल्येलाकं धनगुरुषयागुसरिर
 मवतले निदानयानावचोने धनगुरुषयाकेलनावथमनदेन्येध
 मताः दिदिदि यास्येवायायः सुधातेबलदनेदाडावगुरुषया
 नकावः केसुकिजोनाव वसिवायुय वसिवायुयधनकावः भ
 मालमालगुलिमाललानकावविद्य हरागुरुषनधायाथेधाया
 चायकाव धनेनुतियागुतिनजुलसांमिखासविद्यचरनरुकः

निगुरु
 १८३

धकं भालवचोनेः सिरसलंखनं हाहायाय धुलिधुनकाव. निर्यक
यावविद्य धुलितहलयायधुनकाव. भोजनजेनारयातके. भोज
यगुधालासतयावन श्रीकृष्णया भोजधकं भालयावनयधोनेन
पुरुषयाके भक्रियानाचोनहया धर्मानजुलसाः इहलोसिसुख
वासलाईवधुका धर्ममनुष्यायातजुलसा पुतिपुता कधधाय धर्म
मामनपुारनजोनायाकाथं हनंधर्मजुलसाकासा नभावयाकथं
भक्तिविबलमिसाजनयानामजुलसां सक्तिपुवकं न्याधकधाय ह
देतस्वता. कुकुधकं धालसा. धवयुस्वरनदुताहवगु. वस्तुकनिदान
गु. निमिविजुलसा. कायमचाडयके गुकुलधलमररक्षायातके ह
पुस्वरनदुतजुलनाव. बलसबनायं. संसर्गनधवजिवत्मागयायः धध
सकुनमदुमिसानयागु. धर्ममहापुनेषव धधयाकलमिसाजनग

र धुलिधुनकाव. निर्यक मीयुजायायत. मालगुसारदासः युजात
गेर्जनजेनारयातके. भोजनयातके धुनकाकावः धवयुसुवया गुची
कं भालयावनयधोतेन जुलसा दिनदिरासथोगुलितरहन. धव
न जुलसाः इहलोमिसुष भोजयायिजुयावयरवस कैलासगुलि
पुतिपुताकधधाय धमन-मानावतया सु. भातिनिनस्वेनायागार्थ
जसावसमान भावयाकथे. आहुसपुसुवयात भावयावसथोते भाव
पुवक-नाधकधाय हनमिसाजनयागु दोषदोलादि तादव. गुन
हताहवगु. वस्तुकनिदानयातावतय. हनकुलसरक्षायातावचोने
लधिलमररक्षायातके हनमहायुनेमाजुवसमिसाजनयागुलसा
न धवजिबत्मागयायः धथीनगुपदार्थः महायरस्तधधर्मपरलोक
धथयकाकलमिसाजनगथेजुईवधकधालता. धसमिसाजनम

श्री स्वस्था

१८४

उजुल नावः सुवर्णीया गुन सथा नावः स्वर्ग पतिः उजुलः हनस्यर्गसग
वसतन नित्य कावतया वईत नुव हेलक्ष्मीयात कनाधिकः उपलमि
थथीन कलला कनिस चयन ववध कंधर्मन जुलसो लक्ष्मीयात
थव पिता सिव भग्न माता सतिनाम बाला निघात कना वविज्यातं
केदार रवंदे कुमार गुण व संमारा दे श्री स्वस्थानि वर्ये धर्म लक्ष्मीस
यचि संध्याय २५ श्री लक्ष्मी उवाच कुमार नं गुण व या हवने
नाव विज्यातं भोलक्ष्मी धिकं छल योलसेन जुलसां थव भात या गुम भीन
लसेन डे नाव विज्यातं थव छल योलसेन एक चित या नावने न जिन क
रु व यात कोधन स्या या या यन म जुलसां हासिकु ति जुलं थ पायन वि
रगान स्या या त मन स्या या या यन जुलसां यालि निक नि जुया व जन
गुया यन जुलसां इह लोक संः कां तुल जुस्ये चो निव हन पुत्र व नाय

१८३

॥ यनिवजुल हनस्यर्गसगधेन ईवध कधालसां यात यता म्वरया गु
 रीयात कनाध कः उवसमिसा जनरां धये यातसा बसमिसा जनरां
 म्मिनजुलसा लक्ष्मीयात कनाध विज्यातं धकं गोमय जुनजुलसा
 नियात कनाध विज्यातं इति श्री स्करादपुराणे माघमाहात्मा
 स्थानिवर्धे धर्मलक्ष्मीसम्वादे उवमय जुयिता मातासंम्वादे कथाहा
 कुमारनं शुगवृया हवने पाशादयलं हन धर्मिनजुसा लक्ष्मीयातः
 लसां धवभातया गुमभीनस्वयाया पाप फलनगधे जु ईवध कं फलये
 य कचित्तया नावने नजिन कने धकं गुलिनं नमिसा जाणनं धवयुः
 गसिकुति जुलं धयापन विली कुति जुललाल जुलध कं हनं वे कोमि
 सां यालिनिकुनि जुयाव जन्म का ईव हनं पुस्तव वया शुवचनमन्येना
 योनिव हन पुस्तव नापउनि वरोवरन ल्वानाया गुण मन जुलसां

निगुह
 १८५

भातिनिजुया ब सुधुसना वया वधि ईवः नय वेल सं तो ने वेल सं र
नया या या पन जुल साः संसा हाः हा बा हा वधि चा जुया वः मे ले वु य
गे ना चो ना था स रा या त ई व सा हा जुया व सि यि व ह न थ व गुरु व
न जुल सा व ना व ना था स भा ग्य म से जु ई व लि थ ह थु रा दा सि जु या
लि वः पर पु ष द य का व जु य मा लि वः ह न थ व गुरु व या के जुल स
ग्या ज क या ना व क्हा यः थ व गुरु व या के य क चित या ना व या य
से वा या ना व चो ने मा ल ध कं ध मी न जुल साः लक्ष्मी या के थुा दे स
जुल सा थ व पि ना सि व भ क मा ता स ति ना म थुा ल नि या त क ना
या ह ने आ ग्या द य क ल ई ति थि स् क रा द पु रा ने मा द मा हा
स्थानि व र्धे ध मी लक्ष्मी सं म्वा दे या प ले क था ग व म य जु पि ता मा ता स
क्ष्मी स १ ध मी उ वा न्थ थ न थ म न जुल सा लक्ष्मी या हे व ने थुा रा

मय वेल सं तो ने वेल सं रवन का न मखन का न धमन या का त न जु को
पि च जु या व मे ले पु या व न य मा ल का व ज न म का ई व हरां मे व या के
सि यि व ह न थ व पु रु ख या त जु ल सा मा हा को धि न ना य ला ना या या य
लि थु ह थु या दा सि जु या व सि यि व ध स म था मे मे ले मे ले जु जु य मा
थ व पु रु ख या के जु ल सा कु तुं व नि दा न म या क ल थो ल स या के
य क चित या ना व या य मा ल भी न क नि दा न या य वे व हा र या ना व
सा लक्ष्मी या के भुा दे स उ य दे स द य का व वि ज्ञा त ध क ज व म य जु न
म थ ल नि या त क ना व पु रे या ना व वि ज्ञा त ध क कु मार न पु ग व
क रा पु रा ने मा द मा हा त्मो के दा र र व रो कु मार पु ग व स म्वा दे श्री त्व
ज व म य जु पि ता मा ता सं म्वा दे क था हा ध वि स था य २६ श्री ल
लक्ष्मी या हे व ने थ्या सा द य क ल भो लक्ष्मी ध क ह न क ना व ह य ध क

श्रीस्वस्था

१८५

छोलेलस्येनेनेनावविज्जाहुनेस्त्रिजातियाधर्मेकर्मभजतीभावय
यायद्वितकलपोलसुधनेपांमेवयाबालमस्यस्येधवगुह्ययार
वर्तयानयागगुधनेयागुरोवदवतिगेतथुकाथुगुलिप्रमाननः
जिनावयानागुपुन्येनजुलसांदेवयागुकल्पेधिदस्वर्गसवासल
लिपुन्येनजुलसांभीनबालजुयावसकताअसयावस्त्रिगुन
नमनुषेजुयावःजन्मकालवईवधोतेनधवगुह्यवविनानंमे
छलपोलसेनउःस्येविज्जाहुनेपायलाकगुयावकनेहपा
वकाशयायापनजुनसांधवधिवनायंथायमालिवलिघन
चमचाविश्याथाससमफास्येजिलाजनयातद्युतिपालयाने
नावयाफलनजुलसांमाहाधनाध्यजुईवमाहाभाग्यमानि

१८४

धर्मो कर्म भगती भावयाय गुमेले मधु धबगुरु सद्याके भगती सेवा
मत्स्यस्ये धबगुरु सद्यारणा लस्वय धवया फल गुलसाः यकादसिया
धुक्ता धुगुलि पुमाननः याकातनमिसां गुलसां न धबगुरु सद्याके भ
कलेधिदस्वर्गसवासलाई निश्चयनय बंधक धोनलिधुगु
ताता उपासया बस्त्रिगुन धुला बशानिगुनि विचक्षन गुया वक्ष माव
न धबगुरु सद्या विनानं मे वसु मधु धधर्म उवाच भोलक्ष्मी
आक गुया वक्षने न धा धबगुरु सद्या चयिता विद्या बक्षोय धा सफाया
य धा य मालिव लिपत सस्त्रि वतुं सोया व मत्तु जई बहनं धबगुरु
नयात धुति गालया ना व धु न वसु धादिन विद्या बधुति गालया
जई व माहाभाग्य मानि जई व लि धु गु जन्म स माहाभाग्य वतु ड

निगुरु
१८५

यवनधनाध्यजुईवहरांस्यायमचामेलेविद्ययानतिमानति
सांभारावर्तनवसुजातवसलासाफागाकुबुयकावकोस्वविद्याके
यमचाधुगुलिविवाहारयाकस्रयातदेवतायागुकलहिदस्यगीत
त्रियेःपित्रिकायेसजुलसाजिलाजनस्यायमचाभीनमोचावोन
थोयाफलनजुलसांथोयाफलजथेधकंधालसाःसासतकागोदान
तसवासलाईवःपुनर्वादहनंछताकनेडेसोविज्जाकुन्येःजिलाज
कुकालसाःजिमनेदेतनावयुल्येमालीवपुनर्वादहनंविवाहा
गजिदामकालसाजिनेदेतनावयुल्येमालिमावथोतेधाकोस
क्ष्मीयातकनावविज्जातं गोमयजुनजुलसांथवपितासिव
ववुडेयानावचोन इतिथीस्करादपुरारोपमाद्यमाहात्म्ये
थीस्वस्थानिवर्तेधर्मलक्ष्मीसंसादेयुस्येकथाहाज्वयजुयि

मले विद्यया नतिमानति यका व व सत पुन का व भरिया जन
न व य का व को स्व विद्या छो या या फल न जुल सा जिला जन ह्या
व ता या गु क ल हिर स्व गीत स वा स ला ई व पुन वा द ह न पि
या य म चा भी न मो रा वो ना व भो जन या न का या फल न जुल सा
ल साः सा सत छो गो दान या ना गु या क ल ला क अ त्वे ध मे न त्वर्ग
स्ते वि उ पा हु न्येः जिला जन या केः का र्ये म य के अ पु र्त न ल सा व
व पु न र्वा द ह न वि वा दार या डा व मे ले वि या व छो य वे ल स य
ग लि मा व थो ते धा को स त्ये न जु ई व ध क ध र्म न जु ल सा ल
जु ल सा थ व पि ता सि व भ भ वा ल न स ति ना म धा नि या त क ना
पु रा रो प मा द्य मा हा त्म्ये के दार रं व रो दे कु मार अ गु ग व स म्मा दे
पु स्ते क था हा ज्ज य गु पि ता मा मा र्म म्मा दे क था हा स पु वि स

श्रीस्वस्था

१८६

ध्याय २७ श्रीलक्ष्मीधर्मोवाच हनं कुमारनं युगलया ह
सालप्रासादयकलं श्रीलक्ष्मीधकं गुलिछिनं मनुष्यया युर्वजन्म
सं जुईव गयिन गुधक धालसाजिकने छलयो लस्येन डे स्यो विज
बु वसु बुया या या यन जुलसां सथुथा जुया वस सपे मफ्या व कष
या यामय न जुलसां खाल सं तो यु आ कदया व व यिव हन देवता या
नद रिड जुया व व नि व स रि र ग सि जुईव हन छोरा गोषा वेल जु
वास या ना व चो नि व थ व स व म बुध क सं स्ये का य मु म्वाल हसं
रन र क स वा स ला ई व हनं जा कि वा छो अन्न पु या या या यन जुलस
कुल जुल आ पा लु आ दि जुल हनं भी मु मो ति न व र व आ दिन बु ति या य
था स स वा स ला ई व म बु हन गु रू या क ला त ना पं यु स ग या ना या या यन जुलस
कु से ति यिव हसं धा ल नि ना पं यु स ग या त सा वि द्या हि न जु या व व नि व

१८५

हनं कुमारनं अगच्छ या हवन्त्ये आदयकलं हराधर्मन जुल
 लच्छि नं मनुष्यायुर्वजन्मसया नागुयाय या नागुयाय या फल
 लयो लस्येन देस्यो विज्यादुरोपः दुधकंधालसा नृपासि जल
 यावत्सरोपे मफ्याव कुष्ठरोगन कया वसि ईव हं कया स पुया
 यावत्सरोपे हनदेवतायात निद्राया नागुयाय न जुलसा तोस
 हं न कोरागोषा घेल चुकुलिया नायायाय न जुलसा नरकसा
 संख्ये काय मुन्नाल हरा लुवहो पुयायायाय न जुलसा रोएव
 अन्नपुयायायाय न जुलसा पुयायुदेगुले मालिव हनं लि फल
 गेति न वरत्त आदिन पुसियायायाय न जुलसा पुर्नराय मावा निवना वग
 पुसगया नायायाय न जुलसा लिंगसयाय लजुयाव काम कृदायाय म
 सा विद्या हिन जुयाव वनिव हरा राजायास्त्रिनायं पुसगया तसा थ

निगुरु

१८६

ब्रह्ममनायं पुंसं गंगायां ध्यायन् पलायकं हरां धरति धिंसि होदरयास्त्रिपु
लसां कुलदिन जुयाव बनिव हरातना के हेत्वा सया त्रिवनायं स भोगय
था बालसहृथाः थोते आदि पायलाक हनंददायास्त्रिवनायं पुंसग
पनि सवनायं पुंसगया सारबालस हाक च्यादईव हनं नैतिनायं पुज
सहृमी सल्लिनिनायं पुंसगया तसा का कचि कुखा ल उगुलं व सनायं
स्मत्तं लोकया त्रिपनि सवनायं पुंसगया तसा का कचि कुखा उगुलं व
रकतः कल्पदि चो निव व्यवन थते पा यला कध कं थोते सि यका वमनु
मिस सिमा भुयाया पापन जुलसां हायान भुना वचो नीव हनं थमन
या पापन जुलसां हसपोतस को चन वल कि वः थथी न गु विचार सया
लध कं धर्मी न जुलसां श्री लक्ष्मीया त कना व विजातं स्वमय जु
शालन माना सतिना मत्रास्तनिया त थो कथा हा कना व बुडे याना

हृगांधवधिधिसहोदरयास्त्रिपुसगया नायायायनजुलसां कुलहिन जु
हेत्वाययात्रिवनायंसभोगयुसंगयातधकंधालसा गो हाथ्या वसहः
हनंददायास्त्रिवनायंपुसगयातसाः सतानस्यसेजुईव हनकिपानि
न्यादईव हननैनिनायंपुगयातसा थवद्यानायवासनावधिब हरा
चिकुरखालउगुलंरवसिनापंकोचुत्येचासुयावभ्युतिउरवसिईव हराः
नसाकाकचिकुरखाउगुलंरवफलदव थोत्येयायायनजुलसां कुरादलन
लाकधकंधोतेसि यकावमनुष्येनजुलसां धरलेयेमाल २ हनभुः
नभुनावचोनीव हनंथमनजकसयानिमितीनिहोषावोषाया ना
मकिवः थथीनगुविचारस्वयाव मनुष्येनजुलसां धर्मकर्मयायमा
कनावविजातं स्वमयजुनजुलसां थवपितासिवभजनानासथाः
कथाहाकनावबुडेयानावचोन इति श्रीस्कपुराणे माघमा

श्रीस्यस्था

१८७

माहात्म्यो केदारवंशदे कुमारगुणवत्समादेशी स्वस्थानि वर्ते धर्मलक्ष
यजुषितामातासंमोदेकथा अष्टवित्तधाय २८ स्करादुत्त
वा भवन्ति महतामभी न जनस्त्वनिल किराठस्यः महादिसयन हरि न
सयाथ वभाषी नयाता वृहयाथो जुईवत वधान ह्य जुलसां विविधान ह्य
यो ते माल जुया वचो न गु जुल हनय मनया गु फलन जुलसां जुलध व
जलस सयत जुया व विजाली थो दको थ वभा विनथु का जुलध कं थ
निध कं थ मतया ता गु कर्मन जुलसां धना जुईव धक निश्चयन वृह
गु कर्मन थ वत जुईव हरा विष्णु न जुलसां दस प्रवतार काया वः
लसां थ वता जुया व दिगं वर जुया व जुलध कं श्रीसुर्ये जुये जुल
व मन्यो लोक न जुलसां भिनभिठ कर्म सहु विद्य गु स्वय माल
न गुह्या के आशाने ना व दिक्षा कर्म या यः जज्ञ या य गु कर्म गुह्य

१८६

गेदे श्री स्वस्थानि वने धर्मलक्ष्मी सम्राट् पकर्म फल कथा हाः ज्वम
 धाय २८ स्कराद उवाच हे अगस्त्य मुनिः शुभस्य भाविनो भा
 र्गिराठस्यः महाद्विषय न हरिन् धो सिलोक न धायोऽप्युवसे न मनुष्य यनि
 वधानल जुलसाः चिदिधानल जुलसाः माह देव जुलसां पो चिनि न जुयाव
 न याग फल न जुलसां जुलधकं हन श्री कृष्ण याग जुलसां कुवत्तु मधुधका
 यत्र भाविनधुका जुलधकं ध्यानि मितिनिः मनुष्ये यनि सेतः सियम
 यता जुर्वधक निश्चय न वल्ल लोक स भुक्लये माल धकं धमनं याना
 जुलसां दसः प्रवतार काया वः क्षदल याव जुल धमन याना गुकर्म न जु
 लधकं श्री सुर्ये ज्ये जुलसां अकास स भु मल याव जुलः अत निधा
 कर्म स दुविद्य गु स्वय मालः गुरु या के जुल धो यनि स के से ना या य मा
 यायः जज्ञ याय गु कर्म गुरु उ प्रात न वधन गु सु न मधु हरां तिर्थ स जुल

निगुरु
 १८७

सांगमनयाय ग्युभसनयाय वेलस वरादानयाय वेलस पित्रयात उ
मचा जुलन के माल धो पनिस जुलसां सिवतु भालया वपुजायाय ।
याय ब्राह्मनया के स्पेबायाय थ व कुल धर्मियाय थ व वपुमा
न के दोल छि फुकिरन काया फल ला कल जुल थो तेन जुलसां म
या थो विस्मया थो थो सुये येया थो थमनया गुः कर्मन जुलसां थ व
म भीन गुयात सा म भीन जुई व थो तेन स्यया वः मन व्यन जुसां वलया
सरिर जुलसां थमन निदायाय माल थ व मन स वा हाया ना मालः श्री
ग भुक्ति याय छवो जुलसां दान दत्त धर्मियायः छवो न जुलसां कुल धर्म
कर्म विना न मेता उपान हुन मुदु थो तेन मनुष्य लोक न ध्वषू हाया थ
स व य पुंस ग याय माल ध कं धाया व धर्मन जुलसां लक्ष्मी यात कन
ब्राह्मन यात माता सतिना म ब्राह्मनि यात कना व वु मे या यात ध कं स

नयायबेलसपित्रयातउधारयायगुबेलसजिलाजनजुलः स्याच
वतुभालयावृषुजायायः विष्णुस्थापनायाय श्रीसुर्येयातभक्तिः
नधर्मियायः यवववुमासयाकेस्येबायायः ज्याथजिथीपित्त
लजुलथोतेनजुलसांमनुष्यायनितेननुजुलयावस्वयमालवह
नयागुः कर्मनजुलसाथवताजुईवः थोतेनभिनगुयातसाभिनजुईवः
यावः मनस्यनजुसांजुलयावस्वदुमे धनसिहकनथवगुयात
नसचाहायानामालः श्रीसंपतिजुलसांस्ववोथयमालः छवोथमंभो
यः छवोनजुलसां कुलधर्मियायः थतेकर्मयोगविचारयायः धतेन
नुष्यलोकनध्वषूहायाथोभीनगुकर्मसदुविद्यमालः धतेनसादुज
नजुलसां लक्ष्मीयांतकनाजुलः गोमयजुनलसांथपिताडिवभक्त
कनाववृद्धेयायातधकः स्करदकुमारनजुलसां भुगवमुनिश्रया

श्री स्वस्था
१८६

हेवने आउपादय कस विजातं ईति श्री स्वरायुरान्ये केदार
श्री स्वस्थानि वत्तेशी धर्म लक्ष्मी सि मारोदः ज्वमय जु पित्तानि व भ
नं विस्वधाय ५८ स्वराद उवाच ह्युगल मुनि ओ न लि सि व भ
स्त्रिपुरुष सेन पुत्री गोमय जु या गुग्गुलु त व च ने ना व थ व पुत्री गोम
या थो धो स सार स मनुष्ये या मा या मा व जु ल ग थ धाल सा मे व या त
म तं सुष पि य ध का व ई व हे पुत्री गोम य जुः मनुष्य पति स्य न म व
या म रि र स ड र व वि ई व ह रां द ल्य म द ल्य ध न आ दि फु त का व वि ई व
या ड व फा ई व ह रां चि पुरुष फा ई व क्रोध या ना व मे व या त फु के ध
ई व गो लु मि सा ज तं रां सा व रि मं च या ना व लो क या त थ व भाल त स
मि स ज व ला ध व ला ध त जु ल सा त व स्ये का या व स नि व ध ह्ये मि सा
लो क स रा र क वा स ला ई व हे पुत्री ध मि ध म जु य का व भाल त व स

ति श्रीत्करायपुरान्ये केदारखंदे कुमार अर्धसप्तमदे माद्यमासुत्तमे
 ५: ज्वमय जुपितासिव भक्त मातासति नाम बालनि संमारादे कथा उ
 पुगळ मुनिओ नलि सिव भक्त बालन सति नाम बालनि थो यथान्ये लु
 वचने नाव थव पुत्री ओ मय जुयात आ जादय कलं हे पुत्री छन धा
 ल गथ धाल सामे वयात दुष विद्याने पिवा विद्या सां हाय कानं थ
 जु: मनुष्य पतिस्य नम वयात उपर स को धया गवसा वरिमं उडंग मेव
 यन आदि फुल का व विईव रुनं मीले जुया व चीन यिनि छोख बो घ
 धया ना व मे वयात फु के ध कं स निव ध ल मनुष्य यात नर क वास ला
 लोक यात थ व भालत स स व व स स मा म दा गु की जा थ व थी थी ईस्त्रः
 का या व स निव व ल मीसा जन यात ईह लो सं मा दा उष ति या व व
 ध म जु य का व भालत व स म का स्य चीन ल मीसा जन यात ईह लो

निगुरु
 १८६

कसमाहासुवसियावः परलोकसः वैराठवैकुण्ठसगासलाइविः हेयुः
नजुलसां हेमाताः पिता जितउधारजुवगुरवदत्तसा कस्यविज्य
वपुची ग्वमय जुयायागुविनति भाषाः नाव थनलिसिबभ
हुं याहेवने सिवभक्तवास्तुसां नधलां भोगुत्री ग्वमय जुयाय नकवने
धिकं सिवभक्तवास्तुनराः थवपुची ग्वमय जुयाय नईति हासकथाकरां
पुरनामधायागुरागरद गुलिदव थोनगरसगधिनक कंधालसाः स्व
रा अतिस्वभायमान जुयावचोन थोनगरसदको लोकधनाधे जुया
सधर्म केतुराजादसो चोन थोराजायासतदि १०० स्तरानिदया
यायसः पुतिरस जुयावचोन न्हिनन्हिराध्य श्रीविष्णुपुजायाय
तया केस्यवायाय गुलिसवदुतिलगाय जुयावचोन दुषिदरिद्रव
यातपुच भालयावपुतियास्वयाक हेयुत्री ग्वमय जुथोराजायाधर्मीरु

राठसयासलाइविदेयुचीग्वमयजुधकंधालं थोनलिंग्वमयजु
रवदत्तसाकस्यविज्यायमालधकं विनतियानावधालं थोतिथं
थनलिसिबभगतवासानरां अतिविराययानावः ग्वमयः
ग्वमयजुयथानकवनेजुलनावजिनइतिहासकथाकनताकन्येदे
इतिहासकथाकरां थनलिभोगुचीग्वमयजु शुवलचीका
थिनककंधालसाः स्वर्गसमध्यचोनइदुयाशुमलावतिचोइथ्येचो
कोलोकधनाधेजुयावचोनः धर्मसचिन्नजुयावचोन थोरागर
दे १०० ह्यरानिदयादयावचोन थोराजागधीनह्यधालसाधर्म
पीथीविह्युपुजायायगुलिसमनतयावचोन अतिनअभ्याग
वचोन दुषिदरिद्रवनाव श्रुतिकरुनाचायाव पुजापुनिलोक
जुथेरजायाधर्मरुतिजसयावकारा वधीविसवधाराजुया

श्रीसुधा

१६८

वचो न थपिन असस्म मधुवति पुरसना मरागर छ गुतिदव योन
यारानि ईदु पुभा धया लना मरानिदस्य चोन थोराया पुची चदु पुभा
रा जकुमारिया विवाहीया वदतयेयाव राजकुमारिया गुरा जानया
कलहल ग्रकंदवः थर हर्ष सिद्य देवरा जारा जुल सा थ व व य नि या
ईव थन लि छ रु या दिन मत व ध न रा जान थ व चदु पुभा राज मारि हूत
ऊ य या डा व उ वा वि य ध कः थ व व जन प पि या त ल न क त या व ह र्ष
या व थो स्म ल वि स्नां त रा व क ना व भो पि य जि जि स पु ची रा ज कु मारि
ना व पु ची या के ने डा व वा यो जि व म जि व उ वा वि या व छो य माल ध व
न थ व पु ची या थ म व ना व गु पा द य क लं भो पु ची चदु पुभा छ न
स्ये हल छ न म रा म ग थे व व लि स ल वि या व छो या ध न गु उ वा ने डा व
माल ध क आ जा द य का व थ ते मा म रा आ ग्या ने ना व रा ज कु मारि

१६८

१
 रागरछ गुलिदव थोनगरसः हर्षसीधदवराजादस्योचोन थाराजा
 थोरायापुत्री चडपुभाराजकुमारिदस्योचोन देपुत्री जवनयजु थो
 कुमारियागुराजानयावसाननेनावः मेवराजानयनिसेनद्रातः
 जुलसाथ्य वृत्रयनियान आंदरयाडावजिषेधकंलिसलक नावको
 चडपुभाराजमारिद्रातकलहलं थवेसहर्षसिंहदेवराजानजिनपु
 यातलनकतयाव हर्षसिंहदेवराजानः पुनपुत्रीरिद्रुपभासलता
 क्रुजिसपुत्रीराजकुमारिविवाहारयायधकंद्रातकलहल आवकप
 चावियावकोयमालधकंधयाव थवेराजाया आग्यानेडावः रानि
 भोगुत्री चडपुभाछनववुजुछनतर्हियालयायधकं आदयक
 कोया छनगुउ चानेडाव थवयावचोनयनियान उचावियावकोय
 ग्यानेनाव राजकुमारिन जुलसामामश देवने आजादयकल

निगुरु

१६८

हेमाता हल योल सेन जित ईहिया लया यग जुल सा जित युरुष मेव सुरा
धर्म के तु परा जायात विद्या वृक्षा तसा जु को य क मेव मेवरा जायति या
धक हेमाता हल योल या हेव न्य सत्य या वना व विनति या य धुन जित मेव
यात के धुलि उ चा वि कु न्य ध कं धा या व धन्य यु ची चंदु यु भारा ज कु
ज्या ना व विनति यात हेमा हारा जा यु ची चंदु यु भारा ज कुमारि न जुल सान
वाहिक न मेवरा जायात ईहिया लया ना व को त सा सत्य २ न पारा त्या ग य
ल योल सेन ग थ य य माल शु थं या स्ये वि ज्या हु न्ये ध कं मा हारा जा
धने ना व व या व ची न जन पी न यात म जी ल ध कं लि स ल वि या व के
रानिः निह वि युरुष ध व यु ची चंदु यु भारा ज कुमारि या हा स व ना वरा ज
रा ज कुमारि ह न मन स कु त या व ची ना ह न मन स कु भाल या व ची न
ग थो ध या व ह या ग धि न गु न ठि न सु दुरा जा य नि स्य न ह्रा त क ल ह

सा जितयुस्त्वमेवसुरांसयवः पुबलाचिकापुराधयागुनगरसया
कमेवमेवराजायतिशान्तवियाधुदोतसा निश्चयनध्वयुनत्यागयाय
वेनतिशायधुनजितमेवयुस्त्वमयवजिकेमेवतावकुनमडु जिववुजु
यपुचीचंदुयुभाराजकुमारियावचनन्यनाक भवत्स्वमियाथासमदि
राजकुमारिनजुलसान पुबलचिकापुरनामनगरयाधर्मकेतुराजा
सासत्यरनपारात्यागयायधकलिसलवियावलहलहेमाहाराजधः
पाहुनेधकेमाहाराजायाहेवनेविनतिशान्तं धोत्यपुचीयागुलीसल
धकलिसलवियाधुदोतं हेपुचीज्वमजु हर्षसिहदेवराजनईदुपुभा
मारियाठासवनाबराजानप्राशादयकस्यविज्यातं हेपुचीचंदुपुभा
नमकुभालयावचोनाहनमामयातकुधकलिसलवियावरुयाः
यनिस्यनज्ञातकलहलः धर्षिनराजायनित्केमनमतस्यः पुबची

श्री सभा

२००

कायूरनगराधर्मकेतुराजायाकेसननयावचोनः श्रीसनजाआ
सिधर्मकेतुराजायाधालसासनहि१००लकलातदसोन थोस
जुईवरेपुत्रीलियससताययायपालिव कुनकुशानधालसाथ
धयाला देपुविथुगुषधयमनेव कुननलाईकल शानिसुदरल
कुनलिकायावकोवरेपुविचडुपुभा थोसासारसहातमवयक
माहावियरित्तुलधके दृषसिहदेवराजानथवपुविचडुपुभाया
ज्जानेतावः चडुपुभारानिनविनतियातः भोपिताकलणोलस्यनसता
आग्गादस्यविज्जान देपिताथोससारसभुसीजनसाजुलसांन पु
वमभिनसासकल्येमभीन देपिताथवपुविजुलधाकाथमनक
ताधर्मकेतुराजायानयालनपांसोतसांजिमज्जानाः कलणोलस्ये
ज्जाहुनेकलणोलस्येनकुंधाधाकायमुखातः भोपिताजिभीनसा

गवचो नः श्रीमन्नजा अति आति आस्वर्ग्ये जुयावचो न हेयुविधे
 न कलातदस्तेन धोसरा जाया के क नानंगथ निस्तार जु ईवनिर्वीह
 न कुशान धालसा थवगण नरांधयात्मा हन सुम सुमेव या गणानन
 माई कल शानि सुदर स्यात ईदिया लया नावच्छोय पुगुलि मनस
 मासार सहात मवय कां गथे थव स्या च म चायो नावविद्य धोष जा
 न थव पु विचड पु थाया के आगुदय कलै खते पिताया ० प्रा
 पिता कल गोल स्यन सत कि स १०० रुधुदव थात गथे गुयय ईवध काः
 सती जन सा गुल सांन पुरुष गुल सांन ठव भीन सा स क ल्यं भी निवध
 गुल था का थ मन क म विद्य म पु क म ध या गु ध व कर निन जु ईव हे पि
 जिम गणा ताः कल गोल स्येन वस गोल यात ज क कं न्या दान मा व वि स्य वि
 हः भो धिता जि भीन सा मे वया म भीन म स्य त साः पर आत्मा उति सन सा

निगुरु

२००

सतदि १०० स्रकाशोदोलदि १००० स्रहृदतसाकुजुईविकंधा
रुधिकंनेनावतयायापिमिर्तिनजिनब्रसपोलवाहिकनमेव
ताहलयेलस्येनजितकंसादानवियजुलसा हाद्यगुजुगुनि
विज्याहुयेधकचडपुभारांधययितायाकेवित्तीयातं धायेयु
रासअतिश्रुदोलचित्तयानावसभासविज्यानावबुधीवलमैचीस
मनसमाहाधंधाजुयावचोनहेमविदुधालसाचडपुभाराजकुम
जायनिस्येनधालवलजिनजुलसावियधकंमनसआनंदरा
दियालयानावहोयधकंजिनधाया धतेजिवनडेनावराजकुम
लयायजुलसा अवलविकापुरनगरयाधर्मकेतुराजाया
तसाजिराधानायाजयायधकपुर्तिजायात हेमविश्रावगध
जिनजिपुविविधधकंपोनाववियमजिवमविश्रुधालसा

दत्तसाहु जुई विंधं धाया वः देविताथ स्वधर्म केतुरा जाधर्मसा
सपोलवाहिकनमेवयुहवकायमबुधकं प्रतिगणायधन हृषि
नसा हायगु जुगुनिरासानं उरययाना ब्रह्मसपोलयातवित्ते
वितीयातं धनयेयुचीयावचरानना ब्रह्मसिहदेवराजा याम
पानावबुधीवलमैचीसलतावभ्याग्यादयकलं देवुधिवलमत्रिजि
रसाचंद्रयुभाराजकुमारि ईहियालयायधर्कं गधिनगधिनरा
कंसनसआनंदयानावराजकुमारियाकेध देयुचिछनतई
मेवनडे नावराजकुमारिनविनतियातं देविताधर्कं जितईहिया
धर्मकेतुराजायातवियाबछोया मेवराजायातवियाबछो
यत देमविभ्यावगध्याययमालधर्कं धालममवस्वयातजि
वमविश्रुधालसाचंद्रयुभाराजकुमारियाईहियालयायः

श्रीसुस्था

२०१

शुवसरजुल आवगथ्यायामाल हेवुधीवलमं चिथोल धर्म केतुरा
वदयावचोन थोलयातरा जकुमारिविवा हारयाना विद्यानरां
विनारां मेवयुरुव जित मयवधायावचोन आवगथ्यायाम
जायाऽप्राग्यानेनाव विनतियातं ध्वतेमं चिन विनतियातं हेमा
स्येविज्याय मुमाल हेमा हाराजाः राजकुमारिन थुलितयुतिग्यायात
यायुत्रिया पुरुयायात गथेगथे खवः कुं गुरुयात मदय कावगथ
यायुत्रिगथिन त्रधालसा धर्म सतेग्यान बुधी भगती दयावचोन
धीग्यान रत थोलऽपुस्ती जरां नं ससार सवसे कायुव थोकु थ्याऽयरे
माल हेमाराज अतिचतुरचंख वनाव थुदिकं वस वलः हरिदेउ
तुराजा याके कोयमाल थोल वालनरां माल गुलि वलाना वउ
नः हरिदेव वालनयात अधाय या नाव विज्या कुन्ने धकं धायावः

२००

विथोलधर्मकेतुराजायाधालसासतदि १०० सकलातरदया
 हारयानाविद्यानरां गध्ये जुईव मविद्यधालसा जिपुचिन व
 तेन आवगथययाय मालजित उचावि दुन्येधकंधायावः धोतेरा
 वनविनतियातं हेमा हारा जा छल योल धंधा काय मुम्याल का
 रिन थुलित युति ग्या यात नावः छल योल धंधा काय गु कायः छल योल
 युरुवात मद्य काव गथे युति ग्या या युवः हेमा हारा जा छल योलः
 बुधी भगती दया वचो न हेमा हारा जा ग्वल अस्ती जन या केध म्मि पु
 न कायु व थो कु आ अर्थे थुलि व छल योल धंधा कास्ये विज्या य मु
 गदिकं व स व लः हरि दे उ वा लनः अुवल त्रिका पुर न ग या धर्म के
 ना लगु लि व हाना व उ चा दय का व व ई व हेमा हारा जा छल योल से
 ज्या दु न्ये ध कंधा या वः धते मं वि ग व च न डे ना वः हर्ष सिं ह दे व रा

क्रिगुह

२०१

जन जुलसां थो छनि भुयन व वध की मनस भाल या व हरि देव वा ह
सन छ लपोल भुवल वि का पुरन गर या धर्म के तुरा जा या के वना व
वा हा या वध क आ ग्या द या कि वध की माल को माल थे व रा स पो ल या त
व वि जा य माल हे वा सन राज कु मारि न धाल सा धर्म के तुरा जा वा
या ना व त ल हे वा सन थु लि या नि मि ती नः छ ल पो ल वि ल भे या य त्ये
धा या व थो ते ह र्ष सि ह दे व रा ज या आ ग्या ने ना व हे रि दे व वा सन रां
जिन वना व व य ध की हरि दे व वा सन जुलसां अव ल वि का पुर थ्ये
रान धर्म के तुरा जा या था स व ना व हरि दे व वा सन रां धाल हे मा हा
या त ने ना व जि ग टि प वा सन चाः छ ल पो ल या द र स न या त व या हे मा हा
ल सा म धु व नि गुर या न गर या हे र्ष सि ह दे व रा ना या पु त्रि च द्र पु भा रा
धर्म स लग य जु यो व चो नः गु न ग्या न संपु र्ण जु या व चो न हे मा हा रा

ममालयाव हरिदेववाहनसलताव आशादयकली हे हरिदेववा
मकेतुराजा या केवनाव थो चंद्रयुभाराज कुमारी छलपोलयातवि
मालधेवरासपोलयात बुद्धययाडाव केनादानयाथेकनादयक
लसाधर्मकवतुराजा वारिकनम्यवराजा जितमयवध के युतिजा
छलपोलविलभयायथेविजानाव उआदयकावविभयायमालधिक
नाव हेरिदेववाहनसलताव भोमाहाराज छलपोलया आग्याथे
सा अवलविकापुरथेनकलवनजुलो थोनलिहरिदेववाहन
ववाहनसलताव हेमाहाराजा छलपोलया जसयागुसांधर्मयाव
दरसनयातवया हेमाहाराजा जिमेवतायाकारनरावया मधुधुधा
जायायुत्रिचंद्रयुभाराज कुमारीदसेचीन थोराज कुमारीवदुलि
जुयावचीन हेमाहाराज थोहराज कुमारी मेवयातवियभुजेजे

श्री स्वस्था

२०२

धल गोलयात जो जे जुयाव चोन हे माहाराज धुलिया निर्तिन थोरा ज कुमारि
यमाल धर्क धायाव थोते हरि देव बालन या भाषाने नाव धर्म केतुरा जा
न धया गुण जो जे प्रवोध के देवात्मन थो ससार स धव सुविरी दियाल या
ये बुझये या नाव विद्यमाल हर्ष सिद्ध देवरा जान विचाल या नाव वस गोल से
लया कृपा दयाव को य कु या य कोन धाल सा सत द्वि १०० ह्यरानि दया चोन
या थो नि स्वयः निमत स माहा धु दोल जुयाव चोन धु कि सत ना आ मर
के नि स्वयः गथे विचाल या य व वी चाल या य म कृत साः वस गोल या गु
धये माया नाव विजया यमाल धर्क वित तिया नाव हल धर्क उचा विल हुनि
या हे वने आ गण दय कर्ली ध्यतेरा जा या आ जाने डाव हरि देव बालन
यम वनाव व्यासिकत याव धर्म तुरा जान धा को वस्म त्त ई ना प या न हे मा
ते गयु कारन जि व्रह्म नाव बुझय या ना नं जिन बुझय या य म कृपा हे मा

२०९

श्री स्वस्था

नयानिर्निन थोराजकुमारि छल योलसेन ई दिपालयाना वकास्य विजा
 भाषानेनावधर्मकेतुराजान भग्यादय केल हेरिदेव धालन छल योलसे
 मारस धवमुवि ई दिपालयाना वियजुलसा भीन कीर्तिदय याना वजा व
 विचालयाना ववस योलसेन जिउयरस कुपादत जा वव देवा लुन वस यो
 तदि १०० सुरा निदया चोन लः जिन गुषे निस्वय देवा लुग जिन गव लु
 चोनः धुकि सतना आ मराज कुमारि विवाहा यात ना व जिन गो लयाः
 मयुतसाः वस योलया मुवि विलाय या युवः देवा लुन धुगु लि जया स
 ग हलध की उचा विल दुनि धर्मी धर्म केतुराजान जुलसां धालरां
 ताने उग वः हरिदेव धालनरां वेला काया वः हर्षसि ह देवराज या था
 को वस्मस ई ना पयान ई माहा राज छल योलया भग्या था जिन धया भु
 व गुजय या यम फया हे माहा राजा वस योलसेन धधध का व भुग्या

निगुत

२०२

दक यकासे हल जिधाल सासत कि १०० सरानि दया वचो नः थो यनि
मारियात गथा विचालया य कई वधु गुति सजिन कई वम सुध व
वाहाया नावतया स विद्यातः विवाहा लया नालि विचालया य
या य धुयानि मिमिति न विन तिया ना हल धक उचा वित्य विय साध
जजिव वविति यय धुन पुन हल योलया गधे याय सास पुधे
यातः थते वासन या वचन डे नावः पुत्रि चद्रुय भावतिया थास वन
धया सधर्म के तुरा जाया थास हरि देव वासन को य धुन सत कि
मकयाः अम हरा विवाहा यात साजिन गथा वयात विचालया य
सा यात विचालया य मयुत ना धर्म नास जुई व धुलिया निमिति न
उचा विया व हल हेयु नि विवाहा या य मयु धा वल यात गथे ह पो ना
थ येन जित उचा विया व को या धक हवसि हे देव राजन धव पुत्रिया

रानिदयावचो नः थोयनिसयातविचालयायमकृपाः अमराजकु
नसजिनकईवमसुधकंविनतिया नावहल भोमाहाराजहरावि
या नालिविचालयायमकुलनाव जथेवसकापुनीनविवाहा ल
कं उवावित्यवियमाधकंः जिमचलावित्येहलधकः भोमाहारा
मागथेयायमालः पुथेयास्येविदुमेधकंधरावः ब्राह्मनरावितिः
दुयुभावतियाथासबनाव आग्यादयकलं हेयुविचं दुयुभाकन
गसनकोयधुनः सतकि १०० सहधुदवः थवयनिष्ठ विचालयाय
गथवयातविचालयायकईवधकंः विवाहायानावतयास चीज
ईव धुलिया निमित्तिनविवाहायायमसुधकं हरिदेवब्राह्मयात
गवसयात गथेकपोनावविष्टः पुकि उवागथेसबः छनमगासगः
हेदेवराजनं थवयुत्रियाके आग्यादयलधकं सिवभगतस्मनंता थव

श्रीस्तम्भ

२०३

पुत्रिज्वमजुयातकनं देपुविजोमयजु धनलिचडपुभाराजमादिनजुल
यिताकाशांछलयेलयानेवन्नेः धर्मकेतुराजावाहिकनमेससपुस
केतुराजाराईदिपालयानालिविचालयायमकईवधईधर्मनास
सधर्मकेतुराजायाकेः हराहरिदेववात्मनकोस्येविज्याहुनेधुलि
राजजिपुत्रिनछलयेलयवाहिकनः मेवगुरुषकायमधुधईयुति
अकास्येविज्याहुनेधईछलयेलमेनविचालयायमपुतसांधर्म
रायायधईः आग्यादयकाबछोस्येविज्यायमालधईधयावधोते
जानहरिदेववात्मनवोनाव पुत्रिचंडपुभाराधाकोहरिदेववात्म
न धनलिहरिदेववात्मनरासजायाकेवेलाकायावः धर्मकेतुरा
सिहदेवराजानआग्यादयकहकोषस्मसंवितांतरनं धर्मकेतुरा
छलयेलस्येनआग्यादयकस्येछोयावजिनहससिहदेवराजायाकेवि

२०२

चडपुभाराजमादिनजुलसांधवपितायाभ्याग्नेनावहरांविनिघातंहे
 जावाहिकनमेहसपुरुषकाधकंजिनविनिघातनादेयितावसुधर्म
 पकईवधर्कधर्मनासजुईवधर्कलिसलवियावहलसादेयिताथो
 कोस्वेविज्याहुन्येधुलिआग्यादयादयकस्यविज्याहुन्येहेमाहा
 एवकायमधुधर्कयतिग्यायानातनयायानिमित्तिगःकन्यादानमा
 तलयायमपुतसांधर्मनासजुईवधुःविचालयाचमालसाजि
 यमालधर्कधयावथोतेचडपुभारायचचननेहुवःहर्षसिहदेवरा
 राधाकोहरिदेववाहसांयतआजाविद्यावधर्मकेतुराभायाकेके
 लाकायावधर्मकेतुराजायाआग्रसनायव्यासिदवातयावहृषि
 विसांतरनधर्मकेतुराजायाकेईनाययातहमाहाजाधर्मकेतुराजा
 हृषसिहदेवराजायाकेविनतिघाताःहमाहाराजधुलिजिगुलिविन

निगुरु

२०३

तिनेनावः हर्षसि हदेवरा जान जुलसा धवयुवित्र नापंरवल्हा नावहना
एकस्य हलसाः हर्षमकेतुरा जाजिपु विचद्रयु भाराज कुनारिन क ल बो
शाथानाव चो न निमिति निविनतिया सेस्ये हल विवाहायास्येनया ह
मनास जुईवधर्क आगादय कस्ये विज्यात साः थुलिया कारन क
पोल स्येन के न्यादान मात्र कास्ये विज्या कुन्ये धर्कः लहिय मा लसा
स्येरा वि ग हा मा वयास्ये विज्या कुन्ये धर्कः धया वजिन होसे हल ध
हरिदेव वासनया वचन नेनाव धर्म के पुरा जान धवासनया देव
थुलित धाल नावजिन कु धाय धर्क म वि यानि सलता वः सधारया
स्वत काव दिनयाथे क नादय काव हरिदेव वासनया र कने देह
दिन थुपुन जुलध के विनतिया से हल धर्क आगादय कस्ये विज्य

विष्णुना पंख लहा नावहन जित को से लहलह हमारा जा कुध का आ जा द
भारा ज कुनारिन क ल यो ल वा हि क न मे व गुरु का य म सु ध की पु ति
हल विवाहा या से न या ल शुभ्री या त वि चाल या य म यु ज ना व ध
न साः थु लि का कार न क ल यो ल धं धा का से वि आ य मु म्बाल क ल
पं ध कीः ल हि य मा ल सा वि ल या य मा ल सा जि न या य क ल यो लः
या व जि न को से हल ध की रु हि दे व वा ल न रां वि न ति या त अ त्मे
जा न ध वा ल न या दे व ने आ ग्ना द य क लः हे ह रि दे व वा ल न
या नि स ल ता वः स धा र या ना य जो ति क या नि यो न क ल को या बु दि
वा ल न या त क ने हे ह रि दे व वा ल नः ह र्ब सि ह दे व रा जा या के
ह आ ग्ना द य के त्प वि आ कु ने आव वि ल भ या य म ने न ना रां कु

श्रीसुखा

२०४

निधर्क धर्म केतुरा जा रां जुलसां हरिदेव वासुनयात थो ला विद्या
रा काया वरुषि सि ह देवरा जाया थाय वना व विन ति पात हे मा हारा ज
नया थे क ना द य नः व य धु न भो मा हारा ज दिन थो धु न जुल धर्क वि
लया ना व स्य स्ये वि आ दु स्ये धर्क हरिदेव वासुनरां हे र्षि सि ह देवरा ज
रा डे ना व मन स्य मा हा थु न द या ना व रा नि आ था स स व ना व बु
र न थु आ द स्य वि आ त आ ते रा जा या व च न डे ना व रा नि रां मे नी नं
थे क ना द त ना व विलं भया य म ते व माल माल गुलि आ ग्या द
जा न जुल सां ध व ये हि त वो न क ल छो या व थु व पा द य क लं
कु मारि थु व ला वि का पु र या न ग र या ध र्म के तु रा जा या त ई हि
रा छ ल य ल वो न क ल ह या आ व सा मा गि कु कु माल ग थ्ये ग थ
धर्क दिन जा थो धु न जुल धर्क रा जा न थो र हित वासुनया ह व न्ये आ

२०३

गलनयातयेलाविद्याविद्यावृद्धांत धनलिहिरिदेवब्राह्मनराव
 विनतिपात हेमाहाराजाः धर्मक्यतुराजापातबुद्धयानाव दि
 दिनथोपुनबुलधर्कविनतिपातस्य हलः अपाव हलबोलसेनविद्या
 ननराहेषीसिहदेवराजायाकेविनतिपातानां थोतेब्राह्मनयावच
 नयाथाससवनाव बुधिवलमंतीसलतावधुगुलिसमस्तविस्मा
 रडेनावरानिरांमंतीनंविनतिपातं हेमाहाराजाधुगुलिदिनया
 नमालगुलिआग्यादयकस्येविष्वाहुन्येधर्कविनतिपातानावरा
 यावः अपावपादयकं लं भोयोहृितब्राह्मनजिपुत्रीचंद्रपुभाराज
 निकेतुराजापातईदिपालयानावविद्यमालयात थयाहुति
 जिहुहुमालगधेगधेमालस्मस्तः अपावपादयकस्येविष्वाहुन्ये
 तब्राह्मनयाहृन्येआग्यादयकं लं थोतेराजायाः अपावपादः नावः

निगुह

२०५

पोरहितवारातलसालजगेयासासागिधुलित्तमालधकीवि
नेनावराजानंमविद्याहेवनेआग्नादयकलीहेवुधिवलमी
मागितयारयावधकीग्नाग्नादयकावधतेराजायाग्नाग्ना
यानावविलं धनलिदेसदेससदकोप्याधनगितराजा
येनावकावतयमालधकीधायावमविनगुलसाकन्यादानयाम
दलयदयकावतयारयानावतलीधवेससधर्मकेनुराजान
शालनगुरुग्नादिनसलतावनानासासागिताललातकावदेस
लधातंभिन्नभिन्नःसमतननियकावसलकिसिग्नादिनकाय
यकाकावविलधवेससयुजापुनिगरायतिस्येनधवठवदे
प्याधनराजाग्नादिनतयारयानावःववस्वनावराजायामन

प्रलिनमालधकीविननियतं ओनेयोहितनंयावचन
कलं देवुधिवलमीचीपोरहितनं आग्नादयकथेसा
वधनेराजायाग्नाग्नेनावनकारनरांसागाहितयारः
कोप्यावनगितराजाभ्यादिनचोयकावथातथातईलान
लसाकंन्यादानयासागाहितमालकोतयारयानावः जग्म
समधर्मकेनुराजानकंन्यादानयावेलाजुयावुपोरहितस
गिताललातकावः देलसदकोवाजाप्यावनचोनयकावसक
नकिमिभ्यादिनकाययावः बलिगयतवधमालधकीचोः
तपतिस्तेनथवठवदे सदवथेभिनभीडवस्तुनपुनाव
पस्वनावराजायामनमभ्यानि आदयानावः धमनपाल

श्रीसुखा

१०५

किसर नाव प्रोर हित यनि मे ना सत या व मं वि अादि न भारदार स
न कल्प थ व ह व न्ये था जा धात का व या व न अादि न डुय का व नान
गर या धर्म के तुरा जा धु म डु व ति पुर न गर या ह व सि हरा जा
के पु स्थान या ना व व लि या त वि अात ध क सि व भ क था लु न
हे ज्व म य जु ध म के तुरा जा व रि या य त व व गु ष ना व ह व सी ह
त म वि व स म धार या ना व माल माल गु लि सा मा गि जो ना व
व ल स्व त वि अा ना व माल र गु लि वि धी या ना व ध म के तुरा जा
ल प्रोर हित वं वि वा हा ज ज्य आ र भ या त ह न रा ज कु मारि या
लु क न ति य का व न व र त न माला न जो वा य का व ग ह ना अ
व त ल ह रा ध म के तुरा जा या त माल को पी धि या ना व ज ज्ये
ज ज न वि चाल या त का व त ल ह रा प्रोर हित न ज ज्ये या त व

विष्णुदिन भारदारसकलेः सलकिसिगयकावः पुत्रा लोक
 विष्णुदिन दुयकाव नाना मी मल जा जायावः शुबल चिका पुरन
 गरया दुर्वसिहरा जाया पुवि चदुय भाराति वीवा हाया यध
 रक सिवभक्त प्रालु नसोध वुनी ज्व मय जुक ना व विज्यात
 मज गुषकाव दुर्वसी ह देवरा जान जुल सा तत्कारन योरहि
 लिसा मागि जो ना व व्याष न दुयकाव नाना भा जायात का
 ग ना वः धर्म केतुरा जा तत्त्व यावः दरवार स दुहा वि ज्यात क
 नः हुनरा ज कुमारी यात जुल सा शुभान यात काव भीन च
 या यकाव गद ना आदिन ति यकाव ज म्य या दुब न्य तथा
 को पी धिया ना व ज जे कुन्दल या दुब ने तथा व जो ति क न
 र हित न ज जे यात काव कै न्यादा न वि य यात न यार या ना

निगुह
 २०५

विलसं धोनीलिकन्यादानयावेलातेलायावजोतिकनति
विलंभंयायमतेधर्कधायावपुरहितजुलसांनेससयागवत्रये
गेनंवेलसनिष्ययावाजाधाननावय्याघनदुयकावनानामाथ
बृहर्षिहिरदेवराजानधवृत्रीचदुयभाराजकुमारिधर्मकेतुरा
ज्वमयजुर्कन्यादानविवलसनिषेयादायायाघनकिंतिनभ्या
थोधांलसावर्षाकालसांमेघगर्जमानयाकथ्यंथठिनसवदन
कन्यादानविद्यावहुराचंदुपुभाराजकुमारिनस्थानमालाजोनाव
नंकोषायकावचरनकमलसंभोकपुयावविज्यातं धोनी
दक्षिणाविद्यावहर्षमानयानावभ्यासिदधादविलंहेमाहाराजा
साधर्मकेतुराजायाकल्याणजुयमालधर्कहनंचंदुपुभाराजव
धादविविद्यावहनेपोहितधासनजुलसांराजायरूपनेविनतियातं

रेलायाव जोतिकनतिथातः हेमाहाराजाकं न्यानयालात्पेल
लसांनेससयागवत्रयेनावः धर्मकेतुराजानकं न्याराफयावः
धनदुयकावनामाधनपुादिनथातं कावमाहाहर्वमानयाना
राजकुमारिधर्मकेतुरागाथातकं न्यारातविलं हेपुवी
यायावतकिंतिनपुादिनथानावः विभुवनकंयमानजुलंज
याकथंथठिनसवदनयाप्रमानजुयावचोनं थुगुलिसवदनः
रिनस्यानमालाजोनावथवगुह्ययातस्वचारउलावकोरवा माला
गवविज्यातं थोनलिराजानजुलसांघोरहितप्राप्तनयनिव
दादविलं हेमाहाराजाछलयोलयाजयजयजयमालधकं हं
धकं हनं चंद्रपुभाराजकुमारियाकं ल्यानजुयमालधकं आसिद
राजायाह्वनेविनतिथातं हेमाहाराजापुाजग्यपुरीयाहुनेधकं

श्री स्वामी

२०६

आग्यादयकावराजानजिवेधकं जगपुण्यानावविजातं धन
तसिरयाउविद्याविषुसियातं हरांदायाव्यावनरातकिर्तियातनंजो
आसिदर्थदविद्याव्यदाकायावधवधव्याभ्रमसविजातं
नंयलाविलाविद्याव्यानदनस्याचयाविद्याहाधुनकावधवजि
आनवनविजातं धनलिधर्मकेतुराजाराधवसमुरायि
धालंहेमाहाराजाधलपोलदयानकृपानकन्यादानकायधुन
राविस्पविजातुयेधयावध्वतेजिलस्याचयाभाषानेनावरु
सताधिलहधुदवयानिमितिनठवपुत्रीदुषसिईवधकंसुवि
लताव्याग्यादयकलंहेमंविचंद्रयभासजकुमारियातसत
तिनिवस्त्रजहनानंतियकावविद्यावकोवधकंदनसधि१९
विद्यावकोवधकं मंत्रीयाहवराणे आग्यादयकलं धवेलस

रिया ना व विजातं धन लि हर्षी सि ह देवरा जान ह रि देव वा सु न या
 षन या त कि ति या त नं जो ग्य र थ्ये वि या व को तं प्रो र हित न रा जा या त
 य व ग्या भ्र म स वि जातं धन लि हर्षी सि ह देवरा जान प्रो र हि ग्या दि
 वे वा हा धु न का व थ व जि ल ध र्मे के तु रा जा व ना यं थि थि व ल्हा ना व
 तु रा जा रा थ व स मु रा पि ता ह र्षी सि ह देवरा जा के ये ला फो ना व
 न की न्या दान का य धु न ग्या व जि थ व दे रा ज्य व न्ये ते ल ध की ये
 या च या भा षा ने ना व ह र्षी सि ह देवरा जान जु ल साः थ व गु वी या
 नी दु ष सि ई व ध की सु वि या य या नि मि ति न वु धि व ल म नी स
 रा ज कु मा रि या त स त दि १०० ल ये ल स त दि १०० ल भ्या
 व को व ध की ह न स दि १०० ल भ री या त कु पु य फ को ध न दु वे
 पा द य क ल ध व ल स वु धी व ल म नी न जु ल सा रा जा या ग्या या

निगुल

२०६

येनुरंतधनदुबेकुचिनाबविल हरां चलभ्यातिनिजुलसांरु
बराजायाकेविनतियातं भोमाहाराजाछलपोलसेनभ्य
रियातदाईजोवियाबछोयगुजुकोतयारजुलधकंधायात्र
धर्मकेतुराजानं चंद्रपुभारानीनजुलसांधवमामवगुया
जजिपनिबनेतेलधकंन्यस्रथीपुहवनहर्वसिहदेवराज
तुराजासां: चंद्रपुभारानिन हर्वसिहदेवराजायाकेबेदाक
वथीकापुरनगरसबन्यधकं पुस्थानयातं धवेलसहर्वसं
थीजिनधायागुलिधनदयेजिपुवीयातवियाबछोबलाध
छेबधकंराजानभ्याग्यादयकायतत्कारनसकाजिभारदा
स्वतकलछोतं भोनलिधर्मकेतुराजानजुलसांधवदेस
दुपुभारानियातभुवथीकापुररागरयावाहिरसभुतिस्वभा

रल भ्यातिनिजुलसां हवनेन याव विल धोते स्म तत गार या ना
जा छल योल सेन आग्या दय क गु वस्तु क जुलसा राज कुसा
यार जुलध कंधा याव मभी न विन तियातं धधि न बेल स
लसां धव मास व बुया के ये दा फो ना व विन तियातं हे मा रा
न हर्ष सि ह दे वरा जा या के ई ना य यातं धो न लि ध म्म के
दे वरा जा या के वे दा का या व च र न क म ल सं भो क पु या व अ
यातं ध वेल स हर्ष सी ह दे वरा जा न आ ग्या दय क ल हे नः
य न वि या व छो व ला ध क भी न भी डु य चं य नि से न त य क ल
तार न स का जि भार दार आ दि न भी न भी न पं चं य नि स्ये न ल
रा जा न जु लसां ध व दे स सः शु व ल नी का पु र धे न का व ध्य चं
वा हि र स अ ति स्य भा य मान जु ला व यो न धा स स अ त्य क व

श्री स्वस्था

२०७

निकासतयावराजाजुकोदर्वारसविज्यानावानदनविज्यानी
स्वकवनिकासगथेचोनधालसाः लंकाकायापुविषतिरावन
धुगुलिअस्वकवनिकासः अजुधानगरयादसरधराजायापुत्र
तरावनरागुरनयातावधुगुलिअस्वकवनिकासतयावतल
वचंदुपुभाराजकुमारिनधवयिताहर्षसिहदेवराजानकोस्येहव
धनियातजोग्यजोग्यथेसिरयाउविद्यावकोतं धनलिताकालं
लायकुलयासनुवेहसुवयावचदुपुभारानियाहवनेवयाववि
उपरससदाकालंदयादस्यविज्यायमालधकीचिनतियातं धे
ययानिर्मिनीनधोलुगुलवयानवस्रछगुलविद्यावकोतं ह्य
धवस्वमिधवथासविज्यानकेगुनिमिर्तिनू गुगुलिपुकारनविज्यात
हृतामनसगुगुययानावभालपावप्रावम्यवनाप्रकारनजिह्वमगु

२०६

गवः प्रानदनविज्यात् हेयुभीज्वमयजुचदुभाचोनजुयु
 कायापुधियतिरावनयापुस्वकवनिक्कासचोनथेचोन
 यादसरथराजायापुवधिरासचदुयाकलातसिनादेविआ
 नवनिक्कासतयावतल ॐ अथेधुगुलिपुस्वकवधिकासचोना
 हदेवराजानकोस्येहवजनयतियात आरदारप्रादिनभरिया
 कोत ध्वनलिनाकालंदस्येलि चंदुपुभारा जकुमारिनयाथास
 रानियाहवनेवयावविनतियात हेमाहारानिछलपोलसोन जि
 मधकविनतियात थोचंदुपुपुभारानिराधवकेववृलषुसिया
 रजुलवियावकोत हेयुभीज्वमयजुथोचंदुपुभारानिनजुलसा
 गुगुलिपुकारनविज्यातकेजिह्वधकसनपुदोलचित्तानाव
 वनाप्रकारनजिह्वमयवधकविनाधमिनजिह्वमयवधक

निगुरु
 २०७

थोतेचंद्रप्रभारानिनजुलसांधर्मकर्मियानावजुल हनदुषिदरि
धवधासवसासतययानिदिनिनधवकेववजनयानियातुसि
कससंथोचंद्रप्रभारानियागुणासमस्तचलणवजुल
कोथासमचाविशुदेवयाकेडेनहेविशुदेवछनकेषछतानेने
दुप्रभारानियागुणानेनावविशुदेवनविनियानंजिमिसेनम
वनवल्लहलपोलहेमाहारानिछलपोलयाआगाजथेलंगना
दयकवजिनमनेनसाजिथीशांयाछिसुदर्शिलाधकभोसा
लपोलसेनधायागुलिबकचगुणादस्यविजादुमेधकधय
निनआगादयकलंदेविशुदेवतामेवतासमदुछानधालसा
लनउदेसकुछुयातथोछजितकयेमालधर्करानिनगुणादयक
रातियातंहेमाहारानिराजायाउधेसकेवलनमेवताकुनमदुदु

भाव जुल हन दुषिद रिदुयात उपरस वहु ति छे सात या व्रथास लोक
व्रज न यानि यात सुमिया नाच को ईव न्ति न थे रथ थे तुतु या नावल
न चल पाव जुल धन लि छे नु या दिन स थो चहु पु भारा निया
रव छे न के बछे ताने ने छे न जित क न्य माल ध क धा या व थ य
नियातः जिमि से न म द्या को छल गोल स्ये न जित न जा व निया
या आ ग्या ग थे लंग ना या य ग थे म डे ने छल गोल स्ये न ग्या ग्या ने
न द ई व ला ध क ओ मा हारा निजिन सि कता को नि अ य न छे
विज्या दु ये ध क ध या नः थो ते वि श्रु या भाने ना व चहु पु भारा
ग य म डु छान धाल सा छ मि सरा जा या वहु निर स या ड गः के व
रानि न ग्या ग्या द य क लं थो ते रा निया ग्या ग्या डे ना व वि श्रु न वि
न न मे व ता हु न म डु दु द य धाल सा दिन दिन थं उ का ज म न स द

श्रीमद्भा

२०८

नारुश्रीविश्वदेवजलयास नारुनारुधमनवसिवापुनारुः लंखक
विज्याईव धुगुलिपुजासमेवनतदुलमयाकसुनवनेमदुस्वर
जायायगुलिधुवदुतिरकचित्तजुयावचोनधुगुनित्यकसिम
जिनसिकोताकोरा जायाउदेमकन्यधुनधकंधयाव धोतेवि
दावियावकोतं धनलिचंदुपुभारानियामनसभालयाव धो
यातधमनतदुलयातधमरांतदुलयानाव धमरांपुजातयावनि
मिवधियजुलः ॐप्रावजिरासाहारा जायानसेवायानावतबल
दसैनयातवनेधकिसनरांभालयाव रात्रीयास्वपदुलजाव
शलसद्विज्यात धोवेलसचोनचउकीदारयनिस्यानतायाव
रानिखनावकुंधयमकास्यंसुमुकचन धनलिचंदुपुभार
वनाव वसिवापुयावलंखकयावपुजातयाव धमनविधुपुजा

२०९

ॐ

नवसिवापुनावः लंकायावः पुजातयावः श्रीविष्णुपुजाया नावाव
मया कसुनवने महुस्वयरां महु देमा हारानिराजाया विष्णुदेवयु
वचो नधुगुनित्यक म्मि मधुत ले सुवनायव मल्हाक देमा हारानि
मनध कंधयाव थोते विष्णुयाव चनडे नाव थोयात व च विष्णुयाव थो
मया मनस भालयाव थोरा जाया नित्यनिते विष्णुदेवयुजायायत
नाव थमरां पुजातयाव नित्ये कर्मया नाया निमिर्नि थरा जाया थ
या नसेवाया नावत वल श्रीविष्णुयाथा सध निधारा श्रीसजिन
रात्रीया स्वयं लजा वयल स चहुपु भारानिदनाव श्रीविष्णुयादे
गोदा रयनिस्यनतायाव वयदनाव स्वतनासेन चिकिधी कलुमाहा
थनलि चंपुपु भारानित गुलसा श्रीविष्णुयादे गलसहुहा
मयावः थमन विष्णुपुजाया नावः पुजा धनकावः चहुपु भारानिली

निगुह
२०६

हावरावधवदेसलिसाविजातं धनलिधर्मकेतुराजानस
धीविभुशदेगलसविज्यानाव स्वतनामेनः देगलसवसिवपुन
नावराजायाभुति कोर्धजुयावदेगलमियाकेधल देदेयालमिया
स्तेनकुत्ययावचाना थोपुजायाक सजितमकनसाः छमिजिउध
काव धनदेगलमिसकलमामनस भुति आदिमानजुयावः स्वध
अतिवासमानजुयाव वयायदमसित्येचोन भावकुयाय धीविह
रानि आवराजायाकेकुध केविनतियाय राजाधातसा कोध
ययुवध के साहुतियानावराजायावसत स्वयावविनतियाय
वनेदेगलमिनविनतियातं देमासारा जाजियनिउयरस देमा
लसविभुयुजायाक स भुत्यकवनि कासविज्याक स कादिमाह
जियनिसेनवसपोल गुयायानिमिर्निनः कुधायमहालाध केधा

लिधर्मकेतुराजानसदाकालयाथेनसायासव्याहानजुयावः
मेनःदेगलसवसिवपुनयाव श्रीविष्णुदेवदुजायानावतवगुव
मयाकेधलदेदेयालमियनि ध्वदेगलससुवयावदुजायातःहमि
नतमकनसाःहमिजिउधनसरवस्यकायधर्कराजानआगादय
मिवादिमानजुयावःसुधरधरयानावःप्रावगथेयायधर्क मनसः
गेनःप्रावदुयाय श्रीविष्णुपुजायाकसुधालसाचिकिधिकसमाह
राजराजाधालसाकोधनविज्यात धायधालसारानियातदुया
पतस्वयावविनतियायधर्कचोन धोनलिधर्मकेतुराजायाह
नाजियनिउपरसदेमायानावविज्यायमाल देनाहाराजध्वदेग
सविज्याकसकादिमाहारानिभविज्यानावदुजायानावविज्यात
धायमदालाधर्कधायावथेनेदेयालमियाविनतिभाषानेना

श्रीस्यथा

२०८

वधमकेतुराजानजुलसा मनरागभालयावविज्यात धनलिमालवे
नावभोजरीयायधुनकाव सभासविज्यानावयापालिवोराक
पालिपनि छपनि वनाव पुस्वकवंधीकासचोनसरानियात वि
लिगतपनिस्पन जुलसांरा जानया चरनसभोकपुयावचदा क
ज्वमजुकालिगतपनि अस्वकवंधीकासवनावचंडुपुभारानिय
नि माहाराजानकलवो जयातविष्णुयादेगलदनावविबध
गलगुलिथासदयकेधकीदिनतीयात धोतेकागतपनिस
दकयकल भोकालिगतपनि छपनिसेनदेगलदयेधकीवल
पयिकायाव सतकि कुतहातकाव कचादेगलसहितयानाव
हेकालिगतपनि छपनियातरा जानवचविथावदुवयासिन
भिनक व्याजुकोया वधकी आग्यादयकाव धोतेचंडुपुभारानि

२०८

विविज्यात धनलिमालकोनितेकर्मधुनकावधीविष्णुदेवगुजाया
 यानावयागालिवोराकलकोरावराजानायागदयकलभोया
 तासचोनसरानियात विष्णुयादेगलदनावविवधकीधायवका
 रनसभोकपुयावचदाकायावअचकबंधीकासवनदेयुवी
 सवननावचंडुयभारानियादसरायानावविनतियातदेमाहारा
 यादेगलदनावविवधकीजियनिहोस्येहलदेमाहारानिदे
 तथोतेकागतपनिसयाभाषाडेनावचंडुयभारानिराआज्ञा
 सेनदेगलदमेधकीवलनावकपनिसगुलितसिपदतउलिसि
 यादेगलसहितयानावधुगुलिथायसदेगलदनावविवधकी
 र्वचविथावहवयासिनदुगनचितनावविद्यधकीकपनिस्यन
 नावधोतेचंडुयभारानियायाआगदयकगुडेनावमनसगु

निगुह
 २०८

तिहर्षमानयानावथर्वकेगुलितसिधदतउलितसिधपिकायावदे
निस्येनःगथेदेगलदराधालसाःदेवयासुनिर्दीकायावःमज
तिधिकायावगुगुगुलुलथायनायानावसिधयानावधुनका
मावःमाहारानिधारेविनतिधातंभोमाहारानिधियानिस्येन
यायधुनःछलगोलयानिसेरातजरयानावस्वसेदिज्याहुयेध
वराडेनावभाषायेनावथर्वचंद्रप्रभारानीनजुलसांदेगलस्व
यकलःदेकालिगततर्निछपनिसयासिधवनावजिसंतोषजु
कावदेरायामिवाहुनावःनवर्तनयामतुकतयावगहनासंजु
कालिगततर्गद्वयेआग्यादयकावहुनथर्वस्थेवकयनिछ
दपनिसेनजुलसाभीविष्णुयादेगलप्रतिभानयानावयायतसा
यारयावधर्कचंद्रप्रभारानिआग्यादयकावथोत्तेरानियाग्या

उलितसिधयिकायावदेगलदनं हेयुचीज्वयजुधकासिगतम
मामुर्तिदीकायावः मगसलाकि सीयुभितियमुयंदि यामुर्ति
वसिधयानावधुनकावः कालिगतयनिस्येनमाहाहर्वमानया
माहारानिजियनिस्येनसिकोफकोसिययिकायावः देगलसिध
नावस्वसेदिज्याहुयेधकीविमतिथानावध्वत्तेकालिगतयाव
रानीनजुलसां देगलस्वयाववदुतिभुतिजुयाव हरां आग्याद
नयवनावजिसंतोषजुयधुन आवसुर्वनयाथीविष्णुयामुर्तिरय
तुक्तयाव गहनासंजुक्तयानावननाशांसिधयानावद्विबधकी
दनथवस्वैवकयनिष्ठमलतावग्नाशादशकली हेस्वैवकयनि
स्थानयानावयायततामागिमालकोताललातकावतकारनत
कावथोत्तेरानियाग्नाग्नाडेनावतकारनकालिगतयनिस्येनवि

श्रीमत्पद्म

२१०

ह्मुया मुर्तिदयकावसिधयानावतलं हरांसेवकपनिसेनसामागित
ध्वत्पवचरातेनावजोतिकप्रोदितनबोनकलहोयावदिनयाथेक
नलिविह्नुयायुतिस्थायानावदिनयाचोतिकराद्यरितयकावप्रोर
पुरनगरादकोप्यावनवाजानभ्यादिनमवगाकधर्क चोयकावधु
पुराद्वितीयावजग्ययायधुनकावप्रोरदितवाहनयातसुर्वनयाद
वहरांकालिगतयनिबुओगपरथेसिरयाउविद्यावहनदाकाप्यार
भरात्तीधाहनयुभीतिसकलपुजालोकनजुलसां चंद्रपुभारानि
वनं धनलिचंद्रपुभारानिनजुलसां श्रीमविह्नुदेवयाकेजु
केतुंचिततयावपुजायाईव जथेपुजायातथातसालधोरानिन
मिपनितयावमधिहुतकावथोहोयागुमधीचंद्रपुभारानिया
यातरायतगाकविद्यावहोईव शुश्लिषवरडेनावअबलश्रीव

तव कपनिसे न समागित शारयाना वरा निशा के विनति यार्त थोते
 कल हो या व दिन या थे कना दय का व विज्यातं हे पुत्री जव मय जुध
 करा घरित य का व प्रारहित वा सनरां ज ज्य यात का व थु व नी का
 गा क धर्क चो य का व थु गु पु कारन श्री विष्णु पुति स्थान या ना व ज जे
 वा सन यात सुर्व न या द हि ना वि या व वा सन य नि व सं तो व या ना
 उ वि या व ह न दा फा पार व न कि ति न जो ज्य थ स्व या व वि या व यो न
 न जु ल सां चं ड पु भारा नि या के था दा का या व थ व थ व हे स लि हा
 थो स विष्णु देव या के जु को भ ग्नी भा व या ई व स्ये वा या ई व थो या
 ग न थो ल सा ल थो रा नि नं नि त्य पु जा या य त ने व दे छा य त म ठि क
 न धी चं ड पु भारा नि या पु जा या पु थ ल स ज व से न त ह ल या त व स
 व र डे ना व अव ल श्री का पु र न ग र या लो क स ल्ये व या व ज व स

नि ७५
 २१०

सेनधुपथनावचोनिवः स्वस्वसेनकिर्तिनथानावचोनिवः हन
निवहृशं स्वस्वसेनस्वानहानावचोनिव हृशं स्वस्वसेनवाज
गायकावचोनिव धोरानियापुजाया ईव लसः स्ववायातववज
वियावहो ईव ॐ तलिहेजमयजु ॐ चंडपुभारानिनि
सकलसेनराहुतिचंद्र धर्मदुधकैरानियापुजासलाक्षिमल
नलिराजायापुजायायवेलसतहलयाकमडुगुस्वयावराजान
मंत्रियानिजिहीनित्यपुजाकर्मपुजासवागोयानावः तहलयाक
दयकाव धनलिमंत्रिनजुलसां पुगुलिराजायाआग्नेजाव मंत्रि
कासचोनावविजाकर्मचंडपुभारानियातित्यकर्मपुजासअध
यापुजायाईव पुगुलिमधीचधीतहलयाकजरापनिचातः क्षम
वधकैधावगुनेना भोमादाराजः नयदवयानिमितिनि सकल

था नाव चो निवः हुन ज्वलस्येन दाया था नाव भजन था नाव चो
हंसा लु ज्वलस्येन वा जा था नाव चो निवः हुन ज्वलस्येन च भजन
लसः स्व वा या त व व जन पनियात दे सन य या त पु र्गी या ना वः
च चंद्र प्रभारा निन नित्य २ गुगुलियु कारन पु जा या ना व लोक
या पु जा स ला छि म ला क्षी गुगुलि पु जा स ला त क ल व ई व थ
म ड गु त्व या व रा जान जु ल सा वि चाल या ना व रा जान जु ल सा हे
गे या ना वः त ह ल या क प नि ग न व ना ध क र ा जान मं वि या के अ धा
या आ ग न ने ड वः मं वि या वि न निया तं ओ मा हा रा जा अ त्व क व धी
नित्य क र्म पु जा स अ धी क म धी च धी पं चा मृत छा या व था वि ह नु
क ज रा प नि या तः स म न य मु म्बाल की स क ल या तं वि या व को ई
या नि मि ति नः स क ल लोक चंद्र प्रभारा नि या पु जा स व न ध क हे

श्री स्वस्था

२९९

माहाराजाधिराजमात्रमनुः लोकयाके ज्ञाः द्विपोलकरानिबहुं वि
लयापुजासतहलयाकपनिभुनवनधर्क राजायाके प्रविनवि
राजाणां जुलसां चंदुप्रभारानियापुजासयावषतस्वतकावतल
ब्रह्मलधर्कस्वलवनजगापनिस्थनविनतिगातब्रह्म अवेतसर
प्रभारानियावचनपुजास्वलब्रह्म अवेतसरानिनजुलसाः य
लसधर्मकेतुराजानजुलसां स्वयावविज्यात अविहनुगधिन
यात्रचोनहथोचलसरजानथोस्वयावचोनवेतस चंदुप्रभा
वनाब्रमनसमोहजुयावचोनथोचंदुप्रभारानियाहपगधीन
मिचोनथोचोन अचंदुप्रभारानिनजुलसां नपुजाधिनकावस
वनाब्रह्माहतासनं सुवर्गीयातायेनजुलसां नतिचायकावच
रांमिषाधियावसिलसहाहायाचात्र श्रीविहनुयास्नानवियाव

२९०

तः कपोलवरातिवडुं विस्वैकमदुःहे माहारा नथुलिहुनिन छलणे
 र राजाया के प्रविन विनति यातं अने मंचीया वचरा ने नावराः
 गाव वत स्वत का वतलं अ नलिरा निया पु जाया व वत गुया
 यात वलं अ वेल सरा जान जुलसा अ यनिस वचन डे ना व चड
 सरा निन जुलसाः एकचित या ना व भी विष्णु पु जाया ना व चो न वे
 रात अ विष्णु गधि न लु धाल सा हिरा या मिषाः मो निया मतु क द
 चो न वेल स चड पु भारा निया किर्तिन जुलसा रा जान जुलसा न
 भारा निया रूप ग थी न धाल सा थी नारा यत या क लात ल छिः
 सां न पु जा धिन का व स्वत ना सेन अ वत्सा मिध र्म केतु रा जा
 व सां नुति चाय का व चरन क मल सं भो क पु या व चर ना द विडुं
 विष्णु या स्वा न वि या व चरन सं भो क पु या व चड पु भारा निन

निगुह

२११

जुलसांधवस्वामिशजामाहाराजथवक्षेसविज्यातकावस्थनिआ
लसरागिनजुलसांलाहातहाजोलपावविनतिघातं हेमाहाराज
विज्यातः हेस्वामिज्वबेलसजिबबुनकलयोलयातकं न्यादानवि
विज्यातआवधनिजिउपरसबहुतिहृयादतधर्कचदुपुभारातिन
शोनावराजाथाशुहर्षमानयागावराभियाहवतोआग्यादयकलं
जितलोममनाहुनिमितीनधालसाः कनतताजुहथुपनिसता
लुतमनकेमफयाहेयीयथालियानिमितीनकनतविवाहाम
वबुथाकेविनतियागाहयाहेरानिआवकनधर्म्यावकातडे
कनजितईघातयमतेधर्कसजारीरानियाहेवयेआग्यादय
हेस्वामिमाहाराजाकलयोलयातहुदोषमडुः जिपुर्वममय
यागायानिमितीरानः चलतस्वामिवनापहोयेमदतधर्कवि

ज्ञातकारश्च निःशानंदनः भिन्नगुण्यासमसविज्ञातकलं थोवे
नितियातं हेमाहाराजाजिअनाथयाउपरसथनिवदुतिकृपादसे
गेलयातकं न्यादानवियाब्रह्मलब्रवेलसजिउपरसमायातस्येवि
धर्कचद्रुप्रभारातिनविनतिभाषारोनात्रः राजाराथुगुलिबचनः
ब्रह्मोपाग्यादयर्कलं हेरानिह्ननतविवाहायाताधर्कदयाधर्क
नताजुहथुपनिसतदिह्नदत्तध्वयनित्केभुलेयजुयाब्रह्मनतः
निह्ननतविवाहासयासांतिसेविवाहायायपर्वमधुधर्कह्न
नधर्म्यावधायतडेनात्रजिधरावयाथोतेनजितथथेयातधर्क
हेब्रमेअपाग्यादयर्कलं थवेलसरानिनजुलसांविगातियात
महुः जिपुर्वममयादोषथुकाप्रह्वजन्मसहुयानायापनः
होमेमदतधर्कविनतियात हेपुविम्वमयजुध्वधर्म

श्रीचिन्ता
२९२

केतुराजानकुलसा चडुप्रभारानियाथायासविज्यानावःपुनद
यायनकेनिमिर्तिनचौरासिजोलनदयकावराजायातयावि
कोथासविज्यानावनिलअत्रिपुरुषसुखसंखल्लाडावरावीकाल
सदायांथीविहृपुजायानावविज्यात धनलिरानिराज
वधवकेलिहावयावराजायातभोजरीयातकेनिमिर्तिनचौरा
लसराजायामालकोनित्यकर्मधुनकावराजकुलसमविज्या
यसविज्यानावआलकयानावरानियाथायसःपुनदराति
हेयुचीग्वमयजुधर्मकेतुराजानचडुप्रभारानियाथायसवि
चोन धनलीहेग्वमयजुथौराजाहुयानिमिर्तिनधनचोन
डेनावःअपुमत्तवचनसभुललपावविज्यात हेयुची
यजुमिताजनयाकेधुकागधेधकंधालसां पुहवनधवया

नविज्यानावऽपानदराचोनवेलसहनिराराजायातभोजनः
 कावराजायातवालिघातकावराजायावालिधुनकावनिह
 विह्लाडावरावीकालहनावप्रातकातजुयावधनराजाराजुलसा
 धनलिरानिराजुलसांस्थितकर्मविह्वुपुजायायधुनक
 गतकेनिमिर्तिनचौलासिजोअलदयकावतयारयातं धवे
 राजकुलसमविज्यास्यः अस्वकबंधीकासचदुपुभारानियाथा
 ययसऽपानदरातिहृदायानावसुधनविज्यातं धनली
 भारानियाथायसविज्यानावताकालंलायकुलसमविज्यानाव
 निमिर्तिगधनचोनधालसां धचंडुपुभारानियाऽपुमत्तधचन
 ज्यातं हेपुत्राजवमयजुथोसंसारसमिजनयासुधदुरवधा
 सां पुत्रवनधववायालियानावदेसडहावईवेलसमिसाज

निगुरु
 २९२

रायनिसेनसुदवचनखल्हानावभिन्नकं व्यानदनं प्रादरभावद
स्वगतस्योनाथोचोनिव व्युत्तिमुष जुईव. जवसमिसाजनरांक
बुभुमबुभुमबुभुषल्हानावभुकरादयकावजुईवः नके तिथवे
थोसमिसाथानिमिर्तिनयुरुषनमाहादुषनयावजुयमालिव
या प्रादरखालचनकनकाव व्युत्तवचराल्हाकयानिमि
धासडाविज्यात धराजाधथेचोचोगुलिदिसांकालवनाव
याकेः राजामविज्यानावसकलरानियनिथिथीषल्हानावजुलं
नावसाकुतिथानः हेततायनिभिजित्वामिनमं भिजित्केचित्त
आयाकेचित्ततयावचोनः हेतातायनिधामितानजं व्युत्कर्मी
१०० लक्षवेतयाव वजकयाकातद्वेषेजुलधर्क व्युत्तेनया
यनिजुथोरानिनराजाजुकोवसेकालमप्रतोः भारदारमंवि व्यु

पुनरुदयः प्रादुर्भावदयः कं भोजनयातकलसंभवसुपुरुषया
न. जवसमिसाजनरांकलीकिनिजुवावयवपुरुषवईवैलसद
कावजुईवः नके तिथकेससुई चालमदयकंतमचायाजुईव
छनयावजुयमालिव देपुत्रीजवमयजुधधीनचडपुभारानिः
रवचराह्वाकयानिमित्तिन धर्मकेतुराजाचडपुभारानिया
लिहिसांकालवनावथोधर्मकेतुराजायालातः सतदिहरानि
पथिथीसल्लानावजुलं धनलीसतदि१००हरानिनयाला
मिनमं डिजित्केचित्तमल अत्त्वकवंधीकासचोनलः चडपु
धमिसानजा अकर्मयातलामसियाधर्कमनजा डिजिसतदि
वेजुलधर्क अथेनयाकातयाविनापुरुषातमदयकाहेतना
प्रतोः भारदारमंवि अदिनपुजालोकसमस्तवसेयानातल

श्रीचत्वार

२१३

हेतुताजुयनिः राजापुजामिसायावसे जुलनावभिहिदकोदयाव
जिहिस्स्यनकुयायमालधर्कआवकुजतनयानारां राजाथव
साहुतियानावथनज्यधिहरानिरां प्राग्पादयकलं हेकेजुयनिजि
धालसाहिहिसेनमेवताजतनयानारां जिईवमपुन राजापुज
उजुगुतितयातसां राजाथवयाययईवमपु प्रावभिजिसेनकु
स्वकवंधीकासवनाववयाकेचाकरियातवने वयाकेवसेया
मंत्रयानावराजावसेयानाधर्कहेमाहारानिछानधालसा
दवथुलिरानियाकेराजानमनमतसेकुलणोलयाकेजुकोम
वहेमाहारानिजिउमरसदलणोलयाकृपादतसा थुगुलिमत्र
तियानधर्कधयावलिथुयनिसकलसेनजिव्रयेधर्कधधाय
हिसेनरानिधर्कमतसियकावसधियनिधायव वयाकेस्प

२१३

मन्नावमिहिकोदयावकुयायल्यासंमजेलहेततायनिःप्राव
 ततनयानारांराजाथवयायजिईवधकंधिधिसतधिहरानियाः
 णदयकलंहेकेजुयनिजिमंसजांथुगुजतनयातसाजुकोजिईवकु
 जिईवमपुत राजायजाथयवस्याजुयावचोनमिहिसेनयया
 मपुःप्रावमिहिसेनकुजुगुतिथायथालसाःमिहिसतधिहर
 यातवनेवयाकेवसेयानावनेडेहेमाहारानिहलपोलसेनकु
 रानिहानधालसाहलपोलयनिसयासतधि१००हरथ
 हलपोलयाकेजुकोमनतयावचोनथुगुलिमैवमाहात्यनद
 कपादतसाथुगुलिमवजियनिहसेनावविज्यायमालधकंविन
 मजिवयेधकंधधायवहनलिथुपनित्येनधालीप्रासाहि
 पनिधायवथयाकेस्यवायायतवारापेनुयोधकंधयावसतधिः

निगुह
 २१३

सरानियासातिमाहुतिधुनकावथोचदुपुभारानियाकेसधिजु
 दुपुभारानिमुसिजुयावचोनवेत्तवेत्तसज्ञानदि सरानिनजुलस
 नावमुसियातं धनलिहुरुयादिनसचदुपुभारानिमुसि
 रां चंदभायाकेविनतियातं हेमाहारानिचंदपुभाजिमिसेनद
 सकुयादईवला कृयादतसाहुंहुं हुताविनतियायधकैरानियनि
 पुभारानिरांथोयनिसतदि १०० लथवहथुषवधकैसिव०पुथ
 रांथोचदुपुभारानिनथोसतदि १०० लहथुयनिसयाभाषाने
 उपरस०यावतलेममुगुरवमल्लाकनिहमिसेनगुगुधलउगु
 सांहुमिस्यनधयागुलिनि अयविनविययायधकैधयाव अते
 रातियातं हेमाहारानिमेवताममुजियनिसेनथवगुरुषवसमु
 ववहुतिविरोधजुयावचोन थोपयानिमितिनिहलपोलयाके

सतिश्रीसर्वपमा

धर्मरत्नकोतोसिधुनेलेकोकोमाकाकायोपाठो।

भारानियाकेसधिजुयावचोनवन अनलिङ्गुनुयादिनसच
नदिमिरानिनजुलसांचडपुभारानियासधिजुयावचाकरिया
नचडपुभारानिसिजुयावचोनवेलस असतदि१०० मिरानि
चडपुभाजिमिस्येनकुलपोलयाकेविनतिङ्गतायायजियनिडयर
नियायधर्करानियनिस्येनजुलसाविनतियानावधाली अचंड
थुषवधर्कसिवगुथ्येनअचडपुभारानिनमसियाकुनावचो
थुयनिसयाभाषानेनावआणारयकली हेसधियनिङ्गपनि
मिस्येनगुगुधलउगुलिजिनकु मयानादव जिनजिवगुलिजुल
यायधर्कधयाव अतेचडपुभायाभाषाडेनावरानियनिस्येनवि
नथवगुगुधलउगुलिजिनकु मयानादव जिनजिवगुलिजुल
मनिजिङ्गलपोलयाकेवस्येयायगुमं वदईवधर्कदत्तसाजितकु

माकोमाकाकयोपाकोरा रकोमायोको वायामा योधुवकोवकोया

श्रीचत्वार
२५४

पादतसाजिपनिष्ठः सेनाविविज्यायमालधर्क हेमाहारानिजि
छानधालसाहलयेलयामिशासतदि १०० लकलातद्वय
वनापविज्यातं गुर्वहलयेलनेलतावराजाराजागनारांविज्यायमपुनः भि
निधुलियाहुनिनंजुलसामंविभादरपुजापुतिहलयेलयवस्यजुल
नविज्यानाहेमाहारानिहलयेलयकृपादतसाजिपनिउपरसहे
जिपनिसयाभालतथयथवहेसविज्यातकंवसेयायतमंत्रसे
तियातंनाव चंद्रप्रभारानिनंथुलिहथुपनिसवचननेनावथो
थुलिहथुपनिऐनसविधायकावजिगुजिकेस्पवायानावजिगुमन
पनिसयातमपुगुकर्मसेनावहेतसाजिस्वामिनासजुईनथोपा
लसामेवयामभिनस्वतसाथययातमभीनिवमेवयाभीनस्व
राधोसतदि १०० लरानियातभिठगुउपदेसविशमालछानधाल

के हेमाहारानिजिनिसेनं जां छलपोलसा फमाये यानामधु
 १०० लकलातद्वथोरा जान उलिकला ततो लतावः छलपोल
 गनारां विज्याय मपुतः भिनर्क छलपोलया वस्ये याना वविज्यात हेमाहारा
 ति छलपोलया वस्य जुलः हेमाहारानि कुमा हा मंत्र याना ववस्य याना
 तसा जियनि उपरस हेमा याना याना वविज्याय माल छन धालसा
 के वसे यायत मंत्र सेना वविज्यात यमाल धं के रानि पानि सेन विन
 निसव चनने ना व थो चंदु प्रभारानि यामनस भाल या वविज्यात
 स्पवा याना वविजुमन काय धं के जाल याना वचो नवल भ्या वजिन थो
 वा मिनास जुई व थो पानि नास जुई व जिभ्यु म्मध म्म जुई व गथे धा
 नि वः मे वया भी न स्वतसा धवतारा भी नी व थु लिगानि मिनि
 रवि यमाल छान धालसा थो ससार सग्व ह मिता जन या जुसा उथे

निगुह
 २१४

हरां यथेन जुलसां योपनि सया पुरुष जिन काय धुन धर्क हरं यो
मधु यो ० यध र्मध य ० प्रा व थो रानि पानि स्येन पुरुष कृत्स्न वस्ये काया
मसि य का व स धि पानि धाय का व स्ये वा या त व लः थु लिया ० प्रा सा न
स वि या व द्वा य ध र्क म न स भा ल या थ व ह्थु या के ध र्क हे स धि द्वा
व व्रा स ल वे ला व स नि व स व रि म व वे ला व यु र्ध व से या य ध का स
स धि पानि छान धाल सा पुरुष धिन पदी थ व स्तु श्री नारा य न या
स ल वे ल्ये म त्ये व ध र्क मधु थे जु ल सा द्वि मि से न दु गति जु र्ध व
को ज्ञ तु र्ध व मे व या के ज्ञा तु र्ध मधु थो ते न थ व भा ल तो या के मे
हे स धि पानि जि जि वु य का व त ल मा म व वु ना र्थ तो ल ता व यु ध यु र्ध
से न मधु गु क र्म या ना व भा ल त ना स जु या व व न सा द्वि जि स दु ग
सा ध या स भ म ल या स्व भा व व व ग थो दु स्तां त रा ता या ल्ये यो न सं

न कायधुनधर्कहरांशो संसारसलीधुनं हनधुयात हने गुधर्म
येन गुह्यदृष्टवस्ये कायनिमित्तिरारानिधिं जुयावजिक्वे रानिधर्क
गतबलः धुलिया ० प्राप्ता नत्रया ब्रह्मोपापानियात जिनभिनगुउपदे
हधुया के धर्ल हे सविद्ध नयनित्तेन मेव या गुषडे ना वमंत्रया ३
वयुह्यवसे या यधका सनिबुधुगुलिकर्म हुता या यमते वहे
यवस्तु श्री नारायणनया सिनमान्यया यमालमेव या सन्ये ना ववा
मिसेन दुगति जुईवधर्क हे सविपनिध्वं भाल तो थव के जु
नथ व भाल तो या के मे वरवने ज्ञानमधुगु कर्म हुता या यमते
नाय तो लता वयुधुह्यधका वयधुनः थो सयुह्यया तजिहि
या ववन साहिजि स दुगति जुईवमसियाधर्क हे सविपनि मिज
तां तगा ताया ल्ये योन सा के त कि स्वानया वा स नी ता या वगथेः

श्री स्वत्था
२१५

भमलयावनिवपुथेथत्वे ज्वलमिजनरांयात मिसाजनया
त ब्रह्ममिसाजनयाके अवस्येन भालन वसे जुईव हेतविषय
रामिजनरां वासयायीव हेतविषयनिस ज्वलमिसाजनरां युक्त
मिसायाधर्मनात जुईव हरां भालनयाभिनिवमषु थाठनमिस
पनिथवधर्ममपुथी लोकयासुष जुवथेः कलया कलात अपानन्द
जुवथे धर्मवधर जुवथे वसेयाय फुतसा वसेयाय जो ग्यवव
यावसेयायाक जिन जुलसा कृमिन् कृयाय मपु तधर्कचंडप्रभ
कावविज्जाल हेतुविज्जमय जुधनलिसतदि १०० हरादि
चनने नावविनतियात हेमा हानिरानि हलपोल स्यन सतदि
धर्मकेसुराजावस्ययानावतया गुपुगुलिउपदेस जियनिष्ठ
पोलसेन विरागु उपदेसण जुलसा धर्मजियनिसेन शिथय

मराणात मिसाजनयामानमजीतदत्त रसमायकावस्थेवाया
 लतवसेजुईवहेसविपनिगनचोनसांमुषजुलअपुनअवसे
 जवसमिसाजनराअकर्मयानावभाततवस्ययानावजुईवबस
 अभिनिब्रमषु थाठिनमिसाजनसितनावनकवासलाईवहेसवि
 ः कलयाकलातअपानदजुवथीथवथवभाततयाआईवधय
 तसावसेयायजोग्यववहेसविपनिछमिसेनजिकेवदुतिडुषति
 यायमपूतधर्कचंडप्रभारानिराथवहथुपनिसयातआग्यादय
 नलिसतदि१००हरामिपनिसेतांथुलिचंडप्रभारानिननेनावव
 मछलपोलस्यनसतदि१००हरानियाग्रहषजुगावविज्याकस
 गुलिउपदेसजियनिष्टकृपानायागावविज्यायमालधर्कछल
 मजियनिसेनशिअपुनयायजुलधर्क रानिपनिसेनबिनति

निरु
 २१५

यातं यो विनति भाषानेनाबु चंद्रपुरा निराधलं ज्वलमनुवेस
येइ राधं कं हेस विपनि छपनि सेन जिके स्ववायात गुषनाव
पुतुषवसे काय गुलोकस कले वसेत यगु धर्म रधय जुई गुः
धवात लाई गु उपदेस विप छमि सेन य कचित्तया नाव न्यन धव
स्ये कर्म जीव संवतं त्र देव पुरा नया य गुत्वर गुया व विज्या कल
निधुलिया दु निरा छमि सेन श्री कृष्ण या दे गल दनाव धी कृष्ण
कोई दुप ची नाव व सेया नाव श्री विष्णु पुजा या नाव धव ० पुा
यानावन हेस विप निथो संसार स ० प्राप्त नि नारायन द को स
आत्मा उति व ते माल पर ० आत्मा उति व ० आत्मा या के दया द व स म
धुका हेस विप नि छप नि सेन ० पुव जि रा ध या थो श्री विष्णु पुजा या
हे माद व कि व जस कि ति लाई व मृ तु जु ल ता व वै राठ वै कु राठ वा स

राधलं ज्वलमनुवेसा थोषनेजकडे जामाजनदकोपापफुईगुष
केस्पवायातगुषनावजिभुतिभुतिजुयधुसा आवरुपनिपात
गुधर्मवधयजुईगुः जसकितीलाईगु हरांमनुजलनाववैकु
कचित्तयानावन्नयनधर्क हेसाविपनिधससात्सतारनमारनव
वरजुयावविज्याकलप श्रीनारायनचाहिकनसुनंमडुहेसपीप
देगलदनाव धीकुक्षुयासुतिथागनायानावयकचित्तयानावद
पुजायानावधवंप्रासपासशचोको जनपानियात आत्माइति
पतिनारायनदकोसकलपानियातउधेयव धलिदुनिरांपर
आत्मायाकेदयादवसमनुषेयनाव श्रीनारायनयाभुतिहुपादवका
पाथे श्रीविष्णुपुजायानावकुलकविलासउपरसलोकसाउपास
ववैराठवैकुंराठपासलाईव हेसाविपनिनारायनयासेवायाना

श्रीस्वामी
२१६

या फलरा पुष्पाददैत्यनथानिया ० प्रावतलेः सुयस कोतिदेवतानय
रायनया पुसादन पुजासविरोध जुयावः हेरनेक स्पे पुरदैत्यः पु
वस्या या नाव दु वरदान काल धालसा दिन संरा त्रिसं स्याय महु
वता गनः पमुपं दिन सत्तु शुस्त्र स्याय मदय र्क वरदान ला कल
ल्हाददैत्य या त दु व विद्या या निमिति निधी नारायन रां नर सि घया
हे स विघनि थुलिया दु निन थी नारायन या स्पे वा या त ना व स पुरा
लसां सत दि १०० सरा निया लि थु मु या व चो ना ल्म डि म बु द व द नो
ला हे स वि प नि थी नारायन या कृपा नरा जा मं ची पुजा स म त्तं जि
या ना व स क ल्ये व स्पे या दु नि ध र्क चं दु पु भारा नि न थ व ह थु य नि
भ ग्त व ल्म न जु ल सां थ व यु वि ज्व म य जु या त क नं थ व
रा नि या वा के न्ये ना व थो रा का या व थो स त दि १०० सरा नि या

मयस जोति देवतानया रा जा जु या व वि जा तं ॥ ७ ॥ येन श्रीना
 हरनेक स्वे पुरदैत्यः पुल्हादया धिता ॥ ८ ॥ येन श्रीमा हो देव या के त
 रसं रा त्रि सं स्था य म डु ह रां पृ थि सं ॥ ९ ॥ का सं सं स्था य म द र्श कं दे
 य र्कं व र्खान ला क स थो दै त्य न श्री नारा य न या स्था वा या क स प
 रा य न रां न र सि य या अ व नार का या व हि र शो क स्वे मो च क लः
 या स्वे वा या त ना व स पु र्ण न का मु ना धि जु ई व हे स धि पा नि जि न गुः
 चो ना ल्प डि म बु द ४ ६ तो रा जा न ध्या ल ना पं म स्त न का व चो ना म डु
 त मं ची पु जा स म त्तं जि व से स व ल आ व ६ पा नि से न थु गु लि क र्म
 भा रा नि न थ व ह थु य नि स या त उप दे स वि या व न ल ध र्कं सि व
 या त क र्ण ॥ १० ॥ येन लि स त ६ १०० ॥ रा नि या न च द्र पु भा
 त ६ १०० ॥ रा नि या सा द्रु ति या तं ॥ ११ ॥ भा सा य नि थो चं ड्र पु भा

नि गुरु
 २५६

नधावगुवनिस्वचनववधर्क मध्ये धालसा मनुष्ये पनि कुलसां धा
निन कर्मियातसा धवमभिनिव हेरानियानि चंद्रयु भारानि न थी
बंशी विह्वलया के छाया गुनै वदेत हलया क पनियात पुरी घाना
मदुपनिष्पन्नका वः तिय मदुपनिष्प तिय का वत या घानि मि ति
पनिया धालसान मद्रव थी नारायन या म्यत्रा या पदव धर्क व
पनि चंद्रयु भारानि न धा धिन गु धर्म या ना या पु भावन सां रा जा पु
आया के वना वल निं छ वल २ दे गल दना व थी नारायन या पु जा या
रनि पनि डि डि से न चंद्रयु भारानि या सि सं गु धिर्क व ध य या ना व
तो य या ना व रु नं य मदु लया तन का वः तिय मदु लया तन तिय का
नियानि थी नारायन या मि जि स्ते न या उ य स सं तो व कु ल ना व डि
हरानिया सा कु नि धु न का व धर्म के तु रा ना या था य म व ना व

मनुष्येपनि कुलसं धमनभितकर्मयातसाधवतंभीनिवधमनमः
चंद्रयुभारानिनधीनारानियाके धुपनैवदेछायावस्येवायागा
नपनियातपुरीयानावनयतविषावछोतं हराधुकि संतनावनः
कावतयायानिमितिनिस्मत्तयोयावस्येजुल हेरानियनि लोक
म्यवायायद्वधर्कवयकचितयानावजुल हेयसापनिरानिलोक
यायुभावनसाराजापुजासकंलेधयावस्येजुल प्रावुडिडिसेनरा
धीनारायनयायुजायातकानावविषाधर्कविनयावजुलोधर्कहे
पुधिर्कवधययानावधीनारायनयायुजायानावधीनारायनसं
वमडुलयाततिचकाव लोकयनियातसंतोषयानावविषा हेरा
ससंतोषजुलनवडिडिसिया कामुनापुरी जुईवधर्कसंतहि १००
जायाथायसवनावरानियनिसेनविनतियातं रुमाहारागाध

श्री स्वस्था
२९७

लपोलपाधर्मधुलिजुईमतायाधनधालसाजिपनिसनधि
यावविज्यातहेमामाहाराजधलपोलसेनजुलसांरुधलयातजु
यानावविलधकीविननियातं धनेराणिपनिसयाविनतिभाषा-
कलंहेपियेराणिधपनितेनधायाथेजिमनसअनजुकोषवधकी
सानाधधलपोलसेनजुलसांजिपनिधउतिषनेजुलसाजिपनिया
पुजायातकावियाधकीविननियातं धनेराणिपनिसवचननेनाव
निपनिधपनितेनधायाथेनिशुपनसवधकीधपनित्यनधयाथे
भाधलयाकेजुकोमनबनाबचोनसवहेरानियानिथोचंदुप्रभायाधम
लस्वयावमधुरवचनयानावधलकस्वयावजिमनसधयाके
सांनंर-मसतामडुहेराणिपनिप्रावधपनितेराश्रीनारायनयाथे
यधुनधकीधचदुप्रभायाथीनारायनयाकेस्वेवायानागुपुर्णे

गलसाजिपनिसनदिस्. धानावचंडप्रभाहसु कुकोराकेसनत
 नकुलसांरुहसुयातकुकोदेगलदनावधीनारायनयापुतिस्थान
 निसयाविनतिभासायनाव. धर्मकेतुराजानकुलसां. प्राग्पादय
 रस. अनकुकोषवधकीधयाव. हंशरानियनित्यनविनतिआत. हृषा
 नषनेकुलसाजिपनियातस्मितिहृग्वलदेगलदनावधीनारायनया
 प्तिपानिसवचननेनाव. धर्मकेतुराजान. प्राग्पादय. कर्त. हे।।
 रकीधपनित्यनधयाथे. हृपनित्येतिहृ. १००. सुयातसनमवाये चंडप्र
 यानिथोचंडप्रभायाधर्मयाकचयाव. भकीभावस्ययाव. समालका
 गवजिमनसथयाकेवाहिकनसुयाकेसनमवन. ध्व. त्वलागावग
 येराधीनारायनयायेयायानायायधावगुयेनावजिबहुतिबुसिगु
 केयेवायानागुपुर्तेन प्रजापानिभारदारकाजिमीवीसकलेव

निगुह

१२११

से जुल हेरानियनि आचि न ह पनियान देगल दना ववि यध
कं पक चि न्या वस्य धा या व व वे ल स ह पनिसया मन दूर स्था
आग्यादय कलं हेपुत्री ग्वम पनु थोध म्मि केतुराजा

या व आग्यादय कलं हे कालिगत पनि ह पनिसे न देगल दना
नयाना वसत दि १०० सुरानियात सति ह ग्वल देगल दना व
स्येरात कारन स देगल दना व सिधया ना व वी ल धनलि
धी नारायन या के पक चि न्या ना व स्ये वा यात हेपुत्री ग्वम
ना धाल सा चंड पु भात व स्ये या ना थोरा जा प्र जा स क स्ये व से जु
जा यात हे ग्वम पनु थो चंड पु भा रा निया सिनं थु धिकं मधी ने व
ने व दे वा गु मधि लोक यात पु री या ना व सं तो व यात थु गु लि
स म सन स्य न न हल या ना व सन ल लोक या दे स न य पु मा ल

देगलदनावविद्यधर्मी श्रीनारायनप्रतिस्थानयानावविद्यध
पनिसयामनदूरस्थानगुर्नजुईवधकराजानरात्रियादेवने
जुथोधर्मकेतुराजानजुलसंतकारनव्यायालिवोनकलको
दपनिसेनदेगलदनावविद्यमालहृष्टा श्रीनारायनप्रतिस्था
नंदुज्वलदेगलदनावविद्यधर्मी, गुणगदयकलं कालिगतयनि
वर्णी ली धनलिरानियनिसेनराजानविद्यागुदेगलस
गयातं देपुनीज्वमयजुथोसतक्षि१०००लिरानियाहुकापु
जापुजासकलेवसेजुयमालमालधर्मी धुगुलिमनसतयावपु
सिनं शुधिकंमधीनेवदेछायाव लोकथववस्यसतयनिमितिर्नि
संतोषयातं धुगुलिपुकारन अवलविकापुरनगरयालो क
दयादेसनयमुमालकापुसादविद्यावभोगयानावसकललो

श्री स्वस्था
२१८

लोकपनिस्तेनयकचित्तराश्रीनारायनयास्येवासलमयजु
इप्रभाहससयायुजासकसपुसजिबुसतदि१००सुराभि
कंलोकसकलेलिमलाकजुलं पुवधिक्कापुरनगरयालोक
याभजिजुयावचोनं शुगुलिप्रकारनश्रीनारायनयायुजा
धर्मराधोरानियनिसकलयासनोरर्थंकापुराजुयावरा
इयानावृधयेधरोपचदुप्रभाधिकसतदि१००सुरानिराधो
पुहषनयुतिस्वहेयाकेःपुतक्षेनदुमन्नाभायालकोपुराया
मवल्लुमेवकुनमदुहानयालसाथोचंदुप्रभायादिजिसभा
बुलाहेरानियनिधयाधर्मदयानिमितिर्नदिजिसश
लहेरानियनिहपुगालिधयाकेस्येवायायगुजोउपेसपुम
दिजिससनोरथपुराजुलोःहेपासापानिःउवस्त्रपाकेध

नयास्येवासलमयजुयावजुलं हेपुत्रिज्वमयजु रूपां च
सतदि १००० सरानिमापुजासविचालत हलयायमालध
कापुरनगरया लोक म्पाधाजिठिप वासकलेयं श्रीनारायन
न श्रीनारायनयापुजासय कवित्रया नावस्येवायातं उगुलि
भांछापुरीजुयावराजापुजासकलेयं वसेत वनाववहुतिपुनं
१००० सरानिराथोयाउपदेसन चालनायं मस्वतकावचोनस
रांभायालकोपुरीयाडावुविलः हेपासापनि धर्म उपाततबध
पुभारादिजिसभालतः लायावकावसुथोयातसनुधयास
मिर्तिनजिजिसशतदि १००० सथोयादासिजुयावचोनेमा
यायजुजोउपेसपुमयसांहुयायचंद्रपभायाउपदेदानं
यनिःउवस्रपाकेधम्मवुधिदतः त्समसनुषयातःलीभु

नीगुरु

२१८

धाद्यमदुहेपासापनिमधेदुत्तातधालसावसुदेवयापुत्रः वा
दुनिराग्वकरावासुदेवपुजायातमबुला गुरामदुयादुनिनः
यनिः बबुकायथायमदुधयेद्विजिसदधुगुयावदुयायः च
याकेसेवायायमालहेपासापनिभुयादुनिनधर्मउपातः त
मिराः द्विजिसयातवदुतिस्वयलः देवतजुलसां मनस्येवापु
नयाकातनद्विप्रुदोल ७६००० वपिनियामनोथरथपुरा
यजुथोनंलिअवतिकापुरनगरयालोकसकलयाः प्रका
यानावः लोकसकल्यंधनाध्यजुयावः थवे २क्षेसभीनार
डानपुन्ययानावः सुषनंपदमआनंदनंचोनं ॥ ॥ हेपु
वसिकपनिसंकल्यंवेकंधसवासलानावपदमसुषनंस्व
मजुथोनंलिधर्मकेनुराजाप्रभितिः चंद्रप्रभारानिस

लसावसुदेवयापुत्रः वासुदेवमपुलाः गुनगणाराधर्मदवया
ला गुणामदुयादुनिनः वसुदेवसुनागां पुजा मया कः हेपासा
सहधुज्यावकुयायः बडपुभायाहधुज्यावः जिजित्सेनव
दुनिनधर्मउपातः तवधनगुहमदुःप्रावजिजित्सेनयासा
वतजुलसां मनस्येवापुरेयां नावविलं गध्येवाल्मसा श्रीक
पिनियामनोथरथपुराया नावविज्यात हेपुत्रीजवम
लोकसकलयाः प्रकृति तया नावः श्रीनारायणनयास्येवा
पुत्रः थवं रक्षेस श्रीनारायणनया मुतिदियेकावः पुजायानावः
दं नं चो नं ॥ ॥ हेपुत्रिजवमयजुः थ थ चो चो कालदश
नानावपदमसुषनं स्वर्गभोगयाना चो नं ॥ ॥ हेपुत्रिजव
चंद्रपुभारानिसहितनं सतद्दि १०० ह्यरानिपनिमः

श्रीमत्पु
२१८

तज्जपावः स्वर्गवासने तः जसदुत्तमं विमानहृयातयारयान
सन्तं स्वर्गनं विमानकोटहृयावः विमानसुधनावः अपसर
वहनं देवराज ईदृपनिस्यनंतस्वतकावः वैकुण्ठसथीनार
ज्वमयजुः भोचंद्रप्रभारनिनः पुरापूर्वकालसः विपचित्ररा
वचो न धकः सिवभक्तब्राह्मनराः धवपुत्रिज्वमयजुयातक
डेनावज्वमयजुनः धवदितासिवभक्तपाकेधिततियातं ॥ हे
धर्मयानाराः वैकुण्ठपनावसुवनं चोराधकं थोषजितवि
धायावः थोत्पुत्रिज्वमयजुपावचनरोनावः सिवभक्त
त्रिज्वमयजुः विपचित्रराजाध्याप्राह्नः धर्मयापगुलिजुल
लोकयातधवपुत्रभालपावप्रतिपालपाकः दानयापत
हनं प्रजापानियाउपरसः क्षमायापतः सडांयकचित्तजु

विमानहृयातयारयानावचोनःथनसिवदुतनंजुलसांःहता
मानसथनावःअपसरपनित्पनंजुलसांःआभलनंगायकाः
कावःवैकु-थसथीनारयनयाथायसतययनं॥ ॥हेपुत्रि
र्वकालसःविपचित्रराजानंःपदविलाकथेपदविलातका
वपुत्रिगवमयजुयातकनं॥थोनंनिसिवभक्तपितायाभागा
पाकेधिततियातं॥हेपितासिवभक्तःविपचित्रराजापाहु
वोणधकंथोषजितविस्तारनंकनावविज्यायेमालधकं
वनरोनावःसिवभक्तब्राह्मनंरांआगादयकलं॥ ॥हेपु
ःधर्मयायगुलिजुलसांःबहुतिचित्रजुयावचोन॥प्रजाः
रातपाकःदानयायतःजग्ययाप्रतःमाहारसजुयावचोनः
पतःसडांयकचित्तजुयावचोनः॥थथ्यजुजुंविपचित्रराजा

निजुल
२१६

था कालरना व मृतु जुया व जम दुत जो ना व न र्क स हिल के घन
ना व न गु फ स न मा हा पा यि व जुया व न र क स चो न म नु घे या
यि व स क ल लां ड व पु ना व मा हा सु व जुया व चो न हे ग
व वि प चित रा जा या के वि न ति या त हे मा हा रा ज वि प चि
ल पो ल व धि नि थ ना वि आ म या से वि ज्या दु ने ध र्क वि न ति
हे व ने प्रा णा द य क लः हे ज म दु त थो न र क स चो न म नु घे न
म ल या या य मा ल ध क थो व जि त वि स्तार न के ने मा ल ध र्क ध य
व ज म दु त न धालं हे वि प चित रा जा ध न गु ध म्म या सं व्या ल या
जा दु पा य धाल सा ध ल पो ल या लि थ ह थु क ला त द वः ध ल पो
थो ह थु ल या के न रितु स ना रां धु कानं रितु दान म वि या व थु गु लि
म ल या व द र स न या त व य मा ल ध क हे रा जा ध ल पो ल या ध

माव नर्कसहि लके घन वे लस भो विप चितरा जाया लस हा
नरक सचोन मनुष्ये या के हा ज वधु गुलि फ स क पा व ध्व पा
व जु या व चोन हे ग्व म य जु थो पा पि व स क ल यां सु व जु या
हे मा हा राज विप चित जि य नि मु ष या य या नि मि नि न छः
व ज्या दु न्ये ध र्क विन ति या ना व विप चित रा जा नः ज म दु त या
नरक सचोन मनुष्ये नं दु धाल सा हु नं थो नरक स जि न दाय थ
र न के न्ये माल ध र्क ध या वः थो न्ये वि प चित रा जा या ग्या ग्या ने ना
म गु ध र्म या सं ब्या ल या य म फ या या प क ता छ न के द व हे रा
ह थु क ला त द वः छ ल पो ल स्ये न लि थु ल या के ज क म न त या नः
तु दान म वि या व धु गु लि पा य न छ ल पो ल स्ये नः थो नरक स थ
ह रा जा छ ल पो ल या ध र्म स लि ल जु या या दु नि न छ ल पो ल या

श्री स्वप्ना
२२०

सप्तहानाववः गुफसरा जेनरकस जेनयनिष्ठ सप्तकपावथो
 नथोयनिसडुषमदयके निमिर्तिन धनके विनतियातं हेमाह
 वस्वर्गविज्याहु न्येधकं जमदुतरा धालं हराविषचित्ररा जारा
 हेजमदुतयनिजियनिस्वर्गसबनेमयलः कलपोलजुको
 धालसांजिह सधन-येनारां धयनिसकलयां सुवगुलस
 रागानधायरावः जमदुतनः प्राज्ञादयकलं हेरा जाविप
 नथमनभुजल लयेमालः हेमाहाराजः पुमिस्तेनयापयान
 कलपोलस्यनधर्मरा नायानिमिर्तिनस्वर्गयायदतः हेर
 मतेननारांस्वर्गवनेनयो धकं जमदुतनधायराव थनहरा
 लं हेविरधयास जमदुतजिस्वर्गवजं मयवमसुयय
 डुषजुयकाप्रजिजक गधेस्वर्गवयजिनिमिर्तिनथोयनिसरा सुव

नयनिवृत्तसकपावथोपनिमदुषपुनावसुषजुलथुलियादुनि
नकेविनतियातं हेमाहाराजाप्रावृत्तलखलयापापपुत्तआ
हराविपचित्रराजाराजमदुतयादुवरोपआग्यादयकल
यलः कलयेलजुकोविज्यादुयेधकहेजमदुतयानिहान
सकलयांसुषजुलसाजिधथायसंयेयेधकविपचित्रः
यकलहेराजाविपचित्रथोसंसारसधमयानाकरनि
जपुमिस्तेनयापयानायानिमिर्तिननर्कभोगयायमाल
नचर्गयायदतहेराजाआवृत्तलयेलंभविलभयाय
मदुतनधायावथनहराविपचित्रराजानआग्यादयक
गविज्जामयवमसुयव्यथोनर्कवासिपुसंभवयानिया
मिर्तिनथोपनिमयासुषजुलनावजिधनयोनेककीराजानंध

निगृह
२२०

एतन्मतेराजायाभाषानेनावजमदुतनराजायातबोधविद्य
नावजमदुतनविद्यातितानं भोधर्मराजाधर्कः विद्यचित्रराजाया
जमदुतविनतियातं धर्मराजाजमदुतयाहवरोपेऽप्राज्ञा
नकुक्षुधालसाकबुधकं जमदुतयाहवनेधर्मराजानं प्रादग्धात
उतरांविनतियातं भोमाहाराजाविद्यचित्रराजाजिपनिहन्नेध
नियाडुषजुयकावाजिह्वस्रजुके गथेस्वर्गतवरधकंस्मत्तंविद्य
तयावचनदेः नावधर्मराजाहहतासचायावः ईडादिदेवताग
विद्यचित्रराजायाथायसविज्यानावधर्मराजानं प्राग्धातयक
नाननारांस्वर्गतवनेनुयोधर्कः देवलोकनप्राशादयकलंथो
दयेकलंकं भोईस्वरदेवलोकंः छलपोलसेनप्राग्धातयकलं
कस्वर्गवाप्तुयातं सुषकुनंमदुषवः पुथेनसुषकुलसानकुया

रराजायातबोधविद्यमयक्यावः धनधर्मराजायाथायसव
धर्कः विपचित्रराजायाववित्तारनजिमिसेनविनतियायधक
मदुतयाहवरणेऽप्राज्ञादयकलं भोजमदुतधकविपचित्रराजा
धर्मराजानंऽप्रादग्पादयकलं ध्वतेराजायाऽप्राग्पादेः नावजम
त्रराजाराजियनिहुन्येधाल भोजमदुतथोनरकवासिऽप्रसभवप्रा
गीतवयधकस्मत्तंविपचित्रराजायावविनतियातं ध्वतेजमदु
यायावः ईडादिदेवतागनधोनकलछोयावधर्मराजायुभीति
र्मराजानंऽप्राग्पादयकलं भोविपचित्रराजाकायविलंभरा
कनऽप्राज्ञादयकलंथोतेऽप्राग्पादेः नावविपचित्रराजानंऽप्राज्ञा
लेसेनऽप्राग्पादयकलं गुषनिधयनवधकः हेपरमेस्वरदेवलो
थोनसुषगुलसानहुयाय भोदेवलोक धोनऽकसचोनप्रनिसया

श्रीस्वस्था
२२९

इषजुयावचो न थोमि दुषजुयकाकावजिजकगथेस्वर्गवन्द्ये
मजुलनावजिथथायसचो न्यधकं स्वर्गवासजुलसावमयव
तधकं कोपजुस्येविज्यायमनेहेमायानावविज्यायमालधकं
पानं हेपु श्रीगवमपुजुः धुलिविणचित्रराजावचननेनाव
चित्रराजाथोयनिसेनपापयाडातयापानिमित्तिननरकभो
स्वर्गयायवत हेधराजाधमंसारसथमयानाकरनिनभव
येयानायाफलनस्वर्गवासलानदुजुलसांधमीतमाजुयाव
जोमेपुमधुननानंस्वर्गवन्द्येनुयोधकं विपचित्रराजायाहव
धनेदेवलोकयावचननेडावविपचित्रराजानरुनदेवस्व
स्थानिदुलणोलनानिसेननिधमीत्माधकं आग्यादयक
गानेनाबदेवलोकनजुसां विपचित्रराजायाहवनेग्याशाव

निग्रह
२२९

सरागागुभापुनिर्यासं व्यालयायजिबहनं ॥ पुकाससचोन
विपचित्तछागुधर्म्यागुसं व्यालयायमजिबछानधालसा
चायाहुनिनछनगुलसांधर्म ॥ पुधिकैबधयगुलधकं देव
आदयकलं धते देव लोकया आगपानेनाव ॥ हरां विपचित्त
ईस्वरयनि ॥ प्रावजिगुलिधर्म गुलितकतदत्त ॥ उलितकधर्म
रकसचोनयनिर्यातगुलधर्म ॥ धयानिसंयाकोपापजित्तगुल
रावकायधुनविपनधुगंधकैविपचित्तरागानगुलसां सव
सधुपुनरादिनसधुधर्मकायाव नरकभोगयानावचोन
लोकपनिसेनविपचित्तरागायाहवने ॥ प्राशादयकलं देविप
धमाहायातकिजुयावचोनयनिसकलेषं स्वर्गवनगुललहुनि
लाधकै ॥ आववि नभंयायमये न नारां स्वर्गवनयनयोधकं

नं. अणुकाससचोनगुनगुतिनारायासंख्यालयायजिबहेराजा
रजिबछानधालसाः धनरक वासिसचोनपाधिनियाके कहना
धियजुलधकं देवलोकनजुलसां वियचित्रराजाया हवने आ
गव. हरां वियचित्रराजान देवलोक रा हवने विनतिरात हे
दत्त. उलित कधर्म जलसां धनरक वासियात जुल याना वन
एको पापजित जुलधकं हेधर्मरागा छल पोलपनिसाहित
राजान जुलसां सकलया पाप जुलसां मापयाना वविलं धवेल
भोगयाना वचोन एनिसकलो उधारजुशा वस्यर्ग वास वना व देव
गादयकलं हे वियचित्ररागा छल पोलस्येन याना गुलिधर्मन
गिवन गुस्वल कुनिधकं हेराजा अणुकाससचोन मरारथ पुरी जुल मष
गिवन यनयोधकं देवलोकन जुलसां वियचित्रराजाया हव

श्रीमद्भा

२२९

ये प्राणादयं कल धत्ते देव लोक या प्राणानेनाव ध विपचित्त
सक स्यं या तजित सं कलय या नाव विध्वन र क या सि या त य नि वि
न ध क आ व जित न ध य नि स या गु प लि सा जु ल सा न र क भो ग य
आ व जि त्व र्ग व ने द व नि ला ध क वि प चित रा जा न जु ल सां दे व
या द व च न डे ना व दे व लोक प्र भु ति न जु ल सां ध र्म रा जा न अ
र्मे न हा या या सि न व द्धु ति ध र्मे व ध य जु ल सु ना रां सं ख्या ल या य म ध
क स यो न य नि न र क पा ना पं सु न्ये या ना व द्धु न गु ध र्मे न जु ल सां
नु ध्ये न य ए प्रा त सा या उ प र स द्दे सा द त द नं ध र्मां म न स्ये मे व य
स्व य म प्र वृ त्त या त थ गु लि य द वि ला क थ्ये ला इ त्थ ध कं ध र्मे रा
गी न वि मा न को ता ह या व त य धु न ध वि मा न स द न व वि ज्ञा त्
य नि से न या व न द्धु य का व चा भ त न रा य का व दे व लोक न

२२९

ना व ध वि प चित्त रा जा न वि न या तं हे ई स्वर य नि जि न रा को ध र्म
न वा सि या न या नि वि य धु न ध य नि स या गु या य को जि न का य ध
न सा न र क भो ग रा ना व चो ने ध र्म जि न गु ध र्म स क ल कृतः
रा जा न गु ल सां दे व लो क रा द व न्ये वि न नि या तं पु गु लि रा जा
सां ध र्म रा जा न आ ग्ना द द य क लं हे रा जा वि य चित्त न गु ध
सां सं ख्या ल या य म कृत ध र्म को न धा ल सा प्र स भ व या नि ध न र
गु ध र्म न गु ल सां स्व र्ग वा स गु ल हे रा जा वि य चित्त स्र ग्व स्र म
म रां म न स्य मे व या त न क व्र ल या त द रां मे व या त दु ष गु व गुः
ना ई व ध र्म रा जा नं प्रा क्षा द य क लं हे वि य चित्त रा जा स्वः
न स द न व जि ज्ञा त नि ध र्म क ध या व वि म्भ रा स ध ना व पु य स ए
य का व दे व लो क न पु सु त्र ति या त का व वि य चित्त रा जा स्व र्ग सः

निगुह
१२९

विष्णुतं हेपुत्री ग्वसयजुथो विद्यचितरा जारां ग्वबेलसंमदु
विद्यचितरा जानतु धारयात थोथ्ये हेपुत्री ग्वसयजु चडभारा
पंसुन्येयाना वध्विद्यचितरा जानतु धारयात थोथ्ये हेपुत्री ग्व
यायातिमितिनिधर्म केतुरा जासहितन चडुपुभारानिसतद्वि
पुत्रिग्वसयजुथो संसासधर्म इ प्रातत वधनगुदुनं मदुधकंध
पुत्रिग्वसयजुधनधाया गुवनिश्चयन वधमिसानां थवगुस
गीयासलात के फलदुनं ग्वसमिसा जनरां थवद्वेसधनसंयतिपा
तनासया डावदुष विद्यफलवधकंध वस्याचयात इति हासकथ
यजुनजुलसां विनतिरातं हेमातापिता बालवजुतोलेथु
जुइवेलसमासववुवनापंथोनेमदु ओमातापिता वदुगुविन
निसनायवयथु काध्वयनिमितिनिरा नारां विदाविद्याव

नराजारां ज्ववेत्तसंमदुधेनेन भावनरक नायं सुनेया भावथो
धी ज्वमयजु चंद्रभारानि नभिन गुडयदे सविद्या वनरकना
रयात थो थो दे पुत्री ज्वमयजु चंद्रप्रभारानि नभिन गुडयदे सवि
चंद्रप्रभारानि सतदि १००० सुरानि यानि स्वर्ग वास लात थो हे
वधन गुडुनं मरुध कंध मीयाय कय काव का र्गं कुन कुन मरुहे
वधमिमानां थव प्ररुषयात विद्यातं ध मी वध यजु काय कावत्त
गां थ वदे सधन संयति या रे पूर्णि जय काव चो न सां थो स प्ररुषया
याय यात इति हास कथा हा कना व विलं धन लि ज्वम
पिता वाल व जु तो ले थु का मा म बु बु व नायं जो नि व त वधी कल
माता पिता व छ गु वि न ति या य जि जु ल सां व धि ज क चो ना व
रा ना रां वि दा वि या व वि ज्पा दु न्धे ध कं ध या व थो थो ज्वमय

श्रीसूक्त
२२३

गुणगुणानेना. वसिष्ठाने विहाय कावजिलनं स्याद्य
भोजनार्थात्तकाव अन्ये गभ्ये गभ्यस्तनं त्रिंशु काव निससः
महाविंशतममिमानिकया तिसान त्रिंशु काव फलारा फल
गरुडरा मनिमानिकया गुतिसान त्रिंशु काव फलान फलार्थः
तथा वधो धा यिन्येतः सिव भक्त स्रवा स्रन सति ना मव स्रनि
दुल्याया द्रव्ये धालं भो दुल्यायानं जि स्या च जिला जन धानि
वयनः हरां जिल स्या च या द्रव्ये धालं भो सिव स्मृ गव म
जिमिल लोलमानि बलु मन काव दुनिध कंधया व ध्वने पित
हा वया वनि स्र विपुल वरा यिता माना या चरन स वो कपुय
धु क कुमार न भ वया त के ना के ना व विज्ञान ई।
अंग व मुनि स्वरः सं पा दे मा य मा हा त्र श्रीसूक्तानि वंते

य का वजिलनं स्थायतीति नावय नाव अन्वेषण परार्थ दिव्य का व
 ननं त्रिदश का व निस्तस पातया नयानं वर या व स न न त्रिदश का व
 य का व फयारा फयाथे प्रादरयाना व आदरयाना व अने
 का व फयान फयाथे प्रादरयाना व निस्तसि पुष्ट दुलिस
 सन सति नाम व स निन लखल व ना व निस्तसि पुष्ट सपन
 स्थायतीति लाजन यनि निस्तस भति भीनं क विचल याना
 लं भोति वस्मा गव म म जु ल स स्व या स्व या दुनि छ मिसे न
 धि कंध या व धन्ये पिता माता या न्हे व न्ये व ना व दुर्लभा को
 या चरन स वो क पु या व वे ला का या व दुलिस द न व व रा
 वि ज्ञान इति श्री स्कंद उपुरा न्य के दार वंदे कुमार
 त्मे श्री स्व स्था वि र्धते त्रि वस्मा वा स न गव म य जु व स नि स्व

निगुह
 २२३

देसजमरांकथावितंतिधाद्य २० सकदउवाचाहेभजग
वालजुजियनिबनेधकंधयाववनं धनलिमामगुनधलं भे
नहुनिह्माधकंधालं धनेर्वातनेनाबल्याचनजिलानना
लिहाविज्जाहुह्माधकथिंथिंकोयावः हुनिह्मापुत्रीजवमयजु
धालंविज्जाहुह्माः माजुवालजुधकंधयाववनं वा वातुत
नमआतिनविलापयानावमासवगुयावगुः गुनलुमनका
लिसिवभक्तप्रालनसतिनामवालनिनिह्मापुह्मनसे
जिलाजनयनिबनगुवम्यदतलोमिबानहायदतलोः मिषालि
दयावयर्षीलजयावस्वतदृगाधनगावममदयावनिह्मापि
मदयाववयायेहेमसियावमिबानुषोविह्मायाकावः हाय
वविलापयानावचोनं धनेलसदेवयागुसंजोगनजुध

सकद उवाचा हे भगवन् मुनिः धनलिङ्ग्यात्तमेन भो मालजु
वनलिमास गुणनधलं भोजवमयजु हे जिलाजन भाजु गुणु
मावस्याचन जिला ननगादधक माजु मालजु छल योलजु को
गुः कुनि ह्यं पुत्री जवमयजु भाव छन गुष्वाल स्वय गातधक
धया ववचन का वातुत का ववन धन गो मयजु न जुल सां म
गुया वगुः गुन लु मन का का वमन स भालया वन धन
स नि नि स सि पु र वन सेन ध व क्षो लि हा म व से ध व स्या च
न वान हा य द त लेः मि मालि म का से स्व या व चो नं ह न वने म
गा व म म द या न नि हं मि म ग या व स्व या व चो नं ध न वने
नृ षो वि हा या का वः हा य २ पुत्री जवमयजु धक सि मा स चो ना
दे व या गु सं जो ग न जु ल सान सि मा या गु क चा च दि ला व ७

श्रीस्वाम्या

२२५

सिमानकुतिनवयावविलंघनसिवभजतधासुनव.सतिना
सचतावानावनवद्वारनजुलसांहिलोपावमत्तुजुल
निवयावभिन्नगुलिस्वर्गीयागुविमानसतयाव.शार्धव
निसेनजुलसाच्याभजनगायकावअन्येगअन्येगदु
कैलाससथातापन अन्तलिसिवभक्तधासुनवसति
पुरुषश्रीमाहादेवश्रीयावतिथागुचरनसंभोकपुयाव
लकाव.पदमआनदयावश्रीमाहादेवयागुसेवायानावचो
वासुनजुलसा.गोमयजुधासुनिमिस्वदुलिसदनावभ
रुषपदमआनदयानागुअन्येअन्येगमाधनरवल्हानाव
अन्येअन्येगायावनजंतु.प्रादिस्वयावदुरांनानायुरकार
हनणतआदिपंचयावपदमआनदनअन्येगावल्हानाव

२२३

भक्तजगद्वाहनवः सति नामवृत्तनिवृत्तयेपनिनिहं छथीवि
 हिल्लोपावमृतजुलं धनलिथीमाहादेवयादुत्तय
 विमानसतयावः धंधवयनिस्यनमोहायकावः ॐपुयसराय
 नावः अन्येग ॐपुन्येगदुंदुविवादेथातकावदिवेदेदुतुयकाव
 सिवभक्तजगद्वाहनवः सति नामवृत्तनिजुयावः नल्यनिसवि
 गुचरनसंभोकपुयावः मेवयागुर्जरभंसंवातकायमुमा
 देवयागुसेवायानावः नोनावः नोनी धनलिसिवमर्मी
 सिहिल्लुलितदनावभरियायनिसिनलितकावनिसविपु
 येगमाधनरवल्हानावः ॐपुनं धनदुगंतरवनांतरसथेनाव
 यावः दुराणानापुरकारयासिमातालवृक्षाआदियैस्वयाव
 दन ॐपुन्येगावल्हानावः वनं हनगवमयजुनजुलसादुत्तयः

निगुरु
 २२२

भल्याया हृदये आग्यादयकलं भोदुल्या भल्याधिकं दुदु पर्वतया गु
र्वतया नाम दुः शुशुलितं रादया नाम दुधकंः दुदु जातया गुसिमाध
भल्यातसेन विनति यातं भोमा जुष नीधयर्वतया गु नाम
न गुलियर्वतया नाम सुवेगा चलथा ईव हनं दुदु देया पति या गु
दुदुष येदव गु पर्वतया नाम तुलसां नारिषि सुचलथा ईव हनं दुदु
लया चलथा ईव हनं दुदुष येदव गु पुतिन चानला क गुलियव
ना म विद्या चलधकं धा ईव हरां भोमा जुष मय गुधकं हनं थ
त्वा मा ध सिमा वरा र सिमा वृदु सिमा चल सिमा हिदिता ल सि
नाग केसरि सिमा देव दारु सिमा तना सार सिमा तमाल सिमा
र सिमा ध कल सिमा थो ये ल सिमा धवल सिमा थो गु रु ना
मा ध ने लु सिमा ध फे सि सिमा ध पा सिमा ध मु ल सिमा

ल्याधिकं दुःपर्वतया गुनामकु उच गुपर्वतपु गु त्वनेनादवगु य
कु गु जातया गु सिमाधकं सप्ततनृतातं कवध कंधया वः दुल्या
नीधयर्वतया गुनाम युस्मं गिरिधा य गु हनं थ य ज व स चो
हनं दुदरे पा पति या गु यर्वतया गुनाम जी कु य च ल धा ईव हरां
ध सु च ल धा ईव हनं दुदु व न्ये द व गु से चो न गु लि य र्वत या ना मः म
ने न चानला क गु लि य र्वत ज्व चा गो चा यि स्ये चो न गु लि य र्वत या
गु ज्व म य गु ध क हनं थो सि मा या ना म जु लः श्री वरा द मा च वः
वल सि मा हि हि ता ल सि मा वलं गत सि मा ज्व य सि मा धुं सि मा
र सि मा त मा ल सि मा ता ल सि मा पी या तार सि मा पु गु लि गु व
व ल सि मा थो गु रू ना सि मा थो व रू ना सि मा थ य ल्ये व ति सि
मा सि मा थ मु ल सि मा थो म्व सि मा थ व दु सि मा थो म्ले सि मा

आत्मस्थ
२२५

भोमाजुगुलितजातधाद्य हकंनंकनेतेनानेनकधकं हननानाप्र
राधवलस्वानयालितजातस्वानजवापुषेइत्यादि नानाप्रकारय
जातंजातयास्वानदव भोमाजुगुधकंलितककन्ये हराविनति
वचोनजुईस्वनजनया नामकन्येकुडुधालसा तिघधया
राधयास्व हलिनधयास्व चलाधयास्व गुफधयास्व गुवाधय
द्वित्येवनस्वजनजुलसां गुमा धयास्व हराकुडुबन्येदवस्व म
हराकुडुधानलात्वेचोनस्वयानामजुलं भालुधयास्व हनं
कुडुधारनवनस्ववराहाधयास्व हराकुडुस्वभुचकवायुधया
राभोमाजुजवमयजु धराहावनस्वपंदिजुलसां गुवा तिजा
वानलाकस्वहालावाचोनस्वपंदि जुलसां हसदहेरया त्याम
पुत्करनि सरोवनसिमापुमा त्यानस्वया नपुन्येग वृक्षालना

नेन कधकं हुन नाना प्रकारया त्वान तक्रुत्वान चत्वारण वलित्वा
योइत्यादि नाना प्रकारया गुत्वान दव हुन च वत्वा त्वान पलोत्त्वान
नेन ककन्ये दशा विनति या यडे से विज्या हुन्ये धवन सव सलण
कुधालसा सिधधयास सादुरधयास किसिधयास जय
गुफधयास गुवाधयास उठधयास धारधयास भासा जुड
दरा हुडु बन्धेदवस मस्त हाव कि सिधयास गुभालधयास
न भा लुधयास हुन हुडुहालाव चोनस गुविचाधयास हुन
हुस भुत्व कवायुधयास दरा हुडु चोनस गुचोलेधयास हु
कि जुलसा गुवा तिजा भतु भईरियाधयास गुगल दरा भति
सा हुस दहेरयासा महु भधयास ११ धेवनस चोन वृक्षतास
गव पुन्येग वृक्षलतास या व भन भीन सरो वनस दुयास स

निगु
२२५

वासयानावः अये अये गसि तावुता फल फल नयाव नाना
हर्षमानयानावः निलापिलाया वनसः सयलयावयानावः वनं
दुर्गांतवनसथे नावः रात्रि स मय जुयावः पुनसं वासयानं थो
पन जुलसां जव मय जुयावः सय को को सिवर्त्मा यावः सय को को भा
गुधनसं पतिर कोरा नीस वुनं पुयावः यनं धन लिपुतका
नथ वठ वल सयोन गुतिसानं मदुः माम ववुन विद्यावः हवः गुधन
हन हाहा कारन सयानावः थो थो पुने ग विलापयानावः जव मय
वये धली थो दु ल्यापानि आ वग थय याय माल थानिया दिन सय
को सम सं पुयावः यनं डि जित या नु या वया ति मि ति नं पु निर
आ वग थय याय माल थि कार थाय डि जि र पानिया कर्म सम
न का वयने आ वदु ज्वाला विद्यावः यनं दया को को धन सं

लपुत्रनयाव नानाप्रकारननिसुत्रीपुत्रव्याख्यानव अति
यलपावयानावकनंवरानंवनं धोनलिकुनुयादिनसमाहा
पुनसंवातयातं धोवेलसशीमाहादेवयादंवरुनविद्यागुआ
वर्मायाससयोको भरियानह कोदकोमामवबुनविद्यावरुया
धनलिप्रातकालजुयावरुकेलगनंरायकावसुतनास्ये
वबुनविद्यावरुवगुधनसपतिहुनमदुथोस्वयावमाहाकल्वसः
रेलापयानावगवमयजुनजुलासंदुल्यातसलातावदुल्यायानेः
मालथानियादिनसपापिषुनराचितसुयावरुनधनसंपतिद
वयातिमितिर्नहुपनिगांजिगनिगांस्यानाथेनेलवयावचोनः
जि२पनिगाकर्मसमदुभोदुल्यायनिःप्रावहुपनिसयातहु
चदयाचोकोधनसंयतिहुनसुयावरुनप्रावहुपनिसननके

श्रीच
११६

मपुत्रज्यालावियनमपुत्रः प्रावृक्षपनिलिहाहुनिधकंजिनजु
तजिजुलसांथथीनः पुभागिनिजुलकुपाय भोडुल्लभल्लापानि
वानस्येवाथेनकिब्रधकजियनिस्तथनातकतयावतथाकधव
धनसंपत्तिदकोषुनगुयावयनधकंकनावविबहनजिणनिगि
धकंधयावहलधकंसलिलभीनकंनिदानयावधकीहानाव
जियनिगिल्लिगुहृषफवधकंधाव भोल्यानिपनिहपनि
कोषकोजुलसांजिमामववुजुयातथेनकावविद्यमालधक
वडुल्लपानिसेराधालं भोमाजुअमथेआगारतनावजिण
तासेविज्यायमेतेधकंधयावनिहृविगुहृषयागु चनसभ
ल्यातजुलसांथगुलिथासतोवनावलिहावनं ॐ० थीनलि
याववुल्लनवरां हितुहिलावयवतथाहाकोहावनानिह

लिहाइ निधकं जिन जुलसांन के त्वन के म पुत जाला विधन म पु
 राय भोडुल्ल्या भल्या पानि निमा म ववु पानिया के निप निशि ससयं भा
 न कत या वत था कध कं हनं फल लल यानि स्येन विद्या व ह या गुलि
 ना व विव हन जि पानि शि स्येन पु रुष या गु भा वान कु ल ल जु व ल्याः
 न दान या व ध के हा ना व विन ति या ना व ह ल ध कं ध या व विव हन
 भो ल्या नि पानि छ पानि स्येन ल स स्य या व या इ नि ध कं गिन था
 न का व विद्य माल ध क धा या व ध ते ज्व म य जु या गु आ ग्या ने ना
 आ ग्या द त ना व जि पानि जु लाल सा व ने ते ल फल यो ल पानि दुष
 पु रुष या गु च रन स भो क पु या व थ ला का या व थाम दु ल्या भ
 हा व नं ॐ ० थो न लि ज्व म य जु न जु ल सां पु न्ये ग दुष क व न
 हा को हा व ना व नि स्येन पु रुष न जु ल सां मा हा क व न या व

निगुल
 २२६

इवसि या वरुनं स हि लि या वसि ता वु सा फल फल जक नया व
कु कु या दिन स मा हा ना जा या व चो न गु य व त था हा व नं द रां थ य
न म डु दिन म डु व ल डु न य व त स ठा हा व ना व य व त या चो सं थो न
ना व चो तं ध वेल स ज व स य जु न जु ल ता थ धिन जा व गु डु र व सि य
ध कं जि हे स थ व य थो न या व तिसा न ति या व चो ना द रां थ व य थो हि
जु ल हरि हरि धु लि म कि कु द त दान ला क गु पि त्या क णा स चा या व त
न स ना यं थ थि डु व द भाल लि य त स जि त ग थे ग थे जु ई म ति या
म न स भाल या व धालं हरि हरि ना रा य न सि व सि व ध कं धा ई व ध वं
कं धाल सा यो ना स चानं जु ल तां पु ति या ल सि य म डु ध कं धा ई व
चो नं द न ग व स य जु न थाली ओ पु भु त्वा मि ने से वि ज्ञा डु न्ये जि
शानं का या व ली व का या भ ति तो न कि व द न जि स ति स डु ज स्य

फलफलजकनयावशाहरयानावमाहाकषनयाववनं हन
वर्तथाहावनं हरांथयवर्तसजुलसां लंगनमदु सिसाफलं
वनावपर्वतयागेसंथेनकाव कालकालजकतयावअथेचो
थधिनजावगुदुरवसियावमनसाभालयाः नारायनसिबसिव
वचोना हरांथययथेसितावचोनावप्रावृत्तितगधिनगुविपति
गुपित्याकपासचायावलंगभतिनयंलोनेमदुगुमदु थनिवादि
नगथेगथेनुईमसियाधकंसासंधंधाकायावचोनं थोनसि
सिवसिवधकंधाईवधकंताटसिनोनावतयादुधकं गथेधईवध
जसियमदुधकंधाईवप्रावृत्तिथमसांयनेदतोधकं भालयावः
मिनेमेविजाहुनेजिजुलसां पुतिनयित्यात घासनचालग
हनजिससिसदु गत्यवनेगुप्रासाधेनुयावचोन आवथोप

भीतवत्था
२२७

वत्तवननको हावन्ने शुभ हा अत्ता धो जुल धकं पिताक व्या
धकं धाया वपर्वत या जो सं ज्वल तुला व जो ते ना व जो नं थना ना
कत या व ज्वल गोल तुला व जो नं थो न लि सि व र्मा धा स न र
व ना व आव ग थे रा य मा ल ध कं म न स चि त्त ना या ना व जो नं
न के ध कं म न स मा हा धं धा का या व थो ए र्व त स धा ल ता लं व म
गु धि न म दु ह नं जि धा ल ता न्ना थ अ प्रा व ग थे रा य मा ल वि स
स्ये ग थे य न्ने न के त धा ल ता कु नं म दु मा हा अ न थं जु ल ध कं
या स स पा चि पा चि या ना वः सि व र्मा धा न रां धा लं भो पि य
धा धि न गु था य स ग न ल व द ई व थो न व लु क व व न्ने न यो ध
दि को न्ने ज क द ई व ध कं धा धि न गु नां गि ए र्व त स कु द ई व ध
धा ल ता ता या क नि म पु त के ध न का व ड थ पु थ न या व जो

१ जुलधकं धित्ताक प्यास चायागुनपिदलयावकधुगनावचोन
 २ जोतेनाबबोवं धना नागनागिनिनंत्वासतयाथो जासु कालन
 ३ नेनलितिवर्माधासुनरां जुलसा गोमयजुज्वलतुलावचोनशु
 ४ मधिज्ञनायानावचोन आवजिनकु नके लखगनकायावतो
 ५ ऐर्वतसधा लतालं वमदुत्वाननमदु वृक्षसिमानमदु लताः
 ६ वजयेयायमाल वित्पवनयाठमदु धाधिनसयातमनकः
 ७ माह्यपुनधजुलधकं धायाव माह्यधंठानं कायावकलातः
 ८ नरांधातं ओपिचधधियर्वतयाचोसं गधे गथोचोनाः
 ९ नजुलुधववनेनुयोधकं लखजुलसांसिताफलजुहिईत्पा
 १० गिऐर्वतसकु दईवधकं ओपुनपिचधकदनंदिजिपाके
 ११ वदुधपुथनयावचोनेधका चयेजुलुधनवाधधकंभो

निगुह
 २२७

प्रियदेवदवधकंधाधिनकसुववगुधासमुपसथेचोनेप्रनेध
माहाधिर्जयानावबुलुहुलाकोधनकाववरंथयवर्तयाके
फलनयावधिप्रयानावलंरवतोनावथासठासदिनावःसिवम
सहेथेनकलवनं धनलिधवसेथेनकावजामिक
छेधकंधालसादेवनेगुवलवनःलिबनेकलिलयावनद
गधिनजागुभितषाक्षेधकंधलसामावापिषाचनजकभुन
लिनचिनावतयागुचंद्रजोतिनजरयावाहिरिसदयकावतया
जमयगुनगुलसामनसभालयावधालं भोश्रीनाराय
सचोनासप्रावथधिनगुभितषाक्षेसलातफेनामचापि
अवसेनवधकंधमनसभालयावधेतदुहावनावगुनेयगु
हायकावसेयगुहजालस्ययावमनसविलापयान्यवदुधगु

सुसथे चो न्ये मने ध कं धा या व ध ते पु रु ष या ॐ प्रा शो डे ना वः
व व रं ध व र्त या को संहि लिय व ति सा फ ल वा या व हिः ति ता
त ठा त दि ना वः ति व र्मा वा स न या क्षे चं द्र जो ति न ग र या बा हि र
क्षे धे न का व र्मा मि का दि या व ज न व व र्मा या व चो नं ग थी न गु
व न्ये क लि ल या व न द धु म मु ज व ल द य का व त या गु भि त वा क्ष
वा पि षा च न ज क भु ना व चो न नि ता ज क का या व त या गु वो न पः
ग हि रि त द य का व त या गु छे ध ति व र्मा वा स न या क्षे ष ना व
र लं भो श्री ना रा य न ति व दि व ध कं जि जु ल सां ग पि रा गु छे
र ला त फे ना म चा पि ति त सु ष ति य म दु ध कं धा व गु लि न र वः
दु रु षा व ना व ॐ न्ये ज गु कार न रां वि ला य या ना व मि षा न षो मि
व ला य या न्य व दु ध गु धे न या व ति व र्मा वा स न या गु भ क या

नावदुयायजिगुक्कर्मनवलधकं मनसभालयालवपुथेदिन
 हिदयावकहयादिनसधवाथसतिवर्मावाहनगांजुलसां
 लनिआवजिनयरेसवनावभिधायोनाववयक्षसभिनकं
 तदुपुनंमदुःकेयागुआसाहुदुगुमदुःदुगांहुनमयाबुलनाव
 वस्तुकनवर्तमानयानावचोनेहुनहुनगभंसवालषदयाव
 ओवकुलायालालवनिनेयातवयवसानदनेयातवच
 येलयालाविद्यावकनसलिलभिनकंनिदानयानावचोव
 तषयागुवचननेनावभाषानेनावओमयजुनधालंओपु
 तयावाहिरिसवानावताथानछलयेनभिधायोनाव
 साथधिनंजुयावचोनक्षसंधालसाहुनमदुधनमदुअ
 नहुयानावचोनेथोतेनवनेथायमत्तेवपुलायेयाला

मालवाल ब्रह्मपुथेदिन हनावचोन जुलं धनलिलकिवाल
 म्मीवालनगां जुलसांधवविगोमयजुयातजुलसांधालं भोवा
 गाववयक्षसभिनकं भतिनिदानयावजीला हातिसवचंयायया
 हरांकुनमचाबुलनावगथेयाय हरांकुयागुःपासांकुदुगुमभु कु
 गभंसवालसदयावचोन थथेसचाबुलनावधालसागथेयाय
 वसानहनेयातवचंकुदुगुमभुनिधत्तेयानिमित्तिगजिवने
 निदानयानावचोवक्षसभतिनिदायावधकंधायाव धत्तेपु
 मयजुनधालं भोवभुनेत्येविज्जाहुनेजिजुलसांधथेिनगुदे
 लभिक्षाकोनावविज्जायधकंधायमत्य जिगुसहिरवाल
 नमदुधनमदुःपुचंमदुसंधतिहुनमदुधथेिनगुथासजि
 वेवपुलायोयालालवचीनेयातवयवसानहनेयातमद

निगुह
 २२६

तस्माजिवजिवधे मजसायायनिकेफोनावजिउधेयानावचो
धायमतेधकदुधेयुधेनयावचोने ध्वचदुजोतिनगरस
विमेषनकलवोलचलसायाधजुलगायमपुतमिषाधा
गधेभीक्षाफोनेतधालसाः परदेसधेनकलवनेमागुः भे
नेमोबिजाहुनेजिउपरमपुनजुसेयानावजिषनावकरुन
सयावाहिरिसजिगधेयाकातनचोनेमुनागरधायानावत
लसाधुननकज्वलनंसदुभोस्वामिधलपोलयाकेसहभ्र
विज्यायधकधायमतेहनफोनावनयधालसाजिगुसरिध
तमुनागाजितविद्यहईवधकंसिवस्मियावाहनयगुतुतिथा
गयुकारनविलाययानावविनतिथातं ००० ध्वनलीधुगु
सांजुलसांवीधमजुयाव हनं गोमयजुयाहवनेधालं भो

वज्रिउधेयानावचोनेः छलणेलस्येनजुलसाजितवानावतोठे
चदुजोतिनगरसजजमानयानित्केभिक्षाफोनावतरेयाय
कायमपुतमिषाधालसासकुफ नृसपोतनमालथधिनस
निकलवनेमागुः भोयुधुधतेयानित्तिनजुलसाजिगुविनति
वावजिषनावकरुनाकृपादयकावविज्यायमालथधिनगुदे
मुनागरक्षायानावतईवसुयाभलसानाजिथनाचोनेः सेसधा
लणोलयाकेसहभ्ररकोतिकोतिविनतिनीगु छलणेलजक
धालसाजिगुसरिथयेचोनफोनेलाप्रफोनेधालसायानला
वाहनयागुततिथानिघातसभोकपुयाकृद्यसगुनावपुनेः
ॐ ध्वनलीधुगुलिपुकारनधास्येनसिवसमीवाहन
याहवनेधालं भोयानपिचनेन छनअमथोधायेमते

श्रीस्वस्था
२२८

छानधालसापरिपचंनायानावल्लोपकेसालजिजुलसाला
वनमनसकुहतातासयायसुमालकनमनसःशुथोषोय
रिदुजुलजिजीधालसाभीचीधकं व्यावृद्धनकुनजुलसानय
आस्रजजमानयनिजिजिप्रद्वधुका धयानिसैयकेभिक्ष
वयधुका कनधंधाकायावचोनेसुमालआवजिज्ञनेने
वचोवधकं हनंजिमदुधक बोयावनसेनप्रसायेनजुप
जुयानकोलयाव बुद्धेययानाव हथियानानं सुलायोच्य
यानदयकेधकं मनभालयालयारपरदेससभिक्षाफो
हिलावमाहाक वनयावभीक्षाफोनाव जुलं हरांभी
मीधालसनरांजुलसाताईयेभुथेनावडास्यवनेगुसाप्री
वस्यतं ध्ववेलसदेसकुगुलिदयावचोनगुखनं धदे

गलजिजुलसालकि बालकि पुका धनगुष्वालमवनिआ
नमनसः गुणो षो षावजितज न्यधाय मते कुयाय धधिनद
हनकुनजुलसामनयतमदतसा थोचंद्रजोतिनजरस्यसः
नयनिसंयके भिक्षाको नाव नयावचो वजिजुलसामनगरा
ल आवजिबनेतेलः कनगुसरिरभिनकनिदानयाना
सेनप्रसात्येनजुप्रमतेधकं जितायायममुधकं जवमय
नानं कुलायो चालालारवचिरायेयान वयवसानहने
रदेससभिक्षाकोनेधकं वन ००० थोनलिदेसदेसः
गव जुल हरा भिक्षाको नाजुं कुं कुयादिनस सिवस
इत्यवनेगुसामधमदयाव माहाक वनयाव मावदिना
थोनगुखनं थदेसयागुसमियस गंगा क गुलि-लानाव

निगुह
२२२

येनं थोगगायासमिपसम अथाथिथिनिस्वसलयावचं
दयावंचोन थथिनगुमनहरस्थानजुलसांसिबस्मावासन
थाससथेनाव गंगासमोल दयावमालको जयधानसंध
मनसभालयावथो अथाथिथिनिस्वचोनठास अथासमवन
नथोयधकंसिमासधाहावनावस्वानथयावचोनंस्वान धालसा
स्वानथोववेलस थोवेलसदैवसंजोगराजुलसांसिमाकयाल
जुलसांसिहोयावमृतुजयावजन्मदोषारसवनं थनलि
पयानाव अथावजिनमाहाक वनयाव थोयावरुषसियावमा
लिबुलायो च्यादयावलवचिनेत्ययानं थो अथाववासनलि
जकव नयाव चंदुजोतिनगरसयाजजमानयनिस्के भिक्षा
यमाल उलितयानावचोनावचोनं थनभिक्षासगुणंजुयावम

धिनिस्वसलयावचोन थोठायस पुनेगसिसाफलस्वान
लसांसिवस्मावास्वनरावनाव अतिरसनायावधुगुलिः
लको जयधानसंधानयनयायधुनकावदिगुलियायधक
चोनठास पुासमवनाव थोमिगुवागिचास सिमाजरावत्वा
यावचोनंस्वान धालसावरासिकनंउगुलिवानलाकंथेचोनावन
राजुलसांसिमाकचालवेनावकुतिरावरावनंथोवेलससुतुन
भारसवनं थनलिज्वमयजुनजुलसा पुनेगमाथनविला
थोयावदुषसियावमाहाकषयानावचोनावचोरा थोनः
नं थोजाथवास्वनलिहामवराव थोगोमयजुनजुलसा पुने
जमानयनित्के भिक्षाफेनाव गुलितथवगु जातकंमिमालराः
नभिलासगुणीजुयावमयाबुलं गठिनलवालवधालसा पुर्त

श्री स्वस्था
२३०

तपससुदरिवतिसलक्षनरासंजुक्कजुयाववचोनहसमस्त
थिनलंबालवजन्मजुवगुवनावमनसअतिहर्वमानरा
जतिथे जिनुकुनुवनकाव थोचडुजोतिनगरयासमिप
कोयावनानायुकारनजोतिकस्ययावनामकर्नयायाना
राजुलसांमस्तस्वयधुनकाव आग्यादयकावधाल भो
लसांनवराजधकं नामप्रव्यातिजुईव हनथोमचायागुज
कपोनहुधकंधालसा थोवालवजुसांनस्युलिषतव
मुषतिथकाकावपुतिमाचयानावतईव हनथवालव
वतिथारवपुतिमाचयानावतईव हनथवालव
नयागुप्राज्ञाज्यानेनावमनसपुतिहर्वमानरावावजंज
जुलसांफयाथेनाललानकावडथेयुधेभोजनयातकाव

यावच्चो न ह्यसमस्तस्य जलक्षनरां स गुणजुयावच्चो न थो
 तस्य अति हर्षमानया नाव आनन्दनया नाव थव जातया म
 मोतिनगरया समिपस्य चो न ह्यजोतिस्त्वास्मिन्तः वोनकस्त
 व नाम कर्मयाया नावतया वतलं थनजोतिस्त्वास्मिन्त
 यादयकावधालं भोवास्मिन्ति भोवालस्य स्वयाव नाम गु
 व हनथो मचाया गुजात फलसत वधन गुपद विला इवध
 जसा नृस्युलिषतकावधतका इव हनछनत माहाः
 त इव हनथ वाल वजुलसां तवधनसंति यतिथुयावसु
 जय फलवधकं मोति कधानं धायाव थोते जोति क वाल
 हर्षमानया नाव जज मानयानि स्के फलो नावत या गुदा मन
 थो भोजनयात कावध मरा भोजनया यथुन कावदिदि

निगुरु
 २३०

नाविद्याव विद्याविद्याव छोटं थोनलिज्वमयजुनजुलसं
वैः जजमानपनिस्केफोनागांकपासफेज्याकायां उध्येपुथ
वचो धनध्ववालषजुजुनवराजजुलसालहिनावचोन
माजावथेजायावद्विद्विद्यातवधीकलजुयाववधेय
जुयसयाववलं धतेननवराजवालनचायातववुयात
चद्वजोतिनगरयाजजमानपनिस्केभिक्षाफोनावराव
लहकनंकपासफेजाकपाशंवजिलुज्जायागालाकपा
सामाजिदयकावणेसयातंगधचिनाव धतेप्रादिन
जुस्पेलिगांयत्रिजयविलं जायंविविद्याधुनकावगुलि
लितसमसंधुनकावदूराथेभाहा[मावलातकाव पु
कानज्वमयजुनवराजवालननिलसामायाहापान

लिज्वमयजुनजुलसांथोवालसतजुलसांमा हानिदानयाना
 ज्वाकायासां दुधेपुधेनयानयावथवालसभिनकलहिना
 जलसालंहिनावचोनं धवालसजुलसांमुक्तपक्षेयाचंड
 किलजुयाववधेयजुयाववलं हरांभतिभतिल्लितल
 सनयायातववुयातलिहामवयावजोमयजुनजुलसा
 भिक्षाफोनावरावराजशालनयातपुतियालयानावत
 कुज्जायागालाकयावजजमानपनिस्केफोनावदुधपुथ
 नावधतेऽप्रादिनधुनकावविद्यास्येनविद्यासंपुर्णः
 विद्याधुनकावगुलितकशालनयागुकर्मचारमालतुः
 एमावलातकावपुत्रयागुधालत्ययावदुषस्मत्ततनः
 स्रमाचामाहाऽपानदयानावचोनावचोनं धनलि

श्रीस्यम्हा
२३९

रावराजबालनजुलसांसमस्तविद्यानसंपुरीजुयावचुरोगपुरा
वजजमानयानिष्ठुमिजुयावधिथिसाहुतियानावः ज्वमयजुयागुध
भोवाहनिकलणेतयायुवनवराजरवनावधोयागुवेवसावन
यातईहियालयायगुअवसरजुलथोतेयातसामाजिगथे२द
रोधकंधायावथोतेजजमानयानिसयागुभाषायेनावज्वम
मानभाजुयानिडेसेरिसंधकंधुधकंधालसाजिकाययातवे
थोनआवादिस्त्वलयनिसेनजुलसांईहियालयायगुवेल
सानयायसुनानंचितायाईवक्षसधालसानययातनसामयु
अर्चलातकावचोनाहनक्षधालसाथधिनगुभित्ताधेसु
विईवलाहनसचायाववुलद्वगुमधुधनसंपातिरांहुदुगुम
सामर्धदिस्त्वलयनिसेनथोमचायातगथेयायमालगथे

पुरी जुया व अरोग पुरा नादिकथा हावेद वोदादिस म स विद्या सिपा
 या नावः स्वमय जुया गुथा स स व ना व ज ज मान य नि स्ये न धा लं
 गा व थो या गु वे व स्ना ष ना व जिय नि अति सु सि जु य धु न अ वा व ध्व ई
 या त सा मा जि ग थे र द य के माल स म स अ या णा द य क से वि ज्ञा हु
 ग गु भा षा ये ना व स्व म य जु रा जु ल सा आ णा द य क लं भोज ज
 माल सा जि का य या त वो व हार र व ना व जि म न स आ न द जु या व
 ई हि या त या य गु वे ल जु ल ध क व ज न द य क ल सु या गु भ लो
 ल सा न य या त न सा म दु छि स्क ण नि या गु द या न हि न यो ल क ज क
 ग धि न गु भि त षा छे सु ना रा जि का य या तः ल्या य म चा कं या दान
 ध न सं या ति रां हुं दु गु म ष भोज ज मान य नि जि जुं ल सा अ यः
 ग थे या य माल ग थे या ना नं शि र भा हा जु ल अ थं या ना दि स

निगुरु
 २२९

जिह्वा दुःखाय प्राप्ता भलो सा हि स्फुट पत्रिसया धिक् ॥ हे भा जु पनी हं
का व तं यः स्वतेन सुनां जी पत्रिस्ता उधार्या यिव जी पत्रिसया धिक् ॥
कै विन तिया तं ॥ २ ॥ वन निग्वमय जुया वचन ने ना वः जज मान पनी सेंधा
सा मे विज्या य म ते व जी पत्रि महुला मान को सामागी जी पत्रि से न दय के हं
लया भली चा जुई म जी पत्रि से न स्वया व हयः प्रते न पट म सुं न रि जुया व च
ए प्र नि स्वा मि ध्या ना म प्रा ह्न न या पुत्रि चंद्रा व ति ध्या प्रा ह्न नि ध्व ह
कं ॥ हे ज्वमय जु न का व त य मा ल सां तिय का व त य मा ल सां जि पत्रि से
मान को सामागी आशा दस्य विज्या हु ने धि कं ध्या व ॥ ३ ॥ स्वते जज मान पत्रि
व ज्वमय जु न धाले हे भा जु पत्रि धन्य २ हि स्फुट पत्रिसया दया जी व न
धु का धि कं मन स प्रति आ नंद या ना व मा ल को सामागी ध धे मा त धि कं
न स प्रति आ नंद या ना व धी धिं सा हु ति स म धार या ना व ज्वमय जु न
प्रा प्रण या त व रु ना पु र ध्या ना म ए ग र या प्र जी स्वा मि ना म प्रा
दा हा वी वं ॥ ४ ॥ वनं ली जज मान पत्रि से न पे ल च्या ल प्रा ह्न पनी

॥ धं कं ॥ हे भा जु प नो हं न ई हिया ठ न वृद्धि स्व ल प नि स्यं वि धी धी प त स हु न
जी प त्रि स या थ धी ठ अ व स्या ध कं मि खा स र्वो भी हा य का व ज ज मा न प नी
ना वृ ज ज मा न प नी सें धा तं ॥ हे वृ ह्म नि जु ह ल को ल से न ग्रा म धे ह ता स चा
ग जी जी प नि से न द य के हं न भी न का दे द य का व वि ये ॥ हे ब्रा ह्म नि ने ठ ह ल पो
ने न प ट म सु न रि जु या व चो न व रू ण पू ट ध या ना म न ग ट द वृ थ्व दे स या प्रा स
व ति ध या प्रा ह्म नि थ्व ह ल पो ल या का य या त कं न्पा दा न वि यि नि थ्व य ध
त य मा ल सां जि प त्रि से न त य ह ल पो ल ह ता स चा या व वि ज्पा य मु मा ला
या व ॥ थ्व ते ज ज मा न प नि स या व च न ने ठ व म न स ग्रा ति ह र्ष मा न या ना
प नि स या द या जी व न वृ त व धा न द या द वृ ध न्य र धा य धि र्क ल प नि
सा मा ग्री थ धे मा त ध कं क ना व वि तं ॥ थ्व नं ली ज ज मा न प नि से नं म
ध र या ना वृ ज्व म य जु न धा को स म स सा मा ग्री ता ल ला त का वृ न व र ए ज
॥ प्र जी स्वा मि ना म प्रा ह्म ण या पु त्रि चं द्रा वि ति ध या प्रा ह्म नि कं न्पा
ल च्चा ल प्रा ह्म ण प नी पु ता या ना वृ द हि ना वी या वृ भो ज न या त का

श्री स्वस्त्य
२३२

प्रदोतं ॥ ध्वं लो जजमान पत्रि सया कृपानं ईहि पालयात का
मया ना वस सप्र चसेन सुख भोगन ता कालं काल हता वचो न ॥
मया हवने धातं हे माता हे स्प विज्या हुने जी हित ला वना वे ल स चं
प्रला ध कं जी त हा स्प या तं ॥ ध्व वे ल स जी न दु धाय म फया ध्व ते
दं न प्राज्ञा द स्प विज्या य मा ल ध कं ध या व ॥ ध्व ते न व ए ज वा ह म ए
व रा ज ह न हे व व वु या ख क ने ह वा ध स चो न वे ल स गु ला पु र च
सु म द या व प र दे श श भी भा फो ने ध कं र नं ह ध्व पा धी क लु लो
ला म सिया ध्व ते जी न म सिया हे उ च ध कं ध या व ॥ ध्व ते मा म या
ता प्रा व जी व वु ज या उ प दे स व ने जी धी ऊ का य द या व व व या वि
न ज व व वु खो ज य या य या त व ने हे स भी न क नि दान या व ध व
दा वि ह ने ध कं ध या व ॥ ध्व ते न व ए ज पु च या व च न ने ना व मा म न धा
व म ते व ह न व वु म द या व दु व स म स्ते ह न र बा ल स च या व ता न क
ह म दु सा चं ह मा म दु ए ची थे चो नी व ॥ ध्व ते नं जी तो दा ता व ता

तानं ईहि पालयात काव पटम आनंद न चंद्रावति ब्राह्मनिवकीदाओ
तलं कालह नाव चोतं ॥ ध्वनं लीः ह दुयादि ए स न व ए ज ब्राह्म ए नं मा
मेतल वना वे ल स चंद्र जोति न ग र या पा सा प श्री स्पं व व म दु मो चा
न दु धाय म फ र या ध्वते न जी व वा ग न वि ज या त म म स वृ ता न आ नं
॥ ध्वते न व ए ज ब्राह्म ए या भाषा ने ना व ज्व म य जु न धा लं ॥ हे पु ध न
मो न वे ल स गु ला पु र च्या ला लं ए व ची ने या न व य व सा न या य ता ह व
नं ह ध्व पा धी क लु लो प्रा वे तो ले ल्या हा म वि ज या क सी ता ला म्वा त
ध या व ॥ ध्वते मा म या व च न ने ना व न व ए ज ब्राह्म ए नं धा लं हे मा
का य द या व व व या वि च र या य मु मा ल ला प्रा व जी न भी धा फा
न क नि दा न या व ध व स री ट भी न कं ती दा न या व प्रा व जी ता वि
व च न ने ना व मा म न धा लं ॥ हे पु ध न व ए ज जी गु व ने व ह न आ म धे
र बा ल स च या व तान का व चो ना जी जी व या प्रा ए ध ह ह ह द ता
ने नं जी तो दा ता व ता थ के धाय म ते व हं न ह न क ला त चं द्रा व ति

नीजुं
२३२

हमदतला चो निवमरु थते नि मि निर्तिन. हवने धाय मते व ॥ ध्वते मा
मर्थे आ जादस्य विज्याय मते व. हन धालमा. आवे तो ले सि क प्रवा कय
चखनं वि चा ह्या ना व वय. म्वा ना व चोन सा जी व ना पं पो ना व ह्य ॥ का
हमया तमान टक वा स जु पिर. ध्वते नं थ मन फया धें व पु या त भी न व
नि न जी त गा ने मते व जी त आ जा वि या व वि ज्ञा हु ने. हल पो ल ह ता स
या व चो व ध कं ध या व ॥ ध्वते पु च या भा याने ना व. ज्व मय जु न धालं.
धाल ना व जी न जने मरु तो ध कं. न व ए ज या क पा ल स. ला हा त न पि तु प
कार्जे स म धानं सि क जु य मा ल. हं नं ला स नि वि घ्न जु य मा ल ध कं. हं नं
लु य मा ल ध कं. ह र्ध र्पो भी हा य का व. आ सी र्वा द वि या व. क पा ल स
ली न व ए ज वा ल ए नं मा मया च र न सं भो क पु या व. थ ध क ला त. च द्वा व
वि लं ॥ ध्वने लि न व ए ज वा ल ए जु ल सा. व पु या उ प दे स वृ य ध कं. प्र स्था
जु भली चा ने स से न. ज ज मान प ती स्वे फे ना व. क पा स फे जा क या व.
आ हा ए मा व ला त का व. ता का लं थु गु ली प्र का ह्य दु र व सि या व चो नं

मने कायम ते व ॥ ध्वते मा प्रयाग्ना जने ना व न व ए ज न धा लं हे मा ता प्र
आवे तो ले सि क प्रवा क या वि चा न या य मु मा ल ला हे मा ता सि त सा को
र न ना पं पो ना व ह य ॥ काय म चा द या व व वु या खो ज य म या त सां व व उ धा
फ या धे व वु या त भी न का व वि चा ट पा ये मा ल ॥ हे मा ता ध्व ते या नी मी
ज्पा हु ने दू ल पो ल ह ता स चा य मु मा ल द व धे न या व भौ चा या खा ल स
व ग्व म य जु न धा लं हे पु च न व ए ज ध न्य र द न व वु या उ प दे स व ए
मा ल स ला हा त न पि तु पी या व आ ज्ञा द य क लं हे पु च न व ए ज द व ए
वि घ्न जु य मा ल ध कं ई नं द न व वु या स मा चा ट सी त आ त सां त का ट न
धा द वि या व क पा ल स ला हा ती न पि तु पी या व वे दा वि लं ॥ ॥ ध्व नं
त व थ प क ला त च द्रा व ति नं थ व पु नू ख या च ट न स भो क पु या व वे दा
उ प दे स व ए व कं प्र स् था न या ना व सु वे ला स पि हा व नं ॥ ध्व न ली ज्व म य
स क पा स फे ज्पा क या व व जी हु ज्पा जु या व ना ना प्र का ट न दु ख सि या व
न ट न दु ख सि या व चो नं ॥ ध्व नं ली न व ए ज क्रा म ए ता का लं लो हा म

श्री स्वस्था
२३३

प्रपाव चंद्रावति भली चानु धनं ॥ हे माजु जी थ व हे म व ना ता का लें व
धना चो ने धाल सा कपास फे ज्या काय माल दुया ये फोडा व न यां जो
थ व हे व ने वेदा विद्या हल पो ल या सरी ट नी दा न या व ली हा वि ज्या
या च ट न स भो क पु या व वे दा क या व थ व हे व रो ध क व न ॥ अ नं ति
दु ध या न का य न पां म दु का य म दु ध यां भो चा ना पं म द तो थ थी न
म सु ॥ हं नं जी वा ल ख वे ल स ज ग दि श्व ट श्री म हा दे व या दं म ह न
ज म उ रु ख ला तं ज्या थ हे धा ला सा थ थी उ भी त वा के हं नं थ थी उ
व प्रा वे तो ले थ थी नि क ष न या व चो ने माल धी का ट धाय जी ज म हे
भी क्षा फो ड वि ज्या त हल पो ल ध कं जी न म सिया त व ध न क ष प्र
या ना व वि ज्या य माल जी उ धा ट या ये ले तो ॥ हे स सि शे ख ट हल पो
सा जी प्रा न का स प वि ज्या दु ने कि जी ता उ धा ट या ना व वि ज्या दु ने
न वि ला प या ना व म हा क ष न या व दु य स सु द स प द टा पा व व जी
गु को र क्षा या ना क प्रति म हा क ष न या व चो ने ॥ अ नं ती न व र

थ व हे म व ना ता का लं द तो . जी मा म य वु . कु श ल जु ला म जु ला ध कं हं न
या ये फो ड न व न यां जो लो त व न मान या य . ध्व ते नी मि नी न ग्रा व जी
दा न या व . ली हा वि ज्या त ना व जी बो न क ल हि व . ध कं ध या व स सु मा म
व रो ध कं व नं . ध्व नं लि . उ व म य जु न . महा दु ख सि या व . भा ल तो म
चा ना पं म द तो . ध धी न क स न का व त ल . दे व स मा न व ल व न . मे व द व
नी महा दे व या दं म ह न वि या आ प . भो ग या ना चो ने मा ल . धी का र जी
नी त वा क . हं नं थ धी इ . महा द रि द्र . म चा तो वे ले नि स्यं दु ख सि या
धी का र धाय जी ज म . हे श्री महा दे व . उ सु नु भी शु क भे ख जु या व जी के
सि या . त व धी न क ष प्र व स्था न क लो . . ग्रा व धु गु ली प्र प र्द ध मा
हे स सि शे र व ट . ह त पो ल या च र न स को ति २ न म स्का र . हे ई श्व र भा
ग र या ना व वि ज्या हु ने ध कं . . श्री खान खो भी हा य का व . अ ने ग ता र
द स प द ल पा व व जी हुं ज्या जु या व . ज ज मा न प नि स्के फो ना व प्रा न
नं . . ध्व नं लि . न व र ज वा ल ए नं व वु शी व स र्मी या वि चा र या

नी गु ५
२३३

त जुलं॥ देशरवतीने नाव जुलं सुना नंख नाधा व न पां महु थु गु
व प्रति विलापया नाव हं नखी जय या त जुलं॥ भवे लस गंगा य
थ दे स या म मी प्र स आ भ म ह गुली द य का व ज्या थ जी थी व
य स जु लं अती म ह ह नं थ नाख नाव न व ए ज ब्रा ह्म न थु गुली अ
के ने ने॥ हे वृ धा वृ धा हल पो ल प नी सु जु ई व ना म हु हु नी मि नी
ते न व ए ज या भा खाने ना व ज्या थ ब्रा ह्म न नं धा लं॥ हे वा ल स जी प न
ना धा ल सा थो गं गा श की न ख पो ल स्नान या ना व जा य वि ज प या ना व चो
पा व चो ना॥ हे महा पु रु ख जी प मि स या भा खा थ थे हं नं ह ग नां व या
कं ध या व॥ थ ते ज्या थ ब्रा ह्म न या भा खाने ना व न व ए ज ब्रा ह्म न नं धा लं
ल सा न व ए ज ब्रा ह्म न ध कं ध या व जी थ ना मे व ता प कं व या म सु॥ ह न ध
त व या हल पो ल प नी से न व ड ता खान सा सि को आ जा द से वि ज्या
थ ना ज्या थ ब्रा ह्म न नं धा लं॥ हे न व ए ज ने व हं नं ह द्रु या दी न श भी
न व ए ज जी न गं गा स जा य ची ज प या ना व चो ना जी थ थे चो ना वे ल स थ

नाथा वनपां मदुधुगुली प्रकारन स्वो नययात जुलं जं नामदया
जुलं ॥ ध्ववेलासं गंगायातीरसधेनं ध्वथायसदेशदुगुलीदव
काव ज्वाथजीथी प्राप्तास्ती १२५ वसलपावचोन ॥ ध्वथा
वराजप्राप्ता न धुगुली आभ्रमस धेन कलवनाव ज्वाथजीथीया
इवना मदु दुनीमिनीनित पस्यायागावी ज्वा नाधकंधयाव ॥ ध्व
धा लं ॥ हेवालस जीपनी जुलसां प्राप्ता थुका दुनीमिनीनित नाचो
व जायविजपयागावचोना ध्वप्राणगंगासत्पागयायधकं मनसं भाटा
थथे हं नंदग नां वया नामदु दुकादननं वया समस्त वृत्तांत धावध
नधराजप्राप्ता नंधालं हेवृधप्राप्ता ननेस्पे विज्पाहुणे ॥ जीनामदुधा
नाधकंधयामयु ॥ नंधालसा जीववु सिवसम्मोदियानामप्राप्ता मा
सिको प्राप्ता दसे विज्पाहुने धकंधयाव ॥ ध्वतेन वराजयावचननेकव
हं नंददुयादी नश भीक्षा फोरुधव प्राप्ता दस जीनखनाखव ॥ हे
जीथथेचोनावेलास ध्वसिवसम्मोप्राप्ता धोथायसवयाव गंगास

श्री स्वस्था
२३४

ज्ञानयातं ह्यानयायधुणकावु दिगु लीयायत हुहु सिमा सस्वानथोल
नवलं ध्ववेलेसलु तुए हिहो याव सिमायाकोसं मृत्पुजुलं ॥ हेनवएज
जुलसां सिमाकोसं वनावस्वतं कोचजुकखनाव हायपीता रंधकंधया
लापयातं ॥ हायपीता २जी निमी निनि भी क्षाफो नैषकं विज्यानाव थ थ
पिता २जी रघाल मस्वसं हलपोलजुको जनाविज्याना हायपिता हंनं
हुषकं जीनवोधकियावतये ॥ जी तादडी नमविमें हलपोलयाकातनज
प्रववुया प्रस्तीदको मुनाव गंगाया समिपसयनाव थ मथे थ मंधै
को कीयाकर्ष पिण्ड आदी ए थयाव सुधयातं ॥ ध्वते धुणकाव मन
संपत्तीद्वमधु दुखा लनहेवने प्रावधन मुर्जयाये ॥ को नाव नयानं
कैधकं मननं भालपाव ध्वदेइ याए जायाके सेवायायधकं थोजं
कएन एजायाके सेवाया नाव चोनं ॥ ० ॥ ध्वनंती ज्वमयजुन अतीक
भी क्षाफो नाव प्राणजुको रक्षाया नाव चोनं ॥ ध्ववेलेस श्री पार्वती
उधारयायधकं मधमंदलसविज्यानाव मप्रमसीनजुलसां स

हुहुसिमासस्वानथोलघनं॥ ध्वनेलससिमाकचालकवेनावकुति
निसंमृत्पुजुलं॥ हेनवराज. ध्वनेलिजिएमसियाधियाव. नवराजब्राह्मण
नाव. हायपीतारधकंधयाव. विलापयानाव. कोचदकोमुनाव. अनेगवी
मोनेधकंविज्यानाव. थथीजवनांनरस. गधेमृत्पुजुयाव. चोडा. हाय
वेज्याना. हायपिता. हंनं ध्वगुलीखाडेनाव. गधेप्राणधरलपाव. चोनीव
वेमेंदलपोलयाकातनजनविज्याडाधकं. नानातरहनविलापयाना
यनाव. थमथेथमंधैय्यानाव. अग्नीसंस्कारयातं॥ ध्वनेलीमाल
तं॥ ध्वतेधुणकाव. मननंभालपाव. आत्रगनावणे. हेसंधालसाधन
प्रर्जयाये॥ फोनावनयानंजधेनीवीहजुईव. ध्वतेनधनसंपतीदय
के. सेवायायधकं. थोजंगायासमीपसचोडदेशमहुहावनाव. महा
लीज्वमयजुन. अतीकएनयाव. महादुससियाव. जजमानपनिस्के
॥ ध्वनेलस. श्रीपार्वतीन. दोमेहल. सप्रमखिलोकन. दुखिदरिद्र
मप्रमखीनजुलसां. साजवालाप्रोचापनीस्केडेनं॥ हेप्रोचातजी

नीशु
२३४

परिसर्याखा नेत्र दुधातसा थो चंद्र जोतिन गरम भु सुदुखिद रि
मधिलो कया आजाडे नाव साजवाल मो चात सेण धातं हे मधि
सकेले महा सुखि धन संपत्ती परिपूर्ण जुयाव चीन थवे सयावा हिरस चोड
द्रत वक षन पाव चोड थव प्रलु क महा दुषिद वध कंधयाव ॥ थव ते साजवाल
टासां ज्वमय जुया भीत बाहे सथेण कल व नाव सल ताव वने ॥ थवे लस
हेन पिहाव याव सप्त मधि स्वट ख नाव हता सने लं य जो गाव तुति चाय
विज्यात काव को पै आसन वि याव लाहात जो जल पाव ज्वमय जुयाव
धकं जी थ थी ऊ पापी नीयात दर्शन वि याव जी व कु पाया ऊ विज्यात ध
लो ॥ हे मधि थट दु मिमी ति न जी पा पि नी या हे हा विज्या ना का ए न
स्प विज्या हु ने धकं विन ती यात ॥ थव ते ज्वमय जुयाव चन डे नाव सप्त मधि
याना व डे व दु नी मि नि न जी प नी थ ना व या धा त सा दु खिद रि द्र उ ध
काल स पर मे थ रि न द ड ध म्म व त या ख क णे धकं जी प नी थ ना व या ध
क्य डे नाव ज्वमय जु न वि ण ती यात ॥ हे मधि स्वट आम ध म्म व त ज्व

गरमः शुभदुखिद रिद्धदवः समस्तवृत्तान्तः धावधकंधयावः ॥ अतो
तसेण धातं हेः नाधि श्वरने सो विज्या हुने ॥ अचंद्र जोतित्र गरम
अदे सया वाहिर स चोडः ज्वमय जुधया मः प्राप्ति निहस्र जुकः अती महाद्री
कंधयावः ॥ अतो सा जवा ल मो चार सया व च न डे नावः सप्तमसि श्वर न जु
सल ताव व नं ॥ अवे ल सः ज्व मय जु न सल त व गु ता या वः ह ता स नं भीत या
नं लं य जो ना वः तु ति चाय का वः चर न सं भो क पु या वः भीतर वा हे स दु हा
गे जल पा वः ज्व मय जु ए वी न ती या तं ॥ हे स प्र च्छा सि श्वर ध न्य र जी भा ज्य
ा वः कृ पा या डः वि ज्या त ध कं ध न्य र ह ल पो ल प नीः प्रा व त नी जी कृ ता र्थ जु
ग हे श वि ज्या नाः का ए न हु जी म न सः प्रा च्छ र्यः समस्त वृत्तान्त आ ज्ञा ५०
मा व च न डे ना वः सप्तमसि न जु ल सांः प्रा ज्ञा द य क लं ॥ हे प्रा ह्म निरु क ची ना
त साः दु खि द रि द्र उ धा ट या य ध कं जी प नी ध न व्र या ॥ हे प्रा ह्म नि ह व
कं जी प नी ध ना व या ध कं आ ज्ञा द तं ॥ अतो च्छा सि श्वर प त्रि स या वा
स्वः आम ध र्म व्र तः ज्व ह्म प र मे श्व र नः आ मो ई स्व री या ना म दुः दु काम

श्रीस्वस्था
२३५

नानधर्मदानं॥ ग्रामोधर्मव्रतया विधानगत्ये २ समस्त आजादस्येवीज्या
डेनावः अस्मिन्वदपाणिसेनः प्राजादयकतं॥ देवमयजुडेवः सत्पजुगर
देवपुरुषकायनिमीर्निनः दांगुधर्मव्रतः शुद्धचिन्तायानावडेवः ध्वधर्म
मनिः ध्वधर्मव्रतया विधानः विधी पूर्वकनः पौष शुक्लया पुण्ये मासी सु
यः यकचीनया नावः लक्ष्मीतं श्री महादेवपुजायाय॥ ध्वनंती माघ शु
ष्पापातः प्रधीतमधीदयके १०८ तुजजमकादयके १०८ ज्वलप्रक्षाल
तज्वालदयके १०८ कोतज्वचदयकेः सज्वनसहितनदयेके मात॥ ध्व
क्तचंदनः सीदुः त्रैवेदेः पुष्पताम्रुतः कस्तुरीः पक्वानः वस्यदहिनाः
रमेध्वः खोदस उपचारनपुजायाय॥ महासुवीजुयावः भक्ति अधानर
दीडेनेः डेनदतसावतपनीस्तकनेः मदतसाः थव्रनहायः थमंकेरुजायात
सदहिणा छाये॥ ध्वते पुनकावः फकीजपध्यानयायेः ध्वते पुणकावः श्री
केः प्रसीखफोनेः थव्रमनसहुकामनायाजः उगुलीवरप्रसादफोडे
ध्वते पुनकावः स्वानककायः थव्रदेसव्रनावः सतही प्रधीतमधीः थम

ममस्त आजादस्पेवी ज्पा हुने धकं. विनती यातं ॥ ध्वते ज्वमय जुया व चण
ज्वमय जुडे व. सत्प जुग संहि मा लय पध तया ह्या च. पाव ति न. श्री माहा
विनायाना वडे व. ध्वध म्म व्रत यानाम. श्री ३ स्वस्थानी परमे श्वर धकं हे वा
ध भुक्त या पुर्णे मासी सुहु व्रत जोणे. ध्व सुहु त्रिसें. नीत्पं ह्ना न याना
पाय ॥ ध्वनंती माघ भुक्त या पुर्णे मासी सुहु ध म्म व्रत दाने. सत दिव. ८
दय के १०८ ज्वल म्म क्षात दय के १०८ फोला द्वा फोला स्वानंद दय के १०८ पा
हित न दये के मा ल ॥ ध्वनंती जंगल न ह्ना न यात के. श्री सं राड. र
पधान. वस्य द हि ना. थ मं फ को पदार्थ दय के ॥ श्री ३ स्वस्थानी प
वी जुया व. भक्ति अधान संयुक्त दय का व. पुजा याये ॥ ध्वनंती. पुन न्ना
ध्वनं हाय. थ मं फे रुा न्यात यात कणे ते व ॥ ध्वते धुन का व. अर्घ विय. व
याये. ध्वते धुण का व. श्री हरी हर पुजा याये. श्री स्वस्थानी परमे श्वर या
उगु ली वर प्रसाद फोडे धकं. श्री स्वस्थानी परमे श्वर यात अर्घ विय
तदी अधीत मधी. थ म न पा ल ना याय ॥ च्या पात अधीत मधी. च्या तु

नी गुरु
२३५

जजमका. च्यागवतभ्यक्षत. चाफोलाद्वाफोलास्वान. चापातग्वाल.
रुषतसूहाय. पुरुषमदतसा. काययाततवृहाय. कायमदतसाभिच.
नहुकामनायाङ्ग. वृगुलीकामनापुणेजुयमातधकंभातपात्र. नदि.
थपूराजुईव. ध्वतेश्रीस्वध्यामी परमेस्वरयाधर्मव्रतकनेधुन. ग्राव.
द्रनासजुयाव. तवधाडपदविताईव. मृत्पुजुलनाव. कैलासवासलाई.
न. श्रीमहादेवपुरुषतातं॥ हेब्राह्मनि. ध्वधर्मयाविधीपुर्वक. समस्तक.
धियाव॥ ध्वतेअसिभरयाग्राजाडेनाव. ज्वमयजुहाविनतियातं॥ हेअनि.
न. थथीडपुणकथाडेनेधुन. धकं. दलपोलपनी. जीखनावमहादयाद.
सप्रअसिभर. आग्रजोदेसविज्यानाया. जीनहुपाहुनायाये. थथीनपापी.
डेनाव. अतीचालाङ्गाविज्यायमातधकं. बीनतियानाव॥ म्यातशचोग.
प्रअसिनजुलसां. ज्वमयजुमहादरिद्रजुवखनाव. कोटीहसजोल. कोप.
विज्यातं॥ ०॥ ध्वनंलीज्वमयजुचन्द्रजोतीनगदस. दुहावनावज्वालापस.
लाविया. हतासजुलो. जीदेइसप्रअसिपनिविज्यातकावतयाधकंध.

स्वान. व्यापातज्वाल. व्याकोचज्वच. सज्वनसहीतनदयकाव. पु.
य. कायमदतसाभिचकायलवुहाय. मीचकायमदतसा. थवमरा
लधकंभालपाव. नदिसवहपेहोय॥ हेग्राहनी. श्ववेलास. हनमनोर
धर्मव्रतकनेधुन. ग्रावहृनथुगुलीधर्मव्रतदांश्ववेलासहनदुखदरी
नाव. कैलासवासलाईव॥ हेग्राहनी. श्वधर्मयाप्रसादण. श्रीपार्वती
याविधीपुर्वक. समस्तंकलेधुनो. ग्रावजीपत्रिवनेतेलो. विदावीहनेधकं
गुणविनतियातं॥ हेअधि श्वरधर्मरजीभाग्यनखना. हलपोलयाकुवा
नी. जीखनावमहादयादतो. हलपोलयाचरणाशकोती २नमस्कार॥ हे
पाहुनायाये. थथीगपापीमिजुयावचोगा. हेअधि श्वर ग्रावजीगुविनतो
तयानाव॥ म्यातशचोगकतुतोयाव. ज्वालन्यायधकंपिहावनं. श्वनंलीस
प्र. कोरीहसजोल. कोपतियातवलेतयाव. हसलअधि श्वर. श्वर्गस
त. दुहावनावज्वालपसत्यायाकेधालं॥ हेवनीया. जीताश्वकतुकया. ज्वा
यज्पातकावतयाधकंधयाव॥ श्वतेज्वमयजुयावचनडेगाव. ज्वालवंजा

श्रीस्वस्था
२३६

लनधा लं हे प्राप्ति निरुद्धे ज्वया एची स समस्त लोक थना वया व जी के द
म जुसा ध्व था ला स स्व व ध क उ ला व के न ॥ ध्व वे ला श दू पि चा ज्वा ला द
व मन नं भा ल पा व ग थी न आ ध्व र्थ स्व र २ स्त्रि ग या ए ची स द को फु त क
तु जु ल जी मन स भ्र मन जु ल ला इ नं ध्व प्राप्ति नि जु को धा व स प्र सा वि ज
या प्र भा व न थ ये जु ल ला ध क मन स ची ना ल पा व धा लं ॥ हे प्राप्ति नि ध
ज्व या ए ची स द को ज्वा ला मि पा व त या आ व दू ल पो ल प नि में स प्र सा
ला या त ध या नि मी र्ति न म दु ज्वा ला द या व चो नं ध २ दू ल पो ल या
व द लं ॥ ध्व न ती ज्व म य जु या मन स प्र ती हर व मान या ना व ज्वा ला जो
सा वि प नि म द या व चो नं ध्व स्व या व मी या स खो भी त या व अ ने क
जी ग थी ड पा पी नी ख व ख ने जी ला हा ति न धा वि प नी स्ता ज्वा ला प
तो जी ग थी न प्र भा जी नी ख व ख ने धी का र जी ज न्म जी थी ड पा प
म न स्त्रि वि ज्वा त दू या य जी थ थी न क मी थो ज्वा ला सु या त वि य ध क मि
ना व थ मं थे थ म नं ध र्थ या ना व तु फी क या व बा व या व जु व वे ल स क

लो कथनाव्याव जीकेदकोज्वालन्या नावयन आवृष्टपातं मदतो प्रति
 धवेलाशः द्विपिचाज्वालदयावचोनं थोस्वयावृज्वालवंजाललज्वाचाया
 मजयागुचीसदकोफुतकावृमीयावृतया आवृज्वालउतिंदवनी दुहे
 नेजुकोधावृसप्तसखिजीहेसतयावृताथकाधकंधाल थोसखिपनीस
 पावृधालं ॥ हेवाहनिधन्यरद्वलपोलयाभाज्पधकं गथेधालसा त्मे
 लपोलपनिसे सप्तसखिअवृयातधकं ज्वालन्यातविज्यात वरस्यो
 नं धन्यरद्वलपोलयाभाज्पधकंधयावृ कतुकमकारणं ज्वालविया
 र्वमानया नावृ ज्वालजोनावृ हतासनं हेसथेनकलवनं ॥ धवेलास
 सखोभीतयावृ अनेकतरहनविखादवीनायानावृ मननभातपावृ
 सखिपनीस्ता ज्वालपाहुनायायधकं मननंभातपायाना आवृमद
 रजीजन्म जीथींरुपापीनीजुयानीमिनीनि जीलाहातीनहकाज्वाल
 चालसुयातवियधकं मिखानखोभीहायकावृ नानातरहनविलापया
 वावृयावृजुवृवेलास कपोतीयातवलेस धनतयावृतदुखनावृमनस

श्रीगुरु
 २३६

अति आनंद या ना वचो नं ॥ अ नंली सप्र सखिन आ जा दय क थें वी स भु
रया धर्म व्रत जो नं ॥ अ वुनु निस्व नी तप ह्ना न या ना वः य क ची न या ना वः
ने वां दया ना वः नी त्व श्री माहा देव पुजा या ना वः सु ध ची न या ना वः ल ही तो व
नी मा य ताः स खि प नी स या आ जा थेः अ प नी ह व र ए त या वः वा र वं ह न
जु या का त न्वा डा व स्व या व र स ता या वः मो चा त स क टि व या वः भी त वा हे य
ची नं ॥ थ ना मो चा त स्मि न थी थी न्वा त हे पा प नीः सो व र ज थी ड आ अ र्य
ल लाः स्वं नी पा त न क ल लाः हं नं म र सु ना नं वि धा ता न या ना व ह ल लाः
यो ध कं थी थी सा हु ति या ना वः ज्व म य जु या भी त वा हे सः ड हा व ड न व
जु लाः ६ नि मि नी न या का त न्वा डा व चो नाः का र न हुः स म स न वा व ध कं ध
डे ना वः ज्व म य जु न धा लं ॥ हे वा ल ख प नि डे वः जी न ख क ने जी थ थी ड
जी त द या प्र सं त्र जु या व ॥ श्री स्व स्था नी पर मे अ र या ध र्म व्र त जी ता उ
ना व चो ना ॥ अ ते डे ने म न द साः अ ल ई अ र या वा सा ह्ना ना व चो नाः हे
त या नी मि नी नि पे डा व चो ना न्वा त न डे न का व चो ना थु का ध कं ध या व

आजादयकथें पौष भुक्त्या पुणें माखु हुनिस्पं श्री ३ स्वर्चा नी पटमे श्व
नाव यक चीनया नाव ई श्वर या के म नत या व काय न व ए ज व ना पं हो
ची नया नाव ल ही तो वाखा हा नाव चीनं ॥ या कं तं न्यात यस्त के कोय ता
व एत या व वाखं हा नाव चीनं श्व देल स साज वाल मो चात से जव मय
ह लें य या व भीत खा दे या पित ने ची नाव जव मय जु न वाखं हा क डे ना व
सो व र ग थी ड आ श्व र्य श्व जव मय जु उयी न कं जु ल ला ह नं मखु ऐ ग न क
ता ता न या ना व ह ल ला दु हे तु जु ल ॥ प्रा व थ ना चीने मखु तो दु हा प ने नु
गी त वा दे स दु हा व ड ग व मो चात से न धालं ॥ हे जव मय जु ह ल पो ल दु
न दु स म स धा व ध कं ध या व ॥ थो ते साज वाल मो चात प निस या व च न
न ख क ने जी थ थीं ड दु खी ख ना व स प्र अ धि श्व र जी दे म व या व
वर या ध म्म व्र त जी ता उ प दे शी या व ता थ ला प्रा व जी न ध म्म व्र त या
वा खा हा ना व ची ना हे वाल ख प नि श्व ते न जी डं जु ला मखु ने ड म द
ची ना थु का ध कं ध या व ॥ श्व ते जव मय जु या व च न डे ना व साज वाल मो

श्री स्वस्था
२३७

जातोरसतायावः हीनी सत्यं न साहयावः ज्वमयं जुयता भोकलुप्रनकावावि
माते मुमालं हवने रघा सदयाव चो नं ॥ साजवाला मोवा तस्यं जाकि
थोवे लसं नीस्यं नीपं ज्वमय जुया अन्न धंधा मदयाव वृत्त ॥ ध्वनली ॥
यानाव चो नं ॥ ध्वनली लादि दयाव माघ शुक्ल पा पुण्य माघुनु समस्त च
लात काव ॥ जंगा जल श्रीरं नृ रक्त चंदन सीदुः पुष्प जज मका धु
दिना शत द्वीव चापात प्रधीत मधी १०८ ज्वला अक्षत १०८ चाफाल
त ज्व च १०८ पात ज्वाला नाना सुगंध स्वान सज्वन सखे भरि थे साम
ध्व भीन रघय नतियाव ने मयानाव यक चीतन भक्ती अधान
वां ह्यायानाव पवित्र जुयाव सप्रमखि श्वर या प्राजाथे माघ शुक्ल
रीया महा उना मध्वं वृत्त दानं ॥ धो नं ली श्री स्वस्था नी पर मे स्वर य
पध्या नया नाव समुद्र थे चो न गुली दुष ना सयानाव जी उधार या
चन वृं ज पृथु या उपदेश वन ध्वया नी वीक्षु या नाव जी काय वृह
कालं जीन भिक्षा फो नावन याव चो ना प्राव जीन मे वयात दान विय

यता भो कलुषन काव विलं ॥ हं नं धो वारवाडे नाया पुन्यन साया तद्यास
 त्राता मोवा तस्य जाकि वजी दुहूगी त्पं २ हया व विलं वारवा ने ड वयि प्रा
 दया व वल ॥ ध्वनली थ थेतु वा सा झा डन व निपं २ श्री महा देव पुजा
 पा पुण्य मायुनु समस्त मायिन प्रा जादय काथे अने ग सामा ग्री ताल
 तदुः पुष्य जज मका धुप दिप मैव दे पकान फल पुष्य ताम्युल वस्व द
 ल ग्रा भत १०८ च्या कोल का कोल स्वान १०८ च्या तु ज जो म का १०८ को
 वन सखे भरिथे सामा ग्री ताल लात का व सखन सहीत नदय का
 गीतन भक्ती अधान ईश्वरी या के मनत या व पुचन वरा ज व होने
 या प्रा जाथे माघ शुक्ल या पुन्य मायु दु श्री ३ स्वस्थानी परमे श्व
 ती स्वस्थानी परमे श्वर यात सोदश उपचारन पुजा या नाव फ को ज
 स या ना व जी उधार या ना व बी ज्ञाय माल ॥ हे परं व म हं एं जी पु
 व या ना व जी काय व होने का व प्रसन्न जुय माल ॥ हे ईश्वर सदा
 गीन मेव यात दान विय फय का व लक्ष्मी प्रसन्न जुय माल ॥ हे नी टं

श्री गुरु
 २३७

जन हं नं जीता हव का लस जग दी श्वर श्री महादेव यादं मरुण प्र भी
ल जी प्र प ए ध क्ष मा या ना व वि ज्ञा य मा ल ॥ हे नी रं जन नी रा का ल हं नं
सं त व धा न प द वि ला त का व पर लो क स ज म या सा स ना म द य का व पु
स वो ना व त य मा ल हे क रू ना म य हं नं जी पा पी नी या हृ द य स स दा क
जु य मा ल ॥ हे लो क ना थ हं नं श्व दु ख द री द्र ना ड या ना व वी ज्ञा य मा ल
य मा ल हे अ न न मु र्ति थु गु ली ज अ स जी प नि उं धा र या ना व अं न का
र म् प द मो क्ष वि य मा ल हे वि श्वं अ र हृ ल पो ल जु ई व सृ ष्टि स् थि ति
ह श्री स्व रू धा नी पर मे स्वर या च र न स को टि २ न म स्कार हे जु गाना का ल
आ दी अं न स हृ ल पो ल या त को टि २ न म स्कार ॥ हे आ दि ना थ हं नं ह
ज्या ना व पा प पुं ण या सा हो जु या व पा पी ह ना म या ना व ध र्मा मा प
ति जी न या य सा म र्थ म दु ॥ ज्व ल च तु र्मुख ब्र ह्मा या सा म र्थ म दु जी
ति या ना व ई श्व र या त अ र्घा वि लं ॥ अ र्घ वि य धु न का व को ती दं द व
हे स दु हा व ना व ॥ ची त स्वान च्चा पा त प्र धी त म धी च्चा तु ज ज म क्त

हादेवयादं मरुता प्रभी आ पविलं. थ्व प्रभी आ पया गु मु क्त जु य मा
हे नीरं जन. नीरा काल. हं नं जी पु च न व रा ज. थ व पु च भाल पा व. ई ह लोक
या सा स ना म द य का व. पु न र्वा द ग भं का स मु मा ल का व ह ल पो ल या था
पी नी या ह द य स. स दा का लं ह ल पो ल या ना म. स्थी र जु य का व प्र स न्न
ना श या ना व वी ज्मा य मा ल. जी का य न ना नं थे ला का व. कृ पा या र्प वी ज्या
नि. उं धार या ना व. अं न का ल स ह ल पो ल या. ज प ध्या न लु मा न का व. प
गो ल जु ई व. सृ ष्टि स्थी ति. सं हार या क र्ता जु या व वि ज्पा क ह. थ था इ
न म स्कार हे जु गा ना का ल. व्र त्स्वरूपं ह ल पो ल. ते ज स्वरूपं ह ल पो ल
रा. हे आ दि ना थ. हं नं ह ल पो ल जु ई व. म नु ष्य या ह द य क म स स वि
ना म या ना व. ध र्मा त्मा प नी उ धार या ना व वि ज्पा क ह. ह ल पो ल या स्तु
। ब्र ह्मा या सा म र्थ म दुः जी व ह या हु सा म र्थ द ई. व ध कं. ना ना त र ह न स्तु
वे य धु न का व. को ती दं द व त् प्र ण म या ना व. स्वा न को का या व. भी त या
म धी. आ तु ज ज म क्त. आ ज्य त् प्र क्ष त. आ फो ल द्वा फो ल स्वा न या

श्रीस्वस्था
२३८

पातज्वाल. च्याकोत ग्वच. सज्वनसहीतनदयकाव. कायनवराज
मधी. थमनपातनाया नाव. थोले धुनकाव. वही जागर्तिया नाव.
स्थानी परमेस्वरया. धर्मधतया पुरापन. ध्वरुहुया रात्रीस. नव
एनवाह्मणनं मामसलता व व तं ॥ हे मासखा पाखें व ध कं सल ता
व. तुतिचायकाव. दुता वोडा व ये नाव. लासास फेकतुकाव. मामनधा
या उपदेस व नाव या या समाचार ग थे २ समस वृता त क ना ध कं आशा
हे नाव. मामया चरणा संभोक पुयाव. नवराजन धातं ॥ हे माता हे सेवी
आफो डाव जुव. छुया दिरा स गं गा स ह्जा न या ना व दे गुली या यत. रि
जोगन. सीमान कुती न व या व. मृत्पुजु या व. स्वर्ग वा स व नं ध कं. ज्या थ जी
तु जुव ध्व था य स व ना व. व वु या अ स्ति स क टें. गंगा या तीर स य ना व. अज
को क्रिया क र्म या ना व. गती लात का व हो या ॥ ध्वनं ती गंगा या तीर स. जी
ये ला स. जी न मन नं भा ल पा व. हे सं हुं द य म सु. दे व ना व हु या य हु न या
वे र व र्च ची भा य द य का व. हे स व नं ध कं भा ल पा व ए जा या के से वा या न

दयकाव. कायनवराजयातवोतीतयाव॥ ध्वनंली. शतहीप्रधीत
 व. वहीजागर्तयावाव. ईश्वरया नामकयावचोनं॥ ध्वनंली. स्व
 . ध्वरबुहुयाराजीस. नवरजवाहुराथेनकटावतं॥ ध्वनंलीनव
 . खापाखेंवधकंसलतावचोनं॥ हतासनंभीतखाहेनंपिहावया
 . सफेकर्तुकाव. मामनधातं॥ हेपुत्रनवरजहकुसलजुवला. हनवबु
 . नवृतातकनार्धकं. आशादयकाव॥ ध्वतेनवरजजनमामयाआशा
 . नधातं॥ हेमाताहेसेवीज्याहने. जीवबुयाजुलसांगंगायातीरसभी
 . तगावदेगुलीयायत. सिमाजयावस्वानध्वलवनं. ध्ववेलास. देवसं
 . गीवासवनंधकं. ज्याथजीथीनेहसेनजीताकानं॥ ध्ववेलास. जीनमृ
 . गायातीरसयनार्ध. अजीसस्कारयानाव. पींदआदीनथयाव. माता
 . धनंलीजंगायातीरस. जीनह्नानयागाव. देवयधकं. भातपावचोनाध्व
 . देवनावहुयायहुनयावचोनेधकं. आवजीनराजायाकेसेवायाना
 . पावराजायाकेसेवायाना॥ हेमाम. ध्वनंली. हहुयादीनस. एजीस

नीगुरु
 २३८

द्वलपोलव चंद्राव तिव तुमंसेवला. ध्ववेलाश. ए जायकि वेदा कया.
चंद्रावतीजन वना. हे माम धनीया ए श्रीस ह्याय. जागर्न नाया नावी ज्पान
न भीनसीसा फलस्वानया वास नादव. ॥ हं नं धे लोकसी. पंचासुतय
पोलया थंदीन सं. हुया नाव विज्पाना जीववु जुया उपदेश नायार
रपुतां न क ना ववी ज्पा हुने धकं धयाव. ज्वमय नु न धालं. ॥ हरी रथा
लापया नाव. मीषाणषी भी हायका व. पुन्रुषया नि मिनीनि. अप्रि
कं जीयाक तनतयाव. वाना ताथ का व. द्वलपोलजुक स्वर्जवास विज्प
पोलजुक ग नावी ज्पाना. ॥ हे प्रभुका ययारवा ल मसो स्पे. द्वलपोल
विलापया नाव चीनं. ॥ ध्वते माम न विलापया क स्वयाव. पुचन वराजन धा
नाव विज्पाय मते व. जीगुरवाल रचयाव. दुखतान कि व. ॥ हे माता हन ता जी
लापया नाव विज्पाय मते व. दुखसां कीया नाव विज्पा हुने धकं. अप्रने ग
न धालं. ॥ हे माता. द्वलपोल प नि याग थे २ जुवर्धकं. हं नं थना अप्रने ग
पुतां ना. अप्राशा दस्प विज्पा हुणे. सो क तोल ताव जीव दया प्रसन्न जु य मा

॥ ए जाय के वेदा कया वः दल पो लया दर्शन या य ध कं वया ॥ हे मा प्र
जा ग न ना या ना वी ज्पा ना ॥ हं नं थ ना प्र ने ग भु गंध पुष्पः श्री ख र र भि
धे ल क र सी पंचा मृत या वा स ना द वः म धी या न द वः ॥ ध्व ते नं द ल
भु जु या उप दे श व ना या ख वृ तां त क ने धु नोः प्रा व द ल पो ल या स मा चा
य नु न धा लं ॥ हरी र थ थी न प्र भा गी नी ख व र ख ने जी ध कं प्र ती वी
ष या नि मि नी निः प्रति सो क या तं हे स्वा मी भी क्षा फे न व ने ध
पो ल नु क स्व र्ज वा स वि ज्पा त ॥ हे प्रा न ना थ जी प्र ना थ या ना वः द ल
खा ल म सो स्पे द ल पो ल नु को ग ना वी ज्पा ना ध कं ना ना मा थ रा
स्व या वः पु च न व र र ज न धा लं ॥ हे मा ता द ल पो ल स्पे रा प्राम थे सो क या
कि वः ॥ हे मा ता द न ता जी म दु लाः सि क झ या नी मि नी नि प्राम थे वि
वि ज्पा दु ने ध कं प्र ने ग प्र का र न मा म या त वी ध वि या वः हं नं न व र र ज
व ध कं हं नं थ ना प्र ने ग भु गंध वा स ना द वः थ ना दु या ना य वः स म स्त
व जी व द या प्र सं न्न जु य मा लाः प्रा जा द स्पे वि ज्पा दु ने ध कं ध या वः ॥ ध्व

श्रीस्वस्था
२३९

तेन वराजया वचन डे नाव ज्वमय जुए जुलसां कायया मधुरवचन डे न
नपदार्थदयकाव पंचामृतप्रादिन मधी धली दुरुदयकाव कायव
डे नावजी प्रति संतोख जुय धुने ॥ हे पुत्र आववाली निधुन किव धे
मया प्राजा डे नाव व्याली यात धनंली व्याली धुनकाव नवराजन ध
नाव गुकारन डे नेई क्षा जुलो विस्तारण आशाद स्ववी ज्याहुने धकंध
प जुन आशादयकलं ॥ हे पुत्र वराज स्क चीनाया नाव डे व दनक
बाया नाव श्रीस्वस्थानी परमेश्वरया धर्मव्रतदंडा ध्वतेया नी मीतीण
रया धर्मव्रत जुले स प्रअ धिस्वरया आशाथे श्रीस्वस्थानी परमेश्व
नाया ना हे पुत्र आवजी न धो गुली श्री ३ स्वस्थानी परमेश्वरया पु
दन मुक्त जुई व धकं वही जा ॥ गर्भनाया नाव पुत्र न वराजया त वारवां क
नेने धुनकाव न वराज व्राह्मण न धालं ॥ हे माता धंम २ छल पो ल थ
डे नाव आव समस्त पापना स जुयाव दिव्य देह जुयाव बल ॥ हे माता
पुयाव मामया ह वने धालं ॥ हे माता आवजी जंगा स ह्मा न या य त

तां कायया मधुरवचनडे नाव. मनस प्रतिप्रापनं दया नाव. नाना माथा
 ली दुःखदय काव. कायवाली यात काव. हे नवराज धर्म रत्न वचन रव
 नाववाली निधुन किव. धोने ली जी गुली समाचार कने धके. श्वते मा
 ना धुन काव. नवराज न धाले. हे मा झल पोला सेन. चंदी जाग र्त ना या
 ताद स्ववी ज्याहुने धके धयाव. थव पुत्र नवराज याव चनडे नाव. जव म
 ची ना या नावडे व. हन कल्पा जुई व धके. हान धाल साहव ना पंदोने वां
 दडा श्वते या नी मी तीण. सुजं धवास ना दत. हे पुत्र नवराज. श्वत्तु ई श्व
 थे. श्री स्वस्थानी परमेश्वर या धर्म व्रत दडा. धोते धुरा काव. जाग र्त
 स्थानी परमेश्वर या. पुराण कथा कने. रेक ची ना या नावडे व. श्ववेल स
 पुत्र नवराज यात वा रां क नाव चोने. श्वने ली प्रात काल जु याव. धारवा
 ता धंम रत्न ल पोला थ थीं ड. श्री स्वस्थानी परमेश्वर या अपूर्व कथा
 देह जु या व वल. हे माता. धंम रत्न मस्कार धके मा मया पाली स भो क
 जिं गा स ह्ना न या य त व ने. हल पोला प नी स्पेन. आल कुला व वि ज्वा

नी गुरु
 २३९

हुने धकं धया व. येदा कया व. गंगा सहजानया यधकं वनं ॥ ध्वनं ली गं
याना व. गायत्री जप यात्रा व. मिरवाती सी या व. ईश देवता या जप ध
रया वाखाडे ना वया पुरणनं गगान श्री हरि हर उत्पति जु या व. न वरा ज
प्राह्मण धन्य २ हन भक्ती भा व न जी अति संतोष जु य धु नो ॥ आ व ह न
हे न वरा ज आ व ह न ता अ भी शेष विय फ व ध कं गंगान था हा वी ज्या न
सं स विय फ व ध कं विले ॥ ६ ॥ ध्वनं ली श्री हरि हर नं हं नं आ डा द र
दी न दि ग स रा व म ध यान गर ह गु ली द स चो न ध्वन गर स रा जा म दु
परा ज आ व ध्व दे श स रा जा म द या व लोक उ त्पा त न हा ला व जु ल
ल स जी कि सिया के दु वि ना व चो ने जी न ह स ने द य का व ह प्र ना च
से स थि ये ध कं हे न वरा ज ध्व ते ह न ता व र दान विय ध कं आ व ह रा
तां ॥ ध्व ते श्री हरि हर या प्राज्ञा थे डे ना व न वरा ज न जु ल सां मन स अप
हे पर मे अर श्री हरि हर धन्य २ जी भा ग्न न द स न द तो हे पर मे सर जी
कृ पा या ना व ह ल पो ल या ज प धान जी हृ द य स था त का व वि ज्या

॥ यध कं वनं ॥ ध्वनेली गंगा स दानया यधुन कावः श्री हरि हर पुजा
यावः ईश देवता या जप ध्यान या नावः ध्वनेलासः श्री स्वस्थानी परे मे स्व
हर उत्पति जुयावः नवरा जया थास विज्या नावः आशादतः हे नवरा ज
नोष जुयधुनो ॥ प्राव हन तावर प्रसादः विय फल धकं आशादय कावः
कं गंगानथा हावी ज्या नावः गंगा जल नः नवरा जवात्मनया त अभी
रि हरि हर नं हं नं आशादय कलं ॥ हे नवरा जवात्मन हं वं ध्व गंगानद
नः ध्वन गरसरा जामदुः प्राव ध्व एव नगर सरा जाह जुलो ॥ हे न
क उतात नहा ला व जुलं ॥ हे प्रात्म ए प्राव ह ध्वन रस हुनी ध्व वे
न हसने दय काव ह प्रना चो नाव चो वः ध्वनेलासः हन ता जीनः प्र भी
दान विय धकं प्राव ह रा वं ये देश हुयो धकं आशादय काव विज्या
वरा ज न जुल सां मनस प्रति आनंद या नावः श्री हरि हर पुजा या नाव
दमन द तो हे पर मे सर जी प्रमाथ जुयाव चो न हिया तः सदा का लं
दय स थात काव विज्या यमाल ॥ हे ईश्वर धनितुनी जी मा म सा

श्री स्वस्था
२४०

गर्भस चो नाया साफल्ये जुहो ॥ हे श्री हरी हर हलपोल जुईव साधु जणप मोर
श्रीया भाएकतायाव संसारयाउंत्पतिया नाव धर्म या पापया साक्षी जुयाव
यात माया न तो कपुयाव जुग २ नाना अवतार कयाव वी ज्पाक ह्य श्री हरी हर
स्वर दोल दिखु तु न दुसा थं दयी व धकं नाना माथन स्तुतिया नाव श्री सु
के वेदा कयाव थ व हे स वनं श्री हरि हर या के वे दा कयाव क्षपाया दु ग क्षी
न स श्री हर्ष मान या नाव थ व हे वनं श्री हरी हर जं गा सं प्रंत ध्या ए जुयाव
ल ताव चो नं ॥ ध्व वे ला स ज्व म य जु न काय या स ल ता या व ह ता स न द
गु न धालं हे पुत्र न व र ज थ नी या दी न स ह प्र ती ते ज वं न ह नं ह म हा
पर व ना व जी म न स प्रति प्रा नंद आ स र्य्य हे पुत्र ह पां जं गा स ह्ना न या
ध जी म न स प्रति वि स्म य जु लो सम स्त रा ज न क्ष न संप र्ण जु या व चो न हे पु
या व ह ल ह नं म र वु जी म रा भ म न जु ल ला जी म न स प्र ती सं दे ह जु ल स
प्रा ज्ञा डे ना व न व र ज न धालं ॥ हे मा ता डे स्पे वि ज्पा हु ने सु ना गं जि ता थ
ता न वि य फ व ला ह ल पो ल से न द ना पुं रा प न वी ला हे मा ता मे व सु नां वि

लपोलजुईव साधु जणपनीरक्षाया नाव विज्याक ह दुष्टपनीसंहारया नाव पू
धर्मयापापयासाक्षीजुयाव नानाप्रकारनसृष्टीस्थीतीया नाव मनुष्यपति
रुयाव वीज्याक ह श्रीहरीहरयात सह अकोती २ नमस्कारधकं हेपरमे
माथनस्तुतिया नाव भी सुज्येयाते जथे जुयकाव फोनाव श्रीहरीहरया
वेदाकयाव क्षपायादु गक्षीते अजुयकाव अते नमोहर मुतीनुयाव म
हरजंगासे अंतर्धीण जुयाव विज्यात ॥ ध्वनंती नवराज ह धे नाव मामस
यासलतायाव हतासनलंख जो नाव पीहाव या तुति चायकाव ज्वमय
ह अतीते जवंत ह नंद महासुंदर जी मनस जाईद्र तुल्य भाल पा हनर
हे पुत्र ह पांजंगास ह्या नयाय धकं व नावेलस ह धुलीते जपु नम जुव आ
क्षरसंघर्ष जुयाव चोन हे पुत्र ॥ आ मय जल क्षनते ज सुंदर सुनान ह नत वि
मनस अतीसंदेह जुल समस्त वृतां नयक नाधकंधयाव ध्वते मामया
विज्या हुने सुना गंजिता थ थीं न समस्त ते ज राजल क्षन विधीव मेव देव
नवीला हे माता मेव सुना विधीव हलपोलया प्रसादन थुकादत ॥ हे मा

नीगुरु
२४०

ताडेसेविज्याहुने. थनीयादिरास. श्रीहरीहर गंगामप्रतक्षजुयाव. उ
वम्यदेशयाग्रभीडोषविलं. ध्वते वियाव. प्रनध्वानजुयाव विज्यातं।
ल. हेमाता. ध्वसमसं हलपोलसेनयाना धर्म्मन. जीताथुलीतो श्रीह
नस. कोती २ नमस्कारधकं. मामया चरनसभोकपुयाव. धववृतांनद
सप्रतिहर्षमानयानाव. ज्वमय जुनधातं॥ हे पुत्रनवराज. धंम २ हन
ज्वनसहितनकावधकं. व्यापातप्रधीतमधी. व्यातुजजमका. व्यागोल
ल. व्याकोतज्वच. श्रीखंराद. रक्तचंदन. सींदुर. भिन २ खानहवनेतयाव
जीहोनेवांछान. श्री ३ स्वस्थानीपरमेस्वरयाप्रतक्षदव. हनथोत्पई
जुयाव. रावम्यदेशयाग्रभीसेषहनतावरप्रसादविलं. धंम २ हन भाज्य
प्रधकंधयाव. लवङ्गानाव विलं॥ हे पुत्रहनकल्यान जुयमाता. हनहुम
ध्वते ग्रासीख वियाव. सज्वनविलं॥ ध्वनंतीनवराजन जुलसां. मामन
धीतमधीनयाव. ज्वचज्वालनयाव. मनसप्रतिप्रानंदयानाव. मामय
ता. ग्रावजीहरिहरया ग्राजाथें. रावम्यदेशवने. वेदावीयाधकंधयाव

रु. गंगासप्रतक्षजुयाव. जीतवरदानविलं॥ ध्ववरदानदुधालसा रा
नर्धनजुयावविज्यातं॥ हे माता थोते थुका. जीसरिरदिवसरीरजु
र्धन. जीताथुलीतो श्रीहरिहरनवरदाविल॥ हे मातादुलपोलयाचर
तिकपुयाव. थववृतांतदक्षकनाव॥ ध्वते पुत्रयावचनडे. नाव. मन
पुत्रनवराज. धंमरदन भाग्यप्रावदनता. तयावतयाप्रधीतमधीस्व
यातुजजमका. चागोलप्रक्षत. चाफोलदाफोलस्वान. चापातज्वा
भिन्नस्वानद्वनेतयाव. काययाद्वनेधालं॥ हे पुत्रनवराजडे. व. व.
प्रतक्षदव. दनथोत्तईश्वरयाधारवाडे. नायापुरापन. श्रीहरिहरप्रतक्ष
दविलं. धंमरदन भाग्य॥ हे पुत्रनवराज. प्रावदनतातया. ध्वसज्वनक
त्यानजुयमात. दनदुमनोरथजुला. वगुलीमनोरथपुरीजुयमातंधकं
नवराजनजुलसां. माप्रनवियासज्वनकयाव. स्वानकयाव. चापातप्र
तिप्रापनंदयानाव. माप्रयाचरनसभोकपुयाव. माप्रयाद्वनेधालंहेमा
वने. वेदावीयाधकंधयाव. ध्वते पुत्रयावचनडे. नाव. ज्वमयजुनजुलसां

श्रीस्वरथा
२४९

कायनवरजयात हवननेताइ कार्जस श्रीस्वरथा नी परमे श्वरनरक्षायाय
मालधकं कायघसपुडाव कपालसलाहाततयाव मिश्रानहर्षरघोभ
ल हवनजय २ जुयमाल हवनाकार्जससुनानं विघ्नयाय मफयमाल
याव नाना तरहन प्रासीवीदवीयाव वेदावीलं ॥ श्वनंली नवरज न ज
ती हर्षमानया नाव मामया चरणस भोकपुयाव राव मदेशवनं भीड
नंली नवरज राव मदेश मथेन कलवनं श्वरुद्रयादीनस भीड दिन जुय
सिआ भरन पुयकाव प्रभीसेषवीधकं राजामदयाव कि सीतो लता
नं की सित जुल सां ए जायाय वहल म जुयाव हितु ही लाव माल जुल
तियाव प्रने कमनी कयाती सा न तियाव की सिया हव जुयाव रा
जुलं हं नं प्रने कदे सया फत क व याव राजा जुय ईक्षा या नाव चीव
कि सिया हव २ जुलं गना २ गना कि सित ना प्रना २ जुलं हं नं वया सी
राजा जुय भाल पाव कि सित स शती इनव जुलं ॥ थथेनं की सिली प
वैलस श्रीहरिहर कि सिया के दु वि नाव नवरज ब्राह्मन माल जुलं

धानी परमेश्वर नरक्षायामाल तेति स्कोती देवतानंद न कल्पानयाय
 तयाव मिखा न हर्षरघो भीक्षाय काव देपु न ह न मनोरथ पूर्ण जुय मा
 नं विघ्नयाय मफय माल धकं न वरा जयामा मन रसन ला हात देहा
 तलं ॥ श्वनं ली न वरा ज न जु ल सां मा मया प्राप्ती वादि कया व मन स म
 राव राव न्य देश वनं भीड सुवे ला स प्रस्थान या नाव ग मन या तं ॥ श्व
 यादी न स भीड दिन जुया व मंत्री पनी स्पेन सुवर्ण घल जो न काव की
 म दया व किसी तो लता वतलं ॥ श्व वे ल स न वरा ज ब्राह्म न थे न कल व
 हि तु ही ला व माल जु लं श्व वे ल स थो दे स या कत करण ना ना व स न
 की सिया ह व जुया व रा जा जुय धकं भाल पाव की सि व न पां धान २
 जुय ई क्षा या ना व ची व वि ची च न तिया व र त्र मालान कोषा या व
 प्र ना २ जु लं इ नं व या सी नं व ह पाला त के थे ह पाला त कं जु लं थी थी
 लं ॥ थ ये न की सिली फल स्व या व ज वं ख वं स्व या व मालु जु लं ॥ श्व
 न वरा ज ब्राह्म न माल जु लं ॥ श्व वे ल स फले स चो ड न वरा ज या मिषा १

नीगुरु
 २४९

किसिया भिखाव चुलटा क की सिन जुल सां रितु रिना व फले चोड़
वर्णिया घल स चोड़ लं खन लु ना व न वरा जया कपाल स प्रभी सेष वि
प्रधाना वरा ज घल स्वया व वने ॥ ध्व वे ल स समस्त लोक न धालं ध्व किसि वय चा
षविया व स्वान मालान को राय का व ध्व गल पोत सत या व धान २ जु लो मि
नुन हाला व चोएं हं नं ह मने लजानि प नि स्पे न धालं हे प्र जा प नि डे स्प दि स
य चाल ध्व किसि न मखु लरा जा या यी मखु कि सि जु लं दै व थु का म नु ख
या ता न्या डा व जु या धी का र ह प नी प्राप्ति रा जु ल सां मुद्र जु ल सां व या त प
ध्व न्वा ना व जु य म ते श्री नारा य न या प्र स म द य कं ए जा जु य म दु हे मु र्व प्र ज
थु का ए जा जु ई व ध्व ते न सु मु कं चो व ध कं वो ध वि या व त लं ॥ ध्व नं ली हरि
प्र गल पो त स त या व रा ज घा स थे न क ल य नं कि सिया के दु वि ना व चोड़
प्राप्ति रा की सिया स न क धां व या व रा ज गृ हे स दु हा व नं ध्व गु लि स म य स
हु ती या ना व जो ती क प नि वो न क ल हो या व भीं गु मु ह र्त द य का व आ दी
नं ली ना ना ती र्थ या ज ल गंगा ज ल आ दि न का य क ल हो या व प्र ने ग सा

खितुखिताव फले चोड़ नवराज या तद्यस पुनाव फले न को कयाव सु
पालस अप्भीसेष विले ॥ हं न स्व थ न घ स पुङ्गव थ व ग ल पो त स त या
क न धाले थ्व कि सि व य चालो सव २ हेतु अनाया हं म दु ब्राह्म न खात अप्भीसे
त स त या व धा न २ जु लो निश्चय न थ्व कि सि व य चालो ध कं देश क त क दु नु
लं हे प्र जा प नि डे स्प दि स थ्व की सि व य चाल म खु दि स् क ल प नी थु का व
सि जु लं दै व थु का म नु ष्व भा रा न जु क ज्ञाय म स ला दाय मु मा ल कं कि सि
सो मु द्र जु ल सां व या त प स्या नं जु ल थ्व ते न मु मा ल कं आम थे स्व द्वा ना
ह ए जा नु य म दु हे मु र्व प्र जा लो क जो ह या त प स्या या फ ल द ता व स या त
या व त लं ॥ थ्व नं ली हरि हर दु वि ना व चो ड कि सि न जु ल सां न व रा ज थ
सि या के दु वि ना व चो ड श्री हरी हर थ व था स वि ज्ञा तं ॥ थ्व नं ली न व रा ज
हा व नं थ्व गु लि स म य स उ पा ध्या मं ची पं च प रा मा न प नी स्पे नं थी थी सा
गु मु ह र्त द य का व आ दी त्प या उ द य जु या व चो ड ल ग्न द य का व त लं ॥ थ्व
य क ल हो या व अ ने ग सा मा ग्री ता ल ला त का व ॥ थ्व जा ह व चा भो ल आ

श्री स्वस्था
२४२

दिशा हवनेतयाव सुवर्णायासिंहासनहवनेतयाव भवदेशयाहनी एवनेत
निकया आभरनपुष्पाकाव जरीजवापयावस्यरातियकाव भवथायसतयावत
लपावतलं देशसदकोप्यासनवाजान भवपनिसया हवनेवोधावतलं
पनीहवनेतयाव प्रोहीतएजशयातकाव नवरजवाह्यराव एवमवतिर
य्यसाहिथडाव कंन्यादानवियाव भवतेपुनकाव नवरजवाह्यराव राव
अनेकवाह्यनपनियात योदसउपचायनपुजायानाव सुवर्णादहिना
रिहरयाप्रसादनं राजाजुयाव मनसं प्रतिहर्षमानयानाव लकहि२
दानवियाव ग्रहसांजीयानाव भवतेपुनकाव नवरजवाह्यराव नजुल
नाव महाप्रानंदनचोनं ॥ भवनंलीमंविपनीसेराजुलसां अनेगसा
भीसेषकासेविज्याहुने कंविनतियातं ॥ भवतेमंत्रीपनिसयावच
वजीनप्रभीसेषकाययात जीमामज्वमयजुमदयकाव गथेप्रभीसे
प्रहेमंविडेव चंद्रजोतिनगरयावाहिरस भीतसाहेदगुलीदव
थथेंसुषपाल जोनाव हपनिथ थेंवनाव जिमामवोनावहकि प्र

तव भवदेशया एतरी एवनेवती धया ह्यनं रत्न प्रालानको रवायकाव प्रनिमा
 यकाव भवथायसतयावतले हंनथा स २ हिति मंदपदे वल आदी राहाय
 नसया हवनेवोषावतले ॥ हंनं प्र ९ मंगल पुर्णघल गुह्यकुमारी भव
 जवा ह्यराव एव न्यवतिरानि सींहासन सतयाव जज्ञसादी थउगव सु
 गव नवराजवा ह्यराव एव न्यवतिरानि नेह्यदगुली सींहासन सतयाव
 गायानाव सुवर्णदहि नावीयाव होतं ॥ ध्वनंली नवराजा राजा रां श्रीह
 मानयानाव लकहि २ सुवर्णदक्षीन विद्याव लकहि २ सला किसि
 नवराजवा ह्यराव नजुलसां परम आनंदन एव न्यवतिव सुय भोगया
 सेरा जुलसां अनेग सामागीता ललातकाव भीड मुहुर्त्तसं प्रावप्र
 ध्वते मं त्रीपनिसया वचनडे नाव राजान प्राज्ञा जुलं ॥ हे मं त्रीपनिडे वग्रा
 तुमदयकाव गथे प्रभीसेषकाय ॥ हे मं त्रीपनि जीमामकाय कलही
 भीतसा हेदगुलीदव भव भीतरा हेस जीमामचो नाव चोनि प्राव
 जेमामवो नाव हकि अलेतु निप्रभीसेषकाये ॥ प्राव हवपनी थथे हुनी

नी गुरु
 २४२

विलं भयाय मते वधकं आशा वियाव ॥ श्वते ए जाया आजाडे नाव-
नलीत काव मंत्रिवनं ॥ श्वनं लीश वन्य दे शया प्रजा लोक हपाला
महाराणी ज्वमय जु डे स्पे विज्या हुणे दुधा लसा हल पो लया पु च राव
ता धकं विनतियातं ॥ श्वते यडे नाव ज्वमय जु न धाले हे प्रजा लोक जीक
प्रति विस्मय जु लो हप निसेन हे यके धकं वयाला निश्चय नं ख वला
दय कलं थथे न्या डार चोन वेल स मत्रि प निस्पेण सुकपाल जो नाव
मय जु या भीत खाहे थे न कल वयाव मंत्रि प नी सेन जु ल सां ज्वमय जु
तियातं ॥ हे महाराणी ज्वमय जु डे स्पे विज्या हुने दुधा लसा हल पो लया
या पु च महाराजा नं हल पो ल विज्या त के माल धकं जी प नि हो याव ह
मन या से विज्या हुने धकं विनतियातं ॥ श्वते मंत्रि पणी याव च न डे नाव म
ल सद नाव विज्यातं श्वनं ली ज्वमय जु न जु ल सां मन सहर्ष मान या ना
न या नाव ए व न्य दे स थे न कल विज्यातं ॥ ६३ ॥ श्वनं ली ज्वमय जु थे नो ध
सां सला कि सि आ भन पु य का व मा मल ख ल वनं ॥ श्वनं ली ज्वमय

ए जाया आ जाडे नाव. तत्कारनं सुकपाल जो नाव. लकदी २ सिपाहि
या प्रजा लोक. हपालात काव वनाव. ज्वमय जुया हवने धालं हेसा हेव
सा हलपोल या पुच राव न्य दे सया ए जा जुलो आव हलपोल पोत कल ह
वाले हे प्रजा लोक. जी काय गथे ए जा जु ईव. ह पां वा ए जात जी मन स जा
ला. निश्चय नं ख वला. अमिथ्या न द्वाय मते व. सते थे का व ध कं. आशा
येण सुकपाल जो नाव च न्द्र जोति नगर या वा हिरस. थे न कल व या व ज्व
से न जुल सां. ज्वमय जुया च र्ण स भोक पुया व. ज्वमय जुया हवने विन
हु धाल सा. हलपोल या काय. जी मि दे सया ए जा जुलो. आव हलपोल
ध कं जी प मि हो या व हल. आव मथा नं. ध सुख पाल स विज्या ना व ग
ध पणी या व च न डे नाव. मन स शान्ति आनंद या नाव. ज्वमय जु न जुल सां. सुकपा
मन स हर्ष मान या नाव. ध म २ ई श्वर ध कं. मन स हरी हर या ना म उचा
व नं ली ज्वमय जु थे नो ध कं दे सया प्रजा प मि चो य का व न वरा जन जुल
व नं ॥ ध नं ली ज्वमय जु. महा जा चा या नाव. अने ग वा द्य था त का व

श्री स्वस्था
२४३

सिद्धर्जा चायानावः राजगृहे सदुता विष्णुतकावः ॥ ध्वनंली नवराज ए जा
कपुयावः प्राज्ञादयकलं ॥ हे माजुने से विष्णुने हलपो नयाना धर्मन
याः प्राप्तीर्वादन जीथ थी ऊ राव न दे डा या ए जा जुय पुनो हे माता धंन्य
ताः प्राव जीता प्रभी सेष विस्प विष्णु ह्यो समस्त मा मागीत या र या
राज या व च न डे नावः मा मन प्राज्ञा जुलं ॥ हे पु व धंन्य २ जी भाग्य जी ज भ
ल वा चाँडे नाव थ नामं वि प मि स या ह व ने प्राज्ञा द तं ॥ हे मं वी व निः प्रा
मा श्री ताल लात कि व ध कं प्राज्ञा द य का वः ध्वते ज्व म य जु या प्राज्ञ
चो हित प्रादि न वो न क ल दो या वः भी न दि न स्व या वः धा म २ वि स्प म
ला की सिः प्राभ र न ति य का वः गु ल कु मारीः प्र फ मं ज ल पु र्न घ टा ध्व
सः म शि मा नी क थु ना त या सि हा स न स त या वः न व रा ज मा हा रा ज
भी न २ दि न गु रु म हा सु वे ला स ज र कु र द ला या ह व ने त या वः भी न २ व
प्र भी से ष या तं ध्व नं ली ज्व म य जु न ना ना ति र्थ या लं ख न प्र भी से ष
प मि स्पे रं प्र भी से ष या तं ॥ ध्व वे ल स ना ना वा घ था तं हं नं प्र ने ज प

॥ श्वनंली नवराज ए जानं राव न्यवति ए नीन ग्वमय जुया चरन सं भो
 ने दलपो नया नाधर्मन श्री स्वस्थानि परमेस्वरया कृपान दलपोल
 जा जुय धुनो हे माता धंन्य २ दलपोल यात परया धंन्य २ जी भाग्ये हे मा
 नमस्तमा मागीत पारया नावत यधुनो धंन्य २ आजा दय काव ॥ थो पुत्र या न
 व धंन्य २ जी भाग्य जी जर्भन थ थो पुत्र जात जुव धंन्य २ धंन्य २ थो थो कुस
 ता दतं ॥ हे मंजी पति आरा जी पुत्र नवराज यता अभीसेष विय यात सा
 श्वते ग्वमय जुया आजा डे नाव मंजि पनी सेरा जुल सां भीन २ प्राप्तरा
 स्वयाव था स २ विर्य मात पे नाव ध्व जा दव चा भोल सींहासन स
 पक मंजाल पुर्न घल श्व सामागीत कार नंद याव श्व लाय कया दथु
 याव नवराज माहारा जा राव न्यवति महारा नी सिंहासन स तथा वं
 या दव नेत याव भीन २ प्राप्तरा पति सेन वेद पार नयात काव प्रो हित न
 र्थ या लंखन प्रभी सेष यातं श्वनंली दको पंच परमान प्रभृति थो
 वा घथातं दंनं अने गप्या ख नहुय काव महा जा चा या नाव दंनं थो

गि गुरु
 २४३

देसया.मिसापनी.फया२थेवस्वरातियाव.गानातिसानतियावस्वत
प्राज्ञास्वरापत्रिपुजायानाव.रत्नमालानकोस्वायकाव.मुवर्णदहिनावि
हंने.अणोगपदार्थ.दयकाव.प्राज्ञास्वरापत्रिभोजणयातकाव.हंनेसत
स्वाभोजनयातकावहंनेवस्व.प्रादिणवियाव.संतोषयातं॥ध्वनंलि.
जमहाराजायाजय२जुयमालधकं.प्रासिर्वादवियाव.थव२हेसवने
आयानाव.हंपांगुत्वाकुमारि.अम्बालिखतसतयाव.हंने.अनेगवाज
जाकिमिस्वस.अम्बालिखतसतयाव.थमनचोनाव.थवलीवनेमं
स्वपालसतयाव.थयालिखनेपंचपरमान.सलाकिमिगयाव.थुगुली
वराजानजुलसां.भीहरिहरयाप्रसादन.एज्ययाअधीपतिजुयाव.
नवरराजजासहितन.अनेगपदार्थनभोजनयानाव.अनेगपुणनादि
चर्चायातकाव.चतुर्दिगसंराज्यसियकाव.प्राप्तहचानाव.रावमंवरतिम
भुक्तलपावहाडावचोनजुल॥६॥ध्वनंलिहृयादिनस.नवरराजन.प्राप्त
रयाकृपानं.एजारात्रीजुयधुनोहृपाधालसा.भीजीमहादरिद्र.जजमा

मानातिमानतियावस्वतवत॥ ध्वनंलीजइयाअभीसेषकयावउपा
यकावमुवर्णदहिनावियावभीशुकभातपनिष्ठादहिनावीयाव
जरायातकावहंनंसलाकिंसिदस्रग्रादिनलकहिश्वास्त्ररापनी
संतोषयातं॥ ध्वनंलिवास्त्ररापनिसेनप्रासिर्वादवियावनवरा
दवियावथवश्देसवनं॥ ध्वनंलीसमस्तमालकोधुनकावदेशजा
सतयावहंनंअनेगवाजनथातकावहोतं॥ ध्वनंलीनवराजमहारा
मचोनावथवलीवनेमंत्रितयावविज्यातं॥ ध्वनंलीरावम्वतिरात्रीसु
लाकिंसिगयावथुगुलीप्रकारनमहाजात्रायानावविज्यातं॥ ध्वनंली
मयाअधीपतिजुयावअमयजुराजगृहेसदुहाविज्यातं॥ ध्वनंली
मानावअनेगपुराणादिकथाकेनावभीनरमंत्रीपनिसेनराज्यया
महचानावरावम्वतिमहितनसुखभोगयानावपरमप्राप्तंदनराज्य
यादिनस्तनवराजनमाममाहवनेप्राशादतंदेमाताप्रावकीजीसईअ
रीजीमहादरिद्रजजमानपनिस्केभीक्षाफोनावहिनद्वपोलजुध

श्री स्वस्था
२४४

नयाव चोना ॥ हे माता ध्वते न भ्राव जी जी सयाई स्वरिया कृपान गज पद
यात के सुवर्ण दहि नाविय हे माता ली पुगुली जन्म स त वधा ड कुल स
निर्न ब्राह्मणाय ता सुवर्ण दान याये अन्न दान याये जी मन स ईक्षा जु
जयाव च न डे नाव ग्य मय जु न प्राज्ञा दय कलं ॥ हे पुत्र धन्य २६ धर्म
याव समस्त साहुतिया वधकं प्राज्ञा दय कलं ॥ ध्वते मा मया प्राज्ञा डे न
याव प्राज्ञा दय कलं ॥ हे मंत्रि पति जी मुख डे बहु धा लसा जी राजा जु य
नाविय ध्वते नि मिर्ती न ह पति वोन कल हया प्राव पृथी सद को वाह
समाल को सामा ग्रीता ललात किं व हं न न वरा जया न दान सुवर्ण दान
यमाल धकं मंत्रि पति सया हव ने प्राज्ञा दय कलं ॥ ध्वते प्राज्ञा डे नाव
वरा जाया प्राज्ञा सि स फ याव तत्कार नं सामा ग्रीता ललात काव ब्राह्म
नं ली ग्य मय जु न न वरा जया हव ने प्राज्ञा जुलं ॥ हे पुत्र न वरा ज प्राव च
य कल हो व ॥ हं नं ह न कलात पद्मावति ताद तो थव देव नाव चो न ध्व
मया प्राज्ञा डे नाव न वरा ज न जुलं दुल्लात वोन कल हो याव प्राज्ञा

स्वरिया कृपान राजपद लायधुनो. प्रावृथी सदको वा ह्यरा भोजन
 जिन्मस तवकाड कुलसज मकयाव भापमानी जुयीव. ध्वते निमी
 नयाये जीमनस ईक्षा जुलो धकं. प्राशा दयक लं॥ ध्वते पुत्रनवरा
 लं॥ हे पुत्र धन्य २६. धर्म सलय जुव हे पुत्र प्रावृमं विपनि वोन कल हो
 लं॥ ध्वते मामया प्राशा डे नाव. नवराजन जुलसो. मं विपनि वोन कल हो
 वहु धालसा. जीराजा जुयाया ब्राह्मण पनि भोजन यात के. सुवर्णादही
 या. प्रावृथी सदको वा ह्यरा पनि. निमं च नायात कल होव. हं नं सम
 राजया. नदान. सुवर्णादान धकं धायाव होव. समस्तसा प्राशीत यार गार
 कलं॥ ध्वते प्राशा डे नाव. मं विपनि स्पन जुलसो. हता २ भाए कुचीना
 ग्रीता ललात काव. ब्राह्मण पनि थाम २ निमं च नायात कल होतं॥ ध्व
 ॥ हे पुत्र नवराज. प्रावृ चंद्र जोति नगरस. जजमान पास पनि. दको चो
 दतो थव देव नाव चोन ध्व वोन कल होव धकं. प्राशा दयकाव॥ ध्वते मा
 वोन कल हो याव. प्राशा दयक लं॥ हे दुत्या पनि जीगुख डे व. हपनी

नी गुरु
 २४४

धये वरुनापुरनगरस जीकलात चंद्रावतिदुलीसथडुवतत्कारनं धे
ज्यायमालधकंधियाव॥ हंनंजीरावें मदे शयाग जीजुलोधकं कावहे दुल्पापनि
जावियाव॥ धते नवरजमहारजाया ग्राशाडे नाव॥ राजाया चरनसभोकपु
मंली चंद्रजोतिनगरस वासनपनिदको हपायापासापनि वोनकलहोती॥
स्वामिवासरयादेडे नावसलताव वन॥ चंद्रावतिज्यालनको स्वयावचो
जुकोहाविज्याहुने धकंधियाव॥ धदुल्पातोसयावचनडे नावधालं हेदुल्पा
समस्तवृत्तान्तखकनाधकंधियाव॥ धते चंद्रावतीया भाषाडे नाव॥ दुल्पा
राजानहोयाव हला हलपोलया स्वामिनवरजमहारजाजुलो॥ ग्रावहल
हला हलपोलया वाजुमाजुपनी धनी पेहुविज्यायमालधकं ग्राशा
तिरुमथानप्रस्थानया नावविज्याहुने धकंधियाव॥ धते दुल्पापनिसया
चंद्रावतिनधालं॥ हेदुल्पापनि चंयरहपनी धयरजीपुरुषया भाष
नुकाववलो॥ नावतीदितुधकं थातावो नाववजी मेकावतले॥ धते पुनका
सविज्याहुने दुधालसा जी स्वामिनवरज राव मदे सयाग जाजुलो॥ ग्रा

हृत्सीसधुनवृत्तकारनंधेनकेहयमाल. उपातुप्रामववुथनिप्यहवी
जुलोधकंकावहेदुत्पापनि. आवविलेभयायमत. मथानहनिधकंभार
व. राजायाचरनसभोकपुपाववेदाकयावमथाने. वरुनापुरदेसवना. ध्व
पापासापनिवोनकलहोत. ध्वनलीदुत्पातोवरुनापुरदेसथेगाव. अग्नी
वतिज्वालनकोस्ययावचोनखत्राव. दुत्पातोसेनधातं. हेचं द्यावतीमा
मावचनडेनावधातं. हेदुत्पापनिहृनिमिर्निनवयाभुनानहोयाहला
वतीयाभावाडे. नाव. दुत्पातोस्यनधातं. रावयदेसयात्रराजमाहा
महाराजाजुलो. आवद्वलपोलधथेविज्यादुनेधकंजीपनीहोयाव
वेज्यायमालधकं. आशादस्पहलाहेमाहारनीआवविलेभयायम
व. ध्वतेदुत्पापनिसयावचनडे. नाव. मत्रसप्रतिहर्षमानयानाव
धय्यरजीपुरुमयाभाष. धय्यरजीभाष. हेदुत्पापनि. आवद्वपनित्या
निकारतले. ध्वतेधुनकारप्रामकवुयाकेधातं. हेमातापिताजीगुस्वाडे
वयदेसयाएजाजुलो. आवजीवोनकलहला. हेमातापिता. ध्योतेनि

श्रीस्वस्था
२४५

मिर्मिण जीवरोतेलो वेदा विदुनेधकंधयाव ॥ धोते चंद्रावतियाव च नडे
जील चार जाया भाग्य धकंधं २ जी पुत्रिया भाग्य धं २ जी पत्रिमया
ह्या जरा जी जुलो धमिनुनि जी ह्या च जन्म काल वया या सा फले जुलो
धकंधयाव ॥ अनेक तिसा हयाव ॥ तिसा न तिय काव ॥ भीन २ व स्रन ती
था डग वय नं ॥ चंद्रावती गमन या वा वय नं ॥ हं नं ह गुली व न स थे नाव ॥
न ॥ सीतल स्थान स ॥ स्थि पुरुष सहित न व स ल पाव चो न ॥ हं नं ए ज हं स
न थ थी न सो भाय मान व रण स या व ॥ परम आनं द न ॥ राव स्य व ने धकंधं व न या सो
ध मान या ना व व नं ॥ ध्वते ह गुली थाय स ॥ भीन गंध धु प दि प म धी या वा
ना द व ॥ ध्वस्या न स व ना व ॥ दु त्या तो से न जु ल सो ॥ ला हा स चंद्रावति ॥
हु द व ला धकंधं स्व ल वा ने ॥ धो गुली थाय स ॥ अक्षर पत्रि स्य न ॥ श्री ३ स्व
व ॥ दु त्या तो स्य न जु ल सो ॥ ध्व थाय स व ना व धालं ॥ हे मा जु प नि आ लो हु दे
ते ख डे ॥ ना व ॥ अक्षर पत्रि स्य न धालं ॥ हे मा जु प नि जी व नि स्य न द ने ते व
डे ना ॥ अक्षर पत्रि स्य न धालं ॥ हे मा हा पुरुष ॥ ह पत्रि स्य न फल सा ते व

पोते चंद्रावतियावचनदेनाव. मन्त्रश्रुतिद्वयमानयानाव. धंय २ जी
 भाग्य. धंय २ जी पत्रिसया भाग्य. आव जी जील चार जा जुल नाव. जी
 कालवमायासाफले जुलो ॥ हे पुत्रि आव. ध्वते न विलं भयाय मते व हु नि
 यकाव. भीन २ व स्रन ती यकाव. वेदा विद्याव होतं. दुल्या तो सेनं दुलीस
 हं नं हू गुली व न स थे नाव. हुं फोल स्रान हो याव चोन. थाम २ मृग आदि
 मल पाव चोन ॥ हं नं राज हं स च क प्राक जोल २ न पुष्कर मिस व स ल पाव चो
 न. राव मय न ने धकं. व न या सो भाय मान ख जा नाव. चंद्राव मित जु ल सां. ह
 म जं ध धु प दि प म धी या वा स ना द व. हं नं भीन २ सिसा स्रान या वा स
 न सां. ला हा स चंद्रावति. दुली का पोत न पु या व ल थ काव. ध्व था य स
 स रा प त्रि स्य न. श्री शु स्व र्था नी पर मे स र्था ध र्म व त द ना व चो न स र
 तं ॥ हे मा जु प त्रि आ लो हु दे व ता पु जा या ना व वि ज्ञा ना ध कं ध या व. ध्व
 प त्रि. जी प त्रि स्य न द ने ते व ला ध कं ध या व. ध्व ते दु ल्या प त्रि स या व च न
 व. हू प त्रि स्य न फ त सा ते व रे ध कं धा या व. ध्व ते अ स रा प त्रि स या व च

नीगुरु
 २४५

नडे नाव दु ल्या तो पत्रिसेन वसपोल पत्रिस्के सामा ग्री क याव सु स
सरा पत्रि सवनापे महा ग्रा नं र ध म्म द ना व चो तं ॥ ध्वनं ती ध म्म द ने ध
पत्रि सया भा सा डे व ज्वल म्म नु धेन ध्व गुली श्री स्वस्थानी परमेश्वर
कि व स म्म स पा प पु ना व दि व्य दे ह जु ई व ई ह लोक सं महा मुखि जु ई व प ले
श्री स्वस्थानि परमेश्वर या ज प ध्यान भी न के नु गल स लु मा न कि व ध्व वे
हे महा पुरुष ध न्य २६ पत्रि सया भा ग्य ६ पत्रि स्य न जु ल सां ध्व गुली ध म्म
थान ह नि ध कं थो से सा स्वा न दे या प रि वा र य ता यं व ध कं ध या व ध्व ते
क या व दु ल्या तो स्य न धा लं हे मा जु प त्रि धं न्य २ छि र क ल या द या न जी
त्रि सया भा ग्य ध कं ध या व अप सरा पत्रि सया च रा स भो क पु या व वे दा
या था स व ना व अप सरा पत्रि स्व र्ग व नं ॥ ध्व नं ती दु ल्या तो स्य न जु ल सां
हे महा रानि दु ल पो ल त म चा य म ते व जी प त्रि सया वि न ती डे स्य वि ज्य
पत्रि जु ल म सि या ध्व पत्रि सया जु ल सां श्री स्वस्थानी परमेश्वर या ध
व ना ध्व वे ल स जी प त्रि स्य न धा या ॥ हे मा जु प त्री जी प त्रि स्य न द ने जी व ल

समाग्री कयावः अस्मिन् पत्रियातः ज्वाला कया द्यादा मविद्यावः अ
योत्रं। अत्रंती धर्मदने धुनकावः अस्मिन् पत्रिसेन धातः हेमहा पुरुषजी
श्री स्वस्थानी परमेश्वरया धर्मव्रतदतिवः ज्वलात्र अथवा धनकात
कसं महासुरिजुईवः पलोकप्रस्वर्गवासजुईवः हेमहा पुरुषः अगुली
गलसलुमानकिवः अथवेलासः पुनजन्ममुभालाधकं मोक्षलाईवधकं॥
अनजुलसां अगुली धर्मव्रतदनावः आवह पत्रिजनावनेतेनाः अगुलि
ताः यंत्रधकंधियावः अथवे अस्मिन् पत्रिस्वयाः भाषा देः नावः सिसास्वान
रद्विचकलयादयानः जी पत्रिसेनथ थी इः गुधर्मदना धं यरजी प
चरणसभोकपुयावः वेदाकयावः अतिहर्षमानया नावः चंद्रावति
लीदुल्यातोस्पनजुलासां सिसास्वानजोनावः चंद्रावतियाहवः यवाले
सयाविनतीडे स्प विज्यादनेः दुधालसाः दुधुथासः गनायामयजु
स्वस्थानी परमेश्वरया धर्मव्रतदनावः चोत्रं योथायसः जीपनीस्वला
जी पत्रिस्वनदने जीवलाधकं देः नाः अथवेलास जीवधयावः जीपशि

श्री स्वस्था
२४६

सेन धर्मव्रतदना वचोना भति विलं भजु लो तम चास्प विज्या यप्रते
हलपोलयात हया कास्प विज्या हुने धकं धया व ॥ अते दुल्यात मया
उं कं क ना व वा क र र न द्रे या व ना जन निस्वा सत वथे वारं म्वा र मा सु
दुल्या प मि जी थ थी रु व ना न र स या का त न वा ना व फ स न दाय का व
धर्म न य द व ला तिय द व ला जीं जु ल सां न के फ या तिय के फ या ॥ आ मे
शानो देव तान दुया यो हु का ई व धी कार ह प मि जी फ स न दाय का व त
थ थी न गु ला से व क या ध धर्म ध कं से व क या ध धर्म लं स्वा मिं का व थे या
प्रसाद विद्या व ह ला जी न जु ल सां स्वा स्ति या यं फ या प्रसाद वि यं फ या धी
तत्कार नं ह प मि स या प्राण काय ध कं हं नं जी जु लं न व र ज मा हा र जा या हे
तो र जा ध कं म सि या ला थ थे ला ह प मि स या का र्म्य ॥ हे पा पि रु दु ल्या अ
ता थु का जी प मि स्प नं ने ने म ना ना धी कार ह प मि स या ज न्य म हा पा त किं
प मि स या थ थी न वि व हा र म हा अ प रा धी का य ह प नी थु का ध कं ध या व
का ति ना व द्वा तं ॥ हं नं धा लं हे पा पि रु दु ल्या प मि आ व स्व नि म था नं नु यो

गो. तम चास्म विज्याय प्रतेव. आ व ध्व स्वस्था नि परमेश्वर या. से सा स्नान
 या व ॥ अ ते दु ल्या त म या भाषा डे ना व. अ त्य न्त को ध्या ना व. मि र वा ह्या
 वा स त व थे. वा रं म्वा र ज्ञा सु का ल पु थें ग र्ज मा न या ना व धा लं ॥ हे पा पि रु
 न वा ना व. फ स न दा य का व. दु प नि ध र्म व त डे ना व चो न. आ मो ध र्म दु
 फ या ति य के फ या ॥ आ मो स्व स्था नि पर मे श्व र ध या त्म ग ना या दे व ता
 नि. जी फ स न दा य का व ता थ का व. दु प नि दु ध र्म द ना व चो ना ध कं ॥
 र म्प लं स्वा मिं धा व थे या य मा व थु का ॥ आ व आ मो ध र्म न. दु प नि या त दु
 फ या. प्र सा द वि यं फ या. धी का र दु प नि दु या य. जी जु लं व नां न र स म टा सां.
 तु लं. न व र ज मा हा र जा या हे थे न के ह ता स. हे पा पि रु दु ल्या प नि. जी आ ल दे
 ना र्म्य ॥ हे पा पि रु दु ल्या. आ मो स्व स्था नी पर मे श्व र ध या त्म. दु प नि स्त व दे वा
 नि स या ज न्य. प्र हा पा त किं धा य दु प नि थु का. जी जु ल म थान थे न के ह ता स व
 य दु प नी थु का. ध कं ध या व. से सा स्नान क चा मि कं क या व. कु ती र थ या व हा
 नि. आ व स्व नि म थानं नु यो ध कं ध या व. अ वे ल स चं द्रा व ति या भाषा डे

नी गुरु
 २४६

वदुत्पातोस्पनजुलसं. ग्पा नाव नो न मत्तास्य दुली कुपियाव वेज न व नं
याव चो नं दुत्पाप निस्पन युसिद्धि काव य नं ॥ थवे लश साशे न धया थास
उनव चो नं सुय्य तत्कार नं. सुय्य जायाव. विपरीत न मा जायाव. पलप सातो याव
जुयाव. चं द्याव ति महापापी जुयाव. दुली न हो क दुडाव. थव सारी न सुसिपाद थ
लिप्रकारं वा गा नाव. महा प्रंध काल जुयाव. महा सासि न लं ॥ थनं नी दुल
म्वत द ना पा पु य न. ची भा य भुजुक चुस्य य नाव. दुतां म जुयाव. खुसी
व ति महापापि जुयाव. खुसि स पद ल पाव चो नं. थव महा पापि नी पद ल पा
म ज्या से ली कु ना व चो नं ॥ थ थे खुसि म ज्या क स्व याव. मा जी तो द क मु ना
जाव थी थी साहु ति या एण व. न व रा ज मा हा ए जा या के विन ति या य ध कं. र
तं हे महा ए ज. प्र दु त प्रा थ्य्य पुषु ली चो न थें थी ए न चो नं. थवे ल सं डे
स म ज्या ता. जी प री ति प्र ती ख दे ह जुयाव. थते ख वु तां ना. विन ती या य
व. न व रा ज मा हा ए जा नं. प्र ती वि स्म य चा या व चो नं ॥ थव न ली न व रा ज
वि प नि थ नी या दि न स. प्र ती प्रा थ्य्य जु लो. दु धा ल सा. थो मा जी तो से न

धनुलीकुवियाववेजनवनं॥ ध्वनलीरावस्यदेसयासमीपम. एनीन ध
॥ ध्ववेताहा साहीनधयाथासथेनवेतास. ईध्वरियातत्रिद्रायात्रागुपापन. चतक
ननाडायाव. पलपसातोयाव. मुसलधारप्रमाणनेवागानाव. महाग्रंधकाल
दुडाव. ध्वसाहीनसुसियादथुसकुतिमवनं॥ दुल्यातो जुक्चुस्पयनं. ध्वगु
हासासितनं॥ ध्वनंलीदुल्यातोपनीजुको. श्रीश्चस्थानी परमेश्वरपाव
नाव. दुतांमजुयाव. खुसीनथाहावयावथवद्वेसवनं॥ ध्वनंलीचंशु
न. ध्वमहापपिनीपदलपावचोड. यात्रिमिनीन. ध्वसाहीनधायाखुसि
स्वयाव. माजीतोदकमुनाव. प्रतिष्ठाचर्यचायावचोत्रं. माजीदकंमु
तायाकेविनतियायधकं. सकलमाजीतोराजगृहेसवननावविनतीया
थेथीरनचोत्रं. ग्ववेलासंडेनेमन्यानाहुनीमीनीनथथेजुला. गथेजुनीया
तिखवुतांना. विनतीयायधकंवया॥ थोतेमाजीपत्रिसयाभासाडेना
वचोत्रं॥ ध्वनलीनवराजमहाराजात्रजुलसां. मंत्रीयादवनेधातंहेमं
दुधालसा. थोमाजीतोलेन. जीजीस. साहीनधायाखुसिसं. पुसुलीचोत्रथे

श्रीस्वस्था
२४७

मञ्जासैचोनधालं. थोरवाअतिआभय्य. दुयानीमीनीमप्रता. सोलवने
काव. भीनरपरिततपनिमुनकाव. स्वलवनेकंकपाहाविजातं॥ ध्वनंली.
याव. अतिविस्मयचायावचोनं॥ ६७॥ ध्वनंलीनवरजमप्राज्ञादयकले. हे
घोरवस्तुमदतसा. ध्वखुमिस्तीरनचोनेमदु. थोतेन. ठूपनिस्यन. वाला
सां. सुसिसकहावनाव. वालावसोतं॥ ज्वलमेनतुतिनवालं. गुलीदिन
ध्ववेल्सप्रहापापिनि. जालसधोकतुयाव. चानपुनकाव. जालसवे
कंमसियाव. सुसिधीलीसहाकातीनावदोतं. सुनानं ध्वपापिनी. वध्व
चानभुनकाव. सुसियासीसज्वलतुलावचोनं॥ ध्वनंलीमाजीतोस्यन. ठु
पनिसयाभाषाडेनाव. नवरजमाहाएजानजुलसां. नवरव्रतयाव. पाध
लं. हेपरमेस्वरिगंगादेवि. जीनहुंमसिया. दुयानीमीनीनदलपोल.
कृपायानावविज्यायमालधकं. प्राज्ञादयकाव. अर्घविलं॥ ध्वतेअध
वेगनप्रयानाववनं॥ ध्वनंली. नवरजमाहाएजानजुलसां. सुसिह्या
ललोकणलीतकाव. यवदवीरसविन्यातं॥ ध्वनंली. महापापीनीमु

मा

मी नी नि म ज्ञाता सो ल व ने नु यो ध कं प्राज्ञा दय क लं द क प्र ची प नि मु न
कं प्या हा वि ज्ञा तं ॥ ध्व नं ली सु सि स थो ड व स क ल लो क न रु सि म प्र या क स्व
न व र ए ज न प्राज्ञा दय क लं हे डी प नि ध्व रु सि स दु व स्मु द त ला स्व व दु अ
थो ते न ह प नि स्य न बाला व स्व व ध कं प्राज्ञा दय का व मा जी तो से न जु ल
से न तु ति न बालं गु ली छि न तु ता म न बालं थु गु ली प्र का र ए बाला व सो तं
व चान पु न का व जाल स के ना व व लं ॥ ध्व नं ली मा जी त से न व ध्व ध
तं सु ना नं ध्व पा पि नी व ध्व ध कं प्र सि या व लो ह चो न थें प्र चे त जु या व
॥ ध्व नं ली मा जी तो स्य न ह तां लु य के प्र फ या व ली स ल का नं ध्व ते मा जी तो
जु ल सां न व र व्र त या व पा ध ल स दु रू त या व अ र्ध जो ना व प्राज्ञा दय क
दु या नी मी नी नि ह ल पो ल स्ची र न वी ज्ञा ना ह ल पो ल से न जी व ना पं
का व अ र्ध वि लं ॥ ध्व ते अ र्ध वि या व र ए जा न धा स्मु क नं सा रि न रु सि म ह
ए जा न जु ल सां सु सि स्या क स्व या व म न स प्र ती प्रा नं द या ना व स क
॥ ध्व नं ली म हा पा पी नी सु सि स थो ड व म हा क स न या व चो नं द न थ

नी गु ५
२४७

महापापीनीयाला हातं धुथा जुयावत नं॥ हं नं सरिर स्वयाव. वतु भवतु भा
न चेत न्यदयाव नं. भव गुली प्र कार नं. महा कष्ट नं दुष नयाव घात ला नाव.
याव. महा अघोर नर्क भोग या नाव खुसि महा लाव. खो याव चो नं॥ हं नं
तुम्ही याव नमता नं. धो वालो ह जुयावत नं. भव स्वयाव. प्रती विला पर
ना इन वथे प्रति विसद नहा लाव चो नं. हं नं खदिन वे पद याव. हा क
स्थानी पर मेस्वर यात. नीं द्या या हा या नी मि निर् न. महा नर्क भोग या नाव
आ ज्ञा नं. पृथ्वी सद को द्या ह न. रा द न्य दे हा हा विज्यात कल. भव नं ली
फ ख नाव. को ती २ सुवर्न पीत दया व. सम सन सा मा ग्री. परि पु र्ण या ना
ग प दी थ दय काव. था स २ मंत्रि प नि सा भा रा वि याव. था स २ भं दारी त य
रा. थे न कल विज्या तं. भव नं ली महा पा पि नी चो न था स. क पीत द्या ह रा
ना न वत ॥ भव वे ल स सारि न ध या खुसि स. महा पा पि नि चो ना व चो नं
ना पा पी नी न ख नाव. हा स नं व प द नाव. भव प नि धा स व नाव धालं॥

सरिरस्वयाव. वतु भवतु भालपेहे मसियाव. अचैत जुयावचोनं. हंनं वदी
नदुषनयावद्यानला नावतु तिलाह थुथा जुयाव. ह्यनापंकुष रोगनठि
हालाव. खोयावचोनं. ॥ हंनं अंननयमदयाव. सुसिसचो नाव. चा. ह्य
वस्वयाव. प्रतीविलापयानाव. हंनं सरिरसर्वथासहलपेमफयाव
वद्विनचे फुदयाव. हाकष २ धकं हालावचोनं. ध्वगुली प्रकारनं. श्रीस्व
र्त्तन. मदात्रकं भोगयानावचोनं ॥ ६३ ॥ ध्वनंली नवरजमाहारजमा
हाविज्यातकलं. ध्वनंली नवरजमाहारजमानं जुलसां. धात्राणपनी विज्या
तसा मागी परिपूर्णया नावतलं. हंनं भीक्षा भोजनयातकलं ॥ ७० ॥
विद्याव. धास २ भंदाशीतयाव. तयारयानावतलं. ध्वनंली पृथ्वीदहब्राह्म
चोत्रथास. कपीलब्राह्मणराव. वेदे सहा. भोजनविज्याय धकं. धुगुली
महापापिनिचो नावचोनं. ध्वथायस. त्रेल्लब्राह्मणधेनकलवने. ध
ध्वपनिधासत्रनावकलं ॥ हे ब्राह्मण ह्यपोलापनिगना विज्यायते

श्रीस्वरथा
२४८

धकंधायाव. ध्वमहापापिनीयाखाडे. नाव. कपीलवारापत्रिस्पनधा
देसयातवराजराजायाके. ओजरायातवनेधकंधयाव. ध्वतेब्राह्मण
पत्रि. ओजनविज्यायजुलसा. जीताभातीभताखनफीनावहस्पविज
फ. ध्वतेनजीथथीनपापिप्रियनावकृचादयकेमाल. देवात्मन. ध्वत
याव. धुलीहलपोलपत्रिस्तादुखवीय. जीमिमिनिन. देवात्मन. ध्व
यमालधकंधयाव. ध्वतेपापिप्रियाभाषाडे. नाव. कपीलवाराप
पत्रिस्पनधायमहालाहपाब्राह्मणजात. ईथीमिथीजुईव. देवा
जीपत्रिस्पणधायमहालाधकंधयाव. ध्वतेब्राह्मणपत्रिस्तादुखवीय. जीमिमिनिन. देवा
थीदकब्राह्मणविज्यातकाव. अनेकविधीपुर्वकलस. बोदमठपकारन. पुजाया
तं. ध्वनंलीपुजाधुणकाव. ब्राह्मणपत्रिस्पनजुलसां. नवराजमाहाराजायाजय
रावेदाकयाव. थव२६सविज्यातं. ध्वनंलीकपीलधयाब्राह्मण. नेत्रजुकपापि
चोनाव. अथेयायहेंमसियावचोनं. आवगथेयाय. सुयाकेफोने. प्रफोस्पवने
वहुधकंधाय. लोभीब्राह्मणधकंधाई. धुलीमहिब्राह्मणववसुनानंदुखनंमप

कपीलब्राह्मणपत्रिस्य न धालं ॥ हे पापिनि जीपत्रिसेत्र जु लमां राव स्या
 ध कंधयाव ॥ ध्वते ब्राह्मणमाभाषाडे नाव पापीनि न धालं हे भा जु
 भताखनं फी नाव हस्य विज्याय माल जी जुलं पे चा डग हृद तो द्या न लो
 यके माल ॥ हे ब्राह्मण ध्वते जी न आ आत याव चोने थो ते जी ता ध म्म
 नि मिनि न हे ब्राह्मण ध्वते विनती डे नाव द या प्र सं न जु स्य वि ज्ञा
 षाडे नाव कपील ब्राह्मण पनी से न धालं हे पापीनी डे व ध्वखा जी
 ई थी मि थी जु ई व हे पापीनी ध्वते न आ आत याव चोने सु माल
 पनिरा व न्य दे डा स न व ए ज मा हा ए ज या के भोज वी ज्पातं ॥ ध्वनं ली न वरा ज ए जान पृ
 ल स खोद म ठे प कार न पु जा या नाव को ती २ सा हि सु वर्ण द हि ना वी या व पु जा या
 न सां न व ए ज मा हा ए जा या ज य २ जु य माल ध कं आ सि र्वा वी या व पृ थ्वी द को ब्रा ह्म
 ल ध या ब्रा ह्मण ने ल जु क पा पि नी न ध या ह या व क रु ना चा या व धाय थे म धाय थे
 य सु या के फो ने प्र फो स्प व ने धाल सा ध्व प्र हा पा पि नी न आ आत या व चो नी आ
 ब्रा ह्मण व व सु ना नं दुं ख नं म फो ड थो ते न थो पा पी नी या नी श्री नी न ल ज्पा जु क

श्री गुरु
 २४८

जुयीवः धायप्रहालाधकं मननं भालपावः नेत्रफुकिजई स्वथी स्वलन चोनं ॥
नावः स्वस्यावः ज्वमयजुन भंदारीसलतावः ग्राजादयकलं हे भंदारीपनि-
चोनाः दुभतिमगातलाः दुलुमदानः दायस्वस्वस्वधकं अंदोरचीभयाडावः
तेज्वमयजुयाग्राजाडेनावः भंदारीवाह्यरायाथायसवनावनेनं हेवाह्यराहुने
भोजनमगातलाः दुभोपेईहाजुलः वगुली ग्राजादस्यविज्याहुनेधकंधया
फोहुनावः धालं हे भंदारीडे वजीपनी समस्तवस्तुनसंयुक्तं संतोषजुयधु
पनिनेत्रथनाभोजवयधकंधयाध्ववेलमतवदुषीपेचाङ्गदुदतोद्यातल
पनिसकेनेनं हेवाह्यरागनावीज्यायतना भोजवीज्यायधालसा जीताअं
हे भंदारी ध्वतेनिमिर्तनिथुका जीपनिईस्वथीस्वलनचोङ्ग गथेधाय
थुका जीपनीनयया आआनचोनामखु जीपनिजुलसां समस्तवस्तुनतृ
नीमिर्तनिथुका जीपनी अथेयाय हेमसीयावई स्वथीस्वलनजुया
यवोयावदोतसां फोनावयनेधकंधे भंदारीध्वमीसाजुलसांमहादु रि
कधकंधयाव ॥ ध्वतेखडेनावः भंदारीन ज्वमयजुयाहुवनेधालं हेज्वम

हुकि जई स्वथी स्वलन चीनं ॥ ध्ववे लस थथे चोइ वा प्रण नेह्य ज्व मय जु न स्व
जादय कलं हे भं दारी पनि जी गुख नेव हु हु वा प्रण नेह्य दाय ई स्वथी स्वलन
व धकं अंदोर ची नया डाव चीनं ॥ ह प नी व ना व ने हु हु नि धकं आ जादय क व थ
य स व ना व ने नं दे वा प्रण हु नी मि नी नि अंदोर ची नया ना व वी ज्या ना हं नं म सु
जाद स्प वि ज्या हु ने ध कं ध या व ॥ ध्व ते भं दारी या भा खा डे ना व ल ज्या चा या व
ध स्तु न सं यु क्त सं नो य जु य धु नो ॥ मे व ता ध कं अंदोर न ची ना म र व हु धाल सा जी
दु धी पे चा डा हु द तो द्या त ला क मी सा ह प्र से न सारी न र वु सि स ची ना व जी
ज वी ज्या य धाल सा जी ता अं न ची भा य फो डा व द का वी या ध कं दाना व द ला ॥
व थी स्वलन चो डा ग थें धाय ध कं धाय म ह ला हे भं दारी थो ते नी मि नी नि
नि जु ल सां म म स व स्तु न तृ प्त जु य धु नो ॥ हे भं दारी ध्व ते न दु खि मी रा या
या व ई स्वथी स्वलन जु या ची ना ॥ हे भं दारी ध्व ते न दु जु ल सां अ न ची भा
ध्व मी सा जु ल सां म हा दु खि त व क स्त न या व ची न पे चा डा हु द तो द्या त ला
म य जु या ह व ने धालं हे ज्व म य जु डे से वि ज्या हु ने सारी न ध या र वु सी या स मि

श्रीस्वस्था
२४९

पसमदुषि।मिसाद्वत्तदव।श्वगुलीलासहीजीके।भोजविज्याडावेलास।जी
डावहला।श्वतेन।धायमहालाव।ईश्वथीस्वलनचोडाधालं॥६३॥श्वतेखडेना
न।जोनेफको।अन्नविद्यावद्वेवधयाव।श्वतेज्वमयजुया।आजाडे।नाव।भंरारि
अन्नमदु।हुं।पसुमदयावचोनं।हंनंभरारि।तोमेन।राजायाभंदारकुथीसस्वलव
रिपनिहतासचायाव।हतासन।पानाववियधकं।पसलसमोलवन।अनानस्वया
मिर्नि।गनां।अन्नलुयकेमफयाव।हतासन।ज्वमयजुयाथासवनावधालं।हेम
पिमिसायात।अन्नविद्याद्वेयधकंस्वलडाव।श्वपापीयातधयानीमिर्नि।स्वय
ललातकावतयादव।श्ववस्तुमकले।मुन्यजुयावचोड॥हंनंहुलपोलयाभंदार
हंनंसहरसस्वलवडा।स्वया।पसलस।मुयाके।अन्नमदु॥हेमहाएनी।श्वमी
पोलयाभंरारसुधामुकयजुयावचोनं॥६४॥आवगथेयाय।हुविद्यावद्वेय
ज्वमयजुनजुलसां।अतीकौस्तुकचायाव।आजादयकले।हेभंदारीनेव।श्व
वद्वेयमाल।आआतयावचोनी।आवगथेयाये।हुविद्यावद्वेये।श्वयातविय
रिथोतेन।आवजीताथुयकावतयाजाजुवदवनी।श्वजावीयावद्वेयधकं।अ

भोजविज्याडावेलास जीताअग्रची भायखन फोनावहयाव वियाधकं हा
 डीडाधालं ॥६॥ अतेखडेनावज्वमयजुयातधातं हे भंदारी अवाअणनेहसे
 गुयाआजाडे नाव भंरगारितोस्पनवियधकं स्वलनाव स्वया २ थालासगना
 एजायाभंदारकुथीसखलवनं डास्प अथायसहुंमदुखनाव अस्वयाव भंदा
 तलससोलवन अनानस्वया २ थासलुयकेमफ्याव अवापिमियातधयानि
 यजुयाथासवनावधातं हेमदाएनी आ अर्यजुलो डेस्पविज्यादुने अवा
 पीयातधयानीमिनीन स्वया २ थासहुंनमदु हलपोलया अनेगसा माशीता
 चोड ॥६॥ हंनहलपोलयाभंदारकुथीसमेतंस्वयधुनो अनानहुंमदयाव चोनं
 मयमदु ॥६॥ हेमदाएनी अमीसातवपापिखव अयातधयानीमिनीन हल
 ॥ आवगथेयाय दुवियावहोयधकं विनतियातं अतेभरगारियाभासाडेनाव
 दयकलं हे भंदारीनेव अमिसातवपापीखव यथेया डव अयातविया
 पे दुवियावहोये अयातवियधयागुनीमिनीन हुंवरनुमदतो ॥६॥ भंरगा
 नी अवावीयावहोयधकं आजादतं ॥ अतेज्वमयजुयाआजाडेनाव भ

नीगुरु
 २४९

एतद्विदयजीवसेधयाव जा जो नाव ब्राह्मण या था सव नाव धालं देवा ह्यण थे
मोमि सायात धया निमिर्नीन हुव सुमद याव चीनं ॥ प्राव थ म हाश्री यात
प्राप्ति पापी मि सायात धया गीमिर्नीन ए जाया भंदा र सुधा सुक य जु या व ची
फुडा व चीनं राजा यात धकं धया गु अल की कुक्षी १ मा व ले ना व ची इद व म
स्य न महा धंधा न ह ता स चा या व ए जा या के वि न तिया तं ॥ ए जा न प्रा शा द तं
ह ता स चा य मु मा ल ध कं आ शा द य क लं भं दारी न आ ल कि कु क्षी १ वि लं ॥
ये हें म सि या व अल की जो ना व व तं ॥ थ ने ली ब्राह्मण प रि व्र व ना व थ पा पि
वं हो या गु ली ह क ला ध कं ध या व ब्राह्मण प रि स्य न धालं ॥ हे चं दाल पा पी गी
जु ला ह म हा पा पी चं दाल नि स व ध कं ना ना व का व ध कं जा कि वा स पो
पा पी गी न न य ता ना व हं न ब्राह्मण प रि ली हा व या व धालं हे पा पी गी
म ते व ला थ ची इ दु य जु या न भाल पे म पु ध कं ना ना व ब्राह्मण ली हा व न
२ तु ला व खाल सि य ध कं ना ना व थ वे ल स सारी न खु सि स लं स सु
१ सि व २ ध कं ना म क या व मा सु का ल त या व खु सि न था हा व या व प्रा व

मासवनावधालं देवाह्नराथोजाकास्पविज्याहुने प्रेवता अत्रद्वंद्वसुं मद्रु आ
नेन ॥ प्रावथ महरागीयात थुयावतया गुजाजुकोदव गीकास्पवीज्याहुनी
मंदारसुधासुकय जुयावचो इधकंधयाव ॥ थ्वनंली थथेद्वंद्वसु मद्रयाव
की १ मावले नावचो इदव गी थथीन मद्रा अ थ्वय्य जुयाव भंराशी पत्री
तियातं ॥ एजात प्राज्ञादतं प्रा मो प्रालकिदव गु वियाव दोहुनि छपनि
न प्रालकि कुक्षी पविलं ॥ थ्ववाह्नरा पत्रि मद्रा ल ज्यासरम जुयाव वया
अण पत्रि व्रवय नाव थ्वपापिनी हाताव चो न हे जुजु पत्रि जीन विन तियात्रा
न धालं ॥ हे चंदाल पापीनी छ अर्ध मिग्यात्रि मीर्त्ति गथी इ फजी हित
व कावधकं जाकि वास पो न काव वाह्नरा पत्रिली हाव नं ॥ थ्वनंली थ्व
हाव याव धालं हे पापीनी हे चंदाल लं सत्र मिखा भति खन पी याव नय
न वा नाव वाह्नरा ली हाव नं ॥ थथे वाह्नरा याव च न दोडाव म फुर ज्वल
न राशी न खुसिस लं स सुडा व्रव न स नाव प्रति विलापयातं ॥ खो या
खुसि न था हाव याव प्राव हु याय खात म सिस्य नयधकं भाल पाव जा

य

श्रीस्वस्था
२५०

किं कया वनतेन ॥ अवेतस भ्रम भस्म जुयाव चोनें थ थे जुव स्वयाव मिषा
व थ भस्म मयधकं भाल पाव नयता गाव भस्म फस न पुयाव यने ॥ भस्म
पुन हा हा कार नं हा ला सो याव पृथ्वी सज्वल २ तुला व चोनें हनें वे ल २ सजा
नें ॥ सुना नें थ पापित्री विचार या क म दु नो तु व न म दु श्री पर वं स्म श्री स
वती न जुल सां पापी नी धाय का व दु ख या म मुद्र स पद ल पाव ता का ल हा
श्री ३ स्वस्थानी पर मे अर या ध र्म व त द ने या त ह्ना न या य ध कं थ सारी
पु र्षि मा जु या व चो ड थ सारी न न दि स ग्ग स रा प नि स्ये न श्री स्वस्थानी
ना व ह्मा न या ते ह ने श्री ३ महा दे व द य का व पु जा या त थ नं ली ह्मा न सं ध
वे ल स थ पापित्री न ग्ग स रा प नी चो ड था य स व ड व अ ति क रू ना न वि
नि सु जु ई व सु व व जी न म सि या जी पा पी नी ख ना व द या प्र स न जु य प्रा
पि दा जु लो जी ता ग्ग न दान वि दू ने जी जु लं च्या कु हि कु द तो द्या न ला
ना चो ना पी दा न्या दा द तो सु ना ने जी ता ग्ग न दान वि दू म दु द्रु या पा प न ज
स्व ल सु जु ई व ॥ दे व कं न्या ला ए ज कं न्या ला गं ध र्ध कं न्या ला जी म न स

गीनें थथे जुवस्वयाव मिषानयो भीहायकाव अति शुधायान पीदलपा
 मफसत्र पुयावयने ॥ भस्म पुस्वेयन स्वयाव थव पापीनिन अति सोक क
 लाव चोनें हेंनें वे लर समासु कालतयाव अतित वदुख सीयाव ता कालं हा
 न मदुः श्री परब्रह्म श्री स्वस्थानी परमेश्वर याके विक्तीला डाव थचंद्रा
 मुद्र सपदल पाव ता काल हा डाव चोनें हदु यादि न स स्वर्ग न अप पसर एपनी
 त ह्ना न या य धकं थव शरीर रवु सिसव याव थव शुद्ध जुको पौष शुक्ल या
 रा पत्रि स्येन श्री स्वस्थानी परमेश्वर या धर्म वत दने पात सु सिस क हाव
 जायात थनं ली ह्मा न संधा धु न काव श्री सूर्य यात अर्ध वियाव चो न जु
 सव डाव अति करु नान विनती या ताव धालं ॥ हे मा जु पनी हि स्फल प
 राव नाव दया प्रसन्न जु पमाल जी मा हा पापी नी थुका जी अती न दुधान
 थ्या दुहि दुद तो द्या न लाक जी ता अत्र लात कि व हे मा जु पत्रि जि था
 दान विव मदु द्या पाप न जी थथे जुला आव गथे न जी उधार जुई व दि
 गंधर्व कं न्या ला जी म न स जां हल पो ल पत्रि मनु म्प दे ह मरु देव कं न्या

श्री गुरु
 २५०

जुयफत्र. अमिथ्या न जीता कने प्रतेव. धर्म धे कने माल ध कं विनती यातं ॥
हे पापिनी डे. वदन अवस्था स्वयाव. जीप तिसया. अती करुना चायधुत्रो ॥ जीप
नी दु उधार याय जुल सां यक ची नया नाव डे. जीप तिसेत्र कने. श्री स्वस्था
द्वन उधार जुईव ॥ सदा कालं अमथे जुयाव चोत्रे ला ध कं धयाव. अते अ स
मन न भाल पाल दुयाय जीन मसिया. ववे ल स जीता. दुल्या तो स्य न ह क गु.
याव. हा का ती ना व हो या. आव थ ची न अवस्था नय माल. पुगुली ज न्य स.
द्व अ नं ह पुगु ज न्य स. थुली जु को दु दु या क य व. अते जीन म सी याव. जी
द्रा या ना गु फल भुक्त प्रा न पाय धुत्रो ॥ हं नं अ पा पी नी न मन नं भाल पाव
ह व ने अज्ञा दय का व ता थला. श्री स्वस्था त्रि पर मे सर या धर्म व्रत दां व ध
सर या धर्म व्रत दां व ध कं जीत उ पदे स विलं. अ सं साल श. श्री स्वस्था नी
कृपा नं. थ ची न अवस्था जुलो. आव जीन थो ल. पर मे सर या. सु प्र र्ण या
भाल पाव. अ सर प नी स या ह व न्ये कालं ॥ हे अ सर प त्रि. जी पापिनी या
स्व र या धर्म व्रत जीने या त. ग थे २ माल स मस्त वृतां न अज्ञा द स्प विज

तनेमालधकं विनतीयातं॥ अतेपापीनीयाभाषाडेनावः अपरापत्रिसेनधालं
प्रतीकरुताचायधुनो॥ जीपनीजुलंस्वर्गयाअपरा लोकपनीथुकाः हेपापि
जीपत्रिसेनकने श्रीस्वस्थानीपरमेस्वरयाधर्मव्रतकनेडेवः अवलेश
त्रेलाधकंधयावः अतेअपरापत्रियाभाषाडेनावः अपाचिनीनजुलसां
जीतादुल्पातोस्यनहकगुः धर्मव्रतयास्वानकुतीरथयावः फुतकालनवि
नयमालः पुगुलीजन्मसः थुलीजुकोः अपरायावचनडेनावः अपराधयाना
वः अतेजीनमसीयावः जीअहंकारजुयावः श्रीस्वस्थानीपरमेस्वरयातनी
पापीनीनमननंभालपावः दुयायेववेल्सः कपीलवाहमणपनीस्येनजी
परमेस्वरयाधर्मव्रतदांवधकंधालं॥ आवः अपरापत्रिस्पनंअपरमे
वसंमालशः श्रीस्वस्थानीपरमेस्वरबाहीकनः मेवमदुः अस्पोलया
पोलः परमेस्वरयाः सुप्रणीयायेः अस्पोलयाधर्मव्रतजीनदानेधकंधननं
अपरापत्रिः जीपाचिनीयाविनतिनेसेवीज्वाहुनेः श्रीस्वस्थानीपरमे
स्वरवृतांतग्राडादस्पविज्यायमालधकंधयावः अपापीनीयाभाषा

श्रीस्वस्था
२५१

डेनाव अपराधपरिस्वन धाले हे पापिनो डेव थ निनीर्ये तितं चरुसिसमि
हो देव पुजायाय नैरु न ह पोत श्रीस्वस्थानी परमेस्वरया वारवा ह्नायः
तसा सीव र्धकं गामघनं कार पीष शुक्रया पुण्य माखु दुः त्रीस्यं म
नेन व्रतया त कने थ व्रदने चो ड वस्तु यात कने ॥ थ नं ली धुन के खु दुः
शत दिच्या पात अधीत मधी दय के ॥ श्रीस्वराड रक्त चंदन सींदुर दय
गज कज्वाल धु पदिप नैव द्य द हि ना वस्व प्रादिन थ मं फ पा थे ता ल
माघ शुक्रया पुन्य माखु दुध म्म व्रत दाने हे पापीनी थ व्रत या प्र भा व
या के म न त या व थो विधी थ नी नी स्यं थ ध म्म व्रत जो व्र ध कं ॥ हे पापिन
जी परिस्वन थ नी नी स्यं थो ध म्म व्रत जो ने यात थ न दी स ह्मा न यात
स्पं धा या थे या व थ वेल स ह्म न दि ब्य सरिर जुयि वः द को पा प न तो ल
ना या व ध कं थ ते उपदे स वि या व अपराध परिस्वनं सारी न खु सिस ह्मा न
न थ खु दुः त्रीस्यं अपराध परि या व च न डे ना व सारी न खु सिस कि न स्व
प पुजा या ना व श्रीस्वस्थानी परमेस्वरया ज प ध्या न या ना व नी स्यं २ थ व

त्रिनीये त्रितं चरुसिसिद्धि न स्वपोल ह्यमानया नाव मध्या न वेत स श्रीम
 परमेस्वरया वाखा ह्यायः श्री महादेवया स्तोत्रयाय वाखा ह्याय मफ
 या पुण्य माखु दुः त्री सं माघ शुक्ल या पुण्य माखु दुः तो वाखा ह्याय
 कत्रे ॥ अ नं ली धु न के खु दुः श्री स्वस्थानी परमेस्वर परब्रह्म याध म्म व्रदाने
 वराड रक्त चंदन सींदुर दय के पुष्प अक्षता द्वा फोल स्वात्र गंगा जल
 प्रादि न थ मं फ पा थे ता ल लात का व रु क ची न जु या व शु ची या ना व
 पा पी नी च व्रत या प्र भा व न ह न उ ध र जु ई व य क ची न या ना व ई स्वर
 म्म व्रत जो व्र ध कं ॥ हे पा पि नी ता तो क स्त या य मा ल म खु ल द्वि तो थु का
 या त च व्र न दी स ह्य मान या त व या ॥ हे पा पी नी आ मो ध म्म व्रत जो प नी
 र जु यि वः द को पा प न तो ल ता व व नी व थ थी न ह्य पर मे स्वर या आ र
 त स्प नं सा शी न खु सिस ह्य मान या ना व स्वर्ग था हा व नं ॥ अ नं ली च पा पी नी
 व सा शी न खु सिस ि न स्व पो ल ह्य मान या ना व म ध्या न वे त स श्री महा दे
 प ध्या न या ना व नी तं २ थ थें तु या ना व चो ॥ अ व र्ण स च पा पी नी या च र

नी गुरु
 २५९

छादयाव. महापुं. सरीरजुयाव. वलं. लं. वनं. ध्वपानी थीलं. ॥ हं नं. ध्वपास
रीरजुयाव. वलं. दक्षपापतोलाताव. वनं. ध्वनं. ली. ध्वपापीनीनजुलसा. ध
तीहर्षमानया. नाव. क्रिन्नदपुवासा. द्वा. नाव. ल. दितं. थोगुली. प्रकारनं. का
या. पुरण्यमाधु. दु. स्वर्गन. अ. स. ए. प. नी. थो. था. प. स. को. हा. व. या. व. सारी. न. मु.
धर्मव्रतदानेयात. समस्तसामा. ग्री. ताल. ला. त. का. व. त. या. र. या. ना. व. चो. न.
धर्मदानेयात. चो. नं. व. ना. व. व. प. नि. स. या. था. स. व. ना. व. पा. पी. नि. न. धालं. हे. अ. प. रा.
सं. न. दि. न. स्व. पो. ल. ह्मा. न. या. ना. व. म. ध्या. न. वे. ला. स. श्री. महा. दे. व. पु. जा. या.
या. ना. भरी. स. र. व. न. चा. व. थें. सेवा. या. ना. व. बो. ना. ध्व. खु. दु. त. नि. स्पं. जी. स. रि. र.
जुयाव. व. ल. ध. कं. हे. अ. प. रा. मा. जु. प. नि. ग्रा. व. जी. श्री. स्व. स्था. नी. पर. मे. स्वर. या. ध.
दि. स्कु. ल. प. नि. स्प. नं. जी. दु. स. थु. गु. ध. धर्म. व्र. त. दा. न. का. व. जी. व. प्र. स. अ. धृ. पा. या. न.
जी. पा. पी. नी. उ. धा. र. या. य. मा. ल. जी. न. दु. या. ना. व. उ. धा. र. जु. यि. व. ॥ हे. अ. प. रा.
जु. लो. ग्रा. व. श्री. स्व. स्था. नी. पर. मे. स्वर. या. ध. धर्म. व्र. त. दा. ने. या. त. दु. दु. द. य. के. मा. ल.
स. दि. य. मा. ल. जी. दु. व. स्नु. म. दु. जी. न. दु. व. स्नु. न. दा. ने. ध. या. व. ध्व. पा. पि. नी. या.

धपा नी थीलं ॥ हं नं धपा सरीर चुली जाया व वलं द्रुपा या दुगा द्वि भुधस
ली धपा पी नी न जुल सा धव दी धपा सरीर जु या व गु धपा या व प्र न स गु
ता द्वि तं थो गु ती प्रकार नं का ल हा नं ॥ धनं ली ल ही तो द या व पा घ मु रु
प स को हा व या व सारी न मु सी या स मि प स श्री स्व स्था नी पर मे स्वा या
त का व त या द या ना व चो नं ॥ धवेल स धपा पी नि न धव गु स ए प नी धि
ता व पा पी नि न धालं हे गु स ए प नी द्वि स्कु ल या व च न थें जी न उ र वु द्रु नी
ता स श्री महा दे व पु जा या ना व जी न वा या द्रु द्रु न प्रा दी न ज प ध्या न
धव खु द्रु नि स्य जी स रि र चु ली जा या व प्रा व जी स रि र गु ती नी म्म ल
श्री स्व स्था नी पर मे स्वर या ध म्म व्र त दा ने या त दु व स्तु व द जी न ग थें या प
न का व जी व प्र स ग्रु पा या ना दि य मा ल जी प नि ख ना व द या द य मा ल
व उ धा र जु यि व ॥ हे गु स ए प नि द्वि स्कु ल या द या न जी थु ली तो उ धा र
त दा ने या त दु दु द य के मा ल धव त या वि धी ग थे र स म स व ज न द य क
दा ने ध या व ध पा पि नी या भा षा डे ना व गु स ए प नी स्व न धालं हे पा पि

श्रीस्वरथा
२५२

निडेवः प्रामोखुमिसचोडकीकयावः समस्तसामाग्रीदयकिवः प्रामो
वः धर्मव्रतदावधकंधयावः ॥ अते प्रफरापनीसयाभाषाडे गावः पा
स्तसामाग्रीतयारंदयाकावः प्रफरालोकपनीसवनपातयारयागावः
खवनेतानः दयकावसमस्तसामाग्रीः अगुलीधर्मव्रतदानेयात
यकावचोनः दुहुधालसाः श्रीषण्डरक्तचंद्रनः प्रहृष्टगंधः धुपदि
मुलः ज्वचज्वालः अनेगफलफुलः समस्तसामाग्रीः हवनेतयारजुय
सप्रतिहर्षमानयागावः धन्य२ईस्वरधवंः मन्त्रं नमस्कारयागावः प्र
नीजधाले ॥ हे प्रफरापनिः स्वर२द्विस्वलयावजनयेः जीनधर्मव्रत
यकाः प्रावईश्वरयाकृपानः समस्तसामाग्रीपरीपुर्णजुयावचोनस्व
वः प्रफरापनीस्वनस्वयावः अतीग्राः अय्यचायावधालेः हेसुंदर
पुंनव्रतीजुलोः धन्य२हनभक्तिभावः प्रावहनजीपनिसवनपां
धर्मव्रतदावधकंधयावः ॥ अते प्रफरापनिसयाभाषाडे गावः अ
वनपांः अगुलिधर्मव्रतदाने ६३ क्रस्वनमउकारचोयावः महासुच

ससामाग्रीदयकिवु. आमोखुसियालं सवु. फिचुं वने तान. समस्तदयक
पनीसयाभाषाडे. नाव. पापीनीनजुलसां. फिचुं वलं सवुने तां नं. सम
पनीसवुनपातयारयानावचोनं॥ अवेलेस. अवापीनीयाफिचुलं
गुलीधर्मवुतदातेयातधयापुं न. समस्तवस्तुसामाग्रीदवनेद
वें न. अणुअणुगंध. धुपदिपनैव अ. मधी. चधी. धलीदुदु. पंचामृतता
ससामाग्री. हवनेतयारजुयावचोणथोस्वयाव. पापीनीनजुलसांमन
मननंमस्कारयानाव. अतिरसतायाव. अणुसणुपनिथासवुनावपापी
यावजनये. जीनधर्मवुतदातेयात. फिचुं वलं सवुने तां नं. समस्तवस्तुद
ग्रीपरीपुर्णजुयावचोनंस्ववृद्धकंधयाव॥ अवापिनीयाभाषाडेना
चर्यचायावधालं: देसुंदरी. आवहादननामपापीनीधया. आवह
आवहनजीपनिसवुनपां. आमोसामाग्रीनं. श्रीस्वस्थानीपरमेस्वरया
पनिसयाभाषाडे. नाव. असासाग्रीन. चंद्रावतिनजुलसां. अणुसणुपनि
मउंकारचोयाव. महासुवीजुयाव. गंधे २ सास्वस ह्नासेतला. अथे

नी गुरु
२५२

लोदसउपचारनपुजायानाववायाग्रादिनह्नानावनानाभुजंधधुपधन
तनैवद्यग्रादिनधुपदिपसेसास्वानमधीपकान्वरखदधीनाग्रादी
मे परस्वरप्रतिनधर्मवतदनावधतपूर्णयातेध्वनलीअर्घपात्रकायाव
नीपरमेभरपातअर्घविले॥ध्वनलीचद्रावतिनजुलतांअर्घजोनाव
मेस्वरहृत्कालसजीनमसिस्पंअईकारनद्वलपोलयातनिद्रायाना
लाहेलोकनाथद्वलपोलजुईवसमस्तपानीयानुगलसविज्याना
थोइस्वईस्वरयाकेकोति२नमस्कार॥हेपरमेस्वरसृष्टिकर्तावत्साधायहं
लपोलःसंहारकर्तारूद्रधायहंद्वलपोलस्वगुलीमूर्तीद्वगुलीमूर्तीजुय
स्वरयाचरनसकोती२नमस्कारहेभगवान्पृथ्वीसतापतेजवायु
धायहंद्वलपोलजोगेस्वरयानुगलसविज्याकहंद्वलपोल॥नीरंजन
परमेस्वरयाचरनसकोती२नमस्कार॥हेअनंतमूर्तिअंतमदुअ
लपोलअतिस्फुलधायहंद्वलपोलजोगानुयकेमजीवहंद्वलपोल
नमस्कारहेनाथअनाथयानाथद्वलपोलदुखिदरीद्वयासरन

ज्ञानावनामा भुजं धनु पथनाक फको जपध्या नस्तोत्र पोल पाव ॥ पंचाप्र
पिकान् वरुदक्षीमा प्रादीनतयाव भगुली प्रकारन श्री ३ स्वस्थानी
॥ ध्वनंती ॥ अर्घ पात्रकायाव सकलेन फकोस्तोत्र पाथयानाव श्री ३ स्वस्थ
तेन जुलसां अर्घ जोनाव श्री स्वस्थानी परमेश्वर यात स्तोत्रयातं हे कर
लपोलयात मिद्रायाना भगुली अपराध क्षमायात्रा विज्याय मा
धानीयानुजलस विज्यात्रा पाप पुं एपासादि जुयाव वीज्याक ह्रस्व
मेस्वर मृष्टि कर्ता वहाधाय ह्रं ह्रलपोल ॥ स्थीतिकर्ता विष्णु धाय ह्रं ह्र
वगुली मूर्ती द्विगुली मूर्ती जुयाव वीज्याक ह्रं ह्रलपोल ॥ अथो ह्रं परमे
नृ पृथ्वी सतापतेजवायु प्राकास अज्ञातां ह्रलपोल गुणवतिर
ज्याक ह्रं ह्रलपोल ॥ श्रीं ज्ञान श्रीं कार धाय ह्रं ह्रलपोल अथो ह्रं
अनंत मूर्ति अंत मद्र प्रादीं मद्र ह्रं ह्रलपोल ॥ प्रतीगुन ह्रं धाय ह्रं ह्र
ननुयके मजीव ह्रं ह्रलपोल अथो ह्रं वैलोक्य नाथ यात वारं वार
पोल दुखिदरीद्र यासरन वय ह्रं ह्रलपो ॥ मृत्यु देवताया मृत्यु ह्रं ह्रल

श्रीस्वस्था
२५३

स
पोल सक्तिरूपं हल पोल ते जया ते जं हल पोल जा ग्री या जा ग्री हल पोल
को ती २ न मस्कार हे वि श्वं भर विस्वरूप हल पोल पृथ्वी या भार के
थ वृष्या थ सत या वृ जोग मा या या के सर न जु या वृ वि ज्ञा क हल पोल दुष्ट
पोल थ थी न हल पर मेस्वर या चर न सं को ती २ न मस्कार हे पर मेस्वर जी गु प्र
हे पर मेस्वर जी या पि मिया व च न मं हल पोल या स्तु ति पा य फै व हे ई
ष जु या वृ वि ज्ञा माल ध कं नाना त र ह न श्री ३ स्व स्था नि पर मेस्वर या के
अर्घ जो ना वृ ईस्वर या त अर्घ वि या वृ संपूर्ण या गौ ॥ अ नं ती ध र्म प्र त
ले न धालं हे सुंदरी प्रा वृ अ प्र धी त म धी शत द्वि कू स न सं चा स्तु क नं ह
ग्री या ए त्री स च दी जा गत ना या वृ ईस्वर या ध्या न या जा वृ चो वृ अ च्या
न वि ची त स्वा न ज जो म का प्रा दी रा ख व न स हि त द य का थ स्वा मि य
ल वृ ह्ना ये पु न म द त सा मि त्र का य ल वृ ह्ना य ॥ मी त्र का य म द त सा
ते धु न का वृ थ म न पाल ना या वृ ॥ हे सुंदरि अ गू ली ध र्म प्र त हं जी
पु र ण नं ह न क ल्या न जु पी व थु का हे सुंदरि प्रा वृ जी प नी प्र ने ते ले

नः शारीया शारीया मंदलपोल थथी इ मंदलपोल याके सदा कालं
 मंदलपोल पृथ्वीया भारकोताक मंदलपोल थचतुर्दस भुवरा
 साव विजा क मंदलपोल दुय संहार या नाव साधु जन र शायक मंदल
 न मस्का हे पर मेस्वर जीगु प्रपराध सहस्र क्षमाया इन व विजाय प्राल
 तल यास्तुतियाय पै व हे ई थर जी पापी श्री या पुजा मंदलपोल सं भो
 ३ स्व स्था निपर मेस्वर याके स्तोत्र न प्रार्थना या इन व ने पाला हाती न
 र्णो या गों ॥ थ नंली धर्म प्रत दा ने पुन का व स्वान को का या व अस्स ए प नि
 त द्वि कूरे सना सं चास्तु क नं ह्मा न या य धुन का व इन पाल ना या क थ
 ता ध्या न या ना व चो व थ च्या पात प्र धी त मधी च्या फोल हा फोल स्वा
 व न सहित दय का व स्वामि या त ल व क्काय स्वामी मद त सा पुत्र या ट नी गुरु
 य ॥ मीत्र काय मद त सा थ सारी न यु सिस चय का व दोय थ
 र थ गुली धर्म प्रत हं जी व द तो ले तो ल ते म ते व थ धर्म प्रत या
 रि प्रा व जी प नी पु ने ते लो ध कं वेदा क या व अस्स ए प नि स्वर्ग वारं

नी गुरु
 २५३

ध्वनंली चंद्रावती नजुल सा. अणु सराव नी स्पेधा या थें. चंदी जा गती ना या न
नि पर मे सर या ज प ध्या न या ना व रा वी हा इ जु लो ध्वनली प्रात काल जु या व
प्र शमा न या ना व. सं ध्या त र्प न धु न का व. ध्या पा त अ धी त म धीः ध्या तु ज
ध. ध्या पा त ग्वाल. सी सा स्वा न. स ग्व न स हि त न जो ना व. र सु सि स ची न
लं भा ल तो म दु पु चं म दु. थ व थी थी हा ल ना ल. सुं व न थ ना द व म सु. मी
दु र सि या व ची न. प्रा व जी स्वा मि. न व रा ज व हो न का व प्र सं व्र जु य मा.
ची न सा री न ध या सु सि स रु य का व हो तं ॥ ध्वनंली नित्य या थें. श्री म
मि प स. व ला चा ह गु ली द य का व. ध्व व ला चा स ची न व. थ म नं द श त
नं द न ची न ॥ ध्वनली ध्व वे ल स चं द्रा व ती या स री र. दि व्य दे ह जु या व.
थें इ न का व ची न. अ ति मि र्म ल दे ह जु या व. थ व स री र थ म नं वी तु पी
ई स्वर या ध्या न या ना व. म न स अ ति ह र्म मा न या ना व. प र म आ नं द न ची न जु लो ॥ ६३ ॥ ध्वनं
पा. ध्व सा री न र सु सि स ची न. ता ग ह ह्र से रा. ला ना व का लं प पा त जु क ला य म फु. अ ना नं स
ती न. ध्व प पा त म धी ला ना व का लं. ध्व वे ल स ध्व ना ग्री न. म न नं भा ल पा व. ध न २ जी म
भा ल तो न के द व सा थु का. जी नं पु र्व ज म स या ना पा प न. श्री म जे दा द तो व या व ची न. प्रा

तया धेः चक्षी जा गती नाया नाव ना ना सुगंधं पुपदि पया नाव श्री स्वस्था
लो ध्वनली प्रात काल जुयाव चंद्राव तिन जुल सां सारी न खु सिस को हा वडा
पात प्रधीत मधीः च्या तु ज जो मकाः च्या फो हा फो ला स्वान च्या को त ज
हेत न जो नाव खु सिस चो नाव धाले हे श्री स्वस्था मि पर मे स्वर जी ज
तल संख नथ नाद व मखु मी सा जा ती य का त र्ना या नाव चो ना थ ना म हा
ध हो न का व प्र सं ज जु य मा ल ध कं ध्व ते ध या व महा वे ग न द्र या ना व
ध्व नं ली नित्य या धे श्री महा दे व पु जा या य धु ण का व ध्व खु सि या स
चा स चो डा व थ म नं डा त हि प्र धी त म धी पाल ना या ना व पर म ग्रा
या स रीर दि व्य दे ह जु या व ऊ पा पा सि ने पर म सुं द रि जु या व दे व क न्या
व थ व स रीर थ म नं पी तु पी या व ध पर ई स्वर ध कं म न नं भाल पा व
म ग्रा नं द न चो ड जु लो ॥ ६३ ॥ ध्व नं ली चंद्रा व ती न जु ल सां पु य कं दौ गु प्र धी त म धी च्या
तलं प्य पा त जु क ला य म फु प्र ना नं स मु दु धे न क लं ॥ ध्व ले ल स ध्व म ना ग या क ला त ना जी
मी न म न नं भाल पा व ध न्य २ जी भा ग्य प्र पु र्व म धी प्य पा त जी न ला ना थ थी न म धी
म न श्री म ने दा द तो व या व चो डा ग्रा वे तो ले सी क म्बा क या ख व र म दु ग ना व त व र मे व

श्रीस्वस्था
२५४

शिदयकावचोमलाहं नमेषसुवनपां ल्वागावसितलागथे २ जुला श्रीमन्मगुली संव
खुतो सकलभनसोलनिवनेधकं जीयाकातनजुधगथे थ्वप्रपुर्वमधीनयः स्वा
थ्वप्रातलेनकेमषु ग्राववयातनिस्वलवनेधकं भालपाव समुद्र ग्रादिगं गंधकी
धकं समुद्रनथाहावनं ॥ थ्वनंली नाजीनजुलसां मधीपपातजोडावथास
लं स्वयारथासलुयकेमफयाव सारीनधयासुसिसमालेधकंस्वलजुलं ॥ थ्व
डमधीपपातलाडां थथीड गुवेलस नाजीमदु ग्रावगथेयाय श्रीमनेदाद
गनाषव श्रीमनेगुली संवत्सरवनं खोजखवरमदु सितला म्वाकला जीनमसि
थथीड प्रपुर्वमधीनय नाजिनपालातसास्त्रतीं पपाई नावत्रय नपामला
गुलोधकं ॥ ग्रावथथेचोनेमषुतो सोलनिवनेधकं भालपाव समुद्रसमाले
कंस्वलवववेलस थ्ववेलसदैवसंजोगन श्रीस्वस्वानीपरमेस्वरया प्रधीतमधी
स नेहंनपालातं ॥ थना नाजिनथवस्वामिखडाव मिषानसोभीहायकाव
व नाजीनीनधालं ॥ देस्वामीनागराजा धंय २ जी भाग्यषव थनीयादीनसदल
मन्मगुली संवत्सरदतो दलपोलयादसंणमदु थनीयादीनसतुनीदलपोल

ला गये २ जुला ही म न्य गुली संवत्सर व नो रखा ल म खा ड ॥ ध्वने न आव थ थे चो ने म
 क ग थे ध्व प्र पु र्व म धी न यः स्वामी न पा ला त सा त्पती ने पा ई ना व न य न पा म ला त सा
 ल पा व स मुद्र आ दि रां गंध की खु सि चा प तिं आ दी स स क ल भ नां स्व ल नि व रणे
 सां म धी प पा त जो ड व था स २ खु सि गं ध कि स मुद्र प तिं स क ल भ नां माल जु
 सि स माले ध कं स्व ल जु लं ॥ ध्व न ली खु सि स चो ड ना ग नं भाल पा आ हा हा ग ठि
 ६ प्रा व ग थे या य क्षि म ने दा द तो ना गि न या र खाल म धा ना द व नी ला म द त ला
 दु सित ला म्वा क ला जी न म सि या प्रा व व या त स्व ल नि व ने जी या का त न जु क ग थे
 तीं न पा ई ना व न य न पा म ला त सा थो प्रा ण प्र गि न स दु धा ना व सि य त्रि श्व य
 ध कं भाल पा व स मुद्र स माले ध कं व नं ध्व नं ली ना गि न जु ल सां ना ग माले ध
 चानी प र मे स्वर या अधी त म धी या प्र भा व न स मुद्र व सारी र ध या खु सी स हो ड था
 न व मि षा न सो भी हा य का व ना ग या च र न स भो क पु या व स्वामी या र खाल स्व या
 भा ग्य व व थ नी या दी न स द ल पो ल या द ई न या य धु नो धं न २ जी भा ग्य व व क्षि
 थ नी या दी न स तु नी द ल पो ल या द ई न या ना दे स्वा मि न्य स्प वि ज्पा हु ने प्रति

नी गुरु
 २५४

जीरवावीनतीयाय. थनीयादीनसजीनअपुर्वप्यपामधी. स्वा. ना. थ्वेलस. जीम
थथीड. वेलासजीस्वामिमदु. जीयाकातन. जुकगथे. थथीड. अपुर्वमधीनय. जीस्वामी
थास. रसुसीपति. गंधकी. सागरसमुद्र. आदिन. सकलभनामालजुया. स्वया. रथ
यया. नावजुया. हेप्रभु. थनीयादीणस. सारीनधया. थ्वरुसीसमालेधकंवया.
दतो. हलपोलगनावीज्या. ना. समस्त. प्रा. शादस्पविज्या. हुनेधकंधया. ॥ नाग.
लावधातं. हेनागीनीडे. व. जीमनेदादतो. हनकेतुमन. तयावधंधाकया. वजुया.
निमहा. आनंदजुलो. हेनागिनेडे. व. जीनं. थथीड. अपुर्वमधीप्यपातला. ना. थ्वे
ता. जीयाकातन. जुकोगथे. नये. थथीड. गुवेलास. जीकलातनागी. निमदु. प्रावग
धकं. भालपाव. हस्वयधकंवया. हेनागि. जीनं. थनी. हन. पामला. तसा. जी. प्राणमो. चवे
धन्य. र. जी. जी. सया. भा. ग. थनी. या. दि. न. स. ह. व. जी. व. हो. ने. द. तो. गो. ह. दे. व. ता. न. जी.
थ्व. अपुर्वमधी. ने. पा. ह. न. ता. ना. यो. ने. पा. जी. न. न. य. धकंधया. व. ने. पा. ना. गि. त. या.
जा. ह. ल. पो. ल. स्प. न. ला. ना. थे. जी. न. अपुर्वमधी. प्यपातला. न. प्रा. व. थो. मधी. न. य.
धकं. ने. ह्या. वि. पुरुष. से. नं. थी. थीं. र. द्वा. ल. स्वया. व. परम. आनंद. न. भो. जन. या. तं.

मधी लाता. श्ववेलस जी मन न भाल पा. ग्राहाहाग थी दु. मधी प्यपात लाडा
हु. प्रपुर्व मधी नय. जी स्वामी मदय काव. जी या कात न जुको. गथे नय धकं भाल पाव
ल भना माल जुया. स्वया रथा सगं नाम लुव. लुय के म फ याव. प्राण मो च के निश्च
मा. श्वर सुसी समाले धकं वया. देव संजोग न. थनी जी न पालात. हे प्रभु. श्री मने दा
ज्या हु ने धकं धयाव. नाग न जुल जुल सां मन सद्व मान या नाव. मुसुहु न हे
न त याव धं धा क या व जुया. थनी या दीन स. द्रव जी व न पालात. जी मन स थ
पुर्व मधी प्यपात लाता. श्ववेलस जी न मन न भाल पा. थथी न पदार्थ वस्तु न य
कलात नागी मिमदु. ग्राव गथे या य धकं. नागि न पालात सा. स्वति ने पाई नाव न य
पामलात सा. जी प्राण मो च के नी श्वय या नाव. समुद्र स स्वय धकं वया. हे प्रीय
हो ने द तो. गोमदेव तान श्री जी ता हो न का वीला. धं न्य रई श्वर स व हे नागी नी
धकं धयाव. ने पा नागि यात वियाव. श्वनं ली नागि न धाले हे प्रभु गागण
त ला ज. ग्राव थो मधी न्य पा दल पो ल या त का स्प कि ज्या हु ने. ने पात जी न न य
म ग्रा नंद न. भोजन यातं. श्वनं ली. नाग न जुल सां. नागि या खाल स्व

श्रीस्वस्था
२५५

यावत् प्रतीप्रेम भाव नान मुमुहु न ह्रे लावधातं ॥ हे नागिने देव थ त्रियादि शा
थो अपूर्व मधी याकारनं श्री जी न पातात ग्वहमनुषेन थ गुली मधी पु
लक्ष्मी वृधी जुयमाल सत्रु क्षय जुयमाल त कारनं सीधी जुयमाल ई हलोक
माल ॥ हे नागिने ग्वहमनुष्यन थ मधी चुयकाव हला वृहमनुष्यया
पूर्ण जुयमाल हे नागिने श्री जी ने ह्य हो न थें थ या सुवना पं हो ने वां ह्य जु
प्राव श्री जी थ व २ प्र न पु ए व ने नु यो ध कं ध या व ॥ नागिने न प्रा सी र्वा द वितं हे स
ने ग्वहमनुष्यन श्री ३ स्वस्था नी पर मे स्वर या धर्म व त दा ज व थ मधी चुय व
य म फ य माल सदा कालं थ ह्य व गा व न व गृ ह देव ता प्र स न्न जुयमाल ॥ द स
भुत प्रेत पि सा च दा की नी सा की नी राक्ष स प्रा दि ए थ प त्रि से न दु ष वि
ल सदा कालं थ ह्य ख ज व त्रि दो ष ज्व र नं थो या त दु ख वि य म प स्य माल
मानि जुयमाल हे स्वामी ना ग रा ज श्री जी ने ह्य र्त्री पुरु ष हो ज थें थ म
कारनं हो ने माल ॥ हे स्वामी हल पोत स्ये न प्रा शा द य का थें थ ह्य मनु
मनुष्य या त त कारनं क ह्रे सं श्री दी वा कर उ द य जुय वं मनोर थ का म न

नाग्निदेवः प्रियादि रासः दनखातखयावः जीमनसः प्रती आनंद जुलो
 मनुषेनः च गुली मधी चुयकंदलाः च ह्मा मनुष्यया मनवांदा पूर्ण जुयमाल
 सीधी जुयमाल ई हलोक संसुखी जुयमाल प्रत कालसः स्वर्ग पदवी लाय
 काव हलाः ब्रह्म मनुष्यया कंद्रे संः श्री ३ सुर्य उदय जुयस्तु कंने मनोरथ
 यया सुवना पंदोने वांदा जुलाः ब्रह्म वन पांदोने मालः हे प्राणे च रिनाग्नि
 नाग्नि न प्रासी वांद वितं हे स्वामी नाग राज जीने प्रासी वांद वियः दे स्प विज्पाहु
 म्म व्रत दाज्ञवः च मधी चुयकाव हला च ह्म मनुष्यया त न वं ग्रह देव ता न दुख वि
 मता प्रसन्न जुयमाल ॥ द सदिग पाल देवता न च मनुष्यया तरक्षा या य माल
 दि ए च पत्रि सेन दुष विय मफ्य माल ॥ कुष्ठ प्रादी रोग या भय मरदय मा
 मात दुख विय मफ्य माल ॥ राजलक्ष्मी च या वस्य जुयमाल महा भाग्य
 रत्री पुरुष हो जाथे च मनुष्य ब्रह्म सेन न पा हो ने वांदा जुला ब्रह्म ना पंत
 शादय काथे च ह्म मनुष्यया तने च धर्म व्रत या मधी चुयकंदला ब्रह्म
 य जुयवं मनोरथ काम ना सी ध्र जुयमाल महा भाग्य मानी जुयाव सुवन

नी गुरु
 २५५

ॐ

चोनेदयमाला॥ हे स्वामीनागएज. ग्रावहीजीथवदेवनेनुयोधकंधयाव. नेह
ग्रासीवीदवीयाव. परमज्ञानंदन. नानाखड्गानाव. गृनेगकिदाभोगयानाव.
ईतो श्री स्वस्थानीव्रत. नाग्रीषीपुरुषधारकथासंपूर्ण॥ ६३॥ हेनं पुनर्वीद. द
र्णचंद्रमाउदयजुयाव. वलं. हेनं चंद्रावतिप्रात्मनिनजुलसां. चद्विजागताया
स्थानीपरमेश्वरयाध्यानयानाव. रात्रीदाड. जुलो॥ ध्वनंती. प्रातकालजुया
जुलसां. सारीनधयाषुसीसकोदावनाव. ह्या नयायधुनकाव. नीत्यकम
वतायात. गर्धवियाव. दंष्ट्रवत्प्रनामयानाव. ध्वतेधुनकाव. श्रीमहादेवपु
स्वस्थानीपरमेश्वरयाध्यानयानाव. मिरातीसीयावचोनं॥ ध्ववेतस. ध्वरा
यायधकं. व्रवेतस. ह्या नसंध्यातर्पनधुनकाव. लीदावनेतामवेतस. ध्व
यालोक. थीथींन्वातं॥ हेपासापनि. स्ववृग थींरु. परमसुंदरि. मिसाह
स्वरियाध्यानयानाव. महानी. चीत चोड. ज्ववेतसंमीजीसैनमखागा. ध
यावचोन॥ मीसायालक्षनधाकोसमस्तथोयाकेदयावचोनसाक्षात्काम
नंसुयुक्तजुयाव. नीर्भययानावचोन॥ ध्वहुजाटि. देवकं. माला. गंधर्वकं.

महेश्वरनेनुयोधकंधयावः नेह्रस्त्री पुरुषसेनप्रनेगप्रकारनं चंद्रावतीयात
वः प्रनेगकिदा भोगयानावः परमप्रानंदन महसुषनकालहानावचोनजुलो
पुणी ॥ ६३ ॥ हं नं पुनर्वाद दीनदृङ्गवः सूर्यप्रष्टुयाववः एचीजुयावः पु
ननजुलसां चद्विजाग्रतायाङ्गवः थवस्वामीनवरजहोनेवांदायानावः श्रीस्व
॥ ॥ थवनंली प्रातकालजुयावः सूर्यउदयजुयाववतं थवस्वयावचंद्रावतिन
नयायधुनकावः नीत्पकर्म थवमातकोक्रियाकर्मधुनकावः श्रीसूर्यदे
थवतेधुनकावः श्रीमहादेवपुजायानावः थवनंली भीडः लोहासफेकतुनावः श्री
यावचोनं ॥ थवेलस थवरवंस्पदेशयाकतकनं थवसारीनधुमिसहमान
लीहावनेतानवेलस थवकतकनचंद्रावतिखनं थवस्वयावः रावंस्पदेस
भीडः परमसुंदरिमिसाहस्य महायकचीनयानावः मिखातीसीनावः ई
लसंजीजीमैगमखानाः थवसुजुईवषवः स्ववृद्धकं प्रतिमहाभुंदरीजु
केदयावचोनसाक्षात्कामदेवयाकलातरतीचोनथेचोनः समस्तलक्षण
गटिः देवकं न्याला गंधर्वकं न्याला तीलोतमाधायहला उर्वसिधायहला

श्रीस्वरथा
२५६

ला सुजुईवस्ववधकं जीजीव्याथासवज्ञव नेनेनुयोधकंधयाव सक
सुंदरी यथीनतिथसचोडाव मीप्यान जीपनीसयातकारेमाव दुमि
व प्रती भक्तीपुर्वकन चोड दलपोलसुजुईव जीपनिसेनमसिया टे
प्रथवामनुष्यला परमेस्वरयाके चीनतयाव ध्यातयासे विज्ञात
कंधायावः श्वतेलोककटकया भाषाडे नाव चंद्रावतीनधाले ॥ हे मह
वकन्या गंधर्वकन्या वीद्याधरकन्या श्वपनीसुंमधु जीजुलं मनुष्य
पुंरधयादेसया प्रगतीस्वा मिधयाप्राप्तिगयाप्रा चथुका जीनामजुलं
लसां ग्वमयजुधयाप्राप्तिगीयाकाय नवरराज धायस्वप्राप्तिगथुका
थायस स्वर्गन प्रप्सरपनी थनावीज्याताव श्री ३ स्वरस्थानी परमेस्व
धर्मव्रतदानाव चक्षीतो थोभायसयाकातन जागर्तयानाव चोम
नकाव थवदेसवरु नापुरवनेधकं मननं भालपाव चोना ॥ हे मह
तेचंद्रावतीया भाषाडे नाव रावंस्पदेसयालोकन प्रतीग्रा श्वर्य
नीगथीइग्रा श्वर्य ॥ श्वप्राप्तिनीधाले ग्वमयजुयाकायनवरराजव

.नेनेनुयोधकंधयाव सकल लोक साहुतियानाव. थोयाथासवनावधातंहे
 श्रीसयातकारेमाव. दुनिमिनीणिमीसाजाति. रुकाजनरुक्चीनयाज
 .जीपनिसेनमसिया. देवकं न्याला. गंधर्वकन्याला. विद्याधरकं न्याला
 पाव. ध्यातयासे विज्ञात ॥ दुकामनातथथेतपस्यायास्यविज्ञातार्क
 चंद्रावतीनधातं ॥ हेमहापुरुषपनी. जीगुलीखकने. जीजुलसां दे
 .सुंमधु. जीजुलं मनुष्यजातीथुका. हेमहापुरुष. जीजुईववरुना
 .आचथुका. जीनामजुलं. चंद्रावतीधायत्रात्रिनीथुका. जीस्वामीजु
 .जधायत्रात्रिणथुका. हेमहापुरुषपनि. हंनडेव. जेजवादीनस. थ
 श्री ३ स्वस्थानी परमेश्वरया. धर्मव्रतदानप्रद. जीनं वपनी सवनापं
 .न. जागर्तयानाव चोना. ग्राव. श्वनदीसध्मानसंध्यानीपकर्मधु
 .भालपाव चोना ॥ हेमहापुरुष. जीगुलीवृतांतथथेधकंधयाव. थ
 लोकनप्रतीग्रा. श्रयवायाव. थीथीसाहुतियानाव. हेपासाप
 .मयजुयाकायनवरजवात्रिणजीभालतोधकंधालो ॥ ग्रावहीजी

नीगुरु

२५६

सेन. थ चंद्रावती प्राप्ति. श्री जी सया नवराज महाराजा या कला तखत म
योधकंधयाव. सकल लोक थी थीं सादु तो या नाव. राजा या के थे न के धवं
लसां. थ वनीर्षक मर्म माल को धुन काव. खुसिन था दाव याव. वला चा सव
नां सु मुकं चो नं. ॥ थ नं ली लोक सकलें. राजा या था सव नाव विन ती य
विन ती या य धकं वया. हे. स्प विज्या दुने. थ नी या दिहा स. श्री सु र्य उ
ह्मान या य धकं वडा. थ वे ल स जी प नी स या माल को की र्य म धुन काव. ल
कं न्या ग थी न धाल सा. भी ड गु लो ह दू गो ल स फे क तु डा व. सा क्षा त ल क्ष्मी चो
नं. ॥ थो स्व या व. जी प नी सकलें. थ या था सव नाव धया हे सुंद रि. दू ल पो ल
नी मि नी न थ ना त प स्या या ना व वी ज्पा ना. कार न दु. सम स वृ नां न ग्रा शा ट
प्र. अ मि थ्या न क ने म ते ध कं जी प नी स्प न ध या हे मा हा रा जा. जी प नी स
लं. ॥ हे महा पुरुष डे व ध कं. जी न वृ नां न क ने ध या व. थ सुं दरी न क नं. हे लोक प
धाय त्रि वां त्र रा या. त्या च थु का. जी ना म चं द्रा व ती. जी स्वा मी धाल सा
ह्म रा थु का. ॥ दु नी मी ती न थ ना चो ना धाल सा. ह्ये ज व या दी न स. स्व र्ग न ग्रा

महा राजा या कला तखत मखुवी चालयाय. शी जी सराजाया थास. थे न के नु
नाव. राजा या के थे न के धकं राज गृहे सदुदाव नाव. ॥ श्व नंली. च द्रावती न जु
था द्रावयाव. वला चास व नाव. धर्म वत दा जया ले ड. ली ड. द क न या व अ
था स व नाव विनती यातं. हे स्वामी महा ए ज. प्रति प्रा श्वर्य ख द ता
या दिहा स. श्री सूर्य उदय गुय स्तु क नं. जी प नी सक ले. सारी न खु सी स
ल को की र्मा म धु न का व. ली हा व य ते ना वेल स. परम सुंदरि कं ना द म ख ज श्व
तु डा व. सा क्षा त ल क्ष्मी चो न थे. रु क ची न न. ई श्व र या ज प ध्या न या ना व चो
व ध या हे सुंदरि. दू ल पो ल सु जु ई व. सु या ह्मा च सु या क ला त. ना म हु. हु या
न हु. सम स वृ तां न ग्रा शा द स्प वि ज्ञा प मा ल. थ थीं ड गु पु र्य स्थान स चो ना
हे मा हा राजा. जी प नी स या ख डे ना व. थ्व सुंदरी न. जी प नी स या द व ने धा
थ्व सुंदरी न क नं. हे लोक प नि जी जु लं व रु णा पु र ध या दे स या. अ ग्नी स्वा मि
व ती. जी स्वा मि धा ल सा चं द्र जो ती न ग र या. ज्व म य जु या का य. न व ए ज वा
हि ज्व या दी न स. स्व र्ग न अ प्प स र प नी को हा व या व. थो था य स. श्री ३ स्व र्था

श्री स्वस्था
२५७

निपरमेश्वरया धर्मव्रतदत्ता वचनं ध्वपनि सवनपां जीमश्वगुली धर्म
पोऽनधकं जीपनीयाकातनं ॥ हे महाएज आवध्वसुंदरीः थवमालकोर
लं ॥ श्ववांस्त्रिद्वलपोलयास्त्रीखवला प्रखुला जीमीसेनमसिया
वमषुद्वलपोलसेनवी चारया नास्वयाववी ज्यादुणे धकं विनतीयातं
जान जुलसां प्रतीवीस्मय चायाव प्राज्ञादयकलं हे प्रजापनीडे
वांस्त्रिनी मिश्वयनजीकलातखव गथे धालसा आमो नधाकोसाचु
यकलहोया तादतोः प्रावेतोले अथेथथे धकं समाचारमदुः जीगु
दपनी जीकलात चंद्रावतीया समाचारकानवला आवदपनी सा
धपीताहयाव अनेग जरी जवापयावस्त्र पिताहयाव समाचारजोऽनव
यावदलं ॥ नवराजरा जान प्राज्ञादयकलं हे प्रजा लोकपनी धमरद
तपनी ज्ञायाव थथे वी नावदकी व सुषपाल आदी नजोऽनवदुमि जीम
धदपनी थथे व नाव सुषपाल सथनाव थथे वी नावदयमालधकं प्राज्ञाद
कं प्राज्ञासीरसफयाव सुषपाल जोऽनवसकले प्रजा लोक धीकानपिहाव

वनपां. जीन भवगुली धर्मवत दनाव. च द्वि जागर्त नायानाव. अथायस
 अमुंदरीः अ वमालको नीप कर्मधुनकाव. अ वदेशावरुणा पुरवने धर्कं
 गा. जीमी सेनमसिया. दलपोलयाके विनती यायधकं. अनावया. अ
 गदुलो धर्कः विनती यातं ॥ अते प्रजापनी या भाषाडे नाव. नवराजरा
 यकलः हे प्रजापनी डे व. आमो लारी नखुसिया तीरस चौड. चंद्रावटि
 सा. आमो नवाको साचुल लातो ॥ हं नं जि नजुल सां दुली वीयाव का
 कं समाचार मदुः जीजुलं राजभोगया नाव चो ना हे प्रजापनी धर्म
 नवला. आवदपनी सा प्रसाद विषयधकं. आशादयकलं. लकडी रद
 दयाव. समाचार जो जवव पनी. सकल लोक यातं जो ग्पर थें प्रसाद वि
 प्रजालोकपनी धर्म रदपनी. आवजी कलात चंद्रावती चोनथा स. द्विस्
 दीन जो जवदुनि. जीन जुल सां लाख लवयथुका ॥ हे प्रजालोकपनी आ
 वदयमात धर्कं आशादयकलं ॥ अते एजा या आशाडे नाव दयजी वरेध
 प्रजालोक. धौकान पिहावनः अ नली नवराज महाराज नजुल सां. समस्त मं

नी गुरु
 २५७

धिपनिवोनकलछोयाव. मामज्वमयजु. कलातएवंन्यवतिसहितन. ह. व.
डेवथनीयादीएस. जीकलातचंद्रावती. सारीनधयारुसियासमिपस
कावल ॥ ग्रावध्वचंद्रावतिदुकाययात. समस्तसामाग्रीताललातकिवः
त. नोहातकीव. ध्वदेसस. दकोवाजनवयमाल. धकंहातकिवः हंनंप्याष
मापनकिव ॥ हंनंहीतीमंद्ग्रादिणद्यायतपावतयमालधकंधयाव.
स. पुएनादी. देवदादिपाथःयातकिवः हंनंथोदेशयाप्रजालोकसकते
लधाव. हंनंसलाकिसीसकलें. ग्राभरनपुयकाव. ग्ंवारीखतसतया.
तेयातसमस्तथथेतयारयानावतीवधकं. ग्राशादयकावः ध्वतेयजाया. ग्राशा
एसफयाव. तत्कारनंमत्रीपनिसेनंतयारयातं ॥ ध्वनंलीनवराजराजानं
मातादुलपोलसेनं. सुखपालसविज्यानाव. चंद्रावतीलास्वलविज्यायमाल
तिलास्वलवनेमालधकं. ग्राशादयकलं ॥ ध्वनंलीसमस्तथायसं. सामाग्री
सां. तत्कारनंसमस्तसामाग्रीजीयकाव. एजायाथासवनावीनतीयातं
माग्रीतयारजुलो ॥ ग्रावसुवेलासप्रस्थानयानाववीज्याहुनेधकंवीनती

वं न्यवतिसहितनः दृक्नेतयावः प्राशादयकलं ॥ हे मंत्रीपनीजीगुख
नधयारुसियासमिपसः तपस्यायानावः चोनाधिकं थनायाप्रजालोकन
सामाग्रीताललातकिवः हे मंत्रीपनिः देशयाकतकदकः लाखलवनेया
धिकं हातकिवः हे नं प्याषनदकोवयमालधकं हातकीवः हे नं थासरवीजय
पावतयमालधकंधयावः हे नं थासरवात्रिणपनीसेनं देवतायासमीप
देशयाप्रजालोकसकलं फ्यारथेवस्वनतियावः लाखयावयनेमा
कावः गंधारीखतसतयावः दयमालधकं ॥ प्राशादयकलं : हे मंत्रीपनी
यकावः ध्वतेयजाया प्राशाडेनावः मंत्रीपनीसेनजुलसांः दयधकं प्राशासी
॥ ध्वनंलीनवराजराजानं जुलसांः मामज्वमयजुयादवने प्राशादयकलं हे
वतीलाखलविज्यायमालः हे एवं न्यवतीद्वनं सुखपालसचोनावः चंद्राव
समस्तथायसं सामाग्रीतयारयानावतलंः ध्वनंली मंत्रीपनीसेनं जुल
थासवनावीनतीयातंः हे महाराजा दृढपोलया प्राज्ञानं समस्तसा
ववीज्यादुनेधकं वीनतीयातंः ध्वते मंत्रीपनीसया भारवाडे नावः चंद्राव

तियातः अनेक मन्त्रि मात्री कथाः आभरन पित कथा वजरी जवा पया व
निसया हवणे धालः हे मंत्री पन्नि प्राव ह पनी से नः अलंकार समस्त जो
श्री स्वस्था प्रना नावा जन थात कावः सुख पात सथ गाव ह कि व ध कं जीन जुल सां ध्या वा
२५८ जाडे नावः मन्त्रि पन्नि जुसां समस्त प्राभरा जो गावः चंद्रावती या थास थे न व
होग अलंकार न तियावः गरिज वा पया वस्त्र न तियावः भीडः स्वान माता न को य
यजु सुख पात सथ गावः अनेली राव न वती पन्नि सुष पात सथ नाव द्योतः थ व
प्रने गुप्ता कुमारी द्वाय ल पाव द्योतः थ व किसी या स्रस विज्या गावः थ व ती वने
फावः चंद्रावति ला स्वय ध कं न व राज माहा राजा ध्या खा तो ला स्वय ध कं वी ज्या
गावः सारी न धया खु सिया समिप स स्वयावः चंद्रावति चोन थास थे न कल वने
स भो क पुया व विन ती या तं ॥ हे म हा रा नी डे स्प विज्या हुने दू ल पोत या स्वा मि
द्ये या व ह ला दू ल पोत थ थे विज्या हुने दू ल पोत विज्या त के माल ध कं सुवर्ण य
लं भ या नाव वी ज्या य म ते ध कं विन तिया तं ॥ थो ते पु जा लोक पन्नि स या व च
सुदर भान जुल सां चंद्रावती या चर न स भो क पुया व खा ल स्वया व ती हीं २ हु स्प

कयावजरीजवापयावस्यप्रनेरकरतुमालासमस्तपीकयावमंचीप
 नं. अलंकारसमस्तजोडाव. चंद्रावतीयाथासवनाव. अलंकारनतीयका
 वधकं. जीनजुलसांध्यावातोसोलवयधकं. प्राप्तावियाव॥ अतेराजायाप्रा
 व. चंद्रावतीयाथासथेनकलवनं: अतली. गवरराजमाहारजानंजुलसां. अ
 व. भीड. २स्वानमातानकोषायाको. भीनगुभुवेलासप्रस्थानयातं॥ दूपाज्वम
 सुषपालसथनावद्धोतं: अवरद्वनेप्रकृमंगलपूर्णजुयाव. सुवर्णघल: थोयाली
 मसविज्यानाव. अवलीवनेसुवर्णयाद्वज्जोनकाव: मंत्रिपनीसमस्तसतगय
 रवातोलास्वयधकंवीज्यातं॥ अतलीरावंनेदेशयाप्रजासकलेसुषपालजो
 तिचोनथास. थेनकलवनं. अवेलासप्रजालोकसमस्तसेन. चंद्रावतीयाचरन
 मादुने. दलपोलयास्वामि. नवरराज. महाराज. जीमीदेसयाराजाजुलो. जीपनि
 ज्यातकेमालधकं: सुवर्णयासुषपालवियावदला. प्रावथथेंविज्यादुनेवि
 तप्रजालोकपनिसयावचनडे. नाव: मनसहर्षमानयानावचोनवेलास. अ
 व. रवातस्वयावतीहीं२हुस्पपावनलुयावजुव. अवेलास. चंद्रावतीनजुलसां. मु

नीगुरु
 २५८

सुहुनहेलाव मनन भालपलं॥ धन्य २ श्रीस्वस्थानी परमेश्वर धकं दलपोलयाधर्म
होनकावविज्याक धन्य २ दलपोलया चरनारवींदस सदसुकोति २ नमस्कार॥ हेज
न थानिजीस्वामिहोनेदतो हे श्रीकरुनामय दलपोलजुईव भक्त्यावसासवि
हादुख कष्टयासमुद्रस पदलपावचोडा॥ थथी ५ सुउधारयानाव प्रसन्नजु
स्कार हे श्रीलोकनाथ दलपोलयाजपध्यानसोवमंत्र सदाकालं जीनुगल
परब्रह्म दलपोलसेनकराक्षमाचनयाडाव चतुरमुषवत्मान चतुर्दशभुवन
स्वरयातवारंवारनमस्कार॥ हे भगवान दलपोलयाकृपानं जीथनीरावं
धन्य २ दलपोलधकं नानातरहन श्रीस्वस्थानी परमेश्वरया चंद्रावतीनजु
विपनिसेनं प्रनेकवस्त्राभरन मालाग्रादिणजोनाव चंद्रावतिचोड
सेन चंद्रावतीयाचरनसाभोकपुयाव विनतियातं॥ हे चंद्रावति मदाएनी
राजा यामं वीपनिथुका॥ दलपोलथथें वीज्यातकेमालधकं जीपनी
ज्पाहुनेधकं हे चंद्रावती मदाएनी दलपोलयास्वामिन प्रसन्नजुयावविष
मानीकयातिसानतियाव थ्वआभरनपुनाव थ्वरग्रमालानकोखायाव सुव

स्वरधकं. दलपोलयाधर्मव्रतदानायापुण्यनं. थनीजीस्वामीनवरजमहारजव
कोति२नमस्कार॥ हेजगदिस्वर. ह्येगोदलपोलयाधर्मव्रतदानायापुण्य
जुईव. भक्त्यावसासविज्याक. जीथथी. पापीगीधायकावचोडव. मा
उधारयानाव. प्रसन्नजुयावविज्याक. थथी. ह्ये. श्वरयातकोती२नम
सव. सदाकालंजीनुगलसतयाव. कृपाप्रसन्नजुयावावीज्यायमाल॥ हे श्री
वत्मान. चतुर्दशभुवन. सृष्टिस्थितीयाडाववीज्याकथें. थथी. ह्ये. श्वर
कृपानं. जीथनीरावंसदेशयारानिजुयदतो. धन्यरजी भाग्यस्वव
स्वरया. चंद्रावतीनजुलसां. मननंस्तुतिया नावचोनवेलस. समस्तमं
नाव. चंद्रावतिचोड. गुलीवलाचासंथेनकलवनाव. मंचीपनिसम
हेचंद्रावति: महारजी. जीपनिजुलंदलपोलयास्वामिनवरजमहा
केमालधकं. जीपनीद्वोयावदला. ग्रावननांनं प्रस्थानयाडाववि
मिन. प्रसन्नजुयाववियाहकगु. जरीजवापयावस्थनपहिरपाव. थ्वमशि
मालानकोखायाव. सुवर्णयासुषपालसविज्यानावमथानं प्रस्थाणा

श्रीस्वस्था
२५९

यास्यविज्याहुनेधकं विनतियातं भवते मंची पत्रिसयावचनडे गाव मत्रसम
लाव मत्रिमानीकयाग्राभरनपुयाव अनेकरद्रमालानकोखायाव वल
देशवन्धकं प्रस्थाणयातं ॥ ध्वनंलीचंद्रावतिराजुलसां मत्रसप्रतिदृषमान
नामंगलयातकाव अनेकवाद्यथातकाव रावं न्यदेशयाध्यावाथेनकलवले
तिमिजनमिसानं नानाचीत्रविचीत्र वस्त्रनपुत्राव अनेकतीसानतिया
वयासिनं वृद्धपालातकेथेधाजव वले हं नं नवराजन थवकलात लस्व
द्विरसलाहामलपाव दोलंदोलकिसीग्राभरनं पुयकाव अनेकमं
तिशहितन हवरायाव महामंगल जात्राया जव अनेगवाद्यथातकाव
वेदादि पुराणादि पाथग्रादिन यातकाव ॥ सींदुरजात्राया डाव चंद्रा
व थोवेलस ध्वदेसयाकतकन ग्यालस चोनाव फले ग्रादिनं मंदपदे
चीतस्वानजाकि तायस्वानमाला ग्रादिनहोलाव देसउंलाव प्यावन
महाउंसवनसिंदुर जात्राया नाव महाग्रा नंदया नाव थासरमेहा
उंलं ॥ ध्वनंलीदेसजात्राधुनकाव नवराजमाहाराजानजुलसां राज

मयावचनडे नाव ममस आनंदया नाव थव स्वाभि न विस्प दया वस्त्र न हि
 रद्र मा लान कोखाया व वला चान पिहा वया व ना नावा यथा तका व राव न्य
 जुलसा ममस प्रतिद र्ष मानया नाव मंत्रि आदि न अनेक लोक नली तका व ना
 देशया ध्यावाथेन कल वलो ॥ थो वेल स रावं न्य देशया कत कन कोतान को
 नाव अनेक ती सान तिया व चंद्रा वति रा नील स्वय धवं महा जात्रा या ना व
 वरा जन थव कलात लस्वय यात ध्वजा द्वच च्वा भल सहित न तथा वल क
 रनं पुय का व अनेक मंत्रि पत्रि से ए लीत का व ॥ मा मज्ज मय ए व मे व
 व अनेक गवा यथा तका व को ति २ कट कन लीत का व ब्राह्मण पत्रि से ए
 गिंदुर जात्रा या डा व चंद्रा वती दु कया व देश उय का व महा जात्रा या ना
 नाव फले आदि न मंद पदे वल ग्पादि न थास २ चो डा व सीं धुर होला व ॥
 ला व देस उला व प्याष न आदि न दुय का व महा जात्रा या डा व देस श
 दया ना व थास २ मेहा ला व वा जान था तका व प्याष न दुय का व देश
 दा रा जान जुलसाः ए जगृहे सदु हा व ड जुलोः थव स्वा मी न वरा जम

नी गुरु
 २५९

हाराजा दुहा विष्णु क स्वयाव चंद्रावति न जुलसां राजगृहे सदुहा वडाव
नाव मीखान दृष्य खो भीहायकाव थव स्वामी न वराज मा हाराजा या चर
संभोक पुयावः थवन ली रा व न्यवति के हे जुयात स्वस्ति धवं ग्रासी वी
क पुयावः कुसल वार्ता ग्रादि न विचालया नाव थव थास फेक तुत काव
न जुलसां ग्प्रने क मंची पति ह व न्यत यावः मा मज्ज मय जुया ह व नेत याव
धमान या नाव मुसुहु न हू लाव चंद्राव तिया खाल स्वयाव ग्राशा दय क
न ता वोन कल हयाः ग्रावे तो लेँ दु ल्पा तो ल्पा हा म व नी द न समा चार ग
तो जु क म व ल ला द न जीरा जा जु व म सिया ला हे चंद्राव ती जीरा जा
सिया जीन जुलसां एज भोग सदु वि नाव हलु म ना व चो ड ॥ हे प्राने
हमान या नाव चो ना थ ना तो थे न कं प्र यानं ग थे जीरा जा जु व म सी या
ला दु नि मी ती न थ व सु सी या स मि प स शः व ला चा ज्ज या व नी संध्या या
य कां न न पा सा प नि म द य कां नी भ य न ग थे चो ड न थ था य स ह ग थे
हे सुंदरी ह नं द न रूप जौ भ न हू पा या थे म र वु म हा ते ज श्री जु या व चो ड ॥ सा

सां राजगृहे सदुहावडाव-थवस्वामिनवराज-ज्वप्रयजुविज्पाकथासव
नवराजमाहाराजायाचरनसंभोकपुयाव॥ थोनंलीज्वप्रयजुयाचरण
तस्वस्तिधकं-ग्रासीर्वादवियावः रावंस्ववतिनजुलसां-चंद्रावतीओ
थवथासफेकतुतकाव-अनेकसंभाषनायानावचोनं॥ थोनंलीनवराज
ज्वप्रयजुयादवनेतयाव-चंद्रावतिरावन्पवतीजवंस्ववंतयाव-मनसप्रतीह
वालस्वयावग्राशादयकलं॥ हेचंद्रावती-ताकालंदतो-दुलीवियावद
मवती-दनसमाचार-गथेखवरमदु-द्वायथोलतो-वसेचोना-दुल्या
ग-हेचंद्रावती-जीराजाजुयाडादाखुदादतो-ग्रावेतोलेंदनगथेम
लुमनावचोड॥ हेप्रानेअवरी-हंनंददुनीमितीन-सारीनधयाधुसीस॥
येजीराजाजुवमसीयाता॥ सुनानंथोदेसयाकतकनं-दनतामकान
तचाज्वयाव-त्रीसंध्यायाडावः मदाकखूनतपस्यायानाहेचंद्रावती-हंनंद
चोडा-अथायसद्वजथेवया-सुनांवोनावदला-समस्मवृतांनकडावकं
तेज-अवीजुयावचोड॥ साक्षात्पुर्णचंद्रमाचोनथें-शिमडेदायातरुणि

श्रीस्वरूपा
२६०

जुयावचोनथें: लक्षननंसयुक्तजुयकाव. साक्षात् लक्ष्मीचोनथें: विर
देवकं न्याथें: जाजुल्यमाननं तेजथुलावचोड. साक्षात् रतीवसमान
नदनलाङ्गा॥ अते समस्तवृतां तखविस्तारयाडावकनाधकं: हेच
ना. प्रावजी मा मयाप्रसादन. श्रीस्वस्वानी परमेस्वरयाकृपान. राव
श्रीजीसयाभाजप: मनुष्यजन्मकालवयायाकृताथजुलोधकं॥ हे
लं: अतेथवस्वामीनवराजयाग्राशाडेनाव: चंद्रावतिनजुलसां:
नाव. मनसगतिहर्षमानयानाव: हेमहाराजजीमामववुप्रतीर
हेस्वामि: अनेलीजीजुलसांदुलीसदडावमामववुयाकेवेदाक
वनांनरसथेडाव. अथायसदुल्पातोसयागावदितं॥ हेस्वामिथे
थायस. असरापनी. श्रीस्वस्वानी परमेस्वरया. धर्मप्रतदाडावचोन.
काव. थोथा मसदुल्पातोमेनस्वयधकंवनं: हेमहाराज. अनेलीदुल्पा
खांडेनावचोन: सिंसास्वानजोडावजीथासवलं॥ हेप्रभु. अवेलास

आत्लक्ष्मीचोनथें विराजमान जुयाव चोडः महापद्मसुंदरी जुयाव
इ. साक्षात् रतीव समानः अथीनते जग्विस्पनहनता वील. दुत पस्या
रया डाव क ना धकं. हे चंद्रावती. इव काल स श्री जीत व दुष सियाव चो
पर मेस्वर या कृपान. एवं न्य देश या एजा जुय पुनोः हे चंद्रावती धं न्य
या कृता र्थ जुलो धकं. हे सुंदरी. प्रावहन गुष क ना धकं. प्राशादय कं
वः चंद्रावती न जुल सां. हल पोत एजा जुलो धकं कानं. जीन जुल सां डे
एज जी मा म व वु प्रती र स ता या व. हे ता स नं. जी ता वे दा वि या व हल
व मा म व वु या के वे दा क या व. महा प्रा नं द न व या. ॥ अवे ल स दुलीर्गी
मा मा व दि तं. हे स्वामि थोर बुहुः मा घ सु क या पु र्ण मा जु या व चोडः अनी गुरु
मा धर्म व्रत दा डा व चोन. थो वे ल स दुल्या तो से न जी ता ली का प त न पु य
हे महा राज. अवनं ती दुल्या तो स्प नं जुल सां. श्री स्वस्थानी पर मेस्वर या वा
वलं. ॥ हे प्रभू. अवे ल स दुल्या तो स्प न जी ह व न्य धा लं. हे महा ए नि

हलपोलतमचाया विज्यायमतेव जीपनिवीलं भजुलखव ॥ श्रीस्व
लपोलयातसिसास्वानजो जववयाः कास्पवी ज्पाहुने धकं ग्पा ज २
अपना क्रोधया जव स्वानकयाव कुती २ थना फुकालं वीयाव हाकाति जवदे
हे प्रभु धनं ली दुष्पातो जुलसां ज्पा नाव मोन प्रवा स्पे जी कु विया वदलं ॥ थ
लस तात्कारनं चतकानाव बोड श्रीसुप्य की नाव रिव अस्प वयाव तात्कार
थे मुसलधार प्रमाननं जलवृष्टी जुलं थवे लस सुसिद थुसथेनं ॥ हे प्रभु जी
तीन वरां दुष्पातो जुक गथे २ जुव जीन मसिया हे स्वा मि दुष्पात सया स माचा
जुलसां थवरु सिधी कसथात काव तलः अथे थथे जुल धकं जी के चे स्या मंदु
जुया ववनेः हं नं खा दिन जागर्त ना जुलं हं नं खा दीनं अचे स्या जुलं हे प्रभु थ
यावः पापया समुद्र सपदल पावः ताकातं महा प्रघोर नरक सभोग या नाव
पाव प्राणाले जव थुगुली प्रकारन पिदा हा जव चोड ॥ हं नं जी जुलसां मा
थपनिं जीन लुमान के मफया जी थुगुली जात थव स्या वस धकं थते जीन
सुनानं विचाल याकं मंदु हे स्वा मि थुगुली प्रकारनं महा दुय सियावः महा

लिं भजुलखव ॥ श्रीस्वस्थानी परमेस्वरया वाचा भती डे गाव चोडन
वी ज्पाहु ने धकं ग्पाडन २ जी था सवया वधा लं: हे स्वामि जिन जुलसां
लं वीया वहा काति जगद्वोया ॥ अने गतर ह नं देवता यात नीं दाया डन वाना
स्पें जी कु विया वृद्ध लं ॥ धनंती जी मारी न धया सुसि सथे न कल हल: धवे
व रि व सुं वया व त लकार नं ख सुतु या व महा त व स व न मे घ ग र्ज मान या ज
सुसि द थु स थे न ॥ हे प्र भू जी दुली स हो क जो या व सुसिया द थु स ला त कं कु
हे स्वामि दु ल्या त स या स मा चार जी न सि क म्बा क म सिया: हे र जें द्र धनंती जी रा
थे जुल धकं जी के चे स्या मं दु ॥ हं नं जी ला हा तु ति द्रा स ह स कु यु न थी या व थु था
नं प्र चे स्या जुलं: हे प्र भू धनंती त्र स क लें धो जी ना क ला हा तु ति थु था गु
प्र घोर न र क स भोग पा ना व चो डन हे स्वामि थ थी न क स न या व महा दु र व सि
चो डन ॥ हं नं जी जुल सां मा म व वु छ ल पो ल लु मा डन व चो नं: हा ल ना ल ई स मि न
ध्व त्र या व स धकं ध ते जी न भाल पे म प र्या: सु ना नं जी स्व या वा ड म दु: सु धी म दु
नं: महा दु य सिया व: महा प्र घोर न र क स प द ल पा व चो डन ॥ हे स्वामि: थ थी:

श्री स्वस्थाल धकं
२६९

पिदा जलदा दयावसेलीः दृष्ट्यादि नमः ब्राह्मणनेत्रध्वलान भोजनवरोध
यादवने जीनधया देवां ह्यरा दल पोल पत्रिग ना विज्यायते ज्ञा भोज विज
श्री स्वस्थाल धकं धयावद्वोया ॥ हे मद्दा एजः ध्वनंली ब्राह्मण पनीनेत्र भोजन य
नाव लीहा विज्यातः ध्वबेलस जीन जुलसां हतासनं वनाव धायाः हे
वद्वला धकं जीन धायाः ध्वते जीगु भाषा देनाव ब्राह्मण जु पत्रिस्प
व जीदवमेधातं ॥ हे पापिनीः खाल घन सियावनव धकं सदा कालं
श्री स्वस्थानी परमेश्वर या स्मरण या नाव ॥ ध्वबेल दपनी भती घनं उधा
सलीहा विज्यातं ॥ ध्वनंली जीन जुलसां ब्राह्मण या प्राज्ञाथेः खालख
रिन सुसिदु सुज्ञववनं ध्वस्वयाव जीन जुलसां प्रति विलाप या नाव
नयते नाः ध्वबेलसः ध्वजाकि भस्म जु याव चीनं ध्वस्वयाव मीषान बो
क्षुधा जु याव ध्वभस्म नयते ज्ञा ॥ ध्वबेलस फस वयाव भस्म पुस्पयनं
व प्रति क्षुधा जु याव पृथ्वी सग्वल रतुलाव प्र नेक प्रकारण विलाप य
ज्ञाव थोगुली प्रकार न दुष सियाव ॥ हे प्रभु ध्वथेतुता काल पाप भोग

स्रध्वत्ताम भोजनवृत्तोधकं. जीचो नाथासलाजवव. ध्ववेलस. ध्वपनि स
विज्यायते. भोजविज्यायजुलसा. जीतग्रंन्त्री भायफोकावदृयमा
प्रणपनीनेह. भोजनयायाव. जीतलपते सतयाव. जाची भायपोलची
हतासनं वनावधायाः देवांस्त्रणजीनहा. जदो पागुलीः. ग्रंन जीताफाना
नाव. ब्राह्मणजुपत्रिस्य. पोलची नाहया जाफी जीता हाकाती जवदृया
याव नवधकं. सदाकालं ग्रासभेक. नयाव दुषसियाव चोनेलाधकं.
वेलादृपनी भती घनं ईधारजुईवधकं धयाव. ध्वतवाह्रण नेह धवथा
त्रणाया ग्राजाथें. रवालखन सियधकं. खुसिसकोहा वडावेलस. ध्वसा
मां. प्रतिविलापयानाव. खुसिन थाहावयाव. रवालमसिस्य ध्वजाकि
नं. ध्वस्वयाव. मीघानवो भीहायकाव. ध्वभस्मनयधकं भालपाव. प्रति
सत्रयाव भस्मपुस्पयनं. ध्वस्वयाव जीनजुलसां. मननं भालपेमफया
प्रनेकप्रकारणविलापयानाव. हेस्वामिमहाराज. ईश्वर. याके गतिला
ध्वेतुताकाल पाप भोगयासिं. नरक सपदलपाव चो ना. हे महाराज.

नीगुरु
२६९

थोनंती जीउं धारजुवगुखकने डे से विज्याहुणे ॥ द्दुयादिनस पौष भुक्त
कन प्रप्सरपनि भवसाशिनदि स हमानयात वल प्रप्सरपनीख नाव भव
पापिनींष नाव दयादस्पदिय माल जीजुलं च्याहुहि द्दुद तो द्या नलाक जी
वेलस प्रप्सरपनि स्प नख नाव करु ना चायाव जी हवने धालं ॥ हे पापीनी
काव चोनेला श्री स्वस्थानी परमेस्वरया उ ना म धर्मवत दांव धकं जी हवने धा
नि नहु वस्तुन धर्मवत दाने थोयावीधी ज थे र खव श्री स्वस्थानी परमेस्व
त सं तु सुजुईव द्दुसा माग्री दय के माल समस्त जीत कने माल धकं जी
प नी से नं जीत उप देश विलं हे पापीनी धकं पौष भुक्त या पुरण्य माखु
लहितो हमानयाये म ध्या हु वेलस श्री माहादेव पुजा याय ॥ लहितो
पुर्न जुयाव माघ सुक्त या पुरण्य माघुनु भव धर्मवत दाने शत द्वि व च्या पा
प नै व द्य थ मं फ को पदार्थ दय के वस्तु द द्वि ना प्रादी न दय के श्री स्व
भते धुन काव ॥ स्वात्र को कायाव च द्वि जा ग र्त ना या नाव चोने धकं भते
याव प्रप्सरपनि सर्ग था हा वनं ॥ ६३ ॥ हे प्र भू महाराज उं सुनु पौष सुक्त

॥ इह यादि न स पौष शुक्ल या पुर्य मा जु या व चो ङ् । श्वर बुद्ध स स्वर्ग लो
॥ प्रसा प नी ख ना व । श्व प मि था स व ना व । जी न जु ल सां ध या हे मा जु प मि जी
इ हि हु द तो म्या न ला क जी ता अं न ची भा य ख नं वी या ध कं । जी न फो ना श्व
जी ह व ने धा लं ॥ दे पा वी नीं स दा का लं । आ म थे दु ष क य न या व । वा पि नी धा य
म म्म व्र त दो व ध कं जी ह व ने धा लं ॥ श्व वे ल स । जी न ध या । हे मा जु थ थीं ङ पा पी
ख व । श्री स्व स्था नी पर मे स्वर या पु जा वि धी ग थे २ माल । ग थे या ना ने व स्यो
न जी त क ने माल ध कं जी न वि न ति या ना ॥ हे म हा र ज । श्व वे ल स । प्र सा
पौ ष शु क्क या पुर्य मा ख बु द्धु मि स्यं । ध म्म व्र त जी ने । जी न स्व पो ल नी त्यं २
दे व पु जा या य ॥ ल हि तो । श्री स्व स्था नी पर मे स्वर या वा या ह्ना यः । श्व नं ली सं
व्र त दा ने । श त द्वि व चा पा त प्र धी त म धी । श्री सं द र क चं द न स्वा न धु प दि
ना प्रा दी न द य के । श्री स्व स्था नी पर मे स्वर । यो द स उं प चार नं पु जा या य
ना या ना व चो ने ध कं । श्व ते तु नी ह न उं धा र जु ई व ध कं । श्व ते जी ता उं प दे स वी
म हा र ज । उं सु नु वी ष सु क्क या पुर्य मा जु या व चो नः । श्व र नु नी स्यं द्वि न

श्रीस्वस्था
२६२

स्वपोतह्यानया नावः श्रीमहादेवलद्वितं भुची जुयावः महाउद्यम न
व्रतं ॥ नीतिनयदयाव्रतं हेमहाराजः ध्वनंती माघसुक्कया पुरार्थम
हावयावः श्रीस्वस्थानी परमेश्वरया धर्मव्रतदानावचो नः ध्ववेत्तसः
पतिः हलपोलपति सयाः प्राज्ञाथेः वेषभुक्कया पुरार्थमायादि न नि
जगदिस्वरः श्रीमहादेवपुजाया नावः लक्ष्मीसंपूर्णजुयावः प्रावथनी मा
तदानेधकंदे नावः ध्ववेत्तसः अप्सरपति संजीहवनेधालं हे सुंदरी ध
सकताः दयकीवः धर्मव्रतदाव्रधकं जीहवनेधालं हे स्वामि ध्ववेत्तसः
लंखवनेतानः समस्तसामाग्रीदयकाव्रतया ॥ ध्ववेत्तसः सामाग्रीकी नदय
पोनं हं नं जीसरिरदिषदेह जुयाव्रतं हे स्वामि ध्वनंती जीनजुलसां
परमेश्वरया गुधर्मव्रतदनाः धर्मव्रतदानेधुनकावः स्वानकोकयावः अप्सर
जीजुलसां वलाचाहगुली दयकावः बहीजागर्तनायानावः परमेश्वरया
सुहुः सुथाहापलातकंः आपातप्रधीतमध्वीः स्वग्वनसहीतनदयकावः
यकंदोयाः ध्वनंती जीनह्यानयायधुनकावः श्रीमहादेवपुजाया नावः

१
१० जुयाव. महाउं ह्य मन सेवाया नाव. श्वरबुहु नी स्पंजी सरीर चुली जाया
नंली. माघ सुक्रया पुर्य माया दिण स. स्वर्ग न अप्सरा पत्रि. थो थाय सको
दा नाव चो नः श्वरेल स. जी श्व पत्रि था सव नाव. जी न धया ॥ हे मा गु
क्रया पुर्य माया दि न निर्य. लक्ष्मी तो द्वि न स्वपोलः ह्यमान या नाव. श्री
पुरी जुयाव. प्राव थनी माघ सुक्रया पुर्य मा जुलो ॥ जीं हुव सु न धर्म प्र
गि हव ने धालं. हे सुंदरी धकं. प्रामो सारी न खु सिया. फिर लं व व ने तानं
धालं. हे स्वामि श्वरेल स. जी न जुल सां. अप्सरा पत्री सें धाया थे. फी व
व वेल स. सा मा ग्री की न दय का व त या गुली. सम सं सा मा ग्री त या र जुयाव
मि श्व नंली. जी न जुल सां. श्व सा मा ग्री न अप्सरा पत्रि सव ना पं. श्री स्वस्थानि
व. स्वान को क या वः अप्सरा पत्री जु को स्वर्ग था हा वि ज्पा तं ॥ हे प्रभु श्व नंली
त ना या नाव. पर मे स्वर या ज प ध्या न या नाव. रा वी द ना ॥ श्व नंली सा थी र
स्व ग्व न सही त न द य का व. महा वेग न ज्ञा नाव चो न सारी न धया खु सी स बु
श्री महा देव पुजा या नाव. सत द्वि पा अधीत मधीः पाल ना या नाव चो ठा. हे

नी गुरु
२६२

स्वामि. ध्वनेलस. जीन जुलसां. ध्वनेलसीहावनेधकं. मनन भाल पावचो. ॥
ध्वनेली जीन जुलसां. मनन भाल पावचो ना. हे ईश्वर. त्रिज्वलपोलया.
तो धकं. मनन सहर्ष मानया नावचो ना. ॥ ध्वनेलस. ध्वनेलस देसया लोकन.
धकं. जीवोन वला: हे प्रभु महाराज. ध्वनेल श्री स्वस्थानी परमेश्वरया. कृपा.
श्री स्वस्थानी परमेश्वर. ध्वनेल परमेश्वरया के कोति २५ मस्कार. हे स्वामी.
निसपादयान. श्री स्वस्थानी परमेश्वरया कृपान. जी ध्वनेल दीव देह जु.
संसारस. श्री स्वस्थानी परमेश्वरया ही कने मेव देवता मदु. देवयां देव.
के मफुल. ध्वनेल सुयस्व कोती देवता नं पुजा मानया नावत वल्लि ध्वनेल. ॥
आत्मा पुरुष जुयाव. पाप पुंरपया साही जुयाव. भ. की जन उधारया म्य.
स. कोती २५ मस्कार धकं. हे प्रभु महाराज धकं. ध्वनेल ईश्वरया कृपान. ॥
या. ॥ हे स्वामि जीन दुख कष्ट नया खकने धुनो: हे स्वामि ग्राव दल पो.
दस्य विज्जा हुने धकं विनतियातं. ॥ ध्वनेल चंद्रावतीया भाषा डे नाव. म.
नाव. नवरा जा प्रभृती सकलें. वीस्मय चायाव. ध्वनेल २ चंद्रावति धकं. न.

धनेधकं मनन भाल पाव चोडा ॥ भवेत्सहल पोल सेनं जीवो न कल हल
॥ हे ईश्वर त्वेव हल पोल या धर्म व्रत द नाव धनी जी स्वा मि या वा र्ता डे नैद
ल स भ श व न्य दे स या लोक न सुष पाल आदि न जी ना व हल पोल या आ शा
स्व स्या नो पर मे स्वर या कृ पा न हल पोल व हो ने द तो धन्य २ जी भा ग्य धन्य
कि को ति २ न म स्कार हे स्वा मी क पी ल ध या वा ह्न रा या डे प दे श न अ प रा प
पा न जी थ थी न दी व दे ह जु या व व लं ॥ धन्य २ त्व त्व ई स्वर हे प्र भु त्व
मे व दे व ता म दु दे व यां दे व का ल यां का ल ह्यं यो जी प नी स्पं यो ग न लु य
न प या ना व त व ह्यं धन्य ॥ भवी स्व सं सार उ धा र या स्य स म स त लो क या
या व भ नी जन उ धा र या स्य वि ज्पा क ह्यं ॥ त्व त्व ई स्वर या च र न क म ल
म कं त्व त्व ई श्वर या कृ पा न जी उ धा र जु या व हल पोल या द शी ग या त व
गु नो हे स्वा मि आ व हल पोल त्व दे श या रा जा जु या गु स म स त आ शा
व द्रा व ती या भा या डे ना व मं जी स हि त न स क ले नं त्व सु ख दु ख या ख डे
मा व धन्य २ चं द्रा व ति ध कं न व रा ज मा हा रा जा या ह व ने स क ल से नं अ

श्रीस्वस्था
२६३

ने गगनवर्ती नायातं ॥ धनंली ग्वमयजुन जुलसां चंद्रावतीयारवा
खडे नावः जीप्रति संतोष जुलोः हे भली वाः ग्रावदून भालतो र
नावडे व हे चंद्रावती हवकालसं दून भालतो जुलसां वधुयाउ पदे सवने धकं
जनि जुलसां महाकच नयाव दुष सियाव वजीहु ज्पा जुयाव कपास पे ज्पा
नाः हे भली बाधो नंली दह्यादि नसः स प्रअधिभर जीथास विज्यातं ध
प्रप्रतिकरु ना चायाव जीद रिद्र मो चनयाय धकं जीहवने ग्राजादय
ना चायधुनोः ग्रावद उधारयाय जी पनीसं उपदे सकने यक ची ते या नाव
पताया धर्मप्रतकथा दून ताक ना प्रताथके ॥ द्रपां धव धर्मप्रतजोने पौष शु
नयानाव महादेव पुजायाय महासुची जुयाव ॥ धनंली माघ शुक्ल या पुरा
थ मंफको पदार्थ दयके धुपदीप नैव दयकाव सोदस उपचारन श्रीस्वस्था
जुईव धकं थथे सप्रअधि पनीसं ग्राजादयक सेवीज्यातं थो वे लस को पी
व श्रीस्वस्थानी परमेश्वर या धर्मप्रत जीताउ पदे सवीयाव स्वर्गथा हा विज
जाथे पौष शुक्ल या पुरा माघ नुनीसं श्रीन स्वपोल हान याय मधान वे ल

गुन जुलसां चंद्रावतीयाखालस्वयावधालं हे चंद्रावति धन्य २६ न
लीचाः प्रावद्धन भालतो राजा गुर्वगुर्वसमस्तं कने रुक्मी नया
जुलसां धनुया उपदे सवने धकं वनं धनली हथवद्धे वने धकं वनं ॥ धवेलस
धजी हुज्पा जुयाव कपास पे ज्पा कयाव दी न हपोल जुको प्रनलात काव चो
प्रमधि श्वर जीथास विज्पातं धनं ली मधि श्वर प निस्पन जुलसां जीख ना
याय धकं जी हवने प्राजादय कलं हे ब्राह्मणी हतव दुखी ख नाव प्रती करु
उपदे सकने यक ची ती या नावने व धुधालसा श्री ३ स्वस्थानी परमेश्वर यादे
॥ कपां धव धर्म वत जोने पौष शुक्ल या पुरणि माखु नुनी स्पं दी न स्वपोल ह्मा
व ॥ धनं ली माघ शुक्ल या पुरणि माखु नु सत दी व च्यापात अधीत मधीदय के
काव सोद स उपचार न श्री स्वस्थानी परमेश्वर पुजायाय धवेलस ह न उधार
क से वी ज्पातं धो वेलस को पी तियात वले सुवर्णीया क बरी द्रु सज्वलत या
उपदे सवी याव स्वर्ग थाहा विज्पातं ॥ हे मली चा धव स प्रमधि श्वर या प्रा
स्वपोल ह्मान याय मधान वेलस श्री जगदि स्वर श्री महादेव पुजायाय

नी गुरु
२६३

श्री ३ स्वस्वानी परमेश्वरयाः हि न ह पुवाखा ह्याय ॥ ध्वनंती लक्षि संपूर्ण जु
आपात अधीत मधी दयके धु पदी पत्रैव ह्य गंगा जल श्री खंराद रक्त चं
सामा ग्री ताल लात काव ध्वशु दुध म्म व्रत दां वः थ मं फ को पु जा स्तु ती या य
या ना वः श्री स्वस्वानी परमेश्वर या ज प या स्प ची ना ध्व वे ल स जी न जु ल स
ज्व न सा हि त न ले न का व त याः हे चंद्रा वती ध्व नं ती रात्री या प्ये प ह ल व न ते
न जु ल सां ह ता स न ता हा पो जो ना व पी हा व या व ह ता स न ह न भाल तो या
ध म्म व्रत या ले न द व गु आ ली या त का व ध्व ते धु न का व जी न डे ना ह न स्वा
माल को क्रिया क र्म पीं द ग्रा दि न थ या व व य धु नो हे मा म ध कं जी त का नं ॥
ति न सो क या ना ॥ ध्व वे ल स ह न भाल तो न जी ता हे मा म ध कं विला प या रे
ध्व वे ल स जी न जु ल सां ना ना तर ह न विला प या ना व ध्व नं ती फ या थे ध्व
वे ल स ह न भाल तो न फ या थे वो ध वी या व जी के ने न हे मा म थ थी न दि न
ध धु प या वा स ना द व प्र जे ग सि सा खान पं चा मृत ग्रा दी न प्र जे ग फ ल प
थ नी ह ल पो ल या दु ज्पा ध कं जी के ने न हे भ ली चा जी न ह न भाल तो या त

॥ ध्वनंली लदिसं पुर्ण जुयाव माघ सुद्ध या पुरार्य माया दिन सः शत द्वी प्र
जा जल श्री खं राद रक्त चंदन गां मुल फल फुल दद्वि ना वर स्र थ मं फु को
थ मं फु को पुजा सु तीया य धुन का व अर्घ विय ॥ ध्वनंली च दी जा ग र्ग ना
ती ना ध्व वे ल स जी न जुल सां पुत्र न व र ज या त आ पा त अधी त म धी स
ली रात्री या प्ये प ह ल व न वे ल स द न भाल तो थे न क ल व ल ॥ ध्व वे ल स जी
न व द ता स न द न भाल तो या तु ती चा य का वः था ता वो ना व य ना ॥ हे भली चा ध्व
न का व जी न डे ना द न स्वा मि न जी त का नः जी व पु जुल सां स्व र्ग प्राप्ति जु लो
तो हे मा म ध कं जी त का नः ॥ ध्व वे ल स जी न ध्व ते वा र्ता डे ना व स्वा मि या नी मि
ता हे मा म ध कं विला प या से वि ज्पा य म ते ध कं वो ध वी या व त लं हे भली चा
ना व ध्व नं ली फ या थे धै र्य या ना व द न स्वा मि या र्हा ल स्व या व ची ना ॥ ध्व
ने न हे मा म थ थी न दिन स द ल जे ल या द्रु या ना व वी ज्पा ना अ ने ग शु जं
मृत प्रा दी न अ ने ग फल फुल म धी च धी न अ ने ग सा मा ग्री प री पु र्ण ध कं
वा जी न द न भाल तो या त क ना ॥ हे पु त्रे न व ध कं थ नी या दिन स जी नः

श्री स्वरथा
२६४

श्री ३ स्वस्थानी परमेश्वरया धर्मव्रतदंडा मेवताहुं यानामखुः हे पुत्र नवरण
मेस्वरया स्मरना याना हे पुत्र थथे धकं मनं भाल पाव थनी ध्वगुली धर्म
लसां ध्व धर्म व्रतया विधी वारणा प्रादिने कना ध्वनंली प्रातकाल जुयाव
वनं ॥ हे भली चा ध्व वेलस गंगास श्री हरी हर प्रतक्ष जुयाव हन भाल
हृदय देस हु नी ध्व देस या ए जा ह जुलो जीन की सिया के दु विना व चो ने ध्व
भी सेष विय धकं प्राज्ञा वियाव श्री हरी हर गंगास अ न धी न जुयाव वि
न जीत कां न वला ध्वनंली जीन जुलसां मनस प्रति हर्ष मान याना व ह
ध वियाः चीत स्नान प्रादिने विया ॥ कपाल सला हात तयाव प्रासिर्वा द वि
यमालः हे पुत्र हन श्री हरी हर या दयान जी काय ध्व देस या अधी पतिगु
स्थानी परमेश्वर धकं ध्व स्या प्रसादन जी पनी सेन ध्व ए जल क्षी वर प्र
व गुली कारन समस्त कने धुनो जीन दुख सिया व चो नाख कने धुनो ॥ हे भल
दुष कष्ट सिया व तु तिला हात थु था जुय काव महानर क स पद ल पाव चो ह
सामर्थ्य दव ध्व तेन हन ता धन्य र धाय जो ग्प ॥ हे चंद्रावती हनत परपानः

दुयानामखुः हे पुत्रनवरजः दून नानं थेने मालधकं आसीरफो नावः पर
 पावः थमी ध्वगुली धर्मवतदना ॥ हे चंद्रावती ध्वनंली दून भालतो जु
 ध्वनंली प्रातकाल जुयावः दून भालतो जुलसान् गंगासह्या नयाय धकं
 प्रतक्ष जुयावः दून भालतो यात वर प्रसाद विलं : हे शास्त्र रा धकं आव
 सियाके दुविनाव चोने ध्ववेलसः दध्वदे सस प्रायो जीन दून ता ए ज्यया प्र
 स अ न धी न जुयाव विज्यातं ॥ ६३ ॥ हे चंद्रावति ध्वतेखा दून भालतो
 प्रतिदृषमान या नावः दून भालतो यात व्यापात अधीत मधी ल व ज्ञा ज्ञा
 दातः तयाव प्रासिर्वाद वियाः हे पुत्रनवरजः दून मनोरथ कामना पूर्ण जु
 य ध्वदे सया अधी पतिगुलोः हे चंद्रावती ज्वल दून स्मरना या ना श्री स्व
 सेन ध्व ए जल क्षमी वर प्रसाद ला हा ॥ हे चंद्रावति दून भालतो राजा जु
 चो नाखकने कुनो ॥ हे भलीचा धन्य रथाय दध्ववः दून भालसाः दूपा महा
 हानरक सपदल पाव चो दध्व थ थोड नरक स चो नाव ईश्वर या चर्चा या य
 चंद्रावतीः दून त परपानः श्री स्वस्थानी परमेश्वरः संतुष्ट जुय काव थ व

नी गुरु
 २६४

स्त्रीरमुक्तजुयकाव. एनीजुलवयदतो॥ हे भलीचा. ध्वतेनसदाकालं.
 तेमतेव. वस्पोलयाप्रसादन. ईहलोकसंसुखसियाव. अंतकालसस्वर्ग
 एनीजुलो. सुखनराज्यभुक्तमान. जीकायनवरजया. सेवाभीनकंधान
 रयानाव. ध्वराज्ययाभोजयानावसुखनचोव॥ हेचंद्रावति. जीनयाना
 प्रतिकेहेजुव. मिलेजुयाव. ध्वराज्ययाविचारयानाव. स्वामिनवरज
 जुलंबृधप्रवस्थाजुलो. भलोसाहपनिनेत्रसयाकेजुलो॥ हेचंद्रावति
 तियातालचावियाव॥ नेत्रस्येनजुलसां. माजुयाप्राशाडे. नाव. मन
 पोलधंय२६लपोलसेनयानागुतपस्यानजीपनिसया. स्वामिनवर
 ध्वतेन६लपोलयातपस्यानहेमाजुधंय२६लपोलधकंधयाव. थीथीप
 ली. नवरजनजुलसां. समस्तमंत्रिपनिहवनेतयाव. चंद्रावति. एव
 न. ताकालं. कालहनावचोनं॥ ध्वनंली. नवरजनजुलसां. धर्म्मन
 काव. करकायाव. अष्टोकपुएनयाकथाप्रादिनडे. नाव. भीन२पंदि
 सास्वयाप्रमानथे. नितिनप्रजाप्रतिपालयानाव॥ ध्वदेशस. दुखिव

तीचा. ध्वतेन सदा कालं. श्री स्वस्वामि परमेश्वर या ज पध्या न नु गल स तोल
सियाव. अंत काल स स्वर्ग प्राप्ति जुई व. ॥ हे चंद्रावति. आरु ध्वरा व न्य देश या
राज या. सेवा भी न कं या नाव. ए ज्य च ची या नाव. दुखिद रिदु या त. उधा
॥ हे चंद्रावति. जीन या ना कर्म सम संख द न ता क ने धु नो. आरु रा वं न्य
रा या नाव. स्वामि न व रा ज या के. सेवा या नाव. परम सुख न चो व. ध कं. जी
स या के जु लो. ॥ हे चंद्रावती. रा वं न्य वति. ध्वता ल चा का व ध कं ध या व. धु कु
जु या आ शा डे. नाव. म न स प्रति ह र्य मान या नाव धालं. हे मा जु छ ल
पि प नि स या. स्वामि न व रा ज ए जा जु लो. जी प नि रा नी धाय का व चो ने द तो
पोल ध कं ध या व. थी थीं पर स्पर ख झा नाव. परम आ नं द न चो नं. ॥ ध्वनं
ने त या व. चंद्रावति. रा वं न्य वति. ने त्रि क ला त. ज वं स वं त या व. परम सुख
रा ज न जु ल सो. ध र्म न प्र जा प्रति पा ल या नाव. च तु र्दि सा सं रा ज्य खि य
न डे. नाव. भी न २ पं दि त प नि. थ व था स त या व. न्या य त्रि ति या नाव. ॥
नाव. ॥ ध्व देश स. दुखिद रिदु. सु नं म द य का व. ध न म दु ह्म या त ध र्णा

श्री स्वस्था
२६५

वियावः दे मद्रुह्यात दे वियावः वु मद्रुह्यात वु वियावः प्रजा लो
वियावः कि ती दय का वः प्रा ह्म ए प नि ष्ठा म द्रा सु व वियावः धर्म २
परमे श्वर या ध र्म व्र त जो ना वः श्री भ ग वा न जी ता पु रा ना दि
या ध र्म व्र त क था डे ना वः जो दा न ग्रा दी न अ ने क दा न पु र ण या न
न स्वे वा या त का वः मा म या त म द्रा पर म सु ख नं त या वः नी ति ध र्म न
व चो नं ॥ पु धी वं त गु या वः शा नि प स्ता था स २ ए ज्य या भा ए वियावः
कि र्ति ह्मा य का वः ध न्य २ श्री न व र ए ज धाय का वः ना ना भो ग या ना
द्रा व ति रा वं य व ति स हि त न अ ने ग सु ख भो ग या ना वः ज्व म य ज
ज्य भो ग या ना वः श्री स्व स्था नि पर मे स्व र या कृ पा न पर म ग्रा नं द
म नु र वे न श्व गु ली श्री ३ स्व स्था नी पर मे स्व र या रु क वी त न
व त प वि च गु या वः भ क्ती अ धा न सं यु क्त गु या वः ई स्व र या के म
अथ वा ज्व ह्म स्यं श्व पु रा णा दी क था ह्मा ई वः अथ वा ज्व ह्म स्यं दे स म

यातवु विद्याव प्रजा लोकयात फयाथें. महासुख विद्याव. अनेक दान
 महासुख विद्याव. वर्ष २ पतिं. नाना प्रदार्थ दयकाव. श्री स्वस्थानि
 वान. गीता. पुराणादि. अनेक दयकाव. श्री स्वस्थानी परमेश्वर
 न अनेक दान पुण्य या नाव ॥ थव मामज्व मय जुयाके. नेत्राकलात
 नंतयावः नीति धर्म न प्रजा प्रतिपाल या नाव. महापराक्रम थुला
 २ एज्या भाए विद्याव. भीन २ पंडित थव जवं ववं तयाव. थव जस
 काव. नाना भोग या नाव. यथे पदार्थ दयकाव. भोजन या नाव. चं
 व भोग या नाव. ज्व मय जुमा मसहितन. ताकालं परम आनंदन. ए
 कृपान. परम आनंदन. सुख न काल हानाव. चीन जुलो ॥ ज्व ह्म
 स्वर्णा. रुक चीन न. ईश्वर याके मन तयाव. थो महा उतम धर्म
 जुयाव. ईश्वर याके मन तयाव. ज्व ह्म सेन. थुगुली धर्म व्रत दानि व
 : प्रथवा. ज्व ह्म स्पेंडे सयनंदयकाव त ईव. श्व ह्म या ह्म स. दरी द जुई मखु

नीगुरु

२६५

हं नं नवग्रहदेवतानं सदा प्रसन्नजुयावचो नीव ॥ हं नं थो सं सालसः प्रनेक
थीय फई मधुः हं नं व न जंतुया भयमदु ॥ भुतप्रेतपिसाच दाकि निसाकि
खुया भयः राजाया भयः सनुया भयः श्वतेया भयनाश जुईवः प्रकालमृ
यायीवः ब्रह्मया लक्ष्मी पूर्ण जुईवः ज्वलमानं संतानवांदाया युवः श्वल्य
युः श्वल्यया सनुना सजुयावचो नीव ॥ ज्वलनं स्वर्गवांदाया युः श्वल्यया स्व
तरति वसमानः कलातलाईव ॥ गुलीतो धायः दुथव मननं वांदाया त
जज दोल द्वि या कया फलद युः कपील सा दोल द्वि दानवीया या फलः श्वते
गुलीतो धायः पंचमहापातकः ब्रह्महत्या प्रादिः श्वते महाप्रघोर पा
पास चो ने मुमाल ॥ ज्वलमनुष्यनः श्वल्य श्री ३ स्वस्थानी परमेस्वरयाः पु
य नः नवराज ब्राह्मणः ज्वमयजुः चंद्रावति ब्राह्मणिः उधार जुव थें उधा
लसः कैलासपुरि सवासलाईव ॥ स्वकी नंत जुको याय मालः गुलीतो
यायतः श्री ३ स्वस्थानी परमेस्वर थीं जाह्नमेव मधुः ब्रह्माः वीष्णुः रुद्रः

हं नं थोसं सलसः अनेक रोगदत्रः कफः प्रादिः अते रोगनः अत्र मनुष्ययोके
पिसाचः दाकि नि साकिनीः अ पनी स्पंदुख वियमफुः हं नं अग्रीया भय
यनाश जुईवः अकालमृत्यु प्रादि न नास जुईव ॥ हं नं अत्र नं वन वांदा
तान वांदाया युवः अत्र या सं तान दयिवः अत्र स्पेन सत्रु मोचके वांदाया
गं वांदाया युः अत्र या स्वर्ग वास जुयुवः अत्र न सि वांदाया युवः अत्र या
दुथ व्रमन नं वांदाया तः अगुली म नोर थ पूर्ण जुईवः हं नं अस्व मेध
दे दान वीया या फलः अते पुं एषः अधर्म व्रत दान अत्र या तलाईवः निश्चय नं
दिः अते महा अघोर पापः नाश जुया व्रव निवः अवे लसः मामया ज भ
स स्या नी पर मे स्वर याः अगुली धर्म व्रत द निवः अत्र मनुष्य यातः निश्च
अणिः उधार जुव थें उधार जुईवः ईद लोक सं महा सुखि जुया व्रः अं न का
तु को या य मालः गुली तो क्रायः अ सं सार हा डान स मुद्रः अ स मुद्र पार
व मरुः व्रत्ताः वीष्मुः रुद्रः अ स्पो ल या ज प व्याणः स्तोत्र पाथ वा दिक

श्री स्वस्था
२६६

एवमेवतानतरयमजु॥ ध्वतेसमस्तव्रतयासिनं-थुगुलीधर्मव्रतःमह
नीयाःप्राज्ञाश्रीस्वस्थानीपरमेस्वरयाधर्मव्रतकथा-नारदमुनि
प्राज्ञानारदमुनियामाज्ञाःश्रीस्वस्थानिपरमेस्वरकथासम
कंदृष्टातादृष्टंलीषितंमयाःयदिभुवंम्वाःमभुवंम्वाःममदोषन
चवदि१२दसिरोज३सःसाकोदेस-चलाशुतो-धलंकोदेयालो
याजुलोभुभूमसुनानंलोभयातसापंचमाहापातकलाई

ਜੀ ਗੁਰ
੨੬੬

थोननिशी माहादेवयामनसयार्वतियात गुलिचरित्रेकेनेधकं म ग
तकवनसथेनकलविजातं थोनलिशी कुमारजुलसां कैलासयर्व
थीयार्वति निसमदेवावनजुलसां श्री माहाब्रह्मा माहाविष्णुदेवराज
कासनं कोहावीज्यानाबधवगुतेजस्वरुययुकासयानाव मुसुड
भोवृह्माविष्णुईदुधन्यधन्यरुपनिसयागुः वलयराक्रमस्वयाव. जि
धालसाजिथीड. लयाड. कुलक यनिस्यनलोकपुलेकवतवधन
धन्यरधाया भोवृह्माविष्णुदेवराजईदुधक यनिस्येनयानागुः
पोलयनिस्र अक्षयवलवियरुपनिसेडुवरफेनेगुईकाजु
हामाहाविष्णुदेवराजईदुग्बलमनुष्यनः रुपनिसेनजुलसां
याठयात अथवाक ससुनुदयकावचोयावतलधलयाक स
वमसुनसगुलिजन्मसयानागुलियाय पंचमाहायाप आदिन

रिवेकेनेधकं म गयारुयधरलयाव म गयारुयधारनायानाव श्लेषमां
लसांकेलासयर्वतसथेनकलविज्याताव स्वतनासेनलि श्री माहादेव
माहाविष्णुदेवराजईद्वन जुलसां असतुतियाक गुंसतोष गुयाव आ
सयानाव मुसुडुनदिलाव स्व लसया बाल स्व याव आशादयकल
क्रमस्वयाव जि जुलसां युतिसं च व जुय धुनः गथेन संतोखधक
लेक वत वधन गुसा मथद्व धतेन आव क यानि स्व लसयातं
नेस्तेन यानागु असतुतिनः जि युतिसंतोष धुय धुन आव कल
हने गुई का जुल उ गुलि वरको व जिन विष जुल धकं भो व
निसेन जुलसां जि के तो व यानागु असतो जुलसां गो लसेन
नध लया के स युतिन या भयलं वया भय सुतुया भय कुई
हायाप आदिन स म लया प ना स गुया व यु ई व हनं युत काल स

माहादेवया

माहाधी

श्रीस्वधा

जिगुलियसुयनियोजोतिस्वरूपमूर्ति ओलसयादर्शनलाईवः
गर्भसजन्मजुयमुमालधकं भोबुलामाहाविष्णुदेवरजई
गुभ्रजनजुलसाक्यनिसचल आदियानावसमस्तपानिलो
तिस्वरूपश्रीयसुयनित्यस्वरयाज्ञाआनेनावस्वसनेनचीयसु
युददिहिनायावःबुलानजुलसाविननियातं भोयरमेश्वरमेवत
धाननामजिगुनुगलसथातकावकुरुनाकृपायाशवविज्जायम
विज्जायमालधत्यनवरनयुसादफानेधकं भजगादिस्वरनाकाल
कोतिदेवलोकयातदर्शनवियावमोक्षेयागुस्थानकेलासपुरिस
०० ॐ दोलदतो हल

दसै न लाई वः बलामोक्ष गुई व थो लस यात गो वेल स मा म या
विष्णु देव रा ज ई दु डे न आ म रु प नि स या ला हा ति स ची न गु जि
म म स या नि लो क या उ धार गु ई व थु का धि क धि या व थो त जो
च ल से न ची य सु य त स्व र या गु च र न या दु का स को ति २ न स्मः
भो य र मे श्व र मे व ता व र रु पु यो ज न स दा का ल क ल यो ल या गु ज य
या श व वि ज्ञा य मा ल ह रा जि य नि स या गु शु य रा ध क्ष मा या ना व
ग दि स् व र मा का ल द तो के ला स स सु न्य गु या व ची न आव त्प नि स
न के ला स पुरि स था हा वि ज्ञा य त ल भो य र मे श्व र दे व द १००

निगुह

स्वस्ति श्री श्री

नवसयति नाथ धन आधुगुलिजन्मसदानुपुन्ययासपययातसा
आवधिजिसेनगगासमोलहुयावृद्धिनलकहितका १००००००
नवीयनुयेधिकसाहुतियानावसतिनामवृत्तनिनविनयनि
मयायमन जुयकावविष्वाक भोत्यामिद्वलबोलसेनआशादय
धनि

सतिहिरानिरामनर २७ रिगोममशुवकं विष्वा
धिमाराजायातविनति

स्वस्ति श्री श्री पुनाजो जे
मनि श्री श्री पुनाजो जे

माहाथा
२५२५१
१९

माहाथा

प्राप्तं यथा तस्मात् हनं लिप्युत्तु जन्मदरिद्रं गुणवृद्धं तन्मजु यीवं भोस्त्रिस्तति
नको १००००० सुवर्गात् भीष्मकं वासन अति त अभागत यति वदा
निन विनय निथानं भोस्त्रामिधम्य २६ लयोलदु थ्येदान यायध
सेन आशदय कुगु वसन्त सुवृजि व मेधकं विन तिया न्ना व सिक्ता
मम शुभ कं विष्णु दि स पाव ना नो न आ

सर्वो पुना जो जे इत्यादि सल गुन गारि स ए जा भा ए ला न धु
सर्वो पुना जो जे इत्यादि सल गुन गारि स ए जा भा ए ला न धु

५४

अथ भूतानां यथायोग्यम्

५४

५४

५४

20 65

ASRA AGGIES
2480